

रेलवे

रक्षा एवं
एयरोस्पेस

विद्युत
संयंत्रों के पुर्जे
और सेवाएं

व्यावसायिक
विद्युत संयंत्रों
के लिए
उद्योग 4.0
समाधान

थर्मल और
हाइड्रो पावर
विद्युत संयंत्रों
का
अंतरराष्ट्रीय
परिचालन

न्यूक्लियर
एवं
हाइड्रो

कोयले से
केमिकल
एवं
हाइड्रोजन

75
आजादी का
अमृत
समारोह

बी.एच.ई.एल.
BHEL

नए



अवसरों की तलाश
आयामों की ओर विस्तार

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
वार्षिक रिपोर्ट 2021-22





परिचय

- भारत का अपनी तरह का सबसे बड़ा इंजीनियरिंग और विनिर्माण उद्यम
- भारतीय कैपिटल गुड्स उद्योग में दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता
- देश की कुल स्थापित पारंपरिक विद्युत उत्पादन क्षमता में 53% हिस्सेदारी के साथ शीर्ष योगदानकर्ता
- अखिल भारतीय उपस्थिति: 16 विनिर्माण इकाइयां; 8 सेवा केंद्र



प्रस्ताव

- पावर—थर्मल, हाइड्रो, गैस , परमाणु और सौर पीवी
- परिवहन
- पारेषण (ट्रांसमिशन)
- रक्षा और एयरोस्पेस
- तेल एवं गैस
- ऊर्जा भंडारण
- जल

बीएचईएल

पावर एवं उद्योग क्षेत्र
में राष्ट्र को आत्मनिर्भर
बनाते हुए



उपस्थिति

- देश के सभी राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों में 461 कोयला, 422 हाइड्रो, 103 गैस, 12 परमाणु और 58 मेगावाट स्केल ग्रिड कनेक्टेड सोलर पीवी प्लांट
- सभी 6 बसे हुए महाद्वीपों के 88 देशों से व्यावसायिक संबंध

भारत की अग्रणी इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण कंपनी

पावर, उद्योग और अधोसंरचना क्षेत्रों के संधारणीय समाधानों का एकल स्रोत

प्रतिभाशाली और कुशल कार्यबल द्वारा समर्थित भारतीय विद्युत संयंत्र उपकरण निर्माताओं में निर्विवाद रूप से शीर्षस्थ कंपनी

देश के रणनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत

विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी और परिसंपत्तियाँ

भारतीय इंजीनियरिंग क्षेत्र में अनुसंधान व विकास एवं नवाचार पर सबसे अधिक निवेश

विषय सूची

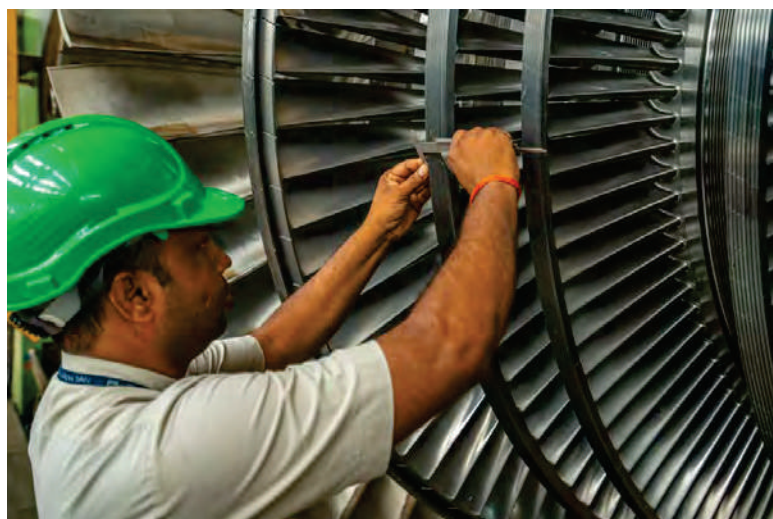
वार्षिक समीक्षा	4
शेयरधारकों को पत्र	4
बीएचईएल का नेतृत्व	8
वर्ष के दौरान बीएचईएल एक नजर में	14



कॉर्पोरेट प्रोफाइल	18
बीएचईएल का परिचय	18
अखिल भारतीय उपस्थिति	22
बीएचईएल की दुनिया	24
उत्कृष्टता का सम्मान	26



निदेशक मंडल रिपोर्ट	30
प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण	39
व्यावसायिक क्षेत्रों का परिचय एवं प्रदर्शन	42
वित्तीय प्रदर्शन का व्यापक विश्लेषण	66
कॉर्पोरेट अभिशासन	83
सतत विकास	108
व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं संधारणीयता रिपोर्ट	128
अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी उपलब्धियां	153



वित्तीय विवरण

179

एकल (स्टैंडअलोन) वित्तीय विवरण

180

समेकित वित्तीय विवरण

252



अतिरिक्त जानकारी

333

वित्तीय निष्पादन प्रवृत्ति

334

मूल्यवर्धित विवरण

337

उत्पाद सूची

338

शब्दावली

346

नोटिस

350



विशेषताएँ

सौर ऊर्जा का सदुपयोग

21

राष्ट्रीय महत्व की पारेषण
परियोजनाओं की
आपूर्ति

29

परिवहन प्रणाली के
प्रभावी, सुरक्षित और
हरित समाधानों में तेजी
लाना

51

रक्षा एवं एयरोस्पेस में
आत्मनिर्भरता

61

ई-मोबिलिटी को बढ़ावा

127

दीर्घकालिक फोकस
—उभरती प्रौद्योगिकियाँ

369



शेयरधारकों को पत्र

प्रिय शेयरधारक,

हमारे मूल्यवान शेयरधारकों को कंपनी की 58वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दो वर्ष तक घाटा सहने के बाद आपकी कंपनी वापस फायदे में आ गई है।

पिछला वर्ष चुनौतीपूर्ण रहा, जिसमें पहली तिमाही में ही कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण देश भर में विनिर्माण/ईपीसी उद्योग का परिचालन प्रभावित हुआ। चौथी तिमाही में कोविड-19 जनित प्रतिबंधों के कारण वैश्विक आपूर्ति शृंखला में हुए व्यवधान तथा भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण इनपुट लागत; विशेषतः इस्पात, सीआरजीओ, सीआरएनजीओ में हुई भारी वृद्धि ने इन चुनौतियों को और भी बढ़ा दिया। तथापि, पूरे वर्ष के दौरान निजी और सरकारी क्षेत्रों से निरंतर मांग के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादन कार्यकलापों में बढ़ोतरी जोकि विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है, से वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.7% की वृद्धि ने आर्थिक सुधार में सहायता की है।

इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, कंपनी द्वारा पिछले दो वर्षों में उठाए गए कदमों के परिणाम सामने आने लगे हैं। कुछ प्रमुख कदम इस प्रकार हैं: कंपनी की परिचालन विचारधारा को 'राजस्व केंद्रित' से 'परियोजना केंद्रित' में बदलना, व्यवसाय का विविधीकरण और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन आदि, जिनके परिणामस्वरूप पिछले पांच वर्षों में परियोजना स्थलों पर सबसे अधिक इरेक्शन हुए, अब तक की सर्वाधिक परियोजनाएं पूर्ण हुई, बकाया पंच पॉइंट्स की संख्या न्यूनतम हुई है, परमाणु और रक्षा व्यवसायों में अब तक की सबसे अधिक ऑर्डर बुकिंग हुई है, पुर्जों की आपूर्ति और सेवा के दीर्घावधि करार उच्चतम संख्या में हुए हैं और अन्य खर्च कम होकर इस दशक के न्यूनतम स्तर पर गए हैं।

मुख्य निष्पादन उपलब्धियां

- आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में परिचालन से 21,211 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जो पिछले वर्ष के 17,308 करोड़ रुपये की तुलना में 23% अधिक है।

- कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 410 करोड़ का कर पश्चात लाभ (PAT) कमाया, जबकि पिछले वर्ष में हमें 2,717 करोड़ का घाटा हुआ था।
- व्यापार प्राप्य (वसूली योग्य) पिछले 10 वर्षों में अपने न्यूनतम स्तर 6,229 करोड़ रूपए पर है। जो पिछले वर्ष 7,213 करोड़ रूपए था। नकद और बैंक शेष (अल्पकालिक उधारों का शुद्ध) भी पिछले वर्ष के 1,868 करोड़ से बढ़कर 2,409 करोड़ रूपए हो गया है।
- आपकी कंपनी ने गहन प्रतिस्पर्धा और विषम बाजार स्थितियों के बावजूद 23,693 करोड़ रुपये के ऑर्डर हासिल किए।
- कंपनी ने नाभिकीय ऊर्जा सेगमेंट और उत्सर्जन नियंत्रण व्यवसाय में अपने नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखा है। बीएचईएल को परमाणु क्षेत्र में फ्लीट मोड के अंतर्गत अब तक का सबसे बड़ा आदेश मिला है, जिसका मूल्य 12000 करोड़ रुपये से अधिक है।
- कंपनी को दो उन्नत एसआरजीएम (भारतीय युद्धपोतों की मुख्य बंदूक) का पहला ऑर्डर प्राप्त हुआ है जिसका देश में एकमात्र आपूर्तिकर्ता बीएचईएल ही है।
- आपकी कंपनी ने थर्मल पावर प्लांट के लचीले परिचालन के लिए पहला ऑर्डर बुक किया है, जो ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को देखते हुए ग्रीड स्थिरीकरण के लिए भविष्य की जरूरत है। यह आदेश निष्पादन के अंतिम चरण में है। कंपनी को 'वंदे भारत एक्सप्रेस' (ट्रेनसेट्स) के प्रोपल्शन इलेक्ट्रिकल्स के लिए भी प्रथम आदेश प्राप्त हुआ है, जिससे बीएचईएल ने मध्यम-उच्च गति रेल खंड में प्रवेश किया है।
- बीएचईएल अब तक 150 मेगावाट से अधिक फ्लोटिंग सौर विद्युत संयंत्रों को कमीशन कर चुका है जिसमें रामागुंडम में देश का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र भी शामिल है। इसी के साथ बीएचईएल देश में फ्लोटिंग सौर खंड में ऐसा सबसे बड़ा ईपीसी सेवा प्रदाता बन गया है जो अन्य जल स्रोतों के साथ-साथ सभी जटिल साइटों जैसे झील, तालाब, नहर, जलाशय पर फ्लोटिंग सौर विद्युत संयंत्र लगाने का विकल्प देता है। ऐसे समाधानों से स्वच्छ विद्युत उत्पादन के साथ-साथ वाष्पीकरण को कम करके जल संरक्षण का दोहरा लाभ मिलता है।
- आपकी कंपनी ने इस वर्ष के दौरान यूटिलिटी विद्युत परियोजनाओं के सेगमेंट में 3,305 मेगावाट क्षमता का एडिशन/सिंक्रोनाइजेशन कर लिया है।

आपकी कंपनी ने एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में, कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान न केवल अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों को बल्कि विभिन्न हितधारकों और समाज के अन्य पक्षों को बड़े पैमाने पर आवश्यक सहायता प्रदान की। कंपनी ने लगभग पूरे उत्तराखंड, पश्चिमी यूपी, एनसीआर के कुछ हिस्सों और भोपाल शहर के लिए मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन के 80,000 से अधिक सिलेंडरों की

आपूर्ति की, जिससे कई लोगों की जान बचाने में मदद मिली। कई अन्य पहलों के साथ-साथ; विनिर्माण इकाइयों/प्रभागों/परियोजना स्थलों पर टीकाकरण अभियान चलाए गए और सीएसआईआर-आईआईपी प्रौद्योगिकी पर आधारित ऑक्सीजन उत्पादन करने वाले संयंत्र विकसित किए गए और अस्पतालों को आपूर्ति की गई। आपकी कंपनी ने दुर्भाग्यवश कोविड-19 का ग्रास बने कर्मचारियों के आश्रितों को वित्तीय सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए 'कोविड सहायता योजना' भी शुरू की।

बढ़ते कदम

हाल ही में हुए भू-राजनीतिक घटनाओं और आपूर्ति शृंखला में आए व्यवधानों से आत्मनिर्भरता के साथ-साथ देश की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उपकरणों/प्रणालियों की एक विस्तृत शृंखला के स्वदेशी डिजाइन, विकास और विनिर्माण हेतु एक पारिस्थितिकी तंत्र की तेजी से स्थापना करने की आवश्यकता उत्पन्न हुई है। भारत सरकार की आत्म-निर्भर भारत पहल भारत के साथ-साथ विश्व के लिए भारत में विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विशेष रूप से ऊर्जा, रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारतीय विनिर्माण उद्योग को बड़े अवसर प्रदान कर रही है।

कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और पूरे यूरोप में हाल के ऊर्जा संकट ने देश में ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया है और भारत को अपने व्यापक कोयला भंडारों का उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया है ताकि पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम हो सके। इसलिए वाले वर्षों में कोयले के स्वच्छ उपयोग की प्रौद्योगिकियों के रफ्तार पकड़ने की संभावना है। देश के निवल शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निकट भविष्य में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को मुख्य स्तर पर आने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रो और उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण क्षेत्र तीव्र प्रतिस्पर्धी बाजार में व्यापार के अवसर देते रहेंगे। विद्युत उत्पादन के स्रोत से निरपेक्ष पारेषण संबंधी उत्पादों और प्रणालियों की मांग में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। भारतीय रेल और रक्षा क्षेत्रों का आधुनिकीकरण कार्यक्रम भविष्य में विकास के नए अवसर प्रदान करेगा।

इस उभरती स्थिति के चलते अल्पकालिक और मध्यम अवधि में समयबद्ध और उच्च गुणवत्तापरक आपूर्ति/निष्पादन सहित प्रतिस्पर्धी लागत अस्तित्व बनाए रखने की कुंजी होगी, जबकि दीर्घकालिक सतत विकास के लिए कंपनी का इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकीय कौशल महत्वपूर्ण होगा।

अतः कंपनी की रणनीतिक योजना 2022-27 में निम्न तथ्यों पर ध्यान दिया गया है: अल्पावधि के लिए; नए व्यवसायों में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए विविधीकरण पहल को तेज करते हुए, समयबद्ध, लागत अनुकूल एवं गुणवत्तापरक परियोजना निष्पादन के लिए उपायों एवं पहलों के माध्यम से कंपनी को विकास के मार्ग पर वापस लाना और पारंपरिक व्यवसाय में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर ऑर्डर बुक

पाइपलाइन बनाना तथा दीर्घावधि के लिए रक्षा, एयरोस्पेस, रेल परिवहन एवं शहरी परिवहन के साथ-साथ उभरती प्रौद्योगिकियों के आधार पर भविष्य के व्यवसायों जैसे कार्बन कैचर, हाइड्रोजन वैल्यू चेन, एडिटिव मैनुफैक्चरिंग, IIoT आधारित समाधान के क्षेत्रों में निर्माण क्षमताओं एवं बाजार को विकसित करना।

स्पष्ट है कि भारत के पास अपने विशाल कोयला भंडारों और तेल एवं गैस भंडारों की कमी के चलते अपने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कोयले का उपयोग जारी रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। साथ ही, देश पृथ्वी के जिम्मेदार रहवासी के रूप में अपनी भूमिका और आवश्यक योगदान के प्रति सजग है। हमने सीओपी26 में इस दिशा में कार्य करने हेतु विशेष प्रतिबद्धताएं की हैं। इस स्थिति में, कोयले के स्वच्छ उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों को केंद्रीय स्तर पर ले जाने की आवश्यकता है।

कंपनी द्वारा एनटीपीसी और आईजीसीएआर के सहयोग से सफलतापूर्वक विकसित उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) तकनीक कोयला आधारित विद्युत उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ दक्षता प्रदान करती है और इसमें सबक्रिटिकल तकनीक आधारित विद्युत संयंत्र की तुलना में CO₂ उत्सर्जन को 20% तक कम करने की क्षमता है। देश में सबक्रिटिकल तकनीक पर आधारित 145 गीगावॉट से अधिक की स्थापित क्षमता और उसमें से 45 गीगावॉट से अधिक 20 वर्ष से अधिक पुरानी स्थापित क्षमता को देखते हुए उक्त तथ्य और महत्व प्राप्त करता है। कोयला गैसीकरण एक अन्य तकनीक है जिस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, क्योंकि यह तकनीक कोयले से प्राप्त सिनगैस को विभिन्न प्रकार के रसायनों (जो वर्तमान में आयात किए जाते हैं) में परिवर्तित करने के साथ-साथ आईजीसीसी विद्युत संयंत्रों को विद्युत आपूर्ति की क्षमता रखती है।

आपकी कंपनी द्वारा हाल में किए गए सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी विकास प्रयासों के परिणामस्वरूप पिछले वर्ष हैदराबाद में स्वदेशी रूप से विकसित 0.25 टीपीडी कोल टू मेथनोल संयंत्र का सफल प्रदर्शन हुआ, जो उच्च राख वाले भारतीय कोयले का प्रयोग करने वाला अपने प्रकार का पहला संयंत्र है। अब एक समर्पित टीम इस प्रौद्योगिकी के समयबद्ध उन्नयन और वाणिज्यीकरण के लिए कार्य कर रही है जो आपकी कंपनी को भारत सरकार के 2030 तक 100 मीट्रिक टन कोयला गैसीकरण लक्ष्य प्राप्त करने के राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन से उत्पन्न होने वाले अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी। आपकी कंपनी देश में कोयला और लिग्नाइट आपूर्तिकर्ताओं के साथ चर्चा कर रही है, ताकि देश में इस प्रकार के संयंत्र स्थापित किए जा सकें।

कार्बन कैचर एक अन्य उभरता हुआ क्षेत्र है जिससे कोयला आधारित प्रौद्योगिकियों के निरंतर उपयोग में तेजी आने की उम्मीद है। कंपनी

भविष्य में सभी अवसरों का लाभ उठाने के लिए स्वयं को उचित रूप से तैयार कर रही है। बीएचईएल 66 एफजीडी तथा 11 एससीआर के आर्डर बुक करने के साथ, अब भी उत्सर्जन नियंत्रण कारोबार में अग्रणी है। इन परियोजनाओं के निष्पादन की समयसीमा तथा मितव्ययिता में सुधार के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों में महत्वपूर्ण एफजीडी उपकरणों का इंजीनियरिंग अनुकूलन, स्वदेशीकरण और एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली का उपयोग एवं साइट डाटा डिजिटलीकरण शामिल हैं। ये प्रयास पिछले वर्ष बड़ी विद्युत परियोजनाओं में पहले से ही कार्यान्वित किए जा चुके।

बीएचईएल भारतीय परमाणु ऊर्जा क्षेत्र का अग्रदूत रहा है। हम भारत के परमाणु कार्यक्रम के सभी तीन चरणों से जुड़ी एकमात्र कंपनी है। बीएचईएल ने परमाणु टरबाइनों और जनरेटर्स के एकमात्र स्वदेशी आपूर्तिकर्ता के रूप में पीएचडब्ल्यूआर प्रौद्योगिकी आधारित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को 14 टीजी सेट की आपूर्ति की है। जबकि शेष ने 4 कई दशकों पहले रूस और कनाडा से आयात किए थे। कंपनी आने वाले वर्षों में परमाणु ऊर्जा के महत्व को ध्यान में रखते हुए, विविध राष्ट्रीय आवश्यकताओं अनुरूप नाभिकीय उपकरण के डिजाइन, विकास और विनिर्माण में अपनी स्थिति को मजबूत करने और विस्तार देने का प्रयास कर रही है।

भारतीय रेलवे ने अपने इतिहास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में से एक कार्यक्रम शुरू किया है जिसके अंतर्गत व्यापक पैमाने पर पारंपरिक ट्रेनों के स्थान पर ट्रेनसेट (रेलगाड़ियों) को अपनाया जा रहा है साथ ही उच्च क्षमता वाले रेल इंजनों की खरीद की जाती है और सिग्नलिंग सिस्टम का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। बीएचईएल अत्यधिक संख्या में लोकोमोटिव एवं विविध बीएचईएल उपकरणों वाले ईएमयू की आपूर्ति कर भारतीय रेलवे का महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता रहा है। कंपनी को वंदे भारत ट्रेनों के लिए अंडरस्लंग प्रोपल्शन उपकरण की आपूर्ति का अपना पहला ऑर्डर मिला है और रेल परिवहन क्षेत्र में अपनी नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखने के लिए केंद्रित प्रयास कर रही है, जिसके लिए इस क्षेत्र की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कंपनियों के साथ प्रौद्योगिकी और विनिर्माण सहयोग करार कर रही है।

आपकी कंपनी पिछले पांच दशकों से रक्षा क्षेत्र के विभिन्न अनुप्रयोगों हेतु विशेष उपकरणों और प्रणालियों की एक विस्तृत शृंखला की आपूर्ति कर रही है। आपकी कंपनी ने अन्य कई उत्पादों के साथ-साथ, भारतीय युद्धपोतों की मुख्य तोप-उन्नत एसआरजीएम, लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए हीट एक्सचेंजर्स, स्थायी चुंबक मोटर प्रौद्योगिकी-आधारित उत्पादों, और सामरिक जहाजों और युद्धपोतों के लिए प्रणोदन प्रणाली के लिए स्वदेशीकरण की पहल की है। हमने हाल

ही में भारतीय नौसेना जहाजों हेतु अधिक दक्ष एवं अनेक रणनीतिक क्षमताओं से युक्त कई अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम के निर्माण के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय ओईएम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हाल के भू-राजनीतिक परिवर्तनों से रक्षा बलों के लिए विभिन्न उपकरणों की खरीद और संचालन हेतु उत्पन्न कई चुनौतियों को देखते हुए, आपकी कंपनी विभिन्न पुर्जों/घटकों के स्वदेशी विकास और आपूर्ति के लिए सामने आई है।

ईवी चार्जर और हाइड्रोजन वैल्यू चेन जैसे आगामी क्षेत्रों में अवसरों का लाभ उठाने के लिए, समर्पित व्यावसायिक समूह इन अपेक्षाकृत नवीन क्षेत्रों में भागीदारी और पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए सभी पक्षों जैसे सरकारी एजेंसियों, ग्राहकों और अनुसंधान संस्थानों आदि के साथ मिलकर ठोस प्रयास कर रहे हैं।

आपकी कंपनी, देश के इंजीनियरिंग आयातों के साथ-साथ कंपनी द्वारा आयातित विभिन्न उपकरणों के स्वदेशीकरण का भी प्रयास कर रही है। इस वर्ष के दौरान, एफजीडी प्रणालियों में प्रयुक्त कई उपकरणों का सफलतापूर्वक स्वदेशीकरण किया गया है। तेल एवं गैस खंड में प्राप्त विकासोन्मुख आदेश भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल में योगदान करने के लिए कंपनी के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करते हैं।

बीएचईएल देश में गुणवत्ता आंदोलन का अग्रदूत है और अपनी स्थिति तक फिर से पहुँचने के लिए पिछले दो वर्षों में व्यापक गुणवत्ता प्रथम अभियान के अंतर्गत कई पहलों की गई हैं। इनमें अन्य पहलों के साथ-साथ "गुणवत्ता 360" मॉडल के अनुसार गुणवत्ता प्रणालियों की परिपक्वता बढ़ाना, गुणवत्ता कन्वर्सेशन "कॉन्वर्स Qonverse" के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना शामिल है। हमारी एचईईपी हरिद्वार और एचईपी भोपाल इकाइयों के "सीआईआई एकजिमा बैंक अवार्ड फॉर बिजनेस एक्सीलेंस 2021" के अंतर्गत प्रतिष्ठित प्लेटिनम सम्मान तथा एचपीबीपी त्रिची एवं एचपीईपी हैदराबाद इकाइयों के गोल्ड प्लस सम्मान प्राप्त करने से यह परिलक्षित होता है कि गुणवत्ता पर निरंतर और सतत ध्यान दिया जाता है।

किसी भी संगठन की सफलता में मानव संसाधन सबसे महत्वपूर्ण योगदान करता है। आपकी कंपनी ने कर्मचारियों के कौशल, सहभागिता और उत्पादकता में सुधार लाने के साथ-साथ बदलते कारोबारी माहौल में कार्यबल को बेहतर बनाने के लिए अपने प्रयास जारी रखे हैं। कार्यपालकों, पर्यवेक्षकों और कामगारों के कौशल एवं क्षमताओं के

उन्नयन हेतु जनशक्ति विकास पर फोकस करना, नेतृत्व विकास हेतु मूल्यांकन एवं विकास केंद्र, ऑनलाइन प्रशिक्षण हेतु ई-मॉड्यूल तैयार करना आदि विविध पहलें की जा रही हैं।

मुझे यह उल्लेख करते हुए खुशी हो रही है कि कंपनी बेहतर परियोजना निष्पादन, कड़े वित्तीय नियंत्रण, गुणवत्ता पर बल और मानव संसाधन विकास पर ध्यान केंद्रित करने के माध्यम से, निष्पादित की जा रही पुरानी परियोजनाओं में प्रतिकूल भुगतान शर्तों एवं प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के कारण चलनिधि (लिक्विडिटी) के मुद्दों की चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने के लिए एक केंद्रित और लक्षित तरीके से काम कर रही है। साथ ही, पारंपरिक एवं नए व्यावसायिक क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाकर एक वैश्विक इंजीनियरिंग उद्यम बनने के अपने विजन की दिशा में काम कर रहा है।

आभार

इन प्रयासों की सफलता केवल विभिन्न स्टैकहोल्डर्स के निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के माध्यम से ही संभव हो पाती है। मैं, कंपनी पर विश्वास बनाए रखने के लिए अपने प्रतिष्ठित ग्राहकों एवं व्यावसायिक भागीदारों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने हम पर भरोसा जताया। मैं अपने कर्मचारियों को उनकी लगन, जोश और कठिन परिश्रम के लिए धन्यवाद देता हूँ। निदेशक मण्डल के सदस्यों को निरंतर मार्गदर्शन देने के लिए तथा आप सभी प्रतिष्ठित शेयरधारकों को सहयोग करने तथा कम्पनी पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेषकर भारी उद्योग मंत्रालय का हमारे सभी प्रयासों में उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूँ।

मुझे विश्वास है कि वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही कई पहलों से हमें अपनी कंपनी के दीर्घकालिक संधारणीय और लाभप्रद विकास के लिए मजबूत आधार बनाने में सहायता मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित।



(डॉ. नलिन सिंघल)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली,

4 सितम्बर, 2022

बीएचईएल का नेतृत्व

निदेशक मंडल की स्थिति 25.08.2022 को

कार्यकारी निदेशक



डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



श्री सुबोध गुप्ता
निदेशक (वित्त)



सुश्री रेणुका गेरा
निदेशक
(इंडस्ट्रियल सिस्टम्स एवं उत्पाद)



श्री उपिन्द्र सिंह मठारू
निदेशक (पावर)
अतिरिक्त प्रभार—मानव संसाधन
(22.04.2022 से)



श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव
निदेशक
(इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास)

सरकारी निदेशक / अंशकालिक सरकारी निदेशक



श्री शशांक प्रिय
अपर सचिव एवं वित्तीय
सलाहकार, वाणिज्य एवं
उद्योग मंत्रालय



श्री विजय मित्तल
संयुक्त सचिव,
भारी उद्योग
मंत्रालय

स्वतंत्र निदेशक



श्री राज कमल बिंदल
स्वतंत्र निदेशक



श्री मनीष कपूर
स्वतंत्र निदेशक



डॉ. राज के अग्रवाल
स्वतंत्र निदेशक



डॉ. के शिव प्रसाद
स्वतंत्र निदेशक



डॉ. लेखाश्री समंतसिंघार
स्वतंत्र निदेशक

बीएचईएल का नेतृत्व

प्रबंधन समिति

25.08.2022



डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



सुबोध गुप्ता
निदेशक (वित्त)



रेणुका गेरा
निदेशक
(इंडस्ट्रियल सिस्टम्स एवं उत्पाद)



उपिन्द्र सिंह मठारू
निदेशक (पावर)
अतिरिक्त प्रभार-मानव संसाधन
(22.04.2022 से)



जय प्रकाश श्रीवास्तव
निदेशक (इंजीनियरिंग,
अनुसंधान एवं विकास)



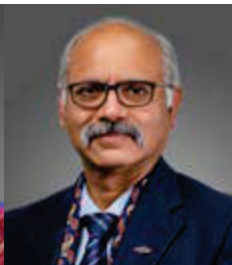
शकील कुमार मनोचा
कार्यपालक निदेशक (पीएसएम-
टी एंड जी, एनटीपीसीबीजी) नई दिल्ली,
अतिरिक्त प्रभार- एसएसबीजी, नोएडा



अनिल जोशी
कार्यपालक निदेशक (सीओसी)
नई दिल्ली



अलका टुटेजा
कार्यपालक निदेशक (पीएस-पीईएम)
नोएडा



राजीव भटनागर
कार्यपालक निदेशक (सीएसएम),
सचिव-प्रबंधन समिति,
अतिरिक्त प्रभार- आईओ एवं सीसी
नई दिल्ली



एस के ग्रोवर
कार्यपालक निदेशक
(ईएसएसजी, न्यू बिजनेस एरिया एवं
आईपीएम), नई दिल्ली



जी मुरली
कार्यपालक निदेशक (पीएस-एसआर),
चेन्नई



पंकज गुप्ता
कार्यपालक निदेशक (एसबीडी),
बेंगलुरु



प्रवीण चन्द्र झा
कार्यपालक निदेशक
(एचआईपी एवं सीएफएफपी), हरिद्वार



एस बी नैथानी
कार्यपालक निदेशक
(सीएमडी सचिवालय),
अतिरिक्त प्रभार सीडीटी, नई दिल्ली



मनोज कुमार सिन्हा
महाप्रबंधक प्रभारी (एचबीजी)
नोएडा



मिलिंद गिरीश कोप्पिकर
महाप्रबंधक प्रभारी (आईएसजी),
बेंगलुरु



एस वी श्रीनिवासन
महाप्रबंधक प्रभारी (एचपीबीपी),
तिरुचि

					
पी सुधीर बाबू महाप्रबंधक प्रभारी (पीई एवं एसडी), हैदराबाद	टी एस युरली महाप्रबंधक प्रभारी (सीक्यू एंड बीई), अतिरिक्त प्रभार सीटीएम, नई दिल्ली	राजीव सिंह महाप्रबंधक प्रभारी (बीएपी), रानीपेटी	पंकज जैन महाप्रबंधक प्रभारी (पीसीएसजी), नोएडा	मीना केसरी महाप्रबंधक प्रभारी (टीबीजी), नोएडा	पुष्पेंद्र कुमार सक्सेना महाप्रबंधक प्रभारी (पीएस-एचक्यू एवं पीएस-पीएमजी), नई दिल्ली
					
अमित केरकेट्टा महाप्रबंधक एवं प्रमुख (कंपेक्स एवं एसएस एवं पी) नई दिल्ली अतिरिक्त प्रभार-एफएसआईपी, जगदीशपुर	बी बालसुब्रमण्यम महाप्रबंधक एवं प्रमुख (एनबीजी), नोएडा	टी एस वरदराजन महाप्रबंधक एवं प्रमुख (एचपीईपी) हैदराबाद, अतिरिक्त प्रभार- एचपीवीपी विजाग	के रविशंकर महाप्रबंधक एवं प्रमुख (कोपी आर एंड डी) हैदराबाद	एम तिरुनीलकंदम महाप्रबंधक एवं प्रमुख (कॉर्पोरेट वित्त), नई दिल्ली	संजीव कुमार काक महाप्रबंधक एवं प्रमुख (आरओडी), नई दिल्ली
					
नरेंद्र कुमार महाप्रबंधक एवं प्रमुख (सीपीपीपी एवं पीएमजी), अतिरिक्त प्रभार-डीएबीजी नई दिल्ली	सुशील कुमार बवेजा महाप्रबंधक एवं प्रमुख (एचईपी), भोपाल	विनय निगम महाप्रबंधक एवं प्रमुख (टीपी), झांसी	अरुमोय मुखर्जी महाप्रबंधक एवं प्रमुख (पीएस-डब्ल्यूआर), नागपुर	प्रदीप किशोर महाप्रबंधक एवं प्रमुख (पीएस-ईआर), कोलकाता	के एस मूर्ति महाप्रबंधक एवं प्रमुख (सीओएम), नई दिल्ली
					
बी वी एन किशोर महाप्रबंधक एवं प्रमुख (पीएस-टीएस), नोएडा	एम इसादोर महाप्रबंधक एवं प्रमुख (कॉर्पोरेट मा.सं.), नई दिल्ली	बानी वर्मा महाप्रबंधक एवं प्रमुख (ईडीएन), बेंगलूरु एवं टीबीएसजी, नई दिल्ली	सुरोजीत मण्डल महाप्रबंधक (पीएस-एनआर), नोएडा एवं परियोजना निदेशक एचपीसीएल, विशाखापट्टनम	जितेंद्र दास महाप्रबंधक (एमआईआई), नोएडा, एवं सीएफपी रुद्रपुर	संदीप कटारिया महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट आंतरिक लेखा परीक्षा), नई दिल्ली
					
राजीव कालड़ा कंपनी सचिव					

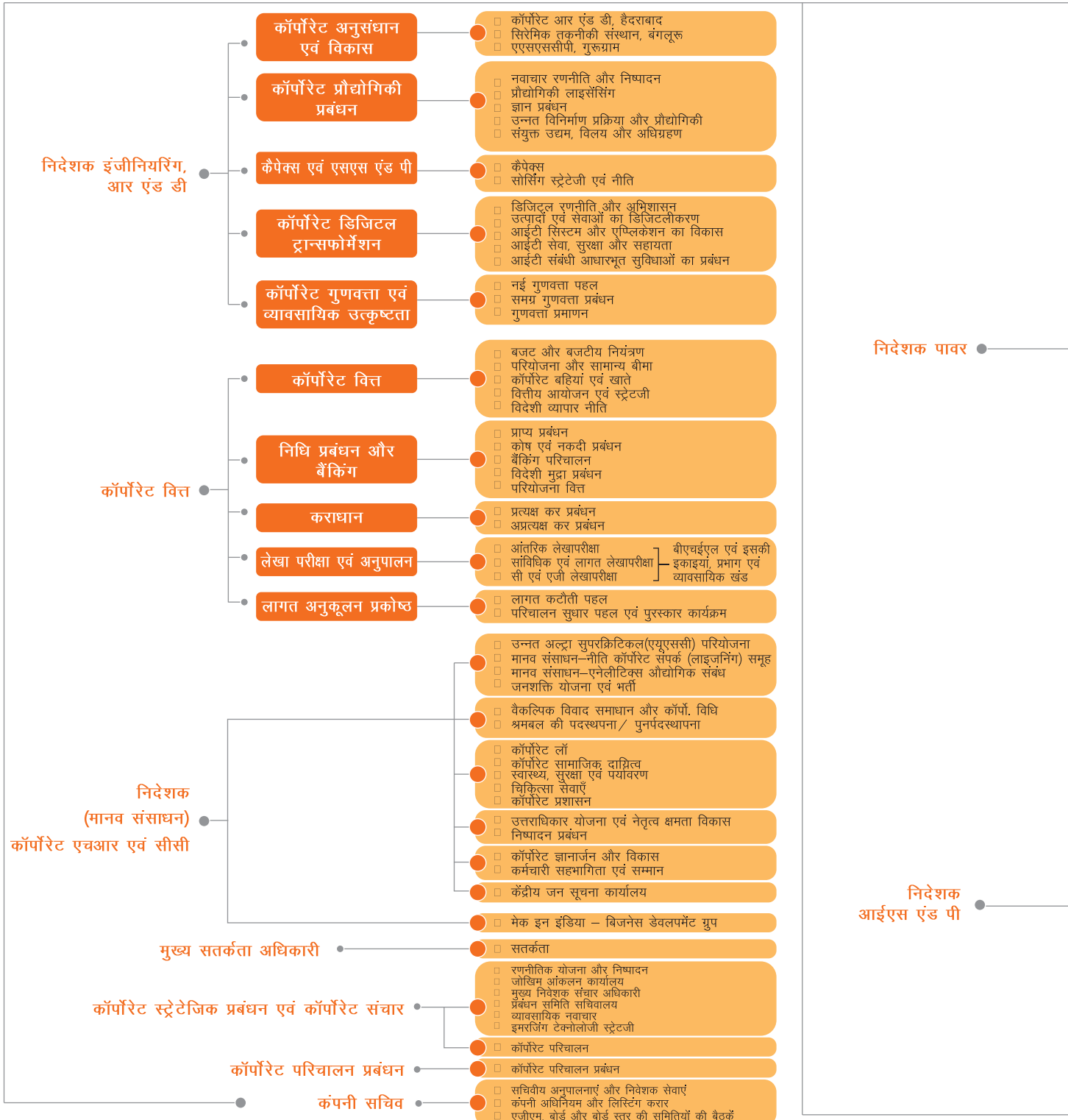
बीएचईएल का नेतृत्व

कॉर्पोरेट संगठनात्मक संरचना (25.08.2022 की स्थिति)

निदेशक मण्डल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कार्यात्मक निदेशकों की समिति प्रबंधन समिति



● प्रबंधन समिति

□ पावर क्षेत्र — विपणन (थर्मल और गैस)

□ एनटीपीसी बिजनेस ग्रुप

□ न्यूक्लियर बिजनेस ग्रुप

□ हाइड्रो बिजनेस ग्रुप

□ परियोजना प्रबंधन समूह

□ तकनीकी सेवा

□ प्रोजेक्ट क्लोजर सिनर्जी ग्रुप

□ परियोजना इंजीनियरिंग प्रबंधन

□ स्पेयर्स एंड सर्विसेज बिजनेस ग्रुप

□ हेवी इक्विपमेंट रिपेयर प्लांट, वाराणसी

□ इंडस्ट्रियल सिस्टम्स ग्रुप, बंगलूरु

□ पावर सेक्टर—उत्तरी क्षेत्र, नोएडा

□ पावर सेक्टर—दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई

□ पावर सेक्टर—पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता

□ पावर सेक्टर—पश्चिमी क्षेत्र, नागपुर

□ पावर सेक्टर—मुख्यालय, एमएसएस, मा. सं.

□ कैपिटल पावर एंड प्रोसेस प्लांट

□ आईएस — परियोजना प्रबंधन समूह

□ क्षेत्रीय परिचालन प्रभाग
(ट्रांसमिशन, इलेक्ट्रिकल व मैकेनेकल)

□ परिवहन व्यवसाय और सिस्टम समूह

□ रक्षा और एयरोस्पेस बिजनेस ग्रुप

□ ट्रांसमिशन बिजनेस ग्रुप

□ परियोजना इंजीनियरिंग और सिस्टम डिवीजन

□ ऊर्जा भंडारण समाधान समूह

□ जल व्यापार

□ अंतर्राष्ट्रीय परिचालन

● भोपाल

□ हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट

● हरिद्वार

□ हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट
□ सेंट्रल फाउन्ड्री फोर्ज प्लांट

● हैदराबाद

□ हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट

● तिरुचिरापल्ली

□ हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट, तिरुचि
□ सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट, तिरुचि

□ इंडस्ट्रियल वॉल्व प्लांट गोइंदवाल

□ पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट, तिरुमयम
एवं पाइपिंग सेंटर, चेन्नै

● रानीपेट

□ बॉयलर ओगजीलरी प्लांट

● बंगलूरु

□ इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, बंगलूरु
□ इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिवीजन, बंगलूरु
□ इलेक्ट्रिकल मशीन्स रेपेयर प्लांट मुंबई

□ सोलार बिजनीस डिवीजन, बंगलूरु²

● झांसी

□ ट्रान्सफॉर्मर प्लांट

जगदीशपुर

□ फैंब्रिकेशन स्टांपिंग एवं इंसुलेटर प्लांट 3

रुद्रपुर

□ कम्पोनेंट फैंब्रिकेशन प्लांट 1

● विशाखापत्तनम

□ हेवी प्लेट्स एंड वेसल्स प्लांट

1: रिपोर्ट निदेशक (मानव संसाधन)

2: रिपोर्ट निदेशक (औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद)

3: रिपोर्ट निदेशक (अभियांत्रिकी, अनुसंधान एवं विकास)

वर्ष 2021-22 की एक झलक



01

1,02,500 ₹
करोड़ के कुल शेष
ऑर्डर



02

गैर-कोयला व्यवसाय
विकसित करने पर विशेष
बल – परमाणु क्षेत्र में अब तक
के उच्चतम ऑर्डर



03

अब तक भारत तथा विदेशों में
194 गीगावाट से अधिक विद्युत
उत्पादक उपकरण स्थापित किए



04

मुख्य व्यवसाय में नेतृत्व देश
में उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों
के व्यवसाय में, बाजार में सबसे
बड़ी हिस्सेदारी



05

नए आयाम – उच्च राख वाले
कोयले से मेथनॉल के उत्पादन
हेतु स्वदेशी रूप से विकसित
गैसिफायर तकनीक वाला **0.25**
टीडीपी क्षमता का डेमोंस्ट्रेशन
प्लांट स्थापित किया



06

बीएचईएल GEM पोर्टल पर
विक्रेता के रूप में पंजीकृत
हुआ, जिससे **123 करोड़**
रुपये के ऑनलाइन ऑर्डर
प्राप्त हुए

वर्ष 2021-22 की एक झलक



07

एनपीसीआईएल से फ्लोट मोड के अंतर्गत ईपीसी आधार पर **6x700 मेगावाट टीजी** आइलैंड पैकेज की आपूर्ति के लिए अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर प्राप्त हुआ



10

विनिर्माण केन्द्रों के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन, उत्पादन प्रक्रियाओं की डीबोटलनेकिंग के लिए कंपनी की संपत्ति में **230 करोड़ रुपये** से अधिक की राशि का निवेश किया गया

08

नया व्यवसाय मॉडल - दो वर्ष की अवधि में स्पेयर्स क्रय के **आठ एलटीएसएसए** प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया



11

अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार में **700 करोड़ रुपये** का निवेश, **516** पेटेंट और कॉपीराइट दायर किए गए, **5,208** कुल बौद्धिक पूंजी



09

29MWp घरेलू अक्षय ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से **26.8** मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादित की गई



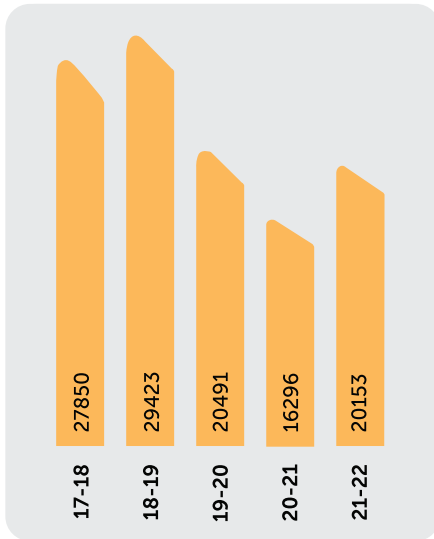
12

मानव संसाधन पूंजी: **30,758, 9000** से अधिक इंजीनियर

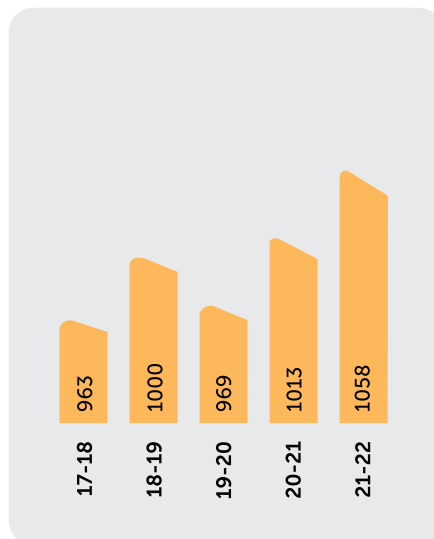
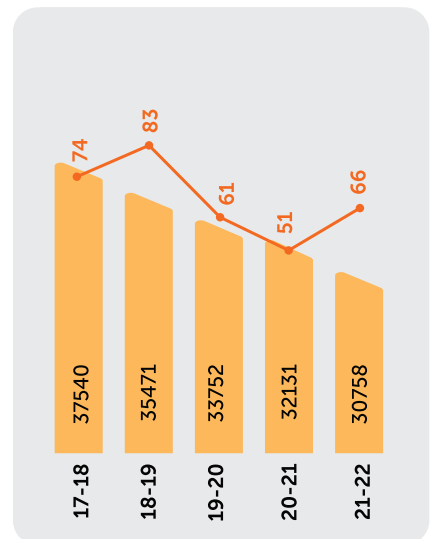
वर्ष की एक झलक

(आंकड़े ₹ करोड़ में हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

राजस्व

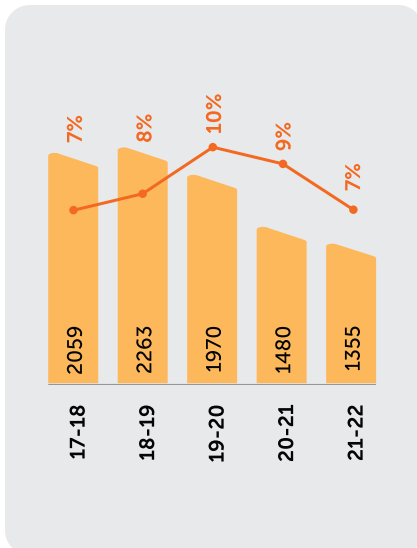


अन्य परिचालन आय


जनशक्ति (संख्या में) एवं
प्रति कर्मचारी राजस्व (₹ लाख में)


कुल (संख्या में) प्रति कर्मचारी से राजस्व (₹ लाख में)

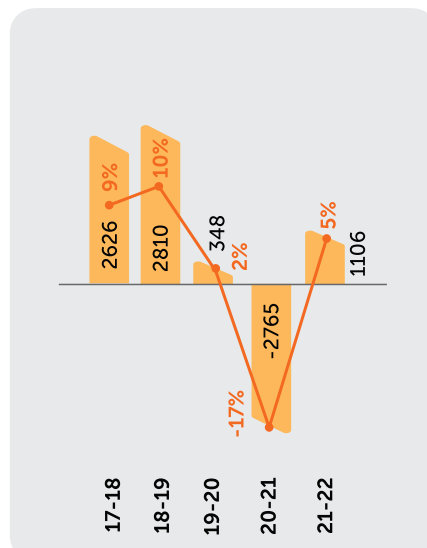
राजस्व % का अन्य व्यय



अन्य व्यय

राजस्व का %

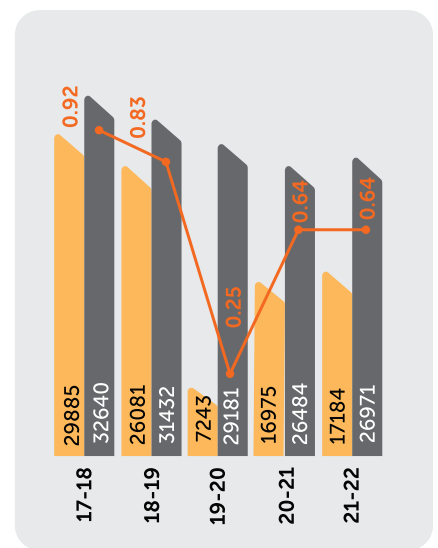
ईबीआईडीटीए



ईबीआईडीटीए

ईबीआईडीटीए राजस्व के % के रूप में

निवल मूल्य पर बाजार पूंजीकरण

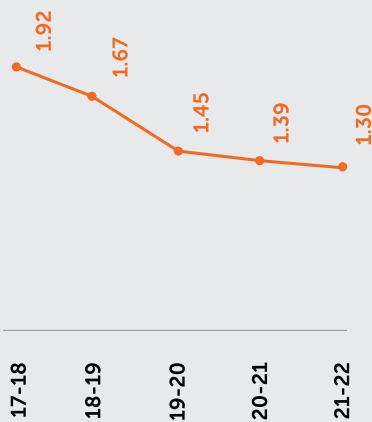

बाजार
पूंजीकरण

निवल मूल्य

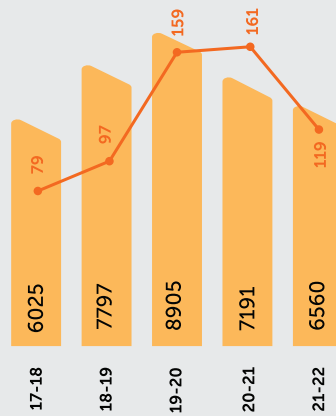
बाजार पूंजीकरण
निवल मूल्य के संदर्भ

वर्ष की एक झलक

चालू अनुपात



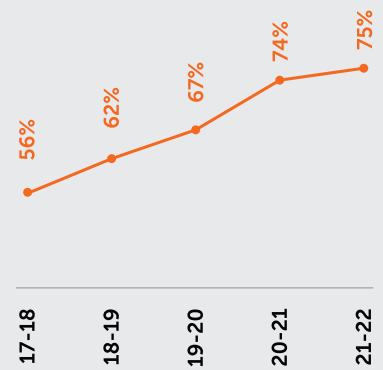
माल सूची की स्थिति रु करोड़ में
और दिनों की संख्या



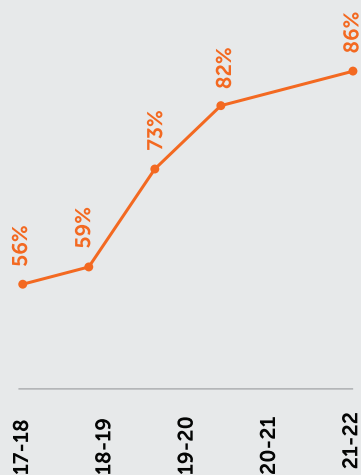
माल सूची

दिनों की संख्या में माल सूची

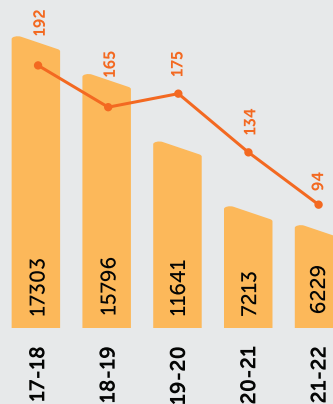
कुल क्षमता में से लिक्विडेशन का %
(प्रारंभिक निवल व्यापार प्राप्य + चालू वर्ष की निवल बिलिंग)



वर्तमान वर्ष की नेट बिलिंग से
लिक्विडेशन का %



व्यापार प्राप्य (रु करोड़ में) एवं
दिनों की संख्या



व्यापार प्राप्य

व्यापार प्राप्य (दिनों की संख्या में)

बीएचईएल का परिचय

बीएचईएल ऊर्जा तथा बुनियादी सुविधा (अधोसंरचना) के क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण उद्यम है। 1964 में स्थापित बीएचईएल दुनिया का अग्रणी विद्युत उपस्कर है और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सबसे पुराने और अग्रणी योगदानकर्ताओं में से एक है। हम पावर (थर्मल, हाइड्रो, गैस, न्युक्लियर और सोलर फोटो-वोल्टाइक), ट्रांसमिशन, परिवहन, अक्षय ऊर्जा, रक्षा व एयरोस्पेस, तेल एवं गैस तथा जल आदि क्षेत्रों में ग्राहकों को उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं का एक व्यापक पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं।

देश के प्रमुख औद्योगिक और रणनीतिक क्षेत्रों में कई क्षमताओं के निर्माण हेतु देश की विद्युत उत्पादन क्षमता को विकसित करने से लेकर अब तक, बीएचईएल आत्मनिर्भर भारत अभियान के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। आर एंड डी तथा नवाचार पर अपने राजस्व के 2.5% से अधिक का लगातार व्यय, विश्व स्तरीय संपत्तियों की स्थापना, नई प्रौद्योगिकियों का विकास और आमेदन, और युवाओं को कौशल प्रदान करने, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, शिक्षा, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण में पहल के माध्यम से स्थायी व्यावसायिक समाधान और बड़े पैमाने पर समाज में योगदान देना, हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वर्तमान में 30,000 से अधिक कुशल और प्रेरित कार्यबल पिछले कुछ वर्षों में हमारी यात्रा के पीछे प्रेरक शक्ति रहा है।

संपूर्ण भारत में बीएचईएल के 16 विनिर्माण केंद्र, 2 मरम्मत इकाइयां, 4 क्षेत्रीय कार्यालय, 8 सेवा केंद्र, 3 सक्रिय संयुक्त उद्यम, 15 क्षेत्रीय विपणन केंद्र, 3 विदेशी कार्यालयों का व्यापक नेटवर्क है और भारत एवं विदेशों में वर्तमान में 150 से अधिक परियोजना साइटों पर काम चल रहा है। बीएचईएल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विस्तृत शृंखला के उच्च गुणवत्ता से युक्त और टिकाऊ उत्पादों का विनिर्माण करता है।



सीएफएफपी हरिद्वार में भट्टी



बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए विद्युत उत्पादन उपकरणों का विश्व भर में स्थापित आधार 194 गीगावाट से अधिक है जो बीएचईएल को भारतीय विद्युत संयंत्र उपस्कर बनाने वाली कम्पनियों में निर्विवाद रूप से अग्रणी बनाती है। देश में थर्मल, हाइड्रो, परमाणु, गैस और सौर पीवी आधारित 1000 से अधिक विद्युत उत्पादन सेट स्थापित करने के बाद, कंपनी अब एयूएससी और कोयले से मेथनॉल जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास के साथ भविष्य में अधिक स्वच्छ और हरित ऊर्जा उपयोग के लिए मजबूत नींव बना रही है।

बीएचईएल भारतीय कैपिटल गुड्स उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में एक जाना पहचाना नाम है। भारतीय रेल के अत्यधिक लोकोमोटिव एवं ईएमयू में ट्रैक्शन उपस्करों की आपूर्ति, 225 से अधिक इलेक्ट्रिक सबस्टेशनों की स्थापना और देश में 6 प्रमुख एचवीडीसी परियोजनाओं की स्थापना, पावर ट्रांसफार्मर और इलेक्ट्रिक एसी मशीन का सबसे बड़ा विनिर्माता एवं आपूर्तिकर्ता है तथा देशभर में 1.2 गीगावाट से अधिक का सोलर पोर्टफोलियो का विस्तार इसका प्रमाण है।

पावर सेक्टर

बीएचईएल थर्मल, गैस, हाइड्रो और नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन में सिद्धहस्त होने के साथ विद्युत परियोजनाओं की समूची शृंखला के विनिर्माण की क्षमता रखने वाली दुनिया की चुनिंदा कंपनियों में से एक है। इसके उत्पादों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- जीवाश्म-ईंधन अनुप्रयोगों के लिए आनुषांगिक उपकरणों सहित 1000 मेगावाट इकाई आकार तक के स्टीम टर्बाइन, जनरेटर और बॉयलर तथा मैचिंग सहायक उपकरण
- SOx उत्सर्जन नियंत्रण के लिए फ़्युल गैस डिसल्फराइजेशन (FGD) सहित उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण प्रणाली, कण उत्सर्जन नियंत्रण के लिये उच्च दक्षता इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर, NOx उत्सर्जन नियंत्रण के लिए बॉयलर मॉडिफिकेशन और सिलेक्टिव कैटलिस्टिक रिडक्शन सिस्टम
- 299 मेगावाट यूनिट आकार तक गैस टर्बाइन और जनरेटर
- 400 मेगावाट यूनिट आकार तक के हाइड्रो टर्बाइन और जनरेटर
- 220/235/500/540/700MWe न्युक्लियर टर्बाइन जनरेटर सेट
- संयंत्रों के जीवन चक्र विस्तार और नवीकरण, आधुनिकीकरण, उन्नयन, अवशेष जीवन चक्र आकलन, समस्या निदान के माध्यम से संयंत्र के निष्पादन में संवर्धन

बीएचईएल की विश्व के सभी बसे हुए महाद्वीपों के 88 देशों से व्यावसायिक संबंध हैं जिसमें पड़ोसी देश जैसे बांग्लादेश, अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया, ओमान, इराक, सूडान, संयुक्त राष्ट्र और न्यूजीलैंड सम्मिलित हैं। आज तक, विदेशी बाजारों में लगभग 11 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता स्थापित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त बांग्लादेश में 2×660 मेगावाट मैत्री सुपर थर्मल पावर परियोजना और नेपाल में 4×225 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना सहित 6 गीगावाट निष्पादन के अधीन है।

बीएचईएल अनेक प्रौद्योगिकियों से युक्त उत्पादों एवं प्रणालियों का एकमात्र भारतीय आपूर्तिकर्ता होने के नाते राष्ट्र के रणनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बीएचईएल देश में न्युक्लियर स्टीम टरबाइन का एकमात्र विनिर्माता है; भारत के न्युक्लियर पावर कार्यक्रम के तीनों स्तरों से जुड़ी हुई एकमात्र कंपनी है; तीन दशकों से अधिक समय से रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्कर एवं सेवाओं का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है; भारतीय नौसेना को उसके युद्धपोतों के लिए नेवल गन का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता है।

तेलंगाना में बीएचईएल द्वारा कमीशन किया जा रहा
5×800 मेगावाट यादद्री सुपर थर्मल पावर स्टेशन

उद्योग क्षेत्र

ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी सुविधाओं (अधोसंरचना) के क्षेत्रों में बीएचईएल के प्रमुख उत्पाद निम्नानुसार हैं:

- **परिवहन:** आईजीबीटी आधारित प्रोपल्शन उपकरण (ट्रैक्शन कन्वर्टर / सहायक कनवर्टर / वाहन नियंत्रण इकाई), इलेक्ट्रिक लोको और एसीईएमयू / एमईएमयू के लिए ईएमयू कोच, 6000 एचपी तक के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव और 3000 एचपी तक के डीजल इलेक्ट्रिक लोको तथा लोकोमोटिव के लिए 9000 एचपी तक के इलेक्ट्रिक्स
- **रक्षा और एयरोस्पेस:** नेवल शिप के सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम) एवं इंटिग्रेटिड प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस), कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स, स्पेस ग्रेड लिथियम आयन सेल्स, स्पेस ग्रिड सोलर पैनल, स्पेस ग्रिड बैटरी, अंतरिक्ष यान प्रोपेलेंट (प्रणोदक) टैंक की हॉट फॉर्मिंग, टाइटेनियम शेल/डोम्स का निर्माण, टाइटेनियम शीट और ट्यूबों की वेल्डिंग और मशीनिंग सहित भारतीय रक्षा बलों के लिए रणनीतिक उपस्कर
- **अक्षय ऊर्जा:** ग्रिड कनेक्टिड एवं एकल (स्टैंड अलोन) सोलर पीवी अनुप्रयोगों के लिए संकल्पना से कमीशनिंग तक ईपीसी समाधान
- **ऊर्जा भंडारण समाधान और अन्य व्यावसायिक क्षेत्र:** सौर आधारित ईवी चार्जिंग स्टेशनों सहित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों एवं बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीईएसएस) के लिए ईवी चार्जर एवं सहायक इलेक्ट्रिकल उपकरण, ईपीसी समाधान
- **कैप्टिव पावर व प्रोसेस प्लांट:** एकल (स्टैंडअलोन), एसटीजी, बीटीजी पैकेज, ईपीसी आधार पर रिफाइनरी सीपीपी, यूबी पैकेज, डाउनस्ट्रीम ऑयल और गैस पैकेज
- **ट्रांसमिशन:** 132 केवी से लेकर 765 केवी रेंज के EHV और UHV सबस्टेशन और 800KV तक के एचवीडीसी कनवर्टर स्टेशन, पावर ट्रांसफॉर्मर, शंट रिएक्टर, वैक्यूम और SF6 स्विचगियर, गैस इंसुलेटेड स्विचगियर, सिरमिक इंसुलेटर, फ्लेजिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम डिवाइस आदि
- **औद्योगिक उत्पाद:** ऑयल रिग्स, वेलहेड्स और एक्समैस ट्री वाल्व, मैकेनिकल पैकेज, फ्रेक्चरेटेड उपकरण और बॉयलर फीड पंप, कम्प्रेसर और एसी मशीन



सौर ऊर्जा की उपयोगिता



बीएचईएल भारत की उन कुछ कंपनियों में से एक है जो घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा से संबंधित सभी आवश्यकताओं के लिए एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करती है। बीएचईएल का सौर पोर्टफोलियो 1200 मेगावाट से अधिक है, जिसमें से 100 मेगावाट कमीशन हो चुका है। कंपनी ग्राउंड माउंटेड, रूफ टॉप, कैनाल टॉप सोलर पीवी प्लांट और फ्लोटिंग सोलर पीवी प्लांट के समाधान प्रस्तुत करती है।

बीएचईएल ने घरेलू स्तर पर फ्लोटिंग सोलर पीवी क्षेत्र में स्वयं को देश के अग्रणी ईपीसी प्रदाता के रूप में स्थापित किया है। इस समय 100 मेगावाट एनटीपीसी रामागुंडम (देश में सबसे बड़ा), 25 मेगावाट एनटीपीसी सिम्हाद्री और 22 मेगावाट एनटीपीसी कायमकुलम सहित बड़े पैमाने के कुछ फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट्स का निष्पादन साथ-साथ हो रहा है।

सौर ऊर्जा संयंत्रों के कमीशन किए गए 150+ मेगावाट क्षमता के अनुभव के साथ, बीएचईएल ने स्वयं को प्राकृतिक जलाशयों, मानव निर्मित जलाशयों और खारे बैक-वाटर कायल जैसे सभी प्रकार के जल निकायों पर संयंत्रों की आपूर्ति करने हेतु विशिष्ट रूप से सक्षम बनाया है।

एनटीपीसी, रामागुंडम में 100 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर प्लांट

अखिल भारतीय उपस्थिति



विनिर्माण संयंत्रों / इकाइयों की अवस्थिति

बीएचईएल की विनिर्माण इकाइयां

बंगलूरु	1. इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन (ईडीएन)
भोपाल	2. इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिवीजन (ईएसडी)
गोइंदवाल	3. सोलर बिजनेस डिवीजन (एसबीडी)
हरिद्वार	4. हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट (एचईपी)
हैदराबाद	5. इंडस्ट्रियल वॉल्व प्लांट (आईवीपी)
जगदीशपुर	6. हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट (एचईईपी)
झांसी	7. सेंट्रल फाउन्ड्री फोर्ज प्लांट (सीएफएफपी)
रुद्रपुर	8. हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट (एचपीईपी)
रानीपेट	9. फैंब्रिकेशन स्टांपिंग एवं इंसुलेटर प्लांट (एफएसआईपी)
तिरुचिरापल्ली	10. ट्रान्सफॉर्मर प्लांट
तिरुमयम	11. कम्पोनेंट फैंब्रिकेशन प्लांट
विशाखापत्तनम	12. बॉयलर ऑगजीलरी प्लांट
मुंबई	13. हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट (एचपीबीपी)
वाराणसी	14. सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट (एसएसटीपी)
	15. पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट (पीपीपीयू)
	16. हेवी प्लेट्स एंड वेसल्स प्लांट (एचपीवीपी)
बीएचईएल मरम्मत इकाइयां	1. इलेक्ट्रिकल मशीन्स रीपेयर प्लांट (ईएमआरपी)
	2. हेवी इक्विपमेंट रीपेयर प्लांट (एचईआरपी)

-  कॉर्पोरेट कार्यालय
-  कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास
-  विनिर्माण इकाइयाँ
-  सेवा केंद्र
-  क्षेत्रीय विपणन केन्द्र
-  क्षेत्रीय कार्यालय (पावर सेक्टर)
-  मरम्मत इकाइयाँ



बीएचईएल की दुनिया

विजन

बेहतर कल के लिए समाधान प्रदान करने वाला वैश्विक अभियांत्रिकी उद्यम बनना

मिशन

ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी सुविधा के क्षेत्र में संधारणीय व्यावसायिक समाधान प्रदान करना

राष्ट्रीय संस्था

- अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों को सेवा प्रदान करने वाली भारत की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनियों में से एक
- संपूर्ण भारत में 16 विनिर्माण इकाइयां और दुनिया भर में 150+ परियोजना स्थल



भारत को ऊर्जावान बनाना

- 194+ गीगावाट से अधिक के विद्युत उत्पादन उपकरणों को भारत और विदेशों में स्थापित किया
- 18,500+ मेगावाट से अधिक के कैप्टिव पावर प्लांट कमीशन किए
- 1.2+ गीगावाट से अधिक सौर पोर्टफोलियो
- बीएचईएल द्वारा निर्मित मशीनों से देश में 54% ताप विद्युत उत्पादन, 47% परमाणु ऊर्जा उत्पादन (द्वितीयक पक्ष) और 45% जल विद्युत उत्पादन

कोर सेक्टर में अप्रतिम योगदान

- 7,00,000+ एमवीए के ट्रांसमिशन उपस्कर की आपूर्ति
- 33,000+ एसी मशीनों की आपूर्ति
- 800+ लोको की भारतीय रेलवे को आपूर्ति
- 410+ कंप्रेसर्स की आपूर्ति और 90 ऑयल ड्रिलिंग रिग्स की आपूर्ति
- 13000+ वेल हेड्स और क्रिसमस ट्री वॉल्व की आपूर्ति
- 40+ सुपर रैपिड गन माउंट की भारतीय नौसेना के जहाजों के लिए आपूर्ति



विश्व स्तर पर उपस्थिति

- 88 देशों से व्यावसायिक संबंध
- देश के बाहर 11 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता; 6 गीगावाट पर काम चल रहा है।
- नए बाजारों में प्रवेश— ब्रूनी, दारुसलम एवं मेक्सिको

क्या आप जानते हैं?

- बीएचईएल एकमात्र ऐसी कंपनी है जो राष्ट्रीय परमाणु योजना के तीनों चरणों से जुड़ी है
- बीएचईएल ने अपनी तिरुचि विनिर्माण इकाई से रावत भाटा परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए अपना 42वां न्यूक्लियर स्टीम जेनरेटर भेजा है
- बीएचईएल 1990 के दशक से देश में कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी में अग्रणी रहा है
- बीएचईएल ने सुखोई-30 एमकेआई विमानों के लिए एयर टू एयर हीट एक्सचेंजर (एएचई) का विकास और आपूर्ति की है
- बीएचईएल ने स्वदेशी रूप से एक प्रोटोटाइप वायु प्रदूषण नियंत्रण टॉवर (एपीसीटी) डिजाइन और विकसित किया है और इसे पायलट आधार पर नोएडा शहर में स्थापित किया है।

संधारणीय भविष्य के लिए प्रौद्योगिकीयां

- स्वदेशी कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 0.25 टीडीपी कोल टू मेथनॉल संयंत्र का प्रदर्शन किया गया
- भारत में कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों के लिए उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों के विकास, स्थापना और स्वदेशीकरण का नेतृत्व
- घरेलू स्तर पर 29MWp सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों की स्थापना से CO₂ के लगभग 25,235 मीट्रिक टन उत्सर्जन में कमी
- इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 122 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जर विकसित किया गया
- बीएचईएल इकाइयों की 10 उपनगरियों (टाउनशिप) को "एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त" घोषित किया गया है

समाज के साथ विकासशील

- संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध
- ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल की सत्यनिष्ठा संधि पर हस्ताक्षर
- हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए 2021-22 के दौरान बीएचईएल ने 68,000 से अधिक पौधे लगाए गए

कर्मचारियों का महत्व

- 30,000 से अधिक समर्पित सशक्त जन शक्ति,
- लगभग 1800 महिला कर्मचारी
- लगभग 9000 इंजीनियर
- 1973 से सहभागी प्रबंधन संस्कृति



नवाचार

- अनुसंधान एवं विकास व्यय लगातार टर्नओवर का 2.5% है, 5200 से अधिक बौद्धिक सम्पदा
- प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास
- पांच शोध संस्थान, 14 उत्कृष्टता केंद्र
- 12 विनिर्माण इकाइयों एवं प्रभागों के घरेलू अनुसंधान एवं विकास केंद्र जिन्हें डीएसआईआर से मान्यता प्राप्त है



उत्कृष्टता का सम्मान

1. 18 बीएचईएल कर्मचारियों को श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2018 के लिए घोषित 11 प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कार (पीएमएसए) से सम्मानित किया गया है। प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कार की शुरुआत (1985) की तिथि से अब तक बीएचईएल के कर्मचारियों द्वारा प्राप्त यह पुरस्कार संख्या सबसे अधिक है। बीएचईएल ने सार्वजनिक क्षेत्रों को दिए गए पुरस्कारों में से 65% पुरस्कार प्राप्त किए हैं।
2. 25 बीएचईएल कर्मचारियों ने श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा घोषित 7 विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार (वीआरपी) (प्रदर्शन वर्ष-2018) जीते। कंपनी की तीन विनिर्माण इकाइयों (ईडीएन-बेंगलुरु, आईपी-जगदीशपुर, एचपीबीपी-त्रिची) ने डीजीएफएसएलआई (श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा घोषित 'राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार' (प्रदर्शन वर्ष 2018) के 8 पुरस्कार जीते।
3. बीएचईएल WAG-7 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए पुनर्योजी (रिजेनरेटिव) ब्रेकिंग सिस्टम के विकास के लिए विद्युत उपकरण क्षेत्र में गोल्डन पीकॉक इनोवेटिव प्रोडक्ट/ सर्विस अवार्ड 2021 प्राप्त किया।
4. बीएचईएल ने विद्युत उपकरण क्षेत्र में गोल्डन पीकॉक एनवायरमेंट मैनेजमेंट पुरस्कार 2021 प्राप्त किया।
5. बीएचईएल ने नवाचार में अग्रणी रहने और कंपनी को देश की शीर्ष नवाचार कंपनियों में स्थान दिलाने हेतु भारी उद्योग क्षेत्र में कॉर्पोरेट श्रेणी के अंतर्गत क्लेरिवेट साउथ एंड साउथ ईस्ट एशिया इनोवेशन अवार्ड 2021 प्राप्त किया।
6. वर्ष 2017-18 में शीर्ष निर्यातक की श्रेणी में इंजीनियरिंग निर्यात उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित 'ईईपीसी इंडिया नॉर्डन रीजन अवार्ड'- वर्ष 2017-18 के "शीर्ष निर्यातकर्ता, सिल्वर ट्रॉफी-भारी उद्यम" प्राप्त हुआ।

7. बीएचईएल को '2021 शीर्ष कंपनियों की सूची' में स्थान मिला। लिंकडइन द्वारा भारत में करियर विकास हेतु बीएचईएल को शीर्ष 25 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की श्रेणी में रखा गया है।
8. बीएचईएल को शीर्ष 200 संधारणीय कंपनियों में चुना गया है। बिजनेस वर्ल्ड द्वारा कंपनी को भारत की मोस्ट सरस्टेनेबल कंपनियों में 109वां स्थान दिया गया है।
9. बीएचईएल ने सीपीएसई में महिला शक्ति का योगदान श्रेणी में आईसीसीपीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार 2021 जीता।



10. बीएचईएल ने निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट पुरस्कार प्राप्त किया:
 - एसीसी युक्त विद्युत संयंत्रों के लिए हॉट बॉक्स के स्वदेशी विकास में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग हेतु
 - ज्ञानार्जन एवं विकास में प्रौद्योगिकी उपयोग
 - प्रेशर वैक्यूम स्विंग एब्जाप्शन (पीवीएसए) आधारित चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्र





14.

11. बीएचईएल की चार प्रमुख इकाइयों (हरिद्वार, भोपाल, हैदराबाद और तिरुचि) ने 'सीआईआई-एक्जिम बैंक अवार्ड फॉर बिजनेस एक्सीलेंस 2021' पुरस्कार जीता। इसी के साथ बीएचईएल ने व्यावसायिक उत्कृष्टता की अपनी यात्रा में एक प्रमुख उपलब्धि प्राप्त की। कंपनी की हरिद्वार और भोपाल इकाइयों को 'प्लेटिनम रिकॉग्निशन अवार्ड' मिला है। तिरुचि और हैदराबाद इकाइयों को 'गोल्ड प्लस अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यूरोपीय फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (EFQM) उत्कृष्टता मॉडल पर आधारित है।
12. हैदराबाद में आयोजित '46वें इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कंट्रोल सर्कल्स - 2021 (ICQCC-2021)' में आठ क्वालिटी सर्कल (QC) टीमों को 'समतुल्य उत्कृष्टता पुरस्कार' और एक QC टीम को 'उत्कृष्टता पुरस्कार' प्राप्त हुआ।

13. बीएचईएल ने परियोजना निर्यात (ब्रेक बल्क) श्रेणी में 'चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट का 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार'-2020-21 प्राप्त किया।

14. बीएचईएल को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा वित्त वर्ष 2020-21 के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार हेतु चुना गया और "इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन सेक्टर" प्रतिष्ठित शील्ड प्रदान की गई। बीएचईएल ने लगातार दूसरे वर्ष (जो पिछले वर्ष लगभग चार दशकों के अंतराल के बाद पहली बार प्राप्त की थी) यह पुरस्कार प्राप्त किया है। यह पुरस्कार गुणात्मक वित्तीय विवरण तैयार करने एवं प्रस्तुत करने में उत्कृष्टता के लिए सम्मान स्वरूप प्राप्त हुआ है।

बीएचईएल की ओर से श्री सुबोध गुप्ता, निदेशक (वित्त), ने डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी



2.



5.



बहुआयामी रणनीति के माध्यम से बीएचईएल को भविष्य के लिए तैयार वैश्विक इंजीनियरिंग संगठन में बदलने हेतु उनके प्रयासों के लिए विश्व एचआरडी कांग्रेस द्वारा "सीईओ विथ एचआर ओरिएंटेशन पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

16. बीएचईएल को मानव संसाधन में इनोवेटिव प्रैक्टिस और बेस्ट डिजिटल पीएसयू वाले ऑर्गनाइजेशन की श्रेणी में **बिजनेस इनोवेशन अवार्ड्स 2021** से सम्मानित किया गया।
17. बीएचईएल को बेस्ट वर्कप्लेस प्रैक्टिस, एक्सीलेंस इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट श्रेणी में **ग्लोबल एचआर एक्सीलेंस अवार्ड** से सम्मानित किया गया।
18. **निदेशक (आईएसएंडपी), सुश्री रेणुका गेरा को सिग्रे, पेरिस सेशन 2022 में सीआईजीआई वूमेन इन एनर्जी अवार्ड** से सम्मानित किया गया।
19. बीएचईएल ने अपने **सीएसआर प्रोजेक्ट - हील ए सोल** के लिए संगठनात्मक श्रेणी: स्वास्थ्य के प्रति जागरूक श्रेणी में **एशिया बेस्ट सीएसआर प्रैक्टिस पुरस्कार** जीता है। बीएचईएल ने सीएमओ एशिया द्वारा पैन पैसिफिक, सिंगापुर में आयोजित कार्यक्रम में आभासी रूप से यह पुरस्कार प्राप्त किया।

विज्ञान; प्रधानमंत्री कार्यालय के राज्यमंत्री; कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग से यह पुरस्कार प्राप्त किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित अतिथिगण, विभिन्न संगठनों के मुख्य कार्यपालक अधिकारीगण तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

15. **सीएमडी, बीएचईएल को कंपनी में संपूर्ण एचआर पैराडाइम की समीक्षा और हितधारकों के हितों को संगठन के हितों के साथ जोड़ने जैसी**

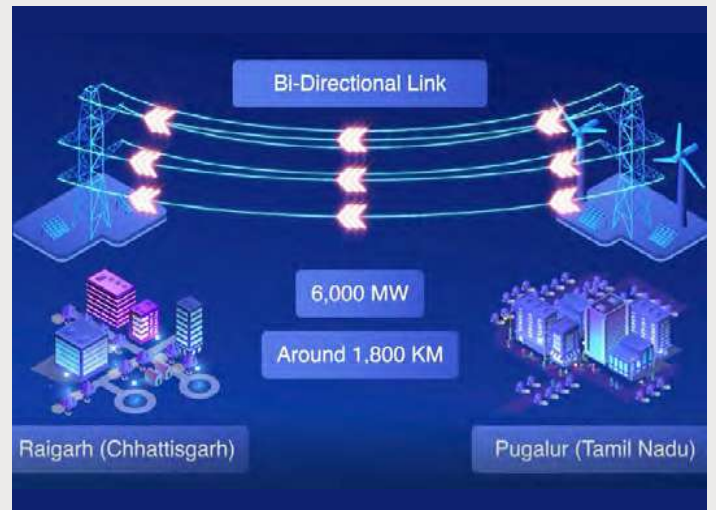




राष्ट्रीय महत्व की पारेषण परियोजनाओं की आपूर्ति

बीएचईएल के पास ट्रांसमिशन नेटवर्क हेतु सबस्टेशन समाधान प्रदान करने का 40 वर्षों से अधिक समय का अनुभव है। कंपनी अपने भागीदारों के साथ भारत में एचवीडीसी प्रकार की छह जटिल पारेषण परियोजनाओं में शामिल रही है। इस वर्ष कंपनी ने पश्चिमी क्षेत्र ग्रिड (रायगढ़, छत्तीसगढ़) और दक्षिणी क्षेत्र ग्रिड (पुगलूर, तमिलनाडु) के बीच हाल ही में शुरू किए गए 800 केवी, 6,000 मेगावाट अल्ट्रा हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट (यूएचवीडीसी) लिंक के बाद 6,000 मेगावाट के रिकॉर्ड पावर ट्रांसमिशन को चालू करने की एक और बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। यूएचवीडीसी के इस लिंक से दक्षिणी ग्रिड को बिजली की कमी से राहत मिलेगी।

इसे अक्टूबर 2021 में पूरी तरह से चालू किया जा चुका है। बीएचईएल के लिए इस राष्ट्रीय महत्व की इस प्रतिष्ठित परियोजना के निर्माण में शामिल होना गर्व का क्षण है।





निदेशक मंडल रिपोर्ट

निदेशक मंडल रिपोर्ट	30
अनुलग्नक-I प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण	39
अनुलग्नक-II कॉर्पोरेट अभिशासन	83
अनुलग्नक-III सीईओ और सीएफओ प्रमाण पत्र	107
अनुलग्नक-IV संधारणीयता और सीएसआर	109
अनुबंध-V व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट और संधारणीयता रिपोर्ट	128
अनुलग्नक-VI अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी उपलब्धियां	154
अनुलग्नक-VII ऊर्जा संरक्षण	159
अनुलग्नक-VIII फॉर्म एओसी-1 और एओसी-2	160
अनुलग्नक-IX स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट और सीएजी टिप्पणी	163
अनुबंध-X स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट और सीएजी टिप्पणी	166

निदेशक मण्डल की रिपोर्ट

प्रिय सदस्यों,

निदेशक मंडल को आपकी कंपनी के व्यापार और परिचालन तथा 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण पर 58वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है।

वित्तीय परिणाम

(₹ करोड़)

	वर्ष के अंत में	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
राजस्व	20153	16296
परिचालन से राजस्व	21211	17308
कर के बाद लाभ/(हानि)	410	(2717)
कुल व्यापक आय/(हानि)	487	(2697)
ईपीएस (₹ में)	1.18	(7.80)

नोट: () में दिए गए आंकड़े नकारात्मक मूल्य हैं।

कंपनी मामलों की स्थिति

पिछले दो वर्षों में प्रोजेक्ट सेंट्रिक ऑपरेशंस, बिजनेस डायवर्सिफिकेशन और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन की दिशा में कंपनी द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों के परिणाम सामने आने लगे हैं। कंपनी ने लगातार दो वर्षों के नुकसान के बाद ₹410 करोड़ (पिछले वर्ष ₹2,717 करोड़ का नुकसान) का कर पश्चात लाभ कमाया है। यह लाभ गिरते थर्मल बाजार और अस्थिर व्यापार परिदृश्य से उत्पन्न चुनौतियों के अलावा कंपनी द्वारा सामना किए गए कई विगत मामलों को हल करने में प्रारंभिक सफलताओं को चिह्नित करता है।

कंपनी का राजस्व पिछले वर्ष के ₹16,296 करोड़ की तुलना में लगभग 24% बढ़कर ₹20,153 करोड़ हो गया, मुख्यतः पर वित्त वर्ष 2021-22 की शुरुआत में कोविड-19 की विनाशकारी दूसरी लहर में भी निष्पादन में निरंतर सुधार बना रहा है। कंपनी की परिचालन विचारधारा का पुनर्विन्यास रेवेन्यू सेंट्रिक से प्रोजेक्ट सेंट्रिक होने से पिछले पांच वर्षों में परियोजना स्थलों पर सबसे अधिक इरेक्शन टनेज, उच्चतम प्रोजेक्ट क्लोजर और सबसे कम संख्या में बकाया पंच पॉइंट्स जैसे परिणाम प्राप्त हुए हैं।

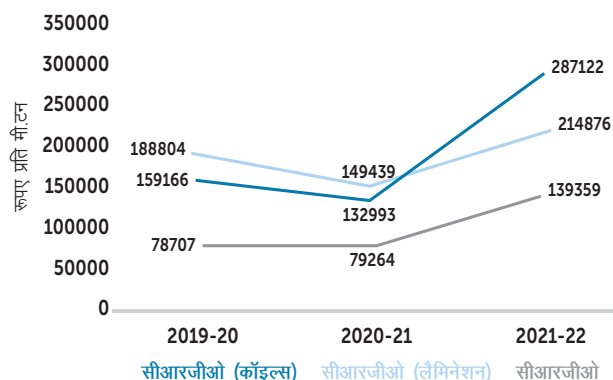
अपने कोयला व्यवसाय के विस्तार के साथ-साथ गैर-कोयला व्यवसाय में विविधीकरण के कंपनी के प्रयासों ने परिणाम देना शुरू कर दिया है। हमने थर्मल पावर प्लांट के लचीले परिचालन के लिए पहला ऑर्डर बुक किया है। यह नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते एकीकरण/ एनर्जी मिक्स में हिस्से को देखते हुए ग्रिड स्थिरीकरण के लिए भावी वर्षों में व्यापक आवश्यकता है। अब तक के उच्चतम 8 दीर्घ अवधि स्पेयर्स की आपूर्ति सेवा समझौते पर हस्ताक्षर, परमाणु ऊर्जा कारोबार में अब तक की उच्चतम ऑर्डर बुकिंग ₹12,000 करोड़ से अधिक, रक्षा और एयरोस्पेस व्यवसाय में ₹1,552 करोड़ की (पिछले वर्ष ₹239 करोड़) अब तक की उच्चतम ऑर्डर बुकिंग और वंदे भारत ट्रेनों के लिए प्रणोदन उपकरण के लिए पहला ऑर्डर प्राप्त हुआ है। कंपनी ने उच्च राख वाले भारतीय कोयले के गैसीकरण के लिए इन-हाउस तकनीक पर आधारित

देश के पहले कोल टू मेथनॉल प्रदर्शन संयंत्र का आरम्भ किया है। यह आगामी कोयला गैसीकरण क्षेत्र में एक सुदृढ़ कदम है। जिसे आगामी वर्षों में एक प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है।

आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियां

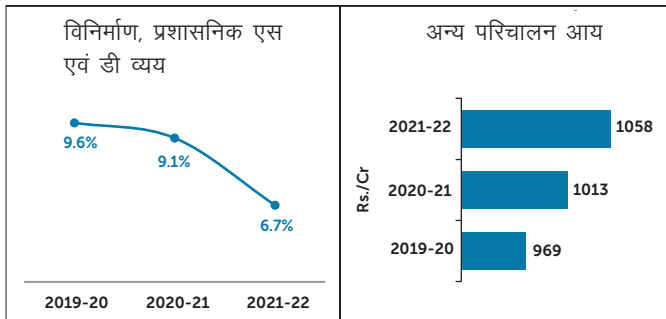
यह वर्ष कोविड-19 प्रतिबंधों से उत्पन्न आपूर्ति शृंखला व्यवधानों, यहां तक कि पड़ोसी देशों से, साथ ही हाल के भू-राजनीतिक विकास से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। इसका सीधा असर भारतीय निर्माण कंपनियों के मुनाफे पर पड़ा, इसके अलावा जनशक्ति और सामग्री की व्यवस्था करने में परिचालन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, खासकर वर्ष की पहली दो तिमाहियों में। आपकी कंपनी के परियोजना निष्पादन के लिए साइटों के साथ-साथ शॉप फ्लोर्स पर परियोजना निष्पादन के लिए निरंतर और ठोस प्रयासों ने बीएचईएल को इन परिचालन चुनौतियों से पार पाने में सक्षम बनाया।

वर्ष के दौरान, विभिन्न वस्तुओं की वैश्विक कीमतों में भारी वृद्धि हुई (अन्य के साथ-साथ विशेषकर स्टील, सीआरजीओ, सीआरएनजीओ) जिसने मार्जिन को बहुत प्रभावित किया। आपूर्ति शृंखला में व्यवधान ने गंभीर समस्याएं पैदा कीं, जिससे शॉप उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल की समय पर उपलब्धता प्रभावित हुई। महत्वपूर्ण इनपुट जैसे सेमीकंडक्टर चिप्स, सीआरजीओ और सीआरएनजीओ की वैश्विक कमी ने भी बीएचईएल के उत्पाद वितरण को प्रभावित किया। वर्ष के दौरान सिविल इरेक्शन सहित निर्माण गतिविधियों की लागत में भी वृद्धि देखी गई।

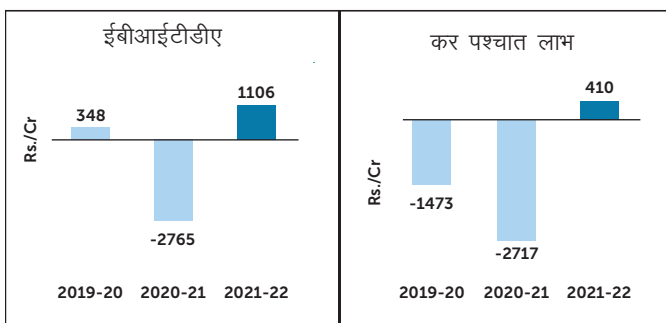


आपकी कंपनी ने इन बाधाओं को पार करते हुए, पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में परिचालन से राजस्व में 23% की वृद्धि हासिल की। परियोजना निष्पादन पर केंद्रित प्रयासों ने वित्तीय प्रदर्शन में सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कई मोर्चों पर परियोजना प्रदर्शन डाटा पिछले पांच वर्षों में सबसे अच्छा दिखा, जिसमें 4.5 लाख टन से अधिक स्टील का निर्माण, अब तक के सर्वाधिक प्रोजेक्ट क्लोजर और अब तक के सबसे कम पंच पॉइंट शामिल हैं।

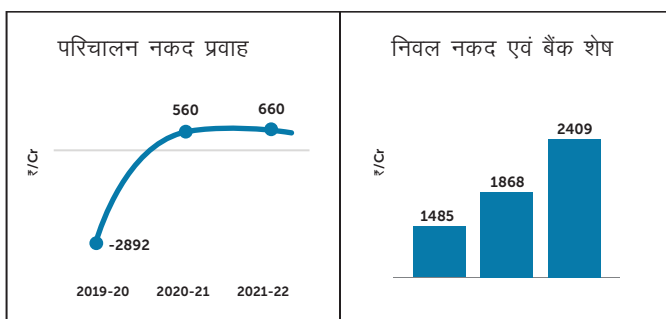
कंपनी के भीतर बड़े स्तर पर लागू लागत कटौती अभियान के कारण विनिर्माण, प्रशासनिक और बिक्री और वितरण (एसएंडडी) खर्च में पिछले साल के 9% से अधिक के स्तर से 7% से कम राजस्व में कमी आई। अन्य परिचालन आय में सुधार पर लक्षित फोकस ने भी बॉटम-लाइन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह उल्लेख करना उचित है कि कंपनी ने ₹1,058 करोड़ की उच्चतम अन्य परिचालन आय हासिल की है।



धातु की कीमतों में तेज उछाल और ईंधन लागत में वृद्धि के कारण मार्जिन पर महत्वपूर्ण दबाव के बावजूद, कंपनी ने कुल मिलाकर ₹1,106 करोड़ का ईबीआईटीडी हासिल किया। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कर पश्चात लाभ ₹410 करोड़ है। पिछले दो वर्षों में बैलेंस शीट में संपत्ति की गुणवत्ता, विशेष रूप से प्राप्त, में सुधार पर कंपनी के फोकस के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2021-22 के लिए प्रावधान लागत कम हो गई है, जिसने कंपनी की बेहतर बॉटम लाइन में भी योगदान दिया है। कराधान क्षेत्र में किए गए सकारात्मक प्रयासों ने कंपनी को कुल ₹667 करोड़ का आयकर रिफंड प्राप्त करने में मदद की, जिसने शुद्ध नकदी संग्रहण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

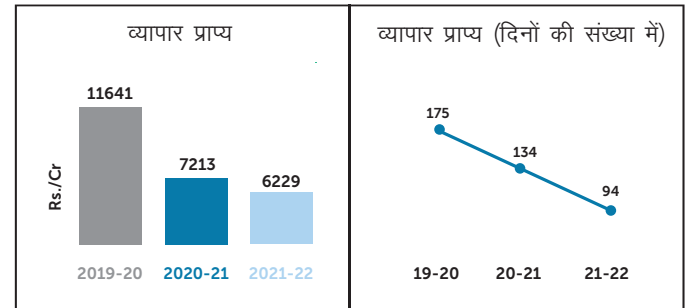


परंपरागत रूप से, उच्च राजस्व के साथ, कंपनी ने कार्यशील पूंजी में उच्च निवेश देखा है। वित्त वर्ष 2021-22 में, राजस्व में लगभग 24% की वृद्धि के बावजूद, ₹586 करोड़ की कार्यशील पूंजी जारी की गई है। कुल मिलाकर, पिछले साल ₹560 करोड़ के मुकाबले परिचालन से ₹660 करोड़ की शुद्ध सकारात्मक नकदी उत्पन्न हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक कंपनी के पास ₹2,409 करोड़ का नकद और बैंक शेष (अल्पावधि उधार का शुद्ध) था, जो वित्त वर्ष 2020-21 के अंत में ₹1,868 करोड़ की शेष राशि से 29% अधिक है।

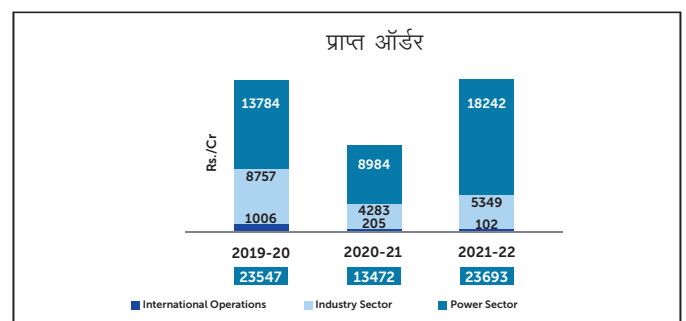


कुल प्राप्त राशि ₹33,169 करोड़ है, जो मार्च '21 के स्तर (₹31,292 करोड़) से कुछ ही अधिक है, जबकि वार्षिक राजस्व में 24% की वृद्धि हुई है। व्यापार

प्राप्त पिछले 10 वर्षों में सबसे कम, ₹6,229 करोड़, (पिछले वर्ष ₹7,213 करोड़) पर है। यद्यपि, अनुबंध की परिसंपत्तियां थोड़ी अधिक हैं, तथापि, परियोजना निष्पादन की बेहतर गति के साथ, जिन्हें मध्यवर्ती माइलस्टोन की उपलब्धि में सहायक होना चाहिए तथा अनुबंध परिसंपत्तियां भी लोअर ट्रेजेक्टीज की ओर प्रवृत्त होनी चाहिए।



कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में ₹23,693 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए। इसमें पावर सेक्टर* में ₹17,931 करोड़, उद्योग क्षेत्र* में ₹5,660 करोड़ और अंतर्राष्ट्रीय परिचालन में ₹102 करोड़ के ऑर्डर शामिल हैं। 31 मार्च 2022 के अंत में बकाया ऑर्डर बुक 31 मार्च 2021 को ₹1,02,090 करोड़ के मुकाबले ₹1,02,542 करोड़ थी। ऑर्डर बुक के आंकड़े लागू करें सहित हैं।



रिज़र्व में अंतरण

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान किसी भी राशि का रिज़र्व में अंतरण नहीं किया है।

लाभांश

निदेशक मंडल ने 21 मई, 2022 को हुई अपनी बैठक में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए लाभ में से 20% की दर से अंतिम लाभांश (₹0.40 प्रति शेयर ₹2 प्रत्येक) की राशि ₹139.28 करोड़ की आपके अनुमोदन हेतु अनुशंसा की है।

कंपनी की लाभांश वितरण नीति भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 ("LODR") के विनियमन 43A की आवश्यकताओं के अनुरूप है। लाभांश वितरण नीति कंपनी की वेबसाइट <https://www.bhel.com/dividend-distribution-policy-bhel-0> पर उपलब्ध है।

जमा

कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 के दायरे में आने वाली जनता से जमा राशि स्वीकार नहीं की है।

* वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, उद्योग क्षेत्र में बीजीजीटीएस के ऑर्डर पर विचार किया गया।

पूंजी और वित्त

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, कंपनी ने आंतरिक संचय के माध्यम से अपने CAPEX और परिचालन निधि की आवश्यकताओं को पूरा किया है। कंपनी की ब्याज आय को अधिकतम करने के लिए कंपनी किसी भी उपलब्ध अधिशेष निधि का निवेश करती है। किसी भी आंतरिक परिचालन निधि आवश्यकता को पूरा करने के लिए, कंपनी द्वारा उपयोग किए जाने वाले अल्पकालिक उधार विकल्पों में डब्ल्यूसीडीएल, वाणिज्यिक पत्र (एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध), पीसीएफसी, आदि शामिल हैं। पीसीएफसी उधार कंपनी को एक प्राकृतिक विदेशी मुद्रा बचाव प्रदान करते हैं। विवेकपूर्ण ट्रेजरी प्रबंधन ने पिछली अवधि की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में 29% की वृद्धि के साथ समापन नकदी और बैंक शेष (अल्पावधि उधार का शुद्ध) का नेतृत्व किया। कंपनी जीरो डेट कंपनी के रूप में अपना दर्जा बरकरार रखे हुए है।

ऋण और निवेश

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के प्रावधानों के तहत कवर किए गए ऋण और निवेश का विवरण वित्तीय विवरण का हिस्सा है। बीएचईएल की सहायक कंपनी मैसर्स बीएचईएल ईएमएल को 2015-16 के दौरान दिए गए कार्यशील पूंजी के लिए ₹3 करोड़ का ऋण, जो पहले से ही हानि के लिए प्रदान किया गया था, इस वर्ष हमारी पूरी हिस्सेदारी केरल सरकार को अंतरित करने के परिणामस्वरूप बट्टे खाते में डाल दी गई है। कंपनी या उसकी सहायक कंपनी में ऋणी द्वारा निवेश के कोई उदाहरण नहीं हैं।

क्रेडिट रेटिंग

आपकी कंपनी की क्रेडिट रेटिंग इस प्रकार है:

रेटिंग एजेंसी	रेटिंग की तिथि	दीर्घावधि रेटिंग	आउटलुक	अल्पावधि रेटिंग
सीआरएस आईएल	24-07-2020	सीआरएस आईएल ए	ऋणात्मक	सीआरएस आईएल A1+
	18-06-2021	सीआरएस आईएल एए-	ऋणात्मक	सीआरएस आईएल A1+
इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च	06-07-2020	इंडस्ट्रीज एए	ऋणात्मक	इंडस्ट्रीज A1 +
	01-07-2021	इंडस्ट्रीज एए-	ऋणात्मक	इंडस्ट्रीज A1 +
सीएआरई	27-06-2020	केयर ए.ए	स्थिर	केयर A1 +
	24-06-2021	केयर एए-	स्थिर	केयर A1 +

उल्लेखनीय: उपरोक्त रेटिंग की मैसर्स सीएआरई एंड मैसर्स इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च द्वारा 22 जून के महीने में और मैसर्स सीआरआईएसआईएल ने 22 जुलाई के महीने में फिर से पुष्टि की है।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, कंपनी ने अपनी वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में सुधार करने की दिशा में अथक प्रयास किया है और लगातार चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल में दो साल के बाद फिर से बदलने में सक्षम है। कंपनी व्ययों में कटौती के लिए लगातार कड़े कदम उठा रही है, ताकि बॉटम-लाइन में सुधार किया जा सके जो नकदी संरक्षण में भी मदद कर रहा है। कार्यशील पूंजी से नकदी मुक्ति, पिछले दस वर्षों में न्यूनतम चालू अनुपात, और बैलेंस शीट में परिसंपत्तियों की बेहतर गुणवत्ता कंपनी के समग्र ट्रेजरी प्रबंधन रणनीतियों की सफलता का प्रमाण है।

वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले प्रत्यक्ष परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं

वित्तीय वर्ष 2021-22 के अंत और इस रिपोर्ट की तारीख के बीच कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई अप्रत्यक्ष परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं नहीं हैं। नियामकों या अदालतों या न्यायाधिकरणों द्वारा पारित कोई महत्वपूर्ण और अप्रत्यक्ष आदेश भविष्य में कंपनी के परिचालन की स्थिति और कंपनी के परिचालन को प्रभावित करने वाले नहीं हैं।

ट्रेडिंग का स्थगन

कंपनी के इक्विटी शेयर एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध हैं। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी के शेयरों को ट्रेडिंग से स्थगित नहीं किया गया था।

निदेशकों का उत्तरदायित्व वक्तव्य

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) के अनुसार, निदेशक मंडल पुष्टि करता है कि:

- वार्षिक खातों को तैयार करने में, प्रत्यक्ष विवरण से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखा मानकों (इंड एस) का पालन किया गया है;
- निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया है और उन्हें सुदृढ़ता से लागू किया है और ऐसे निर्णय और अनुमान लगाए हैं जो उचित और विवेकपूर्ण हैं ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी के मामलों की स्थिति और उस अवधि के लिए कंपनी के लाभ के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण बनाया जा सके।
- निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं की रोकथाम और पहचान के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड के रखरखाव हेतु उचित और पर्याप्त ध्यान दिया है।
- निदेशकों ने वार्षिक लेखाओं को चालू कारोबार के आधार पर तैयार किया है;
- निदेशकों ने कंपनी द्वारा पालन किए जाने वाले आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए हैं और यह कि ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं;
- निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली तैयार की है और यह कि ऐसी प्रणालियां पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं।

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

यह रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान बाह्य वातावरण, भविष्य के लिए कंपनी की रणनीति, परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन, जोखिम और चिंताओं, और विभिन्न क्षेत्रों में की गई विभिन्न पहल जैसे कि व्यावसायिक क्षेत्रों के विविधीकरण, परियोजना निष्पादन में सुधार, लागत अनुकूलन, डिजिटलीकरण, गुणवत्ता और भविष्य की प्रौद्योगिकियों आदि के विकास पर प्रबंधन के दृष्टिकोण को बताती है।

लगातार चुनौतीपूर्ण व्यापार और आर्थिक माहौल के बीच, आपकी कंपनी ने विकास को फिर से हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा है। मुख्य व्यापार को मजबूत करना, निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करना और गैर-कोयला क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाने की दिशा में दृढ़ प्रयास सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रवर्तक हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-1 देखें।

आत्मनिर्भर भारत

माननीय प्रधान मंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विजन से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने के लिए, बीएचईएल ने कई "मेक इन इंडिया" पहलें की हैं। अपने परिचालन क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी नेतृत्व और आत्मनिर्भरता कंपनी का प्रमुख केंद्र बिन्दु हैं।

भारत सरकार का राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन, जिसका लक्ष्य 2030 तक 100 मिलियन टन कोयले का गैसीकरण करना है, मेथनॉल, अमोनिया, अमोनियम नाइट्रेट आदि जैसे कई रसायनों के स्वदेशी निर्माण के लिए कोयले के स्वच्छ उपयोग के लिए एक नया अवसर प्रदान करता है। बीएचईएल 1990 के दशक से देश में कोयला गैसीकरण में अग्रणी रहा है। सितंबर 2021 में, डीएसटी द्वारा वित्त पोषित हैदराबाद में 0.25 टीपीडी कोयला से मेथनॉल संयंत्र को सफलतापूर्वक चालू किया गया था। इस परियोजना के लिए पूरी तकनीक बीएचईएल के अनु. एवं विकास इंजीनियरों द्वारा विकसित की गई है। गैसीकरण में पूर्व के अनुभव और नवीनतम अनु. एवं विकास प्रयासों ने बीएचईएल को उच्च राख वाले भारतीय कोयले के रखरखाव के लिए पूरी तरह से स्वदेशी वाणिज्यिक स्तर की गैसीकरण तकनीक विकसित करने में मदद मिली है। आपकी कंपनी इस आगामी व्यावसायिक मार्ग को बड़े पैमाने पर लक्षित कर रही है और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के साथ भी सहयोग करने के लिए काम कर रही है ताकि, कई रसायनों के निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल की जा सके जो वर्तमान में बड़े पैमाने पर आयात किए जाते हैं।

उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी (एयूएससी), जिसे बीएचईएल द्वारा एनटीपीसी और आईजीसीएआर के साथ स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है, हमारे देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा स्थापित करने के लिए एक और आशाजनक प्रौद्योगिकी प्रगति है। कई पुरानी और तुलनात्मक रूप से अक्षम विद्युत उत्पादन इकाइयों को एयूएससी सेटों से बदला जा सकता है, जो पर्यावरण को काफी हद तक कम वायुमंडलीय उत्सर्जन में मदद करेगा।

आपकी कंपनी स्वदेशी रूप से कई उपकरण विकसित कर रही है जो अब तक आयात किए जा रहे हैं जैसे कि विद्युत संयंत्रों में उपयोग किए जाने वाले वॉल्व और टरबाइन ब्लेड, परमाणु अनुप्रयोग के लिए बॉयलर वाटर फीड पंप, प्लू गैस डिसल्फराइजेशन कंपोनेंट एवं अन्य। कुछ उत्पादों जैसे सॉकर रॉड पंप की सरफेस इकाई, 15000 पीएसआई वेल हेड और एक्स-एमएस ट्री वॉल्व आदि के लिए भी विकासत्मक ऑर्डर प्राप्त हुए हैं।

स्वदेशीकरण की दिशा में ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप रक्षा और एयरोस्पेस और परमाणु क्षेत्रों में अब तक के उच्चतम ऑर्डर बुकिंग के साथ-साथ वंदे भारत ट्रेन सेटों के लिए अंडरस्लिंग प्रोपल्शन का पहला ऑर्डर मिला। कंपनी का 21% से अधिक राजस्व आंतरिक रूप से विकसित उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं से प्राप्त किया गया है।

कोविड प्रयास

अपने स्वयं के कर्मचारियों, हितधारकों के साथ-साथ बड़े पैमाने पर समाज के लिए पहली लहर के बाद से कोविड-19 की चुनौतियों का उत्तर देने के लिए बीएचईएल के प्रयास कई स्तरों पर जारी रहे। जब अप्रैल 2021 में कोविड-19 की विनाशकारी दूसरी लहर देश में आई, तो टीम बीएचईएल ने अपने लोगों की देखभाल करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्रयासों के पूरक के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों के साथ कार्रवाई की। इसमें अन्य प्रयासों के साथ-साथ निम्नलिखित प्रयास भी सम्मिलित है:

- बीएचईएल के अंदर, सरकार के निर्देशों को विधिवत शामिल करते हुए विस्तृत एसओपी को लागू किया गया और उसका कड़ाई से कार्यान्वयन सुनिश्चित किया गया। कारखानों, कार्यालयों, टाउनशिप और आसपास

के क्षेत्रों में नियमित रूप से धूमन, साफ-सफाई (सेनेटाइजेशन) आदि किया गया और कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए वर्क फ्रॉम होम की सुविधा प्रदान की गई।

- विनिर्माण इकाइयों के साथ-साथ परियोजना स्थलों पर कर्मचारियों और उनके परिवारों की देखभाल के लिए विनिर्माण इकाइयों/टाउनशिपों और सहायता समूहों के भीतर संवर्धित अस्पताल के बुनियादी ढांचे का गठन किया गया।
- बहुमूल्य जीवन को बचाने के लिए ऑक्सीजन की तीव्र कमी से निपटने हेतु अपने सभी संसाधनों के साथ राष्ट्रीय प्रयासों में सहायता की। विभिन्न संयंत्रों में विनिर्माण और पाइपिंग सुविधाओं को जल्दी से बीएचईएल हरिद्वार और भोपाल इकाइयों के साथ ऑक्सीजन सिलेंडर भरने की सुविधाओं में परिवर्तित कर दिया गया था, जो लगभग पूरे उत्तराखंड, पश्चिमी उ.प्र., एनसीआर के कुछ हिस्सों के साथ-साथ भोपाल शहर को भी मुश्किल समय के दौरान मदद करते थे। 80,000 से अधिक सिलेंडर (~5,75,000 क्यूबिक मीटर) मेडिकल ऑक्सीजन भरकर आपूर्ति की गई और कई आपातकालीन स्थितियों का जवाब दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप असंख्य लोगों की जान बच गई।
- चिकित्सा उपयोग के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति हेतु एचपीडीपी हैदराबाद में 40 वर्ष पुराने ऑक्सीजन संयंत्र (10 वर्षों से अधिक समय से बंद) को पुनर्जीवित किया गया।
- ऑक्सीजन उत्पादित करने वाले संयंत्र के लिए विकसित प्रोटोटाइप 500 एलपीएम (सीएसआईआर-आईआईपी, देहरादून प्रौद्योगिकी आधारित) को प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण पर हस्ताक्षर करने से 40 दिनों के रिकॉर्ड समय में, और ऑर्डर प्राप्त के 35 दिनों के अंदर पहला ऑर्डर पूरा किया।
- न केवल अपने कर्मचारियों, बल्कि उनके परिवार के सदस्यों, ठेकेदारों और बड़े पैमाने पर समाज द्वारा तैनात श्रमिकों के टीकाकरण को सुनिश्चित करने के लिए निर्माण इकाइयों, परियोजना स्थलों के साथ-साथ कॉर्पोरेट कार्यालय/सेवा केंद्रों में टीकाकरण केंद्र स्थापित किए (1,30,000 से अधिक खुराक दी गई)।
- भारत से टीकों के निर्यात के लिए सरकार से विशेष अनुमति लेकर बीएचईएल टीकाकरण के प्रयास न केवल देश के भीतर बल्कि मैत्री, बांग्लादेश में विदेशी परियोजना स्थल पर भी जारी रहे।

कर्मचारियों और उनके परिवारों पर कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के सभी प्रयासों के बावजूद कंपनी ने महामारी के कारण 155 कर्मचारियों को खो दिया। आपकी कंपनी के निदेशकों को इस अपूर्णनीय क्षति पर गहरा खेद है और इस महामारी से लड़ने के प्रयासों के लिए प्रत्येक कर्मचारी और उसके परिवार के प्रति आभारी हैं। एक जिम्मेवार कंपनी होने के लोकाचार को जारी रखते हुए, कोविड-19 में मृत कर्मचारियों के आश्रितों को आर्थिक, आवास और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एक सहायता योजना शुरू की गई है।

कॉर्पोरेट अभिशासन

सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 34 के अनुसरण में, कॉर्पोरेट अभिशासन पर एक रिपोर्ट (निदेशक मंडल एवं समिति की बैठकों के विवरण सहित) निम्नलिखित के साथ निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-II में दी गई है,

- सेबी लिस्टिंग विनियमों की अनुसूची V के तहत निदेशकों की गैर-अयोग्यता का प्रमाणपत्र।
- कॉर्पोरेट अभिशासन पर सेबी सूचीयन विनियमों और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों के तहत कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षक प्रमाणपत्र।

(iii) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) के तहत सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

स्वतंत्रता की घोषणा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6) के तहत स्वतंत्रता के मानदंड से संबंधित घोषणा स्वतंत्र निदेशकों द्वारा निदेशक मंडल को दी गई है। सभी स्वतंत्र निदेशकों ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 150 के तहत अधिसूचित भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान (आईआईसीए) के ऑनलाइन डेटाबेस पर अपना पंजीकरण कराया है।

श्री राज कमल बिंदल और श्री मनीष कपूर ने आईआईसीए द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रवीणता स्व-मूल्यांकन परीक्षा उत्तीर्ण की है, जबकि श्री राज के अग्रवाल को उक्त परीक्षा (आईआईसीए से प्राप्त छूट प्रमाण पत्र) से छूट दी गई है। निदेशक मंडल राय में, स्वतंत्र निदेशकों के पास सत्यनिष्ठा और आवश्यक विशेषज्ञता और अनुभव है।

अनुपालन

कई अन्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के अतिरिक्त, कंपनी ने प्रणालियों और प्रक्रियाओं के अनुपालन की लगातार समीक्षा की है और उसे सुदृढ़ किया है।

- कंपनी सुदृढ़ कॉर्पोरेट अभिशासन को अपने मूल मूल्यों में से एक मानती है जो इसे प्रकटीकरण में उच्च स्तर की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध करती है।
- विभिन्न कानूनों में अनुपालन तंत्र को मजबूत करने के लिए, निदेशक मंडल द्वारा लागू कानूनों/अधिनियमों पर एक तिमाही कानूनी अनुपालन रिपोर्ट की समीक्षा की जाती है।
- एक सूचीबद्ध कंपनी होने के नाते, सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सेबी की ओर से किसी भी वित्तीय मामले पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई है।
- कंपनी ने लागू सचिवीय मानकों का अनुपालन किया है।
- वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए, कंपनी भारतीय लेखा मानकों (इंड एस), मार्गदर्शन नोट्स और आईसीएआई, कंपनी अधिनियम, 2013 और अन्य लागू विधियों द्वारा जारी अन्य आधिकारिक साहित्य का अनुपालन सुनिश्चित करती है। वित्तीय रिपोर्टिंग और प्रकटन की गुणवत्ता को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा भी सम्मानित किया गया है।

कंपनी वित्तीय विवरणों में अपने प्रकटन और पारदर्शिता मानकों में लगातार सुधार करने का प्रयास करती है।

राजकोष में योगदान

कंपनी वर्षों से राजकोष में लगातार महत्वपूर्ण योगदान देती रही है और कर अनुपालन के संबंध में सत्यनिष्ठा के उच्च मानकों को बनाए हुए है। चालू वर्ष के दौरान राजकोष में कंपनी का योगदान ₹3,050 करोड़ से अधिक था।

कंपनी को नकदी में विस्तृत योगदान, रिटर्न की शीघ्र फाइलिंग और सरकार (एक से अधिक राज्यों की) को माल एवं सेवा कर के समय पर भुगतान के माध्यम से सुदृढ़ और परिवर्तनीय राष्ट्र निर्माण में योगदान लिए **वित्त मंत्रालय, भारत सरकार से लगातार दूसरे वर्ष प्रशंसा प्रमाणपत्र** भी प्राप्त हुआ है।

लेखापरीक्षा समिति

कंपनी में कंपनी अधिनियम, 2013 की अपेक्षाओं के साथ-साथ उसके तहत बनाए गए नियमों और सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम 2015 के विनियम 18 के अनुसार एक निदेशक मंडल स्तरीय लेखा परीक्षा

समिति है, जिसके संबंध में विवरण कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट में दिया गया है। नियमित अंतराल पर होने वाली बैठकों में सभी मुद्दों पर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से विचार-विमर्श किया जाता है। निदेशक मंडल स्तर की लेखा परीक्षा समिति के सदस्यों के विचारों और सुझावों को ध्यान में रखा जाता है और कंपनी की प्रक्रियाओं में शामिल किया जाता है। इसके अतिरिक्त, ऐसा कोई दृष्टांत नहीं है जहां निदेशक मंडल ने निदेशक मंडल स्तरीय लेखा परीक्षा समिति की अनुशंसाओं को स्वीकार नहीं किया है।

निदेशकों और शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक में परिवर्तन का विवरण नियुक्ति नियुक्ति

डॉ. राज के. अग्रवाल, डॉ. के. शिवप्रसाद और डॉ. लेख श्री सामंत सिंधार को दिनांक 9 नवंबर, 2021 से अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री उपिन्द्र सिंह मठारू को दिनांक 21 मार्च, 2022 से पूर्णकालिक (कार्यात्मक) निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है और निदेशक (पावर) के रूप में कार्यभार संभाला है।

श्री विजय मित्तल, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय को दिनांक 25 मार्च 2022 से अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव को दिनांक 12 अगस्त, 2022 से पूर्णकालिक (कार्यात्मक) निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है और निदेशक (इंजीनियरिंग, अनु. एवं विकास) के रूप में कार्यभार संभाला है।

सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम 2015 के विनियम 17 (1सी) और कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुरूप, श्री उपिन्द्र सिंह मठारू और श्री विजय मित्तल जिन्हें अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था अगली आम बैठक तक या तीन महीने की समय अवधि के भीतर, जो भी पहले हो, निदेशक के रूप में 15 जून, 2022 को कंपनी के शेयरधारकों द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

लागू वैधानिक प्रावधानों और कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसार, डॉ. राज के. अग्रवाल, डॉ. के. शिवप्रसाद, डॉ. लेख श्री सामंतसिंधार और श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव को अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, वे कंपनी की 58 वीं वार्षिक आम बैठक तक निदेशक पद पर रहेंगे और बैठक में निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र होंगे।

इसके अतिरिक्त, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152 और कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 67 (i) के अनुसार, सुश्री रेणुका गेरा और श्री सुबोध गुप्ता वार्षिक आम बैठक में रोटेशन में सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने के नाते, स्वयं को पुनः नियुक्त करने का प्रस्ताव रखेंगे।

समापन

श्री अनिल कपूर, जिन्हें 15 अक्टूबर, 2019 को निदेशक (मानव संसाधन) के रूप में नियुक्त किया गया था, का 31 जनवरी, 2022 को अधिवर्षिता की आयु पूरी होने पर पर कंपनी का निदेशक पद समाप्त हो गया।

श्री राजेश शर्मा, जिन्हें 20 फरवरी, 2019 को अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, का कार्यकाल 13 फरवरी, 2022 को पूरा होने पर कंपनी का निदेशक पद समाप्त हो गया।

श्री जीतेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय, जिन्हें 18 जून, 2021 को अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, का 25 मार्च, 2022 को अंशकालिक सरकारी निदेशक का पद समाप्त हो गया।

श्री आदित्य प्रसाद साहू, जिन्हें 29 दिसंबर, 2021 से अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। बीएचईएल के निदेशक मंडल से 30 मई, 2022 को उनके त्यागपत्र देने के परिणामस्वरूप उनका कंपनी के निदेशक का पद समाप्त हो गया। श्री साहू ने अपना त्यागपत्र दे दिया क्योंकि वे झारखंड से राज्यसभा चुनाव लड़ रहे थे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी पुष्टि की है कि त्यागपत्र के लिए उनके द्वारा दिए गए कारणों के अलावा कोई अन्य कारण नहीं हैं।

निदेशक मंडल सर्व/श्री अनिल कपूर, राजेश शर्मा, जीतेंद्र सिंह और आदित्य प्रसाद साहू द्वारा अपने-अपने कार्यकाल के दौरान प्रदान की गई बहुमूल्य सेवाओं, सलाह और मार्गदर्शन के लिए उनकी हृदय से सराहना करता है।

सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 36(3) के अनुपालन में, विशिष्ट कार्यात्मक क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता की प्रकृति के साथ नियुक्ति और पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त विवरण और कंपनियों के नाम जो व्यक्ति निदेशक मंडल समितियों की सदस्यता के साथ निदेशक का पद धारण करता है, सूचना के व्याख्यात्मक विवरण/अनुलग्नक में दिया गया है।

सीईओ/सीएफओ प्रमाणपत्र

सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 17(8) के अनुसार सीईओ/सीएफओ प्रमाणपत्र निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-III में दिया गया है।

समेकित वित्तीय विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) और सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम 2015 के विनियम 34 के अनुसार तैयार समेकित वित्तीय विवरणों का संक्षिप्त विवरण प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण के तहत पैरा 1.5.4 में दिया गया है।

संधारणीय विकास

संधारणीय विकास के सिद्धांत बीएचईएल की व्यावसायिक प्रक्रियाओं में निहित हैं और हमारा मिशन कथन – “ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी सुविधा के क्षेत्र में संधारणीय व्यावसायिक समाधान प्रदान करना” इसका प्रमाण है।

बीएचईएल में संधारणीय विकास स्थिरता के तीन स्तंभों, अर्थात् पर्यावरण, आर्थिक और सामाजिक को संबोधित करता है। एक जिम्मेदार और सतत संगठन बनाने की दृष्टि के साथ, बीएचईएल पर्यावरण, स्वास्थ्य, सामाजिक समानता और संगठन के भीतर और उसके बाहर आर्थिक जीवन शक्ति के

एकीकरण की दिशा में प्रयासरत है। इस दृष्टि की अभिव्यक्ति हरित उत्पादों के विकास, अक्षय ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि, कुशल जल प्रबंधन, उन्नत हरित आवरण, प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के अनुकूलन और बेहतर ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के प्रति हमारे दृष्टिकोण में स्पष्ट है।

इनमें से कुछ गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण – निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-IV में दिया गया है।

व्यवसाय उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्ट

सूचीयन विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप, पर्यावरण, सामाजिक और शासन के दृष्टिकोण से कंपनी द्वारा की गई पहलों का वर्णन करने वाली व्यवसाय उत्तरदायित्व और धारणीयता रिपोर्ट निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-V में संलग्न है।

अनुसंधान एवं विकास और तकनीकी विकास की उपलब्धियां

मौजूदा व्यावसायिक क्षेत्रों और उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों दोनों में चुनौतीपूर्ण प्रौद्योगिकी वातावरण को संबोधित करने के लिए बीएचईएल के पास एक मजबूत नवाचार और अनुसंधान एवं विकास ढांचा है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी का अनु. एवं विकास व्यय लगभग ₹700 करोड़ था, जो राजस्व का लगभग 3.5% है। इसमें अन्य अनु. एवं विकास परियोजनाओं के अलावा, ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुरूप उत्पादों और डिजाइनों में संशोधन और सुधार के लिए विनिर्माण इकाइयों में किए गए अनुसंधान एवं विकास प्रयासों पर किए गए व्यय शामिल हैं। कंपनी ने वर्ष के दौरान 516 पेटेंट और कॉपीराइट आवेदन दायर किए, जिससे कंपनी की बौद्धिक पूंजी 5000 से अधिक हो गई। इन-हाउस विकसित उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं ने कंपनी के वार्षिक राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अधिक विवरण निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-VI में दिए गए हैं।

राजभाषा का कार्यान्वयन

बीएचईएल में राजभाषा के कार्यान्वयन को गति देने के लिए सभी इकाइयों/प्रभागों में राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। कॉर्पोरेट कार्यालय सहित सभी इकाइयों/प्रभागों में नियमित रूप से तिमाही बैठकें आयोजित की जा रही हैं। कंपनी में राजभाषा कार्यान्वयन की गति को और तेज करने के लिए, कंपनी भर में 100 से अधिक राजभाषा चक्रों का गठन किया गया। राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कंपनी को राजभाषा के कार्यान्वयन की दिशा



माननीय भारी उद्योग मंत्री, डॉ. महेन्द्रनाथ पांडेय बीएचईएल, हैदराबाद के दौरे के दौरान कोल टू केमिकल संयंत्र में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए

में अपने उत्कृष्ट प्रयासों के लिए कई राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। अतिरिक्त विवरण निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-VIII में प्रदान किए गए हैं।

सतर्कता तंत्र

कंपनी में निर्णय लेने की सभी प्रक्रियाओं का आधार पारदर्शिता, निष्पक्षता और विषयनिष्ठता है।

कंपनी में सुव्यवस्थित सतर्कता तंत्र है जिसमें सतर्कता विभाग, आंतरिक लेखा परीक्षा, व्हिसल ब्लोअर नीति तंत्र, स्वतंत्र बाह्य मॉनिटर (रॉ) के साथ-साथ निदेशक मंडल स्तर की लेखा परीक्षा समिति शामिल है।

बीएचईएल के सतर्कता कार्य (फंक्शन) का नेतृत्व मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) द्वारा किया जाता है जो कंपनी में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की विस्तारित शाखा के रूप में कार्य करते हैं। बीएचईएल की सभी इकाइयों और प्रभागों में एक सतर्कता प्रणाली है, इसके अध्यक्ष कोई वरिष्ठ अधिकारी होते हैं, जो में सीवीओ को रिपोर्ट करते हैं।

निवारक सतर्कता बीएचईएल का फोकस क्षेत्र रहा है क्योंकि भ्रष्टाचार की संभावना को कम करने के लिए सक्रिय (प्रोएक्टिव) सतर्कता बेहतर है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रणाली में खामियों को दूर करके प्रक्रिया में अस्पष्टता और विवेकगत निर्णयों की संभावना को उत्तरोत्तर कम करना है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक से अधिक उद्देश्यपूर्ण और पारदर्शी बनाया जा सके तथा कदाचार में लिप्त होने की गुंजाइश को भी कम किया जा सके। बीएचईएल की लेखापरीक्षा रिपोर्ट (आंतरिक, सांविधिक और सीएजी रिपोर्ट) की नियमित रूप से जांच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी रिपोर्टों में बताई गई अनियमितताओं के संबंध में कोई सतर्कता संबंधी मामला शामिल है या नहीं।

सत्यनिष्ठा समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी और इससे संबंधित किसी भी मामले को दूर करने के लिए दो स्वतंत्र बाह्य मॉनिटर्स (आईईएम) का एक पैनल मौजूद है।

कंपनी अनुचित और अनैतिक पद्धतियों की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करती है और इसका एक व्हिसल-ब्लोअर नीति तंत्र है जो शिकायतकर्ता को उत्पीड़न के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराता है।

निदेशक मंडल स्तरीय लेखापरीक्षा समिति व्हिसल ब्लोअर/सतर्कता तंत्र के कामकाज की समीक्षा करती है और सतर्कता तंत्र की वार्षिक समीक्षा भी निदेशक मंडल द्वारा की जाती है। अतिरिक्त विवरण निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-VIII में दिया गया है।

स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई)

बीएचईएल अपने कार्यबल की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ अपने परिचालन के विभिन्न पर्यावरणीय प्रभावों से पृथ्वी (ग्रह) की सुरक्षा हेतु स्थायी पद्धतियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है। हमारा मानना है कि अच्छे स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरणीय अनुपालन से ग्राहकों की निष्ठा वृद्धि, मूल्यवान साझेदारी और सहयोग और सतत विकास के मामले में दीर्घकालिक लाभ होंगे।

बीएचईएल को व्यावसायिक, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा और पर्यावरण अनुपालन के उच्चतम स्तरों को प्राप्त करने की दिशा में, अपनी विनिर्माण इकाइयों और पावर सेक्टर क्षेत्रों को व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रमाणन (आईएसओ 45001: 2018) और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन (आईएसओ 14001: 2015) प्राप्त हुए हैं। नियमित अनुपालन बढ़ाने के लिए, संगठन के भीतर एचएसई विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा विनिर्माण इकाइयों और परियोजना स्थलों का आंतरिक ऑडिट भी किया जाता है।

अतिरिक्त विवरण निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-VIII में दिए गए हैं।

डेटा और साइबर सुरक्षा

बीएचईएल ने अपनी आईटी संपत्तियों और डेटा के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बहुस्तरीय सुरक्षा तैयार की है। केंद्रीकृत नियंत्रण वाले सुरक्षा उपकरण पैरीमीटर से लेकर अंतिम उपयोगकर्ता उपकरणों तक सभी आईटी संपत्तियों को सुरक्षित करते हैं। समस्त आवक-जावक इंटरनेट ट्रैफिक की निगरानी के लिए ग्लोबल थ्रेट इंटेलिजेंस के साथ एकीकृत साइबर सुरक्षा परिचालन केंद्र (सी-एसओसी) मौजूद है। विभिन्न सरकारी एजेंसियों से साइबर सुरक्षा सलाह के अनुपालन पर समय-समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

आपकी कंपनी न केवल आईटी विशेषज्ञों, बल्कि कर्मचारियों को भी सोशल-इंजीनियरिंग हमलों सहित साइबर अपराधों के खिलाफ बीएचईएल की रक्षा करने में मदद करने के लिए शिक्षित और प्रशिक्षित करने में विश्वास करती है। कंपनी भर में सिमुलेशन अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रम और संचार जैसे प्रयासों के माध्यम से उपयोगकर्ता जागरूकता और संवेदीकरण लगातार सुनिश्चित किया जाता है।

बीएचईएल में सूचना सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक पहल इसकी सूचना प्रणाली की गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 2005 से सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) का कार्यान्वयन है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक संगठन, मानकीकरण, परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणन (STQC) निदेशालय के लेखा परीक्षक, संगठन के सूचना सुरक्षा बुनियादी ढांचे का ऑडिट करते हैं और समय-समय पर ISO 27001:2013 प्रमाण पत्र जारी करते हैं। 2021-22 में, बीएचईएल ने पूरे संगठन के लिए अलग-अलग बीएचईएल इकाइयों को दिए गए 23 अलग-अलग आईएसएमएस प्रमाणपत्रों को एक ही आईएसएमएस प्रमाण पत्र में सफलतापूर्वक एकीकृत किया है।

कोविड-19 महामारी और परिणामी लॉकडाउन में कर्मचारियों को घर से काम करने की आवश्यकता थी जिसने साइबर खतरे के परिदृश्य में एक नया आयाम जोड़ा। बीएचईएल ने आईटी परिचालन के संपूर्ण तंत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बदलते परिदृश्य में तेजी से उसके अनुकूल बनाया। इस प्रक्रिया से मिली सीख ने बीएचईएल के साइबर सुरक्षा प्रोफाइल को और मजबूत करने में मदद की है।

अन्य सूचनाएं

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (एम) के प्रावधानों के अनुसार कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के साथ पठित ऊर्जा के संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी मुद्रा आय और व्यय के संबंध में जानकारी निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-VII में दी गई है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधानों के साथ पठित कंपनी (प्रबंधकीय कर्मियों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 5 के अनुसार, प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी को निदेशक मंडल रिपोर्ट में निदेशकों के पारिश्रमिक आदि के विवरण का खुलासा करना आवश्यक है। हालांकि कॉर्पोरेट मंत्रालय द्वारा जारी 5 जून 2015 की अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) के अनुसार, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधानों के अनुपालन से छूट दी गई है। बीएचईएल एक सरकारी कंपनी है इसलिए ये विवरण निदेशक मंडल रिपोर्ट में शामिल नहीं हैं।

कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के साथ पठित सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (फॉर्म एओसी-1) और कंपनी अधिनियम की धारा 134(3)(एच) के अनुसरण में फॉर्म

एओसी-2 का विवरण निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-IX में दिया गया है।

लेखापरीक्षक

आपकी कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा की जाती है। सांविधिक लेखापरीक्षक की तीन फर्मों को संयुक्त सांविधिक लेखा परीक्षकों के रूप में और चार फर्मों को शाखा लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया था। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए नियुक्त लेखा परीक्षक फर्मों के नाम वार्षिक रिपोर्ट में अलग से दिए गए हैं।

लेखाओं (खातों) पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

कंपनी के वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए एकल (स्टैंडअलोन) और समेकित वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-X में दी गई है। कंपनी के वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में कोई अर्हता नहीं है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा किसी भी धोखाधड़ी की सूचना नहीं दी गई है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी पूरक लेखापरीक्षा रिपोर्ट भी अनुलग्नक-X का हिस्सा है।

सचिवीय लेखापरीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सचिवीय लेखापरीक्षा आयोजित करने और उनकी रिपोर्ट के लिए सचिवीय लेखापरीक्षकों के रूप में मैसर्स अग्रवाल एस. एण्ड एसोसिएट्स, पूर्णकालिक व्यवसायी कंपनी सचिवों को नियुक्त किया गया और उनकी रिपोर्ट कॉर्पोरेट अभिशासन अनुभाग का हिस्सा है।

सचिवीय लेखापरीक्षक ने अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि निदेशक मंडल की संरचना में भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (सूचीयन दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 17(1) (ए) और (बी) और 01.04.2021 से 08.11.2021 की अवधि के दौरान कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के पैरा 3.1.4 के अनुसार अनुपालन नहीं किया गया है, क्योंकि कंपनी के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों (कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) की अपेक्षित संख्या नहीं थी।

प्रबंधन ने टिप्पणी को नोट किया और बताया कि बीएचईएल के एक सरकारी कंपनी होने के नाते, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। कंपनी अपने निदेशक मंडल में आवश्यक संख्या में स्वतंत्र निदेशकों (कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) की नियुक्ति के लिए निरंतर सम्प्रेषण कर रही थी। तीन स्वतंत्र निदेशकों (एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) की नियुक्ति के अनुसरण में, कंपनी ने लागू सेबी सूचीयन विनियमों और 09.11.2021 से प्रभावी डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों का अनुपालन किया है।

लागत लेखापरीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के प्रावधानों और कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखापरीक्षा) नियम, 2014 और उसके संशोधनों के अनुसार, निदेशक मंडल ने लेखापरीक्षा समिति की अनुशंसा पर, वित्त वर्ष 2020-21 के लिए आपकी कंपनी के लागत लेखों के लेखापरीक्षा के लिए लागत लेखापरीक्षकों के रूप में लागत लेखाकारों की सात फर्मों की नियुक्ति को मंजूरी दी। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 की उप-धारा (1) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट लागत लेखों और अभिलेखों को उचित रूप से बनाए रखा गया है और उनका अनुपालन किया गया है।

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए नियुक्त लागत लेखापरीक्षकों का विवरण वार्षिक रिपोर्ट में अलग से दिया गया है। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए लागत लेखापरीक्षा रिपोर्ट 27 अगस्त, 2021 को एक्सबीआरएल मोड के तहत दायर



सचिव (भारी उद्योग) टीपी झांसी के दौरे पर

की गई है, जो कि दाखिल करने की नियत तारीख के भीतर है और लागत लेखापरीक्षा रिपोर्ट में कोई अर्हता नहीं थी।

प्रशंसा और आभार

आपके निदेशक कंपनी के परिचालन और रणनीतिक पहलों के विभिन्न क्षेत्रों में भारत सरकार, विशेष रूप से भारी उद्योग मंत्रालय से प्राप्त सहयोग और मार्गदर्शन के लिए मुक्त-कंठ से प्रशंसा करते हैं और कृतज्ञतापूर्वक अपना आभार व्यक्त करते हैं।

हम विद्युत मंत्रालय, रेल मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और भारत सरकार के सांविधिक प्राधिकरणों/विभागों के बहुमूल्य समर्थन और निरंतर सहयोग के लिए भी कृतज्ञतापूर्वक आभारी हैं।

निदेशकगण भारत और विदेशों में कंपनी के मूल्यवान ग्राहकों के प्रति निष्ठापूर्वक आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने जटिल दीर्घकालिक विकास प्रक्रिया के दौरान, विशेष रूप से कोविड के समय निर्माण अनुबंधों में आने वाली विभिन्न समस्याओं को हल करने में सहयोग किया है।

निदेशकगण भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक, व्यसाय निकायों, सांविधिक लेखापरीक्षकों, शाखा लेखापरीक्षकों, सचिवीय लेखा परीक्षकों और लागत लेखापरीक्षकों को उनके रचनात्मक सुझावों और निरंतर सहयोग के लिए उनका भी आभार व्यक्त करते हैं।

निदेशकगण कंपनी के सभी सम्मानित शेयरधारकों के प्रति सहयोग करने तथा कंपनी पर विश्वास बनाए रखने के लिए सहृदय आभार व्यक्त करते हैं तथा भविष्य में इस पारस्परिक सहयोग को जारी रखने की आशा करते हैं।

निदेशकगण सभी प्रौद्योगिकी सहयोगियों, आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों से प्राप्त उनके निरंतर सहयोग के लिए उन्हें भी धन्यवाद देते हैं। हम वित्तीय संस्थानों, बैंकों और स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा प्रदान किए गए सहयोग के लिए उनके प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं।

अंत में, आपके निदेशकगण कंपनी की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए इस कठिन समय में दिन-रात काम करने वाले बीएचईएल के सभी कर्मचारियों को उनकी लगन, कर्मठ प्रयासों, कठिन परिश्रम और प्रतिबद्धता के लिए उनका सहृदय आभार व्यक्त करते हैं

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
के निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से



डॉ. नलिन सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 04.09.2022

निदेशक मण्डल की रिपोर्ट का अनुलग्नक—I

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

1.1 आर्थिक और व्यावसायिक अवलोकन

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कोविड-19 की दूसरी लहर के कम होने के बाद से 8.7% की जीडीपी वृद्धि के साथ, भारत की आर्थिक गतिविधि पुनर्प्राप्ति पथ पर है। निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों की निरंतर मांग के साथ-साथ बेहतर औद्योगिक उत्पादन गतिविधि ने आर्थिक सुधार में मदद की है।

महामारी से प्रभावित लॉकडाउन ने वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा किया है, खासकर पड़ोसी देशों से। भू-राजनीतिक अस्थिरता ने उद्योगों में आपूर्ति शृंखला में व्यवधान को और बढ़ा दिया है, जिससे कच्चे माल और कच्चे तेल की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। महामारी से प्रभावित मंदी का मुकाबला करने के लिए, अधिकांश केंद्रीय बैंकों ने तरलता का संचार किया, जिससे अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ गया। इन सभी कारकों ने विनिर्माण कंपनियों की लाभप्रदता को प्रभावित किया है।

विगत वर्ष में बढ़ी हुई आर्थिक गतिविधियों और घरेलू विनिर्माण पर सरकार के दबाव के साथ बिजली की मांग में तेजी आई है। हाल के महीनों में बिजली की कमी ने केंद्रीय और साथ ही राज्य उपयोगिताओं को लघु और मध्यम अवधि में नए कोयला आधारित बिजली संयंत्र-भारतीय बिजली क्षेत्र का मुख्य आधार स्थापित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया है। लंबे समय में, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देश की प्रतिबद्धताओं के साथ चल रहे ऊर्जा परिवर्तन से ताप विद्युत संयंत्रों की मांग प्रभावित होने की उम्मीद है।

विगत कुछ वर्षों के दौरान, कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के लिए निविदाएं बंद ही रही हैं, जबकि हाइड्रो और परमाणु खंड में व्यावसायिक गतिविधि में सुधार हुआ है। केंद्रीय और राज्य दोनों क्षेत्रों से उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों की मांग स्थिर बनी रही। इन बाजार स्थितियों में, बीएचईएल ने परमाणु क्षेत्र में अब तक के सर्वोच्च ऑर्डर और हाइड्रो क्षेत्र और उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण खंड में प्रमुख ऑर्डर प्राप्त कर अपनी नेतृत्व की स्थिति बनाए रखी। भारत सरकार के विनिर्माण और आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रोत्साहन के सहयोग के लिए हाइड्रो और परमाणु खंड में बढ़े हुए ऑर्डर के साथ-साथ थर्मल क्षेत्र की ऑर्डर पाइपलाइन में सुधार की उम्मीद है।

परिवहन खंड में, भारतीय रेलवे अपने परिचालन को अकार्बनीकृत करने और बुनियादी ढांचे के उन्नयन एवं आधुनिकीकरण की पहल के साथ आगे बढ़ रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) कॉरिडोर के साथ, देश अब सात और एचएसआर कॉरिडोर बना रहा है। शहरी परिवहन में कई नए अवसर सामने आ रहे हैं जिनमें सेमी हाई-स्पीड ट्रेने जैसे वंदे भारत (ट्रेनसेट), माल दुलाई के लिए उच्च एचपी लोकोमोटिव, मेट्रोलाइट इत्यादि शामिल हैं।

विद्यमान भू-राजनीतिक स्थिति ने घरेलू रक्षा और एयरोस्पेस व्यवसाय को नए सिरे से गति दी है और सरकार मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के माध्यम से रक्षा जरूरतों को पूरा करने का प्रयास कर रही है। घरेलू विनिर्माण संस्थाओं के लिए स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों और उत्पादों के नए अवसर उभर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों में कई उद्योग इन क्षेत्रों में अच्छी व्यावसायिक संभावनाओं को प्रस्तुत करते हुए अपनी क्षमता विस्तार योजनाओं को सुदृढ़ कर रहे हैं।

भारत के विशाल कोयला भंडार का सदुपयोग करने हेतु स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों पर नए सिरे से ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन के तहत, सरकार ने सिनगैस के उत्पादन के लिए कोयले के स्वच्छ उपयोग के लिए परियोजनाओं की पहचान की है कि जिन गैस को कई रसायनों में परिवर्तित किया जा सकता है। स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित कोल-टू-केमिकल व्यवसाय पर इस प्रोत्साहन से कोयला गैसीकरण के व्यावसायीकरण के अवसर खुलेंगे, विशेषकर उन कंपनियों के लिए जो उच्च राख वाले भारतीय कोयले का गैसीकरण कर सकती हैं।

1.2 अवसर और आशंकाएँ

विद्यमान चुनौतियों ने एक ही समय में भारतीय उद्योग के लिए कई अवसर उपलब्ध कराए हैं। महामारी के परिणामस्वरूप कई वैश्विक कंपनियां चीन के बाहर विनिर्माण आधारों को तलाश रही हैं। भारत मुख्य बाजारों में से एक और एक प्रभावशाली गंतव्य होने के कारण, आपूर्ति शृंखला के कई तत्वों को भारत में स्थानांतरित करने की उम्मीद है। साथ ही, वर्तमान भू-राजनीतिक घटनाओं ने आत्मनिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला है, विशेषकर रक्षा और ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में जो भारतीय विनिर्माण कंपनियों को अच्छे व्यावसायिक अवसर प्रदान कर सकते हैं। विद्यमान ऊर्जा परिवर्तन के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान से भी सौर, जल, कोयला और परमाणु क्षेत्रों के पारंपरिक क्षेत्रों में अवसरों के अलावा नए क्षेत्रों जैसे कि कोयला से रसायन, हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था मूल्य शृंखला, आदि में अवसर प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है।

लंबे समय तक रूस-यूक्रेन संकट या किसी अन्य अस्थिर भू-राजनीतिक घटना के उभरने से इनपुट सामग्री और कच्चे तेल की कीमतों में निरंतर वृद्धि होगी और भारतीय उद्योगों की लाभप्रदता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। निरंतर उच्च मुद्रास्फीति नियोजित और आगामी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए पूंजी समर्थन को प्रभावित कर सकती है। अंत में, एक और लहर या किसी अन्य महामारी के रूप में कोविड के पुनरुत्थान से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

टीम बीएचईएल विद्यमान चुनौतियों से उत्पन्न होने वाले आगामी अवसरों का लाभ उठाने के लिए इस अटल विश्वास के साथ कि कठिन परिस्थितियाँ हमसे सर्वश्रेष्ठ करवाती हैं, हर संभव प्रयास कर रही है।

1.3 व्यावसायिक पहलें

1.3.1 पारंपरिक व्यवसाय में नेतृत्व बनाए रखना

बीएचईएल अपने प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में निश्चयपूर्वक नेतृत्व बनाए हुए है और थर्मल सेगमेंट में उत्पन्न होने वाले अवसरों को परिणत करने की अच्छी स्थिति में है।

बीएचईएल के परमाणु और जलविद्युत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में मजबूत ऑर्डर बुकिंग हुई है। 2021-22 के दौरान, बीएचईएल को परमाणु खंड में प्रमुख ऑर्डर प्राप्त हुए जिसमें 6 x 700 मेगावाट प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टरों के टर्बाइन आइलैंड पैकेज के ईपीसी के लिए अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर और फ्लीट मोड के तहत एनपीसीआईएल से रिएक्टर हैडर असेंबलियों के साथ-साथ स्टीम जेनरेटरों की आपूर्ति के लिए

अब तक का पहला ऑर्डर शामिल है। बीएचईएल ने हाइड्रो खंड में अपना दबदबा जारी रखते हुए अन्य इलेक्ट्रो मैकेनिकल कार्यों और नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए प्रमुख ऑर्डर हासिल किए।

कंपनी ने 66 प्लू गैस डिसल्फराइजेशन सेट और 11 सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन सेट के पोर्टफोलियो के साथ घरेलू उत्सर्जन नियंत्रण व्यवसाय में अपना नेतृत्व बनाए रखा। इन परियोजनाओं के निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कंपनी का पहला एफजीडी संयंत्र दादरी में वर्ष के दौरान सफलतापूर्वक चालू किया गया था।

बीएचईएल अब थर्मल क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ दक्षता, कम रेटिंग वाले सुपरक्रिटिकल प्लांट और कोयला गैसीकरण जैसी स्वदेशी रूप से विकसित स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों की एयूएससी प्रौद्योगिकी की पेशकश कर रहा है और कोयले से रसायनों के संश्लेषण के लिए प्रक्रिया विकास की दिशा में काम कर रहा है। इसके अतिरिक्त, कंपनी उत्सर्जन नियंत्रण के लिए व्यापक समाधान प्रदान कर रही है और परमाणु खंड में मौजूदा पेशकशों का विस्तार कर रही है। स्पेयर्स एंड सर्विसेज व्यापार, व्यापार मॉडल के सुधार के साथ एक प्रमुख फोकस क्षेत्र है, जो ग्राहकों की आवश्यकताओं के साथ-साथ बीएचईएल और गैर-बीएचईएल सेटों को पूरा करने के लिए अधिक उत्तरदायी होगा। इस सेगमेंट में कंपनी द्वारा दी जाने वाली आईटी समर्थ/आईओटी आधारित सेवाओं की रेंज का विस्तार करने के प्रयास भी चल रहे हैं। आपकी कंपनी ग्राहकों के साथ लंबी अवधि के स्पेयर्स की आपूर्ति के साथ-साथ सेवा समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए भी काम कर रही है, जो ग्राहकों को स्पेयर्स और सेवाओं की त्वरित उपलब्धता के साथ-साथ बीएचईएल के लिए बड़ी बाजार हिस्सेदारी और नियमित राजस्व प्रदान करेगा। बीएचईएल ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते एकीकरण/हिस्से को देखते हुए विद्युत संयंत्रों के लचीले परिचालन के लिए अनुकूलित समाधान भी प्रस्तुत कर रहा है। समेकित प्रयासों से, वर्ष के दौरान लचीले परिचालन अध्ययन के लिए पहला आदेश प्राप्त हुआ है, जिससे इंजीनियरिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए नए रास्ते खुल गए हैं।

1.3.2 विविधीकरण पहल

कंपनी अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिए उत्पादों और सेवाओं के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करते हुए मुख्य रूप से एक थर्मल पावर उपकरण और ईपीसी कंपनी से स्वयं को एक 'इंजीनियरिंग कंपनी' में परिवर्तित करने के मार्ग पर है। रेल परिवहन, रक्षा, एयरोस्पेस, तेल और गैस क्षेत्रों में विकास पर कृतसंकल्प होने के परिणामस्वरूप कई अवसरों को संबोधित करने के साथ-साथ इन क्षेत्रों में कंपनी की भूमिका और उपस्थिति का विस्तार हुआ है। शहरी गतिशीलता, नए रक्षा कार्यक्रम, इसरो से संबंधित अवसर, तेल एवं गैस व्यवसाय में एलएसटीके अवसर, ऊर्जा भंडारण समाधान, आदि सहित कई नए उत्पादों, प्रणालियों और समाधानों को विकास के नए वाहकों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में आने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए वैश्विक ओईएम के साथ रणनीतिक साझेदारी करने के प्रयास भी चल रहे हैं।

बीएचईएल को आईसीएफ चेन्नई से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए 3-फेस आईजीबीटी आधारित प्रणोदन प्रणाली की आपूर्ति के लिए अपना पहला आदेश प्राप्त हुआ, जो घरेलू सेमी हाई स्पीड मोबिलिटी सेगमेंट में प्रवेश को चिह्नित करता है। बीएचईएल रेल परिवहन में आने वाले अवसरों, विशेष रूप से सेमी हाई स्पीड ट्रेनसेट के साथ-साथ उच्च रेटिंग वाले इलेक्ट्रिक इंजनों की आगामी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार है।

हाल के वर्षों में रक्षा और एयरोस्पेस व्यवसाय पर दृढ़ फोकस के परिणामस्वरूप इस सेगमेंट के लिए उच्चतम ऑर्डर बुकिंग हुई है। इसमें भारतीय युद्धपोतों की मुख्य गन अपग्रेडेशन एसआरजीएम का ऑर्डर, जिसके लिए बीएचईएल एकमात्र

आपूर्तिकर्ता है और अन्य के साथ-साथ रक्षा मंत्रालय से सामरिक उपकरण/इंजीनियरिंग ऑर्डर शामिल हैं।

इन निकटवर्ती व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए लागत कटौती उपायों का कार्यान्वयन, जिसमें अन्य के साथ-साथ, संसाधन वृद्धि, संगठन संरचना को सक्षम करना, साझेदारी बनाना, प्रौद्योगिकी विकास आदि प्रमुख फोकस क्षेत्र हैं।

1.4 परिचालन उत्कृष्टता

1.4.1 परियोजना निष्पादन में सुधार

आपकी कंपनी की परिचालन विचारधारा राजस्व केंद्रित से परियोजना केंद्रित परिवर्तित होने के कारण लंबे समय से लंबित परियोजनाओं का सफलतापूर्वक समापन कर दिया गया है, निष्पादन मामलों का समाधान, निरंतर परियोजना विलंब को रोकना, लंबे समय तक साइटों पर पड़ी सामग्री/उपकरणों में टूट फूट और रीवरक में कमी (पुनः कार्य) और इरेक्शन और कमीशनिंग के लिए उपलब्ध सामग्री/उपकरणों की गुणवत्ता में सुधार हुआ। इसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष में चालू वर्ष की बिलिंग (वित्त वर्ष 2021-22 में 86%) की अब तक की सबसे अधिक वसूली देखी गई। साइट डेटा डिजिटाइजेशन (एसडीडी) पर चल रहे काम के साथ एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली (आईपीएमएस) के सफल कार्यान्वयन ने परियोजना की प्रगति की वास्तविक समय की निगरानी के साथ-साथ मुद्दों के मामले में त्वरित हस्तक्षेप को सक्षम किया है। इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप परियोजना समय-सीमा में कमी के कारण बचत भी हुई है। वर्ष के दौरान कोविड से संबंधित बाधाओं के बावजूद, आपकी कंपनी द्वारा की गई विभिन्न पहलों जैसे ठेकेदारों द्वारा तैनात श्रमिकों के लिए टीकाकरण अभियान, साइट पर विक्रेताओं के लिए पर्याप्त तरलता को चैनलाइज करना आदि के कारण मुख्य रूप से साइट पर कार्य निर्बाध रूप से जारी रहा।

1.4.2 लागत अनुकूलन

तेजी से बढ़ती इनपुट लागत को नियंत्रित करने के साथ-साथ प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए फरवरी 2021 में कंपनी में एक 'लागत अनुकूलन प्रकोष्ठ' का गठन किया गया था। समूह अन्य पहलों के साथ विभिन्न परियोजनाओं और उत्पादों के डिजाइन की समीक्षा एवं अनुकूलन, निष्पादन के दौरान लागत को कम करने के लिए सिस्टम/सिविल डिजाइन की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित करता है। इन प्रयासों ने आपकी कंपनी को वर्ष के दौरान कच्चे माल की लागत में असामान्य वृद्धि को कम करने में मदद की।

समूह नवीनतम डिजाइन तकनीकों के व्यापक उपयोग के साथ-साथ हमारे मूल्यवान ग्राहकों को इष्टतम डिजाइन प्रस्तुति के लिए उन्नत 3 डी स्ट्रक्चरल विश्लेषण जैसे उन्नत सॉफ्टवेयर के उपयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। 'मेक या बाय' 'बनाए या खरीदे' निर्णय, अधिशेष सामग्री का उपयोग, स्मार्ट परियोजना निष्पादन, परियोजना स्थलों की समय पर समापन करना और कुशल ऊर्जा प्रबंधन एवं संपत्ति उपयोग कुछ अन्य फोकस क्षेत्र हैं जिनसे दीर्घकालिक निरंतर लागत लाभ आने की उम्मीद है।

1.4.3 प्राप्य प्रबंधन

कंपनी की तरलता बनाए रखना और नकदी की स्थिति में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। गुणवत्तापूर्ण बिलिंग और ग्राहकों के साथ लंबे समय से चले आ रहे मामलों के समाधान पर संयुक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्यों (वसूली योग्य) में वित्त वर्ष 2020-21 में ₹7,213 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में ₹6,229 करोड़, पिछले दस वर्षों में सबसे कम की कमी आई है। फिर भी, कंपनी द्वारा निष्पादित की जा रही कुछ प्रमुख परियोजनाओं में चरणबद्ध माइलस्टोन प्राप्ति के साथ आपूर्ति भुगतान का जुड़ा होने, गतिविधियों

की पूर्णता से जुड़े भुगतानों के अनुपात में वृद्धि के परिणामस्वरूप अनुबंध परिसंपत्ति में वृद्धि हुई।

उपरोक्त के बावजूद, कंपनी पुराने के साथ-साथ चालू वर्ष के बकाया को समयबद्ध तरीके से वसूल करने के प्रयास कर रही है। इन प्रयासों का परिणाम वित्त वर्ष 2021-22 में चालू वर्ष बिलिंग की वसूली में सुधार के रूप में 86 प्रतिशत के रूप में दिखाई दे रहा है, जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में यह 82% था।

पंच पाइंटस का समापन करके, प्रदर्शन गारंटी परीक्षणों को पूरा करने के साथ-साथ लंबे समय से लंबित समय विस्तार मामलों के निपटान के माध्यम से पुराने ऋणों की वसूली पर ध्यान केंद्रित करने से चालू परियोजनाओं से नकदी जुटाने में मदद मिल रही है।

1.4.4 गुणवत्ता फोकस

पूर्व में शुरू की गई गुणवत्ता प्रथम पहल, पूरे संगठन में मिशन मोड में लागू की गई है, और इसके परिणाम सामने आने लगे हैं। 'गुणवत्ता 360' मॉडल के अनुसार गुणवत्ता प्रणाली परिपक्वता बढ़ाने ईएफव्यूएम 2020 के अनुसार व्यावसायिक उत्कृष्टता यात्रा को पुनर्जीवित करने, "क्यूएचआई (गुणवत्ता स्वास्थ्य सूचकांक)" के माध्यम से गुणवत्ता स्वास्थ्य को पुनर्जीवित करना, गुणवत्ता प्रणालियों का डिजिटलीकरण, गुणवत्ता संवाद "कॉनवर्स" के माध्यम से सर्वोत्तम प्रवृत्तियों का साझाकरण और सख्त पूर्व-स्थापना निरीक्षण। एचईईपी हरिद्वार और एचईपी भोपाल को 'सीआईआई एक्जिम बैंक अवार्ड फॉर बिजनेस एक्सीलेंस 2021' का प्रतिष्ठित प्लेटिनम सम्मान मिला, जबकि एचपीबीपी त्रिची और एचपीईपी हैदराबाद को गोल्ड प्लस सम्मान मिला। अधिक विवरण खण्ड 1.11 में दिया गया है।

1.4.5 डिजिटल परिवर्तन

बीएचईएल परिचालन क्षमता में सुधार और ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाने के उद्देश्य से अत्याधुनिक ग्राहक केंद्रित समाधान प्रदान करने के लिए आईटी सक्षम संगठन बनने की अपनी यात्रा पर अग्रसर है। परियोजनाओं की वास्तविक समय निगरानी के लिए एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली (आईपीएमएस) को कंपनी द्वारा निष्पादित प्रमुख परियोजनाओं के लिए सफलतापूर्वक लागू किया गया है। यह प्रणाली साइट डेटा डिजिटलाइजेशन के लिए साइट से सीधे डेटा कैप्चर करने के लिए चल रहे काम के साथ मिलकर कंपनी की 'प्रोजेक्ट सेंट्रिक' होने की विचारधारा को और मजबूत करेगी और परियोजना निगरानी की दशकों पुरानी प्रवृत्ति को बदल रही है।

विनिर्माण इकाइयों के लिए, केंद्रीकृत डेटा केंद्रों के साथ-साथ डेटा वेयरहाउसिंग समाधान लागू किए जा रहे हैं। तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धताओं के हिस्से के रूप में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंडस्ट्री 4.0 और ऑगमेंटेड और वर्चुअल रियलिटी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कई कौशल वृद्धि कार्यक्रमों को शामिल किया गया है।

1.5 कर्मचारी विकास एवं सहभागिता

किसी भी संगठन की सफलता उसके समर्पित और प्रेरित कार्यबल के कारण होती है। कर्मचारी केंद्रित संगठन होने के अपने लोकाचार के अनुरूप, आपकी कंपनी लगातार अपनी नीतियों में सुधार कर रही है और निरंतर कर्मचारी विकास के लिए संरचनात्मक परिवर्तनों को लागू कर रही है। वर्ष के दौरान, कंपनी/इकाई के प्रदर्शन के साथ व्यक्तिगत प्रदर्शन को जोड़ने के लिए प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली की व्यापक समीक्षा और सुधार किया गया है। इस गतिशील

कारोबारी माहौल में कार्यबल (कार्यपालकों, पर्यवेक्षकों के साथ-साथ श्रमिकों) को फिर से कुशल बनाने के लिए जनशक्ति विकास पर ध्यान देने सहित कई पहल, नेतृत्व विकास, आंतरिक संचार को मजबूत करना, निरंतर ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए ई-मॉड्यूल का विकास, ज्ञान साझा करने के लिए प्रक्रियाओं को मजबूत करना, आदि लागू किया गया है। अधिक विवरण खण्ड 1.12 में दिया गया है।

1.6 प्रौद्योगिकी विकास

प्रौद्योगिकी विकास मुख्य क्षेत्रों और नए व्यवसायों में विकास का एक अभिन्न अंग है। स्वच्छ कोयला, परिवहन, रक्षा, एयरोस्पेस, ऊर्जा भंडारण और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित विकास क्षेत्रों में बीएचईएल का प्रौद्योगिकी फोकस आने वाले वर्षों में परिणाम देगा।

आपकी कंपनी ने उच्च राख वाले भारतीय कोयले के लिए उपयुक्त स्वदेशी रूप से विकसित कोयला गैसीकरण तकनीक विकसित की है। हाल ही में हैदराबाद में 1.2 टीपीडी फ्लूइडाइज्ड बेड गैसीफायर प्लांट का उपयोग करके स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया 0.25 टीपीडी कोल कमीशन किया है।

बीएचईएल ट्रेनों के लिए अंडरस्लिंग प्रोपल्शन, हाई स्पीड लोकोमोटिव, शहरी परिवहन समाधान, रक्षा अनुप्रयोगों के लिए रणनीतिक उपकरण, हरित बिजली उत्पादन के लिए ईंधन सेल प्रौद्योगिकी, पीईआरसी सौर सेल, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर, हाइड्रोजन उत्पादन के लिए इलेक्ट्रोलाइजर इत्यादि के क्षेत्रों में जटिल प्रौद्योगिकियों के विकास की दिशा में भी काम कर रहा है। उच्च रेटिंग वाले इंजनों के लिए प्रणोदन उपकरण, लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए हीट एक्सचेंजर्स, स्टील क्षेत्र में ब्लास्ट फर्नेस घटकों और एफजीडी घटकों जैसे महत्वपूर्ण घटकों के लिए स्वदेशीकरण की पहल भी लागू की जा रही है। बीएचईएल द्वारा देश में पहली बार एमईएमयू में ईथरनेट आधारित संचार प्रणाली विकसित और स्थापित की गई है, जिससे पूरी ट्रेन में उच्च बैंडविड्थ कनेक्टिविटी की आवश्यकता वाली भविष्य की प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता को सुगम किया जा सकेगा।

नए व्यवसाय क्षेत्रों का पता लगाने, उपयुक्त व्यवसाय मॉडल डिजाइन करने, स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास में समर्थन करने, साझेदारी बनाने और सरकार को इन अपेक्षाकृत नवीन क्षेत्रों में प्रभावी नीति निर्माण के लिए अनुसंधान सहायता प्रदान करने हेतु समर्पित व्यापार समूहों का गठन किया गया है।

इस तरह की अनेक पहलें दीर्घकालिक विकास हासिल करने की नींव रख रही हैं।

1.7 व्यावसायिक खंडों की रूपरेखा और प्रदर्शन

कंपनी के दो व्यावसायिक खंड हैं; पावर और उद्योग। ये खंड तीन व्यावसायिक क्षेत्रों अर्थात पावर क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय परिचालन द्वारा संचालित होते हैं।

पावर खंड में कोयले से रसायन, उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण और गैर-बीएचईएल सेटों के स्पेयर्स के नए व्यवसायों के अलावा थर्मल, गैस, हाइड्रो और परमाणु ऊर्जा संयंत्र व्यवसाय, स्पेयर्स और सेवा व्यवसाय शामिल हैं। 1969 में अपना पहला कोयला आधारित सेट चालू करने के बाद, बीएचईएल पांच दशकों से अधिक समय से इस व्यवसाय में है।

उद्योग खंड परिवहन, पारेषण, रक्षा और एयरोस्पेस, कैप्टिव पावर, नवीकरण पीय, डाउनस्ट्रीम तेल और गैस, ऊर्जा भंडारण, और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रमुख उपकरण आपूर्ति और ईपीसी कार्य को पूरा करता है।



व्यावसायिक खंडों
की रूपरेखा एवं
निष्पादन

पावर
सेक्टर

1.7.1 पावर सेक्टर

संक्षिप्त परिचय

भारत का लक्ष्य अपनी सुदृढ़ आर्थिक विकास यात्रा को जारी रखना है, और आत्मनिर्भर भारत अभियान के साथ-साथ बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास उसी के लिए आधार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश के ऊर्जा क्षेत्र की वृद्धि देश के आर्थिक विकास के साथ दृढ़ता से सहसंबद्ध बनी हुई है। तदनुसार, सभी के लिए किफायती दरों पर विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण ऊर्जा की उपलब्धता सतत आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत में वर्तमान में ~399 GW की स्थापित क्षमता का आधार है और इसकी वार्षिक बिजली उत्पादन ~1,492 बिलियन यूनिट (बीयू) (31 मार्च 2022) तक है। देश ने वर्ष में मुख्य रूप से ताप विद्युत संयंत्रों (टीपीपी) गैस पारंपरिक

स्रोतों से लगभग 4.9 गी.वा. की क्षमता वृद्धि देखी है। दूसरी ओर, वर्ष में ऊर्जा स्रोतों (हाइड्रो को छोड़कर) से क्षमता वृद्धि ~15.5 गी.वा. थी, जिसमें सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि का योगदान ~13.9 गी.वा. था। यह हरित बिजली की आपूर्ति की दिशा में देश की नीतियों में उल्लेखनीय बदलाव का एक प्रमाण है।

वर्तमान व्यापार परिदृश्य

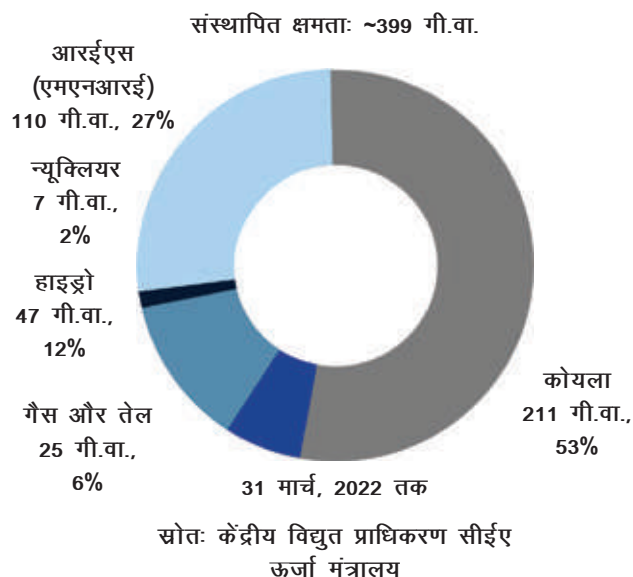
जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए सतत विकास पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय फोकस के साथ पावर क्षेत्र एक प्रमुख ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में है। भारत ने जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए पांच तत्वों, 'पंचामृत' के रूप में सीओपी 26 में डीकार्बोनाइजेशन की दिशा में प्रमुख प्रतिबद्धताएं की हैं। साथ ही, राष्ट्र आर्थिक विकास की आवश्यकताओं के साथ सतत विकास की इन आवश्यकताओं को संतुलित कर रहा है। औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे के निर्माण पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया गया है, जिससे विद्युत क्षेत्र में क्षमता वृद्धि अनिवार्य हो गई है।

पावर क्षेत्र द्वारा सामना किए गए विभिन्न मुद्दों के परिणामस्वरूप, पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण रूप से 2017-22 में पारंपरिक पावर क्षेत्र में केवल ~16.3 गी.वा. (औसत ~3.3 गी.वा. प्रति वर्ष) के ऑर्डर के साथ थर्मल सेगमेंट में ~46 गी.वा. के अनुमान के मुकाबले केवल ~8.3 गी.वा. का ऑर्डर सहित कम ऑर्डरिंग स्तर देखे गए हैं।

थर्मल पावर सेगमेंट (अनुमानों के 20% से कम) में कम ऑर्डरिंग, बीएचईएल परिचालन के मुख्य भाग के परिणामस्वरूप विनिर्माण क्षमता का कम उपयोग हुआ, और राजस्व सृजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

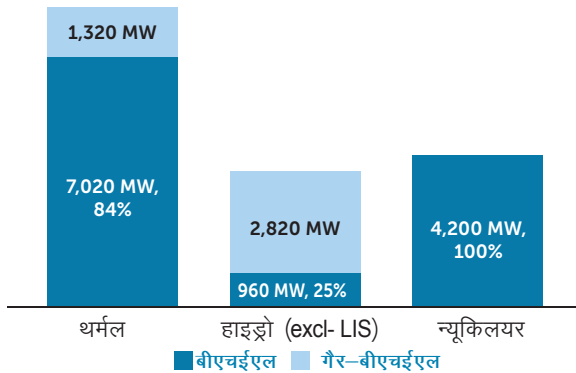
चुनौतीपूर्ण बाजार परिदृश्य के बावजूद, बीएचईएल ने पावर क्षेत्र में अपने बाजार नेतृत्व को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं और इस क्षेत्र में सीमित अवसरों में से ~12.2 गीगावाट (~75%) के लिए ऑर्डर प्राप्त किए हैं।

हाल की सरकारी नीतियों ने अक्षय ऊर्जा स्रोत (आरईएस) आधारित पावर की दिशा में एक उल्लेखनीय बदलाव प्रदर्शित किया है। जबकि अक्षय, हाइड्रो



बीएचईएल द्वारा सूरतगढ़, राजस्थान में कमीशन किया जा रहा 2X660 मेगावाट सुपर क्रिटिकल पावर प्लांट

पावर सेक्टर ऑर्डरिंग (2017–22): 16,320 मेगावाट
बीएचईएल ऑर्डरिंग (2017–22): 12,180 मेगावाट (~ 75% बाजार शेयर)



और न्यूक्लियर सेगमेंट में पर्याप्त अवसर उभरने की उम्मीद है, कोयले के बड़े घरेलू भंडार की उपलब्धता और निरंतर, पूरे साल के परिचालन के लिए उनकी उपयुक्तता और स्वदेशी प्रौद्योगिकी को देखते हुए कोयला आधारित पावर संयंत्रों के आने वाले वर्षों में मुख्य रूप से बने रहने की उम्मीद है। भविष्य में पावर की मांग को पूरा करने के लिए, विशेष रूप से ग्रिड के बेसलोड, कोयला आधारित उच्च दक्षता वाले सुपरक्रिटिकल पावर संयंत्रों से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। यद्यपि हाल के वर्षों में थर्मल सेक्टर में ऑर्डरिंग कम रही है (2017–22 में ~ 1.7 गी.वा. वार्षिक ऑर्डरिंग स्तर), फिर भी उम्मीद की किरण कंपनी थर्मल सेगमेंट में ग्रीन शूट्स देख रही है। विभिन्न लागत अनुकूलन उपायों और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण रणनीति के परिणामस्वरूप, बीएचईएल को आगामी थर्मल पावर प्लांट के लिए एक प्रमुख निविदा में अनुकूल रूप से रखा गया है। कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की एक अच्छी ऑर्डर पाइपलाइन भी है जिसके निकट भविष्य में फलीभूत होने की उम्मीद है।

ताप विद्युत संयंत्रों से कम उत्सर्जन पर सरकार के ध्यान के परिणामस्वरूप, उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय और नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (आर एंड एम) व्यवसाय से अवसरों के जारी रहने की उम्मीद है।

आरईएस आधारित बिजली उत्पादन प्रणालियों की क्षमता में वृद्धि के लिए पारंपरिक (बड़े और छोटे जल विद्युत संयंत्रों) के साथ-साथ पंप भंडारण उत्पादन स्टेशनों से, आरईएस आधारित पावर सिस्टम की अंतर्निहित परिवर्तनशीलता के लिए आवश्यक है द्वारा ग्रिड संतुलन और स्थिरीकरण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जलविद्युत क्षमता में वृद्धि की आवश्यकता होती है। भारत की 145 गीगावाट की विशाल जलविद्युत क्षमता का लगभग 36 प्रतिशत अब तक उपयोग किया जा चुका है, जिसमें लगभग 93 गीगावाट भविष्य की क्षमता है का अभी भी उपयोग किया जाना है। मार्च, 19 में कैबिनेट द्वारा अनुमोदित हाइड्रो नीति से मध्यम अवधि में जलविद्युत विकास को प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। इसके अलावा, भारत के 30% से अधिक जलविद्युत संयंत्रों ने 30 – 35 वर्ष पूरे कर लिए हैं, जो जीवन विस्तार और प्रदर्शन और दक्षता उन्नयन के लिए नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (आरएंडएम) की क्षमता प्रदान करते हैं। आपकी कंपनी इन आगामी अवसरों का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है।

परमाणु ऊर्जा देश के समग्र शक्ति मिश्रण का एक अनिवार्य हिस्सा बना हुआ है और भविष्य में इसके पर्याप्त रूप से बढ़ने की ओर अग्रसर है। गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी 1 और 2) में 2x700 मेगावाट की परियोजना के अलावा, सरकार ने 2017 में 10x700 मेगावाट परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं (जीएचएवीपी यूनिट 3 और 4, कैगा यूनिट 5 और 6, माही

बांसवाड़ा और चुटका) को 'पलीट मोड' के तहत स्थापना के लिए कार्यान्वयन की मंजूरी दी है। इन पलीट मोड परियोजनाओं के पहले चरण के लिए प्रमुख पैकेजों को एनपीसीआईएल द्वारा अंतिम रूप दिया गया है। डिजाइन और लागत अनुकूलन सहित अपनी पेशकशों में सुधार करने के अपने प्रयासों के परिणामस्वरूप, बीएचईएल पिछले वर्ष में ही ₹12,000 करोड़ से अधिक के लिए सफलतापूर्वक ऑर्डर प्राप्त करने में सक्षम रहा है। बीएचईएल परमाणु टरबाइन और जनरेटर के लिए एकमात्र भारतीय आपूर्तिकर्ता होने का गौरव रखता है और देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के सभी तीन चरणों से जुड़ा है।

प्रस्ताव

बीएचईएल की थर्मल, गैस, जल-विद्युत और परमाणु विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन की सिद्ध क्षमता के साथ, बीएचईएल विश्व की उन कुछ कंपनियों में से एक है जिसके पास पावर प्लांट उपकरणों की पूरी शृंखला विनिर्माण की क्षमता है।

थर्मल पावर सेगमेंट में बीएचईएल के पास 1000 मेगावाट रेटिंग तक के स्टीम टरबाइन, जेनरेटर, बॉयलर और सहायक उपकरण सहित थर्मल विद्युत संयंत्रों के लिए अवधारणा से कमीशनिंग तक की निष्पादन क्षमता है। बीएचईएल को ईपीसी आधार पर 600/700/800 मेगावाट रेटिंग के सुपरक्रिटिकल थर्मल सेट के साथ कई प्रतिष्ठित परियोजनाओं के निष्पादन का अनुभव है।

बीएचईएल ओपन और कम्बाइंड साइकिल दोनों की विशिष्ट आवश्यकता की पूर्ति के लिए 299 मेगावाट (आईएसओ) तक श्रेणी के लिए गैस टर्बाइन और मैचिंग जेनरेटर ऑफर करता है। बीएचईएल, थर्मल संयंत्रों के लिए सर्कुलेटिंग प्लुडाइज्ड बेड कम्बशन (सीएफबीसी) बॉयलर जो पेट-कोक, लिग्नाइट इत्यादि जैसे कम-कैलोरीफिक ईंधन की विस्तृत शृंखला के लिए उपयुक्त है, का भी निष्पादन और आपूर्ति करता है।

परमाणु ऊर्जा खण्ड में, बीएचईएल उन कुछ संगठनों में से है जो प्राथमिक और गौण दोनों द्वितीयक (220/235/500/540/700MWe) पर देश के स्वदेशी परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के सभी चरणों से जुड़ा है। बीएचईएल के सेटों में अधिकांश पीएचडब्ल्यूआर (प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर) शामिल हैं जो स्वदेशी भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का आधार हैं। बीएचईएल की प्रस्तावों में परमाणु ऊर्जा संयंत्र के प्राथमिक और साथ ही द्वितीयक पक्षों में जैसे स्टीम जेनरेटर, रिएक्टर हेडर, टर्बाइन जेनरेटर सेट, एमएसआर, हीट एक्सचेंजर्स, कंडेनसर, आदि और टीजी आइसलैंड के 'ईपीसी' उपकरण शामिल हैं।

जल विद्युत खण्ड में, बीएचईएल के पास 100 मेगावाट तक कपलान प्रकार के कस्टम-निर्मित पारंपरिक हाइड्रो टर्बाइनों, 400 मेगावाट तक फ्रांसिस और पेल्टन प्रकार, 400 तक कस्टम-निर्मित सैलियंट पोल वर्टिकल सिंक्रोनस हाइड्रो जनरेटर मेगावाट, बल्ब टरबाइन और जनरेटर 10 मेगावाट तक, क्षैतिज जनरेटर 20 मेगावाट तक मैचिंग स्थिर उद्दीपन प्रणाली/ब्रश रहित उद्दीपन प्रणाली के साथ, 250 मेगावाट तक पंप टर्बाइन, 200 मेगावाट तक लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के लिए उच्च क्षमता वाले पंप, स्थिर गति जनरेटर-मोटर 300 तक छोटे जल विद्युत संयंत्रों के लिए मेगावाट और टर्बाइन की इंजीनियरिंग, विनिर्माण, स्थापना और कमीशनिंग, क्षमता है।

उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय में, बीएचईएल थर्मल पावर प्लांट से उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए अनुकूलित उपकरण प्रदान करता है और ईएसपी, एफजीडी, एनओएक्स नियंत्रण उपकरण और फर्नेस संशोधन के रेट्रोफिट समाधान प्रदान करने की क्षमता है।

कंपनी ने नवीकरण, आधुनिकीकरण और विभिन्न प्रकार के विद्युत संयंत्र उपकरणों के उत्थान के माध्यम से संयंत्र के निष्पादन सुधार में सिद्ध विशेषज्ञता प्राप्त की है। इसके अलावा, अवशिष्ट जीवन मूल्यांकन, स्वास्थ्य निदान और संयंत्रों के जीवन विस्तार के बारे में भी विशेष ज्ञान प्राप्त है। बीएचईएल द्वारा



एन.पी.सी.आई.एल. की राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना (आर.ए.पी.पी.) में 700 मेगावाट इकाई में स्थापित किए जाने के लिए 42 वां न्यूक्लियर स्टीम जनरेटर एन.पी.सी.आई.एल. को भेजा गया।

अत्याधुनिक तकनीक के साथ ईएसपी और सीएंडआई के लिए रेट्रोफिट पैकेज भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

ऑर्डर बुकिंग

वित्तीय वर्ष 2021-22 में, बीएचईएल ने तीव्र प्रतिस्पर्धा और ऑर्डर की एक सीमित पाइपलाइन के बीच ₹4,700 मेगावाट के लिए ऑर्डर प्राप्त किए हैं, जो कुल मिलाकर ₹17,931 करोड़ है, इसमें स्पेयर्स और सेवाओं के कारोबार से ₹2,942 करोड़ के ऑर्डर शामिल हैं।

वर्ष में प्राप्त महत्वपूर्ण यूटिलिटी ऑर्डर हैं:

ग्राहक	परियोजना(एँ)	क्षेत्र
एनपीसीआईएल	जीएचवीपी (यूनिट 1-4) और कैगा (यूनिट 5 एण्ड 6)	ईपीसी आधार पर टीजी आइसलैंड पैकेज
एनपीसीआईएल	पीएचडबल्यूआर के लिए फ्लीट मोड प्रोक्योरमेंट	12 स्टीम जनरेटरों की आपूर्ति
डीवीसी	पंचेत	आरएण्डएम कार्य
एनएचपीसी	लोकटकस्वाजा	आरएण्डएम कार्य
प्रथिमा इंफ्रास्ट्रक्चर	कालेश्वरम परियोजना—लिक-IV— पैकेज-1	एलआईएस पैकेज के लिए पंप—मोटर कार्य
एनटीपीसी	सीपत	एफजीडी पैकेज
डबल्यूबीपीडीसीएल	सागरदिघी 5	चिमनी पैकेज
एनटीपीएल	तृतीकोरीन	एफजीडी के लिए चिमनी

* वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, उद्योग क्षेत्र में BGGTS के अवसर पर विचार किया गया।

टीएचडीसीआईएल	खुर्जा	कूलिंग वाटर सिस्टम सिविल कार्य पैकेज
टेनजेडको	नॉर्थ चौन्नई स्टेज-II	एचपी टरबाइन मॉड्यूल, आईपी ब्लेडिड रोटार एवं आईपी इनर केसिंग की प्रोक्योरमेंट
आरआरवीयूएनएल	छाबड़ा	ईएसपी रिस्टोरेशन (पास—ए एण्ड बी) सिविल कार्य के सहित

बीएचईएल ने पावर क्षेत्र में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, और इसके परिणामस्वरूप, भारतीय परमाणु ऊर्जा उद्योग में अपने बाजार नेतृत्व की पुष्टि करने में सक्षम रहा है। बीएचईएल ने जीएचवीपी (यूनिट 1-4) और कैगा यूनिट 5 और 6 में स्थापित किए जा रहे फ्लीट प्रोक्योरमेंट मोड के तहत 6x700 मेगावाट टर्बाइन आइसलैंड पैकेज प्रोजेक्ट्स के लिए न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) से अपना अब तक का सबसे बड़ा परमाणु ऑर्डर प्राप्त किया है। इस आदेश के साथ, बीएचईएल ने परमाणु स्टीम टर्बाइन और जनरेटर के एकमात्र भारतीय आपूर्तिकर्ता होने की अपनी बाजार नेतृत्व स्थिति को बरकरार रखा है।

बीएचईएल को देश के विभिन्न स्थानों पर फ्लीट मोड में स्थापित किए जाने वाले एनपीसीआईएल के 700 मेगावाट के प्रैशराइजिड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडबल्यूआर) के लिए 12 स्टीम जनरेटर की आपूर्ति का एक बड़ा ऑर्डर भी मिला है।

स्पेयर्स और सेवाओं के क्षेत्र में, बीएचईएल को GeM (जेम) में विक्रेता के रूप में पंजीकृत किया गया है, जिसने वर्ष के दौरान ₹123 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2020-21 में ₹14 करोड़ रुपये के मुकाबले) के पोर्टल से ऑर्डर हासिल करने में मदद की है।

इसके अतिरिक्त, बीएचईएल ने निम्नलिखित के लिए पहला ऑर्डर प्राप्त किया है:



बीएचईएल को 660 मेगावाट एनपीजीसीएल नवीनगर में सर्वोत्तम सुरक्षा प्रदर्शन के लिए ग्राहक (एनटीपीसी लि.) से सराहना मिली।

- » ताप विद्युत परियोजना का लचीला परिचालन अध्ययन और सेवाएं।
- » बायोमास (स्ट्रॉ) आधारित टॉरफाइड पेलेट्स के ट्रायल को-फायरिंग के दौरान बॉयलर के निष्पादन की मानीटरिंग।
- » गैर-बीएचईएल सेट के टरबाइन क्षेत्र में पीसीपी (पावर साइकिल पाइपिंग)/हैंगर वाइब्रेशन में समस्या मूल विश्लेषण (रूट कॉज एनालिसिस)।

इस तरह के ऑर्डर बीएचईएल की इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और क्षमताओं पर ग्राहकों के विश्वास को दर्शाने और इंजीनियरिंग सेवाओं के लिए नए रास्ते खोलने में सहायक होंगे।

बीएचईएल ने लॉन्ग टर्म स्पेयर्स सप्लाय एग्रीमेंट (एलटीएसएसए) और लॉन्ग टर्म सर्विस एग्रीमेंट (एलटीएसए) के माध्यम से व्यावसायिक अवसरों को हासिल करने के लिए कई पहल की हैं:

- » स्पेयर्स की खरीद हेतु एनटीपीसी के साथ 08 नए एलटीएसएसए प्रस्तावों (लगभग 5000 आइटम) इस वर्ष को अंतिम रूप दिया गया।
- » जेनरेटर ओवरहालिंग कार्यों के लिए एनटीपीसी के साथ पहली बार एलटीएसए को अंतिम रूप दिया गया है। इसके अलावा, आईओसीएल के साथ विभिन्न आईओसीएल परियोजनाओं में स्थापित बीएचईएल मेक उपकरण के बड़े और छोटे ओवरहालिंग कार्यों के लिए एलटीएसए को अंतिम रूप दिया गया है।

परियोजना क्रियान्वयन

बीएचईएल ने 1964 में अपनी स्थापना के बाद से, वित्तीय वर्ष 2021-22 तक भारत में 461 कोयला आधारित उपयोगिता सेट, 422 हाइड्रो उपयोगिता सेट, 103 गैस आधारित यूटिलिटी सेट और 12 परमाणु आधारित उपयोगिता सेट स्थापित किए हैं। अपने ठोस प्रयासों के माध्यम से, बीएचईएल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में यूटिलिटी बिजली परियोजनाओं (क्षमता वृद्धि: 1,705 मेगावाट, सिंक्रनाइजेशन: 1,600 मेगावाट) में 3,305 मेगावाट** की क्षमता वृद्धि/सिंक्रनाइजेशन हासिल किया। इसके अतिरिक्त, सीमित बीएचईएल स्कोप (अर्थात एसजी/ईएसपी/पीसीपी) वाली परियोजनाओं के लिए क्षमता वृद्धि हासिल की गई है, जो कुल मिलाकर 2,120 मेगावाट है।

सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर सेगमेंट में, बीएचईएल ने 31 मार्च, 2022 तक 28 सुपरक्रिटिकल एसजी और 21 सुपरक्रिटिकल टीजी कमीशन किए हैं। एक **&सीईए द्वारा 1x250 मेगावाट एनएसपीसीएल/राउरकेला टीपीएस की 1 इकाई को कैंप्टिव पावर प्लांट के रूप में माना गया है, इसलिए उपयोगिता विद्युत परियोजनाओं की स्थापित क्षमता में इसे नहीं माना जाता है।

प्रमुख परियोजना निष्पादन माइलस्टोन हासिल करते हुए, बीएचईएल ने अपनी त्रिची विनिर्माण इकाई से रावतभाटा परमाणु ऊर्जा परियोजना के लिए अपना 42वां न्यूक्लियर स्टीम जेनरेटर प्रेषित किया।

दीर्घावधि से चली आ रही ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करने पर हाल ही में ध्यान केंद्रित करना शुरू हो गया है। ऐसी कई समस्याएं समाप्त हो गई हैं/समाप्त होने को हैं जिसके परिणामस्वरूप बैंक गारंटी जारी करने के साथ-साथ ऐसे माइलस्टोन से जुड़े भुगतान भी हुए हैं।

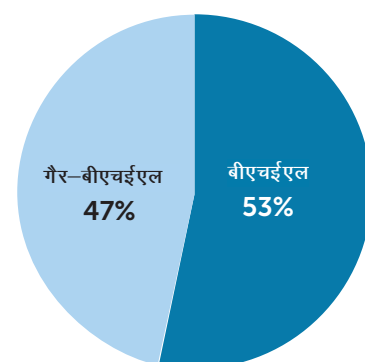
इसके साथ, बीएचईएल ने देश की यूटिलिटी बिजली परियोजनाओं की कुल स्थापित क्षमता में 53% की हिस्सेदारी को बनाए रखा:

उपस्कर का निष्पादन

कोयला और लिग्नाइट आधारित सेटों से देश के कुल 1,078.5 बीयू उत्पादन

स्थापित क्षमता – उपयोगिता*

3,11,987 मेगावाट (31 मार्च, 2022)



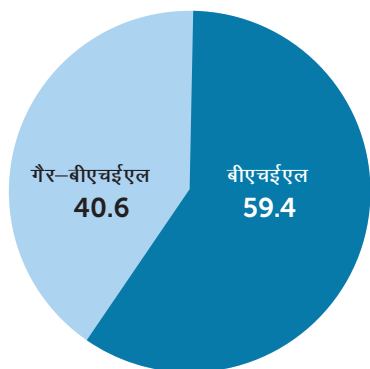
स्थापना के समय क्षमता के आधार पर सौर, पवन और जैव-शक्ति को छोड़कर,

* कोयला, गैस और सीसीपीपी, डीजल, परमाणु और हाइड्रो सम्मिलित

का 59.4% बीएचईएल आपूर्ति सेटों का योगदान है।

बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए सुपरक्रिटिकल सेटों में, कोटागुडेम-12 ने 83.6% का उच्चतम प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) और 89.1% की परिचालन उपलब्धता (ओए) हासिल की। इसके अतिरिक्त, बीएचईएल की

उत्पादन – उपयोगिता (कोयला एवं लिग्नाइट)
1,078.5 बीयू (2021-22)



पहली सुपरक्रिटिकल इकाई बाढ़-4 (660 मेगावाट) ने लगभग 58,009 घंटे का परिचालन किया है और 71.2% का पीएलएफ और 98.5% का ओए हासिल किया है। वस्तुतः बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए ने 38 वर्ष पुराने सबक्रिटिकल सेटों लगभग 2,98,139 घंटे की है और पीएलएफ 101.1 % और 99.8% ओए हासिल किया है। वस्तुतः 7 नं. 38 साल से अधिक पुराने बीएचईएल आपूर्ति सब-क्रिटिकल इकाइयों ने 90% से अधिक का पीएलएफ हासिल किया (कोरबा एसटीपीएस 1, 2, 3; सिंगरौली 1, 2, 4, 5)। कोरबा एसटीपीएस यूनिट 3 (418 दिन) और विंध्याचल 12 (366 दिन) में बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए सेटों के उल्लेखनीय निष्पादन का प्रदर्शन करते हुए 365 दिनों से अधिक के लिए निर्बाध परिचालन किया। जो बीएचईएल सेटों का उल्लेखनीय प्रदर्शन दिया गया है। परमाणु क्षेत्र में, बीएचईएल सेटों ने 83.3% का ओए पंजीकृत किया और पांच बीएचईएल आपूर्ति किए गए परमाणु सेटों ने 90% से अधिक का पीएलएफ हासिल किया और इनमें से तारापुर यूनिट-4, 100% से अधिक के पीएलएफ पर परिचालित है। बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए परमाणु सेटों ने आरएपीएस 4 (643 दिन) और कैगा 1 (450 दिन) में 365 दिनों से अधिक समय तक निर्बाध रूप से परिचालन प्राप्त किया।

बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए उपकरणों वाले बिजली संयंत्र ओए, पीएलएफ और आउटपुट के संबंध में मानक से अधिक प्रदर्शन जारी रखते हैं। बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए थर्मल सेटों ने वित्त वर्ष 2021-22 में 6,40,843 एमवी उत्पादन किया जो पिछले वर्ष (5,44,195 एमवी) से अधिक है।



बीएचईएल की पहली सुपरक्रिटिकल यूनिट बाढ़-4 (660 मेगावाट) ने लगभग 58,009 घंटे परिचालन किया और 71.2% पीएलएफ तथा 98.5% ओए प्राप्त किया है।

निष्पादन गारंटी परीक्षण:

वर्ष के दौरान, केंद्रित दृष्टिकोण और समन्वय ने निष्पादन गारंटी (पीजी) परीक्षणों को पूरा करने में बीएचईएल को प्रचुर लाभों का भुगतान किया है:

- » कुल 75 पैकेजों (पावर क्षेत्र: 43; एसएसबीजी आर एंड एम: 15; उद्योग क्षेत्र: 15 और एचबीजी: 2) का पीजी परीक्षण सम्पन्न हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37% अधिक है। इसमें पाँच पूर्व चालू की गई परियोजना के साथ-साथ उच्चतम रेटिंग (139 मेगावाट) बीएचईएल मोटर-पंप सेट पर निष्पादन उपस्कर परीक्षण (पीईटी) भी शामिल है।
- » 11 इकाइयों (आरएंडएम सहित) संपूर्ण मुख्य संयंत्र पैकेज (टरबाइन, बॉयलर, ईएसपी और मिल्स जैसा लागू हो) के लिए पीजी परीक्षण के लिए पूरे किए गए थे।
- » रायलसीमा यू-6 के सभी पैकेजों (एसजी, टीजी और ईएसपी) पर पीजी परीक्षण 3 दिनों की अल्प अवधि के भीतर पूरा किया गया।

नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (आरएंडएम)

वर्ष के दौरान, बीएचईएल ने ईएसपी, डी-एनओएक्स सिस्टम (दहन संशोधन), और सीएंडआई पैकेज के लिए विभिन्न परियोजनाओं के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण को पूरा किया।

उत्कृष्टता का सम्मान एवं आभार

परियोजना के समय पर पूरा होने, उपकरण प्रदर्शन में सुधार और बिक्री पश्चात सेवा (एसएस) समर्थन के माध्यम से ग्राहकों को विशिष्ट सेवा प्रदान करने के बीएचईएल के प्रयासों की विभिन्न ग्राहकों और अन्य एजेंसियों द्वारा सराहना की गई है:

ग्राहक	बीएचईएल के लिए सराहना
 एनटीपीसी और उसके संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनियां	- नवीनगर में सर्वोत्तम सुरक्षा निष्पादन (660 मेगावाट) - बाढ़ यूनिट-5 के बॉयलर प्रेशर पार्ट्स के रेट्रोफिटिंग कार्य 660 मेगावाट बाढ़ के बॉयलर यूनिट-1 के लिए मुख्य स्टीम सुरक्षा वाल्व की फ्लोटिंग और सेट प्रेशर सेटिंग - टर्बो जेनरेटर में उच्च कंपन समस्या का समाधान और रिहंद यूनिट-4 के जेनरेटर की ओवरहालिंग - ऊंचाहार यू-4 में टर्बो जेनरेटर के ओवरहालिंग का काम पूरा करना
 महाजेनको	भूसावल परियोजना में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन
 एमपीपीजीसीएल	बीरसिंहपुर की इकाई #5 (1x500 मेगावाट) के आईपीबीडी कार्य को पूरा करना
 डबल्यूबीपीडीसीएल	समस्या निवारण, जिसके परिणामस्वरूप बकरेश्वर यूनिट-5 में जेनरेटर में हाइड्रोजन की खपत में उल्लेखनीय कमी आई है



कोरबा एसटीपीएस यूनिट 1,2 और 3 ने 90 से अधिक पीएलएफ प्राप्त कर लिया है, जिसमें से 38 वर्ष पुरानी कोरबा यूनिट 2 (200 मेगावाट) ने 2,98,139 घंटे परिचालन किया है और 101.1% पीएलएफ तथा 99.8% ओए प्राप्त किया है।

 एनएचपीसी	एनएचपीसी पार्वती स्टेज-II यूनिट- 2 . के रोटार लेवलिंग और एलाइनमेंट के लिए पर्यवेक्षी सेवाएं
 ओएचपीसी	इंद्रावती एचईपी, मुखीगुडा के बीएफ वाल्व और सहायक की आपूर्ति और निष्पादन को समय पर पूरा करना
 डीवीसी	शेष गतिविधियों को सुगम बनाना/पूरा करना
 टीएसजेनको	काकतीय स्टेशन II में वार्षिक ओवरहालिंग के दौरान शेष कार्य में भाग लेना।

भविष्य का दृष्टिकोण

एक ओर जब हाल के दिनों में उभरते ऊर्जा सुरक्षा मामलों के कारण अल्पावधि की थर्मल ऑर्डर की एक पाइपलाइन फिर से दिखाई दे रही है, वहीं दूसरी ओर कंपनी ईपीसी क्षमताओं को बढ़ाने, उत्सर्जन नियंत्रण समाधान (एफजीडी, एससीआर सिस्टम सहित एयूएससी प्रौद्योगिकी आधारित बिजली संयंत्र) जैसे क्षेत्रों में प्रयासों के माध्यम से अपने आधार को मजबूत करने, बीएचईएल और गैर-बीएचईएल सेटों के आरएंडएम के लिए अनुकूलित समाधान सहित स्पेयर्स और सेवाओं के कारोबार में वृद्धि, कोयले से रसायनो और कार्बन कैप्चर एवं इसकी उपयोगिता और सीक्वेस्ट्रेशन प्रौद्योगिकियां पर काम कर रही है।

इसने ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक (एलटीएसए) समझौतों के माध्यम से स्पेयर्स और सेवाओं के कारोबार में वृद्धि के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं, साथ ही स्पेयर्स की तेजी से आपूर्ति के लिए अग्रिम खरीद और निर्माण कार्रवाई, बीएचईएल और गैर- बीएचईएल अक्षय ऊर्जा उत्पादन में उतार-चढ़ाव, डीईएनओएक्स (एससीआर) सिस्टम के इन-हाउस निर्माण के साथ-साथ पलू गैस डिसल्फराइजेशन सिस्टम के लिए आवश्यक कई उपकरणों के स्वदेशीकरण के कारण ग्रिड स्थिरता के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार है।

बीएचईएल, एनटीपीसी और इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटॉमिक रिसर्च (आईजीसीएआर) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल (एयूएससी) तकनीक में 50 गीगावॉट से अधिक के पुराने और उच्च प्रदूषण उत्सर्जक सेटों (थर्मल पावर प्लांट जो 2030 तक कम से कम 30 वर्ष पुराने होंगे) को उच्चतम दक्षता और सबसे कम उत्सर्जन वाले थर्मल पावर प्लांट के साथ बदलने की क्षमता है। इससे माननीय प्रधान मंत्री के पंचामृत लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देश के प्रयासों में और सहायता मिलेगी।

भारत के लगभग 300 बिलियन टन कोयले के भंडार और इस तथ्य को देखते हुए कि उच्च राख वाले कोयले के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकियां उपलब्ध नहीं हैं, भारतीय उच्च राख कोयले के गैसीकरण के लिए बीएचईएल द्वारा हाल ही में स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास एक बड़ा कदम है और इसके कोयले से रसायनों में बदलने की एक प्रमुख व्यावसायिक संभावना के रूप में खुलने की उम्मीद है। इस तकनीक का उपयोग एकीकृत कोयला गैसीकरण कंबाईड साइकिल प्रौद्योगिकी के माध्यम से हरित बिजली उत्पादन के लिए भी किया जा सकता है। आपकी कंपनी समयबद्ध और केंद्रित तरीके से इन क्षेत्रों में अवसरों को भुनाने के लिए काम कर रही है।

सततता की अनिवार्यता के साथ-साथ कोयले का उपयोग, कार्बन कैप्चर और इसके उपयोग सहित पृथक्करण प्रौद्योगिकियों की अपार आवश्यकता उत्पन्न करेगा। यह आपकी कंपनी द्वारा चिह्नित किया गया एक और प्रमुख भविष्य का व्यवसाय क्षेत्र है, हम अग्रणी कंपनी बनने की इच्छा रखते हैं।

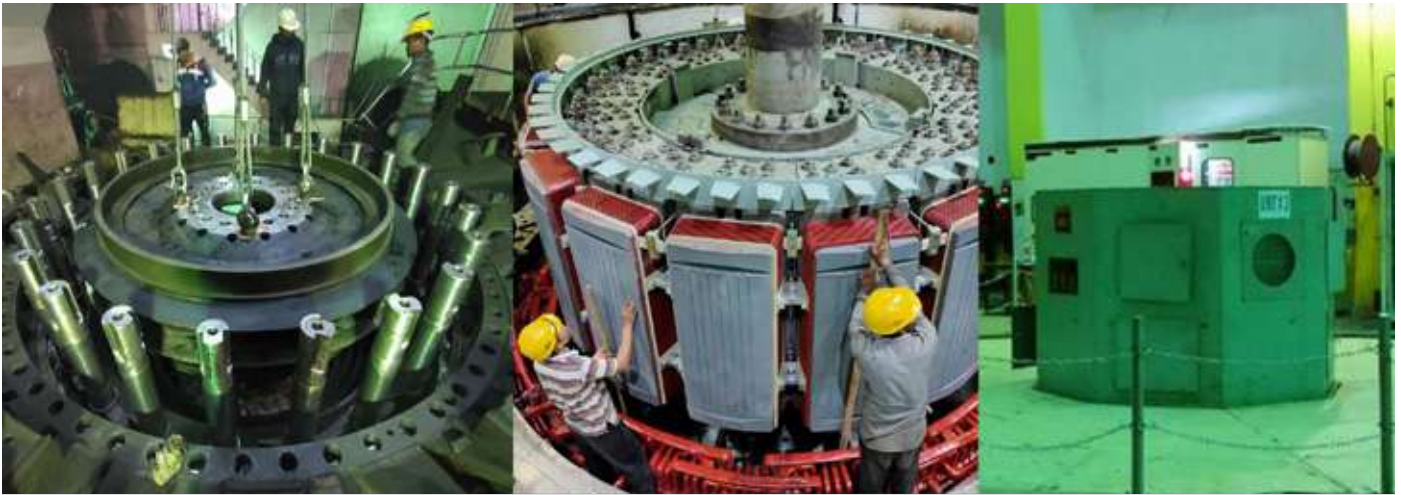
विद्युत मंत्रालय ने ताप विद्युत संयंत्रों में बायोमास को-फायरिंग के लिए नीति तैयार की है। बीएचईएल द्वारा एनटीपीसी दादरी थर्मल पावर प्लांट में बायोमास को-फायरिंग का पहला सफल प्रदर्शन किया गया। इसके बाद बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए कई बॉयलरों में बायोमास को-फायरिंग कार्यान्वयन किया गया है। आपकी कंपनी का लक्ष्य बायोमास को-फायरिंग के लिए अपनी इंजीनियरिंग सेवाओं और समाधानों के माध्यम से देश की यूटिलिटी को उनके ग्रीन-हाउस उत्सर्जन को कम करने में सहायता करना है।

आगामी दशकों में बेस लोड को पूरा करने में परमाणु ऊर्जा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आपकी कंपनी ने पलीट मोड में कार्यान्वित की जा रही एनपीसीआईएल परियोजनाओं के लिए न्यूक्लियर स्टीम जेनरेटर, टर्बाइन

और जेनरेटर, रिएक्टर हेडर आदि की आपूर्ति के लिए 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का अपना सबसे बड़ा ऑर्डर पहले ही हासिल कर लिया है। आपकी कंपनी न्यूक्लियर स्टीम टर्बाइन और जेनरेटर के साथ-साथ देश के तीन चरण के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी एकमात्र भारतीय आपूर्तिकर्ता बनी हुई है। आपकी कंपनी कुडनकुलम 2X1000 मेगावाट यूनिट 3 और 4 में काम कर रही है, जिसे रूस के सहयोग के साथ स्थापित किया जा रहा है और इस क्षेत्र में अपनी प्रस्तुतियों को स्वदेशी बनाने और बढ़ाने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ काम कर रहा है।

अक्षय ऊर्जा उत्पादन की परिवर्तनशीलता के कारण हाइड्रो पावर अधिकतम पावर आवश्यकताओं के प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस क्षेत्र में 5 दशकों से अधिक के अनुभव के साथ बीएचईएल, 400 मेगावाट तक के हाइड्रो टर्बाइन और जेनरेटर के विभिन्न प्रकारों और आकारों के अनुकूलित समाधान प्रदान करता है। कंपनी ने कुशल रनर प्रोफाइल विकसित किए हैं और हाइड्रो

टर्बाइनों के वजन को कम किया है, जो इस सेगमेंट में हाल की सफलताओं में परिलक्षित होता है। इन-हाउस हाइड्रो प्रोफाइल विकसित करने के लिए अपनी एनएबीएल मान्यता प्राप्त हाइड्रो लैब के साथ, बीएचईएल ग्रीन फील्ड हाइड्रो परियोजनाओं के लिए ईएंडएम पैकेजों में निर्विवाद रूप से मार्केट लीडर है और पुराने हाइड्रो सेटों के आरएंडएम के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी है। आपकी कंपनी टर्बाइन प्रोफाइल (बीएचईएल के साथ-साथ गैर- बीएचईएल मेक के लिए) के कुशल उन्नयन को प्राप्त करने के लिए हाइड्रो पावर उत्पादकों की आदर्श भागीदार है, जिससे उनकी जीवन-अवधि और विश्वसनीयता में वृद्धि होती है। बीएचईएल लिफ्ट सिंचाई योजना परियोजनाओं में आवश्यक बड़े आकार के पंप-मोटरों की अग्रणी कंपनी है।

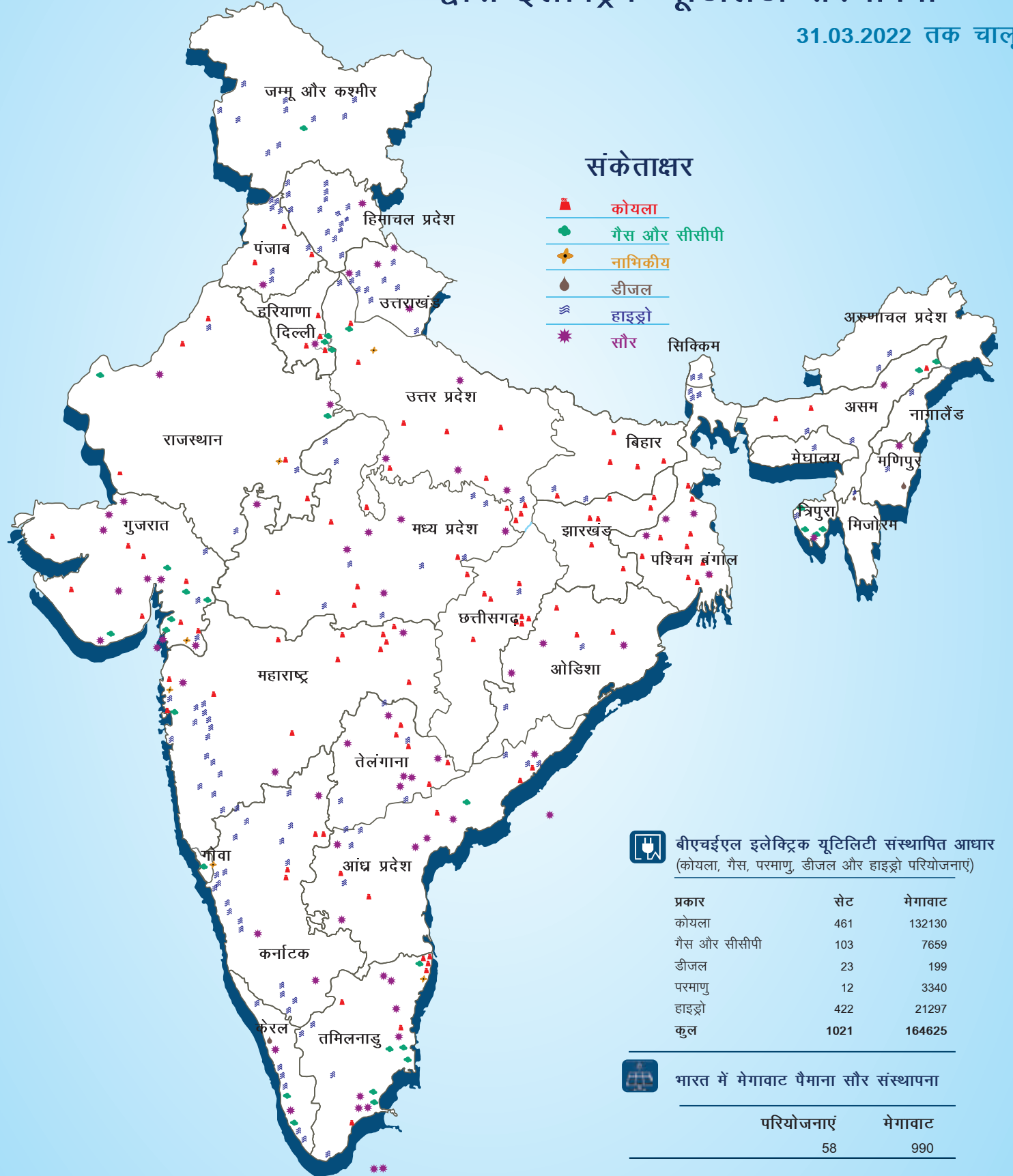


बैरासिउल यूनिट 3 के लिए हाइड्रो आर एंड एम पूरा किया गया

बीएचईएल

द्वारा इलेक्ट्रिक यूटिलिटी संस्थापना

31.03.2022 तक चालू



बीएचईएल इलेक्ट्रिक यूटिलिटी संस्थापित आधार
(कोयला, गैस, परमाणु, डीजल और हाइड्रो परियोजनाएं)

प्रकार	सेट	मेगावाट
कोयला	461	132130
गैस और सीसीपी	103	7659
डीजल	23	199
परमाणु	12	3340
हाइड्रो	422	21297
कुल	1021	164625



भारत में मेगावाट पैमाना सौर संस्थापना

परियोजनाएं	मेगावाट
58	990



परिवहन प्रणाली को बढ़ावा सुव्यवस्थित, सुरक्षित और हरित समाधानों के लिए!

बीएचईएल भारत के परिवहन क्षेत्र की विकास यात्रा में अग्रणी रहा है और 'मेड इन इंडिया' प्रणालियों और उपकरणों की आपूर्ति और नवाचारी समाधानों के माध्यम से अपनी रोलिंग स्टॉक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे के साथ साझेदारी कर रहा है।

वर्ष के दौरान भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाई से बीएचईएल निर्मित आईजीबीटी आधारित इलेक्ट्रिक्स के साथ पहली 3-चरणीय ईथरनेट आधारित एसी मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल

यूनिट (एमईएमयू) शुरू की गई है। भारतीय रेलवे ने बीएचईएल की तकनीकी क्षमता पर विश्वास जताया है और वंदे भारत (ट्रेनसेट) के इलेक्ट्रिक्स के लिए प्रतिष्ठित पहला ऑर्डर दिया है।

बीएचईएल मेट्रो/मेट्रोलाइट, बैटरी चालित लोकोमोटिव, हाई स्पीड रेल और सिग्नलिंग जैसे नए अवसरों के अलावा वंदे भारत ट्रेनों के साथ-साथ उच्च एचपी इंजनों की आगामी आवश्यकताओं में एक प्रमुख भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा है।





व्यावसायिक खंडों
की रूपरेखा और
निष्पादन
उद्योग
क्षेत्र



1.7.2 उद्योग क्षेत्र

उद्योग क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों के लिए औद्योगिक प्रणालियों और उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है। कंपनी के गैर-कोयला आधारित व्यवसायों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, उद्योग क्षेत्र जिसमें बाजार केंद्रित समूह शामिल हैं, परिवहन, रक्षा एवं एयरोस्पेस, ट्रांसमिशन, नवीकरणीय, तेल एवं गैस, कैप्टिव पावर प्लांट, औद्योगिक उत्पाद, ऊर्जा भंडारण, ई-गतिशीलता, और नए व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए व्यापक समाधान प्रस्तुत कर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, उद्योग क्षेत्र* ने चुनौतीपूर्ण व्यावसायिक वातावरण में, पिछले वर्ष में ₹4,283 करोड़ की तुलना में ₹5,660 करोड़ के ऑर्डर प्राप्त किए।

1.7.2.1 परिवहन

बीएचईएल पिछले छह दशकों से भारत के रेल परिवहन क्षेत्र की विकास यात्रा में एक प्रमुख भागीदार रहा है और अभिनव समाधान प्रस्तुत करके और 'मेड इन इंडिया' सिस्टम और उपकरणों की आपूर्ति करके भारतीय रेलवे की रोलिंग स्टॉक आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। भारतीय रेलवे के बहुत सारे इंजनों और ईएमयू में बीएचईएल द्वारा निर्मित ट्रैक्शन उपकरण लगे हैं।

भारतीय रेलवे ने एक महत्वाकांक्षी आधुनिकीकरण योजना शुरू की है, जो इस क्षेत्र में कई अवसर पैदा कर रही है। इसके एक अंग के रूप में, भारतीय रेलवे एमईएमयू, ईएमयू और ट्रेनसेट, 11,000 लोको और लगभग 17,000 कि.मी. ट्रैक की लंबाई के सिग्नलिंग सहित विभिन्न प्रकार के लगभग 62,000 कोचों की आवश्यकता का अनुमान लगा रहा है। अगले 10 वर्षों में अपेक्षित कुल संबद्ध व्यय ₹2.8 लाख करोड़ के ऑर्डर का है। शहरी मोबिलिटी खण्ड में, राज्य दो मिलियन से अधिक आबादी वाले शहरों में बड़े पैमाने पर तीव्र परिवहन परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं और छोटे शहरों के लिए हल्के रेल/मोनोरेल समाधान तलाशे जा रहे हैं। इन सभी के साथ-साथ 50 शहरों में मेट्रो/मेट्रोलाइट घोषणाओं से आने वाले वर्षों में परिवहन क्षेत्र में कई अवसर प्राप्त होने की उम्मीद है।

* वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, उद्योग क्षेत्र में बीजीजीटीएस के आदेशों पर विचार किया गया

प्रस्तावों की वर्तमान सूची

- **रेल के डिब्बे और इंजन**
 - » 6000 एचपी तक पूर्ण इलेक्ट्रिक इंजन (9000 एचपी तक के इलेक्ट्रिक्स)
 - » 3000 एचपी तक के डीजल-इलेक्ट्रिक इंजन
 - » डीजल इलेक्ट्रिक टावर कारें (डीईटीसी)
- **ट्रैक्शन मशीनें**
 - » ट्रैक्शन मोटर्स और अल्टरनेटर
- **ट्रैक्शन ड्राइव सिस्टम और नियंत्रण**
 - » रोलिंग स्टॉक के लिए इंजुलेटेड-गेट बाइपोलर ट्रांजिस्टर (आईजीबीटी) आधारित प्रणोदन प्रणाली
 - » ट्रेन नियंत्रण प्रबंधन प्रणाली और वाहन नियंत्रण इकाई
 - » होटल लोड कनवर्टर और समग्र कनवर्टर
 - » पारंपरिक रोलिंग स्टॉक के लिए नियंत्रण गियर उपकरण
 - » पारंपरिक रोलिंग स्टॉक के लिए रिजनेरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम
- **ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर्स**
- **रोलिंग स्टॉक के लिए पारंपरिक ट्रैक्शन इलेक्ट्रिक्स:**

वर्ष के दौरान उपलब्धियाँ

- बीएचईएल निर्मित आईजीबीटी आधारित इलेक्ट्रिक्स से लैस मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) आरसीएफ कपूरथला से शुरू की गई है। भारत में पहली बार, इस ट्रेन में ईथरनेट आधारित संचार प्रणाली विकसित और स्थापित की गई थी, जो पूरे ट्रेन में उच्च बैंडविड्थ कनेक्टिविटी की आवश्यकता वाली भविष्य की प्रौद्योगिकियों को तैनात करने में सक्षम बनाती है।
- आईसीएफ, चेन्नई से वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेनसेट) के प्रणोदन इलेक्ट्रिक्स के लिए प्रथम आदेश प्राप्त हुआ जो भारतीय सेमी हाई-स्पीड मोबिलिटी सेगमेंट में बीएचईएल के प्रवेश को चिह्नित करता है।



डीजल इलेक्ट्रिकल टावर कार

- बीएचईएल ने मैसर्स जेएसडब्ल्यू डोलवी को यूएस ईपीए टियर-ए मानकों को पूरा करते हुए पर्यावरण के अनुकूल 1350 एचपी डीजल इलेक्ट्रिक शंटिंग लोकोमोटिव (डीईएसएल) का निर्माण और आपूर्ति की।
- डीजल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की जगह सामग्री प्रबंधन परिचालन के लिए एनटीपीसी से छह 6000 एचपी इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए ऑर्डर प्राप्त हुआ।

भविष्य का दृष्टिकोण

राष्ट्रीय रेल योजना के अनुसार, रेलवे की वर्ष 2030 तक माल दुलाई में हिस्सेदारी को 30% से बढ़ाकर 45% करने की योजना है, साथ ही उच्च एचपी इंजनों की शुरुआत के माध्यम से मालगाड़ियों की औसत गति को 50% तक बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। यात्री यातायात के लिए, रेलवे यात्रा के समय को कम करने और यात्री सुख-सुविधा बढ़ाने के लिए सेमी हाई स्पीड ट्रेनों की शुरुआत कर रहा है। भारतीय रेलवे ने 44 सेमी हाई स्पीड ट्रेनों के लिए इलेक्ट्रिक ट्रेन के ऑर्डर पहले ही जारी कर दिए हैं और यात्री ट्रेन परिचालन के लिए अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेनसेट और 9000 एचपी के हाई एचपी इलेक्ट्रिक इंजनों/माल वाहन के लिए 12000 एचपी बिजली क्षमता के लिए नए बिजनेस मॉडल का उपयोग करके बिग-टिकट खरीद के साथ आगे बढ़ रहा है।

अपने विनिर्माण अनुभव, तकनीकी क्षमता और अखिल भारतीय उपस्थिति का लाभ उठाते हुए, बीएचईएल सभी प्रकार के रोलिंग स्टॉक के लिए उन्नत मैकेनिकल और इलेक्ट्रिक सिस्टम के डिजाइन और निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी आत्मनिर्भरता विकसित करने और आंतरिक क्षमता को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। आपकी कंपनी आने वाले व्यवसायों, विशेष रूप से उच्च एचपी इंजनों, मेट्रो/मेट्रोलाइट, मोनोरेल, मैग्लेव, बैटरी और वैकल्पिक ईंधन चालित लोकोमोटिव, हाई स्पीड रेल और सिग्नलिंग का लाभ उठाने के लिए ओईएम/सहयोगियों के साथ भी काम कर रही है।

1.7.2.2 पारेषण ट्रांसमिशन

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा विद्युत उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा विद्युत उपभोक्ता है। भारत जैसे विकसित राष्ट्र की लगातार बढ़ती मांग के लिए कुशल और विश्वसनीय विद्युत पारेषण प्रणाली महत्वपूर्ण है। जहां विद्युत उत्पादन के स्रोत में जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रो, परमाणु आदि में परिवर्तन हो सकता है, वहीं पारेषण क्षेत्र में वृद्धि देश भर में विद्युत की गुणवत्ता के वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। तदनुसार विद्युत मंत्रालय ने पारेषण क्षेत्र को बढ़ाने की योजना बनाई है। मौजूदा पारेषण नेटवर्क के उन्नयन और लोड केंद्रों को विद्युत की निकासी और पारेषण को पूरा करने के लिए नई

अतिरिक्त उच्च वोल्टेज (ईएचवी) प्रणालियों और संबद्ध लाइनों को जोड़ने की तत्काल आवश्यकता है। गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन (जीआईएस) परियोजनाओं की अनुकूलित भू-आवश्यकताओं और कम ओएंडएम व्यय के कारण मजबूत मांग देखना जारी रहेगा।

दूर-दराज के उत्पादन केंद्रों से विद्युत संचरण/लाने के लिए कई एचवीडीसी परियोजनाएं योजना के विभिन्न चरणों में हैं।

प्रस्तावों की वर्तमान सूची

- **टर्नकी ट्रांसमिशन समाधान** जिसमें 765 केवी तक अतिरिक्त उच्च वोल्टेज सबस्टेशन (एयर इंसुलेटेड सबस्टेशन (एआईएस) और गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन (जीआईएस) प्रकार) और ± 800 केवी ईपीसी आधार पर हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) कनवर्टर स्टेशन शामिल हैं।
- **1200 केवी तक पावर ट्रांसफॉर्मर और 765 केवी तक शंट रिएक्टर**, 1200 केवी तक कैपेसिटिव वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर (सीवीटी), 400 केवी तक इस्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर (सीटी, पीटी), ट्रेक्शन पावर ट्रांसफॉर्मर, ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर, वैक्यूम स्विचगियर, कैपेसिटर बैंक, नियंत्रण और सुरक्षा उपकरण, 800kV तक के HVDC कनवर्टर ट्रांसफॉर्मर, थाइरिस्टर वाल्व आदि।
- **420 केवी तक गैस इंसुलेटेड स्विचगियर (जीआईएस) इन्सुलेटर**
- **फलेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम (FACTS) समाधान**: 400 केवी अनुप्रयोगों तक विद्युत प्रवाह को नियंत्रित और संतुलित करने के लिए 400 केवी लाइनों, नियंत्रित शंट रिएक्टर (सीएसआर) और चरण स्थानांतरण ट्रांसफॉर्मर (पीएसटी) के लिए निश्चित श्रृंखला मुआवजा।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- आरयूएमएस (रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर) 17 ट्रांसफॉर्मर की आपूर्ति का ऑर्डर प्राप्त किया।
- पावरग्रिड से 33 ट्रांसफॉर्मर और शंट रिएक्टरों की आपूर्ति के लिए उनके कई आरई विद्युत इवाक्यूएशन और सिस्टम सुदृढ़ीकरण परियोजनाओं के लिए ऑर्डर सुरक्षित।
- 765 केवी 500 एमवीए ऑटो ट्रांसफॉर्मर के लिए ऑन लोड टैप चेंजर को सफलतापूर्वक विकसित और परीक्षण किया गया।
- एनएचपीटीएल, बीना में 765 केवी 330 एमवीए सिंगल फेस जेनरेटर ट्रांसफॉर्मर का शॉर्ट सर्किट परीक्षण किया गया। यह उच्चतम रेटेड 765 केवी जेनरेटर ट्रांसफॉर्मर है जिसने दुनिया में शॉर्ट सर्किट टेस्ट सफलतापूर्वक पास किया है।
- 500 एमवीए 400/220/33 केवी ऑटो ट्रांसफॉर्मर के लिए शॉर्ट सर्किट परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया, जो भारत का उच्चतम रेटेड ऑटो ट्रांसफॉर्मर है।
- भारतीय रेलवे के 42 एमवीए 220/27 केवी ट्रेक्शन पावर ट्रांसफॉर्मर पर शॉर्ट सर्किट टेस्ट (एससीटी) सफलतापूर्वक किया गया। इससे बीएचईएल को उच्च क्षमता वाले ट्रेक्शन ट्रांसफॉर्मर में अवसरों को लक्षित करने में मदद मिलेगी।
- ± 800 केवी, 6000 मेगावाट, रायगढ़-पुगलूर एचवीडीसी लाइन के लिए वाणिज्यिक परिचालन घोषित

भविष्य का दृष्टिकोण

हाल के वर्षों में, ट्रांसमिशन उपकरण और परियोजनाओं (सबस्टेशन और ट्रांसमिशन लाइन) से संबंधित कैपेक्स में तीव्र वृद्धि देखी गई है। दिसंबर 2021 में विद्युत मंत्रालय ने ₹15,900 करोड़ के परियोजना पर 23 नई अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली (ISTS) परियोजनाओं की स्थापना को मंजूरी दी है।



बीएचईएल द्वारा पश्चिमी क्षेत्र ग्रिड (रायगढ़, छत्तीसगढ़) और दक्षिणी क्षेत्र ग्रिड (पुगलूर, तमिलनाडु) के बीच 800 T, 6,000 डे अल्ट्रा हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट (यूएचवीडीसी) लिंक सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।



बीएचईएल अपने इन-हाउस आरएंडडी प्रयासों, नए उत्पादों/प्रणालियों को विकसित करने और उपयोगिताओं की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रचलित प्रत्येक में निरंतर सुधार करने के माध्यम से ट्रांसमिशन क्षेत्र में सबसे आगे रहा है।

डिजिटलीकरण पर नए सिरे से ध्यान देने के साथ, कंपनी ने पावरग्रिड के साथ सहयोगात्मक परियोजना के रूप में एक डिजिटल सबस्टेशन को सफलतापूर्वक

कमीशन किया है जिसमें इन-हाउस विकसित उत्पादों को लगाया गया है। बीएचईएल अब इस सेगमेंट में संपूर्ण ईपीसी समाधान प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

उद्योग की सर्वोत्तम पद्धतियों और ग्राहकों की सेवा करने के उद्देश्य से व्यापक प्रदर्शन के साथ, कंपनी ने स्वयं को एक विश्वसनीय भागीदार और प्रतिष्ठित उद्योग खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।

1.7.2.3 रक्षा एवं एयरोस्पेस

रक्षा मंत्रालय (MoD) रक्षा में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो इस क्षेत्र में भारतीय उद्योग को बढ़ावा देगा। रक्षा व्यय और निवेश में वृद्धि की उम्मीद है क्योंकि भारत अपने सैन्य आधुनिकीकरण को तीव्र कर रहा है, विशेष रूप से वर्तमान भू-राजनीतिक विकास को देखते हुए। स्थानीय रूप से निर्मित होने वाले रक्षा उपकरणों की सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी करना, घरेलू उद्योग की क्षमताओं में सरकार के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

इन वर्षों में, बीएचईएल ने सटीक निर्माण, हेवी फोर्जिंग, विशेष प्रयोजन वेल्डिंग और उन्नत सीएनसी मशीनिंग गतिविधियों के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करने के लिए अपनी सुविधाओं का उन्नयन किया है जिसका उपयोग इन रक्षा उपकरणों और प्रणालियों के स्वदेशी निर्माण के लिए किया जाएगा। इनमें से अधिकांश जटिल और विशेष प्रयोजन वाली मशीनें और उपकरण देश में अपनी तरह की और विश्व में उपलब्ध सर्वोत्तम की तुलना में एकमात्र हैं। आपकी कंपनी ने फर्म का अनुमोदन और इसकी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (AFQMS) AS9100D और CEMILAC जैसे प्रमाणपत्र भी हासिल किए हैं जो प्रस्तावित वस्तुओं और सेवाओं के उच्चतम गुणवत्ता मानकों को प्रदर्शित करता है।

प्रस्तावों की वर्तमान सूची

- सुपर रैपिड गन माउंट (SRGM), जिसमें अपग्रेडेड SRGM, भारतीय नौसेना के युद्धपोतों के लिए मुख्य गन, और ओवरहालिंग, हेल्थ ऑडिट और प्रशिक्षण आदि सहित इसके आजीवन उत्पाद समर्थन शामिल हैं।

- आईपीएमएस (एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली)
- एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स और पंप मॉड्यूल
- सामरिक जहाजों के लिए उपकरण और प्रणालियां
- अंतरिक्ष यान टैंकों के लिए टाइटेनियम शेल/डोम्स के उष्ण गठन की क्षमता
- टाइटेनियम शीट और ट्यूब की सटीक मशीनिंग और वेल्डिंग की क्षमता।
- उपग्रहों के स्पेस ग्रेड सौर पैनलों और बैटरियों का संयोजन और परीक्षण
- उपग्रहों के लिए टाइटेनियम आधारित प्रणोदक टैंक भागों की सटीक मशीनिंग
- अंतरिक्ष ग्रेड लिथियम आयन सेल्स।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- सहायक उपकरणों सहित 2 उन्नत एसआरजीएम का पहला ऑर्डर प्राप्त किया – देश में इसका एकमात्र आपूर्तिकर्ता बीएचईएल है
- भारतीय नौसेना से एसआरजीएम के सेवा जीवन विस्तार सह प्रमुख ओवरहाल के लिए पहली बार संविदात्मक समय सीमा के भीतर पूरा किया गया।
- एचएएल से प्राप्त एलसीए तेजस के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर के लिए ऑर्डर
- रक्षा मंत्रालय से प्राप्त सामरिक उपकरणों के लिए ऑर्डर
- डीसी-एसी और एसी-एसी स्थायी चुंबक आधारित रोटरी फ्रीक्वेंसी

बीएचईएल हरिद्वार का नौसेना गन विनिर्माण हेतु समर्पित अत्याधुनिक विनिर्माण केंद्र जो विभिन्न प्रकार की सीएनसी मशीनों और परीक्षण उपकरणों से युक्त है



कन्वर्टर की सफलतापूर्वक डिजाइन और आपूर्ति।

भविष्य का दृष्टिकोण

बीएचईएल के पास देश के रक्षा बलों को सहयोग करने का पांच दशक का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है, जिसकी शुरुआत 1970 के दशक में लिफ्टर श्रेणी के युद्धपोतों के लिए मुख्य टर्बाइनों के स्वदेशीकरण के साथ हुई थी। तब से, बीएचईएल द्वारा रक्षा अनुप्रयोगों के लिए विशेष उपकरणों और प्रणालियों की एक विस्तृत शृंखला के डिजाइन और विकास में महत्वपूर्ण प्रगति और योगदान किया गया है, जिसमें युद्धपोतों के लिए एसआरजीएम, रणनीतिक पोत कार्यक्रम के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरण, लड़ाकू विमानों के लिए हीट एक्सचेंजर्स, आईएनएस विक्रांत के लिए एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली— स्वदेशी विमान वाहक, मिसाइल लांचर, एयरोस्पेस अनुप्रयोग के लिए पंप मॉड्यूल, गन नियंत्रण प्रणाली, एंटीना नियंत्रण प्रणाली, अन्य शामिल हैं।

कंपनी अब उन्नत अत्याधुनिक एसआरजीएम की पेशकश कर रही है और भारतीय नौसेना की आवश्यकता के अनुरूप अपनी क्षमताओं को भी बढ़ा रही है। बीएचईएल ने स्थायी चुंबक मोटर प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता साबित कर दी है और पोत और युद्धपोतों के लिए प्रणोदन प्रणाली के स्वदेशी डिजाइन और विकास के लिए पूरी तरह से तैयार है। आपकी कंपनी भारतीय नौसेना को विभिन्न उपकरणों के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण और जीवन विस्तार सेवाओं में भी अपना अनुभव प्रदान कर रही है। बीएचईएल दुनिया की कुछ चुनिंदा फर्मों में से एक है जिसके पास सैन्य विमानों/हेलीकॉप्टरों के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स और पंप मॉड्यूल के डिजाइन और निर्माण की क्षमता है और वर्तमान में कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स और पंप मॉड्यूल की विविधता विकसित कर रहा है। कंपनी रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों के लिए विविध प्रकार के उपकरणों और सेवाओं के लिए डेयर, एचएएल, इसरो, एडीए, आदि जैसे ग्राहकों के साथ घनिष्ठ समन्वय में भी कार्य कर रही है।

वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में, बीएचईएल अपनी विस्तृत डिजाइन, इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमताओं के साथ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय रक्षा आवश्यकताओं के

स्वदेशीकरण में एक व्यापक भूमिका निभाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है।

1.7.2.4 अक्षय ऊर्जा

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के लिए भारत के हाल ही में अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50% संचयी विद्युत शक्ति स्थापित क्षमता का सुझाव दिया है। इसमें से अधिकांश की उम्मीद है सौर क्षमता से हो।

प्रस्तावों की वर्तमान सूची

- बीईएसएस (बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम) के साथ या उसके बिना सोलर पीवी पावर प्लांट की अवधारणा से ईपीसी समाधान।
- ग्राउंड माउंटेड, रूफ टॉप, कैनाल टॉप और फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट।
- यूटिलिटी के साथ-साथ ट्रैकशन अनुप्रयोगों के लिए सौर इन्वर्टर
- घरेलू सामग्री की आवश्यकता (डीसीआर) को पूरा करने वाले लूज़ मल्टी क्रिस्टलीय सौर पीवी सेल
- मोनो-पीईआरसी सौर पीवी मॉड्यूल (400 डब्ल्यूपी तक)

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- देश की कुछ सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक कमीशन करना। बीएचईएल द्वारा देश का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर एसपीवी प्लांट, 100 मेगावाट एनटीपीसी रामागुंडम फ्लोटिंग सोलर पीवी में से 80 मेगावाट का 31 मार्च 2022 को कमीशन किया गया था और उसके बाद पूरे 100 मेगावाट को कमीशन कर दिया गया है।
- बीएचईएल ने वित्त वर्ष 2021-22 में लगभग 270 मेगावाट क्षमता कमीशन किया, यह बीएचईएल द्वारा एक वित्तीय वर्ष में निष्पादन में सौर



बीएचईएल द्वारा कमीशन किया गया देश का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर एसपीवी संयंत्र 100 मेगावाट एनटीपीसी रामागुंडम फ्लोटिंग सोलर पीवी

की उच्चतम क्षमता वृद्धि है।

- एसपीवी मॉड्यूल निर्माण संयंत्र का घरेलू उन्नयन जिससे उन्नत मोनो पीईआरसी सेल का उपयोग करके उच्च आकार के सेल मॉड्यूल (400 Wp तक) के निर्माण संभव हुआ।

भविष्य का दृष्टिकोण

भारत के हाल ही में अधतन किए गए एनडीसी से सौर क्षमता के विस्तार को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। 1.2 गीगावाट के पोर्टफोलियो के साथ घरेलू सौर ऊर्जा बाजार में एक स्थापित ईपीसी कंपनी के रूप में, सौर पीवी सेलों (105 मेगावाट/वर्ष) और पीवी मॉड्यूल (226 मेगावाट/वर्ष) की स्वदेशी विनिर्माण संपत्ति और आयातित सौर पीवी सेल और मॉड्यूल पर 01 अप्रैल 2022 से प्रभावी बुनियादी सीमा शुल्क लगाया गया है और बीएचईएल को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार किया गया है।

1.7.2.5 कैप्टिव पावर एंड प्रोसेस प्लांट

पर्यावरण मानदंडों/अनुपालनों के लिए भारत सरकार के दबाव ने सेकेण्डरी इस्पात संयंत्रों को प्रक्रिया से उत्पन्न अपशिष्ट ऊष्मा का लाभप्रद उपयोग करने के लिए प्रेरित किया है। उत्पादित अपशिष्ट ऊष्मा का उपयोग बहुत ही किफायती दर पर कैप्टिव विद्युत उत्पन्न करने के लिए किया जा रहा है। इससे गौण इस्पात और अन्य प्रक्रिया उद्योगों में सीपीपी की मांग बढ़ने की आशा है।

भारत सरकार के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दबाव से स्टील, एल्यूमीनियम और सीमेंट की मांग बढ़ेगी। विभिन्न उद्योगों में अपेक्षित क्षमता विस्तार जैसे एल्यूमीनियम, स्टील, सीमेंट, तेल और गैस, रसायन, उर्वरक, कागज, कपड़ा आदि से अगले 5 वर्षों में 5,000 मेगावाट की कैप्टिव विद्युत की मांग उत्पन्न होने की संभावना है।

तेल और गैस क्षेत्र के संबंध में, बीएचईएल एकमात्र ओईएम है जिसके देश में 230 गैस टर्बाइन सफलतापूर्वक परिचालित हो रहे हैं। भारतीय रिफाइनरियों के नियोजित क्षमता विस्तार से गैस टर्बाइनों की मांग उत्प्रेरित होगी।

प्रस्तावों की वर्तमान सूची

- स्टैंडअलोन स्टीम टर्बाइन जेनरेटर (एसटीजी) सेट
- बॉयलर टर्बाइन जेनरेटर (बीटीजी) पैकेज, पल्वराइज्ड फ्यूल (पीएफ), सर्कुलेटिंग फ्लुइडाइज्ड बेड कम्बशन (सीएफबीसी), एटमोस्फेरिक फ्लुइडाइज्ड बेड कम्बशन (एएफबीसी), यूटिलिटी बॉयलर (यूबी)/गैस से चलने वाले बॉयलर
- गैस टर्बाइन आधारित मुक्त, सह-उत्पादन और कंबाईंड साइकिल कैप्टिव विद्युत संयंत्र
- डाउनस्ट्रीम ऑयल एंड गैस सेक्टर (DSOG) के प्रोसेस पैकेज और उपकरण

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

रश्मि ग्रुप, श्याम ग्रुप और श्री सीमेंट के रिपीट ऑर्डर सहित वित्त वर्ष 2021-22 में नौ एसटीजी के ऑर्डर बुक किए गए।

भविष्य का दृष्टिकोण

भारतीय रिफाइनरियों की विस्तार योजनाएं हैं जिनमें पर्याप्त निवेश की आवश्यकता है। सीपीपी व्यवसाय के अलावा, आईओसीएल पारादीप एसआरयू परियोजना (डीएसओजी सेगमेंट में पहला ऑर्डर) के सफल निष्पादन से बीएचईएल के लिए भविष्य में विभिन्न अन्य डाउनस्ट्रीम ऑयल एंड गैस ईपीसी पैकेजों को संबोधित करने के रास्ते खुलेंगे।

सीएफबीसी बॉयलर की माध्यमिक स्टील और अन्य प्रक्रिया उद्योगों से उप-उत्पाद के रूप में उपलब्ध कई निम्न ग्रेड ईंधन पर काम करने की क्षमता सीएफबीसी आधारित सीपीपी परियोजनाओं की मांग को आगे बढ़ाएगी।

1.7.2.6 औद्योगिक उत्पाद (तेल एवं गैस और विद्युत मशीनों सहित)

बीएचईएल पांच दशकों से अधिक समय से तेल एवं गैस क्षेत्र की सेवा कर रहा है और भारत में अधिकांश रिफाइनरी और पेट्रो-रसायन उद्योग बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए स्थिर और रोटेटिंग उपकरण का उपयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त, भारत में 249 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (MMTPA) की वर्तमान शोधन क्षमता 2025 तक 298 MMTPA (पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार) तक पहुंचने की उम्मीद है; सेंट्रीफ्यूगल कंप्रेसर्स, फायर्ड हीटर, हीट एक्सचेंजर्स, उच्च टन भार वाले कॉलम और जहाजों आदि के लिए उन्नत व्यावसायिक अवसरों की परिकल्पना की गई है।

प्रस्तावों की वर्तमान सूची

- **ऑयल रिग** — एसी-वीएफडी (वैरिबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव) और एसी-एससीआर (सिलिकॉन-नियंत्रित रेक्टिफायर) तकनीक के साथ 9,000 मीटर (3000 एचपी) की गहराई तक ड्रिलिंग के लिए विभिन्न प्रकार के ऑन-शोर ड्रिलिंग रिग, वर्क-ओवर रिग 6,100 मीटर (650 एचपी) की गहराई तक सर्विसिंग।
- **वेल हेड्स और एक्स-मास ट्री** — 10,000 पीएसआई तक, मड लाइन सस्पेंशन सिस्टम, चोक एंड किल मैनिफोल्ड, कोलबेड मीथेन (बुड) वेलहेड्स, DSPM H- मैनिफोल्ड असंबली, मड वॉल्व आदि
- **सेंट्रीफ्यूगल कम्प्रेसर** — उर्वरक, रिफाइनरियों, पेट्रो-रसायन,



बीएचईएल द्वारा निर्मित सेंट्रीफ्यूगल कम्प्रेसर

पाइपलाइनों, गैस प्रसंस्करण, इस्पात उद्योगों आदि में आवेदन के लिए एपीआई 617 अध्याय-2 के अनुसार 3,00,000 तक मल्टी-स्टेज सेंट्रीफ्यूगल कंप्रेसर्स।

- **यांत्रिक पैकेज** — फायर्ड हीटर, कॉलम, रिक्टर, प्रेशर वेसल्स, हीट एक्सचेंजर्स और पर्ज गैस रिकवरी यूनिट।
- **विद्युत मशीनें**— एसी स्क्रॉलर केज, स्लिप रिंग, सुरक्षित और खतरनाक क्षेत्र के अनुप्रयोगों के लिए तुल्यकालिक मोटर्स, वैरिबल स्पीड मोटर्स, औद्योगिक अल्टरनेटर, विशेष प्रयोज्य मशीन और एलटी वीएफडी।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- सीबीएंडआई लिमिटेड से आईओसीएल बरौनी के लिए प्राप्त 11 स्टैंडअलोन हीट एक्सचेंजर्स के लिए अब तक का पहला ऑर्डर।
- आईओसीएल बरौनी डीएचडीटी परियोजना के लिए 2.5 मेगावाट सेंट्रीफ्यूगल कंप्रेसर के लिए सीबीएंडआई इंडिया लिमिटेड से अब तक का पहला ऑर्डर प्राप्त हुआ है।
- तेल और पेट्रोलियम क्षेत्र से प्राप्त उच्चतम प्लेमपूफ मोटर रेटिंग (1285 KW, 6.6KV, 2P Ex-d SCIM) का ऑर्डर।
- 2000 मिमी आउटर डाय (ओडी) फ्रेम में बीएचईएल की उच्चतम रेटिंग 14425 किलोवाट, 11 केवी, 8 पोल आईडी फैन मोटर का सफलतापूर्वक निर्माण और वितरण किया गया।

भविष्य का दृष्टिकोण

बीएचईएल 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की दिशा में योगदान के रूप में सेंट्रीफ्यूगल कंप्रेसर पैकेज के लिए आवश्यक विभिन्न आयातित वस्तुओं के स्वदेशीकरण की दिशा में काम कर रहा है। बीएचईएल पेट्रो-रसायन क्षेत्र के लिए अपनी प्रस्तुति बढ़ाने के लिए भी काम कर रहा है। अगले पांच वर्षों में देश के प्रमुख क्षेत्रों में सीएपीईएक्स में वृद्धि देखी जाएगी और बीएचईएल इन निवेशों से निकलने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है।

1.7.2.7 ऊर्जा भंडारण समाधान और नए व्यावसायिक क्षेत्र इलेक्ट्रिक मोबिलिटी

नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (NEMMP) के तहत, भारी उद्योग मंत्रालय (MHI) ने भारत में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों (FAME) को तेजी से अपनाने और निर्माण करने की शुरुआत की। FAME-I योजना की सफलता के बाद, MHI ने FAME-II योजना को अधिसूचित किया गया है जिसे अब 31 मार्च, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

4W-EV का प्रवेश वर्तमान में 1% से कम से 2030 तक 30% तक बढ़ने की उम्मीद है (CEEW COP26 वर्किंग पेपर)। इस बड़े हुए प्रवेश के लिए आवश्यक रूप से ईवी चार्जर्स के लिए एक अखिल भारतीय नेटवर्क की आवश्यकता

होगी, जिसे आपकी कंपनी अपने स्वयं के डिजाइन, इंजीनियरिंग और निर्माण क्षमताओं के साथ संबोधित करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और एक्सप्रेसवे/राजमार्गों के साथ शहरों के लिए ईवी चार्जिंग स्टेशनों को मंजूरी देने वाली फेम-II योजना के तहत एमएचआई के साथ इस व्यवसाय के लिए दृष्टिकोण आशाजनक लग रहा है। इसके अलावा बीपीसीएल/एचपीसीएल/आईओसीएल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के तेल उपक्रमों की अपने खुदरा दुकानों पर 22,000 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना है।

प्रस्तावों की वर्तमान सीमा

- ईवी चार्जर और संबंधित विद्युत प्रणाली की आपूर्ति
- अपस्ट्रीम विद्युत प्रणाली के साथ ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए ईपीसी समाधान

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- CHAdeMO/Type-II चार्जिंग प्रोटोकॉल के अनुरूप इन-हाउस विकसित 122 KW EV चार्जर को एआरएआई, पुणे में प्रमाणित किया गया है।
- दिल्ली-चंडीगढ़ राजमार्ग के किनारे 20 रणनीतिक स्थानों पर सौर आधारित ईवी-चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जिससे यह देश का पहला ई-मोबिलिटी फ्रेंडली हाईवे बन गया है।

भविष्य का परिप्रेक्ष्य

देश के ई-मोबिलिटी मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, बीएचईएल ने कई आंतरिक विकास किए हैं। 122 kW चार्जर के सफल विकास और प्रमाण के साथ, बीएचईएल इस क्षेत्र में ईपीसी समाधान प्रस्तुत कर ईवी चार्जिंग स्टेशनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार है। साथ ही, ईवी चार्जर्स की अन्य रेटिंग के विकास और निर्माण की पहल की जा रही है।

बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस)

2030 तक, भारत में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। सौर ऊर्जा के प्रवेश से विद्युत उत्पादन में



बीएचईएल द्वारा दिल्ली-चंडीगढ़ राजमार्ग पर स्थापित ईवी चार्जिंग स्टेशनों का माननीय केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्री के कर कमलों से उद्घाटन



बीएचईएल, हरिद्वार में मेडिकल ऑक्सीजन संयंत्र

उतार-चढ़ाव के कारण ग्रिड की स्थिरता को चुनौती मिलती है। ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने और ग्रिड में अक्षय ऊर्जा के बड़े पैमाने पर एकीकरण को सक्षम करने के लिए ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियां विद्युत प्रणाली का एक अभिन्न अंग बनने के लिए तैयार हैं।

इष्टतम उत्पादन क्षमता मिश्रण पर सीईए की रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक बीईएसएस के लिए अपेक्षित बाजार 108 गीगावाट होने की संभावना है।

प्रस्तावों की वर्तमान सीमा

- बीईएसएस के लिए पूर्ण ईपीसी समाधान
- ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

बीएचईएल दिल्ली के एनसीटी में तीन अलग-अलग साइटों पर स्थित 410 kWh की संचयी रेटिंग वाली TERE की अपनी पहली BESS परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है। यह भारत में अपनी तरह की एक परियोजना होगी क्योंकि यह एनर्जी टाइम शिफ्टिंग, पावर बैकअप, डीटी ओवरलोड मैनेजमेंट, पीक शिफ्टिंग और एनर्जी आर्बिट्रेज सहित कई अनुप्रयोगों को पूरा करती है। इस बीईएसएस परियोजना के तहत बैटरी भी उच्च निर्वहन दरों को संचालित करने के लिए सुसज्जित हैं।

भविष्य का दृष्टिकोण

बीएचईएल सक्रिय रूप से ईपीसी मोड में बैटरी एनर्जी स्टोरेज व्यवसाय के अवसरों की खोज कर रहा है और बीईएसएस को प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न डेवलपर्स के साथ चर्चा कर रहा है।

रेल ट्रैक विद्युतीकरण

बीएचईएल रेल ट्रैक विद्युतीकरण के लिए पूर्ण ईपीसी समाधान प्रदान करता है और तीन सेक्शनों में 440 ट्रैक किलोमीटर (टीकेएम) रेलवे लाइन विद्युतीकरण परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है। इन सेक्शनों पर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के साथ ट्रेन परिचालन शुरू हो गया है।

चिकित्सा ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र

COVID-19 महामारी से लड़ने के राष्ट्र के प्रयासों को पूरा करने के लिए, BHEL ने CSIR (IIP— देहरादून) तकनीक पर आधारित 7 प्रेशर वैक्यूम स्विंग सोखना (PVSA) आधारित ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट (500 LPM और 1000 LPM) का निर्माण और आपूर्ति की है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए अभिनव प्रयास

तेल और गैस क्षेत्र में, आपकी कंपनी ने सकर रॉड पंप की सरफेस इकाइयों, 15000 पीएसआई वेलहेड्स और एक्स-मास ट्री वाल्व के लिए विकासत्मक ऑर्डर प्राप्त किए हैं। इसके अतिरिक्त, आपकी कंपनी विभिन्न मदों के स्वदेशीकरण पर काम कर रही है, जिसमें 800 मेगावाट और 660 मेगावाट रेटिंग के टर्बाइनों के लिए सभी प्रकार के वाल्व, टरबाइन ब्लेड, परमाणु ऊर्जा संयंत्र के अनुप्रयोग के लिए बॉयलर वाटर फीड पंप, फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) की वस्तुएँ इत्यादि शामिल हैं। बीएचईएल भारत सहित निर्यात के लिए वस्तुओं/उप-असेम्बलीज के निर्माण के लिए वैश्विक ओईएम के साथ भी कार्य कर रहा है।

रक्षा और एयरोस्पेस में आत्मनिर्भर!

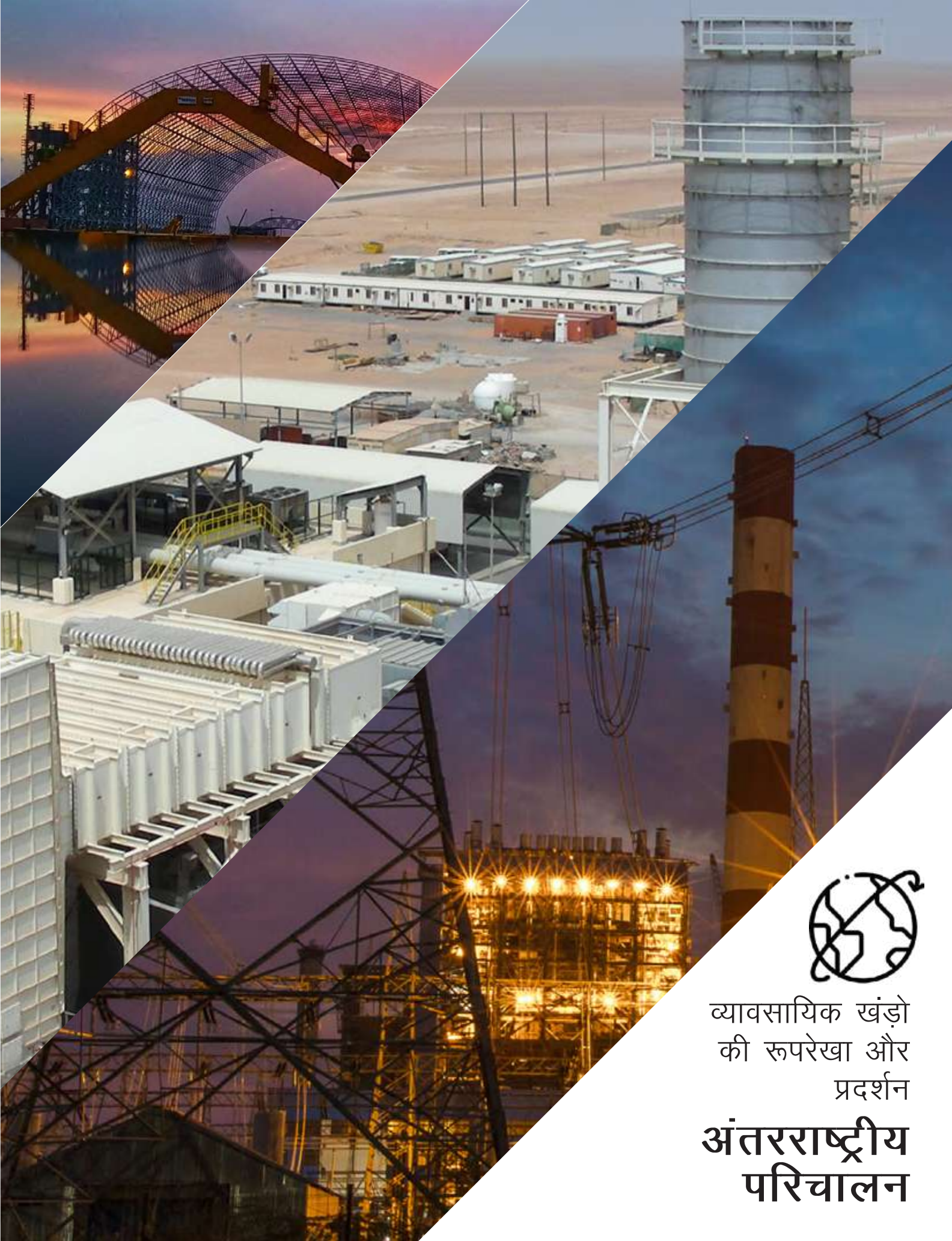
बीएचईएल तीन दशकों से रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए रणनीतिक उपकरणों और सेवाओं का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। कंपनी के समर्पित इंजीनियरिंग समूह, विशिष्ट विनिर्माण सुविधाओं एवं क्षमताओं ने बीएचईएल को रक्षा उपकरण उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता के लिए एक प्रमुख योगदानकर्ता बनने में सक्षम बनाया है। बीएचईएल दुनिया भर की उन कुछ फर्मों में से एक है जो सैन्य विमानों के लिए हीट एक्सचेंजर्स के डिजाइन और निर्माण की क्षमता रखती है और 'तेजस' के लिए हीट एक्सचेंजर्स की आपूर्ति कर रही है। कंपनी एयरोस्पेस सेगमेंट में अपनी पेशकश में तेजी से विस्तार कर रही है और राष्ट्र के अंतरिक्ष कार्यक्रम में जोरदार योगदान दे रही है।

बीएचईएल 1992 से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के लंबे समय से चले आ रहे भागीदारों में से एक है। बीएचईएल को

इसरो के सभी अंतरिक्ष कार्यक्रमों के साथ जुड़े होने पर बहुत गर्व है। इसरो द्वारा प्रक्षेपित अधिकांश उपग्रहों में बीएचईएल के सोलार पैनल और लिथियम-आयन बैटरी लगे हैं। एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए प्रिस्मैटिक लिथियम-आयन बैटरी का एक अलग से विनिर्माण केंद्र बनाया गया है। बीएचईएल स्पेसक्राफ्ट के लिए टाइटेनियम मिश्रधातु आधारित अंतरिक्ष यान प्रणोदक टैंक घटकों की आपूर्ति भी करता रहा है।

2021-22 में नई उपलब्धि प्राप्त करते हुए, बीएचईएल ने सहायक उपकरण सहित दो उन्नत एसआरजीएम की आपूर्ति का पहला ऑर्डर प्राप्त किया। भारतीय नौसेना से एलसीए तेजस के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर और सामरिक पोत के लिए उपकरण/सिस्टम की आपूर्ति के आदेश में एसआरजीएम की जीवनकाल विस्तार और पूरे ओवरहाल के लिए यह पहली संविदा है।





व्यावसायिक खंडो
की रूपरेखा और
प्रदर्शन

अंतरराष्ट्रीय
परिचालन

1.7.3 अंतरराष्ट्रीय परिचालन

अवलोकन

बीएचईएल चार दशकों से अधिक समय से दुनिया भर में भारतीय पूंजीगत वस्तुओं के निर्यात का ध्वजवाहक रहा है। कंपनी के अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बीएचईएल के उत्पादों और सेवाओं की लगभग पूरी शृंखला शामिल है, जिसमें थर्मल, हाइड्रो और गैस आधारित टर्नकी पावर परियोजना, सोलर पीवी आधारित परियोजना, सबस्टेशन परियोजना, आरएंडएम परियोजना के अलावा ट्रांसफॉर्मर, कंप्रेसर्स, मोटर्स, वाल्व, तेल क्षेत्र के उपकरण, इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर, फोटोवोल्टिक उपकरण, इन्सुलेटर, हीट एक्सचेंजर्स, स्विचगियर्स, कास्टिंग और फोर्जिंग, आदि जैसे उत्पादों की एक विस्तृत विविधता शामिल है। आज हमारे व्यावसायिक संबंध दुनिया के सभी 6 बसे हुए महाद्वीपों के 88 देशों में हैं। बीएचईएल की विदेशी विद्युत परियोजना का संचयी पोर्टफोलियो 17 गीगावॉट है, जिसमें से 11 गीगावॉट पहले ही चालू हो चुका है।

वर्तमान में, कंपनी बांग्लादेश में 2X660 मेगावाट मैत्री थर्मल पावर प्रोजेक्ट, 6X200 मेगावाट पुनात्संगछु- I और 6X170 मेगावाट भूटान में पुनात्संगछु- II जलविद्युत परियोजनाओं, सीरिया में 2 X 200 मेगावाट तिशीन थर्मल, 26 मेगावाट कैलाबार गैस आधारित सहित कई प्रमुख परियोजनाओं सहित नाइजीरिया में 1.3 मेगावाट कडुना सौर मिनी ग्रिड परियोजनाएं, 4X225 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना और नेपाल में 40 मेगावाट राहुघाट जलविद्युत परियोजना को क्रियान्वित कर रही है। कंपनी अपने अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को पुर्जों और सेवाओं के रूप में बिक्री के बाद सहायता भी प्रदान करती रही है।

पिछले दो साल कोविड-19 महामारी के कारण विश्व अर्थव्यवस्था के लिए कठिन रहे हैं। आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और हाल ही में, ऊर्जा की कीमतों

में वृद्धि, गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों और बढ़ती माल ढुलाई लागत के साथ वैश्विक मुद्रास्फीति ने अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतीपूर्ण समय पैदा कर दिया है। इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, बीएचईएल ब्रुनेई दारुस्सलाम और मैक्सिको में प्रवेश करके अपने वैश्विक पदचिह्नों का विस्तार करने में सक्षम रहा है।

ऑर्डर बुकिंग

- विदेशी बाजार में ग्रिड से जुड़े सोलर पीवी पावर प्लांट के लिए पहला ऑर्डर, मॉरीशस में 8 मेगावाट का हेनेरिहा सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) पावर प्लांट।
- अंतरराष्ट्रीय कंप्रेसर बाजार में पुनः प्रवेश – उत्तरी रिफाइनरी कंपनी (एनआरसी), इराक से इलेक्ट्रिक मोटर चालित रीसायकल गैस सेंट्रीफ्यूगल कंप्रेसर के लिए आदेश प्राप्त हुआ। नया कंप्रेसर मौजूदा कंप्रेसर की जगह लेगा, जिसे वर्ष 2000 में बीएचईएल द्वारा आपूर्ति की गई थी, जो इराक में युद्ध के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था।
- नए बाजारों में प्रवेश – ब्रुनेई दारुस्सलाम और मैक्सिको: ब्रुनेई दारुस्सलाम (गैर-बीएचईएल विनिर्मित जीटी सेटों के लिए Fr-5 और Fr-6B अन-बकेटेड रोटर्स की आपूर्ति के लिए बिक्री उपरांत सेवा) और मैक्सिको (मोटर की आपूर्ति) से पहली बार ऑर्डर प्राप्त किया।
- उत्पाद और बिक्री के बाद सहायता – उत्पाद की बिक्री और बिक्री के बाद सहायता पर केंद्रित प्रयासों ने बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई दारुस्सलाम, इथियोपिया, फ्रांस, जॉर्जिया, इंडोनेशिया, केन्या, कुवैत, मैक्सिको, न्यू कैलेडोनिया, नाइजीरिया, ओमान, सऊदी अरब, सेनेगल, श्रीलंका, तुर्की, युगांडा, यूएई और वियतनाम सहित 20 देशों के पुर्जों, सेवाओं और अन्य उत्पादों के लिए ऑर्डर हासिल किए हैं।



बीएचईएल द्वारा बांग्लादेश में निष्पादित की जा रही 2X660 मेगावाट मैत्री सुपरक्रिटिकल विद्युत परियोजना

बीएचईएल ने इराक से कंप्रेसर पैकेज का प्रतिष्ठित ऑर्डर प्राप्त किया



इराक गणराज्य के तेल मंत्रालय के स्वामित्व वाली राष्ट्रीय तेल रिफाइनरी, नॉर्दर्न रिफाइनरीज कंपनी (NRC) ने इराक में बाईजी रिफाइनरी के पैकेज का यह ऑर्डर दिया है जिसे बीएचईएल ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच जीता है।

बीएचईएल द्वारा इराक में आपूर्ति किए गए विद्युत बिजली संयंत्र उपस्कर

4x157 मेगावाट गैस टर्बाइन जेनरेटर (जीटीजी) बाईजी पावर स्टेशन को
2x125 मेगावाट जीटीजी रुमैला पावर स्टेशन को
4x125 मेगावाट गैस टर्बाइन आधारीत चुलेमानिया पावर प्रोजेक्ट



परियोजना निष्पादन

वर्तमान में, कंपनी कई प्रमुख परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है, जिसमें बांग्लादेश में प्रतिष्ठित 2x660 मेगावाट मैत्री थर्मल पावर प्रोजेक्ट, 4x225 मेगावाट अरुण-3 हाइड्रो परियोजना और नेपाल में 40 मेगावाट की राहुघाट हाइड्रो परियोजना, भूटान में 6x200 मेगावाट पुनात्संगछु- I और 6x170 मेगावाट पुनात्संगछु- II जलविद्युत परियोजना शामिल हैं, मॉरीशस में 8 मेगावाट सौर पीवी परियोजना, सीरिया में 2 x 200 मेगावाट तिशरीन थर्मल, और 26 मेगावाट कैलाबार गैस आधारित बिजली परियोजना और नाइजीरिया में 1.3 मेगावाट कडुना सौर मिनी ग्रिड परियोजनाएं हैं।

वर्ष के दौरान, मंगदेछू जलविद्युत परियोजना, भूटान की जनरेटिंग यूनिट #3 (180 मेगावाट) की बहाली सफलतापूर्वक पूरी की गई और यूनिट को समय से पहले सिंक्रनाइज़ किया गया।

2 x 660 मेगावाट की मैत्री परियोजना ने भी प्रमुख मील के पत्थर पूरे किए:

- यूनिट -1 बॉयलर की नॉन ड्रेनेबल हाइड्रो परीक्षण और रासायनिक सफाई का कार्य
- जीआईएस चार्जर के माध्यम से 230 केवी स्टार्ट-अप पावर
- ऑरिजलरी बॉयलर लाइट-अप

कोविड-19 की विनाशकारी दूसरी लहर के दौरान काम की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, वैक्सीन के निर्यात के लिए विशेष अनुमति प्राप्त करने के बाद, मैत्री बांग्लादेश साइट पर कोविड-19 वैक्सीन की लगभग 2000 खुराक को लगाया गया था।

सम्मान-

बीएचईएल ने वर्ष 2017-18 का शीर्ष निर्यातक की श्रेणी में इंजीनियरिंग निर्यात उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित ईईपीसी इंडिया नॉर्दर्न रीजन अवार्ड - 'वर्ष 2017-18 के लिए शीर्ष निर्यातक, सिल्वर ट्रॉफी - बड़े उद्यम।' जीता है।

भविष्य का दृष्टिकोण

वैश्विक अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे कोविड-19 महामारी के प्रभाव से बाहर आ रही है और विश्व ऊर्जा परिदृश्य COP 26 द्वारा संचालित परिवर्तनों के साथ विकसित हो रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया को हरित ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा के बीच चयन करने के लिए मजबूर किया है और श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था के पतन ने विकासशील देशों को अपनी ऋण रणनीति पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर किया है।

ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, कई देश अभी भी लघु और मध्यम अवधि में थर्मल पावर प्लांट बनाने का इरादा रखते हैं। इस बीच, प्रमुख बिजली संयंत्र उपस्कर निर्माताओं ने अपने पोर्टफोलियो से कोयला छोड़ने की योजना की घोषणा की है। बीएचईएल, ताप विद्युत संयंत्रों (पीएफ, सीएफबीसी, तेल से चलने वाले, आदि) की पूरी शृंखला की पेशकश करता है, इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैनात है और अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया में सीएफबीसी-आधारित अवसरों पर काम कर रहा है और इन क्षेत्रों में अपने पदचिह्नों का विस्तार करने की उम्मीद करता है।

जलवायु संबंधी कारणों से, जलविद्युत से बाजार के अतिरिक्त अवसर पैदा होने की उम्मीद है। बीएचईएल पड़ोसी देशों के क्षेत्र में एक प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी रहा है और आपकी कंपनी इस क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले अवसरों के लिए तैयार है। इनके अलावा, आपकी कंपनी अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया में आगामी जलविद्युत परियोजनाओं को करने के लिए भी तैयार है।

बीएचईल वैश्विक पदचिह्न



88 देशों में उपस्थिति के साथ

सभी छह महाद्वीपों में

1.8 वित्तीय निष्पादन का विस्तृत विश्लेषण

(भारतीय लेखा मानक इंडएएस, गाइडेंस नोट, कम्पनी अधिनियम 2013 और अन्य लागू विधियों के अनुपालन में तैयार किए गए वित्तीय विवरणों के आधार पर)

1.8.1 बीएचईएल एकल

(क) वित्तीय परिणाम

1. कुल आय

(₹ करोड़)

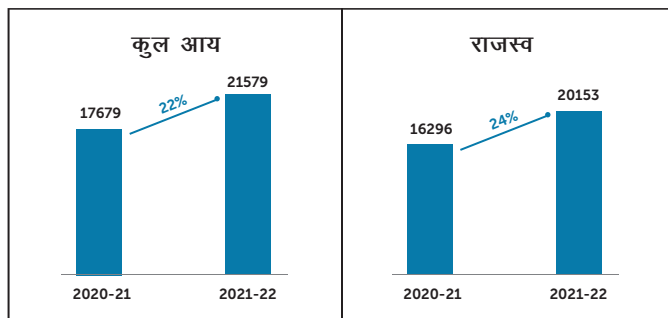
विवरण	2021-22	2020-21
ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त राजस्व	20153	16296
अन्य परिचालन आय	1058	1013
अन्य आय	368	370
कुल आय	21579	17679

पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में कुल आय में लगभग 22% की वृद्धि हुई है। कुल आय के प्रत्येक मद के लिए मदवार विवरण नीचे दिया गया है:

1.1 ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त राजस्व

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
निर्माण एवं परियोजना संबंधी गतिविधियों से प्राप्त राजस्व	14107	10581
उत्पाद एवं अन्य सेवाओं का विक्रय	6046	5715
ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त कुल राजस्व (115 के अनुसार)	20153	16296



परियोजना स्थलों के साथ-साथ हमारे शॉपफ्लोर पर निष्पादन पर निरंतर ध्यान और ठोस प्रयासों ने हमें कई परिचालन चुनौतियों को दूर करने में सक्षम बनाया जैसे कि वर्ष की पहली तिमाही में कोविड की विनाशकारी दूसरी लहर का गंभीर प्रभाव, फ1 21-22, विस्तारित आपूर्ति शृंखला व्यवधान – प्रमुख वस्तुओं की कीमतों में असामान्य वृद्धि के कारण उच्च इनपुट लागत दबाव, और वर्ष के दौरान लाभार्जन प्राप्त करना।

पिछले वर्ष के 16,296 करोड़ की तुलना में 20,153 करोड़ रुपये के राजस्व के साथ चालू वर्ष में टॉपलाइन में समग्र वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में 24% है। यह पिछले कुछ वर्षों में थर्मल ऑर्डर के न होने के कारण ऑर्डर बुक में कमी के बावजूद हासिल किया गया है। यह पिछले कुछ वर्षों में थर्मल ऑर्डर के न होने के कारण और ऑर्डर बुक में कमी के बावजूद हासिल किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में 'प्रोजेक्ट सेंट्रिक' होने के लिए विचारधारा में बदलाव, परियोजना पूर्ण होने की गति में वृद्धि, व्यवसाय विविधीकरण, विवेकपूर्ण ट्रेजरी प्रबंधन, आदि की दिशा में किए गए निरंतर प्रयासों के परिणाम मिले हैं। ये परिणाम निम्नलिखित चुनौतियों के बावजूद प्राप्त किए गए हैं। हासिल किया गया है:

- क) वित्तीय वर्ष 2021-22 में दूसरी कोविड-19 लहर के साथ-साथ वर्ष की चौथी तिमाही में, विनाशकारी तीसरी लहर देखी गई। महामारी के कारण लॉकडाउन, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और औद्योगिक ऑक्सीजन की कमी ने परियोजना साइटों, इकाइयों और वेंडरों के कार्यों में Q-1/21-22 में कंपनी के परिचालन को गंभीर रूप से बाधित किया। औद्योगिक ऑक्सीजन की सामान्य आपूर्ति केवल Q-2 FY22 तक बहाल की जा सकी, जिससे न केवल अधिकांश विनिर्माण इकाइयों में निर्माण गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हुई अपितु परियोजना साइटों पर इरेक्शन कार्य, बल्कि वेंडरों और सहायक के कार्यों भी बाधा उत्पन्न हुई।
- ख) वैश्विक आपूर्ति शृंखला में बाधाओं ने उत्पादन कार्यों के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल की समय पर उपलब्धता को भी प्रभावित किया। विभिन्न प्रमुख वस्तुओं की वैश्विक कीमतों में निरंतर वृद्धि के साथ-साथ महत्वपूर्ण इनपुट्स की वैश्विक कमी जैसे सेमीकंडक्टर चिप्स, सीआरजीओ और सीआरएनजीओ ने डिलीवरी को और प्रभावित किया।

1.2 अन्य परिचालन आय

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
अन्य परिचालन आय	1058	1013

कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी उच्चतम अन्य परिचालन आय ₹1058 करोड़ हासिल की है।

1.3 अन्य आय

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
ब्याज से आय	303	321
संयुक्त उद्यम में निवेश पर लाभांश-बीजीजीटीएस	30	21
म्यूचुअल फंड की इकाइयों/पीपीई, सरकारी अनुदान और अन्य वस्तुओं की बिक्री पर लाभ।	35	28
कुल	368	370

ब्याज आय में गिरावट वित्त वर्ष 2021-22 में अर्थव्यवस्था में ब्याज दरों में सामान्य गिरावट के कारण सावधि जमा पर कम ब्याज दर के कारण है। फिर भी, बीएचईएल के ट्रेजरी ऑपरेशंस ने उधार की लागत की तुलना में निवेश पर अधिक रिटर्न दिया है।

2 व्यय

2.1 सामग्री खपत, निर्माण और अभियांत्रिकी व्यय

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
कच्चे माल की खपत की लागत	5055	4347
खरीदी गई वस्तुओं का क्रय	4142	3812
सिविल, इरेक्शन एवं अभियांत्रिकी व्यय	4793	2912
कुल	13990	11071
तैयार माल, प्रगतिशील कार्य और स्क्रेप की माल सूची में परिवर्तन	532	511
कुल	14522	11582
सामग्री लागत राजस्व का %	72%	71%

सामग्री लागत का 70% से अधिक ऊंचा स्तर सकल मार्जिन में सुधार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम से विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में और वृद्धि होने की संभावना है। सिविल निर्माण, संरचनात्मक गढ़ाई और इरेक्शन गतिविधियों की लागत भी वर्ष के दौरान ऊंचे स्तर पर बनी रही।

कंपनी कुछ हद तक उच्च धातु कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए डिजाइन, स्वदेशीकरण आदि में लागत अनुकूलन सहित विभिन्न रणनीतियां तैयार कर रही है। कंपनी परमाणु, रक्षा, एयरोस्पेस आदि जैसे रणनीतिक क्षेत्रों से ऑर्डर प्राप्त करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।

2.2 कर्मचारी लाभ व्यय

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
कर्मचारी लाभ व्यय	5517	5372
कर्मचारियों की संख्या	30758	32131

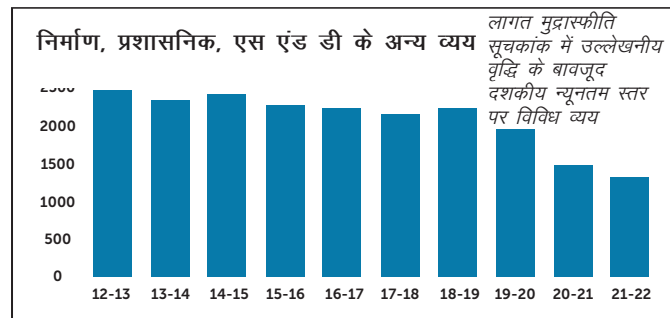
यद्यपि वित्त वर्ष 21-22 में समग्र कर्मचारी लाभ व्यय, कुछ अधिक प्रतीत होता है, परंतु लंबी अवधि के औसत से कम है। सभी परिवर्तनशील तत्वों पर भी सख्त नियंत्रण रखा जा रहा है।

2.3 अन्य व्यय

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
(क) विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री और वितरण के अन्य खर्च	1355	1481
(ख) बिजली और ईंधन	415	319
(ग) प्रावधान (शुद्ध)	(1526)	1467
(घ) विनिमय दर भिन्नता	(82)	(66)
कुल (क+ख+ग)	162	3201

कंपनी के भीतर अन्य खर्चों जैसे कि विनिर्माण, प्रशासनिक और बिक्री और वितरण (एसएंडडी) खर्च (विशेष रूप से उत्पादन से सीधे जुड़े नहीं होने वाले खर्च) पर सख्त नियंत्रण करने पर फोकस बना हुआ है। इसके परिणामस्वरूप इस तरह के खर्च को वित्त वर्ष 2021-22 में राजस्व के 7% से कम कर दिया गया है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में 9% से अधिक के मुकाबले मार्जिन में 200 से अधिक आधार अंकों की वृद्धि हुई है। वर्ष के दौरान उच्च ईंधन की कीमतों भी चिंता का विषय रही हैं, जिसने बॉटम लाइन को ₹. 80 करोड़ तक नकारात्मक रूप से प्रभावित किया।



नोट— पिछले वर्ष के आँकड़ों को जहाँ आवश्यक समझा गया, पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

प्रावधानों का विवरण (शुद्ध) निम्नानुसार है:

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
संदिग्ध ऋण, परिनिर्धारित हर्जाना, ऋण, अग्रिम एवं जमा और अन्य	(1345)	2141
बट्टे खाते में डाले गये अशोध्य ऋण, एलडी, निवेश और हानियां	350	278
अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान (समय मूल्य)	(157)	(691)
संविदात्मक दायित्व	(374)	(261)
कुल	(1526)	1467

पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी की बैलेंस शीट में अपनी संपत्ति (विशेष रूप से, प्राप्य) की गुणवत्ता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। संयुक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप विवादों का समाधान हुआ है और प्रावधान लागत में कमी आई है, जिससे कंपनी की बॉटम लाइन सुधारने में मदद मिली है। पुराने अनुबंध संबंधी मुद्दों को बंद करने और ग्राहकों के साथ पुराने, समय के विस्तार के

बैलेंस शीट (विशेष रूप से प्राप्य) में परिसंपत्तियों की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार प्रयासों के साथ, वर्ष के दौरान प्रावधान लागत में कमी आई है, जो कंपनी के निचले स्तर में योगदान करती है।

मामलों के निपटारे, पुराने बकाया से बेहतर नकद वसूली और वर्ष के दौरान प्रावधानों की अधिकतम स्थान/छूट को सक्षम किया।

कंपनी भारतीय लेखा मानक की आवश्यकताओं के अनुरूप अपेक्षित ऋण हानि (धन का समय मूल्य) के प्रावधान को मानती है।

3. वित्तीय लागत

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
वाणिज्यिक पत्रों पर छूट एवं अन्य व्यय	139	164
ब्याज व्यय	60	67
प्रावधानों की समाप्ति	156	142
कुल	355	373

कंपनी ने अपने ट्रेजरी परिचालन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया, ब्याज लागत को कम करने के साथ-साथ वर्ष के दौरान निवेश किए गए नकद अधिशेष पर अधिक रिटर्न अर्जित किया। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, कंपनी कम दर पर कमर्शियल पेपर/डब्ल्यूसीडीएल जुटाने में सफल रही, जिसके कारण कुल वित्तीय लागत में कमी आई है। 31 मार्च 2021 को 4,834 करोड़ की तुलना में चालू वर्ष के अंत में 4,745 करोड़ उधार लिया गया।

4. मूल्यहास और परिशोधन व्यय

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
मूल्यहास और परिशोधन व्यय	314	473

वित्तीय वर्ष 21-22 के दौरान, इंड एस 16 के पैरा 51 के अनुरूप, पीपीई की कुछ वस्तुओं के अनुमानित उपयोगी जीवन की समय-समय पर समीक्षा की गई है। इसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष की तुलना में मूल्यहास और परिशोधन लागत में लगभग 126 करोड़ रुपये की कमी आई।

5. कर व्यय

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
वर्तमान कर – चालू वर्ष	49	33
पिछले वर्ष	(126)	(17)
आस्थगित कर – चालू वर्ष	109	(908)
पिछले वर्ष	(5)	(2)
कुल	27	(894)

मुख्यतः पूर्व निर्धारित वर्षों से संबंधित रिफंड के समायोजन के लिए वर्तमान कर के प्रत्यावर्तन के कारण इस वर्ष के लिए कर 27 करोड़ रुपये रहा है। आस्थगित कर देनदारियां (नेट) कर गणना में विचार की गई वस्तुओं के कर प्रभाव का प्रतिनिधित्व करती हैं जिसके लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों को प्रत्यावर्तित कर दिया गया है या जिस पर भविष्य की अवधि में आयकर देय होगा।

कराधान क्षेत्र में प्रमुख उपलब्धियां रही हैं। कंपनी को वित्त वर्ष 21-22 में ₹667 करोड़ का आयकर रिफंड प्राप्त हुआ, जिसने न केवल नकदी प्रवाह में बल्कि लाभप्रदता में भी सकारात्मक योगदान दिया। वर्ष के दौरान प्रतिदाय के रूप में ₹47 करोड़ की ब्याज आय भी प्राप्त हुई।

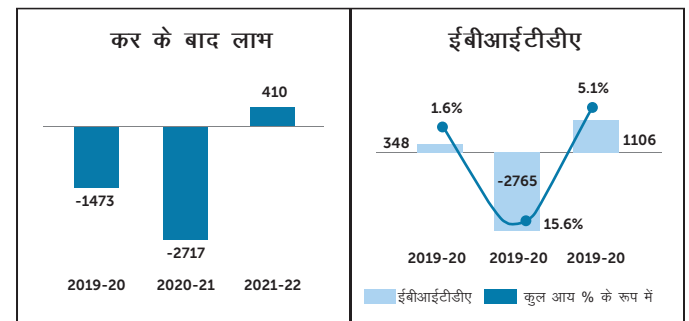
6. लाभप्रदता

सामग्री लागत घरेलू स्तर पर और साथ ही वैश्विक स्तर पर पूरे उद्योग जगत में और बीएचईएल के लिए भी एक चुनौती रही है। धातु की कीमतों में तेजी से न केवल सामग्री लागत बल्कि कंपनी के राजस्व पर भी असर पड़ा।

मुद्रास्फीति के कारण परिचालन बजट पर दबाव से कड़े बजटीय नियंत्रण के द्वारा निपटा जा रहा है। त्वरित परियोजना निष्पादन और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन पर ध्यान देने के साथ कंपनी की परिचालन विचारधारा में टर्नओवर सेंट्रिक से प्रोजेक्ट सेंट्रिक परिवर्तन होने के परिणामस्वरूप लगातार दो वर्षों के बाद 410 करोड़ रुपये (गत वर्ष हानि 2717 करोड़ रुपये) का कर पश्चात लाभ हुआ है।

कुल मिलाकर, कंपनी ने ₹1,106 करोड़ का ईवीआईटीडीए हासिल किया, जो कुल आय का 5% से अधिक है।

7. अन्य व्यापक आय



(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
परिभाषित कर्मचारी लाभ का पुनः माप लाभ/(हानि)	103	27
घटाएं: उपरोक्त मद से संबंधित आयकर	26	7
कुल	77	20

अन्य व्यापक आय परिभाषित लाभ योजनाओं जैसे ग्रेच्युटी, पीएफ, पोस्ट-रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट (पीआरएमबी), आदि के पुनः माप लाभ/(हानि) का प्रतिनिधित्व करती है।

कंपनी को वित्त वर्ष 21-22 में 667 करोड़ का आयकर रिफंड प्राप्त हुआ, जिसने कंपनी की वित्तीय स्थिति में सकारात्मक योगदान दिया।

ख. वित्तीय स्थिति

8. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई), अमूर्त संपत्ति और पूंजी डब्ल्यूआईपी

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022			मार्च 31, 2021		
	पीपीई	अमूर्त	कुल	पीपीई	अमूर्त	कुल
सकल वहन मूल्य	6331	309	6640	6172	291	6463
घटाएं: संचित मूल्यह्रास/परिशोधन	3995	247	4242	3746	229	3975
शुद्ध वहन मूल्य (शुद्ध ब्लॉक)	2336	62	2398	2426	62	2488
सीडब्ल्यूआईपी और विकासशील अमूर्त संपत्तियां	422	9	431	403	17	420
कुल			2829			2908

लागू इंड एस के अनुरूप, कंपनी सालाना पीपीई के उपयोगी जीवन का आकलन और संशोधन करती है, और मूल्यह्रास की गणना तदनुसार की जाती है। उपयोगी जीवन में परिवर्तन के वित्तीय प्रभाव को खातों के नोट्स के हिस्से के रूप में प्रकट किया गया है।

- चटर्जी इंटरनेशनल सेंटर, कोलकाता में दूसरी मंजिल का कार्यालय।
- इंदौर आवासीय प्लैट, नागपुर - भूमि एवं भवन और
- वडोदरा टाउनशिप - भूमि एवं भवनों, शुद्ध ब्लॉक मूल्य रु. 1.42 करोड़ वाली, को निम्नलिखित संपत्तियों की संपत्ति मुद्राकरण के तहत बिक्री हेतु आवश्यक अनुमोदन के लिए चिन्हित किया गया है।

9. इक्विटी निवेश

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022			मार्च 31, 2021		
	निवेश	हानि	शुद्ध	निवेश	हानि	शुद्ध
संयुक्त उद्यमों में निवेश	718	(52)	666	718	(52)	666
सहायक कंपनी में निवेश	-	-	-	5	(5)	-
अन्य इक्विटी लिखित में निवेश	6	(2)	4	6	(2)	4
कुल	729	(59)	670	729	(59)	670

यदि कोई ह्रास हानि हुई है तो उसे इंड-एस के अनुरूप संयुक्त उद्यमों (जेवी) और सहायक कंपनियों में निवेश के रूप में अंकित किया गया था। अन्य इक्विटी में निवेश का लेखा लाभ और हानि खाते के माध्यम से उचित मूल्य पर किया जाता है और रिपोर्टिंग तिथि पर उचित मूल्य के आधार पर वहन मूल्य में परिवर्तन किया गया है।

वर्ष के दौरान, 11 अगस्त, 2021 को बीएचईएल ने अपनी सहायक बीएचईएल-ईएमएल में पूरी हिस्सेदारी (51%) केरल सरकार को 1 रु. के प्रतिफल पर स्थानांतरित कर दिया, 31-01-2022 को एनआईएनएल में इक्विटी के रणनीतिक विनिवेश के निदेशक मंडल की मंजूरी के बाद, एक रणनीतिक

खरीदार को वित्त मंत्रालय द्वारा निजीकरण के लिए अनुमोदित किया गया। कंपनी ने पहले ही 4 जुलाई 2022 (जिस पर पूंजीगत लाभ वित्त वर्ष 22-23 में हिसाब किया जाएगा) को हमारे मूल निवेश ₹5 करोड़ के मुकाबले ₹25 करोड़ से अधिक की राशि प्राप्त कर ली है।

10. व्यापार प्राप्य (शुद्ध)

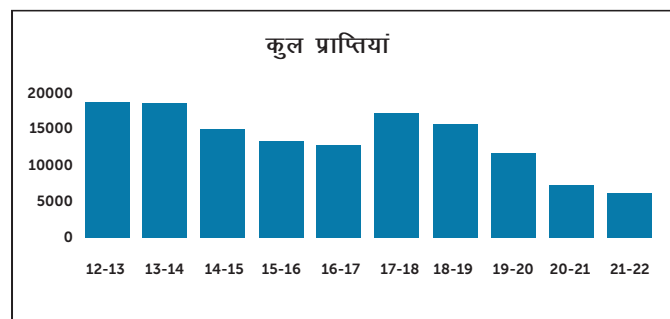
(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022			मार्च 31, 2021		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
सकल प्राप्य	15137	3618	18755	16134	4911	21045
घटाएं-संदिग्ध कर्ज के लिए भत्ते	11933	593	12526	12955	877	13832
व्यापार प्राप्य (शुद्ध)	3204	3025	6229	3179	4034	7213

व्यापार प्राप्य (शुद्ध) पिछले 10 वर्षों में 6229 करोड़ पर अपने न्यूनतम स्तर पर हैं। नकद प्राप्ति पर निरंतर ध्यान देने के साथ, कंपनी ने चालू वर्ष की बिलिंग की वसूली को उच्चतम स्तर तक सुधारा है।

परिचालन से राजस्व के दिनों में, शुद्ध व्यापार प्राप्य (शुद्ध) वित्त वर्ष 21-22 में पिछले वर्ष के 134 दिनों से घटकर 94 दिन हो गईं।

कंपनी में ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप परिचालन की मात्रा में वृद्धि के बावजूद 984 करोड़ रुपये (14 प्रतिशत मार्च 2021 के स्तर से) तक शुद्ध व्यापार प्राप्यों में कमी आई। बिलिंग, अनुक्रमिक प्रेषण की गुणवत्ता पर बेहतर फोकस करना, ग्राहकों के साथ लंबित मुद्दों को बंद करना, परियोजनाओं को प्राथमिकता देना, जहां नकद प्राप्ति योग्य है, आदि कुछ रणनीतियों को अपनाया गया था, जिसके परिणामस्वरूप चालू वर्ष में बिलिंग में उच्चतम स्तर के साथ तरलता में सुधार हुआ। नकद वसूली पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने के साथ, पिछले 10 वर्षों में व्यापार प्राप्ति (शुद्ध) अपने निम्नतम स्तर रु 6229 करोड़ पर हैं।



नोट- पिछले वर्ष के आँकड़ों को जहाँ आवश्यक समझा गया, पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

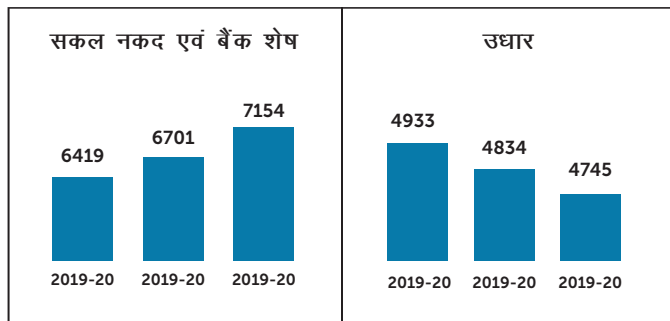
दिनों की संख्या में परिचालन (सकल) से राजस्व के शुद्ध व्यापार प्राप्य पिछले वित्त वर्ष के 134 दिनों की तुलना में वित्त वर्ष 21-22 में घटकर 94 दिन रह गई हैं।

11. नकदी और नकदी समतुल्य तथा बैंक शेष

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022	मार्च 31, 2021
नकद और नकद समतुल्य	733	1527
3 महीने से अधिक लेकिन 12 महीने से कम परिपक्वता वाले जमा	6411	5160
शेष	10	14
कुल	7154	6701

नकदी सृजन और संरक्षण कंपनी की सफलता का एक महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। कंपनी का समग्र नकद एवं बैंक शेष गत वर्ष (560 करोड़ रु वर्ष 2020-21) की तुलना में वित्त वर्ष 21-22 के अंत में 453 करोड़ रुपये अधिक था जबकि कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान परिचालन गतिविधियों से 660 करोड़ रुपये का नकदी सृजन किया।



नकदी संग्रह अनुपात में भी सुधार हुआ है। परियोजना केंद्रित दृष्टिकोण और क्रमिक प्रेषण के परिणामस्वरूप चालू वर्ष के बिल में, 86% वसूली हुई है, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है, जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में यह 82% था।

12. आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022	मार्च 31, 2021
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	3530	3660

कर परिसंपत्ति मुख्य रूप से उन मदों के कारण सृजित की जाती है जिनके लिए वर्तमान वर्ष की कर योग्य आय में लाभ उपलब्ध नहीं है लेकिन आयकर अधिनियम के उपबंधों के अनुरूप कतिपय शर्तों को पूरा करने के लिए भावी कर योग्य आय के प्रति समायोजन किया जाएगा। ऐसी मदों में हानि को आगे ले जाना, संदेहास्पद ऋणों के लिए प्रावधान, भुगतान के आधार पर देय बकाया आदि शामिल हैं। आस्थगित कर परिसंपत्तियों में कमी कर गणना में विचारित मदों के कर प्रभाव को दर्शाती है, जिसके लिए पूर्व के आकलन वर्षों में सृजित आस्थगित कर परिसंपत्तियों को बदल दिया गया है।

13. अन्य परिसंपत्तियां

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022			मार्च 31, 2021		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
संविदा परिसंपत्तियां (शुद्ध)	18248	8692	26940	16585	7494	24079
इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	-	964	964	-	1031	1031
दावा वसूली योग्य	189	755	944	65	731	796
कर प्राधिकारियों एवं अन्य व्यक्तियों के पास जमा राशि	110	533	643	119	577	696
अग्रिम एवं अन्य	76	92	168	136	159	295
घटाएं— प्रावधान	96	243	339	53	216	269
कुल	18527	10793	29320	16852	9776	26628

संविदा परिसंपत्तियां अनुबंध शर्तों के अनुसार भुगतान के लिए अभी तक बकाया नहीं होने वाली राजस्व का प्रतिनिधित्व करती हैं। अनुबंध परिसंपत्तियों में वृद्धि मुख्य रूप से वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही कई परियोजनाओं के कठोर और कम भुगतान शर्तों के कारण है। ये आदेश कड़े प्रतिस्पर्धी बोली में शून्य विचलन के साथ प्राप्त किए गए थे, जहां प्राप्तियों का उच्च अनुपात मील की उपलब्धता/अंतिम समापन से जुड़ा हुआ है।

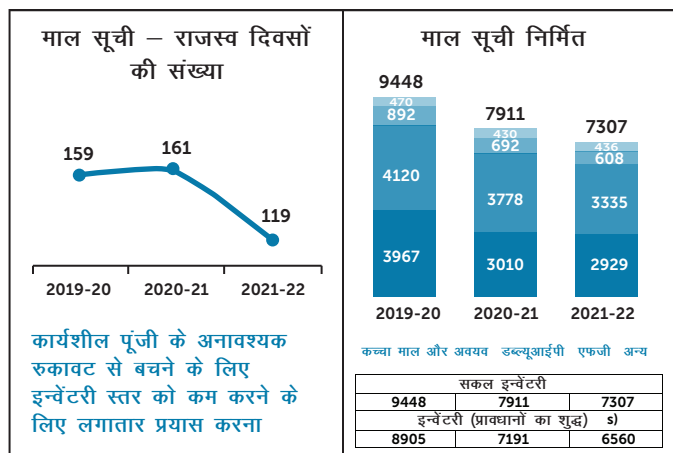
14 माल सूचियाँ

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022	मार्च 31, 2021
कच्चा माल एवं घटक	2929	3010
डब्ल्यू आई पी	3335	3778
एफ जी	608	693
स्टोर्स एवं कल पुर्जे	208	220
अन्य माल सूची	228	210
उप कुल	7307	7911
घटाएं— नॉन मूविंग इवेंट्री के लिए प्रावधान	747	720
कुल	6560	7191

वर्ष के दौरान, खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, उपलब्ध इन्वेंटरी के उपयोग के लिए आंतरिक नियंत्रणों को सुदृढ़ करने, परियोजना स्थल की आवश्यकता और विनिर्माण के समय के साथ मदों की सुपुर्दगी के साथ-साथ उपलब्ध सूची का वैकल्पिक उपयोग सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए। इसके परिणामस्वरूप माल सूची स्तर में लगभग 9% की कमी आई।

ऐसे उपायों से कार्यशील पूंजी प्रबंधन में सुधार हुआ है और अप्रचलित होने और सामग्रियों की बर्बादी को रोकने में भी मदद मिली है।



निवल मूल्य में वृद्धि वर्ष के दौरान कर पश्चात लाभ के कारण हुई है। कंपनी की लाभांश वितरण नीति के अनुरूप, निदेशक मंडल ने अनुमोदन शेयरधारकों के अधीन वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 20 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश की है।

18. उधार एवं पट्टा देयताएं

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022			मार्च 31, 2021		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
उधार	-	4745	4745	-	4834	4834
पट्टा देयताएं	35	50	85	53	48	101
कुल	35	4795	4830	53	4882	4935

कंपनी ने नकदी अंतर्वाह/बहिर्वाह में अस्थायी अंतराल को पाटने के लिए यथा समय/अल्पकालिक उधार लिया है। डब्ल्यूसीडीएल, पीसीएफसी ऋण और वाणिज्यिक दस्तावेज के रूप में अत्यावधि उधारियां इष्टतम ब्याज दरों पर प्राप्त की गईं। महामारी के कारण सभी क्षेत्रों में चलनिधि की चुनौतियों के बावजूद कंपनी शून्य ऋण पर बनी रही और दीर्घकालिक उधारियां नहीं रही।

कंपनी का 31 मार्च 2022 को सकारात्मक शुद्ध नकदी और बैंक शेष (अल्पकालिक उधार) 2409 करोड़ रुपये था जबकि 31 मार्च 2021 की यह 1868 करोड़ था। अर्थात इसमें 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

कंपनी ने देय तिथि पर या उससे पहले अपने उधारों का पुनर्भुगतान सुनिश्चित करना जारी रखा है।

19. वित्तीय देयताएं

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022			मार्च 31, 2021		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
व्यापारिक देयताएं	2132	7750	9882	1884	6675	8559
अन्य वित्तीय देयताएं	215	1124	1339	217	917	1134
कुल	2347	8874	11221	2101	7592	9693

कंपनी ने वेंडरों/उप-ठेकेदारों के साथ सक्रिय रूप से काम करना जारी रखा और उन्हें समय पर भुगतान किया है। व्यापार देयताओं का एक बड़ा हिस्सा प्रतिधारित धनराशि के कारण है। जो एवं कुछ मामले मुकदमेबाजी/मध्यस्थ निपटान के अधीन हैं।

20. प्रावधान

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022			मार्च 31, 2021		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
संवैधानिक दायित्वों के लिए प्रावधान	2620	1235	3855	2506	1486	3992
कर्मचारी लाभार्थ प्रावधान	857	1061	1918	1093	827	1920
अन्य प्रावधान	293	760	1053	312	832	1144
सीएसआर के लिए प्रावधान	2	10	12	2	19	21
कुल	3771	3067	6838	3913	3164	7077

15. वर्तमान कर परिसंपत्तियां/देयताएं – निवल

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022	मार्च 31, 2021
वर्तमान कर परिसंपत्तियां/(देयता)–उपबंधों का निवल	119	404

यह राशि मुख्य रूप से टीडीएस (निवल कर प्रावधान का प्रतिनिधित्व करती है, जो निकट भविष्य में रिफंड होने वाली है।

16. शेयर पूंजी

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022	मार्च 31, 2021
प्राधिकृत शेयर पूंजी	2000	2000
निर्गत, अभिदत्त और शेयर पूंजी भुगतान	696	696

चालू वित्त वर्ष के दौरान शेयर पूंजी में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है प्रमोटर (भारत सरकार) की शेयरधारिता 63.17% पर अपरिवर्तित बनी हुई है।

17. अन्य इक्विटी

(₹ करोड़)

विवरण	को	
	मार्च 31, 2022	मार्च 31, 2021
प्रारम्भिक शेष	25788	28485
जोड़ें – नीतियों में परिवर्तन के कारण बहाली	-	-
वर्ष की कुल व्यापक आय/(हानि)	487	(2697)
घटाएं– वर्ष के दौरान लाभांश (अंतरिम लाभांश सहित) का भुगतान	-	-
अंतिम शेष	26275	25788

अन्य इक्विटी क्षेत्र में 35 करोड़ रुपए (गत वर्ष 35 करोड़ रुपए) का पूंजी भंडार और 38 करोड़ रुपए (गत वर्ष 38 करोड़ रुपए) का पूंजीगत पुनर्भरण भंडार शामिल है।

कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान छुट्टी चिकित्सा और ग्रेच्युटी लाभों के वास्तविक मूल्यांकन पर आधारित है। अन्य प्रावधानों में मुख्य रूप से घाटे में चल रही संविदाओं के लिए प्रावधान शामिल हैं। ₹12 करोड़ का सीएसआर प्रावधान चल रही परियोजनाओं पर अव्ययित राशि का प्रतिनिधित्व करता है जिसे कंपनी संशोधन नियम 2021 के अनुसार पिछले साल एक अलग बैंक खाते में स्थानांतरित किया गया।

21. अन्य देयताएं

(₹ करोड़)

विवरण	मार्च 31, 2022			मार्च 31, 2021		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
ग्राहकों से अग्रिम (मूल्य निर्धारण समायोजन सहित)	2194	3854	6048	2807	4057	6864
वैधानिक देय	-	776	776	-	617	617
सरकारी अनुदान	19	6	25	25	6	31
कुल	2213	4636	6849	2832	4680	7512

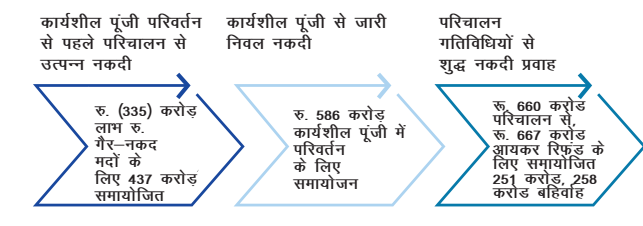
परियोजनाओं के निष्पादन के दौरान उपभोक्ताओं से प्राप्त अग्रिम को उत्तरोत्तर समायोजित किया जाता है। सांविधिक बकाये मुख्य रूप से जीएसटी देयता है, जिसे "अन्य परिसंपत्तियों" (उपर्युक्त क्रमांक 13 देखें) के तहत प्रकट किए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट के समायोजन के बाद नियत तिथियों को निपटाया जाएगा। कंपनी अपने सभी जीएसटी और अन्य बकाया का समय पर निर्वहन करती रही है।

ग. निधि की स्थिति

22. निधि प्रवाह की स्थिति और चलनिधि

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन से उत्पन्न नकदी	(335)	(1870)
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से शुद्ध नकदी प्रवाह / (बहिर्वाह)	586	2620
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह / (बहिर्वाह)	660	560
निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह / (बहिर्वाह)	(1125)	(43)
वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकदी अंतर्वाह / (बहिर्वाह)	(330)	(393)



घ. प्रमुख वित्तीय अनुपात

सूचीबद्ध विनियमों की अपेक्षाओं के अनुपालन में, जहां कहीं आवश्यक हो प्रमुख वित्तीय अनुपात, स्पष्टीकरण एवं उनके, वित्तीय विवरणों के नोट (44) में प्रदान किए गए हैं।

लाभप्रदता अनुपात	2021-22	2020-21
परिचालन लाभ / (हानि) मार्जिन (%)	3.48	(18.11)
शुद्ध लाभ / (हानि) मार्जिन (%)	1.93	(15.70)
नेट वर्थ पर रिटर्न	1.51	(9.62)

पिछले कुछ वर्षों में कंपनी के प्रयासों से कंपनी ने क्रमशः 3.48% और 1.93% का परिचालन लाभ मार्जिन तथा शुद्ध लाभ मार्जिन प्राप्त किया है। गुणात्मक नेट वर्थ अब कंपनी के बाजार पूंजीकरण के अनुरूप है।

अन्य प्रमुख अनुपात	2021-22	2020-21
व्यापार प्राप्य कारोबार / (टर्नओवर)	3.00	1.73
इवेंट्री टर्नओवर	2.93	2.02
ब्याज कवरेज अनुपात	लागू नहीं (शून्य ऋण कम्पनी)	
ऋण इक्विटी अनुपात		
चालू वर्ष की बिलिंग की वसूली प्रतिशत	86%	82%
वर्तमान अनुपात	1.30	1.39

पिछले दस वर्षों में सर्वोच्च प्रदर्शन

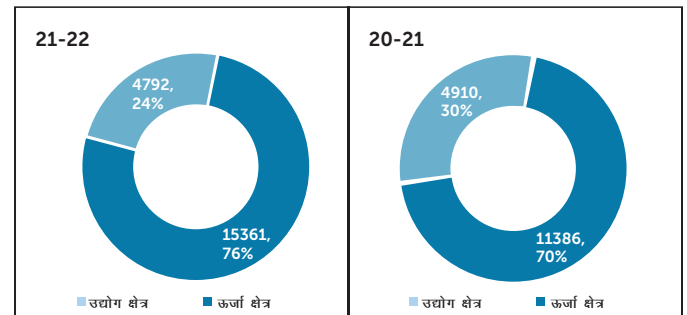
वर्तमान अनुपात पिछले दस वर्षों में सबसे कम है और प्रभावी कार्यशील पूंजी प्रबंधन का प्रतिबिम्ब है।

ड. खंड प्रदर्शन

कम्पनी के दो परिचालन खंड हैं—पावर और उद्योग खंड। इनके निष्पादन निम्नवत हैं—

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22		2020-21	
	पावर	उद्योग	पावर	उद्योग
राजस्व खंड	15361	4792	11386	4910
परिणाम खंड	1949	(39)	(1246)	(850)
नियोजित पूंजी खंड	17100	3440	16733	3973



1.8.2 सहायक कम्पनियों की वित्तीय समीक्षा

बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स मशीन लिमिटेड

बीएचईएल ने 11 अगस्त, 2021 को बीएचईएल-ईएमएल में अपनी हिस्सेदारी केरल सरकार को अंतरित कर दी है। बीएचईएल-ईएमएल के संक्षिप्त वित्तीय विवरण नीचे दिए गए हैं

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22*	2020-21*
बीएचईएल की हिस्सेदारी	-	51%
बीएचईएल का पूंजी निवेश	-	5.36
परिचालन से आय	-	0.25
वर्ष का लाभ/हानि	(2.69)	(5.28)

अनंतिम अलेखापरीक्षित आंकड़ों के आधार पर।

1.8.3 संयुक्त उद्यम कम्पनियों की वित्तीय समीक्षा

क. बीएचईएल-जीई गैस टरबाइन सर्विस प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस)

बीएचईएल-जीई गैस टरबाइन सर्विस प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस) और अमेरिका की जीई कम्पनी का संयुक्त उद्यम है। इसे जीई द्वारा डिजाइन किये गए गैस टरबाइन के रिपेयर और सर्विसिंग के लिए स्थापित किया गया था। संक्षिप्त वित्तीय विवरण नीचे सारणीबद्ध किया गया है

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22	2020-21
बीएचईएल की हिस्सेदारी	50 प्रतिशत से कम का एक शेयर	50 प्रतिशत से कम का एक शेयर
बीएचईएल का पूंजी निवेश	2.38	2.38
परिचालन से आय	801.18	791.76
कर पश्चात लाभ/हानि	100.84	88.29
कुल मूल्य	403.21	362.99

वित्तीय वर्ष 2021-22 में, बीजीजीटीएस ने ₹ 4.76 करोड़ की इक्विटी शेयर पूंजी पर 400: (वित्त वर्ष 20-21 के लिए) के अंतिम लाभांश और 875: के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया।

ख) एनटीपीसी बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल)

एनटीपीसी बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल) बीएचईएल और एनटीपीसी लिमिटेड का संयुक्त उद्यम है जिसका उद्देश्य पॉवर संयंत्रों के ईपीसी संविदाओं का निष्पादन करना तथा पॉवर संयंत्रों के ईपीसी संविदाओं का निष्पादन करना तथा पॉवर संयंत्र उपकरणों का विनिर्माण को प्रोत्साहन देना है। संयुक्त उद्यम की आंध्र प्रदेश के मन्नावरम में बेलेंस ऑफ प्लांट (बीओपी) उपकरणों की विनिर्माण इकाई है। संक्षिप्त वित्तीय विवरण नीचे सारणीबद्ध किया गया है:

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22*	2020-21
बीएचईएल की हिस्सेदारी	50%	50%
बीएचईएल की पूंजीनिवेश	50.00	50.00
परिचालन से राजस्व	24.06	42.93
वर्ष के दौरान लाभ/हानि	(40.52)	(12.61)

अंकेशन से पूर्व अनंतिम आँकड़ों पर आधारित

निदेशक मंडल द्वारा 8 फरवरी, 2018 को हुई बैठक में एनबीपीपीएल को बंद करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। विद्युत मंत्रालय भारत सरकार ने पत्र दिनांक 23.08.2019 के माध्यम से एनटीपीसी लिमिटेड को खरीदने पर विचार करने की सलाह दी है। बीएचईएल की हिस्सेदारी और उसके बाद या तो इसे इन-हाउस ईपीसी शाखा के रूप में जारी रखने या वर्तमान कार्य पूरा होने के बाद इसे बंद करने का निर्णय लेंगे।

ग. रायचूर पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल)

रायचूर पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल) बीएचईएल, कर्नाटक पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) और आईएफसीआई लिमिटेड की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसका उद्देश्य कर्नाटक के येरामरस, रायचूर में 2×800 मेगावाट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर संयंत्र एवं एडलापुर, रायचूर में 1×800 मेगावाट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर संयंत्र के निर्माण, स्वामित्व एवं परिचालन के आधार पर स्थापित की गई है। 31 मार्च 2022 तक प्रदत्त इक्विटी पूंजी 2999.76 करोड़ रुपये थी, जिसमें केपीसीएल का 2335.72 करोड़ रुपये और बीएचईएल का 664.04 करोड़ रुपये का योगदान था। कंपनी की वित्तीय विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़)

विवरण	2021-22*	2020-21
बीएचईएल शेयर (%)	22.14%	27.97%
बीएचईएल का इक्विटी में निवेश	664.04	664.04
परिचालन से राजस्व	3027.00	2029.79
ईबीआईटीडीए	1555.19	982.25
लाभ/(हानि) वर्ष के लिए	(565.00)	(1431.84)
परिचालन से उत्पन्न नकदी	19.20	(1645.77)

*अंकेशन से पूर्व अनंतिम आँकड़ों पर आधारित

वित्त वर्ष 2021-21 में, बेहतर संयंत्र परिचालनों के कारण कंपनी ने उच्च स्तर का राजस्व सृजित किया, जिसके परिणामस्वरूप ईबीआईटीडीए में पर्याप्त वृद्धि हुई और परिचालन से नकद प्रवाह भी सकारात्मक रहा। भविष्य में कंपनी द्वारा अपने प्रदर्शन में और सुधार करने की उम्मीद है। आरपीसीएल में स्वामित्व के प्रतिशत में कमी अन्य शेयरधारक मेसर्स केपीसीएल द्वारा राइट्स इश्यू (अधिकार मामले) के कारण है।

ड. पॉवर प्लांट परफोरमेंस इम्प्रूवमेंट प्राइवेट लिमिटेड (पीपीआईएल)

पॉवर प्लांट परफोरमेंस इम्प्रूवमेंट प्राइवेट लिमिटेड (पीपीआईएल) बीएचईएल और सीमेंस एजी, जर्मनी की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसे पुराने जीवाश्म ईंधन विद्युत संयंत्रों के प्रदर्शन में सुधार के लिए बढ़ावा दिया गया है।

चूंकि कंपनी की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त व्यवसाय नहीं हो रहा था, इसलिए प्रोमोटर पार्टनर्स कंपनी को/पिरे-धीरे बंद करने के लिए परस्पर सहमत हुए। जेवीसी के सभी लंबित अनुबंधों को बंद कर दिया गया और वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान समापन की प्रक्रिया शुरू की गई। जेवीसी का परिसमापन चल रहा है।

पीपीआईएल में निवेश 2 करोड़ रुपये है जिसके लिए पूरी तरह से प्रावधान किया गया है।

1.8.4 समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस)

समेकित वित्तीय विवरण, इंड एसएस-110 "समेकित वित्तीय विवरण" एवं इंड एसएस-28 "सहयोगी और संयुक्त उद्यमों में निवेश" के अनुसार तैयार किया गया है।

सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों इंद्रा ग्रुप बैलेंस और इंद्रा-ग्रुप ट्रांजैक्शन को संयुक्त रूप से पंक्ति दर पंक्ति अंतर समूह शेष व अंतरसमूह लेनदेन को पूर्ण रूप से समाप्त करते हुए तैयार किया गया है तथा संयुक्त उद्यमों के लिए इंड एस के अनुसार इक्विटी विधि अपनायी गई है। सीएफएस के लिए मैसर्स पीपी/आईएल पर विचार नहीं किया गया क्योंकि यह परिसमापन के अधीन है।

वित्तीय निष्पादन के परिणाम का संक्षिप्त विवरण उक्त लिखित इंड एस के अनुसार निम्नलिखित है:

वित्तीय निष्पादन

(₹ करोड़)

विवरण	समाप्ति का वर्ष	
	मार्च 31, 2022	मार्च 31, 2021
परिचालन से राजस्व	21211	17309
कर पूर्व लाभ/(हानि)	470	(3596)
कर पश्चात लाभ/(हानि)	445	(2700)
अन्य व्यापक आय/(हानि)	77	20
कुल व्यापक आय/(हानि)	522	(2680)

संयुक्त उद्यम के संबंध में लाभ की हिस्सेदारी – बीजीटीएस वित्त वर्ष 2021-22 में 50.42 करोड़ रुपये था जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में लाभ 44.14 करोड़ रुपये था। संयुक्त उद्यम कंपनियों (एनबीपीपीएल और आरपीसीएल) को वित्त वर्ष 2021-22 में घाटा हुआ है। इन दोनों संयुक्त उद्यमों में निवेश की लागत के बराबर संचित हानियां पहले ही वित्त वर्ष 2018-19 में समेकित वित्तीय परिणामों में लिखी जा चुकी हैं।

वित्तीय स्थिति

(₹ करोड़)

विवरण	समाप्ति का वर्ष	
	मार्च 31, 2022	मार्च 31, 2021
परिसम्पत्तियां		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, अमूर्त परिसंपत्तियां और सीडब्ल्यूआईपी (शुद्ध धारित मूल्य)	2829	2911
इक्विटी विधि से गणना किया गया निवेश	202	182
गैर-वर्तमान वित्तीय परिसम्पत्तियां	3294	3281
आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध)	3530	3671
गैर-वर्तमान अन्य संपत्ति	18527	16852
वर्तमान संपत्ति	27862	28343
कुल	56244	55240
इक्विटी और देयता		
इक्विटी शेयर पूंजी	696	696
अन्य इक्विटी	25810	25287
गैर-नियंत्रित बाजार	-	(12)
गैर-वर्तमान देनदारी	8366	8911
वर्तमान देनदारी	21372	20358
कुल	56244	55240

1.9 पूंजी निवेश

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, बीएचईएल ने अपनी मौजूदा सुविधाओं के आधुनिकीकरण व अद्यतन करने, उत्पादन की कमजोर कड़ियों को हटाने, कंपनी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा कल्याणकारी उपायों के लिए 231 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया है। उन्नति और विकास की दिशा में, बीएचईएल ने रक्षा, एयरोस्पेस, न्यूक्लियर और पारेषण जैसे विविध क्षेत्रों में विनिर्माण क्षमता के निर्माण और संवर्धन में निवेश किया है।

महामारी से उत्पन्न चुनौती से निपटने के लिए, आपकी कंपनी ने वर्ष के दौरान कारखाने/औद्योगिक उपयोग के लिए पांच ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों के अलावा विभिन्न इकाइयों में बीएचईएल अस्पतालों के लिए तीन ऑन-साइट ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की स्थापना की।

1.10 आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली

बीएचईएल का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (आईएफसी) अच्छी तरह से प्रलेखित नीतियों और प्रक्रियाओं के रूप में बनाया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह अपने व्यसाय के क्रमबद्ध और कुशल आचरण को सुनिश्चित करने, कंपनी की नीतियों का पालन, परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पहचान, सटीकता और पूर्णता का पता लगाने लेखांकन के रिकॉर्ड, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के कार्यान्वयन और रखरखाव के स्रोत नियम पुस्तकें, दिशा निदेश, शक्तियों का प्रत्यायोजन, आईटी प्रणाली और नियंत्रण है और ये अच्छी तरह से परिभाषित संगठनात्मक संरचना अर्थात प्रक्रियाओं के प्रत्येक चरण में विभिन्न स्तरों पर कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों के माध्यम से प्रभावित होते हैं।

बीएचईएल के पास इन-हाउस आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग है जो अपने ही प्रकार के व्यवसाय के परिचालन अनुरूप है। कॉर्पोरेट आंतरिक लेखा परीक्षा के अलावा, बीएचईएल के सभी स्थानों पर आंतरिक लेखा परीक्षा गतिविधियों को पूरा करने के लिए कंपनी में 12 आंतरिक लेखा परीक्षा कक्ष स्थापित किए गए हैं। आईएफसी की पर्याप्तता और प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए, आंतरिक ऑडिट जोखिम वाले क्षेत्रों में सुधारात्मक कार्यवाई करते हैं और ऐसा कर वे नियंत्रण प्रदान करते हैं।

लेखा परीक्षा के कार्य निदेशक मंडल स्तर की ऑडिट कमेटी (बीएलएसी) द्वारा अनुमोदित वार्षिक ऑडिट कार्यक्रम के अनुसार किए जाते हैं। आंतरिक लेखापरीक्षा गतिविधियों के परिणाम सभी इकाइयों और क्षेत्रों के साथ साझा किए जाते हैं। बीएलएसी प्रमुख आंतरिक ऑडिट टिप्पणियों और सीएजी ऑडिट निष्कर्षों की भी समीक्षा करता है और कंपनी के बदलते वातावरण को/यान में रखते हुए कार्य कर रहा है।

बीएचईएल में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का मूल्यांकन आंतरिक परीक्षण द्वारा सभी स्थानों पर वर्ष के दौरान नियंत्रण के परीक्षण द्वारा किया गया है और परीक्षण किए गए नियंत्रण को कंपनी के भीतर प्रभावी ढंग से संचालित किया गया है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (i) के संदर्भ में वित्तीय नियंत्रणों पर सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट तथा वित्तीय विवरणों को रखा जाता है। सांविधिक लेखा परीक्षकों ने अपनी रिपोर्ट में वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और परिचालनात्मक प्रभाविता पर असंशोधित राय व्यक्त की।

1.11 गुणता निष्पादन

बीएचईएल ने 1970 के दशक के शुरुआत में भारत में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों के विकास की अगुआई की और तत्कालीन प्रचलित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता प्रक्रियाओं एवं प्रणालियों को अपनाया। तब से, कंपनी ने अपने उत्पादों, सेवाओं और आंतरिक प्रणालियों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार की दिशा में कार्य किया है। कंपनी को भारत में गुणता चक्रों की अवधारणा शुरू करने के लिए जाना जाता है, गुणता परिपक्वता मॉडल लॉन्च किया जिसे गुणवत्ता प्रबंधन प्रभावकारिता समीक्षा (बीएचईएल का क्यूएमईआर- कॉपीराइट) कहा जाता है, संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन और अन्य प्रमुख गुणता पहलों को अपनाया है।

बीएचईएल को भविष्य के तैयार अभियांत्रिकी संगठन में परिवर्तित करने के अपने प्रयास के रूप में कंपनी के उत्पादों और सेवाओं का गुणवत्ता को हॉलमार्क बनाने के लिए अत्याधुनिक प्रणालियों की स्थापना करने हेतु कंपनी स्तर पर एक व्यापक 'गुणवत्ता सर्वप्रथम' पहल को कार्यान्वित किया जा रहा है। 'गुणवत्ता 360' मॉडल के अनुसार गुणवत्ता प्रणालियों की परिपक्वता बढ़ाने, ईएफक्यूएम 2020 के अनुसार व्यावसायिक उत्कृष्टता यात्रा को पुनर्जीवित करने और 'क्यूएचआई (गुणवत्ता स्वास्थ्य सूचकांक)' माप के माध्यम से गुणवत्ता स्वास्थ्य को पुनर्जीवित करने के लिए भी पहल की गई है। एचईईपी हरिद्वार और एचईपी भोपाल को प्रतिष्ठित प्लेटिनम मान्यता मिली, जबकि एचपीबीपी त्रिवी और एचपीईपी हैदराबाद को 'सीआईआई एक्जिम बैंक अवार्ड फॉर बिजनेस एक्सीलेंस 2021' के तहत गोल्ड प्लस सम्मान मिला।



पूरी कंपनी में नवम्बर 2021 के दौरान गुणवत्ता माह मनाया गया

उत्पाद, प्रक्रिया और लोगों की गुणवत्ता में समग्र सुधार के लिए पूरे संगठन में एक व्यापक गुणवत्ता रोडमैप विकसित और कार्यान्वित किया गया है।

सीआईआई/सीक्यू एवं बीई द्वारा आवधिक गुणवत्ता लेखापरीक्षा, गुणवत्ता प्रबंधन प्रभावशीलता समीक्षा और कुल गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम) मूल्यांकन का आयोजन विनिर्माण इकाइयों, इंजीनियरिंग केंद्रों और विद्युत क्षेत्र परियोजना स्थलों में मौजूदा गुणवत्ता प्रणालियों को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। 2021-22 में ईएफक्यूएम 2020 मॉडल के अनुसार 23 बीएचईएल प्रभागों की गुणवत्ता 360 समीक्षा और टीक्यूएम मूल्यांकन किया गया।

गुणवत्ता प्रदर्शन संकेतक, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली परिपक्वता, समग्र व्यावसायिक उत्कृष्टता और गुणवत्ता छवि पर विचार करते हुए एकीकृत गुणवत्ता स्वास्थ्य सूचकांक (क्यूएचआई) को पूरे संगठन में 23 डिवीजनों में लागू किया गया है। एचईईपी हरिद्वार, एचपीईपी हैदराबाद और ईडीएन बेंगलूर क्यूएचआई स्कोर 2021-22 के आधार पर शीर्ष तीन इकाइयाँ हैं, जिसमें 13% से अधिक (वर्ष-दर-वर्ष) की समग्र वृद्धि हुई है।

बीएचईएल 1981 में क्वालिटी सर्कल (क्यूसी) आंदोलन की अवधारणा पेश करने वाला भारत का पहला संगठन था। कंपनी में 1157 गुणवत्ता चक्र हैं और प्रत्येक वर्ष बीएचईएल में एक अंतर इकाई वार्षिक क्यूसी सम्मेलन आयोजित किया जाता है जहां गुणवत्ता चक्र अपने केस स्टडी को प्रदर्शित करता है।

विनिर्माण इकाई (एमयू), क्षेत्रों और इंजीनियरिंग केंद्रों के सभी गुणवत्ता प्रमुखों के साथ गुणवत्ता 'क्यूनवर्स' विचार-विमर्श / कार्यशाला पर बातचीत 2020-21 से चल रही है जो इकाइयों को अन्य बीएचईएल इकाइयों में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम और अनूठी प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। अब सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए इस मंच का उपयोग अन्य कार्यों जैसे उत्पादन, स्थापना और कमीशनिंग और मानव संसाधन द्वारा भी किया जा रहा है।

गुणवत्ता के क्षेत्र में कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए मानव संसाधन विकास (एचआरडी) इकाइयों के केंद्रों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण के अलावा प्रशिक्षण पर प्रमुख/यान दिया जाता है जिसमें बीएचईएल के विभिन्न केंद्रों पर गुणवत्ता प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

बीएचईएल के नए क्षेत्रों में विविधीकरण के साथ, नए उत्पादों के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। 2021-22 में, बीएपी रानीपेट को 'एयरोस्पेस घटकों के निर्माण और आपूर्ति' के दायरे में साथ एएस 9100 मानक से प्रमाणित किया गया।

1.12 मानव संसाधन

किसी इंजीनियरिंग संगठन के लिए सबसे बड़ी संपत्ति उसके कर्मचारी हैं। बीएचईएल को अपने प्रेरित और सक्षम कार्यबल पर गर्व है। वर्ष के दौरान अपने कर्मचारियों के निरंतर विकास की दिशा में, कार्यबल के प्रशिक्षण/पुनः प्रशिक्षण, निरंतर प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए ई-मॉड्यूल का उपयोग, नेतृत्व विकास कार्यक्रम, आंतरिक संचार को मजबूत करने, उन्हें कर्मचारी केंद्रित बनाने के लिए नीतियों को सरल बनाने आदि जैसी पहल की गई।

कोविड-19 महामारी के दौरान, पूर्व वर्णित, गतिशील स्थिति से निपटने के लिए कई पहलों की गई हैं। कोविड -19 से पीड़ित कर्मचारियों के आश्रितों को सहायता प्रदान करने के लिए जुलाई 2021 में कोविड सहायता योजना भी शुरू की गई थी।

वित्त वर्ष 21-22 के दौरान मानव संसाधन और सर्वश्रेष्ठ डिजिटल पीएसयू में कंपनी के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, बीएचईएल को 'सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थल प्रथाओं' और 'शिक्षण और विकास में उत्कृष्टता' की श्रेणियों के लिए 'ग्लोबल एचआर एक्सीलेंस अवार्ड' और 'ऑर्गनाइजेशन विद इनोवेटिव प्रैक्टिसेज' श्रेणियों के लिए 'बिजनेस इनोवेशन अवार्ड्स 2021' से सम्मानित किया गया।

1.12.1 ज्ञानार्जन एवं विकास

भविष्य के लिए कार्यबल तैयार करने के लिए ज्ञानार्जन एवं विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से जब कंपनी का फोकस विविध व्यवसायों पर हो।

इस प्रयास के लिए, कॉर्पोरेट लर्निंग एंड डेवलपमेंट (सीएलडी) डिवीजन ने तीन क्षेत्रों पर फोकस किया: क) तकनीकी और कार्यात्मक प्रशिक्षण, ख) उन्नयन पोर्टल के माध्यम से ई-लर्निंग ग) प्रबंधकीय और व्यवहार संबंधी प्रशिक्षण। एक ओर न्यू ग्रोथ एरियाज में उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष और उच्च तकनीकी ज्ञान के लिए कार्यक्रम विकसित किए गए और दूसरी ओर, आर्टिजनो के कौशल को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए। 76 ई-लर्निंग मॉड्यूल विकसित किए गए हैं, जिनका सभी कर्मचारियों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। ज्ञान साझा करने के सत्रों और इकाइयों में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की दिशा में केंद्रित प्रयास किए जा रहे हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के ज्ञान को प्रतिधारित करने के लिए उनके अपने क्षेत्रों में भी सत्र आयोजित करने और उन्हें सुविधाजनक बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जाते हैं।



पूरे संगठन में सितंबर 2021 के दौरान ज्ञानार्जन सप्ताह मनाया गया

तकनीकी/कार्यात्मक प्रशिक्षणों के लिए आंतरिक क्षमता विकास पर विभिन्न कार्यक्रम भी तैयार और संचालित किए गए हैं, जिनमें 3 महीने की दीर्घकालिक अवधि वाला कार्यक्रम भी शामिल है। 'संकाय विकास कार्यक्रम' नामक 'कोचिंग की कला और विज्ञान' नामक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, मध्यम और वरिष्ठ प्रबंधन ग्रेडों में कर्मचारियों की कोचिंग की क्षमता विकसित करना है।

बीएचईएल का छठा ज्ञानार्जन सप्ताह 5 से 11 सितंबर 2021 तक इकाइयों और प्रभागों में मनाया गया, जिसका विषय था, 'बीएचईएल विजन हासिल करने के लिए भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाना'।

कंपनी में संचार को सुगम बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। जिसके तहत जनवरी 2021 में 3सी (कनेक्ट-कोलेबोरेट-क्रिएट) संकल्पना शुरू की गई। पहले भाग के रूप में, बीएचईएल में कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग ने कंपनी के सुधार के लिए संगठनात्मक मुद्दों, चिंताओं के साथ-साथ विचारों और सुझावों को साझा किया। लगभग 10,000 विचार एकत्र किए गए, जिनमें से 1,174 विचारों को कार्यान्वयन के लिए परियोजनाओं के रूप में लिया गया है। इस पहल से पहले की सफलता की कहानियां कंपनी की मासिक ऑनलाइन पत्रिका एकम में नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं।

1.12.2 कार्य निष्पादन एवं करियर विकास

उत्तराधिकार योजना और कार्य निष्पादन प्रबंधन प्रणाली का पुनरुद्धार आपकी कंपनी के केंद्रबिंदु रहे हैं।

अग्रणी प्रबंधन संस्थानों के सहयोग से सभी स्तरों पर नेतृत्व विकास के लिए विशेष कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं। संगठन की आवश्यकताओं/लोकाचार के अनुरूप तकनीकी और व्यवहार संबंधी कौशल विकसित करने के लिए फोकस प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए गए हैं और कार्यान्वित किए गए हैं।

कर्मचारी कार्यों में कार्यनिष्पादन और करियर विकास के हस्तक्षेपों से बेहतर कार्य करने में मदद मिली है।

पीसीएमएम स्तर 3

पिछले साल किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप पहले परिपक्वता स्तर 2 से लोगों की क्षमता को परिपक्वता मॉडल (पीसीएमएम) में परिपक्वता स्तर 3 पर बीएचईएल परिचालन का प्रमाणन किया गया।

कर्मचारी संतुष्टि और कार्य सहभागिता सर्वेक्षण 2021-22

प्रत्येक प्रत्यावर्ती वर्ष में संगठन स्तर पर कर्मचारी संतुष्टि और सहभागिता सर्वेक्षण किया जाता है। ज्ञानार्जन और विकास, संचार, कैरियर एवं कार्यनिष्पादन प्रबंधन, पुरस्कार और सम्मान स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण, प्रतिपूर्ति और भौतिक कार्य पर्यावरण संरक्षण जैसे मानकों पर निर्भर हैं। 2021-22 के लिए कर्मचारी संतुष्टि और सहभागिता सूचकांक ईएसईआई 7.88 (दस के पैमाने पर) पर है।

कंपनी अधिनियम की धारा 134(3) (पी) के अंतर्गत प्रकटीकरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) (पी) के अनुसार, निदेशक मंडल सूचीबद्ध कंपनी की रिपोर्ट में निदेशक मंडल द्वारा निदेशक मंडल एवं निदेशकों के वार्षिक मूल्यांकन की रीति को दर्शाने वाला विवरण शामिल किया जाएगा। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने अपनी दिनांक 5 जून, 2015 की अधिसूचना के द्वारा सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों से छूट अधिसूचित की है जो अन्य बातों के साथ धारा 134 (3) (पी), औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन विवरणिका के संबंध में इसके अनुसार सरकारी कंपनियों पर उपलब्ध लागू नहीं होगी यदि निदेशक मंत्रालय द्वारा मूल्यांकन किया जाता है जो प्रशासनिक रूप से प्रभारी है। इसके अतिरिक्त, उपर्युक्त छूट के अनुरूप, नियुक्ति, प्रदर्शन मूल्यांकन और पारिश्रमिक के संबंध में धारा 178 की उप-धारा (2), (3) और (4) सरकारी कंपनियों के निदेशकों पर लागू नहीं होगी।

सीपीएसई में, कंपनी और भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित एमओयू उन मापदंडों और पहलुओं का विवरण देता है जो कंपनी को उस वित्तीय वर्ष के दौरान शुरू करने के लिए आवश्यक है। वर्ष के अंत में इस एमओयू का

सरकार द्वारा मूल्यांकन किया जाता है एवं निर्धारित मापदंडों के आधार पर बीएचईएल को निष्पादन रेटिंग दी जाती है। इसके अलावा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशकों के कार्य-निष्पादन के मूल्यांकन के लिए एक अच्छी निर्धारित प्रक्रिया है। सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) ने एक प्रारूप तैयार किया है और कार्यकारी निदेशक के कार्य-निष्पादन के मूल्यांकन के लिए एक प्रक्रिया निर्धारित की है। कार्यकारी निदेशकों का कार्यकाल, जैसा कि उनकी नियुक्ति के नियमों एवं शर्तों में बताया गया है, पांच वर्ष या उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि, जो भी पहले हो, है।

निदेशक मंडल स्तर की समितियों के विचारार्थ विषय निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित होते हैं। निदेशक मंडल स्तर की समितियों के कार्यवृत्त को निदेशक मंडल के अवलोकनार्थ उसके समक्ष रखा जाता है।

स्वतंत्र निदेशकों के संबंध में, उनकी नियुक्ति और कार्यकाल (आमतौर पर तीन साल की अवधि) भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है। डीपीई बीएचईएल के प्रशासनिक मंत्रालय (एमएचआई) के माध्यम से कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशकों के कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन/आकलन का कार्य कर रहा है।

1.12.3 औद्योगिक संबंध

बीएचईएल की सभी वर्गों के कर्मचारियों के साथ खुले और निरंतर संचार की नीति के माध्यम से सुनिश्चित सभी की भागीदारी के माध्यम से सर्वांगीण

विकास, हमारी औद्योगिक संबंधों की यात्रा का प्रेरक मंत्र रहा है। विभिन्न कर्मचारी समूहों के साथ निकट सहयोग में प्रबंधन द्वारा भागीदारी संस्कृति को दिया गया प्रोत्साहन संगठन में एक सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध वातावरण को बनाए रखने और बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी की विभिन्न निर्माण इकाइयों, प्रभागों और कार्यालयों में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण रहें। कंपनी की नीतियों के खिलाफ हड़ताल के कारण वर्ष के दौरान 'शून्य' मानव दिवस नष्ट हो गए, जो प्रबंधन के साथ-साथ कर्मचारी समूहों द्वारा संगठन के लक्ष्यों की दिशा में संयुक्त रूप से काम करने के लिए किए गए ठोस प्रयासों का प्रमाण है।

वर्ष के दौरान शीर्ष स्तरीय द्विदलीय मंच की एक बैठक आयोजित की गई। विभिन्न निर्माण इकाइयों में प्लांट काउंसिल की 37 और शॉप काउंसिल की 220 बैठकें आयोजित की गईं। इसके अलावा, व्यापार की संभावनाओं और चुनौतियों, कंपनी स्तर के मुद्दों आदि पर अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें भी आयोजित की गईं। विभिन्न द्विदलीय मंचों में चर्चा का फोकस कंपनी के समग्र प्रदर्शन में वृद्धि के माध्यम से सुधार पर केंद्रित था। ग्राहक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए उत्पादकता, गुणवत्ता, सुरक्षा और वितरण में सुधार और कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए विभिन्न लागत में कमी के उपायों को अपनाना, अंततः कर्मचारियों सहित विभिन्न हितधारकों को लाभान्वित करना।



नोएडा टाउनशिप में आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए बीएचईएल कर्मचारी

1.12.4 जनशक्ति शक्ति

31 मार्च 2022 तक बीएचईएल की जनशक्ति 30,758 है जिसमें 10,280 कार्यपालक, 4,758 पर्यवेक्षक और 15,720 श्रमिक शामिल हैं।

1.12.5 राष्ट्रपति के निर्देशों पर स्थिति

(ए) आरक्षित श्रेणी के व्यक्तियों के लिए आरक्षण नीति (बी) वर्ष 2019–20, 2020–21 और 2021–22 के दौरान कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में कोई राष्ट्रपति निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है।

1.12.5.1 आरक्षित श्रेणी के व्यक्तियों के लिए आरक्षण नीति पर निर्देश

केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आरक्षण नीति पर राष्ट्रपति के निर्देशों में सीधी भर्ती के साथ-साथ निर्दिष्ट पदों में पदोन्नति और उम्मीदवारों की निर्दिष्ट आरक्षित श्रेणी, यानी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) में कुछ प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, निर्देशों में सीधी भर्ती और पदोन्नति में निर्दिष्ट श्रेणी के कर्मचारियों के लिए कुछ रियायतों और छूट का प्रावधान भी है। राष्ट्रपति के निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है और सरकार द्वारा निर्धारित पोस्ट आधारित रोस्टर प्रणाली के रखरखाव के माध्यम से आरक्षण प्रतिशत सुनिश्चित किया जाता है।

इस विषय पर अन्य प्रासंगिक जानकारी नीचे प्रस्तुत की गई है :

i. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ईडब्ल्यूएस कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व

31 दिसंबर, 2021 को कुल जनशक्ति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों का समग्र प्रतिनिधित्व क्रमशः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 20.81%,

7.48% और 36.03% था। वर्ष 2021 के दौरान 30 अभ्यर्थियों की सीधी भर्ती की गई तथा 4 मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रतिनियुक्ति के आधार पर लिए गए।

31 दिसंबर 2021 को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और ईडब्ल्यूएस के प्रतिनिधित्व को दर्शाने वाले निर्धारित प्रारूप में वार्षिक विवरण और कैलेंडर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या, जैसा कि सरकार को दिया गया है, अनुबंध-ए में दिया गया है।

ii. 31 दिसंबर, 2021 को पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों की संख्या

31 दिसंबर, 2021 को पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों की कुल संख्या 843 थी। वर्ष के दौरान, समूह सी में ओएच श्रेणी में एक भर्ती हुई थी। 31 दिसंबर, 2021 को कंपनी में पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों की समूहवार जनशक्ति अनुबंध-बी में दी गई है।

1.12.5.2 कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा

‘कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) नियम, 2013’ के प्रावधानों का सख्ती से अनुपालन किया जा रहा है। अधिनियम के अनुसार, बीएचईएल की सभी इकाइयों में आंतरिक शिकायत समिति मौजूद है और उनके गठन और संपर्क विवरण यूनिट की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, नियोक्ता के कर्तव्यों, शिकायत निवारण तंत्र, दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के लिए कार्रवाई और यौन उत्पीड़न के बारे में विभिन्न भ्रांतियों पर प्रकाश डालने वाले पोस्टर हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में सभी इकाइयों में विशिष्ट स्थानों पर प्रदर्शित किए गए हैं। इकाई स्तर पर, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम और लिंग संवेदीकरण पर दस कार्यशालाएं/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वर्ष 2021–22 के दौरान प्राप्त यौन उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या और 31 मार्च, 2022 तक उनकी स्थिति का विवरण दिखाने वाली वार्षिक रिपोर्ट अनुबंध-सी में दी गई है।



कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

अनुबंध-‘क’

समूह	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ईडब्ल्यूएस का प्रतिनिधित्व (दिसंबर 31, 2021 तक)						कैलेंडर वर्ष 2021 के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या										
							सीधी भर्ती द्वारा				पदोन्नति द्वारा			प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा			
	कर्मचारियों की कुल सं.	अनु. जाति	अनु. जन जाति	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस	कुल	अनु. जाति	अनु. जन जाति	ओ बी सी	ई डब्ल्यू एस	कुल	अनु. जाति	अनु. जन जाति	कुल	अनु. जाति	अनु. जन जाति	ओ बी सी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
समूह क	10321	1866	871	2761	2	0	0	0	0	0	लागू नहीं			4	0	0	2
समूह ख	6259	1248	628	1605	0	0	0	0	0	0				0	0	0	0
समूह ग	14229	3273	816	6733	2	30	1	0	11	2				0	0	0	0
समूह घ (SW को हटाकर)	193	25	1	0	0	0	0	0	0	0				0	0	0	0
समूह घ (SW)	27	44	4	83	0	0	0	0	0	0				0	0	0	0
कुल	31029	6456	2320	11182	4	30	1	0	11	2	0	0	0	4	0	0	2

*कैलेंडर वर्ष 2021 के दौरान नियुक्त विकलांग व्यक्तियों की संख्या दर्शाने वाला विवरण

अनुबंध-‘ख’

कैलेंडर वर्ष 2021 के दौरान नियुक्त विकलांग व्यक्तियों की संख्या दर्शाने वाला विवरण

समूह	कर्मचारियों की सं.				सीधी भर्ती							पदोन्नति*						
	कर्मचारियों की कुल सं.	वीएच	एच एच	ओ एच	आरक्षित भर्तियों की सं.			कुल	की गई नियुक्तियों की सं.			आरक्षित भर्तियों की सं.			कुल	की गई नियुक्तियों की सं.		
					वीएच	एच एच	ओ एच		वीएच	एच एच	ओ एच	वीएच	एच एच	ओ एच		वीएच	एच एच	ओ एच
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
समूह क	10321	5	15	247	0	0	0	0	0	0	0	-----लागू नहीं-----						
समूह ख	6259	1	10	171	0	0	0	0	0	0	0							
समूह ग	14229	16	24	347	0	1	1	2	0	0	1							
समूह घ	220	1	4	2	0	0	0	0	0	0	0							
कुल	31029	23	53	767	0	1	1	2	0	0	1							

टिप्पणी:

- (i) VH का अर्थ है दृष्टिहीन विकलांग (अंधेपन या निम्न दृष्टि से पीड़ित व्यक्ति)
- (ii) HH का अर्थ है श्रवण बाधित (सुनने में अक्षम व्यक्ति)
- (iii) OH का अर्थ है अस्थि विकलांग (चलने में अक्षमता या मस्तिष्क पक्षाघात से पीड़ित व्यक्ति)

*RPwD अधिनियम 2016 के अनुसार, वर्ष 2021 में विकलांग कर्मचारियों के लिए पदोन्नति में कोई आरक्षण नहीं है



कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा पर वार्षिक रिपोर्ट

1	वर्ष 2021-22 के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या (पिछले वर्ष से आगे लाई गई शिकायतों सहित)	3
2	वर्ष 2021-22 के दौरान निपटाए गई शिकायतों की संख्या (पिछले वर्ष से आगे लाई गई शिकायतों सहित)	1
3	31.03.2022 तक लंबित शिकायतों की संख्या	2
4	90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों की संख्या	2
5	यौन उत्पीड़न के खिलाफ आयोजित कार्यशालाओं या जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	10

आईसीसी की सिफारिश पर नियोक्ता द्वारा की गई कार्रवाई की प्रकृति

तीन मामलों में से एक मामला कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का मामला नहीं पाया गया और उसका निपटान कर दिया गया है और अन्य 2 मामले निपटान की प्रक्रिया में हैं।

1.13 सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (अधिनियम) के प्रावधानों के अनुरूप, बीएचईएल पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है। कंपनी में प्रत्येक प्रमुख प्रशासनिक इकाई में 24 अन्य सीपीआईओ के साथ कॉर्पोरेट कार्यालय में एक केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) कार्यरत हैं। कंपनी में 25 प्रथम अपीलीय प्राधिकारी भी अधिनियम के अंतर्गत सीपीआईओ (ओं) के आदेशों के खिलाफ दायर पहली अपील को निपटाने के लिए कार्यरत हैं।

नागरिकों को आरटीआई आवेदन और पहली अपील ऑनलाइन दाखिल करने में सुविधा के लिए, बीएचईएल ने कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा शुरू किए गए ऑनलाइन आरटीआई वेब पोर्टल (<https://rtionline.gov.in>) को अपनाया है। परिणामस्वरूप, पोर्टल पर दायर आरटीआई आवेदनों और आरटीआई प्रथम अपीलों का जवाब ऑनलाइन मोड के माध्यम से दिया जा रहा है। धारा 4 (1) (बी) का प्रकटीकरण बीएचईएल की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। इसके अलावा, अधिनियम के तहत सूचना प्राप्त करने और आरटीआई प्रथम अपील दायर करने की प्रक्रिया को दर्शाने वाले कुछ दिशानिर्देश और प्रोफार्मा बीएचईएल की वेबसाइट पर रखे गए हैं।

सीपीआईओ और अन्य आंतरिक हितधारकों को प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से अधिनियम के तहत अपने दायित्वों के बारे में जागरूक किया जाता है।

सार्वजनिक उद्यम के स्थायी सम्मेलन (एससीओपीई) द्वारा गठित आरटीआई पर परिचालन समिति का सदस्य होने के नाते बीएचईएल स्कोप द्वारा आयोजित आरटीआई मामलों से संबंधित बैठकों और चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लेता है। सभी चार तिमाहियों के लिए त्रैमासिक आरटीआई रिटर्न केंद्रीय सूचना आयोग को प्रस्तुत किया गया है। वर्ष 2021-22 के दौरान 806 आवेदन एवं 88 अपीलें प्राप्त हुईं तथा 732 आवेदन एवं 72 अपीलों का निराकरण किया गया।

1.14 जोखिम और चिंताएं

बीएचईएल के व्यवसाय में वित्तीय, परिचालन, क्षेत्रीय, ईएसजी विशिष्ट और साइबर सुरक्षा से संबंधित विभिन्न प्रकार के आंतरिक और बाहरी जोखिम हैं।

बदलते कारोबारी माहौल, ग्राहक की बदलती हुई आवश्यकताएं, प्रौद्योगिकी प्रतिफल, अनुबंधों की लंबी अवधि, और प्रतिकूल परिस्थितियों में समय पर साइट पर उत्पाद समर्थन आवश्यकताएं, बीएचईएल के कामकाज के लिए विशिष्ट जोखिम हैं।

उद्योग जोखिमों की व्यापकता, कंपनी के व्यापार पोर्टफोलियो की विविधता और परिचालन के भौगोलिक स्थानों को/यान में रखते हुए, बीएचईएल ने एक मजबूत जोखिम प्रबंधन नीति लागू की है। जोखिम की पहचान की प्रक्रिया को कंपनी के उद्देश्यों, बाहरी वातावरण, उद्योग की रिपोर्ट के साथ-साथ आंतरिक और बाहरी हितधारकों द्वारा सचेत रूप से निर्देशित किया जाता है।

बीएचईएल ने एक संरचित और व्यापक उद्यम जोखिम प्रबंधन प्रणाली को लागू करने के लिए निदेशक मंडल अनुमोदित जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति स्थापित की है। चार्टर का उद्देश्य जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन, प्रतिक्रिया, निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए एक सामान्य समझ, भाषा और कार्यप्रणाली स्थापित करना है और प्रबंधन को यह आश्वासन प्रदान करना है कि कंपनी में प्रमुख जोखिमों की उचित पहचान और प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा रहा है।

बीएचईएल के जोखिम प्रबंधन ढांचे में तीन स्तरीय संरचना है, जिसमें शीर्ष स्तर निदेशक मंडल (बीओडी) के प्रतिनिधित्व वाली निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) कॉर्पोरेट स्तर पर जोखिम प्रबंधन परिचालन समिति (आरएमएससी) और क्षेत्रों/इकाइयों/व्यावसायिक क्षेत्रों में यूनिट जोखिम प्रबंधन समितियां (यूआरएमसी) है। 'निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति' (बीएलआरएमसी) को कंपनी की जोखिम शासन संरचना, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे, दिशानिर्देशों, नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निदेशक मंडल/बीएलआरएमसी शीर्ष जोखिम वाले क्षेत्रों की नियमित रूप से समीक्षा करता है।

मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ), बीएलआरएमसी और आरएमएससी के संयोजक निदेशक मंडल/बीएलआरएमसी को जोखिम प्रबंधन पर आवधिक रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार हैं। कंपनी द्वारा सामना किए जाने वाले प्रमुख जोखिमों का जोखिम प्रबंधन परिचालन समिति द्वारा विस्तार से विश्लेषण किया जाता है, जो जोखिम प्रबंधन ढांचे को अपनाने और लागू करने और कंपनी में जोखिम प्रबंधन पहल का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार है। आरएमएससी उनकी प्रासंगिकता सुनिश्चित करने के लिए जोखिम मापदंडों और उनके माप मापदंडों की समीक्षा करता है और तदनुसार उनमें संशोधन/हटाने/जोड़ने की सिफारिश करता है। इस वर्ष में, आरएमएससी ने 'प्रौद्योगिकी तत्परता' के जोखिम विवरण के लिए जोखिम माप की पद्धति में बदलाव की सिफारिश की ताकि वर्तमान/भविष्य की बाजार आवश्यकताओं को पूरा करने में कंपनी की तत्परता का बारीकी से मूल्यांकन और मात्रा निर्धारित की जा सके जिससे वह संबंधित जोखिम को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए रणनीति तैयार कर सके। आरएमएससी ने भी समीक्षा की और संशोधित 'जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति' को अपनाने की सिफारिश की, जिसमें 5 मई 2021 का सेबी एलओडीआर संशोधनों के अनुरूप परिवर्तन शामिल हैं। इसे अंततः अपनाया गया है और लागू किया गया।

इकाई स्तर पर जोखिम प्रबंधन समितियां अपने संबंधित क्षेत्रों से संबंधित जोखिमों का विश्लेषण करती हैं, शमन योजनाएं तैयार करती हैं, उनका कार्यान्वयन सुनिश्चित करती हैं और यदि आवश्यक हो तो शीर्ष प्रबंधन को भी सूचित करती हैं।

शीर्ष छह प्रमुख जोखिम जिनका कंपनी सामना करती है और शमन के लिए संबंधित रणनीतियों का उल्लेख नीचे दी गई तालिका में किया गया है:

जोखिम विवरण	शमन रणनीतियां
अतिरिक्त घरेलू विनिर्माण क्षमता, नीतिगत परिवर्तनों के कारण व्यापार मिश्रण में परिवर्तन और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण ऑर्डर बुक कम होना	- नए क्षेत्रों में उद्यम करने के लिए सामरिक गठजोड़ पर जोर। - उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे कोयले से रसायन और हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में व्यापार के अवसरों की खोज। 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' मिशन और 'पीएलआई योजना' से उत्पन्न अवसरों का लाभ लेना। - गैर-कोयला आधारित और पुर्जों के व्यवसाय में कारोबार बढ़ाना।

जोखिम विवरण	शमन रणनीतियां
परियोजनाओं की डिलीवरी में देरी से एलडी, पैनल्टी, ग्राहक असंतोष और कंपनी की छवि पर प्रभाव	- वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा परियोजना केंद्रित परिचालन समीक्षा वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा की जाती है। - परियोजनाओं के तेजी से निष्पादन के लिए संविदा प्राप्ति पूर्व इंजीनियरिंग आदि जैसी गतिविधियां शुरू की जाती हैं। - तीव्र निष्पादन के लिए परियोजनाओं के एकीकृत परियोजना प्रबंधन सॉफ्टवेयर (आईपीएमएस) का कार्यान्वयन। - परियोजनाओं का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए त्वरित निर्णय लेने हेतु परियोजना निदेशक की अवधारणा को कार्यान्वित करना। - ठेकेदार के कार्य निष्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए 'बोनस उपनियम' को शामिल करना।
बढ़ते देनदार	- कमीशंड एवं प्रगतिशील (चालू) परियोजनाओं के सभी देनदारों से बेहतर नकद वसूली लिए क्रॉस फंक्शनल टीमों का गठन। - पुराने बिलों और चालू वर्ष के बिलों की वसूली पर अलग-अलग से/यान केंद्रित करके बिल/नकद संग्रहण प्रक्रिया की गहन निगरानी। - मध्यस्थता/ एनसीएलटी/ एएमआरसीडी कार्यवाही सहित कंपनी की व्यापार प्राप्य नीति के अनुसार चूककर्ता ग्राहकों के खिलाफ कार्रवाई।
प्रत्यक्ष सामग्री लागत में वृद्धि लाभप्रदता को प्रभावित करने वाली है।	- ग्राहक आदेश से निष्पादन चरण तक डिजाइन अनुकूलन, इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और विवेकपूर्ण खरीद की दिशा में लागत में कमी के लिए केंद्रित दृष्टिकोण। - एक से अधिक यूनिट डिजाइन/ विनिर्माण प्रथाओं में बने एक ही सामान्य प्रकार के उत्पादों को एकीकृत और अनुकूलित किया जा रहा है।
	आंतरिक रूप से विकसित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अधिशेष सामग्री की पहचान और इसके साइटों/इकाइयों पर उपयोग किया जा रहा है।

जोखिम विवरण	शमन रणनीतियां
एक से अधिक यूनिट डिजाइन/ विनिर्माण पद्धतियों में बनाए गए एक ही सामान्य प्रकार के उत्पादों को एकीकृत और अनुकूलित किया जा रहा है।	- आंतरिक प्रयासों के माध्यम से प्रौद्योगिकियों का विकास और उन्नयन। - उपयुक्त भागीदारों के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग समझौता। - कोयले से रसायन के व्यावसायीकरण के लिए समझौता ज्ञापनों को करने के लिए प्रयास करना।
ऑनलाइन डेटा और सूचना सुरक्षा उल्लंघन के कारण हानि और महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना टूटना	- साइबर एसओसी (सुरक्षा परिचालन केन्द्र) के माध्यम से सभी इंटरनेट ट्रैफिक की निगरानी ग्लोबल थ्रेट इंटेలిजेंस (जीटीआई) डेटाबेस के साथ एकीकृत की जाती है। - बीएचआईएल के सभी इंटरनेट रूटों का "साइबर स्वच्छता केंद्र" (नेट क्लीनिंग एंड मालवेयर एनालिसिस सेंटर ऑफ सीईआरटी-इन, एमईआईटीवाई) के साथ एकीकरण - सभी आईएसओ 27001 प्रमाणित बीएचआईएल यूनिटों में सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) का एकीकरण। - कर्मचारियों को फिशिंग मेल जोखिमों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए उनमें जागरूकता पैदा करना, समय-समय पर फिशिंग सिमुलेशन अभ्यास आयोजित किए जाते हैं।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से



डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 14.09.2022

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक II

कॉर्पोरेट अभिशासन

2.1 कॉर्पोरेट अभिशासन पर हमारे सिद्धांत

बीएचईएल एक मजबूत कॉर्पोरेट अभिशासन ढांचे के अंतर्गत कार्य करता है, जो अभिशासन की गुणवत्ता, प्रकटीकरण में, पारदर्शिता, हितधारकों के मूल्य में लगातार वृद्धि और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिवद्धता को रेखांकित करता है। बीएचईएल अपने शेयरधारकों को, ग्राहकों, कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं और बड़े पैमाने पर समाज के विश्वास को बनाए रखने पर लगातार/ध्यान केन्द्रित करते हुए, कॉर्पोरेट अभिशासन की बुनियादी और नियामक आवश्यकताओं से आगे जाने का प्रयास करता है। बीएचईएल का कॉर्पोरेट अभिशासन ढांचा पारदर्शिता, पूर्ण प्रकटीकरण, स्वतंत्र निगरानी और सभी के लिए निष्पक्षता तथा विशेष रूप से अल्पसंख्यक शेयरधारकों पर आधारित है।

निम्नलिखित कारक बीएचईएल में कॉर्पोरेट अभिशासन को मजबूत करते हैं:

- निदेशक मंडल की स्वतंत्रता और बहुमुखी प्रतिभा
- सभी कर्मचारियों की सत्यनिष्ठा और नैतिक व्यवहार
- सभी हितधारकों शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं और समाज के प्रति कर्तव्यों का उत्तरदायित्व
- उच्च स्तरीय प्रकटीकरण और पारदर्शिता
- कंपनी परिचालन के सभी क्षेत्रों में पूर्ण कानूनी और नियामक अनुपालन
- लोगों तथा पर्यावरण के प्रति सहानुभुति रखते हुए लक्ष्यों की प्राप्ति

कंपनी कॉर्पोरेट अभिशासन प्रक्रियाओं और आचार संहिता का अनुपालन करते हुए सभी मूल मूल्यों को चरितार्थ करते हुए, जो बीएचईएल के शेयरधारकों को दीर्घकालिक रिटर्न, ग्राहकों को अनुकूल परिणाम, कर्मचारियों को आकर्षक अवसर, और समाज का संवर्धन करते हुए अपने व्यवसाय का परिचालन करने में विश्वास करती है।

2.2 निदेशक मंडल

i. संरचना और निदेशकों की श्रेणी

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) के अनुसार, बीएचईएल एक "सरकारी कंपनी" है क्योंकि कंपनी की कुल चुकता शेयर पूंजी का 63.17% भारत के राष्ट्रपति के माध्यम से केन्द्र सरकार के पास है।

निदेशक मंडल की स्वतंत्रता को बनाए रखने, प्रबंधन और नियंत्रण के निदेशक मंडल के कार्यों को भिन्न करने के लिए बीएचईएल के निदेशक मंडल की संरचना में कार्यपालक निदेशकों का एक समुचित मिश्रण है। जिसमें सीएमडी और गैर – कार्यकारी निदेशक शामिल हैं, जिनका प्रतिनिधित्व सरकारी नामितों और स्वतंत्र निदेशकों द्वारा किया जाता है।

31 मार्च 2022 को निदेशक मंडल की संरचना इस प्रकार है:

निदेशकों की श्रेणी	निदेशक मंडल संरचना	31 मार्च 2022 को वास्तविक संख्या
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	1	1
पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशक	5	3
भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले अंशकालिक शासकीय निदेशक (सरकारी नामित)	2	2
अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक	8	6
कुल	16	12

31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार, बीएचईएल के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों की दो और पूर्णकालिक निदेशक की दो रिक्तियां हैं अर्थात् निदेशक (ई, आर एण्ड डी) एवं निदेशक (मा.सं) की हैं। इन रिक्तियों को भरने का प्रकरण भारत सरकार के विचाराधीन है।

ii. वर्ष 2021-22 के दौरान आयोजित निदेशक मंडल की बैठकों में प्रत्येक निदेशक की उपस्थिति और अंतिम वार्षिक आम बैठक

निदेशक का नाम सुश्री/श्री	निदेशक मंडल बैठकों की संख्या		अंतिम वार्षिक आम बैठक 23.09.2021)
	आयोजित	में भाग लिया	
कार्यपालक निदेशक			
डॉ. नलिन सिंघल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	11	11	हां
सुबोध गुप्ता, निदेशक (वित्त)#	11	11	हां
कमलेश दास, निदेशक (ई आर एंड डी) (31 जुलाई 2021 तक)	4	4	*
अनिल कपूर, निदेशक (मा स) ^S (31 जनवरी 2022 तक)	9	9	हां
सुश्री रेणुका गेरा, निदेशक (आई एस एण्ड पी) [©]	11	11	हां
उपिन्द्र सिंह मथारू, निदेशक (पावर) (21 मार्च 2022 से प्रभावी)	0	0	*

अंशकालिक कार्यकारी निदेशक – सरकार द्वारा नामित			
शशांक प्रिय, विशेष सचिव एवं वित्त सलाहाकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय			
अमित मेहता, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय (18 जून 2021 तक)	2	2	*
जितेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय (18 जून 2021 से 25 मार्च 2022 तक)	9	7	नहीं
विजय मित्त, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय (25 मार्च 2022 से प्रभावी)	0	0	*
अंशकालिक गैर कार्यकारी (स्वतंत्र) निदेशक			
राजेश शर्मा (13 फरवरी 2022 तक)	9	9	हां
राज कमल बिंदाल	11	11	हां
मनीष कपूर	11	11	हां
डॉ राज के अग्रवाल (09.11.2021 से प्रभावी)	4	4	*
डॉ. के शिवप्रसाद 9 नवम्बर 2021 से प्रभावी	4	4	*
डॉ. लेखाश्री सामंतसिंघर (9 नवम्बर 2021 से प्रभावी)	4	4	*
आदित्य प्रसाद साहू 29 दिसंबर 2021 से प्रभावी	3	3	*

निदेशक (मा.सं.) का अतिरिक्त प्रभार 1 फरवरी, 2022 से संभाला

निदेशक (पावर) का अतिरिक्त प्रभार 1 फरवरी, 2022 से 20 मार्च 2022 तक संभाला

+ जनवरी 31, 2022 तक निदेशक (पावर) का अतिरिक्त प्रभार

1 अगस्त 1, 2021 से निदेशक (ई.आर एण्ड डी) का अतिरिक्त प्रभार

‘ यह दर्शाता है कि संबंधित व्यक्ति पिछली वार्षिक आम बैठक की तिथि को बीएचईएल का निदेशक नहीं था।

क. 31 मार्च, 2022 तक अन्य कंपनियों में निदेशक, समिति सदस्यता और समिति अध्यक्ष का विवरण :

निदेशक का नाम सर्व श्री/सुश्री	अन्य कंपनियों में निदेशक का विवरण	अन्य कंपनी में समिति सदस्यता एवं समिति अध्यक्षता का विवरण
डॉ. नलिन सिंघल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन प्रा. लि.	नहीं
सुबोध गुप्ता निदेशक (वित्त)	1. रायचूर पॉवर कॉर्पोरेशन लि. 2. बीएचईएल-जीई गैस टरबाइन प्रा.लि.	नहीं
रेणुका गेरा निदेशक (आई एस एण्ड पी)	नहीं	नहीं
उपिन्द्र सिंह मथारू निदेशक (पावर)	नहीं	नहीं
शशांक प्रिय, अंशकालिक कार्यकारी निदेशक	1. स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड 2. एमएमटीसी लि. 3. इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्जीबिशन सेंटर लिमिटेड 4. भारत व्यापार संवर्धन संगठन 5. इन्वेस्ट इंडिया 6. एच.एम.टी.लि.	अंकेक्षक समिति 1. एमएमटीसी लि. (सदस्य) 2. भारत व्यापार संवर्धन संगठन (सदस्य)
विजय मित्तल अंशकालिक कार्यकारी निदेशक	1. एच.एम.टी. (अंतर्राष्ट्रीय) लि. 2. एच.एम.टी.लि. 3. एच.एम.टी. मशीन टूल्स लि. 4. हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन प्रा. लि. 5. एन्ड्र्यू यूले एण्ड कॉ.लि.	अंकेक्षक समिति: एच.एम.टी.लि. (सदस्य)

राज कमल बिंदाल स्वतंत्र निदेशक	1. अविका कन्सल्टिंग प्रा.लि. 2. नमः शिवाय वेंचर प्रा.लि. 3. राज कमल बिंदाल फाउंडेशन	नहीं
मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	जेनेक्सट लाइफकेयर प्रा. लि.	नहीं
डॉ. राज के अग्रवाल स्वतंत्र निदेशक	1. अग्रिम इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्रा. लि. 2. एसपाइरिंग आईटी सोल्यूशन प्रा.लि. 3. कॉर्पोरेट प्रोफेशनल केपिटल प्रा. लि. 4. कॉर्पोरेट प्रोफेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. 5. आरआरए फाउंडेशन 6. आरआरए म्युचुल बेनेफिट फंड लि. 7. थर्ड वेव स्टॉक ब्रोकर प्रा. लि. नहीं	नहीं
डॉ. के. शिवप्रसाद स्वतंत्र निदेशक	नहीं	नहीं
डॉ. लेखाश्री समंतसिंघार	नहीं	नहीं
आदित्य प्रसाद साहू स्वतंत्र निदेशक	चिन्नमास्तिका इंफ्रा रियल्टी प्रा.लि.	नहीं

* केवल लेखा परीक्षा समिति और हितधारक संपर्क समिति की अध्यक्षता/सदस्यता पर विचार किया गया है।

अन्य कंपनियों में निदेशक/समिति सदस्यता निदेशक मंडल के संबंधित निदेशकों से प्राप्त नवीनतम प्रकटीकरण पर आधारित हैं।

कंपनी का कोई भी निदेशक एक ही समय में बीस (20) से अधिक कंपनियों में निदेशक के रूप में पद/आरण नहीं करता है। कंपनी का कोई भी निदेशक दस से अधिक (10) समितियों में सदस्य नहीं है या सभी सूचीबद्ध कंपनियों में पांच से अधिक (5) समितियों के अध्यक्ष के रूप में कार्य नहीं करता है जिसमें वह एक निदेशक है।

निदेशकों के बीच आपस में संबंधों का प्रकटीकरण: कोई नहीं

ख. सूचीबद्ध संस्थाओं में निदेशकों का विवरण और निदेशक पद की श्रेणी

31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार, निम्नलिखित निदेशकों ने सूचीबद्ध संस्थाओं में निम्नानुसार निदेशक का पद/आरण किया:

निदेशक का नाम सर्व श्री/सुश्री	सूचीबद्ध इकाई का नाम	निदेशक पद की श्रेणी
शशांक प्रिय, अंशकालिक कार्यकारी निदेशक	1. स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड 2. एमएमटीसी लि. 3. एचएमटी लि.	सरकार नामित निदेशक
विजय मित्तल, अंशकालिक कार्यकारी निदेशक	1. एचएमटी लि. 2. एन्ड्र्यू यूले एण्ड कं. लि.	सरकार नामित निदेशक

iii. निदेशक मंडल की आयोजित बैठकों की संख्या एवं दिनांक का विवरण

निदेशक मंडल की बैठकें आम तौर पर नई दिल्ली में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जाती हैं और काफी पहले से इनकी तिथि निर्धारित की जाती हैं। कंपनी सचिव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से, प्रत्येक निदेशक को निदेशक मंडल की प्रत्येक बैठक की लिखित सूचना भेजते हैं।

निदेशक मंडल के सदस्यों के पास कंपनी की सभी जानकारी तक पहुंच है और वे किसी भी मामले को एजेंडा में शामिल करने की सिफारिश करने के लिए स्वतंत्र हैं जो आमतौर पर अग्रिम रूप से भेजा जाता है। वरिष्ठ प्रबंधन को निदेशक मंडल की बैठकों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है ताकि चर्चा की जा रही मदों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी/इनपुट प्रदान किया जा सके और/या आवश्यकता के अनुसार निदेशक मंडल को प्रस्तुतिकरण दिया जा सके। निदेशक मंडल तिमाही में कम से कम एक बार तिमाही परिणामों और एजेंडा पर अन्य मदों की समीक्षा करने के लिए बैठक करता है। जब भी आवश्यक हो, अतिरिक्त बैठकें आयोजित की जाती हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, निदेशक मंडल की निम्नलिखित तिथियों पर ग्यारह बार बैठक हुई:

(i) 28 मई, 2021	(ii) 11 जून, 2021	(iii) 5 जुलाई, 2021
(iv) 30 जुलाई, 2021	(v) 3 सितंबर, 2021	(vi) 27 अक्टूबर, 2021
(vii) 9 नवम्बर, 2021	(viii) 15 नवंबर, 2021	(ix) 27 जनवरी, 2022
(x) 17 मार्च, 2022	(xi) 21 मार्च, 2022	

निदेशक मंडल की प्रत्येक बैठक के तुरंत बाद निदेशक मंडल के कार्यवृत्त तैयार किए जाते हैं और सभी निदेशकों को उनकी टिप्पणियों, यदि कोई हो, के लिए परिचालित किया जाता है और उसके बाद अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया जाता है। उपयुक्त कार्रवाई और लागू करने के लिए स्वीकृत कार्यवृत्त को संबंधित विभागों / समूहों को परिचालित किया जाता है।

iv. मुख्य कौशल/विशेषज्ञता/क्षमता की सूची

बीएचईएल एक सरकारी कंपनी है, इसलिए इसके निदेशक मंडल के सभी

निदेशकों अर्थात् कार्यकारी निदेशकों, सरकार द्वारा नामित निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों का चयन एवं नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है। प्रत्येक श्रेणी के निदेशकों का चयन एवं नियुक्ति एक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है। बीएचईएल द्वारा संचालित व्यवसाय खंड के संदर्भ में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए निदेशक मंडल के लिए मुख्य कौशल, विशेषज्ञता और क्षमता की आवश्यकताएं, इन निदेशकों के चयन की सरकार की प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग हैं। इसलिए, बीएचईएल का निदेशक मंडल अपने आप में ऐसे किसी भी मुख्य कौशल या कार्य के लिए आवश्यक क्षमता की पहचान नहीं करता है। साथ ही विशेष कौशल / विशेषज्ञता / क्षमता के लिए निदेशकों की पहचान करता है।

iv. निदेशक मंडल की जिम्मेदारियां

निदेशक मंडल का कार्य कंपनी की रणनीतिक दिशा की निगरानी करना, कॉर्पोरेट प्रदर्शन की समीक्षा एवं निगरानी करना, नियामक अनुपालन सुनिश्चित करना तथा हितधारकों के हितों की रक्षा करना है।

v. स्वतंत्र निदेशक

स्वतंत्र निदेशक निदेशक मंडल और समिति की बैठकों के विचार-विमर्श में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा कंपनी को इंजीनियरिंग, वित्त, प्रबंधन, कानून, सार्वजनिक नीति आदि के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध कराते हैं।

स्वतंत्र निदेशक निदेशक मंडल द्वारा गठित महत्वपूर्ण समितियों जैसे लेखा परीक्षा समिति, नामांकन और पारिश्रमिक समिति, हितधारक संबंध समिति और सीएसआर समिति का हिस्सा हैं कंपनी अधिनियम, 2013 और लिस्टिंग विनियमों के अनुरूप, लेखा परीक्षा समिति, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है और यह उनसे संबंधित परिभाषित कार्यक्षेत्र के अनुसार कार्य करता है।

इसके अतिरिक्त, सीपीएसई के लिए गैर-शासकीय निदेशकों की आदर्श भूमिका और उत्तरदायित्वों पर 28 दिसंबर, 2012 को डीपीई कार्यालय ज्ञापन के अनुरूप निदेशक मंडल ने स्वतंत्र निदेशकों की एक समिति का गठन किया था। यह समिति कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत लिस्टिंग विनियमों और स्वतंत्र निदेशकों की संहिता की आवश्यकताओं के अनुपालन में है।

स्वतंत्र निदेशकों के परिचय कार्यक्रम का विवरण कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com पर वेब लिंक <https://www.bhel.com/familiarization-programme-directors> पर "निदेशकों के लिए परिचय कार्यक्रम" शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध है।

निदेशक मंडल की राय में, स्वतंत्र निदेशक लिस्टिंग विनियमों में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और प्रबंधन से स्वतंत्र होते हैं।

vii. निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत सूचना

निदेशक मंडल के समक्ष रखे गए एजेंडे में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल है:-

- वार्षिक परिचालन योजनाएं, बजट तथा तत्संबंधी अद्यतन सूचना।
- पूंजी बजट और तत्संबंधी अद्यतन सूचना।
- महत्वपूर्ण पूंजी निवेश प्रस्ताव।
- अधिशेष निधियों का अल्पकालिक निवेश।
- निवेश, सहायक कंपनियों तथा संपत्तियों की बिक्री जो प्रकृति में मूर्त हैं और व्यवसाय के सामान्य क्रम में नहीं हैं।
- महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और प्रचलनों में परिवर्तन और इसके कारण।
- कंपनी और उसके परिचालन प्रभागों या व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए तिमाही परिणाम।

- विदेशी मुद्रा एक्सपोजर का त्रैमासिक विवरण और प्रतिकूल विनिमय दर के मुद्दों को सीमित करने के लिए प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदम, यदि मूर्त हैं।
- विभिन्न कानूनों के अनुपालन पर तिमाही रिपोर्ट।
- मध्यस्थता मामलों और प्रमुख कानूनी विवादों की स्थिति।
- लेखा परीक्षा समिति और निदेशक मंडल बैठकों का कार्यवृत्त।
- असूचीबद्ध अनुषंगी कंपनियों की निदेशक मंडल बैठकों का कार्यवृत्त।
- असूचीबद्ध सहायक कंपनियों द्वारा किए गए सभी महत्वपूर्ण लेनदेन और व्यवस्थाओं का विवरण।
- निदेशक मंडल स्तर से एक स्तर नीचे के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती की सूचना।
- निदेशक मंडल के अनुमोदन की आवश्यकता वाले किसी संयुक्त उद्यम या अनुसंधान एवं विकास परियोजना या तकनीकी सहयोग समझौते का विवरण।
- महत्वपूर्ण श्रम/लेबर समस्याएं और उनके प्रस्तावित समाधान।
- मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध के मोर्चे पर कोई महत्वपूर्ण विकास जैसे वेतन समझौते पर हस्ताक्षर, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का कार्यान्वयन आदि।
- निदेशक मंडल द्वारा वांछित मामलों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट।
- कोई भी अनुबंध जिसमें निदेशक (निदेशकों) को रुचि रखने वाला समझा जाता है।
- निदेशकों द्वारा अन्य कंपनियों में उनके द्वारा अधिग्रहित निदेशकों और समिति पदों के बारे में रुचि का प्रकटीकरण।

निदेशक मंडल की बैठक आदि पर सूचीकरण विनियमों, डीपीई दिशानिर्देशों और सचिवीय मानक-1 के अंतर्गत सूचना या अनुमोदन के लिए निदेशक मंडल को प्रस्तुत किए जाने वाले आवश्यक अन्य मामले।

निदेशक मंडल ने निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुचारु तथा कुशल प्रवाह देने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया है। सभी निदेशक मंडल स्तरीय समितियों के कार्यवृत्त परिचालित किए जाते हैं और निदेशक मंडल की बैठकों में चर्चा की जाती है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान ऐसा कोई उदाहरण नहीं था जिसमें निदेशक मंडल की किसी समिति की किसी भी अनुशंसा को स्वीकार नहीं किया जो अनिवार्य रूप से आवश्यक हो।

viii. नये निदेशकों का चयन

बीएचईएल के अंतरनियमों के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय के माध्यम से, बीएचईएल के निदेशक मंडल में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति करते हैं। बीएचईएल के निदेशक मंडल में प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा दो अंशकालिक शासकीय निदेशकों को नामित किया जाता है। भारत के राष्ट्रपति बीएचईएल के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर-अधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशकों की नियुक्ति भी करते हैं।

स्वतंत्र निदेशकों का चयन भारी उद्योग विभाग द्वारा सार्वजनिक उद्यम विभाग की खोजबीन समिति के परामर्श से किया जाता है, जिसके पास प्रबंधन, वित्त, इंजीनियरिंग, प्रशास, उद्योग आदि के क्षेत्र में विस्तृत अनुभव रखने वाले विद्वान व्यक्तियों के पैनल की सूची होती है।

ix. सदस्यता अवधि तथा सेवानिवृत्ति नीति

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिए, या उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तक की जाती है।

अंशकालिक शासकीय निदेशक भारत सरकार के विवेक पर बीएचईएल के निदेशक मंडल में बने रहेंगे। अंशकालिक गैर सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों का कार्यकाल प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा तय किया जाता है। सामान्यतः स्वतंत्र निदेशक को तीन वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।

X. आचार संहिता

बीएचईएल ने सूचीकरण विनियमों 2005 समझौते के खंड 49 के अनुरूप "निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता" निर्धारित की है। संहिता को बाद में समय-समय पर नियामक ढांचे में बदलाव के अनुरूप संशोधित किया जाता है, जिसमें सूचीकरण विनियमों में बदलाव और व्यापार की गतिशीलता में बदलाव तथा संहिता की मजबूती के लिए अन्य प्रासंगिक प्रावधानों को सम्मिलित करना था। वर्तमान संहिता भी संशोधित सूचीकरण विनियमों के अनुपालन में है।

संहिता में सम्मिलित है:-

सामान्य नैतिक अनिवार्यताएं:

- विशिष्ट व्यावसायिक उत्तरदायित्व तथा
- निदेशक मंडल सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए विशिष्ट अतिरिक्त प्रावधान।

संहिता की एक प्रति कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com पर उपलब्ध है।

xi. निदेशक मंडल का घोषणा पत्र/चार्टर

निदेशक मंडल तथा निदेशकों की व्यक्तिगत भूमिका तथा उत्तरदायित्वों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने के उद्देश्य से, निदेशक मंडल ने निदेशक मंडल का एक घोषणा पत्र / चार्टर निर्धारित किया है। घोषणा पत्र / चार्टर बीएचईएल कॉर्पोरेट अभिशासन के उद्देश्यों तथा दृष्टिकोण को भी स्पष्ट करता है। डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप, लिस्टिंग समझौते और निदेशकों को प्रदान करने के उद्देश्य से :

क) अपने वैधानिक कर्तव्यों के सफल निर्वहन के लिए दिशानिर्देशों और प्रक्रियाओं में अंतर्दृष्टि,

ख) भविष्य को समझने तथा रणनीतियों को विकसित करने के लिए कारोबारी माहौल की बेहतर समझ तथा

ग) निदेशक मंडल के सदस्यों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण, बीएचईएल निदेशक मंडल ने निदेशकों के प्रशिक्षण के लिए नीति को मंजूरी दी है। इससे कंपनी के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए सामान्य और विशिष्ट दोनों प्रकार के प्रशिक्षण है।

xii. व्यवसायी कंपनी सचिव द्वारा प्रमाण पत्र

कंपनी को कंपनी सचिव से प्रमाण पत्र प्राप्त है कि कंपनी निदेशक मंडल के किसी भी निदेशक को सेबी / कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय या किसी ऐसे वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी निदेशक के रूप में नियुक्त या निरंतरता रखने से वंचित या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है। यह संलग्न भी है।

xiii. सीईओ/सीएफओ प्रमाणन

लिस्टिंग विनियमों के अनुसार सीईओ / सीएफओ प्रमाणन निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक-III में संलग्न है।

2.3 निदेशक मंडल स्तरीय लेखा परीक्षा समिति

i. विचारार्थ विषय

निदेशक मंडल द्वारा निर्दिष्ट निदेशक मंडल स्तरीय लेखा परीक्षा समिति के विचारार्थ विषय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 की आवश्यकताओं के साथ-साथ सूचीयन विनियमों के अनुरूप हैं। सूचीयन विनियमों में लेखा परीक्षा

समिति के विचारार्थ विषयों में संशोधन के अनुरूप, निदेशक मंडल स्तर की लेखा परीक्षा समिति के विचारार्थ विषयों को निदेशक मंडल द्वारा 1.4.2015 से संशोधित किया गया था जो 5 मई, 2021 से प्रभावी हैं, इस प्रकार है:

1. कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी और इसकी वित्तीय जानकारी का प्रकटीकरण यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त और विश्वसनीय हैं;
2. कंपनी के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति, पारिश्रमिक और नियुक्ति की शर्तों की अनुशंसा;
3. सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा प्रदान की गई किसी अन्य सेवा के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों को भुगतान की स्वीकृति;
4. अनुमोदन के लिए निदेशक मंडल को प्रस्तुत करने से पहले प्रबंधन के साथ वार्षिक वित्तीय विवरणों और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की समीक्षा करना, विशेष रूप से निम्नलिखित के संदर्भ में:
 - i. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 की उप-धारा 3 के खंड (सी) के संदर्भ में निदेशक मंडल की रिपोर्ट में निदेशक के उत्तरदायित्व विवरण में शामिल किए जाने वाले आवश्यक मामले;
 - ii. लेखांकन नीतियों और प्रथाओं में परिवर्तन, यदि कोई हो, और उसके कारण;
 - iii. प्रबंधन द्वारा निर्णय के अभ्यास के आधार पर अनुमानों को शामिल करने वाली प्रमुख लेखा प्रविष्टियां;
 - iv. लेखापरीक्षा निष्कर्षों से उत्पन्न वित्तीय विवरणों में किए गए महत्वपूर्ण समायोजन;
 - v. वित्तीय विवरणों से संबंधित लिस्टिंग और अन्य कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन;
 - vi. किसी भी संबंधित पक्षों से लेनदेन का प्रकटीकरण;
 - vii. मसौदा लेखा परीक्षा रिपोर्ट में योग्यताएं;
5. अनुमोदन के लिए निदेशक मंडल को प्रस्तुत करने से पहले प्रबंधन के साथ तिमाही वित्तीय विवरणों और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की समीक्षा करना;
6. प्रबंधन के साथ समीक्षा करना, किसी मुद्दे (सार्वजनिक निर्गम, राइट्स इश्यू, प्रेफरेंशियल इश्यू, आदि) के माध्यम से जुटाए गए फंड के उपयोग / आवेदन के विवरण, प्रस्ताव दस्तावेज में बताए गए उद्देश्यों के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किए गए फंड का विवरण / सार्वजनिक या राइट्स इश्यू की आय के उपयोग की निगरानी करने वाली निगरानी एजेंसी द्वारा प्रॉस्पेक्टस/नोटिस और रिपोर्ट प्रस्तुत करना और इस मामले में कदम उठाने के लिए निदेशक मंडल को उचित सिफारिशें करना;
7. लेखापरीक्षक/ऑडिटर की स्वतंत्रता और प्रदर्शन, और लेखांकन/ऑडिट प्रक्रिया की प्रभावशीलता की समीक्षा और निगरानी करना;
8. संबंधित पक्षों के साथ कंपनी के लेनदेन की स्वीकृति या उसके बाद का कोई संशोधन;
9. अंतर-कॉर्पोरेट ऋणों और निवेशों की संवीक्षा;
10. इस प्रावधान के लागू होने की तिथि से, होल्डिंग कंपनी द्वारा 100 करोड़ रुपये से अधिक या सहायक कंपनी की परिसम्पत्ति का 10% जो भी कम हो, में मौजूदा ऋण / अग्रिम / निवेश सहित मौजूदा ऋणों / अग्रिमों / निवेशों के उपयोग की समीक्षा करना;
11. कंपनी के उपक्रमों या परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, जहां कहीं आवश्यक हो;

12. आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों और जोखिम प्रबंधन प्रणालियों का मूल्यांकन;
13. प्रबंधन के साथ, सांविधिक और आंतरिक लेखा परीक्षकों के प्रदर्शन, आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्तता की समीक्षा करना;
14. आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की संरचना, स्टाफिंग और विभाग के प्रमुख अधिकारी की वरिष्ठता, संरचना कवरेज और आंतरिक लेखापरीक्षा की आवृत्ति की रिपोर्टिंग सहित आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की पर्याप्तता, यदि कोई हो, की समीक्षा करना;
15. किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर आंतरिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई;
16. आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा किसी भी आंतरिक जांच के निष्कर्षों की समीक्षा करना जहां संदिग्ध धोखाधड़ी या अनियमितता या भौतिक प्रकृति की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विफलता है और मामले को निदेशक मंडल को रिपोर्ट करना है;
17. लेखा परीक्षा शुरू होने से पहले सांविधिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा, लेखा परीक्षा की प्रकृति और दायरे के साथ-साथ किसी भी संदेह के क्षेत्र का पता लगाने के लिए लेखा परीक्षा के बाद भी चर्चा;
18. जमाकर्ताओं, डिबेंचर/गारकों, शेयरधारकों (घोषित लाभांश का भुगतान न करने की स्थिति में) और लेनदारों को भुगतान में पर्याप्त चूक के कारणों की जांच करना;
19. व्हिसल ब्लोअर/सतर्कता तंत्र के कामकाज की समीक्षा करना;
20. आंतरिक लेखापरीक्षा/निदेशक मंडल और/या भारत सरकार द्वारा बीएलएसी को संदर्भित लेखापरीक्षा पैरा की समीक्षा करना और इसे संदर्भित मुद्दों पर अपने सुझाव/मार्गदर्शन/टिप्पणियां प्रदान करना;
21. सांविधिक लेखापरीक्षकों/आंतरिक लेखापरीक्षकों के साथ आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों के बारे में आवधिक रूप से चर्चा;
22. सूचीबद्ध इकाई और उसके शेयरधारकों पर विलय, डीमर्जर, समामेलन आदि से जुड़ी योजनाओं के औचित्य, लागत-लाभ और प्रभाव पर विचार करना और टिप्पणी करना;
23. जहां भी आवश्यक हो, उपयुक्त मामलों में बाहरी स्रोतों से पेशेवर सलाह लेना;
24. लेखा परीक्षा समिति निम्नलिखित जानकारी की भी समीक्षा करेगी:
 - i. वित्तीय स्थिति और परिचालन के परिणामों की प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण;
 - ii. महत्वपूर्ण संबंधित पक्षों से लेनदेन का विवरण;
 - iii. सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा जारी किए गए प्रबंधन पत्र/आंतरिक नियंत्रण कमियों के पत्र; तथा
 - iv. आंतरिक नियंत्रण कमियों से संबंधित आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट;
25. कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य वैधानिक विनियमों के तहत निर्धारित लेखा परीक्षा समिति के संदर्भ की शर्तों से संबंधित कोई अन्य कार्य करना।

ii. समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष के नाम

लेखा परीक्षा समिति की संरचना लिस्टिंग विनियम और कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुपालन में है। लेखा परीक्षा समिति की अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक

द्वारा की जाती है। सदस्य निदेशकों में वाणिज्य, वित्त, प्रशासन और अभिशासन पृष्ठभूमि के साथ विद्वान तथा प्रतिष्ठित व्यवसाय शामिल हैं।

लेखा परीक्षा समिति का पुनर्गठन पिछली बार 14 फरवरी, 2022 से किया गया था। वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा समिति की संरचना में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:

निदेशक का नाम सर्व श्री/सुश्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	भाग लिया
राजेश शर्मा, स्वतंत्र निदेशक (13 फरवरी 2022 तक)	अध्यक्ष	6	6
मनीष कपूर, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (14 फरवरी 2022 से प्रभावी)	1	1
	सदस्य (13 फरवरी 2022 तक)	6	6
शशांक प्रिय, एसएस एवं एफए, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, अंशकालिक निदेशक	सदस्य	7	7
राज कमल बिंदल, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	7	7
डॉ राज के अग्रवाल स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (20 दिसंबर 2021 से)	2	2
डॉ के शिवप्रसाद स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (20 दिसंबर 2021 से)	2	2

निदेशक (वित्त) और निदेशक (ई, आर एंड डी) स्थायी रूप से आमंत्रित हैं। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

आंतरिक लेखा परीक्षा के प्रमुख और सांविधिक लेखा परीक्षक के प्रतिनिधि लेखा परीक्षा समिति की बैठकों के लिए आमंत्रितों के रूप में उपस्थित हो सकते हैं। कंपनी के लेखापरीक्षकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों को लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में सुनवाई का अधिकार होगा जब वह लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर विचार करेगा लेकिन उसे वोट देने का अधिकार नहीं होगा।

iii. बैठकें और उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा समिति की 30 अप्रैल 2021, 11 जून 2021, 23 जुलाई 2021, 30 जुलाई 2021, 9 नवम्बर 2021, 27 जनवरी 2022, और 17 मार्च 2022 सात बैठक हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त तालिका में दिया गया है।

2.4 नामांकन और पारिश्रमिक समिति

i. पारिश्रमिक नीति

बीएचईएल एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/निदेशकों की नियुक्ति की शर्तें, भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित की गई हैं। इनका बीएचईएल के नियमों के अनुसार, कुछ भत्तों और लाभों के निर्धारण का प्रावधान है। अंशकालिक गैर-कार्यकारी निदेशकों को निदेशक मंडल या उसकी समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र निदेशकों को बैठक शुल्क के अलावा कोई पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जाता है।

ii. विचारार्थ विषय

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 और पूर्ववर्ती लिस्टिंग समझौते (अब लिस्टिंग विनियम) के खंड 49 की आवश्यकताओं के अनुरूप, निदेशक मंडल ने 30 मार्च, 2015 से नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) का गठन किया। समिति के विचारार्थ विषय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 की आवश्यकताओं के साथ-साथ लिस्टिंग विनियमों के अनुरूप हैं और निम्नानुसार हैं:

- ऐसे व्यक्तियों की पहचान करना जो निदेशक बनने के लिए योग्य हैं और जिन्हें निर्धारित मानदंडों के अनुसार वरिष्ठ प्रबंधन में नियुक्त किया जा सकता है और उनकी नियुक्ति और हटाने के लिए निदेशक मंडल को अनुशंसा करेंगे और निदेशक मंडल के प्रदर्शन के प्रभावी मूल्यांकन के तरीके को निर्दिष्ट करेंगे, इसके समितियों और व्यक्तिगत निदेशकों को या तो निदेशक मंडल द्वारा, नामांकन और पारिश्रमिक समिति द्वारा या एक स्वतंत्र बाहरी एजेंसी द्वारा संचालित किया जाएगा और इसके कार्यान्वयन और अनुपालन की समीक्षा करना,
- निदेशक की योग्यता, सकारात्मक विशेषताओं और स्वतंत्रता का निर्धारण करने के लिए मानदंड तैयार करना और निदेशक मंडल को एक नीति की सिफारिश करना, निदेशकों, प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों और अन्य कर्मचारियों के पारिश्रमिक से संबंधित अधिनियम / लिस्टिंग विनियमों के प्रावधानों के अनुपालन में / डीपीई दिशानिर्देश,
- स्वतंत्र निदेशकों और निदेशक मंडल के मूल्यांकन के लिए मानदंड तैयार करना,
- निदेशक मंडल विविधता पर नीति बनाना,
- निदेशक मंडल को सिफारिश करने के लिए, अपनी सहायक कंपनियों और अन्य सरकारी संगठनों के बोर्डों में बीएचईएल अधिकारियों का नामांकन, जिन्हें एमएचआई को प्रस्तुत करने से पहले बीएचईएल के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है,
- विशिष्ट पारिश्रमिक पैकेजों पर कंपनी की नीति का निरीक्षण, पेंशन अधिकारों सहित पूर्णकालिक निदेशकों के लिए अनुलाभ और कोई भी प्रतिपूरक भुगतान, जो भारत के राष्ट्रपति द्वारा तय नहीं किया गया है,
- पूर्णकालिक निदेशकों के लिए कुछ अनुलाभों को मंजूरी देना जो निदेशक मंडल की शक्तियों के अधीन हैं। प्रमुख समूहों के तहत संक्षेपित व्यक्तिगत निदेशकों के पारिश्रमिक पैकेज के तत्वों की समीक्षा, जैसे प्रोत्साहनधलाभ, बोनस, स्टॉक विकल्प, पेंशन आदि,
- भत्तों और लाभों और अन्य संबंधित मामलों पर नीतियों को अंतिम रूप देना जो भारत के राष्ट्रपति द्वारा नहीं बल्कि निदेशक मंडल की शक्तियों के भीतर तय किए गए हैं,
- कार्य निष्पादन मानदंड के आधार पर निश्चित घटकों और प्रदर्शन से

जुड़े प्रोत्साहनों का अनुमोदन,

- गैर-कार्यकारी निदेशकों को भुगतान करने के मानदंड को अंतिम रूप देना,
- निदेशक मंडल/शेयरधारकों को स्वतंत्र निदेशकों सहित गैर-कार्यकारी निदेशकों को भुगतान/अनुदान दिए जाने वाले शुल्क/मुआवजे/स्टॉक विकल्प, यदि कोई हों, की अनुशंसा,
- वरिष्ठ प्रबंधन को देय सभी पारिश्रमिक, चाहे वह किसी भी रूप में हो के लिए निदेशक मंडल की अनुशंसा,
- अधिकारियों और गैर-संघीय पर्यवेक्षकों के लिए बोनस/परिवर्तनीय वेतन पूल और इसके वितरण के लिए नीति तय करना,
- कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य वैधानिक विनियमों के तहत निर्धारित एनआरसी के संदर्भ की शर्तों से संबंधित कोई अन्य कार्य करना।

एमसीए ने 5 जून 2015 की अधिसूचना के तहत प्रावधान किया कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 (2), (3) और (4) निदेशकों के प्रदर्शन मूल्यांकन के संबंध में सरकारी कंपनी पर लागू नहीं होगी।

iii. समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष के नाम

नामांकन और पारिश्रमिक समिति का पुनर्गठन पिछली बार 25 मार्च, 2022 को किया गया था। वर्ष के दौरान समिति की संरचना में निम्नलिखित निदेशक शामिल थे:

निदेशक का नाम सर्व श्री/सुश्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	भाग लिया
राजेश शर्मा, स्वतंत्र निदेशक (13 फरवरी 2022 तक)	अध्यक्ष	1	1
मनीष कपूर, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (14 फरवरी 2022 से प्रभावी)	0	0
	सदस्य (13 फरवरी 2022 तक)	1	1
अमित मेहता, संयुक्त सचिव, एमएचआई, अंशकालिक निदेशक (18 जून 2021 तक)	सदस्य	0	0
जितेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव, एमएचआई, अंशकालिक निदेशक (25 मार्च 2022 तक)	सदस्य (18 जून 2021 से)	1	0
विजय मित्तल, जेएस, एमएचआई, अंशकालिक आधिकारिक निदेशक	सदस्य (25 मार्च, 2022 से प्रभावी)	0	0

निदेशक का नाम सर्व श्री/सुश्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	भाग लिया
डॉ. लेखश्री सामंतसिंघर, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (20 दिसंबर, 2021 से प्रभावी)	1	1
आदित्य प्रसाद साहू, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (फरवरी 14, 2022 से प्रभावी)	0	0

प्रमुख (मानव संसाधन), कॉर्पोरेट कार्यालय स्थायी आमंत्रित है। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

iv. बैठकें और उपस्थिति

नामांकन और पारिश्रमिक समिति की समीक्षा वर्ष के दौरान 12 फरवरी, 2022 को एक बार बैठक हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त तालिका में दिया गया है।

v. वर्ष 2021-22 के दौरान कार्यकारी निदेशकों के पारिश्रमिक का विवरण नीचे दिया गया है: (में)

₹

क्र.	निदेशक का नाम श्रीमती/श्री	वेतन	अनुलाभ	अन्य लाभ	प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहन	कुल	सेवा अनुबंध नोटिस अवधि विच्छेद शुल्क
1.	डॉ. नलिन सिंघल	55,30,908	8,69,263	39,600	-	64,39,771	----
2.	सुबोध गुप्ता	44,54,611	8,01,092	3,33,050	-	55,88,753	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगे
3.	कमलेश दास (31 जुलाई 2021 तक)	40,88,765	3,04,261	7,43,028	-	51,36,054	----
4.	अनिल कपूर (31 जनवरी, 2022 तक)	61,78,389	6,70,942	6,20,184	-	74,69,515	----
5.	सुश्री रेणुका गेरा	45,11,548	8,10,414	6,47,940	-	59,69,902	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगे
6.	उपिन्द्र सिंह मठारू (21 मार्च, 2022 से प्रभावी)	4,15,392	24,569	23,069	-	4,63,030	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगे

vi. वर्ष 2021-22 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों को किए गए भुगतान का विवरण नीचे दिया गया है: -

₹

स्वतंत्र निदेशक का नाम श्रीमती/श्री	बैठक शुल्क/व्यय		कुल
	निदेशक मंडल बैठक	समिति बैठक	
श्री राजेश शर्मा	2,70,000/-	2,80,000/-	5,50,000/-
श्री राज कमल बिंदल	3,30,000/-	3,20,000/-	6,50,000/-
श्री मनीष कपूर	3,30,000/-	3,00,000/-	6,30,000/-
डॉ. राज के. अग्रवाल	1,20,000/-	60,000/-	1,80,000/-
डॉ. के शिवप्रसाद	1,20,000/-	1,00,000/-	2,20,000/-
डॉ. लेखश्री सामंतसिंघर	1,20,000/-	60,000/-	1,80,000/-
श्री आदित्य प्रसाद साहू	90,000/-	20,000/-	1,10,000/-

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, स्वतंत्र निदेशकों को बैठक शुल्क रु 30,000/- प्रति निदेशक मंडल बैठक और ₹ 20,000/- प्रति निदेशक मंडल स्तरीय समिति बैठक में भाग लेने के लिए पात्र थे। स्वतंत्र निदेशक स्टॉक ऑप्शन के पात्र नहीं हैं।

vii. निदेशकों द्वारा/धारित इक्विटी शेयर

नीचे दर्शाये के अतिरिक्त, किसी भी निदेशक के पास बी.एच.ई.एल. में कोई इक्विटी शेयर नहीं है (31 मार्च, 2022 तक) :

निदेशक का नाम	धारित शेयरों की संख्या
डॉ. नलिन सिंघल (पत्नी के साथ संयुक्त रूप से)	100

कंपनी ने वर्ष 2021-22 के दौरान कोई स्टॉक ऑप्शन जारी नहीं किया है।

2.5 शेयरधारक की समितियां

2.5.1 हितधारक संपर्क समितियां

i. विचारार्थ विषय

- निदेशक मंडल ने 12 मई 2014 को कंपनी अधिनियम, 2013 और पूर्ववर्ती लिस्टिंग समझौते (अब लिस्टिंग विनियम) की आवश्यकताओं के अनुरूप शेयरधारकों/निवेशकों की शिकायत समिति को हितधारकों के संपर्क समिति (एसआरसी) के रूप में पुनर्गठित किया। समिति के विचारार्थ विषय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 की आवश्यकताओं के साथ-साथ लिस्टिंग विनियमों के अनुरूप हैं और निम्नानुसार हैं:
- कंपनी के प्रतिभूति/धारकों की शिकायतों का समाधान जिसमें शेयरों के हस्तांतरण/ट्रांसमिशन, वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त न होने, घोषित लाभांश प्राप्त न होने, नए/डुप्लीकेट प्रमाण पत्र जारी करने, आम बैठक आदि से संबंधित शिकायतें शामिल हैं।
- शेयरधारकों द्वारा मतदान अधिकारों के प्रभावी प्रयोग के लिए किए गए उपायों की समीक्षा करना
- दावा न किए गए लाभांश की मात्रा को कम करने के लिए कंपनी द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों और पहलों की समीक्षा करना और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा लाभांश वारंट/वार्षिक रिपोर्ट/सांविधिक नोटिस की

- समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करना,
- शेयरधारकों, डिबेंचर/धारकों और अन्य प्रतिभूति/धारकों के हित के विभिन्न पहलुओं पर गौर करना
 - कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य वैधानिक विनियमों के तहत निर्धारित समिति के संदर्भ की शर्तों से संबंधित कोई अन्य कार्य करना।

ii. समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष के नाम

हितधारक संपर्क समिति का पुनर्गठन पिछली बार 14 फरवरी, 2022 को किया गया था। 14 फरवरी, 2022। वर्ष के दौरान गठित समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल थे :

निदेशक का नाम श्रीमती/ श्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	जिनमें उपस्थित हुए
मनीष कपूर, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	4	4
शशांक प्रिय, एस एस एंड एफए, ए/ओ वाणिज्य और उद्योग, अंशकालिक आधिकारिक निदेशक	सदस्य	4	3
डॉ. के शिवप्रसाद, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (20 दिसम्बर, 2021 से प्रभावी)	1	1
निदेशक (वित्त)	सदस्य	4	4
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य (13 फरवरी 2022 तक)	3	3
निदेशक (आई एस एवं पी)	सदस्य (14 फरवरी, 2022 से प्रभावी)	1	1

मुख्य निवेशक संपर्क अधिकारी (सीआईआरओ) स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

श्री राजीव कालरा, कंपनी सचिव, सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के अनुसार अनुपालन अधिकारी हैं।

iii. बैठक एवं उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की 30 अप्रैल, 2021, 17 जुलाई, 2021, 8 नवंबर, 2021 और 17 मार्च, 2022 को चार बार बैठक हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपरोक्त तालिका में दिया गया है।

शेयरधारकों की शिकायतों का विवरण

अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड (आरटीए) द्वारा रिपोर्ट किया गया कि, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शेयरधारकों से 37 शिकायतें प्राप्त हुईं और 31 मार्च, 2022 तक सभी शिकायतों का निवारण किया गया। रिपोर्ट की अवधि के अंत में कोई शिकायत लंबित नहीं थी।

2.5.2 शेयर अंतरण समिति

निदेशक मंडल ने शेयर अंतरण समिति का गठन 25 मार्च 1992 को किया था। इसके बाद, निदेशक मंडल द्वारा समिति के विचारार्थ विषय को संशोधित किया गया। शेयर अंतरण समिति 1 अगस्त, 2014 से भौतिक मोड में ट्रांसपोजिशन, सब-डिवीजन, समेकन, डुप्लिकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने आदि से संबंधित शेयरों से संबंधित मुद्दों पर विचार और अनुमोदन करती है। शेयर अंतरण समिति का पिछली बार 6 फरवरी, 2021 को पुनर्गठन किया गया था, जिसमें निदेशक (वित्त) अध्यक्ष के तौर पर एवं निदेशक (ई, आर एंड डी) और निदेशक (आईएस एंड पी) सदस्य के रूप में शामिल हैं।

वर्ष 2021-22 के दौरान बैठक

वर्ष के दौरान शेयर अंतरण समिति की छह बैठकें हुईं। शेयर ट्रांसफर कमेटी की बैठकों के कार्यवृत्त समय-समय पर निदेशक मंडल के समक्ष रखे जाते हैं।

2.6 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए निदेशक मंडल स्तरीय समिति

i. विचारार्थ विषय

सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, निदेशक मंडल ने सीएसआर गतिविधियों की उचित और आवधिक निगरानी के लिए 25 नवंबर, 2010 को सीएसआर के लिए निदेशक मंडल स्तर की शीर्ष समिति का गठन किया। समिति को वर्तमान में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए निदेशक मंडल स्तरीय समिति के रूप में नामित किया गया है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुरूप, समिति के विचारार्थ विषय निम्नानुसार हैं:

- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति तैयार करना और निदेशक मंडल को अनुशांसा करना जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII में निर्दिष्ट क्षेत्रों या विषय में कंपनी द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को इंगित करने वाली
- परियोजनाओं, कार्यक्रमों की सिफारिश और खंड (1) में निर्दिष्ट गतिविधियों पर किए जाने वाले व्यय की राशि;
- समय-समय पर कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों की निगरानी करना;
- भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

और सतत विकास पर दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना ।

ii. समिति संयोजन, सदस्यों और अध्यक्ष के नाम

समिति का पिछली बार पुनर्गठन 14 फरवरी, 2022 को किया गया था। वर्ष के दौरान समिति की संयोजन में निम्नलिखित निदेशक सम्मिलित थे:

निदेशक का नाम श्रीमती/ श्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	जिनमें उपस्थित हुए
मनीष कपूर, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	2	2
राजेश शर्मा, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	2	2
डॉ. के शिवप्रसाद स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (12 दिसंबर, 21 से)	1	1
आदित्य प्रसाद साहू स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (14 फरवरी, 22 से)	0	0
निदेशक (वित्त)	सदस्य	2	2
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य (13 फरवरी, 22 तक)	2	2

प्रमुख (सीएसआर), कॉर्पोरेट कार्यालय स्थायी आमंत्रित है। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

iii. बैठक एवं उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की 17 जुलाई, 2021 और 27 जनवरी, 2022 को दो बार बैठकें हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण तालिका में दिया गया।

2.7 मानव संसाधन समिति

i. विचारार्थ विषय

निदेशक मंडल ने विशेष रूप से निम्नलिखित मामलों को देखने के लिए 31 मई, 2006 को मानव संसाधन समिति का गठन किया:

- कार्यपालकों की पदोन्नति और पुरस्कार/प्रोत्साहन के संबंध में वर्तमान नीतियों की समीक्षा ।
- परिवर्तित/उभरते व्यावसायिक माहौल के लिए बी.एच.ई.एल. को तैयार करने के लिए नीतियों में अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों परिवर्तनों

के बारे में सुझाव देना।

ii. समिति संयोजन, सदस्यों और अध्यक्ष के नाम

पिछली बार समिति का पुनर्गठन 14 फरवरी, 2022 को किया गया था। वर्ष के दौरान गठित समिति में निम्नलिखित निदेशक सम्मिलित थे:

श्री राज कमल बिंदाल, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य
निदेशक (आई एस एंड पी) सदस्य	सदस्य (13 फरवरी, 2022 तक)
निदेशक (ई आर एंड डी)	सदस्य (14 फरवरी, 22 से प्रभावी)

iii. बैठक एवं उपस्थिति

प्रमुख (सीएसआर), कॉर्पोरेट कार्यालय स्थायी आमंत्रित है। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

वर्ष के दौरान मानव संसाधन समिति की कोई बैठक नहीं हुई।

2.8 स्वतंत्र निदेशकों की समिति

i. विचारार्थ विषय

निदेशक मंडल ने सीपीएसई के लिए गैर-सरकारी निदेशकों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर आधारित मॉडल पर 28 दिसंबर 2012 के डीपीई ओएम के अनुरूप स्वतंत्र निदेशकों की एक समिति का गठन किया, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची IV की आवश्यकताओं और लिस्टिंग विनियम के अनुपालन में भी है।

ii. समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष के नाम

वर्ष के दौरान समिति की संयोजन में निम्नलिखित निदेशक सम्मिलित थे:

निदेशक का नाम श्रीमती/ श्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	जिनमें उपस्थित हुए
राजेश शर्मा (13 फरवरी, 2022 तक)	अध्यक्ष और प्रमुख स्वतंत्र निदेशक	1	1
श्री राज कमल बिंदाल	अध्यक्ष और प्रमुख स्वतंत्र निदेशक (14 फरवरी, 22 से)	0	0
	सदस्य (13 फरवरी, 22 तक)	1	1
मनीष कपूर	सदस्य	1	1

डॉ. राज के. अग्रवाल (9 नवंबर, 2021 से प्रभावी)	सदस्य	1	1
डॉ. के शिवप्रसाद (9 नवंबर, 2021 से प्रभावी)	सदस्य	1	1
डॉ. लेखाश्री सामंतसिंघर (9 नवंबर, 21 से प्रभावी)	सदस्य	1	1
आदित्य प्रसाद साहू (29 दिसम्बर, 2021 से प्रभावी)	सदस्य		

iii. बैठक एवं उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 12 फरवरी, 2022 को समिति की एक बार बैठक हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त सूची में दिया गया है।

2.9 निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति

i. विचारार्थ विषय

पूर्ववर्ती लिस्टिंग समझौते (अब लिस्टिंग विनियम) के अनुरूप, निदेशक मंडल ने 14 नवंबर, 2014 को निदेशक मंडल स्तर की जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया। लिस्टिंग विनियमों में जोखिम प्रबंधन समिति के विचारार्थ विषय में संशोधन के अनुरूप, निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति के विचारार्थ विषय को निदेशक मंडल द्वारा 05 मई, 2021 से निम्नानुसार संशोधित किया गया था।

1. एक व्यापक जोखिम प्रबंधन नीति तैयार करना जिसमें सम्मिलित होंगे:

(क) विशेष रूप से वित्तीय, परिचालन, क्षेत्रीय, स्थिरता (विशेष रूप से, ईएसजी से संबंधित जोखिम), सूचना, साइबर सुरक्षा जोखिम या समिति द्वारा निर्धारित किसी भी अन्य जोखिम सहित सूचीबद्ध इकाई द्वारा सामना किए जाने वाले आंतरिक और बाहरी जोखिमों की पहचान के लिए एक प्रारूप, (ख) पहचाने गए जोखिमों के आंतरिक नियंत्रण के लिए प्रणालियों और प्रक्रियाओं सहित जोखिम न्यूनीकरण के उपाय, (ब) कारोबार निरंतरता योजना निरंतरता योजना

2. कंपनी के व्यवसाय से जुड़े जोखिमों की निगरानी और मूल्यांकन के लिए उपयुक्त कार्यप्रणाली, प्रक्रियाएं और प्रणालियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना,

3. जोखिम प्रबंधन प्रणाली की पर्याप्तता के मूल्यांकन सहित जोखिम प्रबंधन नीति के कार्यान्वयन की निगरानी और देख रेख करना,

4. जोखिम प्रबंधन नीति की समय-समय पर समीक्षा करना जिसमें दो साल में कम से कम एक बार, उद्योग की बदलती गतिशीलता और विकसित जटिलता पर विचार करना शामिल है;

5. निदेशक मंडल को उनकी चर्चाओं, सिफारिशों और की जाने वाली कार्रवाइयों की प्रकृति और विषय वस्तु के बारे में सूचित करना;

6. मुख्य जोखिम अधिकारी (यदि कोई हो) की नियुक्ति, निष्कासन और पारिश्रमिक की शर्तें जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा समीक्षा के अधीन होंगी

7. किसी भी कर्मचारी से जानकारी प्राप्त करना, बाहरी कानूनी या अन्य पेशेवर सलाह प्राप्त करना और यदि आवश्यक हो तो संबंधित विशेषज्ञता

वाले बाहरी लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करना,

8. निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित रूपरेखा के अनुसार अन्य समितियों की गतिविधियों के साथ कोई ओवरलैप होने पर अन्य समितियों के साथ अपनी गतिविधियों का समन्वय,

9. कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य वैधानिक विनियमों के तहत निर्धारित समिति के संदर्भ की शर्तों से संबंधित कोई अन्य कार्य करना।

ii. समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष के नाम

पिछली बार समिति का पुनर्गठन 14 फरवरी, 2022 को किया गया था। वर्ष के दौरान समिति की संयोजन में निम्नलिखित निदेशक सम्मिलित थे:

निदेशक का नाम श्रीमती/ श्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	जिनमें उपस्थित हुए
शशांक प्रिया एसएस – एफए,एम/ओ वाणिज्य एवं उद्योग, अंशकालिक आधिकारिक निदेशक	अध्यक्ष	2	2
राज कुमार बिंदल स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	2	2
डॉ. राज के. अग्रवाल, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (20 दिसम्बर 21 से प्रभावी)	0	0
निदेशक वित्त	सदस्य	2	2
निदेशक (मा.स.)	सदस्य (13 फरवरी 22 तक)	2	2
निदेशक (आई एस एंड पी)	सदस्य	2	2
निदेशक (पावर)	सदस्य	2	2
निदेशक (ई एंड आर एंड डी)	सदस्य (20 दिसम्बर 21 से प्रभावी)	0	0
अध्यक्ष, जोखिम प्रबंधन परिचालन समिति	सदस्य	2	2
प्रमुख जोखिम अधिकारी	सदस्य	2	2

* इन बैठकों के दौरान निदेशक (मानव संसाधन) निदेशक (पावर) के पद का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।

iii. बैठकें एवं उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की 20 अप्रैल, 2021 एवं 18 दिसंबर, 2021 को दो बार बैठक आयोजित की गई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त तालिका में दिया गया है।

2.10 निदेशक मंडल स्तरीय परियोजना समीक्षा समिति

विचारार्थ विषय

निदेशक मंडल ने 9 अगस्त, 2019 को आयोजित बैठक में निम्नलिखित संशोधित विचारार्थ विषय के साथ निदेशक मंडल स्तरीय परियोजना समीक्षा समिति के पुनः प्रवर्तन की मंजूरी दी :

- समिति रु. 500 करोड़ और उससे अधिक के संविदा मूल्य वाली सभी परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करेगी,
- समिति देनदारों की आवधिक स्थिति की समीक्षा करेगी,
- समिति ऐसे कार्यपालकों को आमंत्रित कर सकती है, जिन्हें वह समिति की बैठकों में उपस्थित होना उचित समझे।

ii) समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष के नाम

पिछली बार 25 मार्च, 2022 को समिति का पुनर्गठन किया गया था। वर्ष के दौरान समिति की संयोजन में निम्नलिखित निदेशक शामिल थे

निदेशक का नाम श्रीमती / श्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	जिनमें उपस्थित हुए
अमित मेहता संयुक्त सचिव, एमएचआई आधिकारिक अंशकालिक निदेशक (18 जून, 2021 तक)	अध्यक्ष	1	0
जीतेंद्र सिंह संयुक्त सचिव, एमएचआई आधिकारिक अंशकालिक निदेशक (25 मार्च, 2022 तक)	अध्यक्ष (जून 18, 2021 से)	1	1
विजय मित्तल संयुक्त सचिव, एमएचआई आधिकारिक अंशकालिक निदेशक	अध्यक्ष (25 मार्च, 2022 से)	0	0
राज कुमार स्वतंत्र निदेशक	सदस्य*	2	2
डॉ. राज के. अग्रवाल, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (20 दिसम्बर, 2021 से)	0	0
डॉ. लेखश्री सामंतीसागर स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (20 दिसम्बर, 2021 से)	0	0

निदेशक (वित्त)	सदस्य (20 दिसम्बर, 2021 से)	2	2
निदेशक (पावर)	सदस्य	2	2
निदेशक (आईएसएंडपी)	सदस्य	2	2

* श्री राज कमल बिंदल 20 अप्रैल, 2021 को हुई बैठक के अध्यक्ष चुने गए।

प्रमुख (पीएस-पीएमजी) और महाप्रबंधक (प्राप्य प्रबंधन) संबंधित कार्यसूची के लिए समिति के संयोजक हैं। निदेशक (वित्त) को समिति की बैठक में आमंत्रित किया जाता है। संबंधित व्यावसायिक क्षेत्रों के प्रमुखों को आवश्यकतानुसार आमंत्रित किया जाएगा। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

iii. बैठकें एवं उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की 20 अप्रैल, 2021 एवं 18 दिसंबर, 2021 को दो बार बैठक आयोजित की गई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त तालिका में दिया गया है।

2.11 मध्यस्थता एवं प्रमुख कानूनी विवाद तथा वैकल्पिक विवाद समाधान हेतु समिति

विचारार्थ विषय

विचारार्थ विषय की शर्तें मध्यस्थता के मामलों के साथ-साथ प्रमुख कानूनी विवादों की समीक्षा करना और उसके बाद निदेशक मंडल को तदनुसार अवगत कराना है। साथ ही साथ बीएचईएल सुलह योजना, 2018 के तहत मसौदा निपटान समझौते को स्वीकार/अस्वीकार करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में भी कार्य करना है।

ii. समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष के नाम

पिछली बार 25 मार्च, 2022 को समिति पुनर्गठित की गई थी। वर्ष के दौरान गठित समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल थे :

निदेशक का नाम श्रीमती / श्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	जिनमें उपस्थित हुए
राज कमल बिंदल, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	4	4
अमित मेहता, संयुक्त सचिव, एमएचआई आधिकारिक अंशकालिक निदेशक (18 जून, 2021 तक)	सदस्य	1	1
जीतेंद्र सिंह, संयुक्त सचिव, एमएचआई अंशकालिक सरकारी निदेशक (25 मार्च, 2022 तक)	सदस्य (जून 18, 2021 से)	3	3
विजय मित्तल संयुक्त सचिव, एमएचआई अंशकालिक सरकारी निदेशक	सदस्य (25 मार्च, 2022 से)	0	0

राजेश शर्मा स्वतंत्र निदेशक (13 फरवरी 2022 तक)	सदस्य	4	4
लेखाश्री सामंतसिंघर स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (20 दिसम्बर 21से)	1	1
आदित्य प्रसाद साहू	सदस्य (14 फरवरी, 22 से)	0	0
निदेशक(वित्त)	सदस्य	4	4
निदेशक (ईआरएंडडी)	सदस्य	4	3
निदेशक(मा.सं.)	सदस्य (13 फरवरी, 22 तक)	4	4
निदेशक (आईएसएंडपी)	सदस्य (20 दिसम्बर, 21 से)	1	1

बैठक के दौरान निदेशक (मानव संसाधन) निदेशक (पॉवर) के पद का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे ।

* 8 नवंबर, 2021 और 27 जनवरी, 2022 को हुई आयोजित बैठक के दौरान, निदेशक (ईआर – एंडडी) के पद का अतिरिक्त प्रभार निदेशक (आईएस एंड पी) संभाल रहे थे।

प्रमुख विधि, कॉर्पोरेट कार्यालय समिति के संयोजक है और समिति द्वारा समीक्षा हेतु आवश्यक सूचना प्रस्तुत करते हैं । प्रमुख (मानव संसाधन), कॉर्पोरेट कार्यालय स्थायी रूप से आमंत्रित हैं ।

iii. बैठक एवं उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की चार बैठकें 30 अप्रैल, 2021, 17 जुलाई, 2021, 8 नवंबर, 2021 और 27 जनवरी, 2022 को आयोजित हुईं। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त तालिका में दिया गया है।

2.12 सामान्य बैठकें

i. पिछले तीन वार्षिक सामान्य बैठकों (एजीएम) का स्थान और समय

वर्ष	स्थान	तिथि	समय
वित्तीय वर्ष 2018-19 (55वीं सामान्य बैठक)	मानेकशॉ सेंटर, परेड रोड, खैबर लाइन्स, दिल्ली कैंट, दिल्ली-110010	19 सितंबर, 2019	10.00 पूर्वा .
वित्तीय वर्ष 2019-20 (56वीं सामान्य बैठक)	वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक आयोजित की गई। आयोजन स्थल कंपनी का पंजीकृत कार्यालय था।	28 सितंबर, 2020	10.00 पूर्वा .
वित्तीय वर्ष 2020-21 (57वीं सामान्य बैठक)	वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक आयोजित की गई। आयोजन स्थल कंपनी का पंजीकृत कार्यालय था	28 सितंबर, 2020	10.00 पूर्वा .

ii. पिछली तीन सामान्य बैठकों में पारित विशेष प्रस्तावों का विवरण :

श्री आर. स्वामीनाथन को दूसरे कार्यकाल के लिए स्वतंत्र निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्त करने के लिए 19 सितंबर, 2019 को आयोजित 55वीं वार्षिक आम बैठक में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 के प्रावधानों के अनुरूप, विशेष प्रस्ताव पारित किया गया था।

iii. पोस्टल बैलट (ड्राक मतपत्र)

पिछले वर्ष पोस्टल बैलट के माध्यम से कोई विशेष प्रस्ताव पारित नहीं किया गया था। सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियम 17 (1सी) की आवश्यकताओं के अनुरूप, 1 जनवरी, 2022 के बाद नियुक्त निदेशकों के लिए शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करने के प्रस्तावों को वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान पोस्टल बैलट के माध्यम से पारित करने का प्रस्ताव है।

2.13 प्रकटीकरण

i. कंपनी हितों के विरुद्ध होने की संभावना वाले संबंध पक्ष के साथ वास्तविक रूप से महत्वपूर्ण लेन-देनों का प्रकटीकरण

कंपनी ने भौतिक रूप से महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी (आरपीटी) साथ का व्यवहार नहीं किया है कंपनी के हितों के साथ संभावित टकराव की संभावना है। बहरहाल, वित्तीय विवरण 2021-22 वार्षिक रिपोर्ट में नोट संख्या 38 में संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन का खुलासा किया गया है।

प्रत्यक्ष सहायक कंपनियों का निर्धारण करने वाली कंपनी की नीति और संबंधित पार्टी लेनदेन से संबंधित नीति यहां उपलब्ध है:

<https://www.bhel.com/sites/default/files/Policy%20on%20RPTs%20wef%2001042022.pdf>

ii. पिछले तीन वर्षों के दौरान कंपनी पर पूंजी बाजार से संबंधित लगाए

गए गैर-अनुपालना, दंड और सख्ती

पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से संबंधित किसी भी मामले पर कंपनी द्वारा गैर-अनुपालन का कोई मामला नहीं था और पूंजी बाजार से संबंधित किसी भी मामले पर स्टॉक एक्सचेंजों/सेबी या किसी अन्य वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी पर कोई दंड/कठोरता लागू नहीं की गई थी।

यद्यपि, कंपनी को एनएसई के साथ-साथ बीएसई से सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियम 17 (1) के प्रावधानों का अनुपालन न करने और 8 नवंबर, 2021 तक अपने निदेशक मंडल में 50% स्वतंत्र निदेशकों (कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) नहीं होने पर जुर्माना लगाने के संबंध में नोटिस प्राप्त हुए। नोटिस के जवाब में, कंपनी ने एक्सचेंजों को स्पष्ट किया कि स्वतंत्र निदेशकों की कमी कंपनी की किसी लापरवाही/चूक के कारण नहीं थी, क्योंकि नियुक्ति उसके नियंत्रण में नहीं है। फिर भी, बीएसईएल निदेशक मंडल में चार स्वतंत्र निदेशकों को शामिल करने के अनुसरण में, स्वतंत्र निदेशकों की संख्या निदेशक मंडल की वास्तविक संख्या (एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) का 50% है। इसे ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने एक्सचेंजों से कर्ब आउट नीतियों के तहत जुर्माने को माफ करने का अनुरोध किया है।

iii. सतर्कता तंत्र / व्हिसल ब्लोअर नीति

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों और सूचीबद्ध कंपनियों और स्टॉक लिस्टिंग समझौते के खंड 49 और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177, के अनुसरण में कंपनी द्वारा

एक विस्तृत व्हिसल ब्लोअर नीति का मसौदा तैयार किया गया था और इसे 12 अगस्त 2014 को आयोजित अपनी 464 वीं बैठक में निदेशक मंडल द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया था। नीति भी लिस्टिंग विनियम के अनुरूप है। इसके बाद, सभी कर्मचारियों के सूचनार्थ एक परिपत्र जारी किया गया जिसमें व्हिसल ब्लोअर नीति को अधिसूचित किया गया और सक्षम प्राधिकारी और अध्यक्ष, लेखा परीक्षा समिति के संपर्क विवरण को सूचित किया गया।

व्यापक प्रचार के लिए व्हिसल ब्लोअर नीति की एक प्रति कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com पर भी रखी गई है। सक्षम प्राधिकारी और अध्यक्ष, लेखा परीक्षा समिति के पते, संपर्क नंबर और ईमेल पते में परिवर्तन समय-समय पर अधिसूचित किए जा रहे हैं।

नीति के तहत प्राप्त शिकायतों का निवारण इस संबंध में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। किसी भी कर्मचारी को लेखा परीक्षा समिति के पास जाने से रोका नहीं जाता।

iv. कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों की आवश्यकताओं का अनुपालन, अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन और लिस्टिंग विनियमों की गैर-अनिवार्य कॉर्पोरेट गवर्नेंस आवश्यकताओं को अपनाना

सीपीएसई और सेबी के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों की सभी अनिवार्य आवश्यकताओं (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं), 2015 का कंपनी द्वारा 31 मार्च, 2022 तक विधिवत अनुपालन किया गया है। लिस्टिंग विनियमों के तहत गैर-अनिवार्य आवश्यकताओं के संबंध में, बीएचईएल में असंशोधित लेखापरीक्षा राय के साथ वित्तीय विवरणों की व्यवस्था पहले से ही है।

खातों से ऐसा कोई व्यय डेबिट नहीं किया गया है जो व्यवसाय के उद्देश्य से नहीं है और न ही ऐसा कोई व्यय किया गया है जो व्यक्तिगत हो या निदेशक मंडल एवं शीर्ष प्रबंधन के लिए किया गया है। कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में अन्य व्यय (प्रशासनिक और अन्य विविध व्यय सहित) को घटाकर 6.41: कर दिया गया है। इसे लागत में कमी के उपायों और कड़े बजटीय नियंत्रणों द्वारा इसे संभव बनाया गया है।

v. राष्ट्रपति के निदेश

पिछले तीन वर्षों 2019–20, 2020–2021 और 2021–22 के दौरान राष्ट्रपति का कोई निदेश प्राप्त नहीं हुआ था।

vi. जोखिम प्रबंधन

सेबी विनियम, 2015 तथा उसके संशोधनों और सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन में, बीएचईएल ने निदेशक मंडल के सदस्यों को जोखिम मूल्यांकन, न्यूनीकरण और शमन के बारे में सूचित करने के लिए प्रक्रियाओं को निर्धारित करने के लिए निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति स्थापित की है। चार्टर का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य कंपनी भर में एक सुनियोजित और व्यापक जोखिम प्रबंधन प्रणाली को लागू करना है जो यह सुनिश्चित करता है कि जोखिमों की ठीक से पहचान और प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा रहा है। जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया में जोखिम पहचान, जोखिम निर्धारण, जोखिम मूल्यांकन, जोखिम शमन और नियमित समीक्षा और निगरानी शामिल है। विवरण पैरा 1.14 'जोखिम और चिंताएं' में है।

vii. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के संबंध में प्रकटीकरण की जानकारी निदेशक मंडल

की रिपोर्ट का भाग है और पैरा 1.9.5.2 'कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा' के अनुलग्नक -ग के रूप में उपलब्ध है।

viii. विनियम 32 (7ए) के तहत निर्दिष्ट अधिमान आवंटन या योग्य संस्थानों की नियुक्ति के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग:

शून्य

ix. सूचीबद्ध इकाई और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा सांविधिक लेखापरीक्षक और नेटवर्क फर्म/नेटवर्क इकाई, जिसका सांविधिक लेखापरीक्षक एक हिस्सा है, में सभी संस्थाओं को समेकित आधार पर भुगतान की गई सभी सेवाओं के लिए कुल शुल्क

सांविधिक लेखा परीक्षकों और शाखा लेखा परीक्षकों को भुगतान की गई सभी सेवाओं के लिए कुल शुल्क का खुलासा वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में किया गया है। सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यम कंपनियों के लेखा परीक्षकों को उनके द्वारा अलग-अलग नियुक्त किया गया था और वे वही लेखापरीक्षक नहीं थे जिन्होंने बीएचईएल के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की हो।

ग. कॉर्पोरेट अभिशासन पर अनुपालन प्रमाणपत्र

कॉर्पोरेट अभिशासन पर अनुपालन प्रमाणपत्र संलग्न है।

2.14 संचार माध्यम

सूचीयन विनियमों के अंतर्गत आवश्यक है, कि कंपनी के गैर-लेखापरीक्षित / लेखा परीक्षित वित्तीय परिणामों को प्रस्तुत किए जाने के लिए आयोजित निदेशक मंडल की बैठक की सूचना कंपनी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज की अग्रिम रूप से दी जाएगी। इसके अलावा, उक्त परिणामों रिकॉर्ड में/अनुमोदित किए जाने के बाद, स्टॉक एक्सचेंजों को तुरंत सूचित किए जाते हैं। ये स्वीकृत वित्तीय परिणाम निदेशक मंडल की बैठक के समापन के 48 घंटों के भीतर पूरे या काफी हद तक पूरे भारत में प्रसारित होने वाले कम से कम एक अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में और उस क्षेत्र की भाषा में प्रकाशित एक दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित किए जाते हैं जहां का पंजीकृत कार्यालय कंपनी स्थित है और कंपनी की वेबसाइट (www.bhel.com) पर भी अपलोड की गई है। शेयरधारकों से संबंधित अन्य जानकारी जैसे निदेशक पद में परिवर्तन, अवैतनिक लाभांश का विवरण, वार्षिक रिपोर्ट आदि भी कंपनी की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाते हैं। प्रमुख आदेशों की प्राप्ति, कमीशन की गई प्रमुख परियोजनाओं, महत्वपूर्ण सहयोग, अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं आदि जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं सहित आधिकारिक समाचार विज्ञप्ति कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट की जाती हैं और साथ ही स्टॉक एक्सचेंजों को भेजी जाती हैं। वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, कॉन्फ्रेंस कॉल आयोजित की गई और विस्तृत परिणाम दस्तावेज और पूरक जानकारी/प्रस्तुतियां भी स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइटों के साथ-साथ कंपनी की वेबसाइट पर वित्तीय परिणाम घोषणा के बाद भी अपलोड की गई। यद्यपि वित्तीय परिणामों पर विश्लेषकों या संस्थागत निवेशकों को व्यक्तिगत स्तर पर बी.एच.ई.एल. ने अपने विचार से अवगत नहीं कराया है। नियमित तौर पर सीधे बातचीत के अतिरिक्त विभिन्न निवेशक सम्मेलनों/बैठकों में भी बी.एच.ई.एल. ने प्रतिभागिता की है।

लिस्टिंग विनियमों के विनियम 46 के अनुपालन में, कंपनी अपनी वेबसाइट पर सूचना प्रसारित करती है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ निदेशक मंडल की विभिन्न समितियों की संरचना, आचार संहिता, आरपीटी से निपटने की नीति, निवेशक की शिकायतों आदि की प्रबंधन एवं सहायता के लिए जिम्मेदार कंपनी के नामित अधिकारियों की संपर्क जानकारी शामिल है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार की 'हरित पहल' के अनुसरण में, कंपनी वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक आम बैठक बुलाने की सूचना उन शेयरधारकों को ईमेल के माध्यम से भेजती है, जिन्होंने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ अपनी ईमेल आईडी पंजीकृत की है। जिन्होंने आरटीए और वार्षिक रिपोर्ट हार्ड कॉपी का विकल्प नहीं चुना है। इस पहल की निरंतर सफलता के लिए, शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने ईमेल आईडी को अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों/आरटीए के साथ पंजीकृत करें।

2.15 सामान्य शेयरधारक सूचना

	वार्षिक आम सभा	समय	स्थल
i	29 सितम्बर 2022	10:00 प्रातः	कंपनी 5 मई, 2022 के एमसीए परिपत्र के साथ पठित 5 मई, 2020 के एमसीए परिपत्र के अनुसार वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित कर रही है। वार्षिक आम सभा के लिए माना जाने वाला स्थान कंपनी का पंजीकृत कार्यालय होगा। विवरण के लिए कृपया इस वार्षिक आम सभा की सूचना देखें।
ii	वित्तीय वर्ष	01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022	
iii	रिकॉर्ड तिथि	शुक्रवार, 16 सितंबर, 2022	
iv	लाभांश भुगतान तिथि	28 अक्टूबर 2022 तक या उससे पहले	

वार्षिक रिटर्न <https://www.bhel.com/agm-related> पर उपलब्ध है।

v. लाभांश इतिहास:

बी.एच.ई.एल. द्वारा भुगतान किए गए लाभांश का विवरण (निवेशक शिक्षा संरक्षण कोष में अंतरण के लिए देय नहीं) संक्षेप में निम्नानुसार दिया गया है:

वर्ष	लाभांश की दर	लाभांश भुगतान की कुल राशि (रु. करोड़ में)	जिस तारीख को लाभांश घोषित किया गया था
2014-2015 (अंतिम)	31%	151.75	22.09.2015
2015-2016 (अंतिम)	20%	97.90	22.09.2016
2016-2017 (अंतरिम)	40%	195.81	07.02.2017*
2016-2017 (अंतिम)	39%	190.92	22.09.2017
2017-2018 (अंतरिम)	40%	293.72	08.02.2018*
2017-2018 (अंतिम)	51%	374.48	19.09.2018
2018-2019 (अंतरिम)	40%	278.57	05.02.2019*
2018-2019 (अंतिम)	60%	417.85	19.09.2019
2021-2022 (अंतिम)	20%	139.28	**

*निदेशक मंडल की बैठक की तिथि जिसमें अंतरिम लाभांश घोषित किया गया था।

**निदेशक मंडल ने 21 मई, 2022 को हुई अपनी बैठक में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अंतिम लाभांश की सिफारिश की, जो एजीएम में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

नोट:

- 2017-18 के दौरान, कंपनी ने अपने शेयरधारकों को 03.10.2017 को 1:2 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर आवंटित किए अर्थात् प्रत्येक दो पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयरों के लिए रु. 2 का एक पूर्ण प्रदत्त नया बोनस इक्विटी शेयर। नतीजतन, शेयरों की कुल संख्या 244.76 करोड़ से बढ़कर 367.14 करोड़ हो गई।
- 2018-19 के दौरान, कंपनी ने 18,93,36,645 पूरी तरह से चुकता इक्विटी शेयरों का बाय बैक किया, जो रिकॉर्ड तिथि (यानी मंगलवार, 06 नवंबर, 2018) के अनुसार कंपनी के शेयरधारकों से कंपनी की कुल जारी और चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 5.16% है। आनुपातिक आधार पर, "निविदा प्रस्ताव" प्रक्रिया के माध्यम से 86 (छियासी रुपये केवल) प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर नकद में देय रु. 1628.30 करोड़ के कुल प्रतिफल के लिए, परिणामस्वरूप, शेयरों की कुल संख्या 367.14 करोड़ से घटकर 348.21 करोड़ हो गई है।
- यदि किसी शेयरधारक ने पिछले सात वर्षों में से किसी के लिए लाभांश का दावा / प्राप्त नहीं किया है और उसे अभी तक निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में अंतरित नहीं किया गया है, तो वह निम्नलिखित का पालन करके इस अवैतनिक लाभांश का दावा कर सकता है। प्रक्रिया कंपनी की वेबसाइट (www-www.bhel.com) पर अपलोड कर दी गई है। वर्ष 2013-14 (अंतिम) और 2014-15 (अंतरिम) के लिए दावा न किए गए लाभांश को वर्ष 2021-22 के दौरान पहले ही निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में अंतरित कर दिया गया है। इसके अलावा वर्ष 2014-15 (अंतिम) के लिए दावा न किया गया लाभांश 22.10.2022 को आईईपीएफ को अंतरित किया जाना है।
- लाभांश/शेयरों के संबंध में जो आईईपीएफ को अंतरित किए गए हैं, शेयरधारक आईईपीएफ प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, अंतरण और वापसी) नियम, 2016 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आईईपीएफ प्राधिकरण से इसका दावा कर सकते हैं। ये नियम आईईपीएफ की वेबसाइट (www.iepf.gov.in) और कंपनी की वेबसाइट (www.bhel.com) पर उपलब्ध हैं।

vi. क) स्टॉक एक्सचेंजों और स्टॉक कोड पर लिस्टिंग

निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में बी.एच.ई.एल. के इक्विटी शेयर सूचीबद्ध हैं जिनके लिए 2021-22 लिस्टिंग शुल्क का भुगतान किया गया है :

स्टॉक एक्सचेंज का नाम	स्टॉक कोड
1. बीएसई लिमिटेड फिरोज जीजीभाय टावर्स, दलाल स्ट्रीट, मुंबई- 400 001	500103
2. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एक्सचेंज प्लाजा, प्लॉट नं। सी-1, ब्लॉक - जी, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051	बी एच ई एल

इसके अलावा, कंपनी द्वारा जारी वाणिज्यिक पत्र भी बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध हैं।

ख) डिपॉजिटरी को वार्षिक अभिरक्षक शुल्क का भुगतान

एनएसडीएल और सीडीएसएल को वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए वार्षिक कस्टोडियन शुल्क का भुगतान किया गया।

vii वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु एनएसडीएल और सीडीएसएल को वार्षिक कस्टोडियन शुल्क का भुगतान कर दिया गया है।

बीएसई और एनएसई में वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रत्येक माह के दौरान बी.

बाजार मूल्य डेटा: वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान उच्च, निम्न, बंद 2021-22										
माह	बीएसई				एनएसई				बाजार सूचकांक (बंद)	
	उच्च	निम्न	बंद	मात्रा	उच्च	निम्न	बंद	मात्रा	एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स	एन एस ई निफ्टी
	(₹ में)			शेयर की संख्या (करोड़ में)	(₹ में)			शेयर की संख्या (करोड़ में)		
अप्रैल -21	53.00	43.00	48.30	6.36	53.05	43.00	48.30	87.28	48782.36	14631.10
मई-21	77.70	47.45	71.05	18.60	77.70	47.40	71.05	301.85	51937.44	15582.80
जून 21	79.50	60.65	65.80	17.32	79.55	60.60	65.55	178.99	52482.71	15721.50
जुलाई 21	69.00	58.80	59.45	10.64	69.00	58.80	59.40	84.93	52586.84	15763.05
अगस्त -21	61.30	49.95	52.55	7.66	61.35	49.95	52.55	73.99	57552.39	17132.20
सितंबर -21	65.20	52.60	64.65	8.62	65.25	52.60	64.65	96.91	59126.36	17618.15
अक्टूबर -21	78.65	62.65	68.25	11.94	80.35	62.70	68.25	155.42	59306.93	17671.65
नवम्बर- 21	74.50	56.80	58.90	7.20	74.50	56.80	58.90	77.81	57064.87	16983.20
दिसम्बर -21	66.00	56.10	58.95	5.98	66.05	56.05	58.95	67.67	58253.82	17354.05
जनवरी -22	64.60	56.30	58.00	6.12	64.60	56.30	58.00	61.95	58014.17	17339.85
फरवरी-22	61.65	44.05	49.80	7.67	61.65	44.00	49.85	66.56	56247.28	16793.90
मार्च-22	53.10	47.45	49.35	4.76	53.10	47.50	49.35	50.31	58568.51	17464.75

स्रोत: www.bseindia.com@www.nseindia.com

एच.ई.एल. के उच्च, निम्न, बंद और मात्रा शेयरों और बाजार सूचकांक नीचे दिए गए हैं

viii. इनसाइडर ट्रेडिंग पर नीति

बी.एच.ई.एल. अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी की गोपनीयता को बनाए रखने और ऐसी जानकारी के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करता है। इस उद्देश्य के लिए और सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 1992 के अनुरूप, कंपनी ने 26 अगस्त, 2002 को 'इनसाइडर ट्रेडिंग की रोकथाम के लिए आचार संहिता' को अपनाया था, जिसे बाद में 29 जनवरी, 2009 से संशोधित किया गया था। निदेशक मंडल ने 6 अप्रैल, 2015 को आयोजित 469वीं बैठक में सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 के अनुरूप 'इनसाइडर्स द्वारा ट्रेडिंग और रिपोर्टिंग ट्रेडिंग के लिए आचार संहिता और निष्पक्ष प्रकटीकरण, 2015' को मंजूरी दी। सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) (संशोधन) विनियम, 2018 के लिए, निदेशक मंडल ने 01.04.2019 से प्रभावी नामित व्यक्तियों और उनके नजदीकी रिश्तेदारों द्वारा व्यापार को विनियमित और रिपोर्टिंग के लिए और निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए संशोधित बी.एच.ई.एल. आचार संहिता को भी मंजूरी दी थी। संहिता का उद्देश्य नामित व्यक्तियों और नामित व्यक्तियों के नजदीकी रिश्तेदारों द्वारा सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015, संशोधित के अनुपालन को प्राप्त करने के लिए व्यापार को विनियमित, निगरानी और रिपोर्ट करना है। संहिता अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के उचित प्रकटीकरण के लिए प्रथाओं और प्रक्रियाओं का भी प्रावधान करती है। इस कोड के तहत कंपनी के कॉर्पोरेट रणनीतिक प्रबंधन विभाग-प्रमुख, कंपनी के मुख्य

निवेशक संबंध अधिकारी हैं।

ix. (क) इक्विटी शेयरों के लिए रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए)

कंपनी ने बीएचईएल (भौतिक और डीमैट मोड दोनों) के इक्विटी शेयरों से संबंधित सभी मामलों को संभालने के लिए मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड को अपना रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) नियुक्त किया है। कंपनी के इक्विटी शेयरों से संबंधित सभी मामले जैसे समेकन, शेयर प्रमाणपत्रों का खो जाना, ट्रांसमिशन, डीमैटरियलाइजेशन, लाभांश, पते में परिवर्तन, आदि तथा संबंधित पत्राचार और प्रश्नों हेतु संपर्क किया जा सकता है:

मैसर्स अलंकित असाइनमेंट लिमिटेड यूनिट :
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, 4ई/2, अलंकित हाउस, झंडेवालान एक्सटेंशन,
नई दिल्ली-110055
दूरभाष: 011-42541234
फैक्स नं.: 011-23552001
ईमेल: rta@alankit.com
वेबसाइट: www.alankit.com

(ख) वाणिज्यिक पत्रों के लिए रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट :

मेसर्स केफिन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट 31-32, गाचीबोवली वित्तीय जिला- नानकरमगुडा, हैदराबाद- 500 032
दूरभाष : 040- 67162222
फैक्स नं. : 040- 23001153
ईमेल : einward.ris@kfintech.com
वेबसाइट : www.kfintech.com

शेयरधारकों की सेवा में आरटीए का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है। निवेशकों की सभी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया।

x. शेयर अंतरण पद्धति

भौतिक खंड के तहत सभी शेयर हस्तांतरण गतिविधियों जैसे दस्तावेजों की प्राप्ति / प्रेषण और उनका सत्यापन मेसर्स अलंकित असाइनमेंट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ (चौथा संशोधन) विनियम, 2018 के अनुसार, 01.04.2019 से, प्रतिभूतियों के हस्तांतरण (प्रतिभूतियों के संचरण या अंतरण के मामले को छोड़कर) को प्रभावी करने के अनुरोधों पर तब तक कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक कि प्रतिभूतियों को अभौतिकीकृत पत्र सूचीकरण विनियमों के अनुरूप, शेयर प्रमाण पत्र ट्रांसमिशन, ट्रांसपोजिशन, सब-डिवीजन और समेकन के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर जारी किए जा रहे हैं।

xi. शेयरधारिता का वितरण

क. 31 मार्च, 2022 की होल्डिंग के आकार के अनुसार शेयरों का वितरण

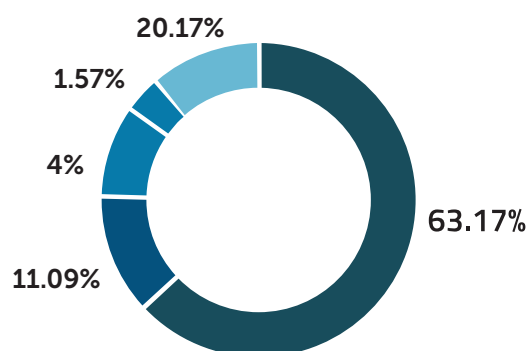
धारित इक्विटी शेयरों की संख्या	शेयरधारकों की संख्या	शेयरधारकों का %	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता का %
1 - 500	1099984	83.51	132821041	3.81
501 - 1000	107715	8.18	86166105	2.47
1001 - 2000	58129	4.41	87821479	2.52
2001 - 3000	19108	1.45	49292305	1.42
3001 - 4000	8385	0.64	30222611	0.87
4001 - 5000	6956	0.53	32951652	0.95
5001 - 10000	9937	0.75	73817971	2.12
10001 और उससे अधिक	7021	0.53	2988970191	85.84
कुल	1317235	100	3482063355	100

ii. 31 मार्च, 2022 तक शेयरधारिता पैटर्न

श्रेणी	2022		2021	
	वोटिंग शक्ति (%)	धारित शेयरों की संख्या	वोटिंग शक्ति (%)	धारित शेयरों की संख्या
प्रमोटर होल्डिंग				
भारतीय प्रमोटर-				
भारत के राष्ट्रपति (पीओआई)	63.17	2199650402	63.17	2199650402
कुल प्रमोटर होल्डिंग	63.17	2199650402	63.17	2199650402
गैर-प्रमोटर होल्डिंग				

श्रेणी	2022		2021	
	वोटिंग शक्ति (%)	धारित शेयरों की संख्या	वोटिंग शक्ति (%)	धारित शेयरों की संख्या
बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियाँ, योग्य संस्थागत खरीदार, वैकल्पिक निवेश कोष	11.09	386286711	12.31	428740274
विदेशी संस्थागत निवेशक (योग्य विदेशी निवेशक सहित)	4.00	139407793	4.47	155519893
म्युचुअल फंड और यूटीआई	1.57	54537776	1.33	46172073
अन्य				
व्यक्तिगत, एचयूएफ, कर्मचारी	18.36	639427887	16.65	579818714
कॉर्पोरेट निकाय	0.83	28818539	0.69	23948963
एनआरआई और विदेशी / इकाई	0.64	22123766	0.72	24980324
ट्रस्ट	0.02	610839	0.01	462075
क्लियरिंग सदस्य	0.31	10754500	0.64	22402985

31 मार्च, 2022 को शेयरधारिता विश्लेषण



- भारत के राष्ट्रपति
- बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियाँ, उपयुक्त आपस में, वैकल्पिक निवेश निधि
- विदेशी संस्थागत निवेशक (योग्य विदेशी निवेशकों सहित)
- म्युचुअल फंड और यूटीआई
- अन्य

श्रेणी	2022		2021	
	वोटिंग शक्ति (%)	धारित शेयरों की संख्या	वोटिंग शक्ति (%)	धारित शेयरों की संख्या
आईईपीएफ	0.01	435642	0.01	366052
निदेशक और रिश्तेदार	0	300	0	100
राज्य सरकार	0	9200	0	1500
कुल गैर प्रमोटर होल्डिंग	36.83	1282412953	36.83	1282412953
कुल योग	100.00	3482063355	100.00	3482063355

ग. 31 मार्च, 2022 तक कंपनी के 1% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों की सूची

श्रेणी एवं शेयरधारकों का नाम	31 मार्च 2022 तक	
	वोटिंग शक्ति	धारित शेयरों की संख्या
प्रमोटर		
भारत के राष्ट्रपति	63.17	2199650402
गैर-प्रमोटर		
भारतीय जीवन बीमा निगम	10.07	350647914

xii. शेयरों और चलनिधि का डीमैटरियलाइजेशन :

कंपनी को आवंटित अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन) INE257A01026 है। भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (सेबी) के निर्देशों के अनुसार, बी.एच.ई.एल. के शेयरों में सभी श्रेणियों के निवेशकों द्वारा 05 अप्रैल, 1999 से डीमैट रूप में व्यापार करना अनिवार्य कर दिया गया है। बी.एच.ई.एल. ने डीमैट मोड के अंतर्गत अपनी प्रतिभूतियों के प्रवेश के लिए देश के दोनों डिपॉजिटरी अर्थात् नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के साथ समझौता किया है। बी.एच.ई.एल. की कुल इक्विटी शेयर पूंजी का 99.97% (एनएसडीएल : 89.40%, सीडीएसएल रु 10.57%) शेयरधारकों द्वारा 31 मार्च, 2022 तक डीमैट मोड में रखा जा रहा है। शेयरधारकों द्वारा भौतिक मोड में रखे गए शेयर 0.03% हैं। भारत के माननीय राष्ट्रपति की शेयरधारिता (कंपनी के प्रमोटर होने के नाते कंपनी की चुकता शेयर पूंजी का 63.17% हिस्सा है) भी डिमैटरलाइज्ड रूप में/धारित है।

xiii. बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई परिवर्तनीय लिखत, रूपांतरण तिथि और इक्विटी पर संभावित प्रभाव: शून्य

xiv. निदेशक मंडल की मुख्य रिपोर्ट में वर्ष के दौरान प्राप्त क्रेडिट रेटिंग की सूची का खुलासा किया गया है।

xv. विदेशी मुद्रा जोखिम या कमोडिटी मूल्य जोखिम और प्रतिरक्षण (हेजिंग) गतिविधियां

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान प्रतिरक्षण (हेजिंग) गतिविधियां/लेनदेन निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति के अनुरूप हैं।

पूरे वर्ष इकाई द्वारा सामना किए गए कमोडिटी और कमोडिटी जोखिमों के लिए सूचीबद्ध इकाई का एक्सपोजर :

क) सूचीबद्ध इकाई का कमोडिटी में कुल एक्सपोजर: रु 3710 करोड़।

ख) विभिन्न वस्तुओं के लिए सूचीबद्ध इकाई का भौतिक जोखिम

वस्तु का नाम	विशेष कमोडिटी हेतु INR में एक्सपोजर (करोड़) (लगभग)	विशेष कमोडिटी हेतु मात्रा के संदर्भ में एक्सपोजर (मीट्रिक टन में) (लगभग)	एक्सपोजर कमोडिटी डेरिवेटिव्स के माध्यम से इस तरह के प्रतिशत			
			घरेलू बाजार		अंतराष्ट्रीय बाजार	
			ओटीसी	एक्सचेंज	ओटीसी	एक्सचेंज
स्टील	3104	362011				
कॉपर	544	6218				
एल्युमिनियम	25	1080				
निकल	32	230				
टिन	5	15				

ख) प्रमुख औद्योगिक वस्तुओं जैसे स्टील, कॉपर, एल्युमिनियम आदि की खरीद केंद्रीय रूप से चुनी गई इकाइयों में से एक द्वारा विभिन्न बी.एच.ई.एल. इकाइयों की आवश्यकताओं की समेकित कर जहां तक संभव हो, मूल्य लाभ प्राप्त करने के लिए की जा रही है। कंपनी कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचने के लिए, समय-समय पर फ्रेमवर्क समझौतों को अंतिम रूप दिया जाता है।

xvi. संयंत्र अवस्थिति

बीएचईएल – विनिर्माण इकाइयां	
बेंगलुरु	1. इलेक्ट्रॉनिक डिविजन (ईडीएन)
	2. इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिविजन (ईएसडी)
	3. सोलर बिजनेस डिविजन (एसबीडी)
भोपाल	4. हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट (एचईपी)
गोइंदवाल	5. इंडस्ट्रियल वाल्व प्लांट (आईवीपी)
हरिदवार	6. हेवी इलेक्ट्रिकल्स इक्विपमेंट प्लांट (एचईईपी)
	7. सेंट्रल फॉउंड्री फोर्ज प्लांट (सीएफएफपी)
हैदराबाद	8. हेवी पॉवर इक्विपमेंट प्लांट (एचपीईपी)
जगदीशपुर	9. फेब्रिकेशन, स्टेम्पिंग एंड इंसुलेटर प्लांट (एफएसआईपी)
झांसी	10. ट्रांसफॉर्मर प्लांट (टीपी)
रुद्रपुर	11. कम्पोजिट फेब्रिकेशन प्लांट (सीएफपी)
रानीपेट	12. बॉयलर ऑक्जिलरी प्लांट (बीएपी)
तिरुचिरापल्ली	13. हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट (एचपीबीपी)
	14. सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट (एसएसटीपी)
तिरुमयम	15. पॉवर प्लांट पाइपिंग यूनिट (पीपीपीयू)
विशाखापत्तनम	16. हेवी प्लेट्स एंड वेसेल्स प्लांट (एचपीवीपी)
बीएचईएल – रिपेयर यूनिट	
मुंबई	1. इलेक्ट्रिकल्स मशीन रिपेयर प्लांट (ईएमआरपी)
वाराणसी	2. हेवी इक्विपमेंट प्लांट (एचईआरपी)

पत्र व्यवहार हेतु पता

शेयरधारक कंपनी के शेयरों से संबंधित अपने प्रश्न और अन्य पत्राचार निम्नलिखित दिए गए पते पर किसी को भी भेज सकते हैं

मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड

यूनिट : बी.एच.ई.एल.

4ई/2, अलंकित हाउस, फोन : 011-42541234

झंडेवाला एक्सटेंशन फैक्स : 011-23552001

नई दिल्ली 110055 ईमेल : rta@alankit.com

अथवा

श्री राजीव कालरा फोन : 011-26001046

कंपनी सचिव फैक्स : 011-66337533

ईमेल : shareholderquery@bhel.in

बीएचईएल

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस

सिरी फोर्ट नई दिल्ली 110 049

नोट : इलेक्ट्रॉनिक मोड में शेयर रखने वाले शेयरधारक सभी पत्राचार में संबंधित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों को संबोधित करें ।

घोषणा: लिस्टिंग विनियमों के अनुसार, यह घोषित किया जाता है कि निदेशक मंडल के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए बी.एच.ई.एल. की "व्यापार आचरण और नैतिकता संहिता" के अनुपालन की पुष्टि की है।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
के निदेशक मंडल के लिए और उसकी ओर से

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 04.09.2022

निदेशकों की नॉन-डिस्क्वालिफिकेशन का प्रमाण पत्र

{सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015} के विनियम 34(3) और अनुसूची V के पैरा सी खंड 10(i) के अनुसार

सदस्य गण,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,

बी.एच.ई.एल. हाउस, सिरी फोर्ट,

नई दिल्ली-110049

हमने CIN: L74899DL1964GOI004281 वाले भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के निदेशकों से प्राप्त प्रासंगिक रजिस्टर, रिकॉर्ड, फॉर्म, रिटर्न और प्रकटीकरण की जांच की है और बीएचईएल हाउस, सिरी फोर्ट, नई दिल्ली -110049 में पंजीकृत कार्यालय है (आगे 'कंपनी' के रूप में संदर्भित है) । इस प्रमाणपत्र को जारी करने हेतु कंपनी द्वारा हमारे सामने प्रस्तुत किया गया है, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (सूचीकरण दायित्वों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनियम, 2015 की अनुसूची ट पैरा सी क्लॉज 10 (प) के साथ पठित विनियम 34(3) के अनुसार है।)

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और सत्यापन के अनुसार (www-mca-gov-in) पोर्टल पर निदेशकों की पहचान संख्या (डीआईएन) की यथास्थिति अनुसार) जैसा आवश्यक समझा गया और कंपनी तथा कंपनी के निदेशकों/अधिकारियों द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण/अभ्यावेदन के आधार पर हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि 31 मार्च, 2022 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए निम्नानुसार कंपनी के निदेशक मंडल में किसी भी निदेशक को भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल, इंडिया, कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय या ऐसा कोई अन्य सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से वंचित या अयोग्य नहीं ठहराया गया है।

क्रम सं.	निदेशक का नाम (डीआईएन के अनुसार)	डीआईएन	कम्पनी में नियुक्ति की तिथि
1	नलिन सिंघल	01176857	08-07-2019
2	शशांक प्रिय	08538400	04-10-2019
3	विजय मित्तल	09548096	25-03-2022
4	राज कमल बिंदल	07423392	31-01-2020
5	मनीष कपूर	02405818	31-01-2020
6	राज कुमार अग्रवाल	00001415	09-11-2021
7	शिवप्रसाद कोडंगल्लूर	09392812	09-11-2021
8	लेखाश्री सामंतसिंघर	09392192	09-11-2021
9	आदित्य प्रसाद	07840914	29-12-2021
10	सुबोध गुप्ता	08113460	18-04-2018
11	रेणुका गेरा	08970501	01-12-2020
12	उपिन्द्र सिंह मठारु	09541886	21-03-2022

निदेशक मंडल में प्रत्येक निदेशक की नियुक्ति/निरंतरता की पात्रता सुनिश्चित करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा उत्तरदायित्व है कि सत्यापन के आधार पर हम इन पर विचार व्यक्त करें। यह प्रमाणपत्र न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का परिचालन किया है।

पी पी अग्रवाल एंड कंपनी
कंपनी सचिव

कृते /— प्रमोद प्रसाद अग्रवाल
प्रोपराइटर

सीपी नं. : 10566 FCS: 4955

पीआरसी. नं. . 1241/2021

यूडीआईएन:

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 30-05-2022

कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन पर प्रमाण पत्र

सदस्यगण,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

- हमने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (CIN: L74899DL1964GOI004281) द्वारा कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की जांच की है, जैसा कि SEBI (लिस्टिंग ऑब्लिंगेशन्स एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) रेगुलेशन, 2015 (लिस्टिंग रेगुलेशन) में निर्धारित है और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) हेतु कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देश में निर्धारित किया गया है।
- कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जाँच उक्त विनियमों और दिशानिर्देशों में निर्धारित कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उसके कार्यान्वयन की समीक्षा तक सीमित रही है। यह न तो ऑडिट है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति है।
- हमारी राय में, हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा प्रबंधन द्वारा किए गए अभ्यावेदन के आधार पर, हम प्रमाणित करते हैं कि 09.11.2021 से कंपनी सीपीएसई हेतु डीपीई द्वारा जारी कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर लिस्टिंग विनियमों और दिशानिर्देशों में निर्धारित कॉर्पोरेट गवर्नेंस की सभी लागू शर्तों के अनुपालन में है। इस तिथि से पहले, कंपनी लिस्टिंग विनियमों के विनियम 17(1) (ए) और (बी) के प्रावधानों और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 3.1.4 का अनुपालन करने में असमर्थ थी, क्योंकि कंपनी के पास दिनांक 08.11.2021 तक कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित इसके निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या अपेक्षानुसार नहीं थी।
- बी.एच.ई.एल. कंपनी ने स्पष्ट किया है कि सरकारी कंपनी होने के नाते, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। निदेशक मंडल में आवश्यक संख्या में स्वतंत्र निदेशकों (कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) की नियुक्ति के लिए कंपनी, भारत सरकार के साथ लगातार संपर्क में थी। दिनांक 09.11.2021 से तीन स्वतंत्र निदेशकों (एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) की नियुक्ति के अनुसरण में, कंपनी विनियमों के प्रावधानों का अनुपालन से कर रही है।
- इस संदर्भ में, इस तरह का अनुपालन प्रमाणपत्र न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में है जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का परिचालन किया है।

अग्रवाल एस एंड एसोसिएट्स हेतु,

कंपनी सचिव,

आईसीएसआई यूनिक कोड : P2003DE049100

—कृते /—

सीएस अजय कुमार चौधरी

पार्टनर एसीएस नं.: 51674

सीपी नं. : 21297

यूडीआईएन : A051674D000439490

दिनांक : 31-05-2022

स्थान : नई दिल्ली

फार्म नं. एम आर 3

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

खकंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 9 के अनुसार,

सेवा में,

सदस्य गण,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,

हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, CIN: L74899DL1964GOI004281 (इसके बाद यहां इसे 'कंपनी' या 'बीएचईएल' कहा जाएगा) द्वारा लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन और अच्छे कॉर्पोरेट प्रथाओं के पालन का सचिवीय लेखा परीक्षा आयोजित की है। सचिवीय लेखा इस तरह से आयोजित किया गया था जिससे हमें कॉर्पोरेट आचरण/सांविधिक अनुपालन का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए एक उचित आधार प्रदान किया गया।

बीएचईएल की पुस्तकों, कागजात, कार्यवृत्त पुस्तकों, प्रपत्रों और कंपनी द्वारा रखे गए रिटर्न और अन्य अभिलेखों के सत्यापन और कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा सचिवीय लेखा परीक्षा के दौरान प्रदान की गई जानकारी के आधार पर, हम एतद्वारा रिपोर्ट करते हैं कि हमारे विचार में, कंपनी ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु लेखापरीक्षा अवधि के दौरान यहां सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया है तथा कंपनी के पास उचित निदेशक मंडल प्रक्रियाएं और अनुपालन-तंत्र भी है जो की गई रिपोर्टिंग की रीति में और इसके बाद की गई रिपोर्टिंग के अधीन है।

हमने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए बी.एच.ई.एल. द्वारा दर्ज की गई पुस्तकों, कागजात, कार्यवृत्त पुस्तकों, प्रपत्रों और दाखिल रिटर्न और अन्य अभिलेखों की जांच निम्न प्रावधानों के अनुसार की है :

- (i) कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियम
- (ii) प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 ('एस सीआरए') और उसके तहत बनाए गए नियम
- (iii) डिपॉजिटरी एक्ट, 1996 और उसके तहत बनाए गए विनियम और उपनियम
- (iv) विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 तथा इसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों को प्रत्यक्ष विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और विदेशी वाणिज्यिक ऋण
- (v) भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के अंतर्गत निम्नलिखित विनियम और दिशा-निर्देश :
 - (a) भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और प्रबंध ग्रहण) विनियम, 2011
 - (b) भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (इनसाइडर ट्रेडिंग का प्रतिषेध) विनियम, 2015
 - (c) भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (पूंजी का निर्गम और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2018
 - (d) भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (कर्मचारी स्टॉक चयन योजना तथा कर्मचारी स्टॉक खरीद योजना) दिशानिर्देश, 1999
 - (e) भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2008य
 - (f) भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (इश्यू के लिए रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता) विनियम, 1993 कंपनी अधिनियम और ग्राहक के साथ कार्य करने वाले
 - (g) भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (शेयरों को सूची से बाहर करना) विनियम, 2021 और
 - (h) भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (प्रतिभूतियों की वापसी खरीद) विनियम, 2018

(अ) अन्य विशिष्ट लागू कानूनों (उद्योग पर लागू) के तहत अनुपालनप्रक्रियाएं/धसिस्टम, जिसमें नीचे सूचीबद्ध है (कंपनी के निदेशक मंडल को प्रस्तुत आंतरिक अनुपालन प्रणाली के तहत आवधिक प्रमाण पत्र के आधार पर सत्यापित किया जा रहा है)

- 1) परमाणु ऊर्जा (विकिरण संरक्षण) नियम, 2004
- 2) बैटरी (प्रबंधन और हैंडलिंग) नियम, 2001
- 3) कारखाना अधिनियम, 1948
- 4) भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 तथा
- 5) खतरनाक रासायनिक नियम, 1989 का विनिर्माण, भंडारण और आयात। हमने निम्नलिखित के लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है:-

भारत के कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी अनिवार्य सचिवीय मानक

(इ) भारतीय प्रतिभूति विनियम निदेशक मंडल (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड के साथ इक्विटी लिस्टिंग समझौते तथा

(ब) सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर डीपीई दिशा निर्देश (डीपीई दिशानिर्देश)।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी ने उपरोक्त उल्लिखित अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशा निर्देशों, मानकों आदि के प्रावधानों का पालन किया है, जो निम्नलिखित अवलोकन के अधीन है।

01.04.2021 से 08.11.2021 की अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना भारतीय प्रतिभूति और विनियम निदेशक मंडल (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशा निर्देश डीपीई के पैरा 3.1.4 के विनियम 17 (1) (ए) और (बी) के अनुपालन में नहीं थी। क्योंकि कंपनी के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों (कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) की अपेक्षित संख्या नहीं थी।

कंपनी ने स्पष्टीकरण किया है कि भारत की एक सरकारी कंपनी होने के नाते, बीएचईएल के लिए स्वतंत्र निदेशकों का चयन सरकार द्वारा किया जाता है। तीन स्वतंत्र निदेशकों (एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) की नियुक्ति के अनुसरण में, कंपनी ने लागू सेबी लिस्टिंग विनियमों और 09.11.2021 से लागू डीपीई दिशा निर्देशों के प्रावधानों का अनुपालन किया है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान हुए निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए थे। आम तौर पर, सभी निदेशकों को निदेशक मंडल की बैठकों को शेड्यूल करने के लिए पर्याप्त नोटिस दिया जाता है, एजेंडा और एजेंडा पर विस्तृत नोट्स कम से कम सात दिन पहले भेजे गए थे और बैठक से पहले एजेंडा आइटम पर और जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और प्राप्त करने के लिए एक प्रणाली मौजूद है। बैठक में सार्थक भागीदारी। कम समय के नोटिस पर एजेंडा भेजने सहित बैठक बुलाने के मामले में बैठक में उपस्थित सदस्यों की सहमति ली गई। निदेशक मंडल/समिति की बैठक (बैठकों) में किए गए सभी निर्णय बैठक के दौरान उपस्थित सभी निदेशकों/सदस्यों की सर्वसम्मति सहमति से किए गए।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के आकार और परिचालन के अनुरूप कंपनी में पर्याप्त प्रणालियां और प्रक्रियाएं हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखा परीक्षा अवधि के दौरान, कंपनी में उपरोक्त संदर्भित कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के अनुसरण में कंपनी के मामलों पर प्रमुख प्रभाव डालने वाली कोई विशिष्ट घटना/कार्रवाई नहीं हुई है।

अग्रवाल एस एंड एसोसिएट्स,

कंपनी सेक्रेटरीज,

आईसीएसआई यूनिक कोड: P2003DE049100

पीयर रिव्यू सर्टिफिकेट के लिए। नंबर: 626/2019

कृते -

अजय कुमार चौधरी पार्टनर

ACS No. : 51674

C.P No. : 21297

UDIN: A051674D000493654

दिनांक: 15.06.2022

स्थान: नई दिल्ली

इस रिपोर्ट को हमारे सम तिथि पत्र के साथ पढ़ा जाना है जो कि "अनुलग्नक क" के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग है।

अनुलग्नक क

सेवा में,
सदस्यगण,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट इस पत्र के साथ पढ़ी जाए।

- (i) सचिवीय अभिलेखों का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। लेखापरीक्षा के लिए हमारे समक्ष प्रस्तुत किए गए अभिलेखों के हमारे निरीक्षण के आधार पर, इन सचिवीय अभिलेखों पर एक राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है।
- (ii) हमने सचिवीय अभिलेखों की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त लेखापरीक्षा प्रथाओं और प्रक्रियाओं का पालन किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्य परिलक्षित होते हैं, परीक्षण के आधार पर सत्यापन किया गया था। हम मानते हैं कि प्रक्रियाओं और प्रथाओं का पालन हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करता है।
- (iii) हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और लेखा पुस्तकों की शुद्धता और उपयुक्तता का सत्यापन नहीं किया है और हमारी रिपोर्ट में अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा पहले ही बताई गई टिप्पणियों/धटिप्पणियों/धकमियों को शामिल नहीं किया गया है।
- (iv) जहां कहीं आवश्यक हो, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं आदि के होने के बारे में प्रबंधन का प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।
- (v) कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी परीक्षा परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी और हमारी राय देने के लिए कि कंपनी के पास उचित निदेशक मंडल-प्रक्रियाएं और अनुपालन-तंत्र है या नहीं।
- (vi) सेक्रेटरीयल ऑडिट रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस प्रभावोत्पादकता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का परिचालन किया है। अग्रवाल एस एंड एसोसिएट्स,

कंपनी सेक्रेटरीज,

आईसीएसआई यूनिट कोड: P2003DE049100

पीयर रिव्यू सर्टिफिकेट के लिए। नंबर: 626/2019

—

कृते —

अजय कुमार चौधरी

पार्टनर

ACS No. :51674

C.P No. :21297

दिनांक : 15.06.2022

स्थान : नई दिल्ली

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक -III

सीईओ और सीएफओ प्रमाणन

(सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनियम 17(8) के अनुसरण में)

सेवा में,

निदेशक मंडल

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,

नई दिल्ली

(क) हमने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के कैश फ्लो स्टेटमेंट की समीक्षा की है और हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार:

- इन विवरणों में कोई भौतिक रूप से असत्य कथन नहीं है या किसी भी भौतिक तथ्य को छोड़ दिया गया है या ऐसे बयान शामिल हैं जो भ्रामक हो सकते हैं;
- ये विवरण एक साथ कंपनी के मामलों का एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं और लागू इंड-एएस, कानूनों और विनियमों के अनुपालन में हैं।

(ख) हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी द्वारा कोई भी ऐसा लेनदेन नहीं किया गया है जो कपटपूर्ण, अवैध या कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन है।

(ग) हम वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं और हमने वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है और हमने लेखा परीक्षकों और लेखा परीक्षा समिति को डिजाइन में कमियों का खुलासा किया है। या ऐसे आंतरिक नियंत्रणों का परिचालन, यदि कोई हो, जिनके बारे में हम जानते हैं और इन कमियों को दूर करने के लिए हमने जो कदम उठाए हैं या उठाने का प्रस्ताव किया है।

(घ) हमने लेखा परीक्षकों और लेखा परीक्षा समिति को संकेत दिया है

- वर्ष 2021-22 के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण परिवर्तन, यदि कोई हों;
- वर्ष 2021-22 के दौरान लेखांकन नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन, यदि कोई हों, और उन्हें वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में प्रकट किया गया है;
- वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रबंधन या कर्मचारी की महत्वपूर्ण धोखाधड़ी के उदाहरण, जिसके बारे में हमें पता चला है और उसमें भागीदारी, यदि कोई हो।



सुबोध गुप्ता
निदेशक वित्त



डॉ. नलिन सिंघल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 21 मई 2022



संधारणीयता
एवं कॉर्पोरेट
सामाजिक
दायित्व



कंधमाल, ओडिशा के विभिन्न गांवों में सामुदायिक नर्सरी गठित बनाने का प्रशिक्षण – सीएसआर परियोजना “फाइनैशियल सपोर्ट फॉर डेवलपमेंट एक्शन” (PRADAN) को वित्तीय सहायता

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV

4.1 सततता और सीएसआर

सतत निष्पादन पर्यावरण

संधारणीय विकास के सिद्धांतों को हमारी प्रबंधन रूपरेखा में शामिल किया गया है और हमारी निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा है। इन निर्णयों से उत्पन्न विवरण ‘सतत व्यापार समाधान प्रदान करना’ में उचित रूप से परिलक्षित होता है। और उन निर्णयों के परिणामस्वरूप की जाने वाली गतिविधियों में हमारा मिशन वाक्य “ऊर्जा, उद्योग एवं अधोसंरचना के क्षेत्र में सतत व्यवसायिक निवास प्रदान करना” उचित रूप से परिलक्षित होता है।

बीएचईएल समूची विनिर्माण मूल्य श्रृंखला पर पर्यावरण प्रभाव का जिम्मेदारी से प्रबंधन करता है। आंतरिक रूप से, समाज के व्यापक हित में सामग्री, जल, ऊर्जा, उत्सर्जन और जैव विविधता के प्रमुख पहलुओं के अधिकतम प्रबंधन के लिए विभिन्न पहल की जा रही हैं। हमारी सभी गतिविधियों को पर्यावरण के प्रति अत्यंत सम्मान के साथ किया जाता है और वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए प्राकृतिक संसाधनों की जिम्मेदार खपत के संदर्भ में 3-आर (रिसाइकिल-रीसाइकिल-रीस्टोर्स) की अवधारणा को आत्मसात करने सहित, अधिक टिकाऊ की ओर बढ़ रहा है। ऊर्जा मिश्रण, ऊर्जा दक्षता/संरक्षण उपायों के माध्यम से मांग पक्ष प्रबंधन, जल और जैव विविधता संरक्षण, निर्धारित सीमा के भीतर उत्सर्जन का प्रबंधन, आदि। इसके अलावा, हमारी मूल्य श्रृंखला के भीतर, वर्षों में बनाई गई अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग करते हुए, हम अपने ग्राहकों को ऐसे उत्पाद प्रदान कर रहे हैं जो पर्यावरण के अनुकूल हैं – लंबे समय तक चलने वाले, कुशल होने और प्राकृतिक संसाधनों की कम मात्रा का उपयोग करने के साथ-साथ अपने परिचालन चरण के दौरान उत्सर्जन को कम करना, मौजूदा बिजली संयंत्रों में उत्सर्जन की कम करना, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रभाव कम हो जाते हैं। आरएंडएम के साथ-साथ जीवन विस्तार सेवाओं के माध्यम से उत्पाद प्रदर्शन में सुधार करने का हमारा निरंतर प्रयास, उत्सर्जन को कम करने के लिए एयुएससी और कोयला गैसीकरण जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियां प्रदान करना, हाइड्रो और परमाणु क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक समाधान की पेशकश के साथ-साथ एफजीडी की रेट्रोफिटिंग और मौजूदा बिजली संयंत्रों के उत्सर्जन को कम करने के लिए एससीआर प्राकृतिक संसाधनों के कुशल और टिकाऊ उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कदम हैं।

वर्ष 2021-22 के दौरान की गई इनमें से कुछ पहलों का विवरण नीचे के अनुभागों में दिया गया है।

4.1.1 उत्तरदायी सामग्री एवं प्राकृतिक संसाधन उपभोग

उत्तरदायी कॉर्पोरेट नागरिक के रूप अनेक उत्पादों और प्रणालियों के विनिर्माण करते हुए उत्पादन और उपभोग के लिए प्राकृतिक संसाधनों का कम से कम उपयोग किया जा रहा है। हम समझते हैं कि संसाधनों का कुशल उपयोग और दीर्घकाल में लाभप्रदता में सुधार लागत में कमी के साथ भी है। उन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए 3-आर (रिसाइकिल-रीसाइकिल-रीस्टोर्स) के सिद्धांतों को निष्ठापूर्ण रूप से लागू किया जा रहा है। परियोजना स्थलों पर पड़ी अतिरिक्त सामग्री का उपयोग, ातु की बर्बादी को कम करने के लिए तैयार की गई ातु की शीटों को काटने की योजना, आदि शामिल हैं, इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। वर्ष के दौरान कार्यान्वित की गई कुछ पहलों में शामिल हैं। विभिन्न कास्टिंग्स के निर्माण के लिए फाउंड्री शॉप में 275 एमटी माइल्ड स्टील स्क्रेप की रिसाइक्लिंग और 500 किलोग्राम प्रतिदिन के कंटेनरीकृत बायोगैस संयंत्र का निर्माण है।

4.1.2 ऊर्जा प्रबंधन

हमारे परिसर में ऊर्जा का सतत उपयोग व्यावसायिक निर्णय लेने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण तत्व है। संगठन में ऊर्जा दक्षता/संरक्षण के प्रयास निरंतर आधार पर किए जाते हैं। हमारी विनिर्माण इकाइयों में से कुछ ऊर्जा सघन हैं और ऊर्जा संरक्षण के लिए ऊर्जा दोहन की पहचान करने के लिए हमने तृतीय पक्ष लेखा परीक्षा के माध्यम से ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली प्रमाणपत्र (आईएसओ 15001) शुरू किया। ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए, हम अपने पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था और फिक्स्चर को ऊर्जा कुशल प्रणालियों के साथ बदल रहे हैं। बीएचईएल में पुराने एसी को अधिक कुशल 4/5 स्टार रेटेड सिस्टम से प्रतिस्थापित करना और स्वचालित पावर कंट्रोलर (एपीएफसी) सिस्टम की स्थापना भी नियमित विशेषताएं हैं। वर्ष 2021-22 के दौरान की गई नई पहलों में चुनिंदा सब स्टेशनों में एपीएफसी पैनलों की स्थापना और एचपीईपी हैदराबाद में फेक्ट्री पावर फैक्टर को यूनिटी के करीब रखने के लिए एचटी कैपेसिटर बैंकों का परिचालन, ईडीएन बेंगलुरु में पर्यावरण के अनुकूल रेफ्रिजरेट एयर-कूल्ड सिस्टम की स्थापना, सिस्टम की स्थापना, सीएफएफपी

हरिद्वार में भट्टियों को फिर से गर्म करने के लिए पारंपरिक से पुनर्योजी बर्नर आधारित दहन प्रणाली, अन्य के बीच उन्नयन आदि शामिल हैं।

इसके अलावा, बीएचईएल हरिद्वार में नई पहल से सरकारी भवनों के लिए एमएनआरई योजना (रेस्को मॉडल) के तहत 1 मेगावाट क्षमता के ग्रिड-कनेक्टेड रूफ टॉप सोलर पीवी सिस्टम की स्थापना की गई है। इस योजना के अंतर्गत बीएचईएल के किसी भी पूंजी निवेश के बिना 25 वर्षों हेतु एक निश्चित टैरिफ पर लगभग 1.2 मिलियन यूनिट/वर्ष उत्पन्न होने की संभावना है। पूरे संगठन में, 2021-22 के दौरान 27.17 मिलियन यूनिट हरित ऊर्जा का उत्पादन किया गया जिससे पिछले 5 वर्षों के दौरान सौर प्रणालियों द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा 130 मिलियन यूनिट से अधिक हो गई है।



बीएचईएल हरिद्वार में कौटिब विद्युत उत्पादन के लिए 5 मेगावाट घरेलू सौर पीवी संस्थापन

4.1.3 जल और जैव विविधता प्रबंधन

जल एक बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन है और जल एवं अपशिष्ट जल का स्थायी रूप से प्रबंधन करना तथा हमारे परिसर में हरित क्षेत्र को बढ़ाना हमारी व्यावसायिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण तत्व हैं। छत पर वर्षा जल

संग्रहण प्रणाली, भूजल पुनर्भरण गड्ढों/तालाब/झील/कुओं सहित 126 वर्षा जल संचयन प्रणालियाँ हैं जो वर्षा जल के संग्रहण और भूजल के पुनर्भरण को सक्षम बनाती हैं। इसके अलावा बीएचईएल की विभिन्न इकाइयों में भूजल प्रबंधन के लिए कुल 22 गंदे जल का उपचार संयंत्र और 16 सीवेज उपचार संयंत्र स्थापित किए गए हैं। हमारी अधिकतर इकाइयाँ जीरो लिक्विड डिस्चार्ज इकाइयाँ हैं। इसके अतिरिक्त हरित पट्टी को बनाए रखने के लिए, हमारे प्रतिष्ठानों में उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग बागवानी हेतु किया जाता है जिससे हमें शुद्ध जल की मांग कम करने में मदद प्राप्त होती है।

वर्ष 2021-22 के दौरान की गई कुछ विशिष्ट गतिविधियों में एचईपी भोपाल में शामिल है। बरखेड़ा में 7000 घन मीटर क्षमता के वर्षा जल रिचार्जिंग तालाब का निर्माण, ईडीएन बेंगलुरु में परकोलेशन पिट्स के माध्यम से लगभग 17 एकड़, जलग्रहण क्षेत्र से स्टार्म वाटर प्राप्त करना, एचईईपी हरिद्वार में 7 एमएलडी एसटीपी की स्थापना और सिरोपरी सौर पैनलों की सफाई के लिए पुनर्नवीनीकरण औद्योगिक पानी का उपयोग आदि।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान हमारे हरे-भरे आवरण को बढ़ाने की दिशा में हमारा प्रयास जारी रहा और हमारी भोपाल इकाई में 30,000 से अधिक पौधे लगाए गए। पिछले वर्ष के दौरान पूरे संगठन में और इसके संसाधनों के आसपास के क्षेत्र में 68,000 से अधिक पौधे लगाए गए थे तथा पिछले पाँच वर्षों के दौरान लगाए गए पौधों की संख्या 2,12,000 से अधिक थी जो भविष्य में कार्बन सिंक के रूप में कार्य करेगी।

बीएचईएल उत्तर करनपुरा और पतरातू परियोजनाओं के लिए देश के सबसे बड़े एयर कूल्ड कंडेनसर की आपूर्ति कर रहा है जो थर्मल पावर प्लांटों में पानी की खपत को कम करने में मदद करेगा और इस तकनीक के इन-हाउस विकास के लिए कई प्रकार के अनुप्रयोगों हेतु प्रयास शुरू किए गए हैं।

4.1.4 कार्बन प्रबंधन

ऊर्जा संरक्षण/दक्षता की दिशा में हमारे प्रयास जैसे, परिसर में हरियाली बढ़ाना, स्वच्छ उत्पादों का विकास, परिचालन में स्वच्छ ईंधन का उपयोग तथा जहाँ भी संभव हो पाइपड गैस का उपयोग, ये सभी कार्बन उत्सर्जन को कम करने में हमारी मदद करते हैं।



बीएचईएल हरिद्वार में 7 एमएलडी सीवेज शोधन संयंत्र



बीएचईएल नोएडा टाउनशिप में माननीय केन्द्रीय मंत्री (एचआई) द्वारा पौधा रोपण

बीएचईएल ने अपनी इकाइयों में 29 MWP (रूफटॉप के साथ-साथ ग्राउंड माउंटेड सोलर प्लांट) से अधिक क्षमता वाले सोलर सिस्टम स्थापित किए हैं। इस बड़े पैमाने पर स्थापना ने 2021-22 के दौरान 25,540 मीट्रिक टन CO₂-समतुल्य कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। अच्छी तरह से बनाए रखा और लगातार बढ़ता हुआ आवरण भी कार्बन पृथक्करण की दिशा में काफी योगदान दे रहा है। प्रक्रियाओं में ऊर्जा दक्षता/संरक्षण ने बीएचईएल के स्कोप -2 उत्सर्जन को कम करने में मदद की है और हरिद्वार इकाई में एलपीजी से आरएलएनजी में भट्टियों को परिवर्तित करने से सड़क के माध्यम से ईंधन की दुलाई से जुड़े स्कोप -3 उत्सर्जन में कटौती करने में मदद मिली है।

4.1.5 अपशिष्ट प्रबंधन

बीएचईएल एक विनिर्माण संगठन है जो बड़ी मात्रा में कच्चे माल का उपयोग करता है और इसे कम से कम करने की दिशा में काम करता है और साथ ही इसे यथासंभव पुनः उपयोग करने का प्रयास करता है। उत्पन्न होने वाले लगभग सभी गैर-खतरनाक कचरे को या तो रीसाइक्लिंग / पुनः उपयोग के माध्यम से घर में उपयोग किया जाता है या अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं को भेजा जाता है। एचईईपी हरिद्वार, एचपीबीपी त्रिची, एचईआरपी वाराणसी, एफएसआईपी जगदीशपुर आदि इकाइयों में उत्पन्न खाद्य अपशिष्ट का उपयोग बागवानी के लिए वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए किया जाता है। वर्ष 2021-22 के दौरान, इस दिशा में की गई प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं : ईडीएन बंगलुरु में उत्पन्न लगभग 583 मीट्रिक टन स्क्रेप और एचपीईपी हैदराबाद में 6650 मीट्रिक टन को अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं के माध्यम से पुनर्नवीनीकरण किया गया, 275 मीट्रिक टन के एमएस स्क्रेप का उपयोग एचपीईपी हैदराबाद इकाई में विभिन्न कास्टिंग के निर्माण में फाउंड्री शॉप में किया गया, सीएफएफपी हरिद्वार में पुनः उपयोग के लिए इस क्षेत्र की 20% (लगभग) किया गया।

संगठन में सभी अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का ईमानदारी से पालन किया जाता है और प्रारूपों के अनुसार उसका रिटर्न दाखिल किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्लास्टिक प्रदूषण के संकट से लड़ने के लिए हमारे सभी 14 टाउनशिप को 'सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री' के रूप में थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है और इसे वर्ष के दौरान पुनः प्रमाणित किया गया है।

4.2 सतत प्रदर्शन – सामाजिक

बीएचईएल ने अपनी सीएसआर पहलों के लिए सात प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है। इन सात प्रमुख क्षेत्रों का बीएचईएल की सीएसआर नीति में विस्तृत वर्णन किया गया है।



कर्नाटक राज्य में कोविड-19 से लड़ने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, बेंगलूर शहरी, बेंगलूर ग्रामीण, चिक्कबल्लापुर और कोलार जिलों को हैंड सैनिटाइजर, थर्मल स्कैनर और मास्क प्रदान किया गया

इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सभी गतिविधियां, कंपनी अधिनियम- 2013 की अनुसूची VII में उल्लिखित गतिविधियों और क्षेत्रों के अनुरूप हैं। इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वर्ष के दौरान कुछ प्रमुख विषयों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

स्वच्छ भारत

- बीएचईएल ने हरिद्वार और ऋषिकेश में बायो-डाइजेस्टर शौचालयों के निर्माण हेतु अपने सीएसआर कार्यक्रम को जारी रखा। इन बायो-डाइजेस्टर शौचालयों के टेईस कलस्टर का निर्माण पूरा कर लिया गया है।

शिक्षित भारत

- इस्कॉन के माध्यम से दिल्ली एनसीआर में केवीएस छात्रों के लिए स्वास्थ्य और कैरियर परामर्श के बाद 'यू कैन बी हैप्पी' श्रृंखला की पुस्तकों के वितरण के लिए वित्तीय सहायता।
- राजकीय पॉलिटेक्निक, निजामाबाद, तेलंगाना में बालकों और बालिकाओं के छात्रावास हेतु भवनों का निर्माण।

स्वस्थ भारत

बीएचईएल ने अपने कार्यक्रम 'हील-ए-सोल' को जारी रखा और भारत के विभिन्न आकांक्षी जिलों में हीमोफिलिया के रोगियों को एंटी हीमोफिलिक फैक्टर (एचएफ) प्रदान किया।



उत्तर प्रदेश के वाराणसी और चंदौली में 12 स्थानों पर सुलभ शौचालय परिसर के निर्माण, परिचालन और अनुरक्षण के लिए वित्तीय सहायता



सीएसआर कार्यक्रम "हील-ए-सोल-1, II - III" की कड़ी में हील-ए-सोल-PT" के अंतर्गत गरीब हीमोफिलिक रोगियों को एंटी हेमोफिलिक फैक्टर (एएचएफ) का वितरण किया गया



बीएचईएल की हेल्पएज इंडिया के साथ सीएसआर पहलों के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के नोएडा में मोबाइल स्वास्थ्य सेवा इकाई को/वज दिखाकर आरंभ किया गया

- उत्तर प्रदेश के वाराणसी और चंदौली जिलों में 12 स्थानों पर सुलभ शौचालय परिसर के निर्माण, परिचालन तथा रखरखाव हेतु सुलभ अंतरराष्ट्रीय समाज सेवा संगठन को वित्तीय सहायता ।
- बीएचईएल ने सतपुड़ा (मध्य प्रदेश), बीकानेर (राजस्थान) और नोएडा (उत्तर प्रदेश) में एक-एक मोबाइल हेल्थकेयर यूनिट (कुल- 03 यूनिट) की सेवा प्रदान करने के लिए हेल्प-एज इंडिया को अपनी वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखी ।



बीएचईएल द्वारा समर्थित जन आरोग्य सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम संगेल, जिला नुह, हरियाणा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

8230 व्यक्तियों को कवर करते हुए कुल 89 नेत्र जांच शिविर आयोजित किए गए। मोतियाबिंद की कुल 1996 निःशुल्क सर्जरी की गई ।

- आंखों की देखभाल, कान की देखभाल, प्लास्टिक सर्जरी, हड्डी रोग और दंत चिकित्सा जैसी प्रमुख बीमारियों के इलाज के लिए पनकी रेलवे स्टेशन, कानपुर (यूपी) पर स्थित 'लाइफलाइन एक्सप्रेस - ट्रेन में अस्पताल' के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन को वित्तीय सहायता । इसमें ग्रामीण आबादी और स्थानीय चिकित्सा कर्मचारियों के लिए जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम भी शामिल है। परियोजना को 5 जुलाई, 2021 से 24 जुलाई 2021 तक बढ़ा दिया गया था, जिसमें 3852 परिवारों के कुल 7029 व्यक्ति लाभार्थी थे।
- बीएचईएल ने 0-19 आयु वर्ग के 200 बच्चों को चिकित्सा सहायता और पूरे भारत में कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए अस्पतालों और उपशामक देखभाल केंद्र (आकांक्षी जिलों को कवर करते हुए) के लिए चिकित्सा उपकरण प्रदान करने के लिए गैर सरकारी संगठन - 'कैन-किड्स किड्स-कैन' को अपनी वित्तीय सहायता जारी रखी ।
- ग्राम अडसर, तहसील श्रीडुंगरगढ़, बीकानेर में वर्षा जल निकासी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय सहायता ।

समावेशी भारत

- वाराणसी में हेरिटेज स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम की स्थापना के लिए नगर आयुक्त, वाराणसी को वित्तीय सहायता ।
- बीएचईएल ने "ओडिशा के आकांक्षी जिले कंधमाल में आर्थिक परिवर्तन (मार्केट) के लिए कंधमाल के कृषि समुदायों को अभिप्रेरित करना।" नामक परियोजना के लिए 'प्रोफेशनल असिस्टेंस फॉर डेवलपमेंट एक्शन (प्रदान)' को अपनी वित्तीय सहायता जारी रखी गांव संगैल, नूह ब्लॉक, जिला नूह (आकांक्षी जिला), हरियाणा में स्वास्थ्य क्लिनिक के लिए चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता ।

- बिहार और झारखंड में मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी के लिए 'नव भारत जागृति केंद्र (एनबीजेके), हजारीबाग (झारखंड)' को वित्तीय सहायता ।

4.3 सीएसआर गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट

(कंपनी की (सीएसआर नीति) नियम, 2014 की आवश्यकता के अनुसार)

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूप-रेखा पर (अनुलग्नक- क)
2. सीएसआर समिति की संरचना

क्र. सं.	निदेशक का नाम	निदेशक पद का प्रकार/पदनाम	वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की सं.	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों में उपस्थिति की सं.
1	मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	2	2
2	राजेश शर्मा स्वतंत्र निदेशक (फरवरी 13, 2022 तक)	सदस्य	2	2
3	डॉ. के शिवप्रसाद स्वतंत्र निदेशक (दिसंबर 12, 2021 से)	सदस्य	1	1
4	आदित्य प्रसाद साहू स्वतंत्र निदेशक (फरवरी 14, 2022 से)	सदस्य	0	0
5	निदेशक (वित्त)	सदस्य	2	2
6	निर्देशक (मा. सं.) (फरवरी 13, 2022 तक)	सदस्य	2	2

प्रमुख (सीएसआर), कॉर्पोरेट कार्यालय स्थायी आमंत्रि है। कंपनी सचिव ही समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

3. कंपनी की वेबसाइट का वेब-लिंक दें जहाँ पर सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित सीएसआर प्रोजेक्ट्स का सार्वजनिक रूप से दिखाया गया है। वेब लिंक – <https://www.bhel.com/csr>
4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के उप-नियम (3) (यदि लागू हो) के अनुसरण में किए गए सीएसआर प्रोजेक्ट्स के प्रभाव आकलन/मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें (रिपोर्ट संलग्न करें)।

1 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के पूरे किये गये सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव आकलन/मूल्यांकन बाहरी संस्था द्वारा किया गया। परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है।

परियोजना का नाम	क्रियान्वयन करने वाली संस्था	प्रभाव/आकलन मूल्यांकन करने वाली संस्था
दावणगेरे, कर्नाटक के तीन गांवों में कंक्रीट की पक्की सड़क का निर्माण।	बी एच ई एल	क्रक्स मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

प्रभाव आकलन/मूल्यांकन रिपोर्ट का कार्यकारी संक्षिप्त विवरण (अनुलग्नक- बी) संलग्न है।

प्रभाव आकलन/मूल्यांकन की विस्तृत रिपोर्ट, वेब लिंक– <https://www.bhel.com/csr> पर उपलब्ध करा दी जायेगी।

5. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुसरण में शुरू करने के लिए उपलब्ध राशि और वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो, का विवरण

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष से समायोजन के लिए उपलब्ध राशि (₹ में)	वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो (₹ में)
	शून्य	शून्य	शून्य

6. धारा 135 (5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ (–) ₹ 725.56 करोड़
7. (क) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत – (–) ₹14.51 करोड़
(ख) पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अतिरिक्त राशि — शून्य
(ग) वित्तीय वर्ष के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो। — शून्य
(घ) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (7क + 7ख + 7ग) — शून्य
8. (क) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई या अव्ययित सीएसआर राशि रु

वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (₹ में)	अव्ययित राशि (₹ में)				
	धारा 135 (6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित कुल राशि		धारा 135 (5) के दूसरे नियम के अनुसार, अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड को अंतरित राशि		
	राशि (₹ लाख में)	हस्तानांतरण की तिथि	फंड का नाम	राशि	हस्तानांतरण की तिथि
शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं

*कंपनी (सीएसआर नीति) संशोधन नियम, 2021 के अनुसार, पिछले वर्ष ₹2126.95 लाख अव्ययित सीएसआर राशि एक अलग बैंक खाते में स्थानांतरित की गई थी। इसमें से ₹911.08 लाख वित्त वर्ष 2021-22 में खर्च किए गए हैं।

(ख) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के लिए खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण: ₹867.10 लाख अनुलग्नक-ग संलग्न

(ग) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण:- शून्य

(घ) प्रशासनिक उपरिव्यय में खर्च की गई राशि :- ₹ 43.35 लाख

(ङ) प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि लागू हो ₹ 0.626 लाख

(च) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि ————— ₹ 911.08 लाख

(8ख. 8ग. 8घ. 8 ङ)

(छ) समायोजन के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो ————— शून्य —————

क्रम सं.	विवरण	राशि लाख में
(i)	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	1451.00
(ii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि	911.08
(iii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii) - (i)]	शून्य
(iv)	सीएसआर परियोजनाओं या पिछले वित्तीय वर्षों के कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो	शून्य
(v)	आगामी वित्तीय वर्षों में समायोजन के लिए उपलब्ध राशि [(iii) - (iv)]	शून्य

9. (क) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित सीएसआर राशि का विवरण:

क्र. सं.	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष	धारा 135 (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित राशि (₹ लाख में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (₹ लाख में)	धारा 135 (6) के अनुसार, अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड को अंतरित राशि, यदि कोई हो			आगामी वित्तीय वर्षों में व्यय की जाने वाली शेष राशि (₹ लाख में)
	2018-19	शून्य	1601.45	शून्य	शून्य	लागू नहीं	2182.47
	2019-20	शून्य	3511.53	शून्य	शून्य	लागू नहीं	1550.94
	2020-21	2126.95	1441.99	शून्य	शून्य	लागू नहीं	2126.95

(ख) पिछले वित्तीय वर्ष की चालू परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण: ₹ 749.71 लाख

विवरण अनुलग्नक-घ संलग्न है

10. पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण की स्थिति में, वित्तीय वर्ष में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से अर्जित की गई संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें : शून्य

11. यदि कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है तो कारण बतायें।

- धारा 135(5) के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत ₹ (-) 14.51 करोड़ था। इसलिए, वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सीएसआर बजट शून्य था।
- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान किया गया सीएसआर खर्च, पिछले वर्ष से जारी सीएसआर प्रोजेक्ट्स तथा पिछले वर्षों में पूरे किये गये / अधूरे प्रोजेक्ट्स से जारी फण्ड में से किया गया था। बी.एच.ई.एल. की सीएसआर नीति के अनुसार, अव्ययित प्रतिबद्ध राशि समाप्त नहीं होगी और भविष्य में सीएसआर परियोजनाओं के लिए उपयोग की जाएगी।

12. हम एतद्वारा घोषणा करते हैं कि सीएसआर नीति का कार्यान्वयन और जांच कंपनी के सीएसआर उद्देश्यों और नीति के अनुपालन में है।

नई दिल्ली

दिनांक: 04.09.2022

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

अध्यक्ष

सीएसआर समिति

अनुलग्नक—क

बी.एच.ई.एल. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीति रूपरेखा

सीएसआर विजन:

बेहतर कल की दिशा में काम करने वाला एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक बनना।

सीएसआर मिशन:

कंपनी अधिनियम, 2013 में सूचीबद्ध किए गए सीएसआर क्षेत्रों और अन्य क्षेत्रों में कंपनी की जिम्मेदारी का ईमानदारी से और प्रभावी ढंग से निर्वहन करना।

नीति के उद्देश्य:

बी.एच.ई.एल. द्वारा शुरू की जाने वाली सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रम करने की योजना बनाई है जो कंपनी अधिनियम 2013, कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 और प्रचलित डीपीई दिशानिर्देशों के अंतर्गत आते हैं, को निर्दिष्ट करना।

- सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों को पूरा करने की रूपरेखा तैयार करना।
- सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों पर जाँच व निगरानी रखना।
- बी.एच.ई.एल. में सीएसआर कार्य प्रणाली के बारे में हितधारकों को जागरूक करना।

नीति की मुख्य विशेषताएं:

- नीति में कंपनी अधिनियम-2013, कंपनी (सीएसआर नीति) नियम-2014 और सीएसआर व सततता (संयोजनीयता) पर डीपीई दिशानिर्देशों में बताई गई आवश्यकताओं को शामिल किया गया है।
- यह उन सीएसआर गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों को परिभाषित करती है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII में उल्लिखित गतिविधियों पर आधारित हैं।
- नीति यह निर्दिष्ट करती है कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान औसत शुद्ध लाभ का 2% सीएसआर गतिविधियों के लिए आवंटित किया जाएगा।
- कंपनी को सीएसआर गतिविधियों के लिए निर्धारित राशि का कम से कम 75% खर्च करने के लिए स्थानीय क्षेत्रों को वरीयता देनी होगी।
- एक करोड़ रुपये या उससे अधिक के कुल मूल्य वाली परियोजना को मेगा परियोजना कहा जाएगा और ऐसी परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन अनिवार्य रूप से एक बाहरी एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा।
- किसी भी आपदा/विपदा में राहत गतिविधियों को के लिए वार्षिक सीएसआर बजट का 5% आपातकालीन निधि के रूप में आरक्षित करने का प्रावधान है।
- नीति यह निर्धारित करती है कि वर्ष में कुल सीएसआर व्यय का 5% प्रशासनिक उपरिव्यय व क्षमता बढ़ाने के लिए आरक्षित रखा जाएगा।
- यह बीएचईएल में सीएसआर के लिए संगठनात्मक संरचना के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

सीएसआर नीति के लिए वेब-लिंक:

बी.एच.ई.एल. सीएसआर नीति को www.bhel.com पर सीएसआर अनुभाग के अंतर्गत होस्ट किया गया है और इसे <https://www.bhel.com/csr> लिंक के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।

अनुलग्नक-ख

प्रभाव आकलन का कार्यकारी सारांश



एचआर समाधान - वीपीओ समाधान - व्यापार परामर्श - प्रशिक्षण समाधान

तीन गांवों मुस्तुरु, सिद्दीहली, मूडला माचिकेरे, तालुक जगलुरु, जिला दावणगेरे, कर्नाटक
में सीमेंट कंक्रीट रोड के निर्माण की सीएसआर परियोजना के प्रभाव का आकलन।

कार्यकारी सारांश

सोलर बिजनेस डिवीजन, वीएचईएल बेंगलुरु अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) की गतिविधियां एकीकृत दृष्टिकोण अपनाते हुये स्वास्थ्य सुविधाओं और लोक कल्याण के कार्यों को ध्यान में रखते हुये सतत विकास की नीति का है। वर्ष 2016-17 में, वंचित समूहों के समग्र कल्याण और समाज में वंचित लोगों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान और स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान देते हुये, वीएचईएल एसबीडी ने तीन गांवों यानिकि मुस्तुरु, सिद्दीहली, मूडला माचिकेरे, तालुक जगलुरु, जिला दावणगेरे, कर्नाटक में कंक्रीट सड़कों के निर्माण की परियोजना शुरू की।

ये गाँव अलग-थलग गाँव हैं, जहाँ किसी भी बुनियादी सुविधा शिक्षा, रोजगार या व्यवसाय के उद्देश्य हेतु आवागमन के लिए किसी सड़क की पहुंच नहीं है। इस जिले के इस गांव में आज तक कोई भी ग्रामीण बाहन नहीं चला सकता क्योंकि सड़कें नहीं हैं या वे हैं तो सड़क की स्थिति बहुत खराब है और इस प्रकार गरीब ग्रामीणों को कहीं भी पहुंचने या आने-जाने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लोगों द्वारा बताई गई पहली जरूरत दूसरे गांवों से जुड़ने की थी। 75% आबादी कृषि श्रम और फसल उपज के माध्यम से आजीविका कमा रही है, जबकि लगभग 25% लोग श्रम में लगे हुए हैं। इन तीन गांवों का सड़क निर्माण सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत किया गया प्रस्ताव था, जिसका उद्देश्य वर्तमान संदर्भ को ध्यान में रखते हुए आदर्श भारतीय गांव बनाना है, और इस तरह विभिन्न सीएसआर गतिविधियों के तहत विचार करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू माना जाता है। वीएचईएल एसबीडी ने इन तीन गांवों में कंक्रीट सीमेंट सड़कों के निर्माण की सीएसआर मेगा परियोजना को 2.87 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया। निर्माण के लिए कार्यान्वयन एजेंसी इंजीनियरिंग परियोजनाएं। (इंडिया) लिमिटेड थी। परियोजना की अवधि 24.02.2016 से 28.03.2018 तक थी।

CRUX MANAGEMENT SERVICES (P) LTD.

 Life Style 4th Floor
My Home Tycoon, Kundanbagh
Begumpet, Hyderabad 500 016,
Phone 040 - 2340 0339
email : mailadmin@cruxmanagement.com
email : crux.backend@gmail.com

कार्यान्वयन के बाद, एसबीडी ने थर्ड पार्टी मैसर्स क्रूक्स मैनेजमेंट सर्विसेज (प्रा. लिमिटेड) के माध्यम से परियोजना का इम्पैक्ट असेसमेंट अध्ययन कराया। विश्लेषण में परियोजना की प्रासंगिकता, दक्षता, प्रभावशीलता का मूल्यांकन, विशिष्टता, प्रभाव और स्थिरता के पहलुओं का पालन करते हुये किया गया।

पार्टी ने तीनों गांवों के दौरों से प्राथमिक डेटा एकत्र करके मूल्यांकन किया। एक समग्र दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए, अनुसंधान दल ने लाभार्थियों, कार्यान्वयन एजेंसियों और भेल अधिकारियों का साक्षात्कार लिया। क्योंकि परियोजना प्रासंगिकता, दक्षता, प्रभावशीलता और विशिष्टता के मापदंडों में सकारात्मक परिणाम देती है, अतः प्रभाव के उद्देश्य पर परियोजना का मूल्यांकन उच्च श्रेणी का पाया है। प्रभाव मूल्यांकन में किसानों को सड़क के लाभों के बारे में जानकारी पर प्रकाश डाला गया है, जिससे उपज बेचने, वाहनों की आवाजाही के लिए अन्य गांवों तक पहुंचने में समय की बचत होती है, स्कूलों से कनेक्टिविटी, स्ट्रीट लाइट आदि के रूप में सड़क सुरक्षा बढ़ी है।

बीएचईएल के सीएसआर योजना का उद्देश्य अलग-अलग क्षेत्रों के विभिन्न गांवों में जहां ग्रामीणों को अपनी नियमित यात्रा गतिविधियों का प्रबंधन करने में भी काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था, वहाँ सड़क विछाने के साथ सुधार करना था। पूरे क्षेत्र में लोगों और समुदायों को जोड़ने का वृहद प्रभाव देखा गया।

मूल्यांकन में सुधार एवं स्थिरता हेतु बनाये रखने हेतु कुछ सुझाव दिये गये हैं, जैसे, (i) सड़कों के घुमाव और मोड़ पर दुर्घटनाओं से बचने के लिए हम्प/स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराना (ii) सड़क को खरपतवार वृद्धि से मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक सड़क हेतु एक स्थानीय टीम का विकास कराना। (iii) संवेदनशील बिंदुओं पर दुर्घटनाओं से बचने के लिए ट्रैफिक सिग्नल लाइटों की स्थापना कराना (iv) सड़क की टूट-फूट को नियंत्रित करने के लिए सड़कों की आवधिक मरम्मत।



H. C. M. S.

अनुलग्नक-ग

वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के खिलाफ खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण

(राशि लाख ₹ में)

क्रम सं.	प्रोजेक्ट का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII – मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि (वर्ष)	राशि आवंटित	चालू वित्त वर्ष में खर्च की गई राशि	अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित राशि.	कार्यान्वयन मोड प्रत्यक्ष (हां / नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला						नाम	सी एस आर पंजीकरण संख्या
(राशि – लाख में)											
1	व्यक्तियों को निःशुल्क हीमोफिलिक कारक (एएचएफ) प्रदान करना और पूरे भारत में हीमोफिलिया (पी एंड सीडब्ल्यूएच) वाले बच्चे	1 स्वस्थ भारत	हां	सम्पूर्ण भारत	2	78.20	15.64	46.92	नहीं	हीमोफीलिया फेडरेशन इंडिया	लागू नहीं
2	तीन (03) मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट चलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	1 स्वस्थ भारत	हां	उत्तर प्रदेश खगौतम बुद्ध नगर,, राजस्थान खबीकानेर,, मध्य प्रदेश खसतपुड़ा,	2	85.40	28.35	57.05	नहीं	हेल्प– एज इंडिया	लागू नहीं
3	दिल्ली / एनसीआर में केवीएस छात्रों के लिए स्वास्थ्य और कैरियर परामर्श के बाद "यू कैन बी हैप्पी" शृंखला की पुस्तकों के वितरण के लिए वित्तीय सहायता	1 शिक्षित भारत	हां	दिल्लीएनसीआर	4	10.00	0.00	5.00	नहीं	इस्कॉन, नई दिल्ली	लागू नहीं
4	डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए समुदाय आधारित जन संचार कार्यक्रम और विटामिन डी के जोखिम कारकों का ग्रामीण / वंचित समाज	1 स्वस्थ भारत	हां	दिल्लीएनसीआर	2	10.00	10.00	0.00	नहीं	वॉकहार्ट फाउंडेशन	लागू नहीं
5	उम्मीद परियोजना के लिए वित्तीय सहायता—सतत मासिकधर्म स्वास्थ्य जागरूकता और मासिकधर्म के लिए जानकारी	1 स्वस्थ भारत	हां	दिल्ली	2	10.00	10.00	0.00	नहीं	सच्ची सहेली, दिल्ली	लागू नहीं
6	बीएचईएल मिस्टर मशीन का उपयोग करके सेक्टर–17, नोएडा के आसपास के क्षेत्र में घर–घर कीटाणुशोधन के लिए वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	हां	उत्तर प्रदेश खगौतम बुद्ध नगर,	2	8.00	0.00	3.58	हां	बीएचईएल	लागू नहीं
7	वंचित श्रमिकों और उनके परिवारों को कोविड परीक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	हां	दिल्ली	2	1.00	0.30	0.70	नहीं	बीएचईएल	लागू नहीं
8	'शिरडी साई बाबा मंदिर सोसायटी' द्वारा संचालित औषधालयों के माध्यम से 'गरीबों और जरूरतमंदों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने' के लिए वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	हां	हरियाणा खफरीदाबाद, और दिल्ली	2	10.00	6.00	0.00	नहीं	शिरडी साई बाबा मंदिर सोसायटी, फरीदाबाद	लागू नहीं

क्रम सं.	प्रोजेक्ट का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII – मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि (वर्ष)	राशि आवंटित	चालू वित्त वर्ष में खर्च की गई राशि	अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित राशि.	कार्यान्वयन मोड प्रत्यक्ष (हां/ नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला						नाम	सी एस आर पंजीकरण संख्या
9	समाज के वंचित वर्ग के लिए कोविड संबंधित गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	हां	दिल्लीधनसीआर	2	10.00	7.85	2.15	हां	बीएचईएल	लागू नहीं
10	समाज के वंचित वर्ग के लिए कोविड संबंधित गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	हां	दिल्लीधनसीआर	2	1.00	0.00	1.00	हां	बीएचईएल	लागू नहीं
11	विभिन्न सरकारी स्कूलों को सैनिटाइजर, दस्ताने, थर्मामीटर आदि प्रदान करना।	1 स्वस्थ भारत	हां	तमिलनाडु खेल्लोर,	2	2.42	2.42	0.00	नहीं	बीएचईएल	लागू नहीं
12	चार (4) सौर जल पंपों की स्थापना	1 स्वस्थ भारत	नहीं	नहीं	5	50.00	2.35	6.60	नहीं	बीएचईएल	लागू नहीं
13	बीबीएमपी (दक्षिण क्षेत्र) को एसी एम्बुलेंस प्रदान करना	1 स्वस्थ भारत	हां	कर्नाटक खैंगलोर,	2	10.00	7.78	2.22	हां	बीएचईएल	लागू नहीं
14	सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, दीपांजलिगर में पानी की सुविधा के साथ दो शौचालयों का निर्माण।	1 स्वस्थ भारत	हां	कर्नाटक बैंगलोर,	4	6.80	0.00	0.72	हां	बीएचईएल	लागू नहीं
15	कोविड की रोकथाम के लिए लोगों के परीक्षण के लिए स्वास्थ्य अधिकारी, बृहत्थ बैंगलुरु निगम पालिके (बी बी एम पी) को लगभग 10,000 आर टी पी सी आर परीक्षण किट प्रदान करना	1 स्वस्थ भारत	हां	कर्नाटक बैंगलोर,	2	0.68	0.00	0.68	हां	बीएचईएल	लागू नहीं
16	बीबीएमपी को मास्क और सैनिटाइजर प्रदान करना	1 स्वस्थ भारत	हां	कर्नाटक बैंगलोर,	2	6.32	2.72	3.60	हां	बीएचईएल	लागू नहीं
17	बीबीएमपी स्वास्थ्य अधिकारियों को 9300 वायरल ट्रांसपोर्ट मीडिया प्रदान करना	1 स्वस्थ भारत	हां	कर्नाटक बैंगलोर,	2	0.78	0.00	0.08	हां	बीएचईएल	लागू नहीं
18	वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (टक्स्), विजय-यनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बेल्लारी को उपकरण और उपभोग्य वस्तुएं उपलब्ध कराना	1 स्वस्थ भारत	हां	कर्नाटक बैंगलोर,	2	6.22	0.65	5.01	हां	बीएचईएल	लागू नहीं
19	पेयजल सुविधा के साथ 25 सामुदायिक बायो-डाइजेस्टर शौचालय क्लस्टर के सेटों की स्थापना	1 स्वस्थ भारत	हां	उत्तराखंड हरिद्वार,	9	565.00	22.53	72.98	नहीं	फिक्की और डीआरडीओ	लागू नहीं
20	दिव्यांगजनों को सहायता और उपकरणों के वितरण के लिए वित्तीय सहायता।	1 स्वस्थ भारत	हां	उत्तराखंड हरिद्वार, तेलंगाना खम्मम, मध्य प्रदेश दमोह, बिहार खगड़िया,	2	100.00	73.22	1.72	नहीं	एलिमको	लागू नहीं

क्रम सं.	प्रोजेक्ट का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII – मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि (वर्ष)	राशि आवंटित	चालू वित्त वर्ष में खर्च की गई राशि	अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित राशि.	कार्यान्वयन मोड प्रत्यक्ष (हां/ नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला						नाम	सी एस आर पंजीकरण संख्या
21	“मिशन स्माइल” के अंतर्गत क्लेफ्ट रोगियों को क्लेफ्ट सर्जरी हेतु सहयोग	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तराखंड (हरिद्वार)	4	56.00	11.20	33.60	जी नहीं	मिशन स्माइल	लागू नहीं
22	लतिका रॉय मेमोरियल फाउंडेशन, देहरादून के “लतिका विहार एक बार आए, सभी आए.” के लिए वित्तीय सहयोग	1 समावेशी भारत	जी हाँ	उत्तराखंड (हरिद्वार)	3	19.00	0.00	9.27	जी नहीं	लतिका रॉय मेमोरियल फाउंडेशन	लागू नहीं
23	कुम्भ मेला-2021 के दौरान कोविड-19 जागरूकता, सेनेटाइजेशन, मास्क वितरण एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तराखंड (हरिद्वार)	2	20.00	10.63	9.37	जी नहीं	बीएचईएल	लागू नहीं
24	कुम्भ मेला-2021 के दौरान कुम्भ क्षेत्र में बीएचईएल मिस्टर की सहायता से घाटों, सड़कों आदि का सेनेटाइजेशन	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तराखंड (हरिद्वार)	2	18.47	0.15	18.32	जी नहीं	बीएचईएल	लागू नहीं
25	कामकाजी महिला होस्टल के मरम्मत एवं अनुरक्षण संबंधी कार्य	3 जिम्मेदार भारत	जी हाँ	उत्तराखंड (हरिद्वार)	4	0.84	0.84	0.00	जी नहीं	बीएचईएल	लागू नहीं
26	कस्तूरबा गाँधी मैमोरियल होस्टल में 08 वाटर प्यूरिफायर की खरीद एवं स्थापना हेतु मुख्य शिक्षा अधिकारी, हरिद्वार को वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तराखंड (हरिद्वार)	2	6.52	6.50	0.02	जी नहीं	बीएचईएल	लागू नहीं
28	हेरिटेज स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम लगाने हेतु वाराणसी नगर आयुक्त को वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	आंध्र प्रदेश (विजयनगर) एवं बिहार (मुजफ्फरपुर)	2	62.02	45.04	0.00	जी नहीं	दि लेप्रोसी मिशन ट्रस्ट इंडिया (TLMTI), नई दिल्ली	लागू नहीं
29	सुलभ इंटरनेशनल, लखनऊ को 12 स्थानों पर सुलभ शौचालय कॉम्प्लेक्स के निर्माण, परिचालन एवं अनुरक्षण हेतु वित्तीय सहयोग	2 समावेशी भारत	जी हाँ	उत्तर प्रदेश (वाराणसी)	3	100.00	30.00	70.00	जी नहीं	वाराणसी नगर आयुक्त	लागू नहीं
30	कंधमाल ओडिशा के कृषक समुदायों को उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए प्रेरित करने हेतु वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तर प्रदेश (वाराणसी, चंदौली)	3	315.00	104.29	210.71	जी नहीं	सुलभ इंटरनेशनल लखनऊ	लागू नहीं

क्रम सं.	प्रोजेक्ट का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII – मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि (वर्ष)	राशि आवंटित	चालू वित्त वर्ष में खर्च की गई राशि	अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित राशि.	कार्यान्वयन मोड प्रत्यक्ष (हां/ नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला						नाम	सी एस आर पंजीकरण संख्या
31	कोविड को नियंत्रित करने के लिए स्कूलों को पैर से संचालित वॉश बेसिन की आपूर्ति	2 समावेशी भारत	जी नहीं	ओडिशा (कंधमाल)	3	131.90	38.73	86.84	जी नहीं	प्रोफेशनल असिस्टेंस फॉर डेवलेपमेंट एक्शन (PRA&DAN), नोएडा	लागू नहीं
32	कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए विद्यालयों को थर्मल स्कैनर का वितरण	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तर प्रदेश (अमेठी)	2	1.00	1.00	0.00	जी हाँ	बीएचईएल	लागू नहीं
33	कोविड नियंत्रण के लिए प्राथमिक विद्यालयों का सैनिटाइजेशन	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तर प्रदेश (अमेठी)	2	1.44	1.44	0.00	जी हाँ	बीएचईएल	लागू नहीं
34	मकली से होरो काथना हल्ली रोड तक आरसीसी डेक स्लैब पुल का निर्माण	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तर प्रदेश (अमेठी)	2	0.46	0.46	0.00	जी हाँ	बीएचईएल	लागू नहीं
35	आंगनवाड़ी केन्द्रों को सैनिटाइजर, मास्क और थर्मल स्कैनर उपलब्ध कराना	3 समावेशी भारत	जी हाँ	कर्नाटक (बेंगलुरु)	9	75.35	1.91	0.01	जी नहीं	जिलाधिकारी, बेंगलुरु उत्तर, कर्नाटक	लागू नहीं
36	आंगनवाड़ी केन्द्रों को सैनिटाइजर, मास्क और थर्मल स्कैनर उपलब्ध कराना	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	कर्नाटक (बेंगलुरु)	2	2.50	0.00	0.25	जी हाँ	बीएचईएल	लागू नहीं
37	क्लब फुट विकलांगता वाले बच्चों के उपचार हेतु वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	कर्नाटक (बेंगलुरु)	2	4.50	0.00	0.14	जी हाँ	बीएचईएल	लागू नहीं
38	पीएसईआर/ राउरकेला साइट के आस-पास 1450 ग्रामीण परिवारों को कोविड सह-पोषण किट का वितरण	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तराखण्ड (ऋषिकेश), उत्तरप्रदेश (झांसी), असम (गुवाहाटी, ओडिशा (भुवनेश्वर)	2	31.65	22.84	0.00	जी नहीं	क्योर इंटरनेशनल इंडिया ट्रस्ट (सीआईआईटी), नई दिल्ली	लागू नहीं
39	पीएसईआर/ उत्तरी करनपुरा साइट के आस-पास 1200 ग्रामीण परिवारों को कोविड सह-पोषण किट का वितरण	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	ओडिशा (संबलपुर)	2	9.93	0.34	0.05	जी हाँ	बीएचईएल	लागू नहीं
40	पीएसईआर/ सागर दिघी साइट के आस-पास 1150 ग्रामीणों/ श्रमिकों को कोविड सह-पोषण किट का वितरण	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	झारखंड (चत्रा)	2	9.80	0.31	0.21	जी हाँ	बीएचईएल	लागू नहीं
41	Dr-RPGMC कांगड़ा में 100 व्यक्तियों के लिए सराय भवन का निर्माण	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	पश्चिम बंगाल (मुर्शिदाबाद)	2	8.80	0.17	0.25	जी हाँ	बीएचईएल	लागू नहीं
42	नूह में जन आरोग्यम सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	हिमाचल प्रदेश (टांडा)	8	200.00	80.00	40.00	जी नहीं	लोनिलि, हि.प्र. एवं एचएससीसी	लागू नहीं
43	पूरे भारत में कैंसर से पीड़ित 200 बच्चों को चिकित्सा सहायता प्रदान करना।	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	हरियाणा (नूह)	2	20.00	8.87	2.96	जी नहीं	बिसनौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान	लागू नहीं

क्रम सं.	प्रोजेक्ट का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII – मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि (वर्ष)	राशि आवंटित	चालू वित्त वर्ष में खर्च की गई राशि	अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित राशि.	कार्यान्वयन मोड प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला						नाम	सी एस आर पंजीकरण संख्या
44	लाइफलाइन एक्सप्रेस (ट्रेन में अस्पताल) को इम्पेक्ट इंडिया फाउंडेशन के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध करना	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	संपूर्ण भारत	2	95.26	75.53	19.73	जी नहीं	केन किड्स किड्स केन	लागू नहीं
45	ग्राम संगैल, नुह ब्लॉक में स्वास्थ्य क्लीनिक के लिए चिकित्सा उपकरण की खरीद हेतु वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तर प्रदेश (कानपुर)	2	99.61	87.24	12.37	जी नहीं	इम्पेक्ट इंडिया फाउंडेशन	लागू नहीं
46	सरकारी पॉलीटेक्नीक में पुरुष एवं महिला छात्रावास भवनों का निर्माण	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	हरियाणा (नूह)	1	13.10	13.10	0.00	जी नहीं	बिसनौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान	12900486
47	टोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु पायरो लेटर यूनिट की स्थापना	2 शिक्षित भारत	जी हाँ	तेलंगाना (निजामाबाद)	5	300.00	0.00	62.14	जी नहीं	जिला पंचायती राज अभियंता पीआईयू निजामाबाद	लागू नहीं
48	जिला कलेक्टर को 36 व्यायामशालाओं की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	1 स्वच्छ भारत ग्रीन भारत	जी हाँ	तमिलनाडु (तिरुवल्लुर)	4	75.00	35.91	39.09	जी नहीं	जिलाधिकारी तिरुवल्लुर	लागू नहीं
49	कोविड से प्रभावित बीपीएल परिवारों को सैनिटाइजर, मास्क, साबुन उपलब्ध कराना।	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	तेलंगाना (सूर्यापेट)	2	360.00	26.39	333.61	जी नहीं	जिलाधिकारी, सूर्यापेट	लागू नहीं
50	मोतियाबिंद के मरीजों की मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी के लिए वित्तीयसहायता	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	तमिलनाडु (विरुड् इनगर)	2	0.59	0.59	0.00	जी नहीं	हेंड इन हेंड इंडिया, चेन्नै	लागू नहीं
51	ग्राम अडसर में वर्षाजल निकासी प्रणाली हेतु वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	झारखंड (हजारीबाग)	2	44.00	32.25	0.09	जी नहीं	नवभारत जागृति केंद्र (NBJK), हजारीबाग (झारखंड)	लागू नहीं
52	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जंगलू में टिन शेड और चौकी के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	राजस्थान (बीकानेर)	2	20.00	20.00	0.00	जी नहीं	विकास अधिकारी, पंचायत समिति, श्रीडुंगरगढ़, बीकानेर	लागू नहीं
53	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, लुन्कारसर में टिनशेड (मध्याह्न भोजन) के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	राजस्थान (बीकानेर)	2	18.90	6.08	12.83	जी नहीं	खंड विकास अधिकारी, पंचू	लागू नहीं
	दृष्टिहीनता के उन्मूलन के लिए कार्य कर रहे कल्याण मकारौटी को ऑटो के राटो रेक्टामीटर उपलब्ध कराना	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	राजस्थान (बीकानेर)	2	10.00	0.00	10.00	जी नहीं	मुख्य खंड शिक्षा अधिकारी, लुन्कारसर	लागू नहीं
54	दृष्टिहीनता के उन्मूलन के लिए कार्य कर रहे कल्याण मकारौटी को ऑटो के राटो रेक्टामीटर उपलब्ध कराना	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तर प्रदेश (मथुरा)	2	3.65	3.65	0.00	जी नहीं	कल्याणम कारौटी	लागू नहीं

क्रम सं.	प्रोजेक्ट का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII – मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि (वर्ष)	राशि आवंटित	चालू वित्त वर्ष में खर्च की गई राशि	अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित राशि.	कार्यान्वयन मोड प्रत्यक्ष (हां/ नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला						नाम	सी एस आर पंजीकरण संख्या
55	दृष्टिहीनता के उन्मूलन के लिए कार्य कर रहे कल्याण मकारौटी को स्कैन मशीन उपलब्ध कराना।	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	उत्तर प्रदेश (मथुरा)	2	4.50	4.50	0.00	जी नहीं	कल्याणम कारौटी	लागू नहीं
56	एचएफआई को एचएफ के शीतागारों के लिए रैकिंग शैलिंग प्रणाली उपलब्ध करना	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	दिल्ली	2	1.50	1.50	0.00	जी नहीं	हीमोफीलिया फेडरेशन इंडिया	लागू नहीं
57	एचएफआई के लिए केंद्रीकृत डिजिटल स्कैनर प्रदान करना।	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	दिल्ली	2	0.50	0.50	0.00	जी नहीं	हीमोफीलिया फेडरेशन इंडिया	लागू नहीं
58	अरियलूर साइट श्रमिकों और निकटवर्ती ग्रामीणों को खाद्य पैकेटों का वितरण	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	तमिलनाडु (कल्लाकुरचि)	2	2.00	0.35	0.02	जी नहीं	बीएचईएल	लागू नहीं
59	महात्मा गांधी सरकारी अस्पतालों और सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मास्क, सर्जिकल दस्ताने और सर्जिकल मास्क प्रदान करना।	1 स्वस्थ भारत	जी हाँ	तमिलनाडु (तिरुचिरापल्ली)	2	5.00	5.00	0.00	जी हाँ	बीएचईएल	लागू नहीं
						3,120.59	867.10	1,215.87			

अनुबंध-घ

पिछले वित्तीय वर्षों की चालू परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का ब्यौरा

(लाख रुपये में)

क्रम सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी।	परियोजना अवधि (वर्षों में)	परियोजना के लिए कुल आबंटित राशि	रिपोर्ट वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि	रिपोर्ट वित्तीय वर्ष के अंत में कुल संचयी राशि खर्च की गई	परियोजना की स्थिति पूर्ण हो चुकी/जारी है
1	CSR/AA/20- 21/01	पूरे भारत में हीमोफिलिया (पीएंड सी एच) वाले व्यक्तियों और बच्चों को निःशुल्क एंटी हीमोफिलिक फैक्टर (एएचएफ) उपलब्ध करना।	2020-21	2	78.20	15.64	31.28	जारी है
2	CSR/AA/20- 21/02	3 मोबाइल हेल्थकेयर यूनिट चलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।	2020-21	2	85.40	28.35	28.35	जारी है
3	CSR/AA/20- 21/03	ओवेरियन कैंसर के लिए समुदाय आधारित जनसंचार कार्यक्रम और ग्रामीण/वंचित समाज के लिए विटामिन डी के जोखिम कारकों का संबंध।	2020-21	2	10.00	10.00	10.00	पूर्ण
4	CSR/AA/20- 21/04	मासिकधर्म संबंधी सतत मासिकधर्म स्वास्थ्य जागरूकता और ज्ञान परियोजना को वित्तीय सहायता	2020-21	2	10.00	10.00	10.00	पूर्ण
5	CSR/AA/20- 21/06	वंचित श्रमिकों और उनके परिवारों को कोविड परीक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता	2020-21	2	1.00	0.30	0.30	पूर्ण
6	CSR/AA/20- 21/07	शिरडी साई बाबा मंदिर सोसाइटी द्वारा संचालित औषधालयों के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परिचर्या उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय सहायता	2020-21	2	10.00	6.00	10.00	पूर्ण
7	CSR/AA/20- 21/08	समाज के वंचित वर्ग के लिए कोविड संबंधी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता	2020-21	2	10.00	7.85	7.85	जारी है
8	CSR/BAP/20- 21/02	विभिन्न सरकारी स्कूलों को सैनिटाइजर, दस्ताने, थर्मामीटर आदि उपलब्ध करना।	2020-21	2	2.42	2.42	2.42	पूर्ण
9	CSR/EDN/17- 18/01	4 सोलर वाटर पंप लगाना	2017-18	5	50.00	2.35	43.40	पूर्ण
10	CSR/EDN/20- 21/01	बीबीएमपी (दक्षिण जोन) को ए.सी. एम्बुलेंस प्रदान करना	2020-21	2	10.00	7.78	7.78	पूर्ण
11	CSR/EDN/20- 21/03	बीबीएमपी को मास्क और सैनिटाइजर उपलब्ध करना	2020-21	2	6.32	2.72	2.72	पूर्ण
12	CSR/EPD/20- 21/02	वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरीज (वीआरडीएल) चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बेल्लारी को उपकरण और कंज्यूमेबल उपलब्ध कराना।	2020-21	2	6.22	0.65	1.21	पूर्ण
13	CSR/HEEP/14- 15/01	पेयजल सुविधा के साथ सामुदायिक बायो-डाइजेस्टर शौचालय क्लस्टर के 25 सेट की स्थापना	2014-15	9	565.00	22.53	492.02	जारी है
14	CSR/HEEP/20- 21/01	दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों के वितरण के लिए वित्तीय सहायता।	2020-21	2	100	73.22	98.28	पूर्ण

क्रम सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी।	परियोजना अवधि (वर्षों में)	परियोजना के लिए कुल आबंटित राशि	रिपोर्ट वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि	रिपोर्ट वित्तीय वर्ष के अंत में कुल संचयी राशि खर्च की गई	परियोजना की स्थिति पूर्ण हो चुकी/जारी है
15	CSR/HEEP/19-20/01	हरिद्वार में क्लैपट रोगियों की क्लैपट सर्जरी के लिए 'मिशन स्माइल' को वित्तीय सहायता	2019-20	4	56	11.2	22.4	जारी है
16	CSR/HEEP/20-21/03	कुंभ मेला 2021 के दौरान कोविड-19 जागरूकता, मास्क आदि का वितरण और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन	2020-21	2	20	10.63	10.63	पूर्ण
17	CSR/HEEP/20-21/04	कुंभ मेला 2021 के दौरान कुंभ क्षेत्र में घाटों और सड़कों आदि का सेनेटाइजेशन	2020-21	2	18.47	0.15	0.15	पूर्ण
18	CSR/HEEP/18-19/03	कामकाजी महिला हॉस्टल की मरम्मत और अनुरक्षण पर व्यय	2018-19	4	0.84	0.84	0.84	पूर्ण
19	CSR/HEEP/20-21/10	कर्तूरबा गांधी आवासीय छात्रावास में 8 वाटर फ्यूरीफायर की खरीद और स्थापना के लिए मुख्य शिक्षा अधिकारी, हरिद्वार को वित्तीय सहायता	2020-21	2	6.52	6.5	6.5	पूर्ण
20	CSR/HERP/20-21/01	टीएलएमटीआई अस्पताल, सलूर (आंध्र प्रदेश) और टीएलएमटीआई अस्पताल, मुजफ्फरपुर (बिहार) में कुष्ठ रोगियों के उपचार एवं उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता।	2020-21	2	62.02	45.04	62.02	पूर्ण
21	CSR/HERP/20-21/02	हैरिटेज स्ट्रीट लाइटिंग प्रणाली की स्थापना के लिए वाराणसी के नगर आयुक्त को वित्तीय सहायता	2020-21	3	100	30	30	जारी
22	CSR/HPVP/20-21/01	कंधमाल (ओडिशा) के कृषि समुदायों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रेरित करने हेतु वित्तीय सहायता	2020-21	3	131.9	38.73	45.06	जारी
23	CSR/IP/1-20/02	कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए विद्यालयों को फुट ऑपरेटेड वॉश बेसिन की आपूर्ति	2020-21	2	1	1	1	पूर्ण
24	CSR/IP/1-20/03	कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए विद्यालयों को थर्मल स्कैनर का वितरण	2020-21	2	1.44	1.44	1.44	पूर्ण
25	CSR/IP/1-20/04	कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए प्राथमिक विद्यालयों का सैनिटाइजेशन	2020-21	2	0.46	0.46	0.46	पूर्ण
26	CSR/ISG/13-14/01	मकाली से होरो काथना हल्ली रोड, बंगलौर नार्थ तक सीसी डेक स्लैब ब्रिज का निर्माण	2013-14	9	75.35	1.91	75.34	पूर्ण
27	CSR/PSER/20-21/01	ऋषिकेश (उत्तराखंड) झांसी (यूपी), गुवाहाटी (असम) और भुवनेश्वर (ओडिशा) में क्लब फुट विकलांगता वाले बच्चों के उपचार के लिए वित्तीय सहायता	2020-21	2	31.65	22.84	31.65	पूर्ण
28	CSR/PSER/20-21/02	पीएसईआर/राउरकेला साइट के आसपास 1450 श्रमिकों को कोविड सह-पोषण किट का वितरण	2020-21	2	9.93	0.34	9.89	पूर्ण
29	CSR/PSER/20-21/03	पीएसईआर/उत्तरी करनपुरा साइट के आस-पास 1200 ग्रामीण परिवारों को कोविड सह-पोषण किट का वितरण	2020-21	2	9.8	0.31	9.59	पूर्ण

क्रम सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी।	परियोजना अवधि (वर्षों में)	परियोजना के लिए कुल आबंटित राशि	रिपोर्ट वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि	रिपोर्ट वित्तीय वर्ष के अंत में कुल संचयी राशि खर्च की गई	परियोजना की स्थिति पूर्ण हो चुकी/जारी है
30	CSR/PSER/20-21/06	पीएसईआर/सागर दिधी साइट के आस-पास 1150 ग्रामीणों/श्रमिकों को कोविड सह-पोषण किट का वितरण	2020-21	2	8.8	0.17	8.54	पूर्ण
31	CSR/PSNR/15-16/01	Dr-RPGMC कांगड़ा में 100 व्यक्तियों के लिए सराय भवन का निर्माण	2015-16	8	200	80	160	जारी
32	CSR/PSNR/20-21/01	नूह में जन आरोग्यम सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम	2020-21	2	20	8.87	17.04	जारी
33	CSR/PSNR/20-21/02	पूरे भारत में कैंसर से पीड़ित 200 बच्चों को चिकित्सा सहायता प्रदान करना।	2020-21	2	95.26	75.53	75.53	जारी
34	CSR/PSNR/20-21/03	लाइफलाइन एक्सप्रेस (ट्रेन में अस्पताल) को इम्पेक्ट इंडिया फाउंडेशन के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध करना	2020-21	2	99.61	87.24	87.24	पूर्ण
35	CSR/PSSR/19-20/01	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु पायरो लेटर यूनिट की स्थापना	2019-20	4	75	35.91	35.91	जारी
36	CSR/PSSR/20-21/01	जिला कलेक्टर को 36 व्यायामशालाओं की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	2020-21	2	360	26.39	26.39	जारी
37	CSR/PSSR/20-21/09	कोविड से प्रभावित बीपीएल परिवारों को सैनिटाइजर, मास्क, साबुन उपलब्ध कराना।	2020-21	2	0.59	0.59	0.59	पूर्ण
38	CSR/PSWR/20-21/01	मोतियाबिंद के मरीजों की मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी के लिए वित्तीय सहायता	2020-21	2	44	32.25	43.91	पूर्ण
39	CSR/RODM/19-20/01	ग्राम अडसर, बीकानेर में वर्षाजल निकासी प्रणाली हेतु वित्तीय सहायता	2020-21	2	20	20	20	पूर्ण
40	CSR/RODM/19-20/02	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जंगलू में टिन शेड और चौकी के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता	2020-21	2	18.90	6.08	6.08	जारी
41	CSR/TBG/20-21/01	दृष्टिहीनता के उन्मूलन के लिए कार्य कर रहे कल्याण मकारौटी को ऑटो के राटो रेक्टामीटर उपलब्ध कराना	2020-21	2	3.65	3.65	3.65	पूर्ण
42	CSR/TBG/20-21/02	दृष्टिहीनता के उन्मूलन के लिए कार्य कर रहे कल्याण मकारौटी को स्कैन मशीन उपलब्ध कराना।	2020-21	2	4.50	4.50	4.50	पूर्ण
43	CSR/TBG/20-21/03	एचएफआई को एचएफ के शीतागारों के लिए रैंकिंग/शेल्विंग प्रणाली उपलब्ध करना	2020-21	2	1.50	1.50	1.50	पूर्ण
44	CSR/TBG/20-21/04	एचएफआई के लिए केंद्रीकृत डिजिटल स्कैनर प्रदान करना।	2020-21	2	0.50	0.50	0.50	पूर्ण
45	CSR/TBG/20-21/06	अरियलूर साइट श्रमिकों और निकटवर्ती ग्रामीणों को खाद्य पैकेटों का वितरण	2020-21	2	2.00	0.35	1.98	पूर्ण
46	CSR/HPBP/20-21/09	महात्मा गांधी सरकारी अस्पतालों और सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मास्क, सर्जिकल दस्ताने और सर्जिकल मास्क प्रदान करना।	2020-21	2	5.00	5.00	5.00	
					2,434.48	749.71	1550.93	

ई-मोबिलिटी ! को गति

बीएचईएल देश के ई-मोबिलिटी मिशन के प्रति प्रतिबद्ध है। कंपनी ने दिल्ली-चंडीगढ़ राजमार्ग के किनारे 20 स्थानों पर सौर आधारित ईवी-चार्जिंग स्टेशन (AC001/DC001/72 kW चार्जर रेटिंग का संयोजन) स्थापित किया है, जिससे यह देश का पहला ई-मोबिलिटी फ्रेंडली हाईवे बन गया है। कंपनी ने पूरे भारत में कई ईवी-चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं।

घरेलू बाजार में ई-वाहनों का विस्तार होना ही है। इसके लिए फास्ट चार्जिंग डिवाइसों की आवश्यकता है। बीएचईएल ने CCS@CHAdEMO@Type-II चार्जिंग प्रोटोकॉल के अनुरूप अपने 122 kW EV फास्ट चार्जर का विकास और ARAI पुणे से प्रमाणन प्राप्त किया है।

अब पूरा ध्यान प्रचलित इलेक्ट्रिक कारों और ई-बसों के लिए विभिन्न रेटिंग वाले ईवी चार्जर्स को विकसित और उपलब्ध कराने पर है। इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास क्षमताओं से सुसज्जित बीएचईएल अभिनव ईवी चार्जिंग समाधान प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है।



अनुलग्नक-ड कारोबार उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्ट

भाग-क: सामान्य प्रकटीकरण

I. सूचीबद्ध कंपनियों का ब्यौरा

1	कंपनी की कॉर्पोरेट पहचान संख्या:	L74899DL1964GOI004281
2	कंपनी का नाम:	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
3	निगमन की तिथि	13 नवंबर 1964
4	पंजीकृत कार्यालय पता:	बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली-110 049
5	कॉर्पोरेट कार्यालय पता	बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली - 110049
6	ईमेल आईडी:	shareholderquery@bhel.in
7	दूरभाष:	011-66337598
8	वेबसाइट:	www.bhel.com
9	रिपोर्टित वित्तीय वर्ष:	2021-22
10	शेयर बाजार के नाम जिसमें शेयर सूचीबद्ध हैं:	BSE एवं NSE
11	प्रदत्त पूंजी:	₹ 696.41 करोड़
12	रिपोर्ट के संबंध में किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क किए जाने वाले व्यक्ति का नाम और संपर्क ब्यौरा (टेलीफोन, ईमेल एड्रेस)	अजय सक्सेना (अ.म.प्र.-कॉर्पोरेट स्ट्रेटीजिक मैनेजमेंट), email: ajaysaxena@bhel.in , 011-66337390
13	रिपोर्टिंग बाउंड्री - क्या इस रिपोर्ट के अंतर्गत डिस्क्लोजर स्टैंड अलोन आधारित (अर्थात् केवल सूचीबद्ध कंपनी के लिए) हैं अथवा समेकित आधारित (अर्थात् सूचीबद्ध कंपनी एवं सभी सहयोगी कंपनियों को मिलाकर जो इसके समेकित वित्तीय विवरण का अंग हैं)	कल (स्टैंड अलोन) आधारित

II. उत्पाद/सेवाएं

14. कारोबारी गतिविधियों का विवरण (कुल टर्नओवर का 90%):

क्र.सं	मुख्य गतिविधि का विवरण	कारोबारी गतिविधि का विवरण	कंपनी के कुल टर्नओवर का प्रतिशत
1	विनिर्माण	बिजली उपकरण, सामान्य एवं विशिष्ट प्रयोजन हेतु मशीनरी एवं उपकरण, यातायात उपकरण	100%

15. कंपनी द्वारा विक्रय किए गए उत्पाद एवं सेवाएं (कुल टर्नओवर का 90%):

क्र.सं	उत्पाद सेवा	NIC कोड	कुल टर्नओवर का प्रतिशत
1.	स्टीम जेनरेटर्स का विनिर्माण जिसमें स्टीम जेनरेटर्स के साथ प्रयोग होने वाले सहायक प्लांट भी शामिल हैं	2513	29%
2.	पावर प्लांट का निर्माण	4220	23%
3.	टर्बाइन, जेनरेटर्स एवं सहायक उपकरणों का विनिर्माण	2811	23%
4.	इलेक्ट्रिक मोटर्स, ट्रांसफॉर्मर्स तथा विद्युत वितरण एवं नियंत्रण उपकरणों आदि का विनिर्माण	2710	15%

III. परिचालन

16. उन स्थानों/कार्यालयों की कुल संख्या जहां कंपनी द्वारा व्यवसाय गतिविधि की जाती है:

स्थान	प्लांट की संख्या	कार्यालयों की संख्या	कुल
राष्ट्रीय	16	29	45
अंतरराष्ट्रीय	0	3	3

कंपनी की 16 विनिर्माण इकाइयां (अथवा प्लांट), 2 मरम्मत इकाइयाँ, 4 क्षेत्रीय कार्यालय, 8 सर्विस केंद्र एवं 15 क्षेत्रीय विपणन केंद्र हैं। प्लांटों के नाम के लिए कृपया "पूरे भारत में उपस्थिति" देखें :

अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति: दमस्कस, सीरियाय ढाका, बांग्लादेशय काठमांडू, नेपाल

17. कंपनी की बाजार में पहुंच:

क. स्थानों की संख्या

स्थान	संख्या
राष्ट्रीय राज्यों की संख्या	28 (states), 8 (Union Territories)
अंतरराष्ट्रीय देशों की संख्या	88

ख. कंपनी का कुल टर्नओवर में से निर्यात का प्रतिशत कितना है?

निर्यात में कुल टर्नओवर का 7.53% योगदान है

ग्राहकों का संक्षिप्त विवरण

घरेलू बाजार में बीएचईएल के ग्राहक सरकारी एवं प्राइवेट स्वामित्व वाली कंपनियाँ शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीएचईएल के ग्राहक सरकारी मंत्रालय अथवा कंपनियां, पेरेस्टेटल, स्वतंत्र विद्युत निर्माता एवं गैर-सरकारी कंपनियाँ शामिल हैं

III. कर्मचारी

BR&SR प्रारूप के दिशानिर्देशों के अनुसार "कर्मचारी" की परिभाषा के लिए औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 की धारा 2(l) और "कामगार" की परिभाषा के लिए औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 की धारा 2 (zr) का संदर्भ ग्रहण करें। BR&SR प्रारूप के दिशा निर्देशों में "स्थायी कर्मचारी" और "स्थायी कामगार" 2020 की परिभाषा का भी संदर्भ ग्रहण करें।

18. वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर विवरण:

क. कर्मचारी और कामगार (दिव्यांगजनों सहित):

क्र.सं.	विवरण	कुल (A)	पुरुष		महिलाएं	
			संख्या (B)	% (B/A)	संख्या (C)	% (C/A)
कर्मचारी						
1.	स्थायी (D)	30758	28925	94%	1833	6%
2.	स्थायी के अतिरिक्त (E)	15324	13791	90%	1533	10%
3.	कुल कर्मचारी (D + E)	46082	42716	93%	3366	7%
कामगार						
4.	स्थायी (F)	15720	15305	97%	415	3%
5.	स्थायी के अतिरिक्त (G)	15260	13728	90%	1532	10%
6.	कुल कामगार (F + G)	30980	29033	94%	1947	6%

ख. दिव्यांग कर्मचारी एवं कामगार:

क्र.सं.	विवरण	कुल (A)	पुरुष		महिलाएं	
			संख्या (B)	% (B/A)	संख्या (C)	% (C/A)
दिव्यांग कर्मचारी						
1.	स्थायी (D)	842	816	97%	26	3%
2.	स्थायी के अतिरिक्त (E)	50	36	72%	14	28%
3.	कुल कर्मचारी (D + E)	892	852	96%	40	4%
दिव्यांग कामगार						
4.	स्थायी (F)	415	410	99%	5	1%
5.	स्थायी के अतिरिक्त (G)	50	36	72%	14	28%
6.	कुल कामगार (F + G)	465	446	96%	19	4%

19. महिलाओं की प्रतिभागिता/समावेश/प्रतिनिधित्व

	कुल (A)	महिलाओं की संख्या एवं प्रतिशत	
		संख्या (B)	% (B/A)
निदेशक मंडल	12	2	16.67%
मुख्य प्रबंधन कार्मिक	1	0	0%

*31ए मार्च 2022 की स्थिति

20. स्थायी कर्मचारी एवं कामगारों की टर्नओवर दर

	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
स्थायी कर्मचारी	5.45%	3.77%	5.29%	4.13%	5.28%	5.17%	3.81%	6.26%	6.04%
स्थायी कामगार	3.71%	6.51%	3.78%	6.71%	4.60%	4.65%	6.25%	4.73%	4.77%

बीएचईएल के लिए कर्मचारी टर्नओवर दर में नेचुरल एट्रिशन का बड़ा योगदान है।

V. होल्डिंग, सहायक और सहयोगी कंपनियां (संयुक्त उद्यमों सहित)

21. ;क) होल्डिंग, सहायक, सहयोगी कंपनी, संयुक्त उद्यम का नाम

निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुबंध IX को देखें -FormAOC-I- ये कंपनियाँ बीएचईएल की व्यापारिक उत्तरदायित्व पहल में भाग नहीं लेती हैं

22. सीएसआर विवरण

क्या कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार सीएसआर लागू है? (हाँ/नहीं)

जी हाँ, बीएचईएल के लिए सीएसआर लागू है

(i) टर्नओवर: ₹ 20,153 करोड़

(ii) नेटवर्थ: ₹ 26,971 करोड़

VII. पारदर्शिता और प्रकटीकरण अनुपालन

23. उत्तरदायी कारोबार आचरण संबंधी राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अंतर्गत किसी भी सिद्धांत (सिद्धांत1 से 9) पर शिकायतें:

हितधारक समूह जिससे शिकायत प्राप्त हुई है	शिकायत निवारण तंत्र उपलब्ध है (हाँ/नहीं) (यदि हाँ, तो शिकायत निवारण नीति का वेब लिंक प्रदान करें)	वित्तीय वर्ष 2021-22			वित्तीय वर्ष 2020-21		
		वर्ष के दौरान दायर शिकायतों की संख्या	वर्ष की समाप्ति पर लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणी	वर्ष के दौरान दायर शिकायतों की संख्या	वर्ष की समाप्ति पर लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणी
समुदाय	जी हाँ https://pgportal.gov.in	253	0	-	225	0	-
निवेशक शेयरधारकों के अतिरिक्त	जी नहीं	0	0	-	0	0	-
शेयरधारक	जी हाँ www.bhel.com पर संपर्क विवरण उपलब्ध है।	37	0	-	265	0	-
कर्मचारी एवं कामगार	जी हाँ (आंतरिक प्रणाली)	53	32	-	57	42	-
ग्राहक*	जी हाँ (आंतरिक प्रणाली)	509	173	-	361	19	-
वेल्यू चेन साझेदार	जी हाँ https://suvidha.bhel.in/	68	11	-	63	11	-
अन्य कृपया विनिर्दिष्ट करें	-	-	-	-	-	-	-

* ग्राहक शिकायत को सुदृढ़ करने की प्रणाली कार्यान्वयनाधीन है।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस, शेयरधारक कमेटी के लिए कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक सं. II देखें

सतर्कता प्रणाली के लिए निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुबंध VIII देखें

कंपनी के कारोबारी आचरण मुद्दों के लिए उत्तरदायी सामग्री का अवलोकन

निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुबंध I, जोखिम एवं चिंता देखें

खंड ख: प्रबंधन एवं प्रक्रिया प्रकटन

इस खंड का उद्देश्य कारोबारियों को NGRBC सिद्धान्तों और मुख्य तत्वों को अपनाने की दिशा में स्थापित संरचनाओं, नीतियों और प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने में मदद करना है।

प्रकटन प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
नीति एवं प्रबन्धन प्रक्रियाएं									
1. क्या आपकी संस्था की नीति/नीतियां प्रत्येक सिद्धांत और इसके मुख्य तत्वों को कवर करती हैं। (हाँ/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	नहीं	हाँ	हाँ
b. क्या यह नीति निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित है? (हाँ/नहीं)	उपेक बार निदेशक मंडल द्वारा नीति अनुमोदित हो जाने के बाद यह जरूरी नहीं है कि इस पर सीएमडी/निदेशक मंडल द्वारा हस्ताक्षर किए जाएं								
c. उपलब्ध नीतियों का वेबलिंग, यदि उपलब्ध है	जहाँ लागू हैं वहाँ वेबलिंग उपलब्ध किए गए हैं								
2. क्या कंपनी द्वारा नीति को प्रक्रियाओं में बदल दिया है। (हाँ/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
3. क्या सूचीबद्ध नीतियों की पहुँच आपके वेल्डू चौन भागीदारों तक मौजूद कराई गई है? (हाँ/नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
4. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कोड/प्रमाणन/लेबल/मानकों का नाम (जैसे फोरेस्ट स्टेवर्डशिप काउंसिल, फेयरट्रेड, रैनफोरेस्ट अलायंस, ट्रस्टी) मानक (उदा. SA 8000, OHSAS, ISO, BIS) आपकी कंपनी द्वारा अपनाया गया है और प्रत्येक सिद्धांत के लिए मैप किया गया है)	ISO 9001; ISO 14001; OHSAS 18001/ ISO 45001; के मानवाधिकार संबंधी 10 सिद्धांत, मजदूर, पर्यावरण तथा भ्रष्टाचार निरोधक, डीपीई दिशानिर्देश								
5. इकाई द्वारा निर्धारित समय सीमा, यदि कोई हो, के साथ विशिष्ट प्रतिबद्धता और लक्ष्य	जहां कहीं भी लागू हो, धारा में प्रतिबद्धता और लक्ष्य दिए गए हैं								
6. कंपनी द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिबद्धताओं, लक्ष्यों का निष्पादन पूरा न कर पाने का कारण	इंड ग में जहां भी लागू हो, विशिष्ट प्रतिबद्धताओं, लक्ष्यों और लक्ष्यों के, प्रति निष्पादन का उपबंध किया गया है								
शासन नेतृत्व और निगरानी									
7. ईएसजी से संबंधित चुनौतियों, लक्ष्यों और उपलब्धियों को उजागर करते हुए व्यवसाय दायित्व रिपोर्ट के लिए जिम्मेदार निदेशक द्वारा दिए गए विवरण, (कंपनी में इस प्रकटन के संबंध में लचीलापन है)									
8. कारोबार जिम्मेदारी नीति के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए उत्तरदायी उच्चतम प्राधिकारी का विवरण।	नाम: उपिन्द्र सिंह मठारु पदनामरु निदेशक (पावर), अतिरिक्त प्रभार (मा.सं.) DIN: 0009541886 Telephone: 011- 26001002, Email id: pmgus@bhel.in								
9. क्या संधारणीयता संबंधी मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार निदेशक मंडल निदेशक की एक विनिर्दिष्ट समिति है? (हाँ/नहीं)	हां नाम: उपिन्द्र सिंह मठारु पदनाम: निदेशक (पावर), अतिरिक्त प्रभार (मा.सं.) डीन: 0009541886 टेलीफोन : 011- 26001002, ई-मेल आईडी: pmgus@bhel.in								

समीक्षा का विषय	क्या निदेशक/निदेशक मंडल कमेटी/अन्य कमेटी द्वारा समीक्षा की गई है? कृपया निर्दिष्ट करें।									आवधिकता (वार्षिक/अर्धवार्षिक/तिमाही/कोई अन्य-कृपया विनिर्दिष्ट करें)								
	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
10. कंपनी द्वारा एनजीआरबीसी की समीक्षा का विवरण:																		
उक्त नीतियों का निष्पादन और अनुवर्ती कार्यवाई	जहां कहीं भी लागू हो, बीआरएसआर की धारा ग में समीक्षा और आवृत्ति प्रदान की जाती है।																	
सिद्धांतों की प्रासंगिकता की सांविधिक आवश्यकताओं का अनुपालन और किसी भी गैर-अनुपालन का सुधार	जहां कहीं भी लागू हो, बीआरएसआर की धारा सी में वैधानिक आवश्यकताओं के अनुपालन की समीक्षा और आवृत्ति प्रदान की जाती है।																	
11. क्या कंपनी ने किसी बाहरी एजेंसी द्वारा अपनी नीतियों के कार्यकरण का स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन कराया है? (हाँ/नहीं)। यदि हाँ तो एजेंसी के नाम का उल्लेख करें	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9	संगठन की नीतियाँ और प्रक्रियाएँ इल ISO 9001, ISO 14001, OHSAS 18001, ISO 27001, CAG, संसदीय समिति, प्रशासनिक मंत्रालय आदि के ऑडिट/समीक्षा के अधीन है।								

नोट

- हमारे पास इन सिद्धांतों के आधार पर स्थापित विभिन्न पद्धतियाँ और प्रक्रियाएँ हैं, लेकिन उनमें से किसी के संबंध में औपचारिक नीति दस्तावेज नहीं हैं।
- एक बार निदेशक मंडल द्वारा पॉलिसी को मंजूरी मिलने के बाद, इसे सीएमडी/ निदेशक मंडल निदेशक द्वारा अनिवार्य रूप से हस्ताक्षर करने की आवश्यकता नहीं है।
- संगठन की नीतियाँ और प्रक्रियाएँ आईएसओ 9001, आईएसओ 14001, आईएसओ 18001, आईएसओ 27001, सीएजी, प्रशासनिक समितियों द्वारा की जा रही लेखापरीक्षाधसमीक्षा के अधीन हैं।

12. यदि प्रश्न सं. (1) का उत्तर "नहीं" है यानी पॉलिसी के अंतर्गत सभी सिद्धांत कवर नहीं होता है तो इसका कारण दिया जाए:

प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
कंपनी सिद्धांतों की सामग्री को अपने कार्य के लिए नहीं समझती है (हाँ/नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
इकाई उस स्तर पर नहीं है जहां वह निर्दिष्ट सिद्धांतों पर नीतियां बनाने और लागू करने की स्थिति में है (हाँ/नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
संस्था के पास कार्य के लिए वित्तीय याध्मानवीय और तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं (हाँ/नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
इसे अगले वित्तीय वर्ष में करने की योजना है (हाँ/नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
कोई अन्य कारण (कृपया निर्दिष्ट करें)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

पॉलिसी एडवोकेसी के संदर्भ में सिद्धांत 7 के संबंध में, हालांकि कंपनी के पास नीति नहीं है लेकिन 'पॉलिसी एडवोकेसी इन जिम्मेदार तरीके से' के आधार पर स्थापित प्रथाओं का पालन किया जाता है।

खंड ग: सिद्धांत के अनुसार निष्पादन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1: आचार संहिता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही

सीपीएसई के कॉर्पोरेट शासन पर लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों की आवश्यकताओं तथा सेबी द्वारा वर्णित दिशानिर्देशों के अनुपालन में सभी निदेशक मंडल के सदस्यों एवं वरिष्ठ प्रबंधन कर्मिकों के लिए कंपनी में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित 'व्यापार नियमावली व नैतिक आचरण' संहिता प्रभावी है।

<https://www.bhel.com/code.business.conduct.ethics.board.members.senior.management.personnel>

निदेशक मंडल का चार्टर निर्धारित किया है जिसमें निदेशक मंडल और वैयक्तिक निदेशकों की भूमिका और दायित्वों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। इसके अलावा, कंपनी अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचना की गोपनीयता को बनाए रखने और ऐसी सूचना के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करती है। इस दिशा में निदेशक मंडल द्वारा नामोदित व्यक्तियों और उनके तत्काल सम्बंधियों को व्यापार के विनियमन और रिपोर्टिंग के लिए बीएचईएल कोड ऑफ कंडक्ट नीति को अनुमोदन प्रदान किया गया। सेबी (Prohibition of Insider Trading) विनियमन, 2015 और सूचीबद्ध विनियमों के अनुसार उचित प्रकटीकरण के लिए निदेशक मंडल के सदस्यों और कंपनी के अन्य नामित कर्मचारियों को यह निर्देश दिया गया है कि वे इस प्रकार की गोपनीयता बनाए रखें। यह कोड अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचना (यूपीएसआई) के उचित प्रकटन के लिए प्रथाओं और प्रक्रियाओं का भी प्रावधान करता है।

<https://www.bhel.com/code.conduct.prevention.insider.trading>

इनसाइडर ट्रेडिंग कोड के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, एक आंतरिक परिचालन दिशा-निर्देश मौजूद हैं। एक संरचित डिजिटल डेटाबेस जिसमें सभी 'नामित व्यक्तियों' के साथ अतिरिक्त व्यक्तियों के विवरण के साथ जिनके साथ यूपीएसआई साझा किया गया था नाम शामिल हैं। इन नामित व्यक्तियों द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रारंभिक और निरंतर प्रकटीकरण का विवरण प्रस्तुत किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त नामोदित व्यक्तियों को ईमेल यह सूचित करने के लिए की जाती है कि उनके पास UPSI है साथ ही ट्रेडिंग विंडो बंद होने के लिए सूचित करने हेतु बी ई-मेल की जाती है। उन व्यक्तियों को अलग से ई-मेल की जाती है जिनके साथ नामोदित व्यक्तियों द्वारा UPSI साझा किया जाता है।

डीपीई के Corporate Governance and the Listing Regulations संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में बीएचईएल द्वारा भारी उद्योग मंत्रालय एवं स्टॉक एक्सचेंज को तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रेषित की जाती है। पनी की कारपोरेट गवर्नंस आवश्यकताओं के अनुपालन की लेखा परीक्षा प्रत्येक वर्ष सांविधिक कानूनों के अनुपालन से बीएचईएल की गोपनीय लेखा परीक्षा की जाती है और उक्त रिपोर्ट कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट का भाग है। सूचीबद्ध विनियमों का अनुपालन करते हुए, सभी निदेशक मंडल सदस्य और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मिक प्रतिवर्ष इस बात की पुष्टि करते हैं कि उन्होंने संगत वित्त वर्ष के दौरान कंपनी के वार्षिक आचार संहिता और आचार संहिता के प्रावधानों का पूर्ण अनुपालन किया है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा इस आशय की पुष्टि कंपनी के वार्षिक प्रतिवेदन में की जाती है। 'Code of Conduct for Regulating & Reporting Trading by Insiders and for Fair Disclosure, तथा उचित प्रकटन के लिए निदेशक (वित्त) कंपनी का अनुपालन अधिकारी है। इसके अतिरिक्त कंपनी के मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी द्वारा 'Code of Practice and Procedure for Fair Disclosure' का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है।

साथ ही, बीएचईएल द्वारा अपने कर्मचारियों (स्थायी आदेशों द्वारा शासित होने वाले कर्मचारियों के अलावा) के आचरण की उच्चता को बनाए रखने के

सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप बीएचईएल आचरण, अनुशासन एवं एवं अपील नियमावली 1975 लागू है। इसके अलावा धोखाधड़ी रोकथाम नीति एवं विहसल ब्लोअर नीति भी है जो कि किसी को भी कार्यालयीन संस्कृति में अस्वीकार्य कृत्यों प्रथाओं के विरुद्ध एक हथियार की तरह काम आती है बल्कि यह इन दुष्कृत्यों के विरुद्ध एक निवारक भी है। कंपनी सूचना का अधिकार, 2005 के अधीन है तथा इसका ऑडिट कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 139 में उल्लिखित सांविधिक लेखा परीक्षकों एवं बाह्य द्वारा किया जाता है।

<https://www.bhel.com/bhel-fraud-prevention-policy-0>

<https://www.bhel.com/whistle-blower-policy-0>

विक्रेताओं और ग्राहकों के साथ कारोबार के सौदों के क्षेत्र में, बीएचईएल ने दोनों पक्षों को पारदर्शी बनाकर खरीद और संविदा को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआईआई) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग से प्राप्त उचित अनुमोदन के आधार पर बीएचईएल में 'पारदर्शिता एवं ईमानदारी नीति' के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु दो स्वतंत्र बाहरी मॉनीटरों (आईईएम) के पैनल को नियुक्त किया गया है।

बीएचईएल में 'शक्तियों का प्रत्यायोजन (डेलीगेशन ऑफ पावर्स) के माध्यम से विभिन्न पदाधिकारियों की जिम्मेदारी को भली-भांति परिभाषित किया गया है कार्य नीति, क्रय नीति तथा ऐसे अन्य नीति निर्धारक दस्तावेज बीएचईएल की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता को परिभाषित करने के साथ ही उच्चतम स्तर की पारदर्शिता के प्रति कम्पनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, आंतरिक लेखा परीक्षा में क्रयधर्मा अनुबंधों की स्वतंत्र लेखा परीक्षा की जाती है।

आवश्यक संकेतक

1. वित्त वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा प्रतिशत कवरेज:

बीएचईएल द्वारा अपने कर्मचारियों और निदेशकों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आवश्यकता के आधार पर क्यूरेट किया जाता है और इसमें एक कार्यक्रम के भीतर कई विषय (जिनमें नौ सिद्धांतों को शामिल किया जाता है) शामिल हैं।

सेगमेंट	आयोजित किए गए कुल प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	प्रशिक्षण के अंतर्गत शामिल विषय/सिद्धांत तथा इनका प्रभाव	जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा कवर की गई संबंधित श्रेणी में व्यक्तियों का प्रतिशत
निदेशक मंडल	3	व्यापारिक जानकारी, निदेशकों के लिए क्षमता निर्माण।	100%
मुख्य प्रबंधन कर्मिक (निदेशक मंडल के अतिरिक्त)	1	सीएसआर	100%
मुख्य प्रबंधन कर्मिक, निदेशक मंडल के अतिरिक्त कर्मचारी	763	तकनीकी,प्रयोजनमूलक, सुरक्षा, 9 सिद्धांतों के अनुरूप प्रबंधकीय एवं व्यावहारिक विषय	56.7%
कामगार	763		28.1%

2. वित्तीय वर्ष में कंपनी/निदेशकों/KMPs द्वारा विनियामक/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/वित्तीय संस्थाओं के साथ कार्यवाहियों में संदत्त जुर्मानाओं/दंड/निर्णय/यौगिक फीस/निपटान राशि का ब्यौरा क्या है

निदेशकों/केएमपी द्वारा नियामकों/कानून को कार्यवाही में भुगतान की गई सामग्री प्रकृति की कोई जुर्माना/जुर्माना/दंड/पुरस्कार/

कंपाउंडिंग शुल्क/निपटान राशि का भुगतान नहीं किया गया था।

3. उपरोक्त प्रश्न 2 में प्रकट किए गए मामलों में, उन मामलों में अपील/पुनरीक्षण का विवरण जहां मौद्रिक या गैर-मौद्रिक कार्रवाई अपील की गई है—

लागू नहीं

4. क्या इस कंपनी में भ्रष्टाचार विरोधी या रिश्वतखोरी विरोधी नीति है?

जी हाँ, बीएचईएल की भ्रष्टाचार विरोधी और रिश्वतखोरी विरोधी नीति है। बीएचईएल द्वारा उच्च स्तर का आचरण करने के प्रयासों के लिए अपने कर्मचारियों (स्थायी आदेशों से शासित कर्मचारियों को छोड़कर) के लिए के बीएचईएल आचरण, अनुशासन और अपील नियम, 1975 नीति है इसे धोखाधड़ी निवारण नीति और व्हिसल ब्लोवर नीति द्वारा बढ़ाया गया है, जो न केवल कंपनी को अस्वीकार्य प्रथाओं के विरुद्ध खतरा पैदा करता है, बल्कि एक निवारक के रूप में भी कार्य करता है। कंपनी 'सूचना का अधिकार अधिनियम' 2005, संवैधानिक लेखापरीक्षकों द्वारा ऑडिट लेखा-परीक्षण एवं कंपनी अधिनियम-2013 के खंड 139 के तहत नियंत्रक- महालेखापरीक्षक के परीक्षाधीन है

<https://www.bhel.com/bhel-fraud-prevention-policy-0>

<https://www.bhel.com/whistle-blower-policy-0>

व्यवसाय के क्षेत्र में विक्रेताओं और उपभोक्ताओं के साथ डीलिंग के लिए बीएचईएल ने क्रय एवं अनुबंध गतिविधियों क्रियाकलापों में दोनों पक्षों के नैतिक आचरण में अत्यधिक पारदर्शिता व ईमानदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआईआई) के साथ एमओयू किया है। केंद्रीय सतर्कता आयोग से प्राप्त उचित अनुमोदन के आधार पर बीएचईएल में 'पारदर्शिता एवं ईमानदारी नीति' के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु दो स्वतंत्र बाहरी मॉनिटरों (आईईएम) के पैनल को नियुक्त किया गया है। बीएचईएल में 'शक्तियों का प्रत्यायोजन (डेलीगेशन ऑफ पावर्स) के माध्यम से विभिन्न पदाधिकारियों की जिम्मेदारी को भली-भांति परिभाषित किया गया है। कार्य नीति, क्रय नीति तथा ऐसे अन्य नीति निर्धारक दस्तावेज बीएचईएल की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता को परिभाषित करने के साथ ही उच्चतम स्तर की पारदर्शिता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, आंतरिक लेखा परीक्षा में क्रय/कार्य अनुबंधों की स्वतंत्र लेखा परीक्षा की जाती है।

5. उन निदेशकों/केएमपी/कर्मचारियों/कामगारों की संख्या जिनके विरुद्ध किसी विधि प्रवर्तन एजेंसी द्वारा घूस/भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई थीरू

कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट की सतर्कता प्रणाली, अनुबंध-VIII देखें।

6. हितों के टकराव से संबंधित शिकायतों का विवरण:

	संख्या	टिप्पणी	संख्या	टिप्पणी
निदेशकों के हितों के टकराव के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	0	--	0	--

केएमपी (निदेशकों को छोड़कर) के हितों के टकराव के मुद्दों के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	0	--	0	--

7. भ्रष्टाचार और हितों के टकराव के मामलों पर विनियामकों/विधि प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थाओं द्वारा की गई जुर्माना/कार्रवाई/कार्रवाई/कार्रवाई से संबंधित किसी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें—

कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट की सतर्कता प्रणाली, अनुबंध-VIII देखें।

नेतृत्व संकेतक

1. वित्त वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत के मूल्य शृंखला साझेदारों के लिए आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रम:

आयोजित कुल जागरूकता कार्यक्रम	प्रशिक्षण के अंतर्गत कवर किए गए विषय/सिद्धांत	जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत मूल्य शृंखला भागीदारों (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यापार के मूल्य द्वारा) का प्रतिशत।
22	1. सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद नीति पर जागरूकता (एमएसई)-एमएसई के लिए आदेश (एमएसएमई मंत्रालय द्वारा जारी किया गया) 2. ऑनलाइन आपूर्तिकर्ता पंजीकरण पोर्टल 3. गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) 4. बीएचईएल की अनुबंध की सामान्य शर्तें	40%

2. क्या कंपनी के पास निदेशक मंडल के सदस्यों को शामिल करते हुए हितों के टकराव से बचने के लिए प्रक्रियाएं मौजूद हैं?

हां, कंपनी का निदेशक मंडल के सदस्यों से संबंधित हितों के टकराव से बचने/उसका प्रबंधन करने के लिए एक विस्तृत विधिक ढांचा है।

कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 में विस्तृत प्रावधान हैं जिनके लिए निदेशक मंडल के निदेशकों को किसी भी कंपनी (कंपनियों)/निकायों कॉर्पोरेट/फर्मों में अपनी चिंता या रुचि (उनकी शोयधारिता सहित) का खुलासा करने की आवश्यकता होती है।/व्यक्तियों के अन्य संघ, समय-समय पर और साथ ही जब भी पहले से किए गए प्रकटीकरण में कोई परिवर्तन होता है। इस संबंध में, निदेशक निदेशक मंडल को एक प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करते हैं जिसमें कहा गया है कि उनकी चिंता/हित के कारण कंपनी के व्यवसाय के संबंध में उनका कोई हितों का टकराव नहीं है और जब भी ऐसा कोई विरोध/हित उत्पन्न होता है तो वे तुरंत निदेशक मंडल को सूचित करेंगे।

इसके अलावा, कंपनी निदेशक मंडल ने सभी निदेशक मंडल सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए व्यवसाय आचार संहिता अनुमोदित की है। इस

संहिता में संहिता (i) सामान्य नैतिक अनिवार्यताएं (ii) विशिष्ट व्यावसायिक उत्तरदायित्व के साथ-साथ (iii) निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए अतिरिक्त विशिष्ट प्रावधान है।

इन प्रक्रियाओं के अलावा, निदेशक मंडल के सदस्यों के हितों के टकराव से बचने / प्रबंधन करने के लिए, निदेशक मंडल के स्वतंत्र निदेशकों को कुछ अतिरिक्त प्रावधानों का पालन करने की आवश्यकता होती है, जैसे कि उनकी स्वतंत्रता की घोषणा प्रस्तुत करना (अर्थात् वे मानदंडों को पूरा करते हैं) स्वतंत्रता और कि वे किसी भी परिस्थिति या स्थिति से अवगत नहीं हैं, जो मौजूद हैं या यथोचित रूप से प्रत्याशित हो सकते हैं, जो एक उद्देश्य स्वतंत्र निर्णय के साथ और बिना किसी बाहरी प्रभाव के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की उनकी क्षमता को प्रभावित या प्रभावित कर सकते हैं) और अनुसूची प्ट का अनुपालन कंपनी अधिनियम जो अन्य बातों के साथ-साथ (प) पेशेवर आचरण के दिशानिर्देश (पप) भूमिका और कार्य (पपप) स्वतंत्र निदेशकों के लिए कर्तव्य का प्रावधान प्रदान करता है

सिद्धांत 2: उत्पाद जीवन चक्र स्थिरता

बीएचईएल पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और उपकरणों की दक्षता में सुधार के माध्यम से हरित पर्यावरण में योगदान दे रहा है। विद्युत चक्र दक्षता में निरंतर सुधार और कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों से कम उत्सर्जन, सब क्रिटिकल से सुपर क्रिटिकल तक प्रौद्योगिकी के विकास के द्वारा समय पर हासिल किया गया है। बीएचईएल द्वारा सफ़लाइ किए गए विद्युत संयंत्र उपकरणों की विशेषताओं में सहायक उपकरण से विद्युत की कम खपत, प्लांट की उच्च दक्षता, संरचनात्मक रूप से ताप सह और उच्च परिचालन उपलब्धता प्रदान करने के साथ ही उन्नत जीवन चक्र लागत प्राप्त करने में सहायता करना शामिल है।

बीएचईएल फ्लू-गैस डीसल्फराइजेशन (एफजीडी) सिस्टम, सेलेक्टिव कैटालिटिक रिडक्शन (एससीआर) प्लांट्स, सौर फोटोवोल्टेशन की आपूर्ति और कमीशनिंग के माध्यम से उत्सर्जन को कम करने के लिए व्यापक समाधान प्रदान करता है। बीएचईएल बहिस्राव शोधन संयंत्रों और सीवेज शोधन संयंत्रों (एसटीपी) की आपूर्ति के माध्यम से शून्य तरल बहिस्राव समाधान भी प्रदान करता है। बीएचईएल ने हाई-ऐश इंडियन कोयले से सिनगैस बनाने के लिए पूर्ण रूप से स्वदेशी प्रेशराइज्ड फ्लूइड बेंड गैसीफिकेशन (पीएफबीजी) तकनीक विकसित की है। यह सिनगैस औद्योगिक रसायनों के उत्पादन के लिए एक फीड के रूप में कार्य करता है। उत्पादों में समाविष्ट कार्बन की कमी के प्रति सचेत प्रयास भी जारी हैं। कंपनी ने प्रदूषण फैलाने वाले ईंधनों को स्वच्छ ईंधनों से बदलने का विकल्प चुना है, जैसे कि गैस का उपयोग अब सिरालिन जैसे उत्पादों के उत्पादन के दौरान ताप ऊर्जा (पहले के बजाय) के स्रोत के रूप में किया जाता है।

आवश्यक संकेतक

1. अनुसंधान व विकास और पूंजी व्यय (capex) विनिवेशों का प्रतिशत विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में पर्यावरणीय प्रभाव सॉफ्टउत्पादों की प्रक्रिया में सुधार के लिए कुल अनु.ववि. और कंपनी द्वारा किए गए पूंजी निवेश का क्रमशः प्रतिशत

	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2020-21
आर एंड डी % (करोड़ रुपए में)	2.24% (699.57)	4.98% (726.49)
कैपेक्स % (रु. करोड़ में)	0% (2.97)	0% (6.71)

बीएचईएल ने आईजीसीएआर और एनटीपीसी के सहयोग से स्वच्छ कोयला

प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय मिशन के तत्वाधान में उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल प्रौद्योगिकी विकसित की है और 38% की दक्षता की तुलना में 45-46% दक्षता हासिल की है।

परिणामस्वरूप, यह कोयले की खपत को और कम करेगा और सुपर क्रिटिकल विद्युत संयंत्रों की तुलना में लगभग 11% और विद्युत उत्पादन की एकल इकाई के लिए सहायक विद्युत संयंत्रों की तुलना में लगभग 20% तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को पूरा करेगा। इस परियोजना के अनु. एवं. विकास का चरण सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता की तीव्र स्थापना के लिए पर्यावरणीय चिंताओं के साथ, कोयला गैसीकरण को संयोजन की तुलना में एक स्वच्छ विकल्प के रूप में देखा जा रहा है, कोयला गैसीकरण से उत्पादित साइनगैस का उपयोग विभिन्न रसायनध्वन (जैसे-मिथेनॉल, अमोनिया, अमोनियम नाइट्रेट, हाइड्रोजन आदि) का उत्पादन करने में किया जा सकता है। बीएचईएल ने हाई ऐश इंडियन कोल से के लिए एक 0.25 टीपीडी कोयला से मिथेनॉल प्रायोगिक संयंत्र स्थापित किया है जो कि विभिन्न रसायनों/ईंधनों जैसे अमोनियम नाइट्रेट, मिथेनॉल, हाइड्रोजन आदि पर कार्य करता है।

बीएचईएल ने उच्च दक्षता c&Si सोलर सेल के लिए स्वदेशी रूप से विकसित चैपेजमक म्पजजमत त्मत ब्दज्जज (पीईआरसी) प्रौद्योगिकी का विकास किया है। इस विकास के साथ, बीएचईएल को पीईआरसी प्रौद्योगिकी के उन्नयन के लिए प्रकोष्ठ स्तरीय और समर्पित सेल स्तर की अनुभव विकास सुविधा है। समानांतर में, बीएचईएल 25% दक्षता के साथ Heterojunction सौर सेल प्रौद्योगिकी के विकास पर भी काम कर रहा है।

शहरी मोबिलिटी क्षेत्र में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में अनुकूल अभियान चलाया जा रहा है। बीएचईएल ने ई-बसों के लिए स्थायी मैग्नेट मोटर्स, इंडक्शन मोटर्स और आईजीबीटी कंट्रोलर विकसित किए हैं।

अनु. एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी उपलब्धियों के लिए निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक- VI देखें।

6.3 वर्ष के दौरान उपलब्धियाँ

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-VII 7.2 प्रौद्योगिकी अवशोषण और अनुसंधान एवं विकास देखें।

2. क. क्या इकाई के पास सतत स्रोत के लिए प्रक्रियाएं मौजूद हैं? ख. यदि हाँ, तो इनपुट का कितना प्रतिशत सतत रूप से प्राप्त किया गया है?

नहीं। बीचईएल का स्रोत विभिन्न इनपुट सामग्री और उसके कई मूल्य श्रृंखला भागीदारों से घटक है जो आईएसओ 14001, ओएचएसएस 18001 आदि जैसे मानकों के साथ प्रमाणित और अनुरूप हैं।

3. जीवन चक्र समाप्त होने पर पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और निपटान के लिए अपने उत्पादों को सुरक्षित रूप से पुनः प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं का वर्णन करें, (ए) प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित) (बी) ई-अपशिष्ट (सी) खतरनाक अपशिष्ट और (डी) अन्य अपशिष्ट।

बीचईएल के उत्पाद पूंजीगत वस्तु श्रेणी के अंतर्गत आते हैं, जिनका जीवन अधिकांश मामलों में 25 वर्ष से अधिक होता है। नवीनीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से उत्पादों या प्रणालियों के जीवन के विस्तार बाजार की आवश्यकतानुसार किया जाता है। पूंजीगत माल के जीवन की समाप्ति के बाद वे पुनः उपयोग के लिए अयोग्य हो जाते हैं और इसलिए उन्हें पूंजीगत उत्पादों के स्वामी द्वारा स्कैप के रूप में निपटान

किया जाता है।

4. क्या विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) कंपनी की गतिविधियों पर लागू है। (हाँ / नहीं)

विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) बीएचईएल की गतिविधियों पर लागू नहीं होती है।

नेतृत्व संकेतक

1. क्या कंपनी ने अपने किसी उत्पाद (विनिर्माण उद्योग के लिए) या अपनी सेवाओं (सेवा उद्योग के लिए) Life Cycle Perspective@ Assessments (LCA) किया है?

नहीं, कंपनी ने उत्पादों के लिए जीवन चक्र आकलन नहीं किया है।

2. यदि आपके उत्पादों/सेवाओं के उत्पादन या निपटान से उत्पन्न कोई महत्वपूर्ण सामाजिक या पर्यावरणीय चिंताएं/खिम् हैं जैसा कि जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य/आकलन ((एलसीए) में पहचान की गई है या किसी अन्य साधन के माध्यम से, संक्षेप में इसे दूर करने हेतु की गई कार्रवाई का वर्णन करें।

लागू नहीं।

3. उत्पादन (विनिर्माण उद्योग के लिए) अथवा सेवा प्रदान करने (सेवा उद्योग के लिए), में प्रयुक्त कुल सामग्री (मूल्य द्वारा) के पुनर्चक्रित या पुनः उपयोग किए गए इनपुट सामग्री का प्रतिशत।

कंपनी की विनिर्माण प्रक्रियाओं से/11तु स्क्रेप की उचित मात्रा उत्पन्न होती है, हालांकि अपशिष्ट उत्पन्न करने को कम करने के लिए इंजीनियरिंग उपाय किए जाते हैं।

बाद में यह स्क्रेप कंपनी के अंदर पुनर्चक्रण होता है और इसका पुनः उपयोग किया जाता है।

उदाहरण के लिए हरिद्वार में सेंट्रल फाउंड्री फोर्ज प्लांट (सीएफएफपी) स्टील फोर्जिंग्स और कास्टिंग्स बनाती है जिसके लिए स्टील स्क्रेप एक प्रमुख कच्चा माल है। पुनः प्रयोज्य सामग्री का इस्तेमाल भी निर्मित वस्तुओं के पैकिंग के लिए किया जाता है।

इस समय इस प्रकार पुनर्चक्रित/पुनः उपयोग की गई वस्तुओं के मूल्य निर्धारित नहीं किया जा रहा है।

कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट, अनुबंध-IV Sustainability and CSR देखें।

4. उत्पादों के जीवनचक्र समापन पर में प्राप्त किए गए उत्पादों और पैकेजिंग में से कुल (मेट्रिक टन में) पुनः उपयोग, पुनर्चक्रित और सुरक्षित रूप से निपटाया गई:

बीएचईएल की व्यवसाय प्रकृति बी2बी है और हमारी आपूर्ति दीर्घकालिक जीवन चक्र (25 वर्ष और उससे अधिक) के साथ पूंजीगत माल श्रेणी में आता है। पैकेजिंग की सभी सहायक सामग्री, जिसमें हम अपने उत्पादों की आपूर्ति करते हैं, देश और विदेश में फैले अपने ग्राहकों की संपत्ति बन

जाती है। इस स्थिति में, उत्पाद (जीवन चक्र समाप्त होने पर) या ग्राहक से पैकेजिंग सामग्री को पुनः प्राप्त करना संभव नहीं है।

5. प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए उत्पाद और उनकी पैकेजिंग सामग्री (उत्पाद के प्रतिशत के रूप में) को पुनः प्राप्ति।

बिंदु संख्या 04 (पिछले बिंदु में) में समझाया गया है।

सिद्धांत 3: कर्मचारी कल्याण

बीएचईएल मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। कंपनी की मानव संसाधन प्रबंधन नीति का मार्गदर्शक सिद्धांत मानव संसाधनों की सक्षम, प्रेरित और प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित करना और संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हर समय उनकी पूर्ण क्षमता की प्राप्ति को सुगम बनाना है। कंपनी ने रोजगार संबंध, करियर विकास/उन्नति और कर्मचारियों के अनुमोदन/लाभ, स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण को विनियमित करने तथा पारदर्शिता और कार्यान्वयन की एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए 'कार्मिक मैनुअल' के रूप में एचआरएम नीतियों और नियमों को दस्तावेज के रूप में तैयार किया है। इन नीतियों को एक शिकायत निवारण तंत्र द्वारा दो योजनाओं के अंतर्गत समाहित किया गया है – पहली कामगारों के लिए और दूसरी कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए। इस स्कीम के प्रयोजन के लिए कोई शिकायत से कंपनी की नीतियों/नियमों या प्रबंधन निर्णयों के कार्यान्वयन से उत्पन्न किसी कर्मचारी से संबंधित शिकायत अभिप्रेत है। इन दोनों योजनाओं में त्रि-स्तरीय समाधान का प्रावधान है। प्रत्येक चरण में शिकायत के समाधान के लिए निश्चित समय सीमा निर्धारित की जाती है। इसके अलावा, कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए यदि पीड़ित कर्मचारी शिकायत के समाधान से संतुष्ट नहीं होता है शिकायत निवारण योजना के मामले में एक अपीलीय तंत्र भी प्रदान किया जाता है। बीएचईएल की एक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) नीति है जो संगठन के सभी कर्मचारियों और अन्य हितधारकों को पर्यावरण की सुरक्षा के लिए उचित/यान देने के लिए सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह नीति आईएसओ 14001 और आईएसओ 45001 प्रबंधन प्रणाली प्रमाणीकरण मानकों की आवश्यकताओं के अनुरूप है और <https://www.bhel.com/sites/default/files/HSEPOLICY.pdf> लिंक पर एक्सेस की जा सकती है। इस नीति को लागू करने वाली सभी इकाइयों/भागों में एचएसई प्रकोष्ठ, संगठन स्तर पर एचएसई मामलों से संबंधित रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करता है। इस बारे में कर्मचारियों और

अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए सभी कार्यस्थलों पर एचएसई नीति को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है तथा इसे क्षेत्रीय भाषाओं में भी अनूदित किया गया है। और इसे आंतरिक एवं बाहरी एजेंसियों द्वारा 45 आवधिक लेखा परीक्षा भी सुनिश्चित की जाती है। कार्य स्थलों पर आईएसओ 14001 और आईएसओ 45001 प्रबंधन प्रणाली की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक और बाहरी एजेंसियों द्वारा समय-समय पर हैं।

आवश्यक संकेतक

1. क. कर्मचारियों के कल्याण के उपायों का विवरण:

कवर किए गए कर्मचारियों का प्रतिशत											
श्रेणी	कुल (A)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व हित लाभ		पितृत्व हित लाभ		Day Care सुविधाएं	
		संख्या (B)	% (B/A)	संख्या (C)	% (C/A)	संख्या (D)	% (D/A)	संख्या (E)	% (E/A)	संख्या (F)	% (F/A)
स्थायी कर्मचारी											
पुरुष	28925	28925	100	28925	100	0	0	28925	100	0	0
महिला	1833	1833	100	1833	100	1833	100	0	0	0	0
कुल	30758	30758	100	30758	100	1833	6	28925	94	0	0
स्थायी कर्मचारियों के अतिरिक्त											
पुरुष	13791	13791	100	13791	100	0	0	0	0	0	0
महिला	1533	1533	100	1533	100	1533	100	0	0	479	31
कुल	15324	15324	100	15324	100	1533	10	0	0	479	3

बीएचईएल अपने कर्मचारियों और उनके आश्रितों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है यह सुविधा अधिवर्षिता/मृत्यु पर कर्मचारियों/पति/पत्नी को भी दी जाती है। बीएचईएल के विनिर्माण संयंत्रों सहित अनेक परिसरों में डे केयर सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

ख. कामगारों के कल्याण के उपायों का विवरण:

कवर किए गए कामगारों का प्रतिशत											
श्रेणी	कुल (A)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व हित लाभ		पितृत्व हित लाभ		Day Care सुविधाएं	
		संख्या (B)	% (B/A)	संख्या (C)	% (C/A)	संख्या (D)	% (D/A)	संख्या (E)	% (E/A)	संख्या (F)	% (F/A)
स्थायी कर्मचारी											
पुरुष	15305	15305	100	15305	100	0	0	15305	100	0	0
महिला	415	415	100	415	100	415	100	0	0	0	0
कुल	15720	15720	100	15720	100	415	3	15305	97	0	0
स्थायी कर्मचारियों के अतिरिक्त											
पुरुष	13728	13728	100	13728	100	0	0	0	0	0	0
महिला	1532	1532	100	1532	100	1532	100	0	0	479	31
कुल	15260	15260	100	15260	100	1532	10	0	0	479	3

बीएचईएल अपने कर्मचारियों और उनके आश्रितों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है यह सुविधा अधिवर्षिता/मृत्यु पर कर्मचारियों/पति/पत्नी को भी दी जाती है। बीएचईएल के विनिर्माण संयंत्रों सहित अनेक परिसरों में डे केयर सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

‘स्थायी कर्मचारियों को छोड़कर’ बीमा कार्य संविदा में अंतर्निहित है।

कृपया COVID Response खंड का अवलोकन करें

2. चालू वित्त वर्ष और पूर्व वित्त वर्ष के लिए सेवानिवृत्ति लाभों का विवरण

हितलभ	वित्तीय वर्ष 2021-22			वित्तीय वर्ष 2020-21		
	कुल कर्मचारियों में से कवर किए गए कर्मचारियों का प्रतिशत	कुल कामगारों में से कवर किए गए कामगारों का प्रतिशत	कंपनी द्वारा कटौती एवं जमा की गई	कुल कर्मचारियों में से कवर किए गए कर्मचारियों का प्रतिशत	कुल कामगारों में से कवर किए गए कामगारों का प्रतिशत	कंपनी द्वारा कटौती एवं जमा की गई
भविष्य निधि	100	100	हाँ	100	100	हाँ
ग्रेच्युटी	100	100	हाँ	100	100	हाँ
ईएसआई*	-	-	-	-	-	-
अन्य (बीएचईएल पेंशन योजना)	100	100	लागू नहीं	100	100	लागू नहीं

पीएफ और ग्रेच्युटी के अलावा सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में, सभी कर्मचारी और कामगार भी बीएचईएल पेंशन योजना के अंतर्गत शामिल हैं।

*बीएचईएल में ESI लागू नहीं है क्योंकि बीएचईएल सभी कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधा योजना प्रदान करता है।

3. कार्यस्थलों तक पहुंच

क्या दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार दिव्यांगजन कर्मचारियों और कामगारों की पहुंच वाले कंपनी के परिसर/कार्यालय हैं?

हां, बीएचईएल के परिसर और कार्यालय दिव्यांग कर्मचारियों और कामगारों के लिए सुगम हैं। संरचनात्मक सुधार और अन्य परिवर्तन (नीतियों आदि में) दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की अपेक्षाओं के अनुसार किए जाते हैं।

4. क्या कंपनी के पास दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार समान अवसर नीति है?

हां, यह कंपनी भारत सरकार द्वारा अधिदेशित समाज के सामाजिक, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों, निःशक्त कर्मियों और महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए भर्ती और पदोन्नति में सकारात्मक कार्यवाई करती है। चिकित्सा से पूर्व सेवानिवृत्ति लेने वाले कर्मचारी के मामले में, निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम के प्रावधानों पर विचार किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, दिव्यांग कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिए सरकारी दिशानिर्देशों की प्रयोज्यता के लिए स्थानांतरण और जॉब रोटेशन नीति को अनिवार्य बनाया गया है।

5. parental leave लेने वाले स्थायी कर्मचारियों और कामगारों को काम पर वापस आना और उनकी प्रतिधारण दरें ।

लिंग	स्थायी कर्मचारी		स्थायी कामगार	
	कार्य पर वापस लौटने की दर	प्रतिधारण दर	कार्य पर वापस लौटने की दर	प्रतिधारण दर
पुरुष	100%	100%	100%	100%
महिला	100%	99%	100%	100%
कुल	100%	100%	100%	100%

6. कर्मचारियों और कामगारों की निम्नलिखित श्रेणियों के लिए शिकायतों को प्राप्त करने और उनका समाधान करने के लिए कोई तंत्र उपलब्ध है?

दो योजनाओं के माध्यम से शिकायत निवारण तंत्र – कर्मचारियों के लिए और अन्य के लिए स्टाफ और अधिकारियों के लिए एक शिकायत से कंपनी की नीतियों के कार्यान्वयन से उत्पन्न किसी कर्मचारी से संबंधित शिकायत अभिप्रेत है। इन दोनों योजनाओं में त्रि-स्तरीय समाधान का प्रावधान है। प्रत्येक चरण में शिकायत के समाधान के लिए अंतिम समय सीमा निर्धारित की जाती है, इसके अलावा, कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए शिकायत निवारण योजना के तहत एक अपीलीय तंत्र भी उपलब्ध कराया जाता है, जो एक व्यथित कर्मचारी का दृष्टिकोण संतुष्ट नहीं हो सकता है।

	हां / नहीं
स्थायी कामगार	जी हां
स्थायी कामगारों के अतिरिक्त	जी हां
स्थायी कर्मचारी	जी हां
स्थायी कर्मचारियों के अतिरिक्त	जी हां

स्थायी कर्मचारियों/कामगारों को छोड़कर शिकायत का निपटान मामला-दर-मामला अथवा ठेकेदार के माध्यम से किया जाता है।

7. सूचीबद्ध निकाय द्वारा मान्यताप्राप्त यूनियनों अथवा एशोसिएशनों में कर्मचारियों और कामगारों की सदस्यता :

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2021.22			वित्तीय वर्ष 2020.21		
	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों / कामगारों की संख्या (A)	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों / कामगारों की संख्या जो यूनियनों / एशोसिएशनों का हिस्सा हैं (B)	% (B/A)	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों / कामगारों की संख्या (C)	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों / कामगारों की संख्या जो यूनियनों / एशोसिएशनों का हिस्सा हैं (D)	% (D/C)
कुल स्थायी कर्मचारी	30758	30758	100	32131	32131	100
— पुरुष	28925	28925	100	30238	30238	100
— महिलाएं	1833	1833	100	1893	1893	100
कुल स्थायी कामगार	15720	15720	100	16414	16414	100
— पुरुष	15305	15305	100	15969	15969	100
— महिलाएं	415	415	100	445	445	100

बीएचईएल में भागीदारी प्रबंधन के सिद्धांत के आधार पर कामगारों और कंपनी के हितों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शीर्ष स्तरीय द्विपक्षीय निकाय अर्थात् 29 प्रतिभागी श्रमिक संघ हैं। उपरोक्त के अलावा बीएचईएल में अधिकारियों और पर्यवेक्षकों हेतु एक-एक यानी कुल दो कर्मचारी एशोसिएशन हैं।

कर्मचारियों की सभी तीन श्रेणियां अर्थात् कार्यपालकों, पर्यवेक्षकों और कामगारों का प्रतिनिधित्व उनके संबंधित संघों/श्रमिक संघों द्वारा किया जाता है।

8. कर्मचारियों और कामगारों को दिए गए प्रशिक्षण का विवरण :

	वित्तीय वर्ष 2021-22					वित्तीय वर्ष 2020-21				
श्रेणी	कुल (A)	स्वास्थ्य और सुरक्षा उपाय संबंधी		कौशल उन्नयन संबंधी		कुल (D)	स्वास्थ्य और सुरक्षा उपाय संबंधी		कौशल उन्नयन संबंधी	
		संख्या (B)	% (B/A)	संख्या (C)	% (C/A)		संख्या (E)	% (E/D)	संख्या (F)	% (F/D)
कर्मचारी										
पुरुष	13620	2060	15.1%	6884	50.5%	14269	1517	10.6%	7174	50.3%
महिलाएं	1418	289	20.4%	851	60.0%	1448	237	16.4%	817	56.4%
कुल	15038	2349	15.6%	7735	51.4%	15717	1754	11.2%	7991	50.8%
कामगार										
पुरुष	15305	1461	9.5%	3192	20.9%	15969	602	3.8%	1374	8.6%
महिलाएं	415	40	9.6%	133	32.0%	445	22	4.9%	86	19.3%
कुल	15720	1501	9.5%	3325	21.2%	16414	624	3.8%	1460	8.9%

9. कर्मचारियों और कामगारों के निष्पादन और कैरियर विकास समीक्षाओं का विवरण:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2021-22			वित्तीय वर्ष 2020-21		
	कुल (A)	संख्या (B)	% (B/A)	कुल (C)	संख्या (D)	% (D/C)
कर्मचारी						
पुरुष	28925	28925	100	30238	30238	100
महिलाएं	1833	1833	100	1893	1893	100
कुल	30758	30758	100	32131	32131	100
कामगार						
पुरुष	15305	15305	100	15969	15969	100
महिलाएं	415	415	100	445	445	100
कुल	15720	15720	100	16414	16414	100

10. स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली:

क. क्या कंपनी द्वारा व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है?

हां, ओएचएसएमएस कंपनी भर में कार्यान्वित की जाती है और कंपनी के प्रत्येक कर्मचारी व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत आते हैं और यह प्रणाली सभी कार्यस्थलों पर लागू होती है।

ख. कार्य संबंधी खतरों की पहचान करने और इकाई द्वारा नियमित और गैर-नियमित आधार पर जोखिमों का आकलन करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रियाएं क्या हैं?

कंपनी के पास कार्य संबंधी खतरों की पहचान करने और नियमित और गैर-नियमित आधार पर जोखिमों का आकलन करने के लिए मजबूत प्रणाली/प्रक्रियाएं हैं।

इनमें से कुछ निम्नलिखित हैं:

HIRA (Hazard Identification and Risk Assessment) – हमारी सभी इकाइयों जोखिमों की पहचान करने के लिए HIRA का पालन कर रही हैं। संबंधित प्रपत्र उपलब्ध हैं और इस दस्तावेज की अपेक्षित किसी भी परिवर्तन के लिए वार्षिक समीक्षा की जाती है।

JSA (Job Safety Analysis) – JSA कार्य के प्रत्येक चरण में खतरों का पता लगाने और सुरक्षा सावधानियों को अपनाये जाने के लिए विशिष्ट उद्देश्य से नौकरियों का विश्लेषण करने की प्रक्रिया है। यह कार्य/प्रक्रिया के लिए योजना स्तर पर किया जाता है।

Method Statement – यह एक विशिष्ट कार्य करने या किसी परियोजना को पूरा करने के सुरक्षित तरीके को रेखांकित करता है और यह सुनिश्चित करता है कि इसमें शामिल लोगों को आवश्यक सावधानियां या नियंत्रण उपाय सूचित किए जाएं। Method statement में यह सुनिश्चित करता है कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिमों की पहचान की गई है और सुरक्षा प्रणालियां स्थापित हैं।

ग. क्या आपके पास कामगारों के लिए कार्य संबंधी खतरों की सूचना देने और ऐसे जोखिमों से स्वयं को हटाने की प्रक्रियाएं हैं। (हाँ/नहीं)

हां, कामगारों के लिए कार्य संबंधी खतरों की सूचना देने और ऐसे जोखिमों

से खुद को हटाने की प्रक्रिया है। असुरक्षित कार्य और असुरक्षित स्थिति को आनलाइन/ऑफलाइन रिकॉर्ड करने की व्यवस्था है। कामगारों को ऐसे किसी भी कार्य संबंधी खतरों की पहचान करने और अपने संबंधित कार्य परिसरों में उपलब्ध पद्धति के माध्यम से उसे सूचित करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा, इन सभी खतरों और जोखिमों को दूर करने के लिए प्रणालियां उपलब्ध हैं।

क. क्या कंपनी के कर्मचारियों/कामगारों को गैर-व्यावसायिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं? (हाँ/नहीं)

हाँ, कर्मचारियों और कामगारों की कंपनी द्वारा संचालित स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के साथ-साथ बाहरी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के माध्यम से दी जा रही गैर-व्यावसायिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच है जिन्हें कंपनी नीति के अनुसार उपयुक्त रूप से मुआवजा दिया जाता है।

11. सुरक्षा से संबंधित घटनाओं का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में है:

सुरक्षा घटना/संख्या	श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2020-21
समय क्षति चोट आवृत्ति दर (LTIFR) (प्रति एक मिलियन व्यक्ति कार्य घंटे)	कामगार	0	0
	कामगार	0	0
कुल रिकार्ड करने योग्य कार्य से संबंधित चोटें	कर्मचारी	0	0
	कामगार	46	34
जान-माल का नुकसान	कर्मचारी	0	0
	कामगार	0	0
कार्य से संबंधित अत्यधिक चोट अथवा खराब स्वास्थ्य (जान-माल नुकसान के अतिरिक्त)	कर्मचारी	0	0
		0	0

12. सुरक्षित और स्वस्थ कार्य स्थल सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा किए गए उपायों का वर्णन करें।

बीएचईएल अपने सभी कर्मचारियों को और व्यक्ति जो बीएचईएल के साथ कार्य करते हैं के सुरक्षित कार्य स्थल और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में दृढ़ता से विश्वास करता है।

यह सक्रिय नेतृत्व और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करके सुरक्षा और स्थिरता संस्कृति विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुबंध VIII, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण (HSE) का अवलोकन करें

निम्नलिखित के बारे में कर्मचारियों एवं कामगारों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों की संख्या :

कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। सुरक्षा से संबंधित असुरक्षित स्थितियों को दर्ज करने के लिए बीएचईएल के संबंधित परिसरों में व्यवस्था है। इसका समाधान संबंधित विभागों द्वारा तत्काल किया जाता है और यह एक सतत प्रक्रिया है।

14. वर्ष के लिए मूल्यांकन:

	आपके संयंत्रों और कार्यालयों का प्रतिशत जिनका मूल्यांकन किया गया (इकाई या सांविधिक प्राधिकरणों या तीसरे पक्षों द्वारा)
स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रथाएं	100%
कार्य करने की दशाएं	100%

15. स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं और कार्य की स्थितियों के आकलन से उत्पन्न महत्वपूर्ण जोखिमों/धित्ताओं को दूर करने के लिए की गई अथवा की जा रही किसी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें। सभी सुरक्षा संबंधी घटनाओं के लिए मूल कारण विश्लेषण (आरसीए) किया जाता है और उपयुक्त सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। सुरक्षा निरीक्षण और सुरक्षा लेखा परीक्षा भी समय-समय पर किए जा रहे हैं। लेखा परीक्षकों द्वारा दी गई सभी टिप्पणियों (आंतरिक के साथ-साथ बाहरी) के संबंध में सुधारात्मक कार्रवाई की जा रही है।

नेतृत्व संकेतक:

1. क्या कंपनी में मृत्यु की स्थिति में किसी भी जीवन बीमा या किसी प्रतिपूरक पैकेज का प्रावधान है। (1) कर्मचारी (हाँ/नहीं), (2) कामगार (हाँ/नहीं)

हाँ, बीएचईएल द्वारा मृत्यु की स्थिति में कर्मचारियों के साथ-साथ कामगारों को भी जीवन बीमा या प्रतिपूरक पैकेज प्रदान किया जाता है।

2. यह सुनिश्चित करने के लिए कि मूल्य शृंखला भागीदारों द्वारा वैधानिक देय राशि काट ली गई है और जमा कर दी गई है, इकाई द्वारा किए गए उपायों को प्रदान करें। बीएचईएल के सभी मूल्य शृंखला भागीदार पीएफ अधिनियम और ईएसआई अधिनियम के तहत आते हैं जो उन्हें कटौती और वैधानिक बकायों को जमा करने के लिए उत्तरदायी बनाता है। केंद्रीय और राज्य दोनों श्रम विभाग, पीएफ और ईएसआई विभाग इस संबंध में आवश्यक निरीक्षण करते हैं।

इसके अतिरिक्त, बीएचईएल और सेवा प्रदाता के बीच सेवा सविदा में सेवा प्रदाता द्वारा पीएफ, ईएसआई आदि जैसे आवश्यक सांविधिक भुगतानों के लिए 'भुगतान टर्म्स' के अंतर्गत भी खंड है।

3. गंभीर रूप से घायल हुए कर्मचारियों/कामगारों की संख्या जिनकी कार्य के दौरान मृत्यु हुई/घायल हुए/स्वास्थ्य खराब हुआ। (जैसा कि आवश्यक संकेतकों के प्रश्न 11 में बताया गया है) जिन्हें स्वयं अथवा परिवार के सदस्यों को उपयुक्त रोजगार दिया गया है।

वर्ष 2021-22 और 2020-2021 के दौरान किसी कर्मचारी का पुनर्वास नहीं किया गया।

4. क्या कंपनी लगातार रोजगार प्रदान करने के लिए और सेवानिवृत्ति अथवा रोजगार समाप्त होने के अवसर पर transition assistance programs प्रदान करती है?

हाँ, बीएचईएल निरंतर रोजगार प्रदान करने और सेवानिवृत्ति अथवा समाप्ति के परिणामस्वरूप समाप्त होने वाले कैरियर के प्रबंधन के लिए transition assistance programs प्रदान करता है।

5. मूल्य शृंखला भागीदारों के मूल्यांकन का विवरण:

सभी बीएचईएल के मूल्य शृंखला भागीदार संगत श्रम कानूनों और कार्यों के अंतर्गत आते हैं। जिसके कारण केंद्रीय और राज्य दोनों श्रम विभाग मूल्य शृंखला भागीदारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पद्धतियों और कार्य स्थितियों से संबंधित आवधिक निरीक्षण करता है। इसमें किसी भी चिह्नित कमियों का समाधान भागीदारों द्वारा किया जाता है।

6. स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं के आकलनों और मूल्य शृंखला भागीदारों की कार्य स्थितियों से उत्पन्न महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं का समाधान करने के लिए की गई अथवा की जा रही किसी सुधारात्मक कार्रवाई का ब्यौरा प्रदान करें।

कृपया ऊपर दिए गए बिंदु संख्या 05 का अवलोकन करें।

सिद्धांत 4: हितधारकों की भागीदारी

बीएचईएल के हितधारकों के अंतर्गत "ग्राहक", "कर्मचारी", "शेयरधारक", "विक्रेता" एवं समाज सम्मिलित है। हितधारकों की अपेक्षाओं और चिंताओं को शामिल करना सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाएं बनाई गई हैं। हितधारकों की भागीदारी के माध्यम से प्रमुख मुद्दों की पहचान की जाती है और स्पष्ट और मापनीय लक्ष्यों के साथ कार्यक्रमों या कार्य योजनाओं द्वारा इनका समाधान किया जाता है। क्षमता वृद्धि हेतु बीएचईएल इकाइयों नियमित रूप से वेंडर मीट विशेषतः एमएसई (स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को शामिल करते हुए) का आयोजन करती हैं जो खुला संवाद वार्ता के साथ-साथ सहयोग और परस्पर लाभप्रदता प्रदान करती है। ग्राहक बैठकें, सर्वेक्षण, निवेशक समुदाय बैठकें, सम्मेलनों, प्रकाशनों आदि के माध्यम से कई माध्यमों से जुड़े हुए हैं। निवेशक समुदाय बैठकें, सम्मेलनों, प्रकाशनों आदि के माध्यम से नियोजित है और उनके निवेश निर्णयों के बारे में संगत सूचना प्रदान की जाती है।

बीएचईएल ने अपनी विनिर्माण इकाइयों/क्षेत्रों/प्रभागों/कार्यालयों/कार्यालयों के आसपास के क्षेत्र में वंचित, वंचित, निर्धन, जरूरतमंद और हाशिए पर रखे गए हितधारकों की पहचान की है और उनकी चिंताओं का निराकरण बीएचईएल की CSR चसपबल जो कि कंपनी अधिनियम-2013 के अनुच्छेद-135 एवं भाग-VII के अनुरूप है तथा इसके अधीन जो नियम बनाए गए हैं साथ ही CSR & Sustainability वित्त CPSEs संबंधी DPE दिशानिर्देशों के द्वारा किया गया है।

https://www.bhel.com/sites/default/files/BHEL_CSR_Policy_July2017.pdf

आवश्यक संकेतक

1. इकाई के प्रमुख हितधारक समूहों की पहचान के लिए प्रक्रियाओं का वर्णन करें।

ऐसे हितधारक जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बीएचईएल की राजस्व अर्जन क्षमता को प्रभावित करते हैं, इसके लाभों को साझा करने के क्षमता हो, मुख्य हितधारक के रूप में जाने जाते हैं।

2. आपके निकाय के लिए प्रमुख के रूप में चिन्हित हितधारक समूहों की सूची और प्रत्येक हितधारक समूह के साथ जुड़ाव की आवृत्ति ।

हितधारक समूह	क्या कमजोर और सीमांत समूह के रूप में पहचान की गई है (हां/नहीं)	संचार के चैनल (ईमेल, एसएमएस, समाचार पत्र, पैम्फलेट, विज्ञापन, समुदाय, बैठकें, नोटिस निदेशक मंडल, वेबसाइट), अन्य	जुड़ाव की आवृत्ति (वार्षिक/अर्ध-वार्षिक/त्रैमासिक/अन्य – कृपया निर्दिष्ट करें)	इस तरह के जुड़ाव के दौरान उठाए गए प्रमुख विषयों और चिंताओं सहित जुड़ाव का उद्देश्य और दायरा
शेयरधारक	जी नहीं	ई-मेल, समाचार पत्र विज्ञापन, स्टॉक एक्सचेंज एवं बीएचईएल की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रकटीकरण	जुड़ाव की आवृत्ति तिमाही, अर्धवार्षिक तथा वार्षिक होती है साथ ही किसी घटना के घटित होने के समय भी होती है।	कंपनी को प्रभावित करने वाली सभी सामग्री तथा सेबी के अंतर्गत आवश्यक प्रकटीकरण (दायित्वों का सूचीकरण और प्रकटन आवश्यकताएं) विनियम, 2015 आपूर्तिकर्ता को जागरूक करना: लोक क्रय नीति (भारत में बनाने पर प्राथमिकता) आयात विकल्प लमड चवतजंस पर संविदा संबंधी मुद्दों में प्रतिभागिता बीएचईएल के शिकायत निवारण पोर्टल, सुविधा पर शिकायत दर्ज करना एवं उसकी स्थिति की नानकारी बीएचईएल के गुणवत्ता उद्देश्य
आपूर्तिकर्ता	जी नहीं	ई-मेल, विज्ञापन, वैंडर मीट, वेबसाइट आदि	नियमित	
कर्मचारी	जी नहीं	ईमेल, मासिक न्यूज लैटर, सूचना पट्ट, इंटरनेट वेबसाइट, शॉप फ्लोर, शॉप काउंसिल, प्लॉट काउंसिल एवं ज्वाइंट काउंसिल बैठकें	मासिक	कंपनी की मासिक प्रगति और व्यापार स्थिति, लक्ष्य, उपलब्धियां और विभाग/अनुभाग स्तरीय चिंताओं आदि साझा करना।
ग्राहक	जी नहीं	ई-मेल, विज्ञापन, फोन द्वारा, बैठकें, वेबसाइट आदि	नियमित	ग्राहक की आवश्यकताओं का आकलन, मौजूदा पूंजी की तुलना में उनकी आवश्यकता, शिकायत समाधान, व्यवसाय पूछताछ आदि
समुदाय	जी हां	बैठकें, स्थानीय एनजीओ	मामला-दर-मामला आधार	उनकी समस्याओं का आकलन करना जो उनकी कमजोरी का कारण हैं एवं जिसके कारण वे बेहतर जीवन स्तर प्राप्त करने में पीछे रहते हैं।

सभी हितधारक समूह “कमजोर एवं हाशिये” पर नहीं हैं परंतु हितधारकों में व्यक्तियों का खंड है जिसे हाशिए पर और कमजोर कहा जा सकता है, जैसे— अनुसूचित जाति/जनजाति एवं महिला स्वामित्व वाले सूक्ष्म लघु एवं कुटीर उद्योग।

नेतृत्व संकेतक

1. आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों पर हितधारकों और निदेशक मंडल के बीच परामर्श की प्रक्रिया प्रदान करना या यदि परामर्श प्रत्यायोजित किया जाए तो निदेशक मंडल को दिए गए ऐसे परामर्शों से फीडबैक किस प्रकार प्राप्त होता है।

2. बीएचईएल के शेयरधारकों के लिए निदेशक मंडल तक पहुंच का सबसे महत्वपूर्ण फोरम कंपनी की वार्षिक आम बैठक है। इन बैठकों के दौरान, शेयरधारक कंपनी के कार्यनिष्पादन, रणनीतियों और दृष्टिकोण के संबंध में विभिन्न प्रश्न उठाते हैं, अपनी शिकायतें साझा करते हैं और न केवल व्यापारिक क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्थाओं में सुधार के संबंध में मूल्यवान फीडबैक भी प्रदान करते हैं।

3. क्या पर्यावरण और सामाजिक विषयों की पहचान और प्रबंधन में हितधारकों के परामर्श का उपयोग किया जाता है?

हाँ। हितधारकों ने बीएचईएल के विभिन्न पर्यावरणीय और सामाजिक प्रयासों जैसे आत्मानिर्भर भारत के तहत स्वदेशीकरण, कोविड के दौरान चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति की आकस्मिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्रों के निर्माण में प्रयास, सौर ऊर्जा का उपयोग और जल संचयन क्षमता के लिए अपना समर्थन प्रदान किया है। बीएचईएल के कारखानों और परियोजना स्थलों में, महिला कर्मचारियों का सशक्तिकरण, बीएचईएल कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों का टीकाकरण अभियान आदि।

3. कमजोर/हाशिए पर हितधारकों की चिंताओं का समाधान करने के लिए की गई कार्रवाई और उनके साथ जुड़ाव के मामलों का विवरण प्रदान करें।

समुदाय के वंचित वर्ग के लिए बीएचईएल स्थानीय एनजीओ द्वारा बेसलाइन सर्वेक्षण के बाद सीएसआर परियोजनाओं पर खर्च किया जाता है। ये स्थानीय गैर सरकारी संगठन अपने बेसलाइन सर्वेक्षणों के दौरान समुदायों के साथ जुड़ते हैं और उनकी जरूरतों और समस्याओं को समझते हैं।

आवश्यक संकेतक:

सिद्धांत 5 – मानवाधिकार

भारत का संविधान और विभिन्न लागू कानूनों के परिपेक्ष्य में बीएचईएल नीतियाँ मानवाधिकारों के सिद्धांतों के अनुरूप हैं। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीएचईएल के विशेष प्रावधान हैं। मानवाधिकारों के दुरुपयोग के संदर्भ में, कंपनी में इस तरह की कोई घटना सामने नहीं आई है। बीएचईएल ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क, भारत (जीसीएनआई) का संस्थापक सदस्य है और यह भारत में की गई पहलों का एक हिस्सा है।

कंपनी कम्युनिकेशन ऑन प्रोग्रेस (सीओपी) के माध्यम से 2001 से वार्षिक आधार पर यूएनजीसी के दस सिद्धांतों पर अपने प्रदर्शन की रिपोर्ट करती है जिसमें यूएनजीसी के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए बीएचईएल की प्रतिबद्धता शामिल है।

इस सीओपी को वेबसाइट के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है

<https://www.bhel.com/commitment-ungc-programme>

1. कर्मचारी और कामगार जिन्हें इकाई के मानवाधिकार मुद्दों और नीति के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2021-22			वित्तीय वर्ष 2020-21		
	कुल (A)	कवर किए गए कर्मचारियों / कामगारों की संख्या (B)	% (B/A)	कुल (C)	कवर किए गए कर्मचारियों / कामगारों की संख्या (D)	% (D/C)
कर्मचारी						
स्थायी	15038	686	4.6%	15717	895	5.7%
स्थायी के अतिरिक्त	0	0	0	0	0	0
कुल कर्मचारी	15038	686	4.6%	15717	895	5.7%
कामगार						
स्थायी	15720	205	1.3%	16414	109	0.7%
स्थायी के अतिरिक्त	0	0	0	0	0	0
कुल कामगार	15720	205	1.3%	16414	109	0.7%

नोट: कंपनी नीति से संबंधित कार्यक्रम के लिए, यहाँ पर केवल मा.सं. नीति से संबंधित शामिल किया गया है।

2. कर्मचारियों और कामगारों को भुगतान की गई न्यूनतम मजदूरी का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में है:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2021-22					वित्तीय वर्ष 2020-21				
	कुल	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम मजदूरी से अधिक		कुल	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम मजदूरी से अधिक	
	(A)	सं. (B)	% (B/A)	सं. (C)	% (C/A)	(D)	सं. (E)	% (E/D)	सं. (F)	% (F/D)
कर्मचारी										
स्थायी										
पुरुष	28925	0	0	28925	100	30238	0	0	30238	100
महिलाएं	1833	0	0	1833	100	1893	0	0	1893	100
स्थायी के अतिरिक्त										
पुरुष	13791	6264	45.4%	7527	54.6%	15302	4095	26.8%	11207	73.2%
महिलाएं	1533	652	42.5%	881	57.5%	1715	400	23.3%	1315	76.7%
कामगार										
स्थायी										
पुरुष	15305	0	0	15305	100%	15969	0	0	15969	100%
महिलाएं	415	0	0	415	100%	445	0	0	445	100%
स्थायी के अतिरिक्त										
पुरुष	13728	6264	45.6%	7464	54.4%	15302	4095	26.8%	11207	73.2%
महिलाएं	1532	652	42.6%	880	57.4%	1715	400	23.3%	1315	76.7%

3. पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी का विवरण:

बीएचईएल के कर्मचारियों और कामगारों का वेतन/मजदूरी ढांचा डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित किया गया है:

	पुरुष		महिलाएं	
	संख्या	संबंधित श्रेणी की औसत पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी	संख्या	संबंधित श्रेणी की औसत पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी
निदेशक मंडल (BoD)*	5	₹ 41,40,000	1	₹ 45,00,000
मुख्य प्रबंधक कार्मिक*	1	₹ 40,00,000	0	0
निदेशक मंडल और मुख्य प्रबंधक कार्मिक के अतिरिक्त कर्मचारी	28925	₹ 14,59,670	1832	₹ 17,45,770
कामगार*	15305	₹ 10,16,243	415	₹ 11,10,120

*भुगतानों में पीएफ, उपदान, पीआरएमबी और कार आवास, फर्नीचर आदि जैसे गैर-मौद्रिक लाभों को शामिल नहीं किया गया है।

4. क्या आपकी कंपनी द्वारा किए गए मानवाधिकार प्रभावों या उसमें योगदान के समाधान के लिए विशिष्ट (व्यक्ति/समिति) जिम्मेदार है?

हां, मानवाधिकार संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए प्रत्येक बीएचईएल इकाई में शिकायत निवारण अधिकारी मौजूद हैं।

5. मानवाधिकारों से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए आंतरिक तंत्र का वर्णन करें।

मानवाधिकार संबंधी मुद्दों से संबंधित औपचारिक रूप से निर्धारित शिकायत निवारण तंत्र है। यह तंत्र त्रि-स्तरीय समाधान प्रदान करता है। पहले स्तर पर नियंत्रण अधिकारी के, दूसरे स्तर पर विभाग प्रमुख, तीसरे स्तर पर शिकायत निवारण समिति।

6. कर्मचारियों और कामगारों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों का विवरण निम्नलिखित है:

2021-22 के दौरान यौन उत्पीड़न के दो मामले दर्ज किए गए और दो मामले समाधान के लिए लंबित थे। वर्ष 2020-21 के दौरान, यौन उत्पीड़न का एक मामला दर्ज किया गया और एक मामला लंबित था।

बाल मजदूरी/बलात्कृत मजदूरी/अनैच्छिक मजदूरी/भेदभावपूर्ण रोजगार की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

अनुलग्नक-1 निदेशक मंडल रिपोर्ट, प्रबंधन चर्चा तथा विश्लेषण, मानव संसाधन, राष्ट्रपति के निदेशों की स्थिति, कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और अनुबंध- C का अवलोकन करें।

7. शिकायतकर्ता अंधाधुंध और उत्पीड़न मामलों के प्रतिकूल परिणामों को रोकने के लिए तंत्र।

निवारक कदम के रूप में, शिकायतकर्ता की पहचान केवल आंतरिक शिकायत समिति को जानी जाती है और इसे संरक्षित किया जाता है।

जांच के दौरान की गई सभी बैठकों में शिकायतकर्ता और प्रतिवादी से कभी भी सामने बात नहीं की जाती है।

8. क्या मानवाधिकार संबंधी आवश्यकताएं आपके व्यवसाय समझौतों और अनुबंधों का हिस्सा है?

हां, मानवाधिकार की आवश्यकता व्यवसाय करार या संविदा का हिस्सा है।

बीएचईएल और सेवा प्रदाता के बीच सेवा ठेकों में बाल श्रम, न्यूनतम मजदूरी आदि मानवाधिकार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रावधान है।

9. वर्ष के लिए मूल्यांकन:

सभी बीएचईएल परिसरों का नियमित रूप से संबंधित कानून/कार्य/संविधि से संबंधित अनुपालन हेतु केन्द्रीय तथा राज्य श्रम विभाग, पीएफ तथा ईएसआई विभागों तथा अन्य सरकारी संस्थानों अथवा विभाग द्वारा निरीक्षण किया जाता है तथा कमियों को चिह्नित किया जाता है।

10. उपर्युक्त प्रश्न 9 के आकलनों से उत्पन्न महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं का समाधान करने हेतु की जा रही अथवा के गई कार्रवाई का ब्यौरा दें।

किसी महत्वपूर्ण जोखिम/चिंता की पहचान नहीं की गई है।

नेतृत्व संकेतक:

1. मानवाधिकार शिकायतों/परिवादों के समाधान के परिणामस्वरूप संशोधित और लागू की जा रही व्यावसायिक प्रक्रिया का विवरण

लागू नहीं।

2. किसी भी मानवाधिकार के दायरे और कवरेज के संबंध में द्वैतपूर्ण कार्रवाई विवरण।

लागू नहीं।

3. क्या दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकता के अनुसार दिव्यांगजन आगंतुकों के लिए इकाई का परिसरधकार्यालय सुलभ है?

कृपया सिद्धांत 3, आवश्यक संकेतक सं. 3 का अवलोकन करें।

4. मूल्य शृंखला भागीदारों के मूल्यांकन का विवरण:

बीएचईएल ने मानवाधिकार मानदंडों पर अपने मूल्य शृंखला भागीदारों का आकलन नहीं किया क्योंकि ये संस्थाएं श्रम संबंधी कानूनों/अधिनियमों/विधियों के अंतर्गत आती हैं और संबंधित सरकारी विभाग/संस्थान द्वारा मूल्यांकन या निरीक्षण किया जाता है।

5. उपर्युक्त प्रश्न 4 के आकलनों से उत्पन्न महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं का समाधान करने के लिए की गई अथवा की जा रही सुधारात्मक कार्रवाई का ब्यौरा प्रदान करें।

लागू नहीं।

सिद्धांत 6: पर्यावरण

बीएचईएल की आईएसओ 14001 से मान्यता प्राप्त एक सुस्थापित पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) है। कॉर्पोरेट एचएसई नीति के आधार पर, सभी विनिर्माण इकाइयों और क्षेत्रों ने आईएसओ 14001 'पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली' मानक की आवश्यकता के अनुरूप अपने एचएसई सिस्टम प्राप्त किए हैं। ईएमएस एक व्यवस्थित तरीके से पर्यावरण से संबंधित जोखिमों को सक्रिय रूप से पहचानने और प्रबंधित करने के लिए एक उत्कृष्ट ढांचा प्रदान करता है। ईएमएस एक व्यवस्थित तरीके से पर्यावरण से संबंधित जोखिमों को सक्रिय रूप से पहचानने और प्रबंधित करने के लिए एक उत्कृष्ट ढांचा प्रदान करता है। सभी बीएचईएल इकाइयों के साथ-साथ बिजली क्षेत्र के क्षेत्रों में एचएसई प्रकोष्ठ रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए शीर्ष स्तर पर कॉर्पोरेट एचएसई विभाग द्वारा समर्थित एचएसई नीति के कार्यान्वयन की देखरेख करते हैं। ईएमएस के अनुपालन और आईएसओ 14001 की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रमाणित करने वाले कंपनी द्वारा आवधिक ऑडिट किए

जाते हैं। कंपनी की एचएसई नीति इंटरनेट पर उपलब्ध है और इसे निम्नलिखित वेब लिंक के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है:

<https://www.bhel.com/sites/default/files/HSEPOLICY.pdf>

कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट, 7.1 ऊर्जा संरक्षण संबंधी अनुबंध- VII का अवलोकन करें।

आवश्यक संकेतक:

1. कुल ऊर्जा खपत (Joules अथवा इसके गुणकों में) तथा ऊर्जा तीव्रता का विवरण

मापदंड	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2020-21
कुल विद्युत खपत (A) (in kilo Joules)	7.56x10 ¹¹	7.23x10 ¹¹
कुल ईंधन खपत (B) (in kilo Joules)	1.93x10 ¹²	1.98x10 ¹²
अन्य स्रोतों से ऊर्जा खपत (C) (in kilo Joules)	9.78x10 ¹⁰	9.79x10 ¹⁰
कुल ऊर्जा खपत (A+B+C) (in kilo Joules)	2.78x10 ¹²	2.81x10 ¹²
प्रति रुपया टर्नओवर ऊर्जा की तीव्रता (कुल ऊर्जा खपत kilo Joule में/ टर्नओवर रुपये में)	-	-

ऊर्जा तीव्रता (वैकल्पिक) – ऊर्जा तीव्रता (विकल्प) – कंपनी द्वारा संबंधित मीट्रिक का चयन किया जा सकता है।		

नोट: यदि किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आंकलन/मूल्यांकन/आश्वासन दिया गया हो (हाँ/नहीं), यदि हाँ, तो उसका विवरण दें?

किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई आंकलन/मूल्यांकन/आश्वासन नहीं दिया गया है।

2. क्या इस इकाई के पास भारत सरकार की निष्पादन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना के तहत नामित उपभोक्ताओं (डीसी) के रूप में चिन्हित कोई स्थल/सुविधाएं हैं?

किसी भी बीएचईएल सुविधा की पहचान निष्पादन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना के तहत निर्दिष्ट उपभोक्ताओं (डीसी) के रूप में नहीं की गई है।

कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट, 7.1 ऊर्जा संरक्षण संबंधी अनुबंध- VII का अवलोकन करें।

3. पानी के संबंध में प्रकटीकरण को नीचे दिए गए प्रारूप में दें:

मापदंड	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2020-21
स्रोत द्वारा पानी की निकारी (in kilolitres)		
(i) सतही जल	12299078	12524754
(ii) भूमिगत जल	6107431	6942497
(iii) थर्ड पार्टी वाटर	1496445	1714531
(iv) समुद्री जल/अलवणीकृत जल	0	0
(v) अन्य	469869	481022
कुल पानी निकासी मात्रा (in kilolitres) (i + ii + iii + iv + v)	20372823	21662804
कुल पानी खपत की मात्रा (पद पसवसपजतमे)	20224824	21518805
प्रति रुपया टर्नओवर पानी की तीव्रता (पानी खपत/टर्नओवर – Litre per Rs.)	0.100	0.132
पानी की तीव्रता (वैकल्पिक) – कंपनी द्वारा संबंधित मीट्रिक का चयन किया जा सकता है।	--	--

4. किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई आंकलन/मूल्यांकन/आश्वासन नहीं दिया गया है। क्या इकाई ने जीरो लिक्विड डिस्चार्ज के लिए एक तंत्र स्थापित किया है? यदि हां, तो इसके कवरेज और कार्यान्वयन का ब्यौरा दें।

हां, एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में, बीएचईएल ने अपने परिसरों से निकलने वाले पानी की मात्रा कम से कम रखने के लिए बड़ी संख्या में सीवेज शोधन संयंत्र/बहिस्त्राव शोधन संयंत्र (एसटीपी और ईटीपी) स्थापित किए हैं। इस संबंध में, हमारी 10 विनिर्माण इकाइयों को शून्य तरल बहिस्त्राव

इकाई घोषित किया गया है और शेष इकाइयां इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं। विनिर्माण इकाइयों में बागवानी के लिए ट्रीटेड बहिस्त्राव सीवेज जल का उपयोग किया जाता है।

5. कंपनी द्वारा निम्नलिखित प्रारूप में वायु उत्सर्जन (ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के अतिरिक्त) का ब्यौरा दें:

मापदंड	इकाई	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2020-21
NOx	मीट्रिक टन (एमटी)	113.77	242.64
सॉक्स	मीट्रिक टन (एमटी)	164.14	161.59
पार्टिकुलेट मैटर्स (पीएम)	मीट्रिक टन (एमटी)	104.05	148.4
लगातार जैविक प्रदूषक (POC)	मीट्रिक टन (एमटी)	0	0
वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (वीओसी)	मीट्रिक टन (एमटी)	5.6	7.85
खतरनाक वायु प्रदूषक (HAP)	मीट्रिक टन (एमटी)	8.45	30.5

यह आंकड़े बीएचईएल की दस इकाइयों से संबंधित हैं। वायु उत्सर्जन का मूल्यांकन एडवांस एनवायरनमेंट टेस्टिंग एंड रिसर्च लैब, ग्वालियर तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण निदेशक मंडल, वेल्लोय पीसीआरआई हरिद्वार हबट एनवायरो केयर सिस्टम (पी), चेन्नईय आदि द्वारा किया गया है।

6. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन) और इसकी तीव्रता का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें:

मापदंड	इकाई	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2020-21
कुल दायरा 1 उत्सर्जन (जीएचजी का टूटना CO ₂ , CH ₄ , N ₂ O में, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ6, एनएफ3, यदि उपलब्ध)	मीट्रिक टन CO ₂ बराबर	126295	135055
कुल स्कोप 2 उत्सर्जन (जीएचजी का टूटना CO ₂ , CH ₄ , N ₂ O में, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ6, एनएफ3, यदि उपलब्ध)	मीट्रिक टन CO ₂ बराबर	198339	188816
टर्नओवर के प्रति रुपये पर कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन	CO ₂ का ग्राम समकक्ष प्रति रु	1.61	1.987

किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई आंकलन/मूल्यांकन/आश्वासन नहीं दिया गया है।

7. क्या इस कंपनी के पास ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन कम करने से संबंधित कोई परियोजना है?

जी हाँ। बीएचईएल ने रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों सहित लगभग 29 मेगावाट क्षमता की स्थापना की है, जिससे कंपनी को जीएचजी उत्सर्जन को कम करने में मदद मिली है। इसमें 5 मेगावाट क्षमता के हमारे बीएपी रानीपेट में स्थापित सौर परियोजना भी शामिल है।

कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट, 4.1.2 ऊर्जा प्रबंधन अनुबंध- IV का अवलोकन करें।

कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट, 4.1.4 कार्बन प्रबंधन अनुबंध- IV का अवलोकन करें।

कृपया निदेशक मंडल रिपोर्ट, 7.1 ऊर्जा संरक्षण संबंधी अनुबंध- VII का अवलोकन करें।

2. कंपनी के अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी दें:

मापदंड	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2020-21
उत्पन्न कुल अपशिष्ट (in metric tonnes)		
प्लास्टिक अपशिष्ट (क)	24.46	22.84
ई-वेस्ट (ख)	74.47	49.26
जैव-चिकित्सा अपशिष्ट (ग)	6.45	6.33
निर्माण और विघ्न से उत्पन्न अपशिष्ट (घ)	403	250
बैटरी अपशिष्ट (ङ)	65.87	51.23
रडियोएक्टिव अपशिष्ट (च)	0	0
अन्य हानिकारक अपशिष्ट, यदि कोई तो कृपया विनिर्दिष्ट करें (छ)	805.02	930.16
अन्य गैर- हानिकारक अपशिष्ट (छ), यदि कोई तो कृपया विनिर्दिष्ट करें (सामग्री आधार पर ब्रेक अप यानी संबंधित क्षेत्र में प्रयुक्त सामग्री) sector	24342.29	20407.86
कुल (क+ख + ग + घ + ङ + च + छ + ज)	25721.56	21717.68
उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट की प्रत्येक श्रेणी के लिए, रिसाइकलिंग, पुनः उपयोग या अन्य रिकवरी कार्यों के माध्यम से कुल अपशिष्ट (मैट्रिक टन में) उत्पन्न किया गया।		
अपशिष्ट की श्रेणी		
(i) पुनर्चक्रण	1825.03	1257.76
(ii) पुनःप्रयोग	4594.18	2474.37
(iii) अन्य रिकवरी विकल्प	143.77	91.8
कुल	6562.98	3823.93

उत्पन्न होने वाले प्रत्येक श्रेणी के लिए निपटान पद्धति की प्रकृति द्वारा निपटाया गया कुल अपशिष्ट (मीट्रिक टन में)		
अपशिष्ट की श्रेणी		
(i) भस्मीकरण	29.384	186.236
(ii) लैंडफिलिंग	2995.99	2422.81
(iii) अन्य निपटान परिचालन	16877.92	15226.71
कुल	19903.29	17835.76

तालिका में, अन्य निपटान कार्यों में ई-नीलामी/अन्य माध्यमों से स्कैप की बिक्री के लिए बाहरी एजेंसियों को इसके पुनर्चक्रण/पुनः उपयोग/वसूली के लिए डेटा शामिल है। काफी मात्रा में स्कैप जमा होने के बाद, इसे अंतिम निपटान के लिए एजेंसी को बेच दिया जाता है। भस्मीकरण के आंकड़ों में अंतिम निपटान के लिए उपचार, भंडारण और निपटान सुविधाओं (टीएसडीएफ) को भेजे गए खतरनाक अपशिष्ट भी शामिल हैं।

किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन नहीं किया गया है।

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV का अवलोकन करें, 4.1.1 उतरदायी सामग्री और प्राकृतिक संसाधन की खपत

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV का अवलोकन करें, 4.1.3 जल एवं जैव विविधता प्रबंधन

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV का अवलोकन करें, 4.2 अपशिष्ट प्रबंधन

9. अपने प्रतिष्ठानों में अपनाए गए अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियों का संक्षेप में वर्णन करें।

हमारी विनिर्माण गतिविधि में, अपशिष्ट उत्पादन में कमी को एक बहुत ही महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में लिया जाता है और धातु शीट को काटने के लिए हमारी नेस्टिंग योजना इस पहलू का ध्यान रखने के लिए बनाई गई है। हालांकि, एक बार जब स्कैप उत्पन्न हो जाता है, तो इसका उपयोग या तो स्थानीय फाउंड्री की दुकान में कास्टिंग/फोर्जिंग बनाने के लिए किया जाता है या सीएफएफपी हरिद्वार/अधिकृत रिसाइकलर को अपतहपद सामग्री की खपत से बचने के लिए भट्टी में पिघलने के लिए भेजा जाता है।

पूरे बीएचईएल में, पुनर्विक्रय मूल्य वाले ठोस अपशिष्ट/स्कैप को एकत्र किया गया, अलग किया गया, संग्रहीत किया गया और अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं को बेचा गया। इसमें से कुछ का कोई पुनर्विक्रय मूल्य नहीं है जिसका उपयोग निचले इलाकों को भरने के लिए किया जाता है। खतरनाक कचरे/ई-कचरे का निपटान संबंधित कानूनों में निर्धारित शर्तों के अनुसार किया जाता है।

इकाइयों में उत्पन्न खतरनाक अपशिष्ट को नियामक आवश्यकता के अनुसार निपटाया जाता है और प्राधिकरण की जांच के लिए आवश्यक रिकॉर्ड विधिवत किया जाता है। खतरनाक कचरा जिसे बाहर इस्तेमाल किया जा सकता है, अधिकृत रिसाइकलरों को भेजा जाता है। शेष खतरनाक अपशिष्ट जिसे जलाकर या सुरक्षित लैंडफिल में दबा दिया जाना है, ऐसे खतरनाक कचरे के अंतिम निपटान के लिए उनके संबंधित राज्यों के ट्रीटमेंट स्टोरेज एंड डिस्पोजल फैसिलिटी (TSDF) को भेज दिया जाता है।

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV का अवलोकन करें, 4.1.1 उतरदायी सामग्री और प्राकृतिक संसाधन की खपत

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV का अवलोकन करें, 4.1.3 जल एवं जैव विविधता प्रबंधन

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV का अवलोकन करें, 4.2 अपशिष्ट प्रबंधन

10. यदि कंपनी के पास पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में/के आसपास परिचालन/कार्यालय हैं जहां पर्यावरण अनुमोदन/मंजूरी की आवश्यकता है, कृपया उनका विवरण निर्दिष्ट करें:

लागू नहीं

11. चालू वित्त वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर कंपनी द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन का विवरण:

लागू नहीं

12. क्या कंपनी भारत में लागू पर्यावरण कानून/विनियमों/दिशानिर्देशों का अनुपालन करती है?

हाँ, बीएचईएल भारत में लागू पर्यावरण कानून/विनियमों/दिशानिर्देशों का अनुपालन करता है।

नेतृत्व संकेतक:

1. अक्षय और गैर-नवीकरणीय स्रोतों से खपत की गई कुल ऊर्जा (श्रवणसमे या गुणकों में) का ब्रेक-अप प्रदान करें:

मापदंड	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2020-21
नवीकरणीय स्रोतों से		
कुल विद्युत खपत (क)	97812	97943
कुल ईंधन खपत (ख)	0	0
अन्य स्रोतों से ऊर्जा खपत (ग)	0	0
नवीकरणीय स्रोतों से कुल ऊर्जा खपत (क+ख+ग)	97812	97943
गैर-नवीकरणीय स्रोतों से		
कुल विद्युत खपत (घ)	759595	723124
कुल ईंधन खपत (ड)	1929497	1989747
गैर-नवीकरणीय स्रोतों से कुल ऊर्जा खपत (च)	0	0
गैर-नवीकरणीय स्रोतों से कुल ऊर्जा खपत (घ+ड+च)	2689092	2712871

किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन नहीं किया गया है।

2. डिस्चार्ज किए गए पानी से संबंधित निम्नलिखित विवरण प्रदान करें:

हमारी विनिर्माण इकाइयों में कई सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), एप्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) और ऑक्सीडेशन पॉन्ड स्थापित हैं, जो सीवेज/ट्रेड एप्लुएंट के उपचार का वांछित स्तर प्रदान करते हैं। इसके बाद निस्सरण मानदंडों को पूरा करने के बाद अपशिष्ट को नगरपालिका के सीवर, नाले, नाले

आदि में छोड़ दिया जाता है।

मापदंड	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2020-21
गंतव्य और ट्रीटमेंट स्तर के अनुसार पानी का निर्वहन (किलोलीटर में)		
(i) सतही जल	135000	146000
—कोई ट्रीटमेंट नहीं	0	0
—ट्रीटमेंट के साथ— कृपया ट्रीटमेंट का स्तर विनिर्दिष्ट करें	135000	146000
(ii) भूमिगत जल	0	0
—कोई ट्रीटमेंट नहीं	0	0
—ट्रीटमेंट के साथ— कृपया ट्रीटमेंट का स्तर विनिर्दिष्ट करें	0	0
(iii) समुद्री जल	0	0
—कोई ट्रीटमेंट नहीं	0	0
—ट्रीटमेंट के साथ— कृपया ट्रीटमेंट का स्तर विनिर्दिष्ट करें	0	0
(iv) अन्य पक्षों को प्रेषित	0	0
—कोई ट्रीटमेंट नहीं	0	0
—ट्रीटमेंट के साथ— कृपया ट्रीटमेंट का स्तर विनिर्दिष्ट करें	0	0
(v) अन्य	495067	359216
—कोई ट्रीटमेंट नहीं	0	0
—ट्रीटमेंट के साथ— कृपया ट्रीटमेंट का स्तर विनिर्दिष्ट करें	495067	359216
कुल डिस्चार्ज जल (in kilolitres)	630067	505216

बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन नहीं किया गया।

बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन नहीं किया गया।

3. पानी की कमी वाले क्षेत्रों में जल निकासी, खपत और निर्वहन (किलोलीटर में):

लागू नहीं

4. कृपया कुल स्कोप 3 उत्सर्जन और इसकी तीव्रता का विवरण प्रदान करें:

कई ऊर्जा गहन विनिर्माण इकाइयों में, हमने एलपीजी के उपयोग से आरएलएनजी पर स्विच किया है जिसे पाइपलाइन के माध्यम से आपूर्ति की जा रही है। इस तरह हम उस सीमा तक ईंधन के परिवहन से जुड़े स्कोप-3 उत्सर्जन से बच रहे हैं। हमारे कर्मचारियों को ऊर्जा बचाने और स्कोप-3

उत्सर्जन से बचने के लिए कार पूल का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

ये कुछ ऐसे तरीके हैं जिनसे बीएचईएल स्कोप -3 उत्सर्जन को कम करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, फिलहाल इसकी गणना नहीं की जा रही है।

बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन नहीं किया गया।

5. उपरोक्त आवश्यक संकेतकों के प्रश्न 10 में बताए गए पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में, रोकथाम और उपचारात्मक गतिविधियों के साथ-साथ ऐसे क्षेत्रों में जैव विविधता पर इकाई के महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव का विवरण प्रदान करें।

लागू नहीं

6. यदि कंपनी ने कोई विशिष्ट पहल की है या संसाधन दक्षता में सुधार के लिए नवीन प्रौद्योगिकी या समाधानों का उपयोग किया है, या उत्सर्जन/अपशिष्ट निर्वहन/उत्पन्न अपशिष्ट के कारण प्रभाव को कम किया है, तो कृपया विवरण प्रदान करें:

क्र. सं.	की गई पहल	पहल का विवरण (यदि कोई वेब लिंक हो तो प्रदान करें वेब-लिंक, यदि कोई हो, सारांश के साथ प्रदान किया जा सकता है)	पहल का परिणाम
1.	बीएचईएल भोपाल विनिर्माण इकाई में 5 मेगावाट सोलर पीवी प्लांट	मौजूद नहीं	कैप्टिव नवीकरणीय स्रोत से ग्रिड बिजली में परिवर्तन

एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक के रूप में, संगठन ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंध को स्वीकार करता है। इस वैश्विक चुनौती का समाधान करने के लिए, बीएचईएल अपने उत्पादों और सेवाओं के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के प्रयास कर रहा है, जिससे ग्राहकों को संयंत्र के जीवन चक्र में पर्यावरणीय पदचिह्नों को कम करके स्थायी तरीके से बिजली पैदा करने में सक्षम बनाया जा सके। आंतरिक परिचालन में भी, कंपनी द्वारा ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। कंपनी ने बीएचईएल के विभिन्न स्थानों पर कुल लगभग 29 मेगावाट का सोलर फोटो वोल्टाइक (ग्राउंड माउंटेड और रूफ-टॉप) संयंत्र स्थापित किया है, जिससे कंपनी को अपने ऊर्जा मिश्रण को अधिक टिकाऊ बनाने में मदद मिली है।

कंपनी के नवीकरणीय अनुप्रयोगों की सूची में सोलर वॉटर हीटर, सोलर स्ट्रीट लाइटिंग आदि भी शामिल हैं। कंपनी ने जल और ऊर्जा संरक्षण, वृक्षारोपण, अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधन संरक्षण आदि से संबंधित कई परियोजनाएं भी शुरू की हैं।

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV देखें, संधारणीय निष्पादन दृष्टांत

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-VII देखें, ऊर्जा संरक्षण

7. क्या संस्था के पास व्यवसाय निरंतरता और आपदा प्रबंधन योजना है?

हाँ, बीएचईएल की व्यवसाय निरंतरता और आपदा प्रबंधन योजना है। इसे

कोविड-19 के प्रकोप के दौरान उस पर कार्रवाई की गई थी। व्यापार निरंतरता योजना और आपदा प्रबंधन योजना इंटरनेट पर प्रकाशित नहीं की गई।

8. कंपनी की मूल्य शृंखला से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण पर किसी भी महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव का खुलासा करें। इस संबंध में इकाई द्वारा क्या शमन या अनुकूलन उपाय किए गए हैं।

लागू नहीं।

9. मूल्य शृंखला भागीदारों का प्रतिशत (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य से) जिनका मूल्यांकन पर्यावरणीय प्रभावों के लिए किया गया था। Percentage of value chain partners

मूल्य शृंखला भागीदारों का शत-प्रतिशत मूल्यांकन पर्यावरणीय प्रभाव के लिए किया गया था।

सिद्धांत 7: नीति वकालत

बीएचईएल कई उद्योग निकायों/चैम्बरों का सदस्य है। बीएचईएल द्वारा नीति से संबंधित मामलों में अपने विचार और राय रखने के लिए ऐसे निकायों (जैसे संगोष्ठियों और बैठकों में भागीदारी, कार्य समूहों में भागीदारी आदि) के साथ बातचीत के विभिन्न तंत्रों का उपयोग किया जाता है। कंपनी के हितों का प्रतिनिधित्व सरकारी प्रश्नों, ज्ञान साझाकरण, सर्वेक्षणों की प्रतिक्रिया, उद्योग की जरूरतों पर प्रतिक्रिया, जीएसटी, राजकोषीय बजट, विदेश व्यापार, कंपनी कानून, औद्योगिक नीति, पूंजीगत सामान नीति, निर्यात संवर्धन आदि जैसी सरकारी नीतियों के गठन के माध्यम से किया जाता है।

कंपनी के विचार विभिन्न अंतर-सरकारी मंचों जैसे संयुक्त मंत्रिस्तरीय आयोग (JMC), संयुक्त परिचालन समिति (JSC), संयुक्त कार्य समूह (JWG), संयुक्त व्यापार समिति (JTC), संयुक्त आर्थिक और व्यापार समिति (श्रमज्ब) में भी प्रस्तुत किए जाते हैं। संयुक्त आयोग आर्थिक निगम (JCEC), व्यापार पर कार्य समूह (WGT), आदि अंतराष्ट्रीय व्यापार और सहयोग की सुविधा के लिए। कंपनी MHI, DPE, DIPPI, NITI Aayog जैसे सरकारी निकायों के साथ भी बातचीत करती है और नीति निर्माण में भाग लेती है।

आवश्यक संकेतक

1. क. व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों के साथ संबद्धता की संख्या।

11 संबद्धता

ख. शीर्ष 10 व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों (ऐसे निकाय के कुल सदस्यों के आधार पर निर्धारित) की सूची, जो इकाई का सदस्य/संबद्ध है।

क्र. सं.	व्यापार एवं उद्योग मंडल / संघ का नाम	व्यापार एवं उद्योग मंडल / संघ का दायरा (राज्य/राष्ट्रीय)
1.	इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (IEEMA)	राष्ट्रीय
2.	भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (EEPC)	राष्ट्रीय
3.	भारतीय परियोजना निर्यात संवर्धन परिषद (पीईपीसी)	राष्ट्रीय
4.	भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)	राष्ट्रीय
5.	फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI)	राष्ट्रीय

6.	एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम)	राष्ट्रीय
7.	सार्वजनिक उद्यमों का स्थायी सम्मेलन (स्कोप)	राष्ट्रीय
8.	भारत ऊर्जा भंडारण गठबंधन (आईईएसए)	राष्ट्रीय
9.	संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट इंडिया नेटवर्क	राष्ट्रीय
10.	पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री	अंतरराष्ट्रीय

2. नियामक प्राधिकरणों के प्रतिकूल आदेशों के आधार पर इकाई द्वारा प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण से संबंधित किसी भी मुद्दे पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्यवाई का विवरण प्रदान करें।

बीएचईएल द्वारा प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण का कोई मामला नहीं उठाया गया है

नेतृत्व संकेतक

1. संस्था द्वारा समर्थित सार्वजनिक नीति का विवरण:

क्र. सं.	लोक नीति advocated	ऐसी पैरवी के लिए अपनाया तरीका	क्या जानकारी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है? (हाँ/नहीं))	निदेशक मंडल द्वारा समीक्षा की आवृत्ति (वार्षिक/ अर्धवार्षिक/ त्रैमासिक/ अन्य – कृपया विनिर्दिष्ट करें)	एवबलिक, यदि उपलब्ध है
1.	बढ़ावा देने के लिए इनपुट (i) कैपिटल गुड्स सेक्टर, (ii) भारतीय विद्युत क्षेत्र का विकास, (iii) आत्मानिर्भर भारत पहल, (iv) एमएसएमई विकास और सहयोगात्मक प्रबंधन (v) भारतीय विनिर्माण उद्योग का विकास निर्यात और सार्वजनिक उपक्रमों की ब्रांड/धारणा आदि।	विभिन्न औद्योगिक निकायों में प्रतिनिधित्व, जैसे-CII, FICCI, ASSOCHAM, SCOPE आदि	जी नहीं	--	--
2.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सहयोग की सुविधा	यद्यपि विभिन्न अंतर सरकारी मंचों जैसे संयुक्त मंत्रिस्तरीय आयोग (JMC), संयुक्त परिचालन समिति (JSC), संयुक्त कार्य समूह (JWG), संयुक्त व्यापार समिति (JTC), संयुक्त आर्थिक और व्यापार समिति (JETCO), संयुक्त आयोग आर्थिक निगम (JCEC) के माध्यम से	जी नहीं	--	--
3.	विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी जैसे- विजन इंडिया / 2047, विकास और कौशल विकास, मेक इन इंडिया, इन-हाउस आर एंड डी को बढ़ावा देना, सीपीएसई के विकास के लिए रोडमैप आदि।	सरकारी नौकरियों जैसे- एमएचआई, डीपीई, डीआईपीपी, नीति आयोग आदि के माध्यम से	जी नहीं	--	--
4.	सीमा शुल्क, निर्यात प्रोत्साहन और निर्यात प्रोत्साहन जैसे मामलों पर इनपुट	बजट 2022-23 के लिए बजट पूर्व ज्ञापन	जी नहीं	-	-

सिद्धांत 8: समावेशी विकास

बीएचईएल की एक अच्छी तरह से संरचित संगठनात्मक संरचना, नीति और प्रक्रियाएँ हैं जिसके माध्यम से विभिन्न सीएसआर कार्यक्रम कार्यान्वित किए जाते हैं। सीएसआर नीति द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-VII से कई गतिविधियों की पहचान इसके प्रमुख क्षेत्रों के रूप में की गई है। सीएसआर नीति में परिभाषित सात प्रमुख क्षेत्र हैं: स्वच्छ भारत, हरित भारत, स्वस्थ भारत, विरासत भारत, समावेशी भारत, शिक्षित भारत और जिम्मेदार भारत। इस नीति को वेबसाइट लिंक https://www.bhel.com/sites/default/files/BHEL_CSR_Policy_July2017-pdf पर होस्ट किया गया है और यह पूरी तरह से कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 की आवश्यकताओं के अनुरूप है।

नीति को त्रि-स्तरीय संरचना के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है

कॉर्पोरेट स्तर (सीएसआर पर निदेशक मंडल स्तर की समिति, स्तर -1 समिति और प्रस्तावों की जांच और अनुमोदन के लिए स्तर -2 समिति) के साथ इकाई स्तर की सीएसआर समिति। कंपनी सीएसआर नीति के अनुरूप एजेंसियों जैसे - एनजीओ, सरकारी जैसी विशिष्ट एजेंसियों के माध्यम से समाज के गरीब, जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लक्षित करते हुए देश भर में कई सामाजिक पहलों का समर्थन करती है। बीएचईएल ने स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ भारत, पर्यावरण संरक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास कार्यक्रम, बुनियादी ढांचे के विकास और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के क्षेत्र में कई

सीएसआर पहल की हैं, जिन्होंने अंततः समाज के समग्र कल्याण और समावेशी विकास में योगदान दिया है।

आवश्यक संकेतक

1. चालू वित्त वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर कंपनी द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) का विवरण।

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV देखें, संधारणीयता एवं सीएसआर, सीएस आर गतिविधियों के लिए वार्षिक रिपोर्ट, अनुबंध-B

2. आपकी कंपनी द्वारा चलाए जा रहे पुनर्वास और पुर्नस्थापन (आर एंड आर) परियोजना (परियोजनाओं) के बारे में जानकारी प्रदान करें।

लागू नहीं।

3. समुदाय की शिकायतों को प्राप्त करने और उनका निवारण करने के लिए उपलब्ध तंत्र का वर्णन करें।

समुदाय द्वारा केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (CPGRAMS)/लोक शिकायत पोर्टल के माध्यम से अपनी शिकायतें दर्ज की जाती हैं, जिसे बाद में बीएचईएल में लोक शिकायत अधिकारी को सौंपा जाता है।

4. आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त इनपुट सामग्री का प्रतिशत (मूल्य के आधार पर कुल इनपुट में इनपुट

	वि.वर्ष 2021-22	वि.वर्ष 2020-21
सीधे एमएसएमई/छोटे उत्पादकों से प्राप्त	29%	34%
सीधे जिले और पड़ोसी जिलों से प्राप्त किया गया	10%	16%

नेतृत्व संकेतक

1. सामाजिक प्रभाव आकलन में चिह्नित किसी भी नकारात्मक सामाजिक प्रभाव को कम करने के लिए की गई कार्रवाइयों का विवरण प्रदान करें (संदर्भ: ऊपर दिए गए आवश्यक संकेतक के प्रश्न संख्या-1)

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV, खंड 4.3 देखें

2. सरकारी निकायों द्वारा चिह्नित आकांक्षी जिलों में आपकी संस्था द्वारा शुरू की गई सीएसआर परियोजनाओं के बारे में निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV, खंड 4.3 देखें, अनुलग्नक-C एवं D

3. (क) क्या आपकी अधिमन्य क्रय नीति है जहां आप हाशिए पर/कमजोर समूहों वाले आपूर्तिकर्ताओं से खरीद को प्राथमिकता देते हैं?

हां, अधिमन्य खरीद सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति में अनिवार्य है, एमएसई के लिए आदेश (एमएसएमई मंत्रालय-भारत सरकार द्वारा जारी)।

(ख) आप किन हाशिए परधकमजोर समूहों से खरीदते हैं?

कंपनी महिलाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों के स्वामित्व वाले एमएसई जैसे हाशिए के/कमजोर समूहों से क्रय करती है।

(ग) कुल खरीद (मूल्य के आधार पर) का यह कितना प्रतिशत है?

कंपनी सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) का समर्थन करती रही है। एमएसई कार्यबल के कमजोर वर्ग जैसे महिलाओं, युवाओं और गरीब घरों के लोगों के

एक बड़े हिस्से को रोजगार देते हैं। बीएचईएल इकाइयों द्वारा नियमित विक्रेता बैठकें और आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, विशेष रूप से एमएसई (स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं सहित) के साथ-साथ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए विशिष्ट, जो जरूरतों की पहचान और पारस्परिक लाभ के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। बीएचईएल ने 2021-22 में अपनी खरीद का 29 फीसदी एमएसएमई से खरीदा है।

4. पारंपरिक ज्ञान के आधार पर आपकी इकाई (चालू वित्तीय वर्ष में) के स्वामित्व या अर्जित बौद्धिक संपदा से प्राप्त और साझा किए गए लाभों का विवरण

कंपनी पारंपरिक ज्ञान के आधार पर बौद्धिक संपदा का स्वामित्व या अधिग्रहण नहीं करती है।

हालांकि, कंपनी ने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास में निवेश किया है, जिसने बीएचईएल के स्वामित्व वाली बौद्धिक संपदा प्राप्त की है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, बीएचईएल ने 516 पेटेंट और कॉपीराइट दायर किए हैं।

पेटेंट और कॉपीराइट से बीएचईएल द्वारा अर्जित राजस्व (लाभ) को अलग-अलग नहीं किया जा सकता है क्योंकि ये पेटेंट और कॉपीराइट प्रक्रियाओं, प्रौद्योगिकियों और उत्पादों के विकास के परिणामस्वरूप होते हैं। इन आईपीआर के परिणामस्वरूप बीएचईएल उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पाद पेशकशों का विस्तार होता है। यह दीर्घकालिक लाभ के लिए तकनीकी बढ़त भी प्रदान करता है और कंपनी के व्यावसायिक हितों को सुरक्षित करता है। कंपनी के राजस्व का 21% से अधिक, इसके इन-हाउस विकसित उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं से प्राप्त किया गया है।

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-VI अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी उपलब्धियों पर वार्षिक रिपोर्ट।

5. बौद्धिक संपदा से संबंधित विवादों में जहां पारंपरिक ज्ञान का उपयोग शामिल है, किसी भी प्रतिकूल आदेश के आधार पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित कोई विवाद सामने नहीं आया।

6. सीएसआर परियोजनाओं के लाभार्थियों का विवरण:

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV देखें, संधारणीयता एवं सीएसआर, सीएस आर गतिविधियों के लिए वार्षिक रिपोर्ट

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IV, देखें, अनुलग्नक - C एवं D

सिद्धांत 9: ग्राहक मूल्य

आवश्यक संकेतक

1. उपभोक्ता शिकायतों और फीडबैक को प्राप्त करने और उनका जवाब देने के लिए तंत्र का वर्णन करें।

ग्राहक मूल्य बीएचईएल की संस्कृति का एक अभिन्न अंग है जो हमारे विजन, मिशन और मूल्यों के विवरण में भी परिलक्षित होता है। कंपनी उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों के लिए मूल्य बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। बीएचईएल के प्रत्येक उत्पाद की पेशकश पर अनिवार्य वैधानिक आवश्यकताओं के अलावा ग्राहकों के साथ अनुबंध की शर्तों और शर्तों के अनुसार विस्तृत उत्पाद लेबल/नेम प्लेट/परीक्षण प्रमाण पत्र के साथ लेबल किया गया है।

ग्राहकों की शिकायतें बैठकों के दौरान पत्र, ईमेल, फोन कॉल जैसे विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होती हैं। शिकायतों को बाद में समाधान के लिए आगे बढ़ाया

जाता है। रिपोर्ट किए गए सभी प्रमुख गुणवत्ता मुद्दों को मूल कारण विश्लेषण (आरसीए) के लिए लिया जा रहा है और आरसीए समितियों के माध्यम से हल किया जा रहा है। शिकायतों के अलावा, ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण, ग्राहकों की बैठक, आमने-सामने बातचीत, वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग और प्रशंसा पत्रों के माध्यम से ग्राहकों की प्रतिक्रिया ली जाती है।

शिकायतों के अलावा, ग्राहकों की प्रतिक्रिया ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण, ग्राहकों की बैठक, आमने-सामने बातचीत, वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग और प्रशंसा पत्रों के माध्यम से ली जाती है।

1. उन सभी उत्पादों/सेवाओं के टर्नओवर के प्रतिशत के रूप में उत्पादों और/सेवाओं का टर्नओवर, जिनके बारे में जानकारी होती है।

बीएचईएल उत्पाद पूंजीगत वस्तुएं हैं और इसलिए इनका परिचालन जीवन 25 वर्षों का लंबा है। उत्पादों/प्रणालियों को ग्राहकों को सुरक्षा, पर्यावरण के अनुकूल तरीके से परिचालन आदि को कवर करने वाले मैनुअल के साथ पेश किया जाता है। बीएचईएल द्वारा ग्राहक कर्मियों के प्रशिक्षण में इन्हीं पहलुओं को शामिल किया गया है।

2. निम्नलिखित के संबंध में उपभोक्ता शिकायतों की संख्या:

	वि.वर्ष 2021-22		टिप्पणी	वि.वर्ष 2020-21		टिप्पणी
	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में समाधान के लिए लंबित		वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में समाधान के लिए लंबित	
डाटा गोपनीयता	0	0	-	0	0	-
विज्ञापन	0	0	-	0	0	-
साइबर सुरक्षा	0	0	-	0	0	-
आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति	लागू नहीं					
प्रतिबंधित व्यापार पद्धति	0	0	-	0	0	-
अनुचित व्यापार पद्धति	0	0	-	0	0	-
अन्य	-	-	-	-	-	-

3. सुरक्षा मुद्दों के कारण वापस मंगाए गए उत्पाद का विवरण:

सुरक्षा मुद्दों के कारण उत्पाद को वापस मंगाने का कोई मामला नहीं है

4. क्या कंपनी की साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता से संबंधित जोखिमों पर कोई ढांचा/नीति है?

हाँ। बीएचईएल B2B व्यवसाय में है और व्यक्तिगत ग्राहकों के साथ व्यवहार नहीं करता है। इसलिए, कोई भी व्यक्तिगत ग्राहक डेटा संग्रहीत नहीं किया जाता है।

निदेशक मंडल रिपोर्ट "डाटा एवं साइबर सुरक्षा" का अवलोकन करें।

5. विज्ञापन और आवश्यक सेवाओं के वितरण से संबंधित मुद्दों पर की गई किसी भी सुधारात्मक कार्यवाही साइबर सुरक्षा और ग्राहकों की डेटा गोपनीयताय उत्पाद रिकॉल के उदाहरणों की पुनः घटना; उत्पादों/सेवाओं की सुरक्षा पर नियामक प्राधिकारियों द्वारा की गई शास्ति/कार्यवाही का विवरण प्रदान करें।

लागू नहीं।

नेतृत्व संकेतक:

1. चैनल/प्लेटफॉर्म जहां इकाई के उत्पादों और सेवाओं की जानकारी प्राप्त की जा सकती है (यदि उपलब्ध हो तो वेब लिंक प्रदान करें)।

बीएचईएल के उत्पादों एवं सेवाओं संबंधी जानकारी www.bhel.com से प्राप्त की जा सकती है।

2. उत्पादों और/या सेवाओं के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित करने और शिक्षित करने के लिए उठाए गए कदम।

ग्राहकों को संविदात्मक आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादों या प्रणालियों पर परिचालन नियमावली और प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

3. उपभोक्ताओं को आवश्यक सेवाओं के बाधित/बंद होने के किसी भी जोखिम के बारे में सूचित करने के लिए तंत्र मौजूद है।

बीएचईएल नियमित रूप से अपने ग्राहकों और किसी भी व्यवधान के संपर्क में है (उदाहरण के लिए हाल के दिनों में कोविड-19 के कारण) ईमेल, पत्र और अनुबंधधियों में सहमत किसी अन्य संचार माध्यम से सूचित किया जाता है। बीएचईएल नियमित रूप से अपने ग्राहकों और किसी भी व्यवधान के संपर्क में है।

4. क्या संस्था स्थानीय कानूनों के अनुसार अनिवार्य उत्पाद के बारे में उत्पाद की जानकारी प्रदर्शित करती है? (हां/नहीं/लागू नहीं)। यदि हां, तो संक्षिप्त विवरण दें। क्या आपकी इकाई ने इकाई के प्रमुख उत्पादों/सेवाओं, इकाई के परिचालन के महत्वपूर्ण स्थानों या समग्र रूप से इकाई से संबंधित उपभोक्ता संतुष्टि के संबंध में कोई सर्वेक्षण किया है? (हां नहीं)

हाँ। बीएचईएल द्वारा भेजे गए उत्पादों पर सभी आवश्यक और मानक जानकारी प्रदर्शित/स्टैसिल की जाती है।

हाँ, बीएचईएल प्रमुख उत्पादों/सेवाओं के लिए ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण करता है।

5. डेटा उल्लंघनों से संबंधित निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:

क. प्रभाव के साथ-साथ डेटा उल्लंघनों के उदाहरणों की संख्या शून्य।

ख. ग्राहकों की व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी से जुड़े डेटा उल्लंघनों का प्रतिशत

शून्य।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 04.09.2022



अनुसंधान
एवं विकास
तथा तकनीकी
उपलब्धियां

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक- VI

अनुसंधान एवं विकास और तकनीकी उपलब्धियां

6.1 अनुसंधान एवं विकास रणनीति

बीएचईएल देश में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार (इनोवेशन) के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और वित्त वर्ष 21-22 में कंपनी के राजस्व का 21% से अधिक इन-हाउस विकसित उत्पादों, प्रणालियों एवं सेवाओं से प्राप्त किया गया है और अब तक 5,208 आईपीआर दाखिल किए जा चुके हैं। कंपनी का इंजीनियरिंग उद्योग में पिछले कई वर्षों में अपने राजस्व के 2.5: से अधिक के लगातार व्यय के साथ सबसे अधिक अनुसंधान एवं विकास पर खर्च है। बीएचईएल के आरएंडडी कार्यक्रम के तहत उठाए गए प्रमुख विषय राष्ट्रीय प्राथमिकताओं तथा कंपनी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

चल रहे ऊर्जा परिवर्तन तथा स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने एवं ऊर्जा सुरक्षा के लिए देश में विद्यमान विशाल कोयला भंडार का उपयोग करने के साथ, बीएचईएल, स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों की ओर प्रमुखता से ध्यान केंद्रित कर कार्य कर रहा है। ताप विद्युत संयंत्रों से उत्सर्जन को कम करने हेतु लागत प्रभावी एवं कुशल समाधान प्रदान करने के लिए, आपकी कंपनी उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों के लिए विभिन्न उत्पादों और प्रणालियों के स्वदेशीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पिछले वर्ष के संयुक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप आयातित और महंगे सी276, स्लरी रीसर्क्युलेशन पंप (slurry recirculation pump), ऑक्सीकरण ब्लोअर (oxidation blower), आदि

को FGD सिस्टम के लिए बदलने के लिए लागत प्रभावी जंग प्रतिरोधी पॉलीमर कोटिंग (corrosion resistant polymer) का आंतरिक विकास हुआ। कंपनी ने एनटीपीसी और आईजीसीएआर के साथ संयुक्त रूप से उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल (एसएससी) तकनीक का डिजाइन भी पूरा किया है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ दक्षता और न्यूनतम उत्सर्जन है। बीएचईएल ने उच्च राख वाले भारतीय कोयले के लिए स्वदेशी रूप से विकसित गैसीकरण तकनीक भी विकसित की है और हैदराबाद में मेथनॉल प्रदर्शन संयंत्र के लिए 0.25 TPD कोयला चालू किया है। सिनगैस (syngas) से लेकर रसायन प्रौद्योगिकी तक के स्वदेशीकरण के लिए अब केंद्रित प्रयास किए जा रहे हैं जिससे देश के आयात बिल को कम करने में मदद मिलेगी। कोयले के उपयोग से कार्बन कैप्चर एवं इसके उपयोग के साथ-साथ सीक्वेस्ट्रेशन के लिए प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होगी जिसमें बीएचईएल एक अग्रणी भूमिका में रहने की इच्छा रखता है।

परिवहन क्षेत्र में, बीएचईएल प्रौद्योगिकी आत्मनिर्भरता विकसित कर रहा है और सभी प्रकार के रोलिंग स्टॉक के लिए उन्नत इलेक्ट्रिक सिस्टम के डिजाइन तथा विनिर्माण के लिए अपनी आंतरिक क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। कंपनी रेल नियंत्रण एवं प्रबंधन के स्वदेशीकरण के लिए एक प्रमुख ओईएम के साथ भी काम कर रही है।



बीएचईएल भोपाल के स्विचगियर डिविजन (एससीआर) में डीईटीसी (डीजल इलेक्ट्रिक टावर कार) के लिए नियंत्रण प्रणाली विनिर्माण केंद्र



कॉर्पोरेट आरएंडडी, बीएचईएल हैदराबाद में हीट ट्रांसफर तथा फ्लूइड फ्लो के लिए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में रेडियल फैन टेस्ट

सिस्टम (टीसीएमएस), जो बीएचईएल को ईएमयू/एमईएमयू और मेट्रो आदि के लिए ट्रेन सेट के लिए ट्रेन सिस्टम एकीकरण सहित टीसीएमएस समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। पूर्व में, आपकी कंपनी ने पारंपरिक WAG-7 इंजनों के लिए पुनर्योजी ब्रेकिंग सिस्टम, भारत की पहली वातानुकूलित लोकल ट्रेन के लिए आईजीबीटी (IGBT) आधारित प्रणोदन प्रणाली, कंपोजिट कन्वर्टर, 25 ज़ट ट्रेक्शन सिस्टम को सीधे फीडिंग के लिए पटरियों के साथ सोलर पीवी प्लांट, जैसे अनुकूलित समाधान प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे के साथ मिलकर समन्वय में काम किया है।

रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में, आपकी कंपनी डीएआरई, एचएएल, इसरो, एडीए, आदि जैसे ग्राहकों के साथ विविध प्रकार के उपकरणों एवं सेवाओं के लिए निकट समन्वय में काम कर रही है, जो रणनीतिक प्रकृति के हैं।

तकनीकी क्षेत्र में बदलाव की सराहना करते हुए और विभिन्न नए व्यावसायिक क्षेत्रों / अवसरों की ओर ध्यान देने के लिए, बीएचईएल इन-हाउस विकास से अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, साथ ही प्रौद्योगिकी सहयोग समझौतों (टीसीए) के माध्यम से प्रतिष्ठित निर्वाहकों द्वारा प्रौद्योगिकी सहायता के साथ सहयोग प्राप्त कर रहा है। बीएचईएल के पास भारतीय संस्थाओं और वैश्विक इंजीनियरिंग व विनिर्माण अग्रणियों के साथ 13 चल रहे टीसीए हैं। भारतीय बाजार की आवश्यकताओं के साथ-साथ निर्यात को पूरा करने के लिए ऐसी प्रौद्योगिकियों के तेजी से समावेश एवं स्वदेशीकरण की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

चल रहे प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते

भारतीय संस्था के साथ प्रौद्योगिकी

क्र.सं.	सहयोगी का नाम	उत्पाद
1	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), भारत	स्पेस ग्रेड लिथियम आयन सेल
2	सीएसआईआर-आईआईपी, देहरादून, भारत	पीवीएसए आधारित ऑक्सीजन प्लांट

वैश्विक ओईएम (OEM) के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग

क्र.सं.	सहयोगी का नाम	उत्पाद
1	मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान	पंप्स
2	सीमेंस एनर्जी ग्लोबल जीएमबीएच - को. केजी, जर्मनी	स्टीम टर्बाइन, जेनरेटर और लेटरल/एक्सियल कंडेनसर
3	मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान	लूप गैस डिसल्फराइजेशन
4	लियोनार्डो एस.पी.ए., इटली	सुपर रैपिड गन माउंट 62/76
5	वोग्ट पावर इंटरनेशनल इंक, एयूएस	हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटर
6	कावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान	मेट्रो के लिए स्टेनलेस स्टील के कोच एवं बोगियां
7	एचएलबी पावर को., लिमिटेड, कोरिया गणराज्य	गेट्स और डैम्पर्स
8	नैनो को. लिमिटेड, कोरिया गणराज्य	डी-एनओक्स अनुप्रयोगों के लिए एससीआर उत्प्रेरक
9	बैबॉक पावर एनवायरनमेंटल एंड्रक, यूएस	De&NOx अनुप्रयोगों के लिए एससीआर उत्प्रेरक
10	जनरल इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी जीएमबीएच, स्विट्जरलैंड	परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए स्टीम टर्बाइन
11	वाल्मेट ऑटोमेशन व्ल., फिनलैंड	नई पीढ़ी के सी-आई ऑटोमेशन (वितरित नियंत्रण प्रणाली)

बीएचईएल कंपनी के भीतर एक ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के साथ-साथ अपने कर्मचारियों के निरंतर प्रशिक्षण के माध्यम से इसे उन्नत करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। इंजीनियरिंग को अपने सभी उत्पादों में डिजाइन आप्टमिजेशन एवं चक्र समय (cycle time) को कम करने के लिए एक लक्षित क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है, जो अंततः लागत में कमी की ओर ले जाएगा।

6.2 अनुसंधान एवं विकास संरचना

कंपनी के अनुसंधान एवं विकास संरचना का नेतृत्व निदेशक (ई, आर-डी) करते हैं, जो शीर्ष स्तर पर कॉर्पोरेट प्रौद्योगिकी प्रबंधन (सीटीएम) और कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास प्रभागों द्वारा समर्थित है। जहां सीटीएम कंपनी की नवोन्मेष (innovation)/प्रौद्योगिकी रणनीति तैयार करने के लिए अनिवार्य है, वहीं कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास प्रभाग आंतरिक प्रौद्योगिकी विकास की दिशा में काम करता है। अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को विनिर्माण इकाइयों में विभिन्न उत्पाद समूहों में एक समर्पित अनुसंधान एवं उत्पाद विकास (आरपीडी) समूह द्वारा पूरा किया जाता है।

इन समूहों के अनुसंधान एवं विकास का बुनियादी ढांचा अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। बीएचईएल के 14 उत्कृष्टता केंद्रों में कॉर्पोरेट आर एंड डी हैदराबाद (जैसे इंटेलिजेंट मशीन और रोबोटिक्स, मशीन डायनेमिक्स, यूएचवी प्रयोगशाला, कम्प्यूटेशनल प्लूड डायनेमिक्स, स्थायी मैग्नेट मशीन इत्यादि), एचपीबीपी तिरुच्चिरापल्ली (जैसे— कोयला अनुसंधान केंद्र) और ईडीएन बंगलुरु (जैसे पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, आईजीबीटी और कंट्रोलर टेक्नोलॉजी) में प्रतिष्ठान शामिल हैं।

बीएचईएल में 5 विशिष्ट अनुसंधान संस्थान और हैं, अर्थात् प्रदूषण नियंत्रण और अनुसंधान संस्थान (पीसीआरआई), हरिद्वार, वेल्डिंग अनुसंधान संस्थान (डब्ल्यूआरआई), तिरुच्चि, सिरेमिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीटीआई), बंगलुरु, इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन केंद्र (सीईटी), भोपाल और अमोर्फस सिलिकॉन सोलर सेल प्लांट (ASSCP), गुरुग्राम।

उद्योग— शैक्षणिक सहयोग उत्पाद के साथ-साथ प्रक्रिया में सुधार के लिए नवाचार के अनुप्रयोग की सफलता का एक प्रमुख निर्धारक है। बीएचईएल

ने चिन्हित क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए आईआईटी, एनआईटी, सीएसआईआर, एआरएआई, आदि सहित देश के अग्रणी शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ साझेदारी की है।

6.3 वर्ष के दौरान उपलब्धियां

नए और बेहतर उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रणालियों के विकास के लिए बीएचईएल के अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित प्रमुख विकास हुए हैं

- बीएचईएल ने हैदराबाद में उच्च राख वाले भारतीय कोयले का उपयोग करते हुए 0.25 टीपीडी मेथनॉल उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रदर्शन संयंत्र को स्वदेशी रूप से डिजाइन, इन्स्टॉल एवं डेमन्स्ट्रेट किया है। संयंत्र ने 99% से अधिक शुद्धता के साथ मेथनॉल का उत्पादन किया है। गैसीकरण मार्ग के माध्यम से उच्च राख वाले भारतीय कोयले का मेथनॉल में रूपांतरण भारत में अपनी तरह का पहला प्रौद्योगिकी प्रदर्शन है।
- बीएचईएल ने अत्याधुनिक ट्रेन कंट्रोल मैनेजमेंट सिस्टम और रीजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम के साथ 3-फेज ईथरनेट आधारित एसी मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) ट्रेन के लिए इलेक्ट्रिक्स का निर्माण और आपूर्ति की है।
- बीएचईएल ने उभरते हुए साइड चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर व्यवसाय को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को चार्ज करने के लिए एक कॉम्पैक्ट 122 kW डीसी फास्ट चार्जर विकसित किया है, जिसने एआरएआई, पुणे में प्रमाणन परीक्षण सफलतापूर्वक पास कर लिया है।



बीएचईएल कॉर्पोरेट आर एंड डी, हैदराबाद में पूरी तरह से स्वचालित रोबोटाइज्ड इंपैक्ट टेस्ट सिस्टम का उपयोग करके प्रभाव परीक्षण



वेल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, बीएचईएल तिरुचिरापल्ली में परिक्रमिय परीक्षण मशीन परीक्षण सेटअप (बाएं) और रोबोटिक आर्म लेजर वेल्डिंग सेटअप (दाएं)

- बीएचईएल ने ई-मोबिलिटी अनुप्रयोगों के लिए उच्च शक्ति घनत्व वाले ईंधन सेल के साथ 3-5 किलोवाट प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन (पीईएम) ईंधन सेल स्टैक विकसित किया है।
- 4 इंच C150 क्लास मोटर ऑपरेटेड गेट वाल्व को सफलतापूर्वक विकसित किया गया और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के अनुप्रयोगों के लिए द्रव नियंत्रण अनुसंधान संस्थान (एफसीआरआई), पलक्कड़ में परीक्षण किया गया।
- निर्यात परियोजना के लिए सफलतापूर्वक डिजाइन, निर्मित और परीक्षण की गई उच्चतम रेटिंग 1605 kW / 6.6 केवी मोटर, खतरनाक क्षेत्र अनुप्रयोग मोटर्स के लिए अतिरिक्त शोधन सुविधा के साथ IS/IEC 60079-7:2015 के अनुरूप।
- मेक इन इंडिया के अंतर्गत
- एफजीडी अनुप्रयोग के लिए गीले चूना पत्थर आधारित घोल को संभालने के लिए स्वदेशी रूप से डिजाइन, निर्मित और परीक्षण प्रोटोटाइप स्लरी रीसर्क्युलेशन पंप।
- 30 मेगावाट क्षमता के टॉप प्रेशर रिकवरी टर्बाइन (टीआरटी) का एयरो-थर्मल डिजाइन विकसित किया और स्टील सेक्टर में ब्लास्ट फर्नेस एप्लिकेशन के लिए इनलेट गाइड वेन मैकेनिज्म (आईजीवी) के साथ परफॉर्मेंस मैप तैयार करना।
- इस्पात क्षेत्र में ब्लास्ट फर्नेस अनुप्रयोग के लिए मल्टीस्टेज गाइड वेन सिस्टम के साथ मोटर चालित मल्टीस्टेज अक्षीय कंप्रेसर 5,40,000 Nm³/Hr क्षमता का विकसित एयरो मैकेनिकल डिजाइन।
- 1x660 मेगावाट फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) अनुप्रयोगों के लिए शीयर रिंग डिजाइन के साथ 9650 छत्रक्षेत्र की वायु क्षमता को संभालने वाले ऑक्सीकरण ब्लोअर का पूर्ण डिजाइन एवं विकास किया।
- उन्नत हल्के हेलीकाप्टर के लिए प्री-कूलर विकसित किया गया।
- बीएचईएल ने फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) प्रणाली में आयातित और महंगी सी276 (नी-आधारित सुपर मिश्र धातु) क्लैड प्लेट को बदलने के लिए एक लागत प्रभावी जंग प्रतिरोधी पॉलिमर कोटिंग विकसित की है। इन पॉलिमर कोटिंग्स को वायुहीन स्प्रे सिस्टम का उपयोग करके बड़े क्षेत्रों पर आसानी से लगाया जा सकता है तथा इसका रखरखाव भी सरल है।
- पोलावरम एचईपी परियोजना (12 × 80 मेगावाट) के लिए बीएचईएल का सबसे बड़े आकार का कपलान टरबाइन, 7 मीटर व्यास, सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। टर्बाइन का हाइड्रोलिक प्रोफाइल विकास एक चुनौती थी क्योंकि सर्पिल केसिंग और ड्राफ्ट ट्यूब को अन्य ओईएम (जिसे पहले काम आवंटित किया गया था) के लिए पहले से निर्मित मौजूदा सिविल संरचना के साथ संगत होने के लिए फिर से डिजाइन किया जाना था।
- 800 मेगावाट बिजली संयंत्र अनुप्रयोगों एवं प्रदर्शन गारंटी परीक्षणों के लिए 45,500 m³/hr प्रति पंप की प्रवाह क्षमता वाले कंक्रीट वॉल्यूट पंप (सीवीपी) बड़े आकार के पंपों की आपूर्ति, निर्माण, इरेक्ट एवं कमीशन किया गया है।
- एक कॉम्पैक्ट, मॉड्यूलर डिजाइन 420 केवी हाइब्रिड गैस इंजुलेटेड स्विचगियर (एचजीआईएस) के डिजाइन और इंजीनियरिंग का सफलतापूर्वक समापन।
- बीएचईएल ने 210 मेगावाट एलएमजेड पुराने रूसी डिजाइन टर्बाइन सेटों के लिए स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं विकसित स्टीम टर्बाइन तथा वाल्व मॉड्यूल ऊर्जा कुशल नवीनीकरण व आधुनिकीकरण (आर-एम) और मौजूदा पुराने थर्मल पावर प्लांटों के जीवन काल को बढ़ाया है।
- विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए कार्बन नैनोट्यूब फाइबर और नॉनवॉवन मैट बनाने की प्रक्रिया विकसित की।

आयात प्रतिस्थापन पहल के रूप में

- Su-30MKI विमान के लिए एक एयर टू एयर हीट एक्सचेंजर (AAHE) का विकास, परीक्षण और आपूर्ति की।

- बीएचईएल एडिटिव मैनुफैक्चरिंग से संबंधित परियोजनाओं के लिए आईआईटी खड़गपुर में सीओई के कंसोर्टियम का एक मुख्य सदस्य है और इसने एलपी स्टीम टर्बाइन रोटर के लिए 3डी क्लोज्ड कंप्रेसर इम्पेलर और क्लैम्पिंग पीस के लिए मॉडल का विकास सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।
- 8 विनिर्माण इकाइयों में 30 सीएनसी मशीनों को इन-हाउस विकसित डब्लू. सॉफ्टवेयर आधारित प्लज सिस्टम के माध्यम से जोड़ा गया है। उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए, इसका उपयोग सीएनसी मशीनों की निगरानी, उपयोग और पूर्वानुमानित रखरखाव के लिए किया जाएगा।
- बीएचईएल की पेशकशों के डिजाइन में सुधार के लिए निम्नलिखित विश्लेषण सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं:
- ग्राहक योग्यता आवश्यकता को पूरा करने के लिए परमाणु वाल्वों का भूकंपीय और थर्मल विश्लेषण।
- रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए 1 मेगावाट मुख्य मोटर जेनरेटर (एमएमजी) के एसी मशीन स्टार्टिंग पैनल का शॉक और कंपन विश्लेषण।
- सेमी हाई स्पीड ट्रेन के लिए स्वदेश में विकसित ट्रेक्शन मोटर IM3003AZ (270 के.वी.) का डिजाइन विश्लेषण।
- ज्ञान आधारित इंजीनियरिंग (केबीई) के क्षेत्र में, निम्नलिखित पहलें पूर्ण की गई हैं:
- इंडक्शन मोटर के रोटर असेंबली का डिजाइन ऑटोमेशन
- कूलिंग वॉटर पंप्स की असेंबली सीक्वेंसिंग।
- हाइड्रो जनरेटर (5 मेगावाट – 400 मेगावाट) के रू वाउन्ड स्टेटर असेंबली का डिजाइन ऑटोमेशन जिसमें सभी प्रकार शामिल हैं।
- ईएमयू, एमईएमयू और डीईएमयू के लिए 3 फेज इंडक्शन मोटर के इंजीनियरिंग डिजाइन ऑटोमेशन के लिए एकीकृत एप्लिकेशन का विकास।

6.4 अनुसंधान एवं विकास एवं प्रौद्योगिकी विकास के लिए फोकस क्षेत्र

बीएचईएल का अनुसंधान एवं विकास फोकस निम्नलिखित उभरते और

मौजूदा क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं का निर्माण और सुदृढीकरण रुक रहा है

- इलेक्ट्रिक लोको और इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (ईएमयू), उच्च शक्ति वाले लोकोमोटिव के लिए तीन-चरण एसी ड्राइव सिस्टम के क्षेत्रों में रेल परिवहन के लिए कुल समाधान।
- कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी के सफल विकास एवं प्रदर्शन (demonstration) के बाद, विशेष रूप से उच्च राख वाले भारतीय कोयले के लिए, आपकी कंपनी सिनगैस से रसायन व हरित ईंधन (मेथनॉल, हाइड्रोजन, आदि) उत्पन्न करने के लिए स्वदेशी तकनीक विकसित करने के लिए कार्य कर रही है।
- उच्च दक्षता वाले सौर सेल, ग्रिड से जुड़े नवीकरणीय ऊर्जा सौर पीवी अनुप्रयोगों का विकास।
- रक्षा और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए उत्पाद और प्रणालियाँ जैसे एयरो स्ट्रक्चर, मरीन गैस टर्बाइन, ली-आयन बैटरी सिस्टम, हीट एक्सचेंजर्स आदि।
- पावर ट्रेन, चार्जिंग स्टेशन, ऊर्जा भंडारण प्रणाली आदि सहित ई-मोबिलिटी इकोसिस्टम के लिए समाधानों का विकास।
- हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था और ईंधन सेल अनुप्रयोगों के लिए उत्पाद और प्रणालियाँ।
- इंटेलेजेंट मशीनों एवं रोबोटिक्स और उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों सहित नई प्रौद्योगिकियों की तैनाती के साथ उद्योग 4.0 का अनुप्रयोग।
- डाउनस्ट्रीम तेल और गैस क्षेत्र के लिए उत्पाद।
- परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए उत्पाद और प्रणालियाँ।
- डिजिटल सबस्टेशन और 800A ट 800A ट 765 ट, 1200 केवी ट्रांसमिशन सिस्टम जैसे उन्नत पावर ट्रांसमिशन के लिए उत्पाद और सिस्टम।
- आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इस्पात उद्योगों में ब्लास्ट फर्नेस के लिए उच्च क्षमता वाले अक्षीय कम्प्रेसर का स्वदेशीकरण।
- फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) सिस्टम प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण जो देश के आयात बिल को कम करने में भी मदद करेगा।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से



डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक: 04.09.2022

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक-VII

7.1 ऊर्जा का संरक्षण

बीएचईएल की व्यावसायिक प्रक्रियाओं में सतत विकास का सिद्धांत निहित है। हमारा मिशन वाक्य 'ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में स्थायी व्यावसायिक समाधान प्रदान करना' भी इसका प्रमाण है।

एक अग्रणी विनिर्माण संगठन के रूप में, बीएचईएल अपने परिसर में ऊर्जा खपत के कुशल प्रबंधन एवं अपने ग्राहकों को ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकी प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। संगठन में लगातार ऊर्जा दक्षता/संरक्षण परियोजनाएं सक्रिय रूप से शुरू की जाती हैं।

बीएचईएल की ऊर्जा गहन विनिर्माण इकाइयों को ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली (ISO 50001) के लिए प्रमाणित/पुनः प्रमाणित किया गया है। ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था के साथ पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था एवं फिक्स्चर के प्रतिस्थापन के लिए कंपनी भर में कदम उठाए गए हैं। अधिक कुशल 4/5 स्टार रेटेड सिस्टम के साथ पुराने एसी को बदलना, सबस्टेशनों में स्वचालित पावर फैक्टर सुधार पैनल की स्थापना और कारखाने के पावर फैक्टर को एकता के करीब रखने के लिए एचटी कैपेसिटर बैंकों के परिचालन आदि।

इसके अलावा, एचईईपी हरिद्वार में सरकारी भवनों के लिए एमएनआरई योजना (रेस्को मॉडल) के तहत अगले 25 वर्षों के लिए (बीएचईएल से किसी पूंजी निवेश के बिना) एक निश्चित टैरिफ पर 1 मेगावाट क्षमता ग्रिड से जुड़े रूफ टॉप सोलर पीवी सिस्टम की स्थापना से 1.2 मिलियन इकाई वार्षिक उत्पन्न होने की संभावना है। कंपनी भर में, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 27.17 मिलियन यूनिट हरित ऊर्जा का उत्पादन किया गया था, जो पिछले 5 वर्षों के दौरान सौर प्रणालियों के माध्यम से कुल ऊर्जा उत्पादन को 129.69 मिलियन यूनिट तक ले गया।

7.2 प्रौद्योगिकी समावेशन और अनुसंधान एवं विकास

अनुसंधान एवं विकास

1. विशिष्ट क्षेत्र जिसमें कंपनी द्वारा अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए	}	निदेशक मंडल की रिपोर्ट के अंतर्गत आर एंड डी एवं प्रौद्योगिक उपलब्धियां अनुबंध- VI में दिया गया है।
2. उपर्युक्त अनुसंधान एवं विकास के फलस्वरूप प्राप्त लाभ		
3. ध्यान दिए जाने वाले भावी क्षेत्र		

4. अनुसंधान एवं विकास पर खर्च		
कुल	..	₹ 699.57 crore
a) आवर्ती	..	₹ 696.60 crore
b) पूंजी		₹ 2.97 crore
संपूर्ण कारोबार में खर्च का प्रतिशत	..	3.47 %

7.3 प्रौद्योगिकी समावेशन

पिछले पांच वर्षों के दौरान आयातित प्रौद्योगिकी का विवरण

प्रौद्योगिकी	आयातित वर्ष	समावेशन स्थिति
स्टेनलैस स्टील मैट्रो कोच एवं बोगियां	2017	प्रौद्योगिकी समावेशन प्रगति पर है
गेट एवं डेम्पर	2018	
सिलेक्टिव कटेलेटिक रिडक्शन (SCR) कटेलेस्ट	2018	
एससीआर सिस्टम	2018	
न्यूक्लियर पीएचडब्ल्यूआर एप्लीकेशन के लिए स्टीम टरबाइन	2018	
न्यू जेनरेशन सीएण्डआई आटोमेशन	2020	

7.4 विदेशी मुद्रा आय और व्यय (करोड़ रुपये में)

विवरण	2021-22	2020-21
उपयोग में लाई गई विदेशी मुद्रा	1886	1598
कमाई गई विदेशी मुद्रा	2477	1839

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 04.09.2022

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-VIII

8.1 राजभाषा कार्यान्वयन

बीएचईएल की सभी इकाइयों में इकाईप्रभाग प्रमुख की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। कॉर्पोरेट कार्यालय सहित सभी इकाइयों/प्रभागों में नियमित रूप से तिमाही बैठकें आयोजित की जा रही हैं। कॉर्पोरेट कार्यालय सहित सभी इकाइयों/मंडलों में हिन्दी दिवस /सप्ताह/पखवाड़ा/माह मनाया गया, जिसके दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कवि सम्मेलन आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान 'हिन्दी दिवस समारोह' और 'राजभाषा उल्लास पर्व' जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

बीएचईएल विभिन्न शहरों में स्थित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों (TOLIC) में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। सभी इकाइयों/प्रभागों के प्रमुख अपने-अपने शहरों में स्थित नराकास के सदस्य हैं। इन समितियों के तत्वावधान में कई रोचक प्रतियोगिताएं, सेमिनार, सम्मेलन और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। बीएचईएल नराकास प्रतियोगिताओं के साथ-साथ अन्य गतिविधियों के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है और हमारे कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और कई पुरस्कार जीते हैं। दिल्ली कार्यालयों के छः कर्मचारियों ने अक्टूबर-नवंबर-दिसंबर 2021 के दौरान नराकास (उपक्रम -1) दिल्ली द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीते। हमारी कई इकाइयों को उनके संबंधित न.रा.का.स. द्वारा भी सम्मानित किया गया है। कॉर्पोरेट कार्यालय ने 25 नवंबर, 2021 को टॉलिक (उपक्रम-1) दिल्ली के सदस्य कार्यालयों के लिए एक ऑनलाइन अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में 29 सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों ने भाग लिया।

01 मार्च से 31 मई 2021 तक ऑनलाइन स्मृति आधारित अनुवाद उपकरण, कंठस्थ के प्रगतिशील उपयोग के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता के दौरान बीएचईएल कॉर्पोरेट

कार्यालय को अनुवादक श्रेणी में 6500 टीएम से अधिक (वाक्य) और जांचकर्ता श्रेणी में 8000 टीएम से अधिक (वाक्य) अपलोड करने के लिए अनुवादक और अनुभवी दोनों श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

कंपनी भर में कुल 17 हिन्दी पत्रिकाएं प्रकाशित की जा रही हैं। इन पत्रिकाओं में प्रकाशित उत्कृष्ट लेखों के लिए विभिन्न इकाइयों/प्रभागों के 30 कर्मचारियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 'इंटर-यूनिट राजभाषा शील्ड' प्रतियोगिता के तहत, कंपनी की 15 इकाइयों/प्रभागों को राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया।

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर कंपनी की सभी इकाइयों/संभागों में विभिन्न प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 27 दिसंबर, 2021 को माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा बीएचईएल कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली का राजभाषा निरीक्षण किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन पर कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए, माननीय संसदीय राजभाषा समिति ने राजभाषा कार्यान्वयन पर अधिक जोर देने का निर्देश दिया। इसके अलावा, माननीय राजभाषा संसदीय समिति ने 22 सितंबर, 2021 को टीबीजी-वडोदरा और 22 फरवरी 2022 को पावर सेक्टर-दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई का भी निरीक्षण किया। समिति ने राजभाषा के कार्यान्वयन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और हमें लक्ष्यों को प्राप्त करने की सलाह दी।

वर्ष के दौरान राजभाषा से संबंधित विभिन्न विषयों पर 16 सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न इकाइयों प्रभागों के 1800 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।



बीएचईएल में सितम्बर, 2021 के दौरान राजभाषा उल्लास पर्व मनाया गया



सीएमडी बीएचईएल ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021 के उद्घाटन दिवस पर सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई

8.2 सतर्कता प्रणाली

पारदर्शिता, निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा कंपनी के लिए निर्णय लेने की सभी प्रक्रियाओं का आधार हैं। कंपनी के पास एक पूर्ण सतर्कता तंत्र है जिसके अंग के रूप में सतर्कता विभाग, आंतरिक लेखापरीक्षा, विसल-ब्लोअर नीति तंत्र, स्वतंत्र बाहरी मॉनिटर (ओं) के साथ-साथ निदेशक मंडल स्तर की लेखा परीक्षा समिति शामिल है।

बीएचईएल के सतर्कता संबंधी कार्य मुख्य सतर्कता अधिकारी के नेतृत्व में किए जाते हैं जो कंपनी में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की विस्तारित शाखा के रूप में कार्य करते हैं। बीएचईएल की सभी इकाइयों और प्रभागों में एक वरिष्ठ अधिकारी की अध्यक्षता में सतर्कता तंत्र विकसित किया गया है जो मुख्य सतर्कता अधिकारी को रिपोर्ट करते हैं।

निवारक सतर्कता बीएचईएल का फोकस क्षेत्र रहा है क्योंकि सक्रिय सतर्कता प्रतिक्रिया से बेहतर है एवं इससे भ्रष्टाचार की संभावना कम होती है। मुख्य उद्देश्य प्रणाली में खामियों को दूर करके विभिन्न प्रक्रियाओं में अस्पष्टता तथा विवेकाधिकार को उत्तरोत्तर कम करना है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक उद्देश्यपूर्ण एवं पारदर्शी बनाया जा सके और कदाचार के दायरे को भी कम किया जा सके। लेखापरीक्षा रिपोर्टों (आंतरिक, साविधि/आक और सीएजी रिपोर्ट) की भी जांच की जा रही है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि ऐसी लेखापरीक्षा रिपोर्टों में सामने आई अनियमितताओं के संबंध में कोई सतर्कता कोण शामिल है या नहीं।

संगठन में विभिन्न गतिविधियों की यादृच्छिक जांच नियमित निरीक्षण, औचक निरीक्षण, प्रणाली अध्ययन, सीटीई प्रकार के निरीक्षण आदि के माध्यम से आयोजित की गई। इन निरीक्षणों/घांचों से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर, विवेकाधीन शक्तियों को कम करने और उन प्रावधानों

में स्पष्टता लाने के लिए जहां गलत व्याख्या की गुंजाइश है, बीएचईएल नीतियों/निर्देशानुसार/निर्णयमावली के विभिन्न प्रावधानों में सुधार का सुझाव दिया गया। वर्ष 2021-22 के दौरान लगभग 3459 कर्मचारियों (सीडीए नियमों के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों का लगभग 23%) की वार्षिक संपत्ति विवरणी की संवीक्षा की गई।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, इकाइयों/क्षेत्रों में निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़े कर्मचारियों के लिए निवारक सतर्कता पर 148 प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

बीएचईएल के कॉर्पोरेट लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग द्वारा आयोजित सभी सामान्य प्रबंधन कार्यक्रमों/धरणीनैतिक प्रबंधन कार्यक्रमों/युवा प्रबंधक कार्यक्रमों में निवारक सतर्कता पर एक सत्र जोड़ा गया है। आयोग के सुझाव के अनुसार, जनवरी, 2022 से (सीएमएस जांच हेतु) अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग एवं मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 'निवारक सतर्कता' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शामिल किया गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 'निवारक सतर्कता' पर ऐसे चार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 27 मामलों की जांच की गई, 71 शास्ति (12 बड़ी एवं 59 छोटी) लगाई गई और 12 चेतावनी/परामर्श पत्र भी जारी किए गए। इसके अलावा, 210 शिकायतों (वर्ष 2021-22 के दौरान प्राप्त 207) में से 204 का निपटारा कर दिया गया और शेष निपटान के विभिन्न चरणों में हैं। विजिलेंस की सलाह पर विभिन्न एजेंसियों, कर्मचारियों, विक्रेताओं और संविदकरों से ₹ 239.83 लाख (लगभग) की वसूली की गई है। सतर्कता विभाग की सलाह पर विभिन्न एजेंसियों, कर्मचारियों, विक्रेताओं और संविदाकारों से ₹ 239.83 लाख (लगभग) की वसूली की गई है।

सीवीसी ने दिनांक 1 सितंबर, 2021 के परिपत्र सं. 15/09/2021, द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह (VAW)-2021, 26 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2021 तक "स्वतंत्र भारत/75@ सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता" विषय पर मनाया गया।

'सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा'—<https://pledge.cvc.nic.in> का लिंक बीएचईएल इंटरनेट पर उपलब्ध कराया गया था एवं विभिन्न निर्माण इकाइयों/क्षेत्रों/कार्यालयों के सभी इंटरनेट साइटों और सभी हितधारकों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।

सतर्कता विभाग ने भारत के विभिन्न शहरों में कर्मचारियों, उनके बच्चों एवं स्कूलों व कॉलेजों के छात्रों के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह के विषय पर विभिन्न कार्यक्रम (लगभग 200) अर्थात वाद-विवाद, भाषण, पैनल चर्चा, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, स्लोगन/कार्टून/पोस्टर प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया।

जागरूकता शृंखला के एक भाग के रूप में, 10 एनिमेटेड क्लिप (वीएडब्ल्यू थीम, पीआईडीपीआई शिकायत, हाउस कीपिंग गतिविधियां, शिकायत दर्ज करना, आदि) को आंतरिक रूप से विकसित किया गया और वीडब्ल्यू के दौरान जारी किया गया।

केंद्रीय सतर्कता आयोग ने बीएचईएल को नागरिकों के बीच सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक लघु फिल्म की संकल्पना और निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी। तदनुसार, बीएचईएल के कॉर्पोरेट सतर्कता विभाग और कॉर्पोरेट संचार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा पर एक लघु फिल्म तैयार की गई थी। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2021 के उद्घाटन के दौरान 26.10.2021 को इस लघु वीडियो क्लिप (<https://cvc.gov.in/media/video-gallery/integrity-pledge-hindi>) को विभिन्न मंचों पर दिखाया गया और दूरदर्शन राष्ट्रीय नेटवर्क पर भी प्रसारित किया गया। हितधारकों और नागरिकों द्वारा समान रूप से फिल्म की गुणवत्ता और सामग्री की अत्यधिक सराहना की गई।

समय-समय पर सीवीसी और भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों दिशानिर्देशों का प्रचार-प्रसार करने और सर्वोत्तम प्रथाओं, केस स्टडीज एवं लेखों को साझा करने के लिए, क्रय नीति, नियमों व प्रक्रियाओं आदि के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सतर्कता विभाग तिमाही ई-समाचार पत्रिका 'दिशा' प्रकाशित करता है। वर्ष के दौरान इसके चार अंक प्रकाशित किए गए तथा 2013 से अब तक छत्तीस अंक प्रकाशित हो चुके हैं। ई-समाचार पत्रिका को व्यापक प्रचार दिया जाता है और सभी कर्मचारियों को ई-मेल के माध्यम से भेजा जाता है और बीएचईएल की इकाइयों/क्षेत्र इंटरनेट वेबपेज पर भी होस्ट किया जाता है।

8.3 स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण (एचएसई)

बीएचईएल अपने सभी कर्मचारियों के साथ-साथ हमारे साथ काम करने वाले हितधारकों को सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करने में विश्वास करता है। कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान, आपकी कंपनी ने प्रभावित कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान कर, दिशानिर्देश व एसओपी जारी कर, निवारक उपायों को प्रसारित कर, सभी दिशानिर्देशों नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु ऑडिट के माध्यम से अपने

कर्मचारियों के अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षा को सक्रिय रूप से सुनिश्चित किया। आपकी कंपनी ने मेडिकल ऑक्सीजन की कमी से निपटने के राष्ट्रीय प्रयासों को पूरा करने के लिए अपने विनिर्माण संयंत्रों से 80,000 से अधिक मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडरों की आपूर्ति की।

बीएचईएल पिछले कुछ वर्षों से अपनी कार्य संस्कृति के हिस्से के रूप में अच्छी एचएसई प्रथाओं को बनाने पर जोर दे रहा है। इसके लिए बीएचईएल ने अपने कर्मचारियों और उप-संविदकरों के कर्मचारियों के लिए नियमित आधार पर एचएसई प्रशिक्षण / विशेषज्ञ वार्ता / वेबिनार आयोजित किए हैं। सुरक्षित कार्यस्थल के लिए जागरूकता फैलाने के लिए संरचित प्रशिक्षण के अलावा, राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस से शुरू होने वाले 4-17 मार्च के दौरान संगठन में एक विशेष अभियान 'बीएचईएल सुरक्षा पखवाड़ा-2022' चलाया गया। अन्य एचएसई अभियान भी बड़े पैमाने पर आयोजित किए गए अर्थात पर्यावरण जागरूकता माह (5 जून - 30 जून, 2021), स्वच्छता पखवाड़ा (16 - 31 अगस्त 2021), आदि।

अपने सुरक्षा प्रदर्शन एवं पर्यावरण संवर्धन को बढ़ाने में बीएचईएल के प्रयास की काफी सराहना की गई है एवं कंपनी को इन प्रयासों की मान्यता के रूप में कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। वर्ष के दौरान प्राप्त पुरस्कारों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- गोल्डन पीकॉक पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार (जीपीईएमए)-2021 - निदेशकों की संस्था द्वारा विद्युत उपकरण क्षेत्र में पर्यावरण प्रबंधन की दिशा में अनुकरणीय योगदान हेतु।
- 8 राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार, प्रदर्शन वर्ष 2018 के लिए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित किए गए।
- एपेक्स इंडिया फाउंडेशन के प्रबंधन द्वारा आयोजित इंजीनियरिंग क्षेत्र में एपेक्स इंडिया सेपटी अवार्ड्स 2022 के तहत गोल्ड अवार्ड।

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड



डॉ. नलिन सिंघल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 04.09.2022

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-IX

फार्म एओसी- I

(कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा 129 की उपधारा (3) के पहले प्रावधानों के अनुसरण में)

सहायक कंपनियों / सहभागी कंपनियों / संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण की प्रमुख विशेषताएं

भाग "क": सहायक कंपनियां

(प्रत्येक सहायक कंपनी का विवरण करोड़ रुपए की राशि में)

1. क्र.सं.	01
2. सहायक कंपनी का नाम	बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स मशीन्स लिमिटेड
3. उस तारीख से जब सहायक कंपनी का अधिग्रहण किया गया था।	19 th जनवरी, 2011
4. संबंधित सहायक कंपनी के लिए रिपोर्टिंग अवधि, यदि होल्डिंग कंपनी के रिपोर्टिंग समय से भिन्न हो।	लागू नहीं
5. विदेशी सहायक कंपनियों के मामले में प्रासंगिक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि पर रिपोर्टिंग मुद्रा और विनिमय दर।	लागू नहीं
6. शेयर पूंजी	शून्य
7. आरक्षित और अधिशेष	शून्य
8. कुल संपत्ति	शून्य
9. कुल देनदारियां	शून्य
10. निवेश	शून्य
11. कारोबार	शून्य
12. कराधान से पूर्व लाभ*	(3.64)
13. कराधान के लिए प्रावधान*	0.95
14. कराधान के बाद लाभ*	(2.69)
15. प्रस्तावित लाभांश	शून्य
16. शेयरधारिता का % **	शून्य

कोष्ठक में दिए गए अंक ऋणात्मक हैं

* 11 अगस्त 2021 तक के आंकड़ों को दर्शाता है

** " बीएचईएल -ईएमएल में बीएचईएल की हिस्सेदारी 11 अगस्त 2021 को केरल सरकार को अंतरित कर दी गई है।

1. सहायक कंपनियों के नाम जिन्होंने अब तक परिचालन शुरू नहीं किया है	शून्य
2. सहायक कंपनियों के नाम, जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त किया गया या बेचा गया	बीएचईएल -ईएमएल**

**भाग "ख" : सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम
सहयोगी कंपनियों एवं संयुक्त उद्यमों से संबंधित
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) के अनुसार विवरण**

(₹ करोड़ में)

संयुक्त उद्यम के नाम	बीएचईएल- जीई गैस टरबाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड
1. नवीनतम अंकेक्षित तुलन पत्र की दिनांक	31.03.2021	31.03.2021	31.03.2021
2. वह दिनांक जिसमें संबंध या संयुक्त उद्यम का संबंधीकरण या अधिग्रहण किया गया था	5 th मई, 1997	28 th अप्रैल, 2008	15 th अप्रैल, 2009
3. वर्ष के अंत में बीएचईएल के द्वारा धारित संयुक्त उद्यमों के शेयर सं.	2379999	50000000	664040000
निवेश की राशि	2.38	50.00	664.04
होल्टिंग प्रतिशत की सीमा	एक शेयर घटा 50%	50%	22.14%
4. महत्वपूर्ण प्रभाव का विवरण	संयुक्त नियंत्रित इकाइयां		
5. सहयोगी/संयुक्त उद्यम के समेकित नहीं होने का कारण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
6. नवीनतम अंकेक्षित तुलन पत्र के अनुसार शेयर धारिता के लिए कारण नेटवर्थ	201.60*	शून्य	शून्य
7. वर्ष के लिए लाभ/हानि	इक्विटी पद्धति के अनुसार		
i. समेकन में विचार किया गया	50.42	शून्य	शून्य
ii. समेकन में विचार नहीं किया गया	-	(20.26)	(125.09)

* वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक

कोष्ठक में दिए गए अंक ऋणात्मक हैं। आरपीसीएल में, बीएचईएल द्वारा अपने नॉमिनी के नाम पर 300 शेयर भी रखे गए हैं।

मैसर्स पावर प्लांट परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट लिमिटेड परिसमापन के अधीन है। इसलिए इस पर समेकन हेतु विचार नहीं किया गया है। इस संयुक्त उद्यम में रु. 2.00 करोड़ की राशि का प्रावधान निवेश हेतु किया गया है।

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
M.No. 14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277

(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : मई 21, 2022

फार्म सं. एओसी-2

अधिनियम की धारा 134 की उपधारा (3) के खंड (ज) एवं कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के अनुसरण में

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप-धारा (1) में संदर्भित संबंधित पक्षों के साथ कंपनी द्वारा किए गए अनुबंधों/व्यवस्थाओं के विवरण के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र जिसमें तृतीय प्रावधान के अंतर्गत कुछ निश्चित लेन-देन (आर्म्स लेंथ ट्रांजेक्शन) शामिल हैं।

1. ठेके/अनुबंधों/लेन-देन के विवरण, आर्म्स लेंथ आधार पर नहीं

(a) संबंधित पक्ष का/के नाम एवं संबंध का स्वरूप	:	शून्य
(b) ठेके/व्यवस्थाओं/लेन-देन का स्वरूप	:	शून्य
(c) ठेकों या व्यवस्थाओं/लेन-देन की अवधि	:	शून्य
(d) ठेकों या व्यवस्थाओं या लेन-देन की विशिष्ट शर्तें, मूल्य सहित अगर हो तो	:	शून्य
(e) इन ठेकों या व्यवस्थाओं या लेन-देन	:	शून्य
(f) निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन की तिथि	:	शून्य
(g) अग्रिम के तौर पर भुगतान की गई राशि,	:	शून्य
(h) वह दिनांक जब आम सभा में प्रस्ताव पारित हुआ, जैसा कि खंड 188 के अंतर्गत वांछित	:	शून्य

2. सामग्री संबंधी ठेकों या अनुबंधों या लेन-देन के विवरण, आर्म्स लेंथ आधार

(a) संबंधित पार्टी के नाम एवं संबंध का स्वरूप	:	शून्य
(b) ठेकों/व्यवस्थाओं/लेन-देन का प्रकृति	:	शून्य
(c) ठेकों या व्यवस्थाओं/लेन-देन की अवधि	:	शून्य
(d) ठेकों या व्यवस्थाओं या लेन-देन की विशिष्ट शर्तें, मूल्य सहित, अगर हो तो	:	शून्य
(e) निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन की तिथि/तिथियां अगर हों तो	:	शून्य
(f) अग्रिम के तौर पर भुगतान की गई राशि, अगर हो तो	:	शून्य

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड



डॉ. नलिन सिंघल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 04.09.2022

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक-X स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में

सदस्यगण

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

एकल वित्तीय विवरण पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट

राय

हमने यहां भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ('कंपनी') के संलग्न एकल वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च 2022 के अनुसार तुलन पत्र तथा 31 मार्च को समाप्त हुए वर्ष के लिए लाभ एवं हानि लेखा (अन्य व्यापक आय सहित) तथा इक्विटी में परिवर्तनों का विवरण एवं वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और अन्य व्याख्यात्मक सूचनाएं शामिल हैं, के सारांश की लेखा परीक्षा की है। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं का सारांश भी दिया गया है (इसके पश्चात इसे "एकल वित्तीय विवरण" कहा जाएगा) जिसे लेखा परीक्षा की तिथि को / पर समाप्त हुए वर्ष के लिए हमारे द्वारा तैयार किया गया है। 19 शाखाओं का ऑडिट हमारे द्वारा किया गया और 10 शाखाओं का ऑडिट कंपनी के शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा किया गया।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुरूप पूर्वोक्त वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम 2013 ("अधिनियम") में अपेक्षित तरीके के अनुसार सूचना प्रदान करते हैं और यथा संशोधित कंपनीज (इंडियन अकाउंटिंग स्टैंडर्ड) नियम 2015, के साथ पाठित इस अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों, (इंड एस) एवं भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के अनुपालन में 31 मार्च 2022 को कंपनी की स्थिति तथा इसी दिनांक को समाप्त हुए वर्ष के लिए लाभ और कुल व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तनों तथा नकदी प्रवाह को यथार्थ व उचित रूप से प्रस्तुत करते हैं।

राय का आधार

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों (SAs) के अनुसार एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के अन्तर्गत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के एकल वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षकों की

जिम्मेदारियां खंड में वर्णित किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा जारी आचार संहिता के साथ ही कंपनी अधिनियम, 2013 और इससे आधारित नियमों के प्रवधानों के अंतर्गत एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिये प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम कंपनी से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों का पालन किया है। हमारा मानना है कि लेखा परीक्षा के जो साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं, वे कंपनी के एकल वित्तीय विवरण पर हमारी राय का आधार बनने के लिये पर्याप्त और उचित हैं।

मामले की अवधारणा

हम नोट 39 (ख) और वित्तीय विवरणों के नोट 3.1 (बिंदु सं. 5) के अतिरिक्त प्रकटीकरण की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जो क्रमशः सं. विदात्मक दायित्व और परिसंपत्तियों के उपयोग योग्य जीवन में परिवर्तन के कारण लेखांकन अनुमान में परिवर्तन के प्रभाव का वर्णन करता है। इस मामले में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मुख्य लेखा परीक्षा विषय

मुख्य लेखा परीक्षा विषय वे विषय हैं जो कि हमारे व्यावसायिक मतानुसार वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के दौरान सबसे महत्वपूर्ण थे। इन विषयों पर राय बनाते हुए एकल वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के संबंध में पूर्णतः समाधान किया गया और हमें इन विषयों पर और कोई राय नहीं देनी है। हमने अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले प्रमुख लेखा परीक्षा विषयों के नीचे वर्णित मामलों का उल्लेख किया है।

मुख्य लेखा परीक्षा विषय	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
इंड एस 115 के अंतर्गत "ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व" के सम्बंध में राजस्व एवं अन्य शेषों की मान्यता, मापन, प्रस्तुति की सटीकता। इन राजस्व लेखा मानकों के अनुप्रयोग में विशिष्ट निष्पादन दायित्वों का चिह्नित करना, चिह्नित विशिष्ट निष्पादन दायित्वों के लेन-देन मूल्य का निर्धारण, एक आधार अवधि में मान्य राजस्व के मापन के आधार की उपयुक्तता, वित्तीय विवरणों में शेष के प्रस्तुतिकरण सहित प्रकटीकरण से संबंधित कतिपय मुख्य निर्णय शामिल हैं। आकलित प्रयास राजस्व निर्धारण करने का एक महत्वपूर्ण आकलन है क्योंकि इसके लिए अनुबंध की प्रगति, आज तक किए गए प्रयासों, शेष निष्पादन दायित्व को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रयासों पर विचार करना आवश्यक है। एकल वित्तीय विवरण के नोट 40 को देखें।	प्रधान लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता के परीक्षण से निहित हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल हैं: पूर्णता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई जानकारी रचना प्रक्रिया पर नियंत्रण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया। मौजूदा जारी अनुबंधों और नए अनुबंधों में से एक सैंपल चुनकर विशिष्ट निष्पादन दायित्व और लेन-देन मूल्य का निर्धारण से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण किया। इंड एस 115 के अनुरूप राजस्व के अभिलेखन एवं प्रकटीकरण में अनुप्रयुक्त लेखांकन प्रणालियों और अनुबंधों एवं इससे संबंधित सूचनाओं में परिवर्तन के संगत सूचनाओं का परीक्षण किया, जिनका नए राजस्व लेखा मानकों के अनुसार का खुलासा करने और अभिलेखबद्ध करने में प्रयोग किया गया। महत्वपूर्ण उपलब्धियां (Milestone) प्राप्त करने में संभावित देरी की पहचान के लिए अनुबंधों में से एक सैंपल चुनकर समीक्षा की गई, जिसमें कि शेष निष्पादन दायित्व को पूर्ण करने में आकलित प्रयासों को बदलने की आवश्यकता है। तर्कसंगतता और अन्य संबंधित सामग्री मदों के ब्योरों पर विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं और परीक्षणों को किया।
व्यापार प्राप्य एवं अनुबंध संपत्तियों का मूल्यांकन वसूली की संभावना 31 मार्च, 2022 के अंत में कंपनी के पास ₹26939.87 करोड़ (निवल) की अनुबंध संपत्तियां तथा ₹6228.59 करोड़ के व्यापार प्राप्य बकाया हैं। यह शेष इंड एस 115 "ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व" के अनुसार पूर्ण हुए अनुबंधों और चालू अनुबंधों के लिए मान्य राजस्व से संबंधित हैं। इसके आकार और प्रबंधकीय निर्णय के उच्च स्तरीय होने कारण इसकी वसूली की संभावना का आकलन एक मुख्य लेखा विषय है। एकल वित्तीय विवरणों के नोट 6,9,40 को देखें।	प्रधान लेखा परीक्षा प्रक्रिया अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य के राजस्व मान्यता और समीक्षा तंत्र के लिए हमने कंपनी की आंतरिक प्रक्रिया का आकलन किया है। आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता के परीक्षण से निहित हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल हैं: - बीजक बनाने, सत्यापन करने तथा ग्राहकों के साथ पुनर्मिलान की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया। - परियोजनावार बकाया विवरण और प्रबंधन द्वारा इसके समीक्षा तंत्र की सूची को प्राप्त किया। - अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य की क्षति पर कंपनी के दिशानिर्देशों और नीतियों की समीक्षा की। - सैंपल आधार पर वर्ष के अंत में अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य की एजिंग की सटीकता की जांच की। - तर्कसंगतता, वसूली की संभावना और अन्य संबंधित सामग्री मदों के विवरणों पर विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं और परीक्षणों को किया

आकस्मिक देयता का आकलन

कंपनी के खिलाफ विभिन्न मंचों के समक्ष कई मुकदमे लंबित हैं और आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट की जाने वाली राशि का अनुमान लगाने के लिए प्रबंधन के निर्णय की आवश्यकता है।

हमने इन मामलों के परिणाम से संबंधित अनिश्चितता को देखते हुए उपरोक्त क्षेत्र को एक प्रमुख लेखापरीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया है, जिसके लिए कानून की व्याख्या में निर्णय के आवेदन की आवश्यकता होती है। तदनुसार, हमारी लेखापरीक्षा विचाराधीन विषय वस्तु के तथ्यों के विश्लेषण और शामिल कानून के निर्णयव्याख्या पर केंद्रित थी।

(एकल वित्तीय विवरण के नोट 32 को देखें।)

प्रधान लेखापरीक्षा प्रक्रिया

लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं में शामिल हैं लेकिन इन तक सीमित नहीं हैं:

- दावों या विवादों के संबंध में प्रबंधन की विस्तृत समझ प्रक्रियाओं और नियंत्रणों को प्राप्त करना
- चयनित नमूनों पर निम्नलिखित प्रक्रियाएं करना:
- प्रबंधन बैठक के पत्राचार, संचार, कार्यवृत्त को पढ़कर मामलों को समझना
- स्थिति अद्यतन, आधार के साथ परिणामों की अपेक्षा, और कंपनी द्वारा अपेक्षित कार्रवाई के भविष्य के पाठ्यक्रम सहित प्रबंधन कर्मियों के उचित स्तर के साथ पुष्टि संबंधी पूछताछ करना, और प्रबंधन द्वारा प्राप्त कानूनी राय, यदि कोई हो, का अवलोकन करना।
- कंपनी के कानूनी वकीलों से सीधे पुष्टि प्राप्त करना और परिणामों की उनकी रायसंभाव्यता मूल्यांकन पर विचार करना।
- संभावित परिणामों और अनुमानों की तर्कसंगतता के बारे में प्रबंधन के निर्णय का समर्थन करने वाले साक्ष्य का मूल्यांकन करना।
- लागू लेखा मानकों के अनुसार पर्याप्त प्रकटीकरण की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।

एकल वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाएं तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। अन्य जानकारी में प्रबंधकीय परिचर्चा व विश्लेषण में सम्मिलित की गई जानकारी, निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नकों सहित निदेशक मंडल रिपोर्ट, व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं स्थिरता रिपोर्ट, कॉर्पोरेट अभिशासन तथा शेयरधारकों की सूचना आती है परंतु एकल वित्तीय विवरण और इस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट इसमें सम्मिलित नहीं होती है।

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय अन्य जानकारी को कवर नहीं करती है और हम इस पर कोई आश्वासन या निष्कर्ष नहीं देते हैं।

एकल वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षण के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य सूचनाओं को पढ़ना और ऐसा करते हुए ध्यान रखना कि वित्तीय विवरणों के साथ अन्य सूचनाएं कहीं असंगत तो नहीं हैं अथवा लेखापरीक्षा में प्राप्त जानकारी अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होती है।

यदि, हमारे किए गए कार्य के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि यह अन्य सूचना सारतः अनुचित कथित है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। हमें इस संदर्भ में कुछ भी रिपोर्ट नहीं करना है।

एकल वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 134(5) में वर्णित विषयों के संदर्भ में इन वित्तीय विवरणों को इस प्रकार तैयार किए जाने हेतु उत्तरदायी है, जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों और इंड एसएस के अनुरूप कंपनी के वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन, कुल व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तनों तथा नकदी प्रवाह का एक वास्तविक और सही विवरण प्रदान करते हों। इस उत्तरदायित्व में ऐसे पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का अनुरक्षण भी सम्मिलित है जो अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा हेतु और धोखाधड़ी व अन्य अनियमितताओं को पता लगाने और रोकने हेतु उचित लेखांकन

नीतियों का चयन और अनुप्रयोग उचित और विवेकपूर्ण आकलन और निर्णय लेने एवं धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले किसी भी प्रकार के मूर्त अनुचित कथन से मुक्त तथा वास्तविक और उचित दृष्टिकोण प्रस्तुत कराने वाले वित्तीय विवरणों के निर्माण और प्रस्तुतीकरण हेतु पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों, जो कि लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव हेतु प्रासंगिक हों।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, समूह को एक उन्नतिशील व्यावसायिक इकाई के रूप में बनाए रखने के लिए समूह की योग्यता का आकलन करने, क्रियाशील इकाई से संबंधित जांचकारियाँ यथा आवश्यक प्रकटीकरण करने और जब तक प्रबंधन समूह के परिसमापन या परिचालन रोकने की मंशा न रखती हो अथवा इसके अतिरिक्त कोई यथार्थ कारण न हो, तब तक समूह को लेखांकन का आधार बनाने के लिए कंपनी के निदेशक मंडल उत्तरदायी है।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं।

एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले सारतः त्रुटिपूर्ण कथन से समग्र रूप में मुक्त हैं और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना, जिसमें हमारी राय शामिल हो। तर्कसंगत आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार किया गया लेखा परीक्षण सदैव किसी सारतः त्रुटिपूर्ण कथन का पता लगा ही लेगा, यदि कोई हो तो। त्रुटिपूर्ण कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और इन्हें संदेहास्पद माना जाता है, यदि, एकल रूप में या कुल मिलाकर, वे इन एकल वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को यथोचित रूप में प्रभावित करना प्रत्याशित है।

लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार एक लेखा परीक्षण के भाग के रूप में, पूरे लेखा परीक्षण के दौरान हम पेशेवर तरीके से निर्णय लेते हैं और पेशेवर संशयात्मकता को बनाए रखते हैं। हम यह भी करते हैं:

- वित्तीय विवरणों के सारतः गलत कथन, चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हों या त्रुटि के कारण, की पहचान करना और जोखिमों को आंकना और इन जोखिमों के अनुक्रियाशील लेखा परीक्षण प्रक्रियाओं को पूरा करना, और लेखा परीक्षण साक्ष्यों को प्राप्त करना जो कि हमारी राय के लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप सारतः गलत कथन को न खोज पाने का जोखिम, गलती के परिणामस्वरूप से कहीं ज्यादा होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलाजमा, जाल-साजी, जानबूझकर की गई चूकें, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रणों को अधिभावी (override) किया जाता है।
- परिस्थितियों के अनुसार लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखा परीक्षण के संगत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (3) (i) के अनुसार, हम इस बात पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और इस तरह के नियंत्रणों के परिचालन में प्रभावशीलता है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन आकलनों और संबंधित प्रकटन की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन की चिंता के आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकाला है, और प्राप्त लेखा परीक्षण साक्ष्य के आधार पर, क्या कुछ ऐसी अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी की क्षमता पर गंभीर संदेह पैदा कर सकती है, जो एक चिंता का विषय है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई सामग्री अनिश्चितता (material uncertainty) मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटन पर ध्यान आकर्षित करना होगा या हमारी राय को संशोधित करने के लिए इस तरह के प्रकटन अपर्याप्त हैं। हमारे निष्कर्ष, दिनांक तक हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट से प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। भविष्य में होने वाली घटनाएं या स्थितियां कंपनी की चिंता का विषय बनी रह सकती है।
- प्रकटन सहित एकल वित्तीय विवरण की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, और क्या एकल वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और व्यवसाय को उचित रूप में दर्शाते हैं।

भौतिकता एकल वित्तीय विवरणों में गलत बयानी का परिमाण है जो, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, वित्तीय विवरणों के एक उचित जानकारी उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित कर सकता है। हम (i) अपने लेखा परीक्षा कार्य के दायरे (scope) की योजना बनाने और परिणामों का मूल्यांकन करने में और (ii) वित्तीय विवरणों में पाई गई किसी गलत बयानी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए भौतिकता (Materiality) और गुणात्मक कारकों (qualitative factors) पर विचार करते हैं।

हम अन्य मामलों में, लेखा परीक्षण के प्लान किए स्कोप तथा समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षण निष्कर्षों के साथ, आंतरिक नियंत्रण में पहचानी गई कमियों को शामिल करते हैं, जो लेखा परीक्षण के दौरान हमारी नजर में आती हैं।

हम उन आरोपों को भी इस उल्लेख के साथ गवर्नेंस प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता से संबंधित संगत नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है,

और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों, जो हमारी स्वतंत्रता जहां लागू हो, वहां सुरक्षा संबंधी उपायों पर निर्भर करते हैं, को संप्रेषित करते हैं।

बताए गए मामलों में से जिन मामलों में गवर्नेंस पर आरोप लगाए गए हैं, हम उन मामलों को मौजूदा अवधि के एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण मामलों के रूप निर्धारित करते हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों को तब तक रखते हैं जब तक कि कानून या विनियमन इस मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण नहीं करता है या अत्यंत असाधारण परिस्थितियों में, जब हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले का जिक्र नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम होंगे और इस तरह के जिक्र से लोकहित प्रभावित होगा।

अन्य विषय:

हमने कंपनी के एकल वित्तीय विवरण में शामिल 10 (दस) वित्तीय विवरणों/सूचनाओं को लेखा परीक्षण नहीं किया था जिनका वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी 31 मार्च 2022 को रु. 33573 करोड़ की कुल संपत्ति और उस दिनांक को समाप्त हुए वर्ष के लिए रु. 11630 करोड़ के कुल राजस्व को दर्शाते हैं, जैसा कि एकल वित्तीय विवरण में दर्शाया गया था। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों/जानकारियों की शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा की गई जिनकी रिपोर्ट हमें भेजी गई और ऐसे शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित इन शाखाओं के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटन पर हमारी राय प्रस्तुत की गई।

हमारी राय इस मामले के संबंध में संशोधित नहीं है।

अन्य विधि एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट :

- (1) अधिनियम के खंड 143 के उपखंड (11) के संदर्भ में भारत सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") के संदर्भ में अपेक्षानुसार हम आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में विनिर्दिष्ट मामलों पर "अनुलग्नक क" प्रस्तुत करते हैं।
 - (2) अधिनियम के खंड 143 (3) के संदर्भ में अपेक्षानुसार हम रिपोर्ट देते हैं कि:
- क. जहां तक हमें जानकारी और विश्वास है, हमने लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक जानकारी एवं विवरण प्राप्त कर लिए हैं।
- ख. हमारे विचार से, कंपनी ने विधि के अनुसार लेखा बहियां रखी हैं, जैसा कि हमें इन बहियों की जांच में मिला है और हमारे द्वारा दौरा न की गई शाखाओं से हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक पर्याप्त जानकारी प्राप्त हो गई है।
- ग. शाखा लेखा परीक्षकों के द्वारा अधिनियम की धारा 143 (8) के अंतर्गत लेखापरीक्षित कंपनी के शाखा कार्यालयों के लेखा की रिपोर्ट हमें प्रेषित की गई है और रिपोर्ट करते समय हमारे साथ सही तरीके से विचार विमर्श किया गया है।
- घ. इस रिपोर्ट में हमारे द्वारा जांचे गए तुलन पत्र (अन्य व्यापक आय) सहित लाभ एवं हानि खाता विवरण तथा इक्विटी लेन-देन में परिवर्तन और हमारे द्वारा इस दौरान की गई शाखाओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार है।

ड. हमारी राय में, उक्त वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों का अनुपालन करते हैं, जो कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पढ़ा जाता है।

एक सरकारी कंपनी होने के नाते, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 (2) जो इस बारे में है कि किसी निदेशक को निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने से अयोग्य घोषित किया जा सकता है, अधिसूचना जी.एस.आर 463 (ई) दिनांक 05.06.2015 के मद्देनजर कंपनी पर लागू नहीं है।

च. कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की उचितता के संबंध में और इस तरह के परिचालन प्रभाव के संबंध में नियंत्रण, "अनुबंध ख" में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।

छ. अन्य विषयों के संबंध में हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 में लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए गए हैं:

i. कंपनी ने अपने एकल वित्तीय विवरण में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का प्रकटन किया है वृ वित्तीय विवरणों पर टिप्पणी 32 का संदर्भ लें।

i i. कंपनी ने व्युत्पन्न अनुबंध सहित लंबी अवधि के अनुबंध पर, सामग्री के संभावित नुकसान (यदि कोई हो) के लिए लागू कानून और लेखा

मानकों के अंतर्गत आवश्यकता के अनुसार प्रावधान किया है। वित्तीय विवरणों पर नोट 39 का संदर्भ लें।

ii i. कंपनी द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 तथा इसके अंतर्गत नियमों के अनुसार निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा फंड में स्थानांतरित की जाने वाली राशि को स्थानांतरित करने में कोई देरी नहीं हुई है।

iv. प्रबंधन से प्राप्त अभ्यावेदन के आधार पर, कंपनी द्वारा इस समझ के साथ कोई धनराशि अग्रिमध्राप्त या ऋण या निवेश नहीं किया गया है कि मध्यस्थ किसी भी तरीके से या उसकी ओर से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार देगा या निवेश करेगा। कंपनी द्वारा प्राप्त कंपनी / फंडिंग पार्टी।

v जैसा कि वित्तीय विवरणों के नोट 31 में कहा गया है, कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का प्रस्ताव दिया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुसार उस सीमा तक है जहां तक यह लाभांश की घोषणा पर लागू होता है।

(3) इस अधिनियम की धारा 143 (5) में अपेक्षित, हमने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों पर विचार किया है, उसके बाद उसी के अनुसार कार्य किया है और उसका प्रभाव कंपनी के लेखा एवं वित्तीय विवरण "अनुबंध ग" पर आया है।

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567



(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460



(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N



(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N



(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277



(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : मई 21, 2022

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक—क

(भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के सदस्यों को सम तिथि की हमारी रिपोर्ट "अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट" के तहत दी गई है, पैरा-1 में यथा उल्लिखित)

हमारी सर्वोत्तम जानकारी के लिए और कंपनी द्वारा हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरण एवं लेखा पुस्तकों व लेखा परीक्षा के सामान्य क्रम में हमारे द्वारा जांचे गए अभिलेखों के अनुसार, हम निम्नलिखित बता रहे हैं:

- i) कंपनी की संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्ति के संबंध में:
 - A. कंपनी ने अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मात्रात्मक विवरण और स्थिति सहित पूर्ण विवरण दिखाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है।
 - B. कंपनी ने अमूर्त संपत्ति का पूरा विवरण दिखाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है।
- (b) कंपनी के पास तीन वर्षों की अवधि में चरणबद्ध तरीके से संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की सभी वस्तुओं को कवर करने के लिए सत्यापन का कार्यक्रम है, जो हमारी राय में, कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में उचित है। कार्यक्रम के अनुसार, वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा कुछ संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों का भौतिक सत्यापन किया गया। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, इस तरह के सत्यापन में कोई भौतिक विसंगतियां नहीं पाई गई।
- (c) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हमारे द्वारा जांचे गए रिकॉर्ड, अचल संपत्तियों के शीर्षक विलेख कंपनी के नाम पर रखे गए हैं, सिवाय इसके कि नोट 3.1 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के अतिरिक्त प्रकटीकरण में खुलासा किया गया है।
- (d) कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग के अधिकार सहित) या अमूर्त संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।
- (e) बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू या लंबित नहीं है।
- ii) (a) वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा उचित अंतराल पर इन्वेंट्री (तृतीय पक्ष के पास पड़े स्टॉक को छोड़कर) का भौतिक सत्यापन किया गया है। तीसरे पक्ष के पास पड़ी सूची के संबंध में, उनके द्वारा पर्याप्त रूप से पुष्टि की गई है। स्टोर और पुर्जों की सूची के संबंध में, प्रबंधन के पास एक सत्यापन कार्यक्रम है जिसमें तीन साल की अवधि में वस्तुओं को कवर करने के लिए उपयुक्त प्रक्रियाओं के साथ डिजाइन किया गया है, जो हमारी राय में उपयुक्त है। पुस्तक अभिलेखों की तुलना में मालसूची के भौतिक सत्यापन में पाई गई विसंगतियां महत्वपूर्ण नहीं थीं।
- (b) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण तथा प्रस्तुत किए गए प्रासंगिक अभिलेखों के अनुसार, कंपनी को चालू परिसंपत्तियों की सुरक्षा के आधार पर बैंकों वित्तीय संस्थाओं से संघ वित्त के तहत वर्ष के दौरान ₹ 60000 करोड़ की कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत की गई है। हमारे द्वारा सत्यापित रिकॉर्ड के अनुसार, हमारी राय में, कंपनी द्वारा ऐसे बैंकों के साथ दायर की गई तिमाही रिटर्न या स्टेटमेंट कंपनी के खातों की पुस्तकों के अनुरूप हैं।
- (iii) हमें दी गई जानकारी के अनुसार, कंपनी ने कंपनी अधिनियम की धारा 189 के तहत बनाए गए रजिस्टर में सूचीबद्ध कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता भागीदारी या अन्य पार्टियों को सुरक्षित या असुरक्षित ऋण की प्रकृति में कोई ऋण या अग्रिम नहीं दिया है। 2013. इसलिए, खंड (पपप) (-I, ठ), (पपप) (इ), (पपप) (ब), (पपप) (क), (पपप) (म) 'दक पपप (F) के पैराग्राफ 3 के आदेश कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।
- iv) कंपनी ने ऋण, निवेश, गारंटी और प्रतिभूतियों के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 और 186 के प्रावधानों का अनुपालन किया है।
- v) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रिया के आधार पर, कंपनी ने अधिनियम की धारा 73 से 76 या कंपनी अधिनियम, 2013 और कंपनी नियम 2014 (जमा की स्वीकृति) के किसी अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के अर्थ में कोई जमा स्वीकार नहीं किया है।
- vi) हमने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 148 (1) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा विहित कंपनी (लागत रिकार्ड्स एवं लेखा) नियम, 2014 के अनुसरण में, कंपनी द्वारा रखी गई लेखा पुस्तिकाओं तथा कंपनी के रिकार्डों का व्यापक निरीक्षण किया और हमारी राय में कंपनी ने निर्धारित लेखा एवं रिकार्ड्स को संरक्षित रखा है। तथापि, इन लेखों और लागत रिकार्डों की विस्तृत जांच की न तो हमारी अपेक्षा है और न ही हमने की है।
- vii) (a) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार और प्रस्तुत की गई तथा हमारे द्वारा जांची गई बहियों और रिकार्ड के अनुसार, हमारी राय में, कंपनी सामान्यतः नियमित रूप से माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर और उपयुक्त प्राधिकारियों पर यथा लागू कोई अन्य वास्तविक सांविधि देयताओं सहित अविवादित सांविधिक देय राशियों को जमा कर रही है।
- (b) माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर और किसी भी अन्य सांविधिक देय राशि के संबंध में 31 मार्च, 2022 को उनके देय होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए देय कोई निर्विवाद राशि नहीं थी।
- (c) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, माल एवं सेवा कर, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर का विवरण, जो विवाद के कारण जमा नहीं किया गया है, इस प्रकार है:

(रु. करोड़ में)

क्र	सांविधिक प्रावधान का नाम	देयताओं की प्रकृति	लंबित राशि	विरोध के अधीन की गई राशि	फोरम जहां विवाद लंबित है
1	केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम, विभिन्न राज्यों के मूल्य वर्धित कर और बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर, वैट	43.34	9.72	निर्धारण अधिकारी
			259.16	70.85	उप. आयुक्त / संयुक्त। आयुक्त / आयुक्त (अपील)
			218.93	87.11	अपीलीय न्यायाधिकरण
			103.53	1.28	उच्च न्यायालय
			4.84	4.84	उच्चतम न्यायालय
			359.53	22.32	विभिन्न अपीलीय प्राधिकारी
2	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	43.79	-	निर्धारण अधिकारी
			32.51	-	आयुक्त (अपील)
			61.40	4.68	अपीलीय न्यायाधिकरण
			28.04	0.55	उच्चतम न्यायालय
3	वित्त अधिनियम, 1994 के अधीन	सेवा कर	1.87	0.04	आयुक्त (अपील)
			845.70	18.07	अपीलीय न्यायाधिकरण
			1.56	-	विभिन्न अपीलीय प्राधिकारी
4	सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	5.80	5.80	उच्च न्यायालय
			2.48	0.01	आयुक्त (अपील)
			14.09	-	विभिन्न अपीलीय प्राधिकारी

viii) हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, आयकर अधिनियम 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या खुलासा किए गए खातों की पुस्तकों में कोई लेनदेन दर्ज नहीं किया गया है।

ix) हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार:

- कंपनी ने ऋण या अन्य उधारों के पुनर्भुगतान में या किसी भी ऋणदाता को ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है।
- कंपनी किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाता द्वारा घोषित विलफुल डिफॉल्टर नहीं है।
- कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया है और वर्ष की शुरुआत में कोई बकाया सावधि ऋण नहीं है और इसलिए, आदेश के खंड 3 (ix) (सी) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, और हमारे द्वारा की गई प्रक्रियाओं, और कंपनी के वित्तीय विवरण की समग्र जांच पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी द्वारा अल्पकालिक आधार पर जुटाए गए किसी भी फंड का उपयोग दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया है।

e) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, और कंपनी के वित्तीय विवरण की समग्र जांच पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने अपने सहायक, सहयोगियों या संयुक्त उद्यम के दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी भी इकाई या व्यक्ति से कोई धन नहीं लिया है।

f) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण और हमारे द्वारा लागू की गई प्रक्रियाओं के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनियों में रखी प्रतिभूतियों की गिरवी पर वर्ष के दौरान कोई ऋण नहीं लिया है।

x) (a) कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश या आगे के सार्वजनिक प्रस्ताव (ऋण लिखतों सहित) के माध्यम से कोई पैसा नहीं जुटाया है, इसलिए आदेश के खंड 3 (x)

(a) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

(b) वर्ष के दौरान, कंपनी ने शेयरों या डिबेंचर (पूर्ण या आंशिक या वैकल्पिक रूप से) का कोई तरजीही आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है और इसलिए आदेश के खंड 3 (x) (इ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xi) (a) कंपनी की पुस्तकों और अभिलेखों की हमारी जांच के दौरान, भारत में आम तौर पर स्वीकृत ऑडिटिंग प्रथाओं के अनुसार, और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी या कंपनी पर कोई धोखाधड़ी नहीं इसके अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा वर्ष के दौरान नोटिस किया गया है या रिपोर्ट किया गया है, न ही हमें प्रबंधन द्वारा ऐसे मामले की सूचना दी गई है।

(b) कंपनी अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत केंद्र सरकार के पास कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के तहत निर्धारित प्रपत्र एडीटी-4 में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

(c) हमने ऑडिट प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और विस्तार का निर्धारण करते समय वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा प्राप्त विसल ब्लोअर शिकायतों को/यान में रखा है।

xii) चूंकि कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है, इसलिए आदेश के खंड संख्या 3(xii) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xiii) जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, संबंधित पक्षों के साथ सभी लेनदेन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188 के अनुपालन में हैं, जहां कहीं भी लागू हो और वित्तीय विवरण में विवरण का खुलासा किया गया है, जैसा कि लागू लेखा मानक द्वारा आवश्यक है।

xiv)(a) हमारी राय में और जांच के आधार पर, कंपनी के पास अपने व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप एक आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है।

(b) हमने अब तक जारी कंपनी की आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन पर लेखापरीक्षा की अवधि के लिए विचार किया है।

xv) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हमारी राय में वर्ष के दौरान कंपनी ने निदेशकों या उसके निदेशकों से जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकद लेनदेन नहीं किया है और इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के प्रावधान लागू नहीं हैं।

xvi)(a) हमारी राय में, कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-IA के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3 (xvi) (a), (b) एवं (c) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

(b) हमारी राय में, कंपनी कोर निवेश कंपनी नहीं है और इसलिए क्लॉज 3 (xvi) (b) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xvii) कंपनी को चालू और ठीक पिछले वित्तीय वर्ष में नकद घाटा नहीं हुआ है।

xviii) वर्ष के दौरान सांविधिक लेखापरीक्षकों का कोई त्यागपत्र नहीं दिया गया है।

xix) वित्तीय अनुपात, काल प्रभाव तथा वित्तीय परिसंपत्तियों की वसूली की अपेक्षित तिथियाँ एवं वित्तीय देनदारियों के भुगतान, वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारी, और निदेशक मंडल व प्रबंधन के हमारे ज्ञान के संबंध में हमारी जांच और हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के आधार पर योजनाओं, लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तारीख के अनुसार कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद नहीं है कि कंपनी 31 मार्च 2022 तक मौजूदा अपनी देनदारियों को पूरा करने में सक्षम है एवं जब वे एक वर्ष की अवधि के भीतर देय हो जाते हैं।

xx) हमारे द्वारा जांचे गए कंपनी के रिकॉर्ड और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार:

(a) उक्त अधिनियम की धारा 135 की उप धारा (5) के दूसरे प्रावधान के अनुपालन में कंपनी अधिनियम की अनुसूची टप्प में निर्दिष्ट निधि में अंतरण की आवश्यकता वाली चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए कोई अव्ययित राशि नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xx) (a) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

(b) चल रही परियोजनाओं के संबंध में, कंपनी ने अधिनियम की धारा 135(6) के प्रावधानों के अनुपालन में उपरोक्त वित्तीय वर्ष के अंत से 30 दिनों की अवधि के भीतर पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में अव्ययित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व राशि को एक विशेष खाते में स्थानांतरित कर दिया है।

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460

(डॉ. नलिन सिंघला)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277

(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : मई 21, 2022

अनुलग्नक—ख

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के एकल वित्तीय विवरणों पर समसंख्यक दिनांक को स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (1) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

हमने समसंख्यक तिथि को समाप्त वर्ष के लिए एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के साथ भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ("कंपनी") की 31 मार्च 2022 तक वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण लेखापरीक्षा पर गाइडेंस नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित रिपोर्टिंग मानदंड पर आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। इन उत्तरदायित्वों में शामिल हैं दृ पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का रखरखाव, जिसके अंतर्गत क्रमबद्धता सुनिश्चित करने के लिए जो कि अपने व्यापार का कुशल एवं प्रभावी ढंग से परिचालन किया जा रहा था, जिसमें सम्मिलित हैं – कंपनी की नीतियों का पालन, अपनी संपत्ति की सुरक्षा, रोकथाम और धोखाधड़ी और त्रुटियां, सटीकता और लेखा अभिलेखों की पूर्णता का पता लगाना और कंपनी अधिनियम 2013, के अंतर्गत अपेक्षानुसार विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी करना।

लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक राय व्यक्त करने के लिए है। हम अपना लेखा परीक्षण लेखापरीक्षा मानकों और वित्तीय रिपोर्टिंग (गाइडेंस नोट) पर लेखा परीक्षण के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर गाइडेंस नोट के अनुसार संचालित करते हैं, जो इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा जारी और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण के लिए लागू आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण की सीमा लागू करने के लिए कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत निर्धारित समझी गई हों और आईसीएआई द्वारा जारी की गई हों। उन मानकों और गाइडेंस नोट की अपेक्षा है कि हम नैतिक अपेक्षाओं की पूर्ति करें और लेखापरीक्षा की योजना इस बात को/यान में रखकर बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें, उचित आश्वासन प्राप्त करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और व्यवस्थित किया गया था और सभी भौतिक पहलुओं में इस तरह का प्रभावी ढंग से नियंत्रण संचालित है।

हमारी आंतरिक वित्तीय लेखापरीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग को नियंत्रित करती है, जिसमें वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करना शामिल है, जिसमें सामग्री दोष के जोखिम का निर्धारण करना और निर्धारित जोखिम के आधार पर डिजाइन का परीक्षण और मूल्यांकन तथा

आंतरिक नियंत्रण का प्रभावी परिचालन शामिल है। चुनी हुई प्रतिक्रियाएं लेखा परीक्षक के फैसले पर निर्भर करती हैं जिनमें वित्तीय विवरण को गलत दर्शाए जाने के जोखिम का निर्धारण भी शामिल है, चाहे कारण धोखाधड़ी या त्रुटि हो।

हम मानते हैं कि जो लेखा परीक्षण साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं और अन्य मामले पैराग्राफ में नीचे दी गई अन्य लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के संदर्भ में उनके द्वारा प्राप्त किया गया लेखापरीक्षा साक्ष्य वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखा परीक्षण राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर वित्तीय रिपोर्टिंग का अर्थ

किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक डिजाइन की गई प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करती है और आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी करती है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वह प्रक्रिया है, जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में पर्याप्त आश्वासन प्रदान करने और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार बाह्य प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए डिजाइन की गई है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं, जो (1) ऐसे रिकार्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जिसमें कंपनी की सम्पत्तियों का विवरण पर्याप्त, सही और उचित रूप में दर्शाया गया है। (2) उचित आश्वासन देते हैं कि लेन-देन आम तौर पर स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति के लिए दर्ज हो रहे हैं और कहा कि प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और कंपनी के निदेशक प्राधिकरण के अनुसार किया जा रहा है और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या निपटान का समय पर पता लगाने या रोकथाम के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करें जो वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर वित्तीय रिपोर्टिंग का अर्थ

किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक डिजाइन की गई प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करती है और आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी करती है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वह प्रक्रिया है, जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में पर्याप्त आश्वासन प्रदान करने और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों

के अनुसार बाह्य प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए डिजाइन की गई है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं, जो (1) ऐसे रिकार्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जिसमें कंपनी की सम्पत्तियों का विवरण पर्याप्त, सही और उचित रूप में दर्शाया गया है। (2) उचित आश्वासन देते हैं कि लेन-देन आम तौर पर स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति के लिए दर्ज हो रहे हैं और कहा कि

प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और कंपनी के निदेशक प्राधिकरण के अनुसार किया जा रहा है और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या निपटान का समय पर पता लगाने या रोकथाम के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करें जो वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567



(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460



(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N



(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N



(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277



(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : मई 21, 2022

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक—ग

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एकल) के वर्ष 2020-22 के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा (ऑडिट) के दौरान सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा जांच किए जाने वाले क्षेत्रों के बारे में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी किए गए निर्देश

क्र.सं.	जांच किए गए क्षेत्र	सुझाए गए उत्तर
1	क्या कंपनी में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए सिस्टम है। यदि हाँ, तो आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण का वित्तीय लेनदेन सहित खातों की यथार्थता पर प्रभाव, यदि कोई हो तो बताएं।	हां, कंपनी के पास सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए सिस्टम है।
2	क्या कंपनी द्वारा कर्ज चुकाने में अक्षमता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा वर्तमान ऋण का कोई रि-स्ट्रक्चरिंग किया गया है या देनदारी, ऋण, ब्याज आदि को बढ़ा खाता में लिखा है/छूट के प्रकरण हैं? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभावों का उल्लेख करें। क्या ऐसे मामलों का ठीक से हिसाब लगाया जाता है? (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है, तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू होता है)।	हमें दी गई सूचनाओं और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण ऋणदाता द्वारा ऋण की कोई रि-स्ट्रक्चरिंग/वेवर/राइट ऑफ नहीं किया गया है/ब्याज नहीं लगाया गया है।
3	क्या किसी केंद्रीय/राज्य सरकार की एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त निधि (अनुदान/सब्सिडी आदि) का नियम और शर्तों के अनुसार सही तरीके से उपयोग किया गया है? जिन मामलों में भिन्नता हो उनका उल्लेख करें।	केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त की गई निधि को उसके नियम और शर्तों के अनुसार उचित रूप से उपयोग किया गया है।

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
M.No.14567



(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460



(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N



(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N



(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277



(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : मई 21, 2022



No. DG(AE) PEP/01-136/81CC-BHEL-SFS/20223/224
गोपनीय

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग

कार्यालय महा निदेशक लेखापरीक्षा (ऊर्जा)

नई दिल्ली

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Director General of Audit (Energy)

New Delhi

Dated: 21/07/2022

सेवा में,

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,
नई दिल्ली

विषय:- 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के लेखाओं पर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

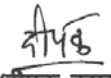
महोदय,

मैं भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लेखाओं पर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ अंग्रेजित कर रहा हूँ।

कृपया इस पत्र की संलग्नकों सहित प्राप्ति की पावती भेजी जाए।

भवदीय,

संलग्नक:- यथोपरि।


(दीपक कपूर)
महानिदेशक

**COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA
UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL
STATEMENTS OF BHARAT HEAVY ELECTRICALS LIMITED FOR THE YEAR
ENDED 31 MARCH 2022**

The preparation of financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2022 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 143(1) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 21 May 2022.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2022 under Section 143(6)(a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India



(Deepak Kapoor)
Director General of Audit (Energy),
Delhi

Place: New Delhi
Date: 24 July 2022

खोज

नवीन

संभावनाएं

विस्तार

नवीन

आयाम

वित्तीय विवरण

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण

एकल तुलन पत्र (बैलेंस शीट)— 31 मार्च, 2022 को

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	पृष्ठ सं	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
क. परिसंपत्तियाँ				
1. गैर चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	3a	...	2336.34	2426.16
(ख) पूंजीगत चालू कार्य	3b	...	422.32	403.21
(ग) अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4a	...	62.12	62.16
(घ) विकासशील अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4b	...	8.66	16.35
(ङ) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) निवेश	5	...	669.71	670.00
(ii) व्यापार प्राप्य	6	...	3203.84	3179.74
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	7	...	86.73	97.39
(च) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध देनदारियाँ)	8	...	3530.08	3659.77
(छ) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ	9	...	18526.54	16852.44
कुल गैर चालू परिसंपत्तियाँ			28846.34	27367.22
2. चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) माल सूची	10	...	6560.21	7191.23
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) व्यापार प्राप्य	6	...	3024.75	4033.63
(ii) नगद एवं नगद समकक्ष	11	...	732.62	1527.18
(iii) नगद एवं नगद समकक्ष के अतिरिक्त अन्य बैंक बैलेंस	12	...	6421.07	5174.25
(iv) ऋण	13	...	-	-
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	7	...	211.56	228.18
(ग) चालू कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)		...	119.24	403.59
(घ) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ		...	10792.53	9775.96
कुल चालू परिसंपत्तियाँ			27861.98	28334.02
कुल परिसंपत्तियाँ			56708.32	55701.24
ब. इक्विटी एवं देयता:				
3. इक्विटी				
(क) इक्विटी शेयर पूंजी	15	...	696.41	696.41
(ख) अन्य इक्विटी	15a	...	26274.75	25787.64
कुल इक्विटी			26971.16	26484.05

एकल तुलन पत्र (बैलेंस शीट)– 31 मार्च, 2022 को

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	पृष्ठ सं	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
4. देयताएं				
4.1 गैर चालू देयताएं				
(क) वित्तीय देयताएं				
(i) पट्टा देयताएं	16	...	35.12	53.41
(ii) व्यापार देय	17	...	127.45	157.92
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया राशि			2004.48	1725.85
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य का कुल बकाया राशि				
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	18	...	215.10	216.72
(ख) प्रावधान	19	...	3771.21	3912.78
(ग) अन्य गैर चालू देयताएं	20	...	2212.65	2831.54
कुल गैर चालू देयताएं			8366.01	8898.22
4.2 चालू देयताएं				
(क) वित्तीय देयताएं				
(i) ऋण	21	...	4745.00	4833.78
(i) पट्टा देयताएं	16	...	49.81	48.20
(ii) व्यापार देय	17	...		
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया			745.82	751.57
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य ऋणदाताओं का कुल बकाया राशि			7003.77	5923.48
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	18	...	1124.09	917.65
(ख) प्रावधान	19	...	3066.70	3164.25
(ग) अन्य चालू देयताएं	20	...	4635.96	4680.04
कुल चालू देयताएं			21371.15	20318.97
कुल देयताएं			29737.16	29217.19
कुल इक्विटी एवं देयता			56708.32	55701.24
तैयारी का आधार, मापन एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	2	...		
साथ में दिए गए नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं				

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से


(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567


(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460


(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277


(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315


(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739


(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

एकल लाभ-हानि विवरण

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	पृष्ठ सं	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
आय				
परिचालनों से राजस्व	22	...	21211.09	17308.44
अन्य आय	23	...	367.81	369.84
कुल आय			21578.90	17678.28
व्यय				
खपत किए गए कच्चे माल का मूल्य		...	5055.63	4346.62
बॉट आउट मदों की खरीदी		...	4141.75	3811.94
सिविल, इरेक्शन, इंजीनियरिंग		...	4792.61	2912.47
स्टोर एवं स्पेयर की खपत		...	271.44	288.74
तैयार माल, प्रगतिशील कार्य एवं स्क्रेप की माल सूची में परिवर्तन	24		532.41	510.86
कर्मचारी लाभ व्यय	25	...	5516.84	5372.26
अन्य व्यय	26	...	162.49	3200.85
वित्तीय लागत	27		354.72	373.09
मूल्यह्रास एवं परिशोधन खर्च	3.1/4.1	...	314.06	473.05
कुल व्यय			21141.95	21289.88
कर पूर्व लाभ			436.95	(3611.60)
कर व्यय	28	...		
क) चालू कर			(77.13)	15.82
ख) आस्थगित कर			103.84	26.71
वर्ष के लिए लाभ (क)			410.24	(2717.14)

एकल लाभ-हानि विवरण

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	पृष्ठ सं	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
अन्य व्यापक आय	29	...		
वे आइटम जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा (शुद्ध कर)				
- निर्धारित कर्मचारी लाभों का पुनर्मापन			76.87	19.98
वर्ष (ख) के लिए अन्य व्यापक आय			76.87	19.98
वर्ष (क+ख) के लिए कुल व्यापक आय			487.11	(2697.16)
प्रति इक्विटी शेयर आय	30	...		
(1) मूल (प्रत्येक का अंकित मूल्य 2 रुपये)			1.18	(7.80)
(2) मिश्रित (प्रत्येक का अंकित मूल्य 2 रुपये)			1.18	(7.80)
तैयारी का आधार, मापन एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	2	...		
The accompanying notes are an integral part of these financial statements				

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460

(डॉ. नलिन सिंघला)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277

(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : मई 21, 2022

इक्विटी में परिवर्तन का एकल विवरण (SOCIE)

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

अ. इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

2 रु. प्रत्येक के जारी किए गए, सबस्क्राइब किए गए और पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर	शेयरों की संख्या		राशि	
	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21
वर्ष की शुरुआत में शेष	3482063355	3482063355	696.41	696.41
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-	-	-	-
वर्ष के अंत में शेष	3482063355	3482063355	696.41	696.41

ब. अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	राजस्व एवं अधिशेष				अन्य व्यापक आय की अन्य मदें	कुल अन्य इक्विटी
	आरक्षित पूंजी	पूंजी मोचन कोष	सामान्य कोष	प्रतिधारित आय		
01 अप्रैल, 2021 तक शेष	35.18	37.87	30476.66	(4366.94)	(395.13)	25787.64
लेखांकन नीति या पूर्व अवधि की त्रुटियों में परिवर्तन	-	-	-	-	-	-
01 अप्रैल, 2021 को बहाल शेष राशि	35.18	37.87	30476.66	(4366.94)	(395.13)	25787.64
जोड़ें: वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	410.24	76.87	487.11
31 मार्च, 2022 तक शेष	35.18	37.87	30476.66	(3956.70)	(318.26)	26274.75

इक्विटी में परिवर्तन का एकल विवरण (SOCIE)

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	राजस्व एवं अधिशेष				अन्य व्यापक आय की अन्य मदें	कुल अन्य इक्विटी
	आरक्षित पूंजी	पूँजी मोचन कोष	सामान्य कोष	प्रतिधारित आय		
01 अप्रैल, 2020 को शेष राशि	35.18	37.87	30476.66	(1649.80)	(415.11)	28484.80
लेखांकन पॉलिसी में परिवर्तन या पूर्व अवधि की त्रुटियाँ	-	-	-	-	-	-
01 अप्रैल, 2020 को पुनर्वर्णित शेष राशि	35.18	37.87	30476.66	(1649.80)	(415.11)	28484.80
जोड़ें: वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	(2717.14)	19.98	(2697.16)
31 मार्च, 2021 को शेष राशि	35.18	37.87	30476.66	(4366.94)	(395.13)	25787.64

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277

(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : मई 21, 2022

नकदी प्रवाह एकल विवरण

31, मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
अ. परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह		
कर पूर्व लाभ/हानि	436.95	(3611.60)
समायोजन के लिए :		
प्रावधान एवं राइट ऑफ	(1120.06)	1236.15
मूल्य ह्रास एवं परिशोधन	314.06	473.05
वित्तीय लागत (ब्याज की छूट सहित)	354.72	373.09
ब्याज एवं लाभांश आय	(333.14)	(342.28)
अप्राप्त विदेशी मुद्रा हानि/(लाभ)	19.26	5.80
अन्य	(6.61)	(3.79)
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व परिचालनों से प्राप्त (प्रयुक्त) नकद	(334.82)	(1869.58)
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन के लिए समायोजन :		
व्यापारिक प्राप्तियां	1881.12	4020.21
अनुबंध संपत्तियां	(2594.15)	(1310.38)
मालसूची	603.40	1537.16
ऋण, अग्रिम एवं अन्य संपत्तियां	143.49	(246.26)
उप कुल	33.86	4000.73
व्यापारिक देयताएं	1300.85	(1305.64)
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम, जमा एवं अन्य	(389.90)	(101.39)
प्रावधान	(358.60)	26.33
उप कुल	552.35	(1380.70)
शुद्ध नकदी (उपयोग की गई) / कार्यशील पूंजी से	586.21	2620.03
परिचालन से उत्पन्न प्रयुक्त नकदी	251.39	750.45
आय कर भुगतान	(258.00)	(216.65)
आयकर की वापसी	666.88	26.26
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह	660.27	560.06
ख. निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
बैंक जमा का प्रतिदान/परिपक्वता (मूल परिपक्वता 3 माह से अधिक होने पर) प्राप्त ब्याज	(1251.12)	(160.00)
ब्याज से प्राप्ति	257.93	343.11
म्युचुअल फंड्स से प्राप्त आय	-	1.42
संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	30.35	21.42
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण तथा अमूर्त संपत्तियों की बिक्री	6.90	1.88
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण तथा अमूर्त संपत्तियों की खरीद	(169.39)	(250.38)
शुद्ध नकदी (उपयोग की गई) / निवेश गतिविधियों से	(1125.33)	(42.55)

नकदी प्रवाह एकल विवरण

31, मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
ग. वित्त पोषण गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
अल्पावधि ऋण से आय	(88.78)	(97.95)
पट्टे की बाध्यता (मूलधन) से प्राप्त राशि (चुकोती)	(48.79)	(60.30)
पट्टे की बाध्यता (ब्याज) की कार्यवाही (ब्याज)	(9.57)	(12.95)
लाभांश भुगतान	(0.30)	(0.68)
ब्याज भुगतान	(182.06)	(221.31)
वित्तीय गतिविधियों से प्राप्त (प्रयुक्त) शुद्ध नकदी (बिंदु 4 देखें)	(329.50)	(393.19)
घ. नकदी व नकदी समकक्षों में शुद्ध वृद्धि/(ह्रास)	(794.56)	124.32
नकदी व नकदी समकक्षों का प्रारंभिक शेष	1527.18	1402.86
नकदी व नकदी समकक्षों का जमा शेष [नोट 11 देखें]	732.62	1527.18

- (1) इंड एस-7: नकदी प्रवाह विवरण में वर्णित अप्रत्यक्ष विधि के तहत नकदी प्रवाह का विवरण तैयार किया गया है।
- (2) पिछले वर्ष के आंकड़े जहां कहीं भी लागू किए गए हैं, उन्हें फिर से एकत्र/पुनर्गठित किया गया है।
- (3) नकद एवं नकद समकक्षों के अंतिम शेष का मैं 31 मार्च 2022 को 0.15 करोड़ (पिछले वर्ष रु. शून्य) विनिमय दर परिवर्तन हानि शामिल है।
- (4) वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न देयताओं में परिवर्तन नोट [21 vi] एवं नोट [36 b] में दिया गया है।
- (5) 31 मार्च, 2022 को कुल नकद और बैंक शेष (सावधि जमा सहित) कुल उधार को समायोजित करने के बाद ₹ 2408.69 करोड़ है, जो 31 मार्च, 2021 को पिछले वर्ष की शेष राशि ₹1867.65 करोड़ की तुलना में ₹ 541.04 करोड़ अधिक है।

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460

(डॉ. नलिन सिंघला)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

(देवेन्द्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277

(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: मई 21, 2022

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणियाँ

टिप्पणी [1] – कंपनी के बारे में सूचना

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ("बीएचईएल" या "कंपनी") भारत में स्थित एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली –110049 में है।

यह निगमित विद्युत संयंत्र उपस्कर निर्माता कंपनी है जो अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे विद्युत, पारेषण, उद्योग, परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस और रक्षा एवं एयरोस्पेस हेतु व्यापक श्रेणी के उत्पादों एवं सेवाओं के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग एवं सर्विसिंग का कार्य कर रही है।

नोट [2] - महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार:

क) अनुपालन का विवरण

वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 और उसके बाद के संशोधनों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 में और उसके संशोधनों के अनुसार वित्तीय विवरण के लिए लागू अतिरिक्त अपेक्षाओं के अधीन कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड-एस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।

ख) माप का आधार

वित्तीय विवरण सुनाम- प्रतिष्ठान (going concern) आधार पर और संग्रहण (accrual) लेखांकन प्रणाली के आधार पर तैयार किया गया है। जब तक पॉलिसी में अन्यथा उल्लेखित न हो वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए ऐतिहासिक लागत का उपयोग किया जाता है।

ग) कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपयों में तैयार किए जाते हैं, जो कंपनी की फंक्शनल करेंसी (कार्यकारी मुद्रा) है।

घ) लागत अनुमान और निर्धारण का उपयोग

इंड एस के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंधन को मूल्यांकन करने और अनुमान लगाने की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की गई राशि को प्रभावित करते हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं। अनुमानों की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। तदनुसार, लेखांकन अनुमानों में पूर्व प्रभाव से पुनरीक्षण किया जाता है।

लेखांकन नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण अनुमान और मूल्यांकन

वित्तीय विवरणों में उल्लिखित राशियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाली लेखांकन नीतियों को लागू करने में किए गए अनुमान और मूल्यांकन इस प्रकार हैं:

i) राजस्व

कंपनी निर्माण ठेकों/अनुबंधों के लिए राजस्व लेखांकन में अपनाए गए लागत दृष्टिकोण के आधार पर इनपुट पद्धति का उपयोग करती है। इनपुट पद्धति के उपयोग के लिए कंपनी को अपने निष्पादन दायित्व की संतुष्टि के लिए कुल अपेक्षित लागत के सापेक्ष लागत का अनुमान लगाना अपेक्षित होता है। अनुबंध की अवधि के दौरान अनुमानों का लगातार मूल्यांकन किया जाता है और कंपनी निर्धारित समयांतराल में प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि

के अंत में अपने प्रदर्शन दायित्वों की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति का पुनः आकलन करती है।

कंपनी रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियों और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान परिस्थितियों में बदलाव का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में अपने अनुमानित लेनदेन मूल्य को अपडेट करती है।

ii) संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर

आवधिक मूल्यह्रास के संबंध में प्रभार का आकलन संपत्ति की अपेक्षित उपयोगी अवधि एवं इसकी समाप्ति के बाद अपेक्षित अवशिष्ट मूल्य का अनुमान करने के बाद किया जाता है। कंपनी की परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास विधि, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों का अनुमान प्रबंधन द्वारा परिसंपत्ति के अधिग्रहण के समय लगाया जाता है एवं इसकी समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान की जाती है।

iii) कर्मचारी लाभ योजनाएं

कर्मचारी परिभाषित लाभ योजनाएं और दीर्घकालिक लाभ योजनाएं बीमाकिक मान्यताओं के आधार पर मापी जाती हैं। हालाँकि, इन मान्यताओं में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का प्रभाव बताए गए दायित्वों और व्यय पर पड़ सकता है।

iv) प्रावधान और आकस्मिकताएँ

प्रावधानों और आकस्मिकताओं की पहचान हेतु सम्पन्न आकलन वर्तमान उपलब्ध सूचना के आधार पर प्रबंधन के सर्वोत्तम निर्धारण के अनुसार किए गए हैं।

2. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों का अनुमान संचित मूल्यह्रास और संचित इम्पेयरमेंट हानि के नुकसान, यदि कोई हो तो, पर किया जाता है। कंपनी, अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी लाभप्रदता काल-खंड के अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (अनुबंध के तहत विदेश में उपयोग किए गए अन्य के अलावा) पर मूल्यह्रास निम्नलिखित मर्दों में, जहां उपयोगी लाभप्रदता कालखंड आधारित है, को छोड़कर तकनीकी रूप से अनुमानित उपयोगी जीवन का आकलन करने पर: –

संपत्ति श्रेणी	(वर्ष)
प्लांट एवं उपस्कर	15-30
बिल्डिंग	5-60
बिजली अधिष्ठान एवं उपकरण	10-30
इरेक्शन उपकरण, कैपिटल टूल्स एवं टैकल	5
जल निकासी, सीवरेज और जल आपूर्ति	30
सर्वर और नेटवर्क	5
सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र	25

मूल्यह्रास विधियां, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, को संभावित रूप से हिसाब में लिया जाता है। जब तक कंपनी लीज अवधि के अंत तक स्वामित्व प्राप्त नहीं कर लेगी, तब तक उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियाँ लीज अवधि के छोटे और उनके उपयोगी लाभप्रदता वाले समयांतराल से अधिक हो जाती हैं। फ्री होल्ड जमीन का मूल्यह्रास नहीं होता है।

प्रॉपर्टी प्लांट और उपकरण जिनकी लागत रु 10,000 /— या उससे कम है और जिनका वर्ष की शुरुआत में लिखित मूल्य 10,000 /— रुपए या उससे कम है, का पूरी तरह से मूल्यह्रास होता है।

निर्माण/परियोजना स्थलों पर: सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत अनुबंध के कार्यकाल पर पूरी तरह से परिशोधित होती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंग, विद्युत प्रतिष्ठान और अन्य समान सक्षम कार्यों (अस्थायी संरचनाओं के अलावा) के कार्यकाल में मूल्यह्रास किया जाता है। अवशिष्ट मूल्य को बनाए रखने के बाद अनुबंध, यदि कोई हो।

भारत के बाहर लंबी अवधि के अनुबंधों के लिए उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास अनुबंध की प्रारंभिक अवधि में होता है।

निर्माण के वर्ष में अस्थायी संरचनाएं पूरी तरह से ह्रासमान हैं।

अलग-अलग उपयोगी जीवन के साथ महत्वपूर्ण घटकों को अलग से हिसाब में लेकर मूल्यह्रास किया जाता है।

3. पट्टे

व्यवस्था के आरंभ में ही कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उक्त व्यवस्था पट्टा है अथवा इसमें पट्टा शामिल है।

प्रारंभिक मान्यता के बाद पट्टा/पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को लागत पर परिसंपत्ति के राइट-ऑफ-यूज के तहत पूंजीकृत किया जाता है, जिसमें वर्तमान मूल्य पर लीज देयता का प्रारंभिक निर्धारण, प्रोत्साहन के बिना प्रारंभिक पट्टा भुगतान, निहित परिसंपत्ति को नष्ट किए जाने और हटाने की प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत शामिल हैं।

पट्टों के तहत किए गए पट्टा भुगतान वित्त व्यय और बकाया लीज देयता में की गई कमी के मध्य सेट/स्थिर किया जाता है। लीज अवधि के दौरान प्रत्येक अवधि के लिए वित्त व्यय आवंटित किया जाता है ताकि दायित्व/देयता के अधिशेष पर लगातार आवधिक दर का उत्पादन किया जा सके। वित्त पट्टे पर दी गई संपत्ति के लिए, कंपनी प्रभावी ब्याज दर पद्धति का उपयोग करके पट्टा अवधि में वित्तीय आय को मान्यता देती है।

आरंभिक प्रत्यक्ष लागतें वित्त पट्टा प्राप्य के प्रारंभिक निर्धारण में शामिल हैं और पट्टे की अवधि में मान्य आय को कम करती हैं। पट्टा परिचालन से होने वाली आय को स्ट्रेट लाइन पद्धति के आधार पर पट्टे की अवधि में आय के रूप में जाना जाता है, जहां पट्टे के किराये में आवधिक वृद्धि अपेक्षित सामान्य मुद्रास्फीति के अनुरूप है।

4. अमूर्त परिसंपत्ति

10000 /— से अधिक की कीमत वाली अमूर्त वस्तुओं का कम संचित परिशोधन और संचित हानि, यदि कोई हो, पर पूंजीकरण के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

अमूर्त संपत्ति को जो उपयोग के लिए उपलब्ध हैं, को स्टेटमेंट ऑफ प्रॉफिट और लॉस में स्ट्रेट लाइन पद्धति में अनुमानित तारीख से उपयोगी लाभप्रदता काल हेतु संशोधित किया जाता है। अमूर्त संपत्ति के लिए अनुमानित उपयोगी जीवन निम्नानुसार हैं:

सॉफ्टवेयर 3 साल

अन्य 10 साल

वर्ष की शुरुआत में 10000 /— या उससे कम डब्ल्यूडीवी की अमूर्त संपत्ति का पूरी तरह से परिशोधन किया जाता है।

परिशोधन अवधि और परिशोधन के तरीकों की प्रत्येक वित्तीय वर्ष में समीक्षा की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, का लेखा-जोखा संभावित रूप से किया जाता है।

अनुसंधान गतिविधियों पर हुए व्यय को, लाभ और हानि के विवरण में शामिल किया जाता है। विकास गतिविधियों पर व्यय तभी पूंजीकृत होता है जब व्यय को मजबूती से मापा जा सकता है, उत्पाद या प्रक्रिया तकनीकी और व्यावसायिक रूप से संभव है, भविष्य के आर्थिक लाभ संभावित हैं और कंपनी के पास विकास कार्य कराने एवं संपत्ति के उपयोग अथवा विक्रय के पर्याप्त संसाधन हैं। खर्च की गई पूंजी में सामग्री की लागत, प्रत्यक्ष श्रम, ओवरहेड लागत शामिल हैं जो कि स्थिति के अनुसार इसके इच्छित उपयोग एवं उधार लेने की लागत के लिए संपत्ति तैयार करने के लिए सीधे जिम्मेदार हैं।

अनुसंधान और विकास हेतु अधिग्रहीत संपत्ति को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागत

अर्हक संपत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन से संबंधित प्रत्यक्ष उधार लागत को ऐसी परिसंपत्तियों की लागत में जोड़ा गया है।

जिस परिसंपत्ति में उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से अधिक समय लगता है, जैसे कि बारह महीने से ज्यादा, उसे इस प्रयोजन के लिए अर्हक परिसंपत्ति माना जाता है।

अन्य सभी उधार लागतों को उस अवधि के लाभ – हानि के स्टेटमेंट में दर्शाया गया है, जिसमें वे खर्च हुए हैं।

6. सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश

सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश की गणना ह्रास हानि (यदि कोई हो) को घटाकर लागत पर की जाती है।

यदि प्रबंधन का इरादा निकट भविष्य में निवेश का निपटान करना है, तो इसे बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और इसकी धारित राशि और बिक्री के लिए उचित मूल्य कम लागत पर मापा जाता है।

7. माल-सूची

इन्वेंटरी की कीमत लागत अथवा शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर निकाली जाती है। तैयार माल और कार्य-प्रगति के मूल्यांकन के संदर्भ में, लागत का मतलब कारखाना लागत है। कच्चे माल, घटकों, ढीले उपकरणों, दुकानों और पुर्जों की लागत के संदर्भ में लागत का अर्थ भारित औसत लागत है।

8. राजस्व मान्यता

जिन वस्तुओं या सेवाओं के लिए ग्राहकों से वादा किया गया है, उनके अंतरण को दर्शाने के लिए राजस्व को ऐसी राशि में दर्शाया गया है, जो उस प्रतिफल को दर्शाती है, जिसे वह संस्था उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले में प्राप्त करने के लिए पात्र होने की उम्मीद रखती है।

निर्माण और दीर्घकालिक सेवा अनुबंधों के संबंध में, कंपनी माल या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को स्थानांतरित करती है और कुछ समय के बाद राजस्व का निर्धारण करती है। राजस्व का निर्धारण लागत दृष्टिकोण पर आधारित इनपुट पद्धति से किया जाता है। समय के साथ संतुष्ट निष्पादन बाध्यता की पूर्ण संतुष्टि की प्रगति को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में फिर से मापा जाता है।

माल और सेवाओं की बिक्री से प्राप्त राजस्व का निर्धारण नियंत्रण को ग्राहक को अंतरित करते समय और अनुबंध के तहत निष्पादन दायित्वों की संतुष्टि के आधार पर किया गया है।

अन्य आय

- ☐ लाभ और हानि विवरण/स्टेटमेंट में कंपनी को भुगतान प्राप्ति हेतु निर्धारित तिथि को लाभांश से प्राप्त आय मान्य है।
- ☐ ब्याज आय, प्रभावी ब्याज दर पद्धति के उपयोग द्वारा मान्य है।
- ☐ निर्यात प्रोत्साहन/शुल्क वापसी और बीमा के लिए दावों का प्रोद्भव आधार पर किया जाता है।

9. विदेशी मुद्रा अंतरण/लेनदेन

विदेशी मुद्राओं में लेन-देन को लेन-देन की तिथि को लागू विनिमय दर पर दर्ज किया गया है।

विदेशी मुद्रा वाली वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लागू विनिमय दरों पर कार्यात्मक मुद्रा में परिवर्तित किया जाता है। निपटान और अंतरण से होने वाले विदेशी मुद्रा लाभ अथवा हानि को लाभ एवं हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

ऐतिहासिक लागत पर मापी गई एवं विदेशी मुद्रा में दर्शायी गई गैर-मौद्रिक देनदारियों और गैर-मौद्रिक परिसंपत्तियों को लेनदेन की तारीख को लागू विनिमय दर पर परिवर्तित (अदल-बदल) किया जाता है।

10. कर्मचारी लाभ

निर्धारित योगदान योजना

कंपनी द्वारा कर्मचारियों हेतु पेंशन एवं फेलीटी पेंशन फंड में किया गया योगदान अंशदायी योजना के अंतर्गत आता है तथा कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा-काल हेतु लाभ एवं हानि विवरणिका में इसे कर्मचारी लाभ व्यय के नाम से जाना जाता है।

निर्धारित लाभ योजनाएं

कंपनी की ग्रेज्युटी योजना, भविष्य निधि योजना, सेवानिवृत्ति पर यात्रा का दावा और सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा सुविधा योजना परिभाषित लाभ योजनाओं के अंतर्गत आती हैं।

इस परिभाषित लाभ योजना के संबंध में बैलेंस शीट में दर्शाई गई देयता रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजित संपत्तियों के उचित मूल्य के साथ वर्तमान लाभ देयता है। परिभाषित लाभ दायित्व प्रतिवर्ष अनुमानित क्रेडिट यूनिट का उपयोग करके स्वतंत्र एक्ट्यूरीज द्वारा गणना की जाती है। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य एक उपयुक्त सरकारी बॉन्ड दर का उपयोग करके अनुमानित भविष्य के नकदी बहिर्वाह को छूट देकर निर्धारित किया जाता है, जिसमें संबंधित दायित्व की शर्तों के लिए परिपक्वता की शर्तें होती हैं।

एक्चुअरी लाभ और हानि के साथ-साथ योजना परिसंपत्तियों पर वापसी और शुद्ध परिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज में शामिल राशियों के बीच अंतर को अन्य व्यापक आय (आयकर के शुद्ध) के रूप में दर्शाया गया है।

परिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित अन्य खर्चों को लाभ और हानि के विवरण में दर्शाया गया है।

दीर्घकालिक अवकाश देयता

कंपनी संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति की अनुमानित लागत का परिकलन रिपोर्टिंग अवधि के अंत में संचित अप्रयुक्त हकदारी के परिणामस्वरूप प्रदान की जाने के लिए अपेक्षित अतिरिक्त राशि के रूप में करती है। गैर-संचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति पर व्यय को उस अवधि में दर्शाया गया है जिसमें अनुपस्थिति होती है। कंपनी अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर संचित शेष राशि के लिए एक देयता दर्ज करती है। दीर्घकालिक लाभ योजनाओं से संबंधित पुनर्मापन एवं अन्य व्यय को लाभ एवं हानि संबंधी विवरणिका में दर्शाया गया है।

11. प्रावधान

- (i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हरजाने के दावों को, समान लेन-देन के अनुभव से उपलब्ध जानकारी के संदर्भ में प्रबंधन द्वारा संभावित परिणाम के आकलन के आधार पर वित्तीय विवरणों में दर्शाया जाता है।
- (ii) जब कंपनी संबंधित उत्पादों या अनुबंधों पर राजस्व का निर्धारण करती है और वारंटी अवधि के दौरान इसे बनाए रखती है तो कंपनी वारंटी के लिए अनुमानित लागत प्रदान करती है। प्रावधान पिछले अनुभव तकनीकी मूल्यांकन पर आधारित है।
- (iii) जब यह संभावित हो कि कुल अनुबंध लागत कुल अनुबंध राजस्व से अधिक हो जाएगी, तो अनुमानित नुकसान का तुरंत पता लगाया जाता है।
- (iv) यदि किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप अन्य प्रावधानों को मान्यता दी जाती है, तो कंपनी पर वर्तमान कानूनी या निर्माण संबंधी देयता होती है जिसका अनुमान विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है, और यह संभव है कि देयता के निपटान के लिए आर्थिक लाभ को खर्च करने की जरूरत पड़े।

तथापि, जहां धन के कालिक मूल्य का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप में हो, वहां जहां भी लागू हो, प्रावधानों को भविष्य के अनुमानित नकदी प्रवाह को छोड़कर निर्धारित किया जाता है।

12. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तभी मान्यता दी जाती है जब आश्वासन मिलता है कि उनसे जुड़ी शर्तों का अनुपालन किया जाएगा, और अनुदान प्राप्त किया जाएगा। गैर मौद्रिक अनुदानों को परिसंपत्तियों के उचित मूल्य के रूप में देखा जाता है और इसे आस्थगित आय के रूप में माना जाता है। आस्थगित आय को संपत्ति के उपयोगी लाभप्रदता काल पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लाभ - हानि विवरण में दर्शाया जाता है। राजस्व से संबंधित सरकारी अनुदान को संबंधित लागतों के साथ मिलान हेतु आवश्यक अवधियों पर लाभ और हानि के विवरण में एक व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसकी वे क्षतिपूर्ति करना चाहते हैं।

13. आय-कर

आयकर व्यय में वर्तमान कर और आस्थगित कर शामिल हैं। आयकर व्यय को लाभ और हानि के विवरण में दर्शाया जाता है, किंतु अन्य व्यापक आय या प्रत्यक्ष इक्विटी मदों से संबंधित आयकर को छोड़कर। वर्तमान कर वर्ष के लिए कर योग्य आय पर देय कर है, जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लागू कर दरों (कर कानूनों) का उपयोग करते हुए निर्धारित किया गया है और इसमें पिछले वर्षों के कर को भी समायोजित किया गया है।

आस्थगित कर बैलेंस शीट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित किया गया है, जो बैलेंस शीट में परिसंपत्ति या देयता की राशि और उसके कर आधार के बीच के अस्थायी अंतर के लिए प्रावधान किया गया है।

आस्थगित कर का परिकलन उन कर दरों पर किया जाता है, जिनका अस्थायी अंतर को रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक लागू विधियों के आधार पर प्राप्त किए जाने अथवा निपटाए जाने पर लागू होना अपेक्षित है।

आस्थगित कर परिसंपत्ति उतनी दर्शाई जाती है, जिससे कि भविष्य में इतना कर योग्य लाभ उपलब्ध हो कि उसके साथ अस्थायी अंतर को समायोजित किया जा सके।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की दर्शाई गई राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में की जाती है और इस सीमा तक कम कर दी जाती है कि अब यह सम्भावना नहीं रह जाती है कि संबंधित कर लाभ की प्राप्ति हो पाएगी।

लाभांश के वितरण से उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त आयकर को उसी समय मान्यता दी जाती है जब संबंधित लाभांश का भुगतान करने की देयता को मान्यता दी जाती है।

14. परिसंपत्तियों की हानि

वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

व्यापार और पट्टे की प्राप्य राशियों के संबंध में हानि भत्ते का परिकलन आजीवन अपेक्षित क्रेडिट लॉस के बराबर राशि के रूप में किया जाता है।

अन्य उन सभी वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में, जिन्हें इम्पेयर किया जाना आवश्यक है, यदि उस वित्तीय लिखत पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के बाद से काफी बढ़ गया है, तो हानि भत्ते का परिकलन आजीवन अपेक्षित क्रेडिट लॉस के बराबर राशि के रूप में किया जाता है। तथापि, यदि रिपोर्टिंग तिथि पर, वित्तीय उपकरण पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के बाद से बहुत अधिक नहीं बढ़ा है, तो हानि भत्ते को 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि के बराबर राशि पर मापा जाता है।

गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

नकदी पैदा करने वाली इकाइयों की मात्रा की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर की जाती है, जहां किसी भी तरह की हानि का संकेत होता है। लाभ और हानि का आकलन हुए नुकसान के आधार पर किया जाता है, जहां कैंसिंग राशि नकदी पैदा करने वाली इकाइयों की वसूली योग्य राशि से अधिक होती है। यदि संकेतों से पता चलता है कि हानि में कमी आई है अथवा अब हानि नहीं हो रही है, तो पूर्व कालावधि में नुकसान से हुई हानि का आकलन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को किया जाता है। यदि वसूली राशि को इंगित करते हुए लागत में परिवर्तन हो तो, इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है।

यदि कोई इम्पेयरमेंट लॉस होना नहीं पाया गया है तथा संपत्ति की वहन राशि निर्धारित राशि से अधिक नहीं है, जो मूल्यह्रास या परिशोधन का शुद्ध है तो इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है।

15. सेगमेंट रिपोर्टिंग

खंडों के राजस्व और व्यय का निर्धारण खंड विशेष की परिचालन गतिविधियों के साथ उनके संबंध के आधार किया जाता है। जो राजस्व, व्यय, परिसंपत्तियां और देयताएं उचित आधार पर खंडों के लिए आवंटित नहीं की जा सकती हैं, उन्हें धनावंटित राजस्व व्यय सम्पत्ति देनदारियों के तहत शामिल किया गया है।

16. वित्तीय लिखत

i) नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय लिखत

नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय लिखतों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया गया है:

- ए) परिशोधित लागत और (बी) लाभ एवं हानि (वैटज्क्स) के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्धारित वित्तीय परिसंपत्तियां।
- परिशोधित लागत पर निर्धारित वित्तीय देनदारियां

प्रारंभ में, सभी वित्तीय लिखतों को उनके उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है। यदि वित्तीय लिखतों को एफवीटीपीएल के माध्यम से निर्धारित नहीं किया जाता है, तो कैंसिंग राशि का निर्धारण करने में लेनदेन की लागत शामिल होती है, जब वित्तीय परिसंपत्तियों के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और प्रतिफल न तो अंतरित किए जाते हैं और न ही रोककर रखे जाते हैं तब वित्तीय परिसंपत्तियों को उसी स्थिति में डि-रेकोग्नाइज किया जाता है, जब कंपनी ने वित्तीय परिसंपत्तियों पर नियंत्रण नहीं रखा हो। जब संविदात्मक दायित्वों के निर्वहन या रद्द होने या समाप्त होने की स्थिति में वित्तीय देनदारियों को डि-रेकोग्नाइज किया जाता है।

बाद में नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय संपत्तियों का निर्धारण निम्न रूप में किया जाता है:

क. परिशोधित लागत -

"परिशोधित लागत पर वित्तीय लिखत का निर्धारण बाद में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति से परिशोधित लागत पर किया जाता है। परिशोधित लागत का परिकलन उस छूट या अधिग्रहण पर प्रीमियम और शुल्क या लागत को ध्यान में रखकर किया जाता है, जो ईआईआर का अभिन्न अंग हैं। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि में दर्शाया जाता है। इम्पेयरमेंट से होने वाले नुकसान को लाभ - हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

ख. एफवीटीपीएल श्रेणी -

इस श्रेणी में वर्गीकृत वित्तीय लिखत बाद में लाभ - हानि विवरण में दर्ज परिवर्तनों सहित उचित मूल्य पर तैयार किए जाते हैं। प्रत्यक्ष लेनदेन लागत को लाभ - हानि विवरण में खर्च के रूप में दर्शाया जाता है।

नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों को बाद में निम्न रूप में दर्शाया जाता है:

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों को प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर निर्धारित किया जाता है।

ii) डेरिवेटिव वित्तीय लिखत

यदि प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला कोई एंबेडेड डेरिवेटिव हो उसे हॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट से अलग रखा जाता है और अलग से हिसाब में लिया जाता है। यदि हॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट की आर्थिक विशेषताएं एवं जोखिम और एंबेडेड डेरिवेटिव आपस में जुड़े ना हों तो उसी प्रकार का एक अलग लिखत एंबेडेड डेरिवेटिव डेरिवेटिव को परिभाषित करेगा और संयुक्त लिखत को लाभ - हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर नहीं निर्धारित किया जाएगा।

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, डेरिवेटिव को उचित मूल्य पर निर्धारित और परिकलित किया जाता है। लेनदेन की अट्रीब्यूटेबल लागत को लाभ और हानि में लागत के रूप में दर्शाया जाता है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, डेरिवेटिव को लाभ-हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है।

17. नकद एवं नकद समतुल्य

नगद और नगद समतुल्य में बैंक में शेष और अपने पास उपलब्ध नकदी शामिल होती है। इसमें तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ सावधि जमा और अन्य अल्पकालिक मुद्रा बाजार जमा शामिल हैं जो आसानी से ज्ञात राशि में नकदी रूप में परिवर्तनीय हैं और मूल्य परिवर्तन के कम जोखिम के अधीन हैं।

नोट [3क] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (पीपीई) पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 के बिंदु 2 को देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
सकल खंड	6330.89	6172.41
घटाएँ: संचित मूल्यह्रास	3994.55	3746.25
निवल ब्लॉक (विवरण के लिए नोट 3.1 देखें)	2336.34	2426.16

आरओयू परिसंपत्तियों के संबंध में निवल ब्लॉक में ₹ 154.83 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 164.19 करोड़) शामिल हैं।

कंपनी ने इंड एस 101 के तहत छूट का विकल्प चुना है, एवं तदनुसार इंड एस ट्रांजिशन की दिनांक 31.03.2015 को प्राप्त मूल्य को निर्णीत कीमत माना गया है

नोट [3ख] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ प्रगति पर पूंजीकृत कार्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
संयंत्र, मशीनरी एवं अन्य उपकरण:		
प्रगति पर इरेक्शन फ्रेमवर्क प्रतीक्षारत इरेक्शन	131.43	171.60
ट्रांसिट में	9.37	0.63
प्रगति पर निर्माण कार्य —सिविल	140.80	172.23
निर्माण भंडार — (मार्गस्थ सहित)	280.12	228.77
	1.40	2.21
कुल	422.32	403.21

सीडब्ल्यूआईपी कालप्रभावन सूची — 31 मार्च 2022

(₹ करोड़ में)

विवरण	अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर	115.39	127.88	115.41	51.31	409.99
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	0.59	0.07	2.36	9.31	12.33

सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता सूची (सीडब्ल्यूआईपी जो अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक हो गई है) — 31 मार्च, 2022 तक

विवरण	वर्ष में पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर					
नई बिल्डिंग — नोएडा	217.38	-	-	-	217.38
सेलेक्टिव केटलस्ट रीडक्सन प्लांट — बेंगलुरु	62.12	-	-	-	62.12
₹ 10 करोड़ से कम की अन्य परियोजनाएं (कुल संख्या — 25)	37.83	-	-	-	37.83
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित					
उपकरण निर्माण संयंत्र — भंडार	-	-	-	7.74	7.74
₹ 1 करोड़ से कम की अन्य परियोजनाएं (कुल संख्या — 4)	0.07	-	-	1.58	1.65

सीडब्ल्यूआईपी कालप्रभावन सूची – 31 मार्च 2021

विवरण	अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर	174.88	141.71	46.90	27.98	391.47
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	-	2.42	-	9.32	11.74

सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता सूची (सीडब्ल्यूआईपी जो अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक हो गई है) – 31 मार्च, 2021 तक

विवरण	वर्ष में पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर					
नई बिल्डिंग – नोएडा	173.01	-	-	-	173.01
सेलेक्टिव कंटेनर स्ट्रीट लाइट प्लांट – बंगलुरु	57.62	-	-	-	57.62
यूएचवी लैब टेस्ट प्लांट का उन्नयन	22.73	-	-	-	22.73
सीएनसी हॉरिजॉन्टल मशीन – हैदराबाद	18.47	-	-	-	18.47
₹10 करोड़ से कम की अन्य परियोजनाएं (कुल संख्या – 12)	16.94	6.78	-	-	23.72
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित					
इक्युपेंट फेब्रिकेशन प्लांट – भंडारा	-	-	-	7.74	7.74
₹1 करोड़ से कम की अन्य परियोजनाएं (कुल संख्या – 5)	0.59	-	-	1.65	2.24

नोट [4क] – गैर चालू परिसंपत्तियाँ-अमूर्त परिसंपत्तियां

अमूर्त परिसंपत्तियों पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 के बिंदु 4 को देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
सकल खंड	308.92	290.83
घटाएँ: संचित परिशोधन	246.80	228.67
निवल ब्लॉक (विवरण के लिए नोट 4.1 देखें)	62.12	62.16

कंपनी ने इंड एस 101 के तहत छूट का विकल्प चुना है, एवं तदनुसार इंड एस ट्रांजिशन की दिनांक 31.03.2015 को प्राप्त मूल्य को निर्णीत कीमत माना गया है

नोट [4ख] – गैर-चालू संपत्तियां विकास के तहत अमूर्त संपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
विकास के तहत अमूर्त संपत्तियां	8.66	16.35
कुल	8.66	16.35

विकास के तहत अमूर्त संपत्तियों की कालप्रभावन सूची – 31 मार्च 2022 की स्थिति

विवरण	अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त संपत्ति की राशि				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर	1.39	-	1.18	6.09	8.66
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	-	-	-	-	-

विकास पूर्णता अनुसूची के तहत अमूर्त संपत्ति (जो अतिदेय हैं या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक हो गई है) – 31 मार्च, 2022 तक

विवरण	वर्ष में पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर		-	-	-	-
एससीआर परियोजनाएं तकनीकी जानकारी (अतिदेय)	4.71	-	-	-	4.71
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	-	-	-	-	-

विकास के तहत अमूर्त संपत्ति की कालप्रभावन सूची – 31 मार्च 2021 की स्थिति

विवरण	अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त संपत्ति की राशि				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर	9.09	1.18	3.54	2.54	16.35
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	-	-	-	-	-

विकास पूर्णता अनुसूची के तहत अमूर्त संपत्ति (जो अतिदेय हैं या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक हो गई है) – 31 मार्च, 2021 तक

विवरण	वर्ष में पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर					
एससीआर परियोजनाएं तकनीकी जानकारी (अतिदेय)	4.71	-	-	-	4.71
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	-	-	-	-	-

नोट 3.1 – परिसंपत्ति, प्लांट व उपस्कर का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास/परिशोधन				निवल ब्लॉक	
	01.04.2021 को अंतिम शेष	परिवर्धन/समायोजन	कटौती/समायोजन	31.03.2022 को अंतिम शेष	01.04.2021 पर संचित मूल्यहास	वर्ष के लिए मूल्यहास/परिशोधन	मूल्यहास/समायोजन	31.03.2022 को संचित मूल्यहास	31.03.2022 को निवल ब्लॉक	31.03.2021 को निवल ब्लॉक
भूमि-फ्री होल्ड										
भूमि (विकास व्यय सहित)	27.71	-	-	27.71	-	-	-	-	27.71	27.71
भवन फ्री होल्ड भवन	1707.08	37.93	(1.36)	1743.65	606.56	63.94	(0.91)	669.59	1074.06	1100.52
सड़कें, पुल एवं पुलियाँ	15.85	-	-	15.85	13.56	0.60	-	14.16	1.69	2.30
जल व माल निकासी एवं जल-आपूर्ति	31.17	0.32	-	31.49	7.04	1.17	-	8.21	23.28	24.13
प्लांट व मशीनरी	3097.21	117.42	(4.83)	3209.81	2265.93	128.89	(4.62)	2390.20	819.61	831.28
रेलवे साईडिंग	8.85	-	-	8.85	4.87	0.44	-	5.31	3.53	3.98
लोकोमोटिव व वेगन	28.33	-	-	28.33	15.90	1.66	-	17.57	10.76	12.43
फर्नीचर व फिक्चर्स	61.96	1.33	(1.21)	62.09	39.96	5.11	(0.99)	44.08	18.01	21.99
वाहन	14.37	-	(0.04)	14.33	8.81	1.47	(0.03)	10.24	4.09	5.56
कार्यालय व अन्य उपस्कर	138.37	4.27	(1.54)	141.10	110.32	11.16	(1.36)	120.11	20.99	28.05
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	133.20	0.62	19.01	152.83	97.46	24.70	19.81	141.97	10.86	35.74
इलेक्ट्रिकल अधिष्ठापन	241.20	10.93	(0.45)	251.67	174.16	6.66	(0.38)	180.44	71.23	67.04
निर्माण उपस्कर	71.12	0.64	0.09	71.85	67.47	1.58	0.17	69.22	2.63	3.65
₹ 10,000/- तक की लागत वाली अचल संपत्तियाँ	21.08	1.55	(0.58)	22.05	21.08	1.55	(0.58)	22.05	-	-
सोलर पावर जेनरेशन	119.54	-	-	119.54	21.97	4.51	-	26.48	93.06	97.58
बट्टे खाते में डाली गई परिसंपत्तियाँ	455.37	33.18	(58.80)	429.75	291.18	42.35	(58.61)	274.92	154.83	164.19
कुल	6172.41	208.19	(49.71)	6330.89	3746.26	295.79	(47.50)	3994.55	2336.34	2426.16
पिछला वर्ष	6050.80	139.94	(18.32)	6172.41	3315.33	446.25	(15.32)	3746.26	2426.15	2735.47

नोट:

31.03.2022 को सकल ब्लॉक ₹ 13507.29 करोड़ (पहले आईजीएपी के अनुसार) और 31.03.2021 को ₹ 13436.30 करोड़ था।

31.03.2022 को निवल ब्लॉक में ₹ 7.03 करोड़ रुपये की अनुपयोगी व सक्रिय उपयोग में न आ रही संपत्तियों को सम्मिलित किया गया है। (पिछले वर्ष ₹ 14.11 करोड़)

31.03.2022 को निवल ब्लॉक में ₹ 0.12 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 0.12 करोड़) अनुपयोगी और सक्रिय उपयोग में न आ रही संपत्तियाँ भी शामिल हैं

सकल ब्लॉक में भारत सरकार से अनुसंधान के लिए प्राप्त अनुदान से खरीदी गई संपत्ति की लागत शामिल नहीं है, क्योंकि यह संपत्ति ₹ 259.64 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 244.43 करोड़ रुपये) कंपनी की नहीं है।

वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों में कोई ह्रास हानि नहीं हुई है।

टेबल 3.1(क): बड़े खाते में डाली गई परिसंपत्तियों में शामिल हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास/परिशोधन				निवल ब्लॉक	
	01.04.2021 को अंतिम शेष	परिवर्धन/ समायोजन	कटौती/ समायोजन	31.03.2022 को अंतिम शेष	01.04.2021 पर संचित मूल्यहास	वर्ष के लिए मूल्यहास/ परिशोधन	मूल्यहास समायोजन	31.03.2022 को संचित मूल्यहास	31.03.2022 को निवल ब्लॉक	31.03.2021 को निवल ब्लॉक
भूमि (विकास व्यय सहित)	114.78	4.08	-	118.86	10.39	3.74	-	14.13	104.73	104.39
भवन	1.63	-	-	1.63	0.31	0.05	-	0.36	1.27	1.32
प्लांट व मशीनरी	22.14	15.67	-	37.81	8.85	14.25	-	23.10	14.71	13.29
कार्यालय व अन्य उपस्कर	16.47	0.76	(0.39)	16.84	14.83	0.55	(0.37)	15.02	1.82	1.64
ईडीपी उपस्कर	278.40	0.01	(48.90)	229.51	238.31	19.34	(48.91)	208.73	20.78	40.10
वाहन	4.50	2.00	(1.00)	5.50	2.63	1.27	(0.83)	3.08	2.42	1.87
अन्य	17.45	10.66	(8.50)	19.61	15.86	3.15	(8.50)	10.51	9.10	1.59
कुल	455.37	33.18	(58.80)	429.75	291.18	42.35	(58.61)	274.92	154.83	164.19

नोट [3.1] – परिसंपत्ति, प्लॉट व उपस्कर के बारे में अतिरिक्त प्रकटीकरण

1. (क) अचल संपत्तियां जिनका स्वामित्व विलेख बीएचईएल के नाम पर नहीं है (31/03/2022 तक)

संपत्ति की वस्तु का विवरण (बी/एस से संबंधित मद के तहत)	सकल वहन मूल्य (₹ करोड़ में)	नाम पर धारित लीज/स्वामित्व विलेख	क्या टाइटल डीड धारक प्रमोटर/निदेशक का प्रमोटर, निदेशक या रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर नहीं होने का कारण

पीपीई:-

भूमि फ्रीहोल्ड	1.64	तमिलनाडु राज्य सरकार	नहीं	24-11-2010	भूमि प्रशासन प्राधिकारियों द्वारा असाइनमेंट डीड जारी किया जाना बाकी है
भूमि फ्रीहोल्ड	1.24	तमिलनाडु राज्य सरकार	नहीं	13.01.1981 से 17.02.1986 के बीच विभिन्न तिथि	भूमि हस्तांतरण दस्तावेज (राज्य सरकार द्वारा सौंपे जाने और बीएचईएल द्वारा अधिग्रहित) उपलब्ध हैं जो क्षेत्र और सर्वेक्षण संख्या दर्शाते हैं। राज्य सरकार द्वारा बीएचईएल के पक्ष में असाइनमेंट डीड जारी किया जाना बाकी है।
भूमि फ्रीहोल्ड	0.52	तेलंगाना राज्य सरकार नहीं	नहीं	1974 से	टाइटल डीड के ट्रांसफर का काम चल रहा है, मामला TSIC के माध्यम से राज्य सरकार से उठाया गया है।
भूमि फ्रीहोल्ड	0.18	मध्यप्रदेश राज्य सरकार	नहीं	1957 से	भारत सरकार के राजपत्र के माध्यम से प्रदान की गई भूमि, बीएचईएल के नाम पर टाइटल डीड उपलब्ध नहीं है।
भूमि फ्रीहोल्ड	0.11	तेलंगाना राज्य सरकार नहीं	नहीं	30-01-1961	भारी विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए भूमि के अधिग्रहण के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी (वर्ष 1961 और 63 में संदर्भ संख्या: 171,192,92-ए, 61,202)
भूमि फ्रीहोल्ड	0.08	बछा लाल पुत्र स्वर्गीय राम किशोर	नहीं	08-06-1983	बढ़े हुए मुआवजे में विवाद के कारण मामला माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में विचाराधीन है। अपील संख्या 659- 1995
भूमि फ्रीहोल्ड	0.0022	बी सरोजा देवी	नहीं	01-04-1965	श्रीमती बी सरोजा देवी और मैसर्स बीएचईएल के बीच उच्चतम न्यायालय में विवाद है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को निपटान के लिए वापस उच्च न्यायालय में भेज दिया है और यह लंबित है।
भूमि-लीजहोल्ड (राइट ऑफ यूज परिसंपत्तियाँ)	68.38	464.8287 एकड़ भूमि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के नाम पर, 9.0688 एकड़ भूमि महाराष्ट्र राज्य सरकार के नाम पर, 2.7676 एकड़ भूमि के निजी मालिकों के नाम पर	नहीं	24-11-2010	प्रस्तावित भूमि का पूर्ण अधिग्रहण अभी पूरा नहीं हुआ है।
बिल्डिंग – फ्रीहोल्ड	0.11	जे बी कन्स्ट्रक्शन (बिल्डर)	नहीं	33 वर्ष	4 फ्लैटों के मालिकाना हक पर बिल्डर और जमीन के मालिक के बीच विवाद है
बिल्डिंग – फ्रीहोल्ड	0.05	महाराष्ट्र कॉर्पोरेटिव सोसाइटी	नहीं	33 वर्ष	सहकारी समिति के नाम पर 6 फ्लैट हैं। कोई विवाद नहीं है।
बिल्डिंग – लीजहोल्ड (राइट ऑफ यूज परिसंपत्तियाँ)	2.56	महाराष्ट्र राज्य सरकार	नहीं	01-02-1991	महाराष्ट्र सरकार ने MVIRDC के साथ भूमि का पट्टा निष्पादित नहीं किया है, इस प्रकार MVIRDC बीएचईएल के साथ 2 मंजिलों के लिए लीज डीड निष्पादित नहीं कर सकता है।

नोट [3.1] - परिसंपत्ति, प्लांट व उपस्कर के बारे में अतिरिक्त प्रकटीकरण

1. (ख) अचल संपत्तियां जिनका स्वामित्व विलेख बीएचईएल के नाम पर नहीं है (31/03/2021 तक)

संपत्ति की वस्तु का विवरण (बी/एस से संबंधित मद के तहत)	सकल वहन मूल्य (₹ करोड़ में)	नाम पर धारित लीज/स्वामित्व विलेख	क्या टाइटल डीड धारक प्रमोटर/निदेशक का प्रमोटर, निदेशक या रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर नहीं होने का कारण

पीपीई:-

भूमि फ्रीहोल्ड	1.64	तमिलनाडु राज्य सरकार	नहीं	24-11-2010	भूमि प्रशासन प्राधिकारियों द्वारा असाइनमेंट डीड जारी किया जाना बाकी है
भूमि फ्रीहोल्ड	1.24	तमिलनाडु राज्य सरकार	नहीं	13.01.1981 से 17.02.1986 के बीच विभिन्न तिथि	भूमि हस्तांतरण दस्तावेज (राज्य सरकार द्वारा सौंपे जाने और बीएचईएल द्वारा अधिग्रहित) उपलब्ध हैं जो क्षेत्र और सर्वेक्षण संख्या दर्शाते हैं। राज्य सरकार द्वारा बीएचईएल के पक्ष में असाइनमेंट TSIC जारी किया जाना बाकी है।
भूमि फ्रीहोल्ड	0.52	तेलंगाना राज्य सरकार	नहीं	1974 से	टाइटल डीड के ट्रांसफर का काम चल रहा है, मामला TSIC के माध्यम से राज्य सरकार से उठाया गया है।
भूमि फ्रीहोल्ड	0.18	मध्यप्रदेश राज्य सरकार	नहीं	1957 से	भारत सरकार के राजपत्र के माध्यम से प्रदान की गई भूमि, बीएचईएल के नाम पर टाइटल डीड उपलब्ध नहीं है।
भूमि फ्रीहोल्ड	0.11	तेलंगाना राज्य सरकार	नहीं	30-01-1961	भारी विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए भूमि के अधिग्रहण के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी (वर्ष 1961 और 63 में संदर्भ संख्या: 171,192,92-ए, 61,202)
भूमि फ्रीहोल्ड	0.08	बछा लाल पुत्र स्वर्गीय राम किशोर	नहीं	08-06-1983	बढ़े हुए मुआवजे में विवाद के कारण मामला माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में विचाराधीन है।
भूमि फ्रीहोल्ड	0.0022	बी सरोजा देवी	नहीं	01-04-1965	अपील संख्या 659- 1995 श्रीमती बी सरोजा देवी और मैसर्स बीएचईएल के बीच उच्चतम न्यायालय में विवाद है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को निपटान के लिए वापस उच्च न्यायालय में भेज दिया है और यह लंबित है।
भूमि-लीजहोल्ड (राइट ऑफ यूज परिसंपत्तियाँ)	68.38	464.8287 एकड़ भूमि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के नाम पर, 9.0688 एकड़ भूमि महाराष्ट्र, राज्य सरकार के नाम पर, 2.7676 एकड़ भूमि के निजी मालिकों के नाम पर	नहीं	24-11-2010	प्रस्तावित भूमि का पूर्ण अधिग्रहण अभी पूरा नहीं हुआ है।
बिल्डिंग - फ्रीहोल्ड	0.11	जे बी कन्स्ट्रक्शन (बिल्डर)	नहीं	33 वर्ष	4 प्लेटों के मालिकाना हक पर बिल्डर और जमीन के मालिक के बीच विवाद है
बिल्डिंग - फ्रीहोल्ड	0.05	महाराष्ट्र कॉर्पोरेटिव सोसाइटी	नहीं	33 वर्ष	सहकारी समिति के नाम पर 6 प्लैट हैं। कोई विवाद नहीं है।
बिल्डिंग - लीजहोल्ड (राइट ऑफ यूज परिसंपत्तियाँ)	2.56	महाराष्ट्र राज्य सरकार	नहीं	01-02-1991	महाराष्ट्र सरकार ने MVIRDC के साथ भूमि का पट्टा निष्पादित नहीं किया है, इस प्रकार MVIRDC बीएचईएल के साथ 2 मजिलों के लिए लीज डीड निष्पादित नहीं कर सकता है।

नोट [3.1] – परिसंपत्ति, प्लांट व उपस्कर के बारे में अतिरिक्त प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
2. भूमि एवं भवन जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:		
क i) जमीन, जिसके लिए औपचारिक अंतरण पट्टा विलेख नहीं किया गया है (एकड़ में)	8169.53	8169.53
निवल ब्लॉक	65.68	66.40
ii) प्लॉटों की संख्या, जिनके लिए औपचारिक पट्टा विलेख नहीं किया गया है (संख्या में)	12	12
निवल ब्लॉक	1.06	1.11
iii) जमीन, जिसके लिए प्रदत्त लागत अनंतिम है (एकड़ में)	480.04	480.04
[पंजीकरण प्रभार एवं स्टॉप शुल्क (प्रावधानों को छोड़कर), जिसकी गणना भुगतान पर की जाएगी।]		
निवल ब्लॉक	61.98	62.70
ख. रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के विभागों और अन्य को पट्टे पर दी गई जमीन (एकड़ में)	29.78	30.37
ग. जमीन, जो प्रतिकूल / अनधिकृत कब्जे में है (एकड़ में)	757.16	751.49
घ. 1297.86 एकड़ (PY 1297.86 एकड़) भूमि हरिद्वार संयंत्र में म्यूटेशन के लिए लंबित है, जिसके लिए कानूनी कार्रवाई प्रक्रियाधीन में है। इसमें 934 एकड़ (PY 934 एकड़) भूमि शामिल है जो बीएचईएल के कब्जे में है लेकिन वर्ष 2004 और 2007 में उत्तराखंड सरकार के सिडकुल के नाम पर गलत तरीके से म्यूटेट की गई है।		
ङ. इसके अलावा, हरिद्वार संयंत्र में, 8 एकड़ भूमि उत्तराखंड सरकार के दिनांक 01.12.2003 के कार्यालय ज्ञापन के तहत आईओएसएल राज्य सरकार को हस्तांतरण के लिए लंबित है।		
च. (उपर्युक्त (ख से ङ) की भूमि की लागत प्रत्यक्ष नहीं है)		

विवरण	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
3. i) भूमि का कुल क्षेत्रफल एकड़ में	16409.23	16409.03
ii) 2(i) में से फ्री होल्ड भूमि (सेल डीड) / कब्जे / लाइसेंस अधिकार (एकड़ में)	15735.89	15735.69
iii) 2 (ii) में से पट्टा होल्ड भूमि (एकड़ में)	673.34	673.34

4. कंपनी ₹ 10000/- रु. तक की लागत ओपनिंग नेट ब्लॉक वाले पीपीई के एक मद पर 100% मूल्यह्रास प्रदान करती है। पिछले वर्षों के प्रभाव पर विचार किए बिना, लाभ पर पीपीई की एक वस्तु पर 100% मूल्यह्रास प्रदान करने का प्रभाव निम्नानुसार है :

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
₹ 10,000/- रु. चार्ज ऑफ तक पीपीई पर 100% मूल्यह्रास	6.50	5.34
घटाएँ: उपर्युक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	(3.52)	(1.20)
वर्ष के लिए मूल्यह्रास के रूप में प्रभारित अतिरिक्त राशि	2.97	4.15

5. इंड एस 16 के पैरा 51 के अनुरूप वित्त वर्ष 2021-22 में की गई समीक्षा के आधार पर पीपीई की कुछ वस्तुओं के अनुमानित उपयोगी जीवन में संशोधन के परिणामस्वरूप मूल्यह्रास पर प्रभाव में ₹ 126.36 करोड़ की कमी है।

6. पूंजीगत व्यय की सारांश स्थिति

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
पीपीई और अमूर्त परिसंपत्तियों में वृद्धि	226.44	150.29
सीडब्ल्यूआईपी में वृद्धि / (कमी)	19.11	96.47
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों में वृद्धि / (कमी)	(7.69)	9.09
पूँजीगत अग्रिम में वृद्धि / (कमी)	(6.77)	-
कुल	231.09	255.85

नोट 4.1 - अमूर्त परिसंपत्तियों का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास / परिशोधन				निवल ब्लॉक	
	01.04.2021 को प्रारंभिक शेष	परिवर्धन / समायोजन	कटौती / समायोजन	31.03.2022 को अंतिम शेष	01.04.2021 पर संचित मूल्यहास	वर्ष के लिए मूल्यहास / परिशोधन	मूल्यहास समायोजन	31.03.2022 को संचित मूल्यहास	31.03.2022 को निवल ब्लॉक	31.03.2021 को निवल ब्लॉक
आंतरिक स्रोतों से विकसित										
अन्य	69.78	1.24	-	71.02	61.49	5.16	-	66.66	4.37	8.29
अन्य										
सॉफ्टवेयर	50.92	2.28	(0.15)	53.05	46.92	3.75	(0.14)	50.52	2.52	4.00
तकनीकी ज्ञान	170.13	14.72	-	184.85	120.26	9.36	-	129.62	55.23	49.87
कुल	290.83	18.25	(0.15)	308.92	228.67	18.27	(0.14)	246.80	62.12	62.16
पिछले वर्ष	280.48	10.35	-	290.83	201.87	26.80	-	228.67	62.16	78.61

सकल ब्लॉक (पिछले भारतीय आईजीएपी के अनुसार) 31.03.2022 को ₹ 584.11 करोड़ एवं 31.03.2021 को ₹ 575.15 करोड़ था।

वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों में कोई ह्रास हानि नहीं हुई।

नोट [5] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ वित्तीय परिसंपत्तियाँ – निवेश

सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 का बिन्दु 6 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 की स्थिति		31 मार्च, 2021 की स्थिति	
	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि
I कोटेड इक्विटी उपकरण	-	-	-	-
II अनकोटेड इक्विटी इन्स्ट्रुमेंट्स (पूरी तरह भुगतान किए गए शेयर)				
(क) संयुक्त उद्यमों में निवेश (लागत पर)				
(i) रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लि.	664040000 (10)	664.04	664040000 (10)	664.04
(ii) बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस प्रा. लि.	2379999 (10)	2.38	2379999 (10)	2.38
(iii) एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि.	50000000 (10)	50.00	50000000 (10)	50.00
घटाएँ: मूल्यह्रास हेतु प्रावधान		50.00		50.00
(iv) पावरप्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लि.	1999999 (10)	2.00	1999999 (10)	2.00
घटाएँ: मूल्यह्रास हेतु प्रावधान		2.00		2.00
		666.42		666.42
(ख) सहायक कंपनी में निवेश (लागत पर)				
बीएचईएल- इलैक्ट्रिकल मशीन लि.		-	5355000 (10)	5.36
घटाएँ: मूल्यह्रास हेतु प्रावधान		-		5.36
(ग) पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी उपकरणों में निवेश (एफवीटीपीएल पर)				
(i) नीलांचल इस्पात निगम लि.	5000000 (10)	5.00	5000000 (10)	5.00
जोड़ें / (घटाएँ): उचित मूल्य समायोजन		(5.00)		(5.00)
(ii) एपी गैस पावर कॉर्पोरेशन लि.	728960 (10)	0.91	728960 (10)	0.91
जोड़ें / (घटाएँ): उचित मूल्य समायोजन		2.38		2.67
(iii) इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि.	1892 (10)	*	1892 (10)	*
सहकारी समितियों में हिस्सेदारी #		-		-
कुल		669.71		670.00
*भा. ₹ 1 लाख से कम का मूल्य				
अनकोटेड निवेश की कुल राशि		724.33		729.69
निवेश के मूल्य में हानि की सकल राशि		54.62		59.69

विभिन्न कर्मचारी सहकारी समितियों में धारित इक्विटी शेयर, जिनका मूल्य ₹ 1 लाख /- से कम है-

संयुक्त उद्यम एवं सहायक कंपनियों के बारे में जानकारी

(₹ करोड़ में)

विवरण	देश जहां निगमन हुआ	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
(क) संयुक्त उद्यम का नाम (जेवीसी)		स्वामित्व का अनुपात (%)	
बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस प्रा. लि. (बीजीजीटीएस)	भारत	एक शेयर 50% से कम	एक शेयर 50% से कम
एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि. (एनबीपीपीएल)		50%	50%
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लि. (आरपीसीएल)		22.14%	27.97%
पावरप्लांट परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट लि. (पीपीआईएल)		एक शेयर 50% से कम	एक शेयर 50% से कम

- (i) एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि. में निवेश के मूल्य में कमी का प्रावधान शुद्ध वित्तीय स्थिति के आधार पर ₹ 50.00 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष तक ₹ 50.00 करोड़ रुपये) तक किया गया है। 08 फरवरी, 2018 को हुई बैठक में निदेशक मंडल ने एनबीपीपीएल के समापन के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। ऊर्जा मंत्रालय (एमओपी) ने एनटीपीसी को सलाह दी है कि वह बीएचईएल की हिस्सेदारी खरीदने पर विचार करे एवं या तो इसे एक ई-हाउस शाखा के रूप में जारी रखने या वर्तमान कार्य पूरा होने के बाद इसे बंद करने का निर्णय ले। यह सलाह एनबीपीपीएल बोर्ड द्वारा 29.08.2019 को हुई बैठक में दी गई थी।
- (ii) आरपीसीएल में स्वामित्व के % में कमी अन्य शेयरधारक मेसर्स केपीसीएल द्वारा राइट इश्यू की सदस्यता के कारण है।
- (iii) पावरप्लांट परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट लि. में निवेश के मूल्य में कमी का प्रावधान ₹ 2.00 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष ₹ 2.00 करोड़ रुपये) किया गया है क्योंकि जेवीसी परिसामन के तहत है एवं इक्विटी के रूप में भुगतान की गई राशि वसूली योग्य नहीं है।

विवरण	देश जहां निगमन हुआ	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
(ख) सहायक कंपनी का नाम		स्वामित्व का अनुपात (%)	
बीएचईएल- इलैक्ट्रिकल मशीन लि. (बीएचईएल ईएमएल)	भारत	शून्य	51%

बीएचईएल ईएमएल में बीएचईएल की हिस्सेदारी 11 अगस्त 2021 को केरल सरकार को अंतरित कर दी गई है।

नोट [6] - वित्तीय परिसंपत्तियाँ – व्यापार प्राप्य

वित्तीय परिसंपत्तियाँ मूल्यहास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
संरक्षित, सुविचारित माल	3538.39	3340.61	3535.85	4485.39
साख का मूल्यहास (बी एंड डी ऋणों के लिए भत्तों में शामिल)	11599.09	277.54	12598.54	425.72
	15137.48	3618.15	16134.39	4911.11
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	11933.64	593.40	12954.65	877.48
कुल व्यापार प्राप्य (शुद्ध)	3203.84	3024.75	3179.74	4033.63

व्यापार प्राप्तियों के मूल्यहास हेतु सरलीकृत दृष्टिकोण का पालन किया जाता है, वर्गीकरण इंड एस 109 के अनुसार किया जाता है:

(क) निदेशकों से प्राप्य	-	-	-	-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	-	-	-	-

गैर-चालू व्यापार प्राप्य कालप्रभावन कार्यक्रम – 31 मार्च 2022

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					बिल नहीं किया गया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं है	कुल
	6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – स्वीकृत माल	39.02	38.13	172.50	288.06	1063.63	-	-	1601.34
ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) विवादित व्यापार प्राप्य – स्वीकृत माल	0.89	5.28	16.95	66.50	1847.41	-	-	1937.03
iv) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	95.20	100.67	395.44	630.60	10377.20	-	-	11599.11

चालू व्यापार प्राप्य कालप्रभावन कार्यक्रम – 31 मार्च 2022

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					बिल नहीं किया गया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं है	कुल
	6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – स्वीकृत माल	2214.21	237.21	337.62	197.02	354.55	-	-	3340.61
ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) विवादित व्यापार प्राप्य – स्वीकृत माल	-	-	-	-	-	-	-	-
iv) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	11.23	0.88	35.77	35.58	194.08	-	-	277.54

गैर-चालू व्यापार प्राप्य कालप्रभावन कार्यक्रम – 31 मार्च 2021

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					बिल नहीं किया गया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं है	कुल
	6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – स्वीकृत माल	134.78	114.88	286.89	202.41	307.61	-	-	1046.57
ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) विवादित व्यापार प्राप्य – स्वीकृत माल	12.67	5.91	95.57	138.71	2236.42	-	-	2489.28
iv) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	279.37	238.81	822.05	688.67	10569.64	-	-	12598.54

चालू व्यापार प्राप्य कालप्रभावन कार्यक्रम – 31 मार्च 2021

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					बिल नहीं किया गया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं है	कुल
	6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – स्वीकृत माल	2121.42	434.87	613.07	659.49	656.53	-	-	4485.38
ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) विवादित व्यापार प्राप्य – स्वीकृत माल	-	-	-	-	-	-	-	-
iv) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	3.32	0.74	31.61	24.63	365.43	-	-	425.73

नोट [7] - वित्तीय परिसंपत्तियाँ – अन्य

वित्तीय परिसंपत्तियाँ मूल्यहास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
सुरक्षा जमा				
एसईबी, पोर्ट ट्रस्ट एवं अन्य के पास जमा				
अरक्षित,स्वीकृत माल	81.80	112.86	84.64	128.32
साख का मूल्यहास	2.87	11.69	2.92	12.01
	84.67	124.55	87.56	140.33
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	2.87	11.69	2.92	12.01
	81.80	112.86	84.64	128.32
12 महीने से अधिक की परिपक्वता वाली बैंक जमा राशि	4.93		12.75	
बैंक जमा पर अर्जित ब्याज	-	76.62		77.14
कर्मचारियों को अग्रिम		22.19		22.80
घटाएँ: अशोध्य और संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ता	-	0.11		0.08
		22.08		22.72
कुल	86.73	211.56	97.39	228.18
प्रतिभूति जमा में शामिल है:				
निदेशकों से प्राप्य	-	-	-	-
अधिकारियों से प्राप्य	-	0.01	-	0.01

नोट [8] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध देनदारियाँ)

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 13 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ		
प्रावधान	1629.68	1754.90
भुगतान आधार पर देय राशि की अनुमति	440.00	487.11
मूल्यहास (पीपी-ई एवं अमूर्त परिसंपत्तियाँ)	46.04	78.26
करयोग्य हानि पर	1311.74	1278.30
अन्य	102.62	61.20
उप कुल	3530.08	3659.77
घटाएँ : आस्थगित कर देयताएं	-	-
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध देनदारियाँ)	3530.08	3659.77

आस्थगित कर शेषों में संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	01 अप्रैल, 2021 तक शेष राशि	प्रतिधारित आय में स्वीकृत	लाभ और हानि खाते का विवरण	ओसीआई में स्वीकृत	31 मार्च, 2022 तक शेष राशि
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ					
प्रावधान	1754.90	-	(125.22)	-	1629.68
भुगतान आधार पर देय राशि की अनुमति	487.11	-	(21.26)	(25.85)	440.00
मूल्यह्रास (पीपी-ई एवं अमूर्त परिसंपत्तियाँ)	78.26	-	(32.22)	-	46.04
करयोग्य हानि पर	1278.30	-	33.44	-	1311.74
अन्य	61.20	-	41.42	-	102.62
उप कुल	3659.77	-	(103.84)	(25.85)	3530.08
घटाएँ : आस्थगित कर देयताएं	-	-	-	-	-
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध देनदारियाँ)	3659.77	-	(103.84)	(25.85)	3530.08

नोट [9] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ

ह्रास पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
अनुबंध परिसंपत्तियाँ (बिना बिल किया हुआ राजस्व सहित)				
संरक्षित, सुविचारित माल	18248.24	8691.63	16584.91	7494.34
साख का मूल्यह्रास	2768.53	663.72	3545.45	76.46
	21016.77	9355.35	20130.36	7570.80
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	2768.53	663.72	3545.45	76.46
उप कुल (क)	18248.24	8691.63	16584.91	7494.34
सुरक्षा जमा				
कर प्राधिकरणों एवं अन्य के पास जमा				
अरक्षित, प्रतिफलित माल	79.96	443.32	106.80	497.11
अरक्षित, अशोध्य	30.45	89.74	12.85	79.41
	110.41	533.06	119.65	576.52
घटाएँ: अशोध्य एवं संदिग्ध जमा के लिए प्रावधान	30.45	89.74	12.85	79.41
उप कुल (ख)	79.96	443.32	106.80	497.11
ऋण व अग्रिम				
अरक्षित, प्रतिफलित माल				
क्रय के लिए अग्रिम (वेंडर एवं सब कॉन्टैक्टर)	41.54	56.42	99.58	152.16
इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	-	958.31	-	1031.00
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	139.76	642.85	37.34	601.11
पूँजी अग्रिम	17.04	-	23.81	-
सहायक कंपनी के लिए अग्रिम	-	-	-	0.24
अरक्षित, अशोध्य	-	-	-	-
क्रय के लिए अग्रिम (वेंडर एवं सब कॉन्टैक्टर)	11.50	35.69	11.71	6.93
इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	-	5.38	-	-
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	49.67	111.92	28.14	129.77
पूँजी अग्रिम	4.69	-	-	-
	264.20	1810.57	200.58	1921.21
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों व अग्रिमों के लिए प्रावधान	65.86	152.99	39.85	136.70
उप-कुल (ग)	198.34	1657.58	160.73	1784.51
कुल (क+ख+ग)	18526.54	10792.53	16852.44	9775.96

ह्रास पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
i) निर्विवाद संविदा प्राप्य – स्वीकृत माल	13874.67	8691.62	12764.34	7494.34
ii) अविवादित संविदाप्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-
iii) विवादित संविदा प्राप्य – स्वीकृत माल	4373.55	-	3820.58	-
iv) विवादित संविदा प्राप्य – ऋण बाधित	2768.55	663.73	3545.44	76.46
कुल	21016.77	9355.35	20130.36	7570.80
ऋण व अग्रिम में शामिल है:				
(क) निदेशकों से प्राप्य	-	-	-	-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	-	-	-	-

नोट [10] - चालू परिसंपत्तियाँ माल सूची

माल सूची के मूल्यांकन पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 7 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
कच्चा माल एवं अवयव	2799.87		2809.70	
पारगमन में सामग्री	129.30	2929.17	199.83	3009.53
प्रगतिशील कार्य (उप ठेकेदारों वाली मदों सहित)		3334.54		3778.22
तैयार माल	518.09		628.72	
इंटर डिविसन ट्रान्सफर इन ट्रांसिट	89.85	607.94	63.75	692.47
स्टोर एवं स्पेयर पार्ट्स				
उत्पादन	151.94		166.37	
ईंधन स्टोर	5.70		2.58	
विविध	50.32	207.96	51.24	220.19
अन्य माल सूची				
फेब्रिकेटर्स/ ठेकोदारों के पास सामग्री	60.10		39.80	
खुले औजार	24.32		23.02	
स्क्रेप (अनुमानित वसूलीयोग्य मूल्य पर)	143.26	227.68	147.46	210.28
		7307.29		7910.69
घटाएँ: अचल माल सूची के लिए प्रावधान		747.08		719.46
कुल		6560.21		7191.23
नोट:				
माल सूची का बड़ाकरण		76.77		219.35
घटाएँ: इसके उलट		49.15		42.27
शुद्ध		27.62		177.08

नोट [11] - चालू परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसंपत्तियां – नकद और नकद के समकक्ष

नकद और नकद के समकक्ष पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 17 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
बैंकों में शेष :				
ईईएफसी खाता	28.20		202.69	
चालू/नकद क्रेडिट खाता	687.82	716.02	1324.32	1527.01
हाथ में चेक, डिमांड ड्राफ्ट		13.06		0.08
हाथ में नकदी एवं स्टेम्प		0.08		0.07
पारगमन में प्रेषित ध		3.46		0.02
कुल		732.62		1527.18

नोट [12] - चालू परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियाँ – बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
3 महीने से अधिक की लेकिन 12 महीने से कम की परिपक्वता वाली फिक्स्ड डिपॉजिट		6411.12		5160.00
जारी किए गए बीजी के लिए मार्जिन मनी के नामे फिक्स्ड डिपॉजिट		2.65		2.54
बैंकों में बकाया राशि (निर्धारित):				
चार्जिंग स्टेशन परियोजना	3.94		7.88	
लावारिस लाभांश खाता	1.81		2.11	
गैर-प्रत्यावर्तनीय खाता	1.52		1.69	
बोनस अंक पर आंशिक शेयरों की बिक्री से आय	0.03	7.30	0.03	11.71
कुल		6421.07		5174.25
कुल नकद एवं बैंक में जमा राशि [11 + 12]		7153.69		6701.43

नोट [13] - चालू परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियाँ – ऋण

वित्तीय परिसंपत्तियाँ मूल्यहास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
ऋण				
सहायक कंपनी को ऋण*				
क्रेडिट का मूल्यहास	-		3.70	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	-	-	3.70	-
पीएसयू को ऋण (बीपी व सीएल)**				
साख का मूल्यहास	-		13.32	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	-	-	13.32	-
कुल		-		-

*बीएचईएल की हिस्सेदारी करल सरकार को अंतरित करने पर ₹ 3.70 करोड़ का ऋण और ब्याज माफ कर दिया गया है।

** ऋण और उस पर ब्याज, जो 31 मार्च, 2021 को मूल्यहास था, का भुगतान वर्ष के दौरान बीपी एंड सीएल द्वारा किया गया है।

नोट [14] - चालू परिसंपत्तियाँ वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ ध्देयताएं (शुद्ध)

आयकर के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
अग्रिम कर एवं टीडीएस	180.71	1062.15
घटाएँ: कराधान के प्रावधान	61.47	658.56
कुल	119.24	403.59

नोट [15] - इक्विटी इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि
अ. इक्विटी शेयर पूंजी				
प्राधिकृत	100000000000 (2)	2000.00	100000000000 (2)	2000.00
जारी, सब्सक्राइड एवं पूर्णतः प्रदत्त	3482063355 (2)	696.41	3482063355 (2)	696.41
क) बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या का पुनर्मिलान				
वर्ष की शुरुआत में शेष	3482063355	696.41	3482063355	696.41
बढ़े/घटे: वर्ष के दौरान परिवर्तन	-	-	-	-
वर्ष के अंत में शेष	3482063355	696.41	3482063355	696.41
ख) शेयरधारकों द्वारा वर्ष के अंत में 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरों का विवरण				
भारत के राष्ट्रपति (प्रमोटर)	2199650402	63.17%	2199650402	63.17%
वर्ष के दौरान प्रमोटर होल्डिंग का प्रतिशत परिवर्तन	-	Nil	-	Nil
भारतीय जीवन बीमा निगम	350769757	10.07%	350647914	10.07%
प्रति शेयर अंकित मूल्य (₹)		2.00		2.00

ग) इक्विटी शेयरों से जुड़े नियम/अधिकार

कंपनी के पास केवल 2 रुपये प्रति शेयर (पिछले वर्ष 2 रुपये प्रति शेयर) के बराबर मूल्य वाली श्रेणी के इक्विटी शेयर हैं। प्रत्येक इक्विटी शेयर धारक प्रति शेयर एक वोट का पात्र है।

घ) बोनस शेयर जारी करना:

कंपनी ने 03 अक्टूबर, 2017 को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर आवंटित किया, यानी दो मौजूदा पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों के लिए एक इक्विटी शेयर। परिणामस्वरूप, भुगतान की गई पूंजी वित्त वर्ष 2016-17 में ₹ 489.52 करोड़ रुपये से बढ़कर आरक्षित निधि के पूंजीकरण द्वारा वित्त वर्ष 2017-18 में ₹ 734.28 करोड़ रुपये हो गई।

ड) शेयर बायबैक

कंपनी ने 25 अक्टूबर, 2018 के अपने बोर्ड के अनुमोदन को रद्द कर दिया, अपने 18,93,36,645 रुपये के शेयर 2 रुपये प्रत्येक के अंकित मूल्य के पूरी तरह से भुगतान किए गए 18,93,36,645 इक्विटी शेयरों को वापस खरीद लिया। परिणामस्वरूप, 86 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के हिसाब से 1628,2951,47 में कंपनी के पात्र इक्विटी शेयर होल्डर्स से खरीदे गए थे शेयर कुल जारी किए गए और भुगतान किए गए इक्विटी शेयर कैपिटल का 5.16% है।

नोट [15a] - अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
पूँजी कोष	35.18	35.18
पूँजी मोचन कोष	37.87	37.87
सामान्य कोष	30476.66	30476.66
प्रतिधारित आय	(3956.70)	(4366.94)
ओसीआई (परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनः मापन)	(318.26)	(395.13)
कुल	26274.75	25787.64

उपर्युक्त प्रत्येक विशिष्ट शीर्ष के तहत जोड़ने और कटौती के लिए, SOCIE (इक्विटी में परिवर्तन का विवरण) को संदर्भित किया जा सकता है।

आरक्षित कोष की प्रकृति एवं उद्देश्य

- (क) **पूँजी कोष:** यह मुख्य रूप से बीएचईएल के साथ तत्कालीन सहायक कंपनी (एचपीवीपी) के समामेलन के दौरान भुगतान की गई मुआवजे की लागत से अधिक निवल संपत्ति का प्रतिनिधित्व करता है।
- (ख) **पूँजी मोचन आरक्षित निधि:** कंपनी ने अपने सामान्य रिजर्व से इक्विटी शेयरों की खरीद पर कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व को मान्यता दी है। पूँजी मोचन आरक्षित निधि में वापस खरीदे गए इक्विटी शेयरों की नाममात्र राशि के बराबर राशि है।
- (ग) **सामान्य आरक्षित निधि:** यह भविष्य में (ज्ञात / अज्ञात) दायित्वों को पूरा करने के लिए कंपनी द्वारा रखे गए लाभ के संचय का प्रतिनिधित्व करता है।
- (घ) **प्रतिधारित आय:** सामान्य कोष को हस्तांतरण, लाभांश (लाभांश वितरण कर सहित) या शेयरधारकों को भुगतान किए गए अन्य वितरण घटाकर जो वही कंपनी की प्रतिधारित कमाई है।
- (ङ) **शुद्ध परिभाषित लाभ योजनाओं की पुनः माप:** योजना परिसंपत्तियों एवं वास्तव में हासिल की गई रिटर्न पर ब्याज से आय के बीच अंतर, एवं योजनाओं के भीतर एक्चुरियल धारणा या अनुभव समायोजन में परिवर्तन के कारण वर्ष में देनदारियों में कोई भी परिवर्तन, शून्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त हैं एवं इसके बाद लाभ एवं हानि के विवरण में पुनरुवर्गीकृत करने के लिए नहीं है।

नोट [16] - वित्तीय देयताएं – पट्टा देयताएं

पट्टा पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 3 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
पट्टा देयताएं	35.12	49.81	53.41	48.20
कुल	35.12	49.81	53.41	48.20
पट्टा पर और अधिक विवरण नोट [36] में दिया गया है।				

नोट [17] - वित्तीय देयताएं – व्यापार देय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
व्यापार देय				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि	127.45	745.82	157.92	751.57
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की कुल बकाया राशि	2004.48	6881.11	1725.85	5809.57
(iii) स्वीकृत	-	122.66	-	113.91
कुल	2131.93	7749.59	1883.77	6675.05

सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का प्रकटन

- (i) लेखांकन वर्ष के अंत में बकाया के रूप में आपूर्तिकर्ता का मूलधन*
- (ii) लेखा वर्ष के अंत तक आपूर्तिकर्ता को बकाया, देय ब्याज
- (iii) वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान के साथ, धारा 16 के संदर्भ में दिए गए ब्याज की राशि
- (iv) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय एवं देने योग्य ब्याज की राशि (जो वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद भुगतान किया गया है) लेकिन इस अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।
- (v) वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज की राशि एवं वर्ष के अंत में अदत्त शेष
- (vi) कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के उद्देश्य के लिए बाद के वर्षों में भी बकाया एवं देय ब्याज की राशि, जब तक कि, जब तक उपरोक्त ब्याज देय राशि वास्तव में लघु उद्यमों को भुगतान नहीं की जाती है।

886.81	914.99
-	-
-	-
-	-
-	-
-	-

* यहां बकाया के रूप में दिखाई गई राशि में सूक्ष्म और लघु उद्यमों को नोट 17 और 18 में दर्शाई गई राशि शामिल है। यहां दिखाई गई राशि 31 मार्च, 2022 तक अनुबंधित भुगतान के लिए देय नहीं है।

गैर-चालू व्यापार देय कालप्रभावन कार्यक्रम – 31 मार्च, 2022 तक

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				बिल नहीं हुआ बकाया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं	कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) एमएसएमई	-	-	-	-	0.03	103.96	103.99
ii) अन्य	-	-	-	-	0.21	1368.24	1368.45
iii) विवादग्रस्त बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-	23.46	23.46
iv) विवादग्रस्त बकाया – अन्य	-	-	-	-	-	636.03	636.03

गचालू व्यापार देय कालप्रभावन कार्यक्रम – 31 मार्च, 2022 तक

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				बिल नहीं हुआ बकाया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं	कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) एमएसएमई	-	-	-	-	160.27	572.45	732.72
ii) अन्य	2.41	-	-	-	1435.21	4861.89	6299.51
iii) विवादग्रस्त बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-	13.11	13.11
iv) विवादग्रस्त बकाया – अन्य	-	-	-	-	-	704.25	704.25

गैर-चालू व्यापार देय कालप्रभावन कार्यक्रम – 31 मार्च, 2021 तक

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				बिल नहीं हुआ का बकाया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं	कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) एमएसएमई	-	-	-	-	-	149.39	149.39
ii) अन्य	-	-	-	-	-	1308.15	1308.15
iii) विवादग्रस्त बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-	8.53	8.53
iv) विवादग्रस्त बकाया-अन्य	-	-	-	-	-	417.70	417.70

गैर-चालू व्यापार देय कालप्रभावन कार्यक्रम – 31 मार्च, 2021 तक

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				बिल नहीं हुआ का बकाया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं	कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) एमएसएमई	27.85	-	0.06	0.01	209.19	421.84	658.95
ii) अन्य	418.01	7.38	9.68	0.15	1414.18	2487.62	4337.02
iii) विवादग्रस्त बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-	92.62	92.62
iv) विवादग्रस्त बकाया-अन्य	-	-	-	-	-	1586.46	1586.46

नोट [18] - वित्तीय देयताएं – अन्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
ठेकेदारों एवं अन्य से जमा राशि देयताएँ	206.45	431.36	211.01	447.75
- कर्मचारियों का बकाया	-	214.05	-	117.61
- पूंजीगत व्यय~	8.65	80.83	5.71	57.49
- अन्य*	-	386.92	-	291.72
भुगतान नहीं किया गया लाभांश**	-	1.81	-	2.11
उधार पर ब्याज	-	9.12	-	0.97
कुल	215.10	1124.09	216.72	917.65

* अन्य में बोनस शेयरों के कारण भिन्नात्मक शेयरों की बिक्री आय ₹ 0.03 करोड़ शामिल हैं।

~ एमएसएमई के लिए वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान ₹ 13.54 करोड़ और वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान ₹ 5.50 करोड़ शामिल हैं

** वर्ष के अंत में निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में अंतरित करने के लिए कोई राशि देय और बकाया नहीं है।

नोट [19] - प्रावधान

कर्मचारी लाभ और प्रावधानों पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 10 और 11 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
अनुबंधात्मक दायित्व	2620.03	1235.45	2505.89	1486.56
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान*	856.82	1060.62	1092.78	826.79
दूसरे प्रावधान	292.69	760.14	312.02	831.72
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व **	1.67	10.49	2.09	19.18
कुल	3771.21	3066.70	3912.78	3164.25

* कर्मचारी लाभों पर अधिक विवरण/प्रकटीकरण नोट (25) में उपलब्ध है ** सीएसआर व्यय पर नोट (26) के बिन्दु VIII के अनुसार प्रकटीकरण

नोट [20] - अन्य देयताएं

सरकारी अनुदान पर लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 12 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
अनुबंध देयता (बिलिंग सहित राजस्व से अधिक ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम)	2193.43	3854.33	2806.50	4057.18
वैधानिक बकाया की तरफ देयताएँ	-	775.55	-	616.41
आस्थगित आय- सरकारी अनुदान #	19.22	6.08	25.04	6.45
कुल	2212.65	4635.96	2831.54	4680.04

सोलर पीवी प्लांट लगाने एवं माड्यूल विनिर्माण के लिए सरकारी अनुदान प्राप्त हुआ है

नोट [21] - चालू वित्तीय देयताएं – उधार

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
संरक्षित		
बैंक से ऋण	4745.00	201.01
शिपमेंट पूर्व पैकिंग क्रेडिट	-	299.36
क्रेता की साख	-	45.71
(कच्चे माल, घटकों, प्रगतिशील कार्य, तैयार माल एवं भंडार के दृष्टिबंधक द्वारा संरक्षित)		
उप- कुल (क)	4745.00	546.08
असंरक्षित		
From banks		
वाणिज्य पत्र	-	4287.70
उप- कुल (ख)	-	4287.70
कुल उधार (क+ख)	4745.00	4833.78

(i) स्वीकृत सीमा का विवरण ऋण सीमाएं

विवरण	स्वीकृत सीमा	उपयोग			
		31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
		मूल्य (₹/करोड़)	% उपयोग	मूल्य (₹/करोड़)	% उपयोग
गैर-निधि आधारित सीमाएं	54000	33936	62.84%	41026	75.97%
बैंक गारंटी#	51000	31369	61.51%	39343	77.14%
साख पत्र (इं. क्रेता क्रेडिट)	3000	2567	85.57%	1683	56.10%
फंड आधारित सीमाएं	6000	4745	79.08%	300	5.01%
डब्ल्यूसीडीएल	-	4745	-	1.01	
पीसीएफसी	-	NIL	-	299.36	
वाणिज्य पत्र	5000	NIL	-	4287.70	85.75%

₹ 60000 करोड़ की कुल सहायता संघ सीमा (निधि आधारित, गैर-निधि आधारित) कच्चे माल, घटकों, प्रगति पर काम, तैयार माल, स्टोर, व्यापार प्राप्तियों और अन्य वर्तमान और भविष्य दोनों वर्तमान संपत्ति के दृष्टिबंधक के माध्यम से पहले शुल्क द्वारा सुरक्षित।

वाणिज्यिक पत्र असुरक्षित अल्पकालिक उधार की प्रकृति के होते हैं।

बकाया बैंक गारंटियों में पहले से बदले गए लेकिन 31 मार्च, 2022 तक अवकाश लंबित होने पर बीजी के खाते पर ₹ 439 करोड़ (पी.वाई. ₹ 630 करोड़) शामिल हैं। इसके अलावा, 31.03.2022 को बकाया बीजी ₹ 30930 करोड़ है। (पिछले वर्ष 38713 करोड़)

- (ii) वित्त वर्ष 2021-22 में बैंकों से ऋण WCDL (कार्यशील पूंजी मांग ऋण) का प्रतिनिधित्व करता है और पिछले वर्ष के लिए, सावधि जमा के खिलाफ ₹ 200 करोड़ ऋण और WCDL के लिए शेष राशि।
- (iii) कंपनी को किसी भी बैंकधनवित्तीय संस्थान द्वारा इरादतन चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।
- (iv) कंपनी द्वारा बैंकों या वित्तीय संस्थानों के साथ दाखिल की गई त्रैमासिक रिटर्न या चालू संपत्ति के विवरण "खाता बहियां" के अनुरूप हैं।
- (v) 31.03.2022 को बकाया स्वयं के दायित्वों के लिए दी गई कॉर्पोरेट गारंटी ₹ 1165 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 1799 करोड़) है।
- (vi) वित्तीय गतिविधियों के कारण ऋण में परिवर्तन

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
प्रारंभिक शेष	4833.78	4933.39
वर्ष के दौरान नकदी प्रवाह	(88.78)	(97.95)
अप्राप्त विदेशी मुद्रा हानि / (लाभ)	-	(1.66)
अंतिम शेष	4745.00	4833.78

वित्तीय गतिविधियों के कारण पट्टा देयता में परिवर्तन के लिए, नोट 36 [बी] देखें।

नोट [22]

परिचालनों से राजस्व

राजस्व मान्यता पर लेखाकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 8 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व		
निर्माण और परियोजना से संबंधित गतिविधि से राजस्व	14107.10	10581.15
उत्पाद और अन्य सेवाओं की बिक्री	6046.28	5714.40
उप-कुल (क)	20153.38	16295.55
अन्य परिचालन आय		
माड़ा व बीमा	129.35	93.32
स्क्रेप बिक्री	273.63	141.97
आपूर्तिकर्ताओं से वसूली	113.98	112.88
रिटेन बैंक देयताएं	239.95	211.83
बीमा दावे	76.51	163.48
निर्यात प्रोत्साहन	50.50	156.88
अन्य	173.79	132.53
उप-कुल (ख)	1057.71	1012.89
परिचालन से राजस्व (क + ख)	21211.09	17308.44
परिचालन से प्राप्त राजस्व में है माल और सेवा कर शामिल नहीं है	2970.00	2392.35

नोट [23]

अन्य आय

राजस्व निर्धारण पर लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 8 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
ब्याज से आय *		
बैंकों से	246.75	313.61
अन्य	56.04	7.25
उप-कुल (क))	302.79	320.86
लाभांश आय		
संयुक्त उद्यमों में निवेश पर लाभांश (दीर्घकालिक व्यापार)	30.35	21.42
उप-कुल (ख)	30.35	21.42
अन्य आय		
म्यूचुअल फंड इकाइयों की बिक्री पर लाभ	-	1.42
कैप्टिव उपयोग के लिए सोलर पानी प्लांट पर सरकारी अनुदान	6.20	6.45
पीपीई व पूँजी स्टोर की बिक्री से लाभ (शुद्ध)	6.90	1.88
अन्य	21.57	17.81
उप-कुल (ग)	34.67	27.56
कुल अन्य आय (क+ख+ग)	367.81	369.84
*टीडीएस शामिल है	18.92	20.99

नोट[24]

तैयार माल, प्रगतिशील कार्य एवं स्क्रेप की माल सूची में परिवर्तन

(₹करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रगतिशील कार्य		
अंतिम शेष	3334.54	3778.22
आरंभिक शेष	3778.22	443.68
तैयार माल		
अंतिम शेष	518.09	628.72
आरंभिक शेष	628.72	110.63
स्क्रेप		
अंतिम शेष	143.26	147.46
आरंभिक शेष	147.46	4.20
अंतर विभागीय स्थानांतरण ट्रांसिट में	(26.10)	4.85
(वृद्धि)/कमी	532.41	510.86

नोट [25]

कर्मचारी अनुलाभ व्यय

कर्मचारी लाभ की लेखांकन नीति के लिए नोट [2] के बिंदु 10 का संदर्भ लें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन, मजदूरी, बोनस, प्रावधान और अन्य लाभ	4710.99	4695.04
भविष्य निधि एवं अन्य में योगदान	460.01	372.65
कर्मचारी कल्याण व्यय	239.89	194.86
उपदान (ग्रेच्युटी) निधि में योगदान	95.78	101.66
समूह बीमा	10.17	8.05
कुल	5516.84	5372.26

नोट [26]

अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
विद्युत व ईंधन	415.08	319.42
अन्य उप अनुबंधों पर व्यय	243.72	267.49
कैरिज आउटवर्ड	241.23	216.71
सुरक्षा एजेंसियों को भुगतान	148.93	203.25
मरम्मत व अनुरक्षण:		
भवन	27.32	26.55
प्लांट व मशीनरी	26.44	29.59
अन्य	74.05	67.50
बीमा	95.88	128.51
यात्रा व वाहन	84.89	65.15
बैंक प्रभार	92.17	92.54
आर एंड डी व्यय	12.10	29.48
भाड़ा व्यय	48.22	46.38
कोलबोreshन्स व रॉयल्टी पर व्यय	45.21	34.92
दर एवं कर	23.04	25.06
कार्यालय व्यय	27.32	31.00
कौशल विकास पर व्यय	12.83	15.22
विधिक, लेखापरीक्षा एवं प्रमाणन व्यय	32.45	34.61
ईडीपी, सॉफ्टवेयर व पट्टा व्यय	17.40	25.57
पानी प्रभार	20.50	34.19
गैर आवासीय किराया	12.77	15.88

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
निर्यात संबंधी व्यय	8.01	11.92
मनोरंजन और सौजन्यता व्यय	2.73	2.29
पर्यावरण सुरक्षा	4.59	5.72
सेमिनार, विकास एवं प्रशिक्षण व्यय	1.28	1.16
इक्विटी शेयर के निवेश में अप्रাপ्त हानि	0.29	-
प्रचार एवं जनसम्पर्क व्यय	1.94	1.55
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व	-	20.18
विविध व्यय	49.97	47.38
विनिमय भिन्नता [शुद्ध (लाभ) / हानि]	(81.62)	(65.83)
प्रावधान और बट्टे खाते में डालना (नीचे बिंदु संख्या vii पर विवरण)	(1526.25)	1467.46
योग	162.49	3200.85

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
आगे की जानकारी:		
(i) विधिक, लेखापरीक्षा एवं प्रमाणन व्यव शामिल है: सांविधिक लेखापरीक्षकों का भुगतान:		
लेखापरीक्षा शुल्क	0.97	0.94
कर लेखापरीक्षा	0.21	0.20
तिमाही सीमित समीक्षा एवं अन्य	0.60	0.56
लेखापरीक्षा व्यय	0.08	0.03
लागत लेखापरीक्षकों को भुगतान:	0.15	0.15
(ii) निदेशकों का शुल्क	0.25	0.21
(iii) विभागीय मरम्मत एवं अनुरक्षण पर व्यय:		
प्लांट व मशीनरी	159.08	175.27
भवन	33.06	29.65
अन्य	33.09	32.88
(iv) अनुसंधान एवं विकास पर व्यय	122.83	146.01
(v) विदेश यात्राओं पर व्यय		
दौरों की संख्या	127	77
व्यय	1.92	1.28

(vi) बीएचईएल ने अपने स्वयं के योगदान से एयूएससी परियोजना पर संचयी ₹ 190 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 189 करोड़ तक) खर्च किए हैं और इसे आर एंड डी व्यय के रूप में शामिल किया गया है।

(vii) प्रावधान एवं बट्टे खाते में डालना:

(नोट 2 के नोट 11 एवं 14 का संदर्भ ग्रहण करें)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
संदिग्ध ऋण, परिसमाप्त क्षति और ऋण, अग्रिम और जमा		
वर्ष के दौरान बनाया गया	729.55	2583.68
कम: वर्ष के दौरान निकासी	2209.16 (1479.61)	1773.13 810.55
संविदात्मक दायित्व		
वर्ष के दौरान बनाया गया	151.95	240.96
कम: वर्ष के दौरान निकासी	526.44 (374.49)	501.81 (260.85)
अन्य		
वर्ष के दौरान बनाया गया	367.26	768.16
कम: वर्ष के दौरान निकासी	389.38 (22.12)	128.75 639.41
निवेश बट्टे खाते में डाला गया	5.36	4.93
अशोध्य ऋण बट्टे खाते में डाले गए	98.34	77.55
परिसमापन हर्जाना और संविदात्मक शुल्क वसूला गया	233.59	170.98
नुकसान बट्टे खाते में डाला गया	12.68	24.89
कुल प्रावधान और बट्टे खाते में डालना	(1526.25)	1467.46

(viii) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 तथा डीपीआई से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, अपनी सीएसआर नीति में कंपनी को प्रत्येक वित्त वर्ष में अपने पिछले तीन वर्षों के शुद्ध लाभ के औसत का कम से कम 2% हिस्सा व्यय करना आवश्यक है। वर्ष के दौरान किए गए सीएसआर व्यय विवरण इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
अ वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली राशि	-	20.18
ब. पिछले वर्ष से उपलब्ध राशि	21.27	15.51
स. कुल (अ+ब)	21.27	35.69
द. वर्ष के दौरान निम्न पर व्यय राशि—		
(i) किसी भी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	-	0.14
(ii) उक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	9.11	14.28
कुल	9.11	14.42
राशि अग्रेषित:	12.16	21.27
चालू	10.49	19.18
गैर चालू	1.67	2.09

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	
	कैश में	कैश में भुगतान किया जाना है	कैश में	कैश में भुगतान किया जाना है
(i) किसी भी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	-	-	0.14	-
(ii) उक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	6.14	2.97	11.25	3.03
कुल	6.14	2.97	11.39	3.03

सीएसआर गतिविधियों के प्रकार

स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, जिम्मेदारी और समावेशिता, आपदा राहत, जल, जैव विविधता, कार्बन और अपशिष्ट प्रबंधन

चल रही परियोजनाओं पर अव्ययित राशि ₹ 21.27 करोड़। कंपनी (सीएसआर नीति) संशोधन नियम 2021 के अनुसार पिछले साल एक अलग बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिया गया था और इस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

नोट [27]

वित्तीय लागत

उधार लेने की लागत और प्रावधानों पर लेखांकन नीति के नोट 5 [2] के बिंदु 5 और 11 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वाणिज्यिक पत्र पर छूट	137.41	163.68
प्रावधान की समाप्ति:	156.01	141.74
ब्याज लागत:		
बैंक/वित्तीय संस्थान	46.65	29.34
विदेशी वित्तीय संस्थान	0.74	10.77
पट्टा दायित्व पर	8.50	12.79
अन्य	4.01	13.80
वाणिज्यिक पत्र जारी करने पर अन्य व्यय	1.40	0.97
उप कुल	354.72	373.09
कम: उधार लेने की लागत पूंजीकृत	-	-
कुल	354.72	373.09

नोट [28]

कर व्यय

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 13 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
चालू कर		
वर्तमान वर्ष के लिए	48.86	32.83
पहले के वर्षों के लिए	(125.99)	(77.13)
आस्थगित कर		
वर्तमान वर्ष के लिए	108.96	(907.85)
पहले के वर्षों के लिए	(5.12)	103.84
कुल	26.71	(894.46)

नोट [29]

अन्य व्यापक आय/व्यय

(₹ in Crore)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
आय/(व्यय)		
परिभाषित कर्मचारी लाभ का पुनः मापन	102.72	26.70
घटाएँ: उक्त मदों से संबंधित आय कर *	25.85	6.72
कुल	76.87	19.98
* शामिल है		
चालू कर	-	-
आस्थगित कर	25.85	6.72

आयकर व्यय और लेखा लाभ (टीसीआई) का आयकर दर से गुणा का पुनर्मिलान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
कर पूर्व कुल व्यापक आय/हानि (टीसीआई) (क)	539.67	(3584.90)
सांविधिक आय कर दर (ख)	25.168%	25.168%
कर व्यय स = (अXब)	135.82	(902.25)
के कारण अंतर: (घ)		
कर उद्देश्यों के लिए कटौती योग्य व्यय नहीं	48.61	33.95
विशेष दर पर कर योग्य आय के कारण कर में अंतर	(0.76)	-
टैक्स दर में बदलाव	-	-
कर व्यय में परिवर्तन - पहले के वर्ष	(131.11)	(19.44)
उप- कुल (घ)	(83.26)	14.51
शुद्ध कर व्यय ई = (सी+डी)	52.56	(887.74)

नोट[30]
प्रति शेयर आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
इक्विटी शेयरधारकों के लिए निश्चित लाभ	410.24	(2717.14)
इक्विटी शेयरों की भारत औसत संख्या	348.21	348.21
प्रति शेयर मूल एवं मासिक आय ₹ 2	1.18	(7.80)

प्रति इक्विटी शेयर मूल आय की गणना कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के कारण शुद्ध लाभ को अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारांक औसत संख्या से विभाजित करके की जाती प्रति शेयर की गई आय की गणना कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के लिए शुद्ध लाभ के हिसाब से की जाती है हो कि प्रतिशेयरपर बेसिक कमाई को प्राप्त करने के लिए मानी जानी वाली इक्विटी शेयरों की औसत संख्या से होती है एवं उन सभी इक्विटी शेयरों की वेटेज औसत संख्या जो सभी कमजोर संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी किए जा सकते थे।

नोट [31]
प्रति शेयर लाभांश

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयरों पर प्रस्तावित लाभांश जिनकी पहचान देनदरियों में नहीं की गई हैं		
प्रति क्वालीफाइंग इक्विटी शेयर पर रूपए 0.40 वित्त वर्ष 2021-22 के लिए और वित्त वर्ष 2020-21 के लिए	139.28	-

इक्विटी शेयरों पर प्रस्तावित लाभांश वार्षिक आम बैठक में कंपनी के शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है और बैलेंस शीट की तारीख में देयता के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है।

नोट [32] - आकस्मिक देनदारियां और प्रतिबद्धताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 की स्थिति	31 मार्च, 2021 की स्थिति
A. आकस्मिक देनदारियां		
कंपनी के विरुद्ध जो ऋण के रूप में नहीं माने गए:		
(a) बिक्री कर मामला	1279.61	894.74
(b) सेवा कर मामलें	920.46	696.04
(c) कोर्ट और मध्यस्थता मामलें	592.77	516.18
(d) एक्साइज ड्यूटी मामलें	162.18	161.76
(e) सीमा शुल्क और अन्य	880.06	834.51
(f) अन्य मामले (विवादित स्टाफ मामलों सहित)	48.37	40.51
(g) निर्णीत हर्जाना (एलडी) के अंतर्गत दावे	2872.25	2901.75
कुल	6755.70	6045.49

- (i) कंपनी द्वारा विभिन्न अदालतों में विवादित मामलें, मुकदमों और दावों को देखते हुए, इस स्तर पर संसाधनों का बहिर्वाह का इस स्तर पर पता लगन संभव नहीं है। आमतौर पर, अदालत और मध्यस्थता मामलों की आकस्मिक देयताएं पुरस्कार/अदालत के निर्णय पर निर्भर होता है और आकस्मिक देयता के मामले दर मामले के आधार पर समीक्षा भी की जाती है।
- (ii) संबंधित कार्यवाहियों में संकल्प के लंबित होने के कारण (अ) से (एफ), यदि कोई हो, के संबंध में वास्तविक नकदी बहिर्वाह के समय का अनुमान लगाना कंपनी के लिए व्यावहारिक नहीं है। हालांकि, नकदी के बहिर्वाह की संभावना आकस्मिक है।
- (iii) परिनिर्धारित क्षति परियोजनाओं के निष्पादन में देरी के कारण ग्राहक द्वारा रोकी गई राशि का प्रतिनिधित्व करता है जो विलंब विश्लेषण के आधार पर परियोजना के कमीशनिंग और ट्रायल ऑपरेशन के बाद निपटारा किया जाएगा और इसका प्रकटीकरण एएस-37 के अनुरूप किया जा रहा है।

(iv) आकस्मिक देनदारियों के परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 की स्थिति	31 मार्च, 2021 की स्थिति
वर्ष के प्रारंभ में शेष	6045.49	8068.47
कम: प्रारम्भिक शेष में कमी	129.84	3342.01
बढ़ोतरी वर्ष के दौरान जोड़ (शुद्ध)	840.05	1319.03
वर्ष के अंत में शेष	6755.70	6045.49

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 की स्थिति	31 मार्च, 2021 की स्थिति
B. प्रतिबद्धताएं		
(क) अनुबंध की अनुमानित राशि, शुद्ध अग्रिम, बाकी शेष को पूंजी खाते पर	209.20	229.15
निष्पादित किया जाएगा जिसके लिए प्रावधान नहीं किया गया था। (उपर्युक्त में अमूर्त संपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित सम्मिलित हैं)	7.56	8.65
(ख) संयुक्त उद्यम संस्थाओं में निवेश जिसके लिए कंपनी को परियोजना के निगमन/वाणिज्यिक संचालन / परियोजना की पहली इकाई/पहली ईपीसी अनुबंध के पूरा होने की तिथि से पांच वर्षों के लिए उनके निपटान के लिए प्रतिबंध है, जैसा भी मामला हो।	50.00	50.00
(ग) व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए, दीर्घकालिक निर्माण अनुबंध होने के नाते सामग्री की खरीद के लिए अन्य प्रतिबद्धताएं हो सकती हैं जिसे सामान्य व्यवसाय प्रक्रिया माना गया है।		

नोट [33]

वर्तमान वित्तीय देनदारियों में 1990-91 तक सरकार के अनुरोध पर कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋणों के संबंध में भारत सरकार द्वारा मांगे गए गारंटी शुल्क के लिए ₹100.51 करोड़ (पिछले वर्ष ₹100.51 करोड़) की राशि शामिल है। चूंकि कंपनी द्वारा ऋण (सरकार द्वारा गारंटीकृत) लिए जाने के समय इस तरह के गारंटी शुल्क के भुगतान के लिए कोई शर्त नहीं थी, उचित कार्रवाई के लिए मामले की समीक्षा की जा रही है।

नोट [34]

कंपनी ने अमोर्फस सिलिकॉन सोलर सेल प्लांट (ASSCP), गुडगांव को 1 अप्रैल 1999 को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) से 30 साल की अवधि के लिए लीज पर लिया था। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के साथ औपचारिक पट्टा समझौते को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

नोट [35]

व्यापार प्राप्य, व्यापार देय, ठेकेदारों के अग्रिम, जमा और स्टॉक / सामग्री उप-ठेकेदारों / फ्रेब्रिकेटर के पास प्रदर्शित शेष राशि पुष्टि, समाधान और परिणामी समायोजन, यदि कोई हो, के अधीन हैं। कंपनी दीर्घकालिक निर्माण अनुबंधों के व्यवसाय में है, ग्राहक द्वारा अनुमोदित बिलिंग अनुसूची के अनुसार अनुबंध के अनुसार ग्राहकों पर बिल बनाए जाते हैं और समाधान निरंतर आधार पर किया जाता है और जहां भी आवश्यक समझा जाता है, प्रावधान किए जाते हैं। ग्राहक के साथ अंतिम समाधान परियोजना के पूरा होने पर किया जाता है (परीक्षण संचालन और पीजी परीक्षण पूरा हो गया है)। पूर्ण की गई परियोजनाओं का प्राप्य व्यापार ₹ 7593 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 7882 करोड़) है। पूर्ण किए गए अनुबंधों में से, ग्राहकों के साथ समाधान की गई परियोजनाओं पर ₹6376 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 6299 करोड़) की बकाया व्यापार प्राप्तियां हैं।

नोट [36]

पट्टों पर प्रकटीकरण—इंड एस 116

पट्टों पर प्रतिबद्धताएं – पट्टेदार के रूप में

कंपनी के महत्वपूर्ण पट्टे समझौते भूमि, भवन और ईडीपी उपकरणों के संबंध में हैं। कंपनी ने कंप्यूटर आइटम, प्रिंटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और पेरिफेरल्स पट्टा व्यवस्था के लिए एक दर अनुबंध किया है। पट्टे पर ली गई संपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है तथा संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के प्रयोग के अधिकार का संपत्ति के रूप में अलग से प्रकटीकरण किया जाता है। पट्टा रेंटल को ब्याज, रखरखाव और मूलधन मूल्य के बीच आवंटित किया जाता है। ब्याज और रखरखाव शुल्क लाभ और हानि के विवरण पर लगाया जाता है और मूल राशि को पट्टा देयताओं के लिए समायोजित किया जाता है।

कंपनी ने निम्न उपलब्ध व्यावहारिक उपायों को लागू किया:

- ऐसे पट्टे, जिनकी पट्टा अवधि अनुप्रयोग की प्रारम्भिक दिनांक से 12 माह तक है और कुल पट्टा अवधि 12 माह से कम है, के लिए अल्पकालिक छूट।
- T अल्पमूल्य (50000 रुपये से कम की संपत्ति) की आधारभूत परिसंपत्तियों के पट्टों के लिए अल्पमूल्य पट्टा छूट।

क) पट्टा देयताओं का आयु-वार विश्लेषण निम्नानुसार है

(₹ करोड़ में)

विवरण	भविष्य के न्यूनतम पट्टा का भुगतान		ब्याज		न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य (पीवी)	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
एक वर्ष से भीतर #	54.51	54.01	6.60	8.77	47.91	45.24
एक वर्ष के बाद एवं 5 वर्ष के अंदर	40.52	60.33	5.40	6.92	35.12	53.41
5 वर्ष के बाद	-	-	-	-	-	-

उन पट्टों के संबंध में भविष्य के न्यूनतम पट्टा भुगतान की राशि जहां 31 मार्च, 2022 के अंत तक शेष पट्टा अवधि 12 महीने से कम है, 7.56 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 9.54 करोड़ रुपये) है।

ख) वित्तीय वर्ष 2021-2022 के दौरान पट्टा देनदारियों में परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	की तिथि को	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
1 अप्रैल की स्थिति के अनुसार पट्टा देयताएं*	101.61	132.04
जोड़ें: परिवर्धन	33.18	30.03
जोड़ें ब्याज की वृद्धि	8.50	12.79
कम: भुगतान/समायोजन	58.36	73.25
31 मार्च की स्थिति के अनुसार पट्टा देयताएं*	84.93	101.61

* मार्च 31, 2022 और मार्च 31, 2021 को क्रमशः 1.90 करोड़ रुपये (FY 2.96 करोड़ रुपये) और 2.96 करोड़ रुपये (FY 3.12 करोड़ रुपये) का ब्याज शामिल है।

ग) लाभ या हानि में मान्य राशि:

(₹ करोड़ में)

विवरण	के समाप्त वर्ष से अनुसार	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय (कृपया नोट संख्या 34 देखें)	2.27	2.25
कम मूल्यों की पट्टा संपत्ति से संबंधित व्यय (कृपया नोट संख्या 34 देखें)	1.23	1.03
प्रयोग की गई संपत्ति का मूल्यह्रास शुल्क	42.35	64.26
ब्याज पर व्यय (वित्त लागत सहित)	8.50	12.79

ग) कंपनी के पास विभिन्न पट्टा अनुबंध हैं जो अभी तक शुरू नहीं हुए हैं। इन गैर-रद्द करने योग्य पट्टा अनुबंधों के लिए भावी पट्टा भुगतान इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	की तिथि को	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
अधिकतम एक वर्ष तक	-	0.07
एक वर्ष के बाद एवं 5 वर्ष के अंदर	-	0.05
पाँच वर्ष के बाद	-	-

नोट 37] - “कर्मचारी लाभ” पर प्रकटीकरण – इंड एस 19

क. कंपनी के पास परिभाषित लाभ योजनाओं के रूप में निम्न योजनाएं हैं:

- उपदान (ग्रेच्युटी) योजना
- सेवानिवृत्ति के उपरांत स्वास्थ्य योजना
- भविष्य निधि योजना
- सेवानिवृत्ति पर यात्रा भत्ते का दावा

(ii) ग्रेच्युटी (वित्तपोषित योजना)

कंपनी की एक परिभाषित लाभ उपदान योजना है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने पांच वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान की है वह सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए 15 दिन के वेतन पर ग्रेच्युटी (15th26 • अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ता) का पात्र है, अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये है। ग्रेच्युटी देयताएं भविष्य के भुगतानों के कारण उत्पन्न होती हैं, जिसकी सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान मृत्यु या त्यागपत्र की स्थिति में किए जाने की आवश्यकता होती है। अनुमानित इकाई क्रेडिट बीमांकिक विधि का उपयोग से देयताएं का आकलन मूल्यांकन किया गया है।

ग्रेच्युटी योजना पर शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति)/देयताओं में संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित सम्पत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति) देनदारी	
	की तिथि को					
	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021	31 मार्च 2022	31 मार्च 2022
प्रारंभिक शेष	2005.26	2068.33	1697.44	1696.77	307.82	371.56
वर्ष के लाभ में सम्मिलित:						
वर्तमान सेवा लागत	95.78	101.66	-	-	95.78	101.66
पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-
ब्याज लागत/(आय)	135.35	139.61	135.35	139.61	-	-
वर्ष के लाभ में स्वीकृत कुल राशि	231.13	241.27	135.35	139.61	95.78	101.66
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में सम्मिलित						
पुनर्मापन हानि (लाभ):						
बीमांकित हानि (लाभ) से उत्पन्न:						
जनसांख्यिकी अनुमान में परिवर्तन	-	-	-	-	-	-
वित्तीय अनुमान में परिवर्तन	(47.57)	-	-	-	(47.57)	-
अनुभव समायोजन	(19.22)	(32.61)	(15.35)	(21.21)	(3.87)	(11.40)
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि	(66.79)	(32.61)	(15.35)	(21.21)	(51.44)	(11.40)
अन्य						
नियेक्ता द्वारा भुगतान किया गया योगदान	-	-	-	154.00	-	(154.00)
लाभ का भुगतान किया गया	(236.00)	(271.73)	(236.00)	(271.73)	-	-
लाभ जिसका भुगतान नहीं हुआ	-	-	-	-	-	-
अंतिम शेष	1933.60	2005.26	1581.44	1697.44	352.16	307.82

नियोजित परिसम्पत्तियों का विवरण

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधि*	76.96%	70.80%
उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड (उद्घृत)	19.55%	18.23%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ (उद्घृत)	2.80%	2.46%
ईटीएफ (उद्घृत)	-	0.97%
बैंक शेष	0.69%	7.54%
कुल	100.00%	100.00%

*बीमाकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम है

बीमांकित अनुमान

रिपोर्टिंग के दिनांक तक निम्नलिखित मुख्य अनुमान थे:

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमान:		
छूट की दर	7.00%	6.75%
वेतन वृद्धि दर	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष
जनसंख्या अनुमान:		
सेवानिवृत्ति की आयु	60	60
मृत्यु दर तालिका	आईएएलएम का 100% (2012-14)	आईएएलएम का 100% (2012-14)
निकासी दर % (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	3%	3%
31 से 44 वर्ष तक	2%	2%
44 वर्ष से अधिक	1%	1%

महत्वपूर्ण प्रमुख अनुमान में परिवर्तन के लिए परिभाषित लाभ देयताएं की संवेदनशीलता इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	ग्रेच्युटी			
	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में बदलाव (0.50% संचालन)	(91.26)	99.51	(92.13)	100.65
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचालन) में परिवर्तन	43.70	(47.40)	51.60	(53.83)

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता प्रत्यक्ष नहीं है और इसलिए इन के कारण परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

भुगतान में पेंशन की वृद्धि दर, सेवानिवृत्ति पूर्व पेंशन वृद्धि दर और जीवन प्रत्याशा के रूप में संवेदनशीलता नहीं लागू होती हैं।

उपर्युक्त संवेदनशीलता का विश्लेषण एक ऐसी प्रणाली के आधार पर किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल अनुमानों में होने वाले पर्याप्त परिवर्तन के परिणामस्वरूप निर्धारित लाभ देयता पर प्रभाव को बढ़ाती है। यह विश्लेषण निर्धारित लाभ देयताओं में वास्तविक परिवर्तन का उदाहरण नहीं हो सकता है क्योंकि कुछ अनुमानों में अलग-अलग परिवर्तन हो सकता है और कुछ अनुमान एक दूसरे से संबद्ध हो सकते हैं।

भविष्य के वर्षों में उपदान (ग्रेच्युटी) योजना की अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ में)

विवरण	ग्रेच्युटी	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2022 तक
एक वर्ष के अंदर	213.13	230.35
1-2 वर्ष के बीच में	149.43	193.21
2-3 वर्ष के बीच में	134.26	140.89
3-4 वर्ष के बीच में	112.14	125.91
4-5 वर्ष के बीच में	98.80	103.76
5-6 वर्ष के बीच में	87.74	91.67
6 वर्ष के बाद	1138.10	1119.47
कुल	1933.60	2005.26

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए ग्रेच्युटी योजनाओं में अपेक्षित योगदान ₹ 109.78 करोड़ रु होगा।

समीक्षाधीन अवधि के अंत में ग्रेच्युटी परिभाषित लाभ योजना देयताएं की भारत औसत 14.81 वर्ष (31 मार्च 2021 ₹ 14.95 वर्ष) है।

जोखिम एक्सपोजर

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो गतिशील प्रकृति के हैं और समय के साथ परिवर्तनशील हैं। कंपनी के समक्ष विभिन्न जोखिम जैसे वेतन वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु, विकलांगता और निकासी उपलब्ध है।

(ii) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (वित्त पोषित योजना)

कंपनी में सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) है, जिसके अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके पति / पत्नी को कंपनी के अस्पतालों / इंपाईनेल्ड अस्पतालों में मेडिकल सुविधा प्रदान की जाती है, जो कंपनी के मेडिकल नियमों के अधीन हैं। वे कंपनी द्वारा तय की गई सीमा में बाह्य रोगी के रूप में भी उपचार का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए वार्षिक देयताएं वास्तविक मूल्यांकन आधार पर मान्य की जाती हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना पर शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति)/देयताएं में संचलन:

(₹ करोड़ में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति) देयताएं	
	तक					
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
प्रारंभिक शेष	2255.85	2285.20	1948.34	1933.72	307.51	351.48
वर्ष के लाभ में सम्मिलित:						
वर्तमान सेवा लागत	39.26	39.92	-	-	39.26	39.92
पिछली सेवा लागत	-	(49.95)	-	-	-	(49.95)
ब्याज दर/(आय)	152.27	154.25	152.27	154.25	-	-
वर्ष के लाभ में शामिल	191.53	144.22	152.27	154.25	39.26	(10.03)
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में सम्मिलित:						
पुनर्भुगतान हानि (लाभ):						
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्न:						
जनसांख्यिकीय अनुमान	-	-	-	-	-	-
वित्तीय धारणा	(54.57)	-	-	-	(54.57)	-
अनुभव का समायोजन	(16.96)	(9.57)	(16.27)	(17.25)	(0.69)	7.68
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि	(71.53)	(9.57)	(16.27)	(17.25)	(55.26)	7.68
अन्य						
नियोक्ता द्वारा भुगतान किए गये अंशदान	-	-	-	41.62	-	(41.62)
भुगतान किए गये लाभ	(165.00)	(164.00)	(165.00)	(164.00)	-	-
अंतिम शेष	2210.85	2255.85	1919.34	1948.34	291.51	307.51

कंपनी की नियोजित परिसम्पत्तियों का प्रबंधन भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किया जाता है। कंपनी के फंड देयताओं के लिए ली गई बीमा पॉलिसी के संदर्भ में कंपनी द्वारा प्रबंधित एक न्यास के माध्यम से चलाया जा रहा है।

बीमांकिक मान्यताएँ

रिपोर्टिंग तिथि पर प्रमुख बीमांकिक अनुमान निम्नलिखित थे:

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमान:		
छूट की दर	7.00%	6.75%
वेतन वृद्धि दर	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष
जनसांख्यिकीय अनुमान:		
सेवानिवृत्ति की आयु	60	60
मृत्यु दर तालिका	आईएएलएम का 100% (2012-14)	आईएएलएम का 100% (2012-14)
निकासी दर: (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	3%	3%
31 से 44 वर्ष तक	2%	2%
44 वर्ष से अधिक	1%	1%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण प्रमुख अनुमानों में परिवर्तन के लिए परिभाषित लाभ देयताओं की संवेदनशीलता है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ			
	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में बदलाव (0.50% संचलन)	(100.44)	101.60	(100.99)	103.12
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में परिवर्तन	101.79	(100.97)	103.96	(101.57)

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता प्रत्यक्ष नहीं है और इसलिए इन के कारण परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

उपर्युक्त संवेदनशीलता का विश्लेषण एक ऐसी प्रणाली के आधार पर किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल अनुमानों में होने वाले पर्याप्त परिवर्तन के परिणामस्वरूप निर्धारित लाभ देयता पर प्रभाव को बढ़ाती है। यह विश्लेषण निर्धारित लाभ देयताओं में वास्तविक परिवर्तन का उदाहरण नहीं हो सकता है क्योंकि कुछ अनुमानों में अलग-अलग परिवर्तन हो सकता है और कुछ अनुमान एक दूसरे से संबद्ध हो सकते हैं।

भविष्य के वर्षों में सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना की अपेक्षित परिपक्वता का विश्लेषण:

(₹ करोड़ में)

विवरण	सेवानिवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
एक वर्ष के अंदर	133.39	147.94
1-2 वर्ष के बीच में	140.73	149.62
2-3 वर्ष के बीच में	149.11	153.04
3-4 वर्ष के बीच में	158.65	158.33
4-5 वर्ष के बीच में	169.44	165.65
5-6 वर्ष के बीच में	181.98	175.29
6 वर्ष के बाद	1277.55	1305.98
कुल	2210.85	2255.85

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा लाभ योजना में अपेक्षित योगदान 38.66 करोड़ रुपये है।

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना दायित्व की भारत औसत अवधि 12.78 वर्ष (31 मार्च 2021 को ₹. 12.42 वर्ष) है।

जोखिम की संभावना

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो प्रकृति में गतिशील हैं और समय के साथ बदलते रहते हैं, कंपनी विभिन्न जोखिमों जैसे कि चिकित्सा लागत में वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट की दर, मृत्यु दर, विकलांगता और निकासी को प्रकट करती है।

(iii) भविष्य निधि:

कंपनी पृथक न्यास को पूर्वनिर्धारित दरों पर नियत भविष्य निधि योगदान का भुगतान करती है जो अनुमत प्रतिभूतियों में धन का निवेश करती है। सदस्यों को भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट न्यूनतम दर में वापसी सुनिश्चित करना कंपनी की देयताएं हैं। तदनुसार, कंपनी ने एकचयूरी से रिपोर्ट प्राप्त की है, एकचुरियल वैल्यूएशन सर्टिफिकेट देयताओं के अनुसार जहां भी संभावित ब्याज की कमी उत्पन्न हो, के लिए, खातों में इसका प्रावधान किया गया है।

भविष्य निधि न्यास में ब्याज की कमी का विवरण:

(₹ करोड़ में)

विवरण	वर्ष के अंत तक	
	2021-22	2020-21
वर्ष के लिए बीमाकिक मूल्यांकन के आधार पर पीएफ ब्याज देयताएं में अधिकता / (कमी)	1.26	15.68
एकचुरियल वैल्यूएशन के आधार पर पीएफ ब्याज देयताएं में कमी के लिए संचित प्रावधान	13.20	14.46
पुनर्भुगतान लाभ / (हानि) अन्य व्यापक आय विवरण के माध्यम से मान्यता प्राप्त है	(1.39)	25.16
ब्याज की कमी / (अधिशेष) लाभ और हानि विवरण के माध्यम से हिसाब	(2.65)	9.48

कंपनी में विभिन्न स्थानों पर स्थित पीएफ न्यास हैं जो संबन्धित कर्मचारियों को सेवा प्रदान करते हैं और इनका प्रबंधन पृथक-पृथक है। नियोजित संपत्ति और देयताओं का विवरण निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

स्थान	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का		अधिशेष / (कमी)	
	उचित मूल्य तक					
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, रानीपुर, हरिद्वार	1664.32	1574.05	1680.03	1581.86	15.71	7.81
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि – त्रिची	935.88	986.73	929.35	984.73	(6.53)	(2.00)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि भोपाल	1394.81	1317.70	1395.61	1313.87	0.80	(3.83)
बीएचईएल नई दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि न्यास	1375.80	1291.26	1386.09	1297.88	10.29	6.62
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि – हैदराबाद	823.06	833.30	853.42	853.68	30.36	20.38
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चेन्नई	854.23	786.92	847.56	778.29	(6.67)	(8.63)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–बेंगलुरु	620.46	635.51	627.07	644.53	6.61	9.02
बीएचईएल (बीएपी यूनिट) ईपीएफ न्यास, रानीपेट	357.05	390.16	359.84	390.62	2.79	0.46
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास झांसी	455.36	437.95	468.66	447.68	13.30	9.73
भारत हेवी प्लेट्स एंड वेसेल्स लिमिटेड कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि–विजाग	145.91	141.46	179.46	172.72	33.55	31.26
कुल	8626.88	8395.04	8727.09	8465.86	100.21	70.82

भविष्य निधि पर शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति)/देयताओं में संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास (समेकित)			
	परिभाषित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य	
	तक			
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
आरम्भिक शेष	8395.04	8160.39	8465.86	8194.12
वर्ष के लिए लाभ में सम्मिलित:				
वर्तमान सेवा लागत	337.15	327.61	-	-
ब्याज लागत / (आय)	657.45	665.66	657.45	665.66
वर्ष के लाभ में शामिल:	994.60	993.27	657.45	665.66
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में सम्मिलित:				
पुनर्भुगतान हानि (लाभ):				
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्न होने वाली:				
जनसांख्यिकी अनुमान	-	-	-	-
वित्तीय अनुमान	(1.65)	-	-	-
अनुभव समायोजन	3.54	(17.87)	31.28	19.22
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि:	1.89	(17.87)	31.28	19.22
अन्य				
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	-	-	337.15	327.61
कर्मचारी अंशदान	725.84	777.25	725.84	777.25
लाभ का भुगतान किया	(1904.95)	(1804.50)	(1904.95)	(1804.50)
समायोजन/अंतरण	414.46	286.50	414.46	286.50
अंतिम शेष	8626.88	8395.04	8727.09	8465.86

नोट: घाटे वाले पीएफ न्यास के संबंध में ब्याज की कमी केवल लाभ-हानि विवरण और अन्य व्यापक आय विवरण के माध्यम से लेखांकित की गई है जैसा कि ऊपर ऊपर बिंदु (₹ 42.10 करोड़) के अंतर्गत दिखाया गया है।

नियोजित परिसम्पत्तियों का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
भारत सरकार की प्रतिभूतियां [कोटिड]	1026.09	1153.72
राज्य सरकार प्रतिभूतियां [उद्घृत]	4061.08	3694.89
कॉर्पोरेट बॉन्ड्स [उद्घृत]	3062.28	3027.71
विशेष जमा [अनकोटिड/अनउद्घृत]	384.27	417.43
लिविड फंड [उद्घृत]	14.25	2.11
अल्पावधि जमा [अनउद्घृत]	13.07	10.89
म्यूचुअल फंड एवं इक्विटी शेयर [उद्घृत]	166.05	159.11
कुल	8727.09	8465.86

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि में प्रमुख बीमांकिक अनुमान इस प्रकार थे:

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमान:		
छूट दर	7.00%	6.75%
खाता बही पर वैधानिक ब्याज दर की उम्मीद	8.10%	8.50%
निधि पर ब्याज आय में अपेक्षित कमी	0.05%	0.05%
जनसांख्यिकी मान्यताएँ:		
मृत्यु दर तालिका	आईएएलएम का 100% (2012-14)	आईएएलएम का 100% (2012-14)
निकासी दर% (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%
31 से 44 वर्ष तक	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	1.00%	1.00%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण प्रमुख धारणाओं में परिवर्तन के लिए परिभाषित लाभ देयताएं की संवेदनशीलता निम्न प्रकार से है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास			
	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में परिवर्तन (0.50% परिवर्तन)	(1.30)	1.38	(1.23)	1.28

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता महत्वपूर्ण नहीं है और इसलिए परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

भविष्य के वर्षों में अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ में)

विवरण	भविष्य निधि	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
अगले 12 महीनों के भीतर	916.15	832.06
2-5 वर्षों के बीच	1681.13	2009.34
5-10 वर्षों के बीच	2150.37	1984.72
10 वर्षों के बाद	3879.23	3568.92
कुल	8626.88	8395.04

जोखिम की संभावना

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो प्रकृति में गतिशील हैं और समय के साथ बदलते रहते हैं। जैसे कि कंपनी के पास विभिन्न जोखिमों जैसे चिकित्सा लागत में वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट की दर, मृत्यु दर, विकलांगता और निकासी उपस्थिति है।

(iv) सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावा— (निपटान भत्ता – गैर वित्त पोषित योजना)

कर्मचारी को सेवानिवृत्ति पर स्वयं व परिजनों एवं सेवा के दौरान मृत्यु होने पर परिजनों की गृह नगर या इच्छानुसार भारत में किसी भी स्थान पर पुनर्वास करने हेतु यात्रा व सामान के परिवहन के व्यय की प्रतिपूर्ति पर होने वाला व्यय निपटान भत्ता (सैटलमेंट अलाउंस) है।

निपटान भत्ता देयताओं में संचलन

विवरण	समायोजन देयता	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आरंभिक शेष	10.30	9.56
वर्तमान सेवा लागत	0.69	0.63
ब्याज दर/(आय)	0.69	0.65
वर्ष के लाभ में शामिल	1.38	1.28
बीमांकिक हानि (लाभ)	2.60	2.16
वर्ष के लिए टीसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	3.98	3.44
अन्य		
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	-	-
लाभ का भुगतान	(2.65)	(2.70)
अंतिम शेष	11.63	10.30

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि में प्रमुख बीमांकिक अनुमान इस प्रकार थे:

विवरण	समायोजन भत्ता	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमानः		
छूट दर	7.00%	6.75%
वेतन वृद्धि दर	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष
जनसांख्यिकी अनुमानः		
सेवानिवृत्ति आयु	60	60
मृत्यु तालिका	आईएएलएम का 100% (2012-14)	आईएएलएम का 100% (2012-14)
निकासी दर (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	3%	3%
31 से 44 वर्ष तक	2%	2%
44 वर्ष ऊपर	1%	1%

B. दीर्घकालीन छुट्टी देयताएं (अर्जित छुट्टी-ई एल/अर्धवैतनिक अवकाश-एचपीएल) – (गैर वित्त पोषित योजना)

कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति छमाही में 15 दिन (अधिकतम) अर्जित अवकाश और और 10 दिन का अर्ध वैतनिक अवकाश की सुविधा प्रदान करती है। अर्जित अवकाश का नकदीकरण सेवा के दौरान होता है। कंपनी नीतियों व नकदीकरण नियमों के आधार पर सेवानिवृत्ति / अधिवर्षिता आयु पर अर्जित अवकाश और अर्ध वैतनिक अवकाश एक साथ मिलाकर अधिकतम 300 दिनों तक नकदीकरण किया जा सकता है। अवकाश देयताओं को अन्य दीर्घकालिक लाभों के रूप में माना जाता है और अनुमानित यूनिट क्रेडिट एक्चुरियल विधि का उपयोग करके मूल्यांकन किया गया है।

दीर्घावधि छुट्टी देयता का संचालन

(₹ करोड़ में)

विवरण	दीर्घावधि छुट्टी देयताएं	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आरंभिक शेष	1241.74	1392.37
वर्ष के लाभ में शामिल है:		
वर्तमान सेवा लागत	142.00	157.77
ब्याज लागत (आय)	83.82	93.98
बीमांकिक हानि (लाभ)	(181.51)	(130.95)
वर्ष के लिए लाभ के रूप में मान्य कुल राशि	44.31	120.80
प्रदत्त लाभ	255.33	271.43
अंतिम शेष	1030.72	1241.74

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि को मुख्य बीमांकिक अनुमान निम्न प्रकार से हैं।

विवरण	दीर्घावधि छुट्टी देयताएं	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमान:		
छूट दर	7.00%	6.75%
वेतन में वृद्धि	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष
जनसांख्यिकी अनुमान:		
सेवा निवृत्ति आयु	60	60
मृत्यु दर	आईएएलएम का 100% (2012-14)	आईएएलएम का 100% (2012-14)
निकासी दर (सभी आयु)		
30 वर्ष तक	3%	3%
31 से 44 वर्ष तक	2%	2%
44 वर्ष से ऊपर	1%	1%

ग. पेंशन निधि

कम्पनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में पेंशन निधि (परिभाषित अंशदान योजना) के लिए 254 करोड़ रुपये (पीवाई रुपए 280 करोड़) का योगदान किया।

नोट [38] – इंडएस-24 के अनुसार प्रकटीकरण-संबंधित पक्ष

A. संबंधित पक्षों की सूची

(i)	सहायक कंपनी	बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स मशीन्स लिमिटेड* (बीएचईएल-ईएमएल)*
	संयुक्त उद्यम कंपनियां	बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (BGGTS) एननटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (NBPL) रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RPCL) पावरप्लांट प्रफोर्मेस इमप्रूवमेंट लिमिटेड (PPIL)
	रोजगार के बाद लाभ योजनाएं	भविष्य निधि न्यास ग्रेजुटी न्यास पीआरएमबी न्यास पेंशन न्यास
	अन्य	केन्द्रीय सरकार द्वारा नियंत्रित संस्थाएं

* दिनांक 11.08.2021 को बीएचईएल-बीएमएल ने अपनी हिस्सेदारी केरल सरकार को अंतरित कर दी है।

कंपनी भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और इसकी अधिकांश हिस्सेदारी भारत सरकार के पास है। महत्वपूर्ण लेन-देन अन्य सार्वजनिक उपक्रमों, राज्य के स्वामित्व वाली उपयोगिताओं, रेलवे आदि के साथ हैं, जिन्हें भारत सरकार द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से नियंत्रित भी किया जाता है। ऐसी संस्थाओं के साथ लेन-देन सामान्य है, जो बाजार संचालित दरों पर आधारित है।

(ii) अन्य संबंधित पक्ष

a. मुख्य प्रबंधक अधिकारी [केएमपी]

विवरण	पदनाम	पद कब से / कब तक
कार्यात्मक निदेशक		
श्री डॉ. नलिन सिंघल	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	
श्री सुबोध गुप्ता	निदेशक (वित्त)	
श्री कमलेश दास	निदेशक (इंजीनियरिंग, आर एंड डी)	31 जुलाई 2021 तक
श्री अनिल कपूर	निदेशक (मानव संसाधन)	31 जनवरी 2022 तक
सुश्री रेणुका गौरा	निदेशक (आईएस एवं पी)	
श्री उषिंदर सिंह मठारू	निदेशक (पावर)	21 मार्च 2022 से
कम्पनी सचिव		
श्री राजीव कालड़ा	कम्पनी सचिव	

(₹ करोड़ में)

विवरण	को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
प्रमुख प्रबंधन कर्मियों को मुआवजा		
- अल्पकालिक कर्मचारी लाभ	3.15	3.76
- रोजगार के बाद के लाभ	0.36	0.49
- अन्य दीर्घकालिक लाभ	-	-
- समाप्ति लाभ	-	-
- शेयर आधारित भुगतान	-	-

कुल

3.51

4.25

b. सरकारी निदेशक / स्वतंत्र निदेशक

नाम	सरकारी / स्वतंत्र	धारित (से / तक)
श्री शशांक प्रिय	सरकारी निदेशक	
श्री अमित मेहता	सरकारी निदेशक	18.06.2021 तक
श्री जीतेंद्र सिंह	सरकारी निदेशक	18.06.2021 से 25.03.2022 तक
श्री विजय मित्तल	सरकारी निदेशक	25.03.2022 से
श्री राजेश शर्मा	स्वतंत्र निदेशक	13.02.2022 तक
श्री राज कमल बिंदल	स्वतंत्र निदेशक	
श्री मनीष कपूर	स्वतंत्र निदेशक	
श्री डॉ. राज के अग्रवाल	स्वतंत्र निदेशक	09.11.2021 से
श्री डॉ. के शिवाप्रसाद	स्वतंत्र निदेशक	09.11.2021 से
श्रीमती डॉ. लेखासरी समांत सिंधरे	स्वतंत्र निदेशक	09.11.2021 से
श्री आदित्य प्रसाद साहू	स्वतंत्र निदेशक	29.12.2021 से

(₹ करोड़ में)

विवरण	को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
बैठक शुल्क — स्वतंत्र निदेशक	0.25	0.21

क. सेवा उपरांत लाभ योजना के साथ लेन-देन अलग ट्रस्ट के माध्यम से किया जाता है।

(₹ करोड़ में)

सरकारी निदेशक / स्वतंत्र निदेशक	सेवा उपरांत लाभ योजना	नियोक्ता द्वारा योगदान	
		31 मार्च वर्ष के अंत तक	
		2022	2021
पीआरएमबी न्यास	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा योजना	-	41.62
ग्रेच्युटी न्यास	ग्रेच्युटी	-	154.00
कर्मचारी सेवानिवृत्ति कोष	पेंशन निधि	115.00	280.00
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, रानीपुर, हरिद्वार	भविष्य निधि	55.13	52.21
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि—त्रिची	भविष्य निधि	53.43	52.97
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि भोपाल	भविष्य निधि	53.03	50.86
बीएचईएल नई दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि न्यास	भविष्य निधि	41.46	39.25
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि—हैदराबाद	भविष्य निधि	40.56	39.36
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चेन्नई	भविष्य निधि	28.21	26.34
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि—बेंगलुरु	भविष्य निधि	27.75	29.16
बीएचईएल (बीएपी यूनिट) ईपीएफ न्यास, रानीपेट	भविष्य निधि	18.58	19.24
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास झांसी	भविष्य निधि	13.19	12.77

वार्षिक समीक्षा	कॉर्पोरेट प्रोफाइल	निदेशक मण्डल रिपोर्ट	वित्तीय विवरण	अतिरिक्त जानकारी	सूचना
भारत हैवी प्लेट्स एंड वेसल्स लिमिटेड कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि-विभाग	भविष्य निधि			5.81	5.45

C. संयुक्त उपक्रम और शेष राशि के साथ लेनदेन का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
उत्पाद एवं सेवाओं की बिक्री		
बीजीजीटीएस	281.48	215.85
आरपीसीएल	3.27	7.80
एनबीपीपीएल	3.83	10.86
लाभांश आय		
बीजीजीटीएस	30.35	21.42
रॉयल्टी आय		
बीजीजीटीएस	1.80	1.46
उत्पाद एवं सेवाओं का क्रय		
बीजीजीटीएस	1.04	1.96
एनबीपीपीएल	1.52	0.75
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशि		
बीजीजीटीएस	143.55	68.79
आरपीसीएल	550.90	552.00
एनबीपीपीएल	263.89	195.56
वर्ष के अंत में बीएचईएल (अग्रिम सहित) से देय राशि		
बीजीजीटीएस	0.11	0.15
आरपीसीएल	20.95	7.67
एनबीपीपीएल	67.95	56.79
संदिग्ध ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रावधान		
आरपीसीएल	20.17	20.10
एनबीपीपीएल	188.70	187.98

नोट: निवेश के मूल्य में कमी के प्रावधान के लिए संदर्भ नोट (5) देखें

D. सहायक कंपनी के साथ लेनदेन का विवरण और शेष

(₹ करोड़ में)

सहायक कंपनी	को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशि	-	3.94
वर्ष के अंत में बीएचईएल (अग्रिम सहित) से देय राशि	-	0.77
संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	3.70

दिनांक 11.08.2021 को बीएचईएल-बीएमएल में अपनी हिस्सेदारी को केरल सरकार को अंतरित कर दी है।

नोट [39] - प्रकटीकरण (प्रावधान में संचलन) – इंड एस – 37

(₹ करोड़ में)

a. परिनिर्धारित हर्जाना	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आरंभिक शेष	9511.80	8467.67
जोड़ें: परिवर्धन	152.07	1546.68
घटाएँ: उपयोग / राईट ऑफ / भुगतान	111.76	98.36
घटाएँ निकासी / समायोजन	992.91	404.19
अंतिम शेष	8559.20	9511.80

कंपनी के लेखांकन नीति के अनुरूप परिनिर्धारित हर्जाने का प्रावधान किया गया है और इसे निपटान या अन्यथा खातों में उपयुक्त तरीके से लिखा जाता है। परिनिर्धारित हर्जाने से संबंधित आकस्मिक देयताओं को नोट 32 के पैरा ए (जी) में दिखाया गया है।

(₹ in Crore)

b. अनुबंधनात्मक देयताएं	तक	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आरंभिक शेष		
जैसा कि नोट (19)	3992.45	4319.11
जैसा कि नोट (6) में	723.45	736.93
जैसा कि नोट (9) में	699.86	483.12
जोड़ें: उधार लागत	155.78	141.68
जोड़ें: परिवर्धन	277.50	447.20
घटाएँ: पीवी समायोजन	107.45	194.95
घटाएँ: उपयोग/राईट ऑफ/भुगतान	88.78	87.56
घटाएँ: निकासी/समायोजन	438.94	418.48
जोड़ें / (कम): अनुमान और दरों में परिवर्तन	(18.11)	(11.29)
अंतिम शेष		
जैसा कि नोट (19) में	3855.48	3992.45
जैसा कि नोट (6) में	708.05	723.45
जैसा कि नोट (9) में	632.23	699.86
	5195.76	5415.76

अनुबंध के नियमों और शर्तों के अनुसार वारंटी देयताओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीति संख्या 11 के अनुरूप पैसे के समय मूल्य के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए संविदात्मक दायित्व का प्रावधान किया गया है। अनुबंध के वारंटी दायित्वों के पूरा होने तक इसे बरकरार रखा जाता है। वारंटी दायित्व पर वास्तविक खर्च अनुबंध से अनुबंध और संबंधित अनुबंध के नियमों और शर्तों के आधार पर साल-दर-साल भिन्न हो सकते हैं। नोट 6 और 9 में बी एंड डी ऋणों के लिए गैर-चालू भत्ते में खुलासा पूरी तरह से प्रदान की गई परियोजनाओं से बकाया राशि से संबंधित संविदात्मक दायित्व शामिल हैं।

अनुभव/तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर और महत्वपूर्ण लेखा नीति संख्या के अनुरूप 11 (ii) बोर्ड द्वारा विधिवत अनुमोदित, कंपनी ने वारंटी के लिए प्रत्याशित लागत का पुनर्मूल्यांकन किया है। नतीजतन, वित्त वर्ष 2021-22 में संविदात्मक दायित्व प्रावधान में वृद्धि ₹293.51 करोड़ से कम रही है।

नोट [40] - प्रकटीकरण – ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व –इंड एस-115

क. ह्रास प्रावधानों में संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	2021-22		2020-21	
	व्यापार प्राप्तियां	अनुबंध की संपत्ति	व्यापार प्राप्तियां	अनुबंध की संपत्ति
आरंभिक शेष	4887.12	1142.25	5427.64	822.98
जोड़ें: परिवर्धन	344.18	146.78	677.99	337.37
घटायें: बट्टा	216.42	-	49.34	-
कम: बट्टे में डाला	700.09	98.49	1169.17	18.10
अंतिम शेष	4314.79	1190.54	4887.12	1142.25

ख. ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व का विभाजन

(₹ करोड़ में)

विवरण	पावर		औद्योगिक		कुल
	भारत के भीतर	भारत से बाहर	भारत के भीतर	भारत से बाहर	

2021-22

ग्राहकों से राजस्व

राजस्व मान्यता का समय

(a) सही समय पर (उत्पाद/सेवाएं)

2035.30 22.46 3952.87 35.65 6046.28

(b) समय के बाद (परियोजनाएं)

11844.60 1458.89 802.88 0.73 14107.10

2020-21

ग्राहकों से राजस्व

राजस्व मान्यता का समय

(a) सही समय पर (उत्पाद/सेवाएं)

1902.18 10.00 3780.92 21.30 5714.40

(b) समय के बाद (परियोजनाएं)

7650.09 1823.78 1107.28 - 10581.15

(₹ करोड़ में)

विवरण	2021-22		2020-21	
	पावर	औद्योगिक	पावर	औद्योगिक
ग्राहकों से राजस्व				
सीपीएसयू	3807.92	1405.00	2824.59	1791.55
टीएसजीईएनसीओ	2644.40	-	1664.61	-
टीएनजीईडीसीओ	1669.85	-	692.45	-
बीआईएफपीसीएल (बांग्लादेश)	1381.44	-	1653.65	-

c. अनुबंध शेष (प्रावधानों का सकल)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
व्यापार प्राप्तियां	6228.59	7213.37
अनुबंध परिसंपत्तियां (असंबद्ध राजस्व सहित)	26939.87	24079.25
अनुबंध देयताएं	6047.76	6863.68

d. मान्यता प्राप्त अनुबंध राजस्व

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
मान्यता प्राप्त राजस्व पर अनुबंध देनदारियाँ (ग्राहक अग्रिमों का समायोजन और वर्ष के दौरान मूल्यांकन समायोजन)	3592.89	3591.86
पिछले वर्ष के निष्पादन देयताएं संतुष्टि पर मान्यता प्राप्त राजस्व (अनुबंध राजस्व में बदलाव के कारण प्रभाव)	94.41	92.96

विद्युत परियोजनाओं की स्थापना एक दीर्घ चक्रीय व्यवसाय है, जहां कंपनी द्वारा प्राप्त अनुबंध या तो ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रिक्वोरमेंट और कमीशनिंग) या बीटीजी पैकेज (यानी बॉयलर, टर्बाइन और जनरेटर पैकेज) हैं। 3 से 5 वर्ष के बीच अनुबंध की सामान्य निष्पादन अवधि के साथ विद्युत परियोजनाएं लंबी अवधि की परियोजनाएं हैं। बीएचईएल सेवाओं के दायरे में उपकरण की आपूर्ति, निर्माण, कमीशनिंग, प्लांट को ग्रिड से सिंक्रोनाइज करना, ट्रायल ऑपरेशन को पूरा करना और गारंटीकृत पैरामीटर प्रदान करना सम्मिलित है।

यद्यपि समग्र दायरे में कई घटक हैं, ऐसी परियोजनाओं को आमतौर पर एक प्रदर्शन दायित्व माना जाता है। नियंत्रण निष्पादन अवधि पर एक साथ स्थानांतरित होता है क्योंकि इकाई समय में असतत बिंदुओं के बजाय समग्र रूप से निष्पादन कार्य करती है और इसलिए प्रगति की माप के आधार पर समय की अवधि में राजस्व को मान्यता दी जाती है (इनपुट लागत विधि)

नोट [41]

वैश्विक स्तर पर कोविड 19 महामारी के प्रसार के परिणामस्वरूप आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान और धीमी गति का कारण बना। इसने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान कंपनी के संचालन को प्रभावित किया, जिसमें उत्तरोत्तर सुधार हुआ। इन वित्तीय विवरणों के अनुमोदन की तिथि तक की आंतरिक और बाहरी जानकारी के आधार पर, कंपनी को अपनी परिसंपत्तियों, निवेशों, व्यापार प्राप्तियों, अनुबंध परिसंपत्तियों और इन्वेंट्री की अग्रणीत राशि की वसूली की उम्मीद है। कंपनी भविष्य की आर्थिक स्थितियों की निगरानी करना और अपने वित्तीय विवरणों पर इसके प्रभाव का आकलन करना जारी रखेगी।

नोट [42] - इंड एस-107 के अनुसार प्रकटीकरण [वित्तीय विलेख – लेखा वर्गीकरण और उचित मूल्य मापन]

- a. नकद और नकद समकक्ष, बैंक शेष, ऋण, व्यापार प्राप्त्य, व्यापार देय और अन्य के धारित मूल्य का युक्तिसंगत उनकी वहन राशि का अनुमान लगाते हैं। व्यापार प्राप्तियों का मूल्यांकन अपेक्षित ऋण हानियों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। मूल्यांकन तकनीक द्वारा वित्तीय साधनों के उचित मूल्य का निर्धारण और खुलासा करने के लिए कंपनी निम्नलिखित पदानुक्रम का उपयोग करती है:

उचित मूल्य पदानुक्रम

मूल्यांकन तकनीक में उपयोग किए गए इनपुट के आधार पर वित्तीय विलेखों का उचित मूल्य निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

स्तर 1: समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्य (असमायोजित)

स्तर 2: स्तर 1 के भीतर सम्मिलित किए गए उद्धृत मूल्य के अतिरिक्त अन्य इनपुट जो कि संपत्ति या देयताएं के लिए प्रत्यक्ष हैं (यानी, कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (यानी, कीमतों से प्राप्त)

स्तर 3: संपत्ति या देयताएं के लिए इनपुट जो अवलोकन योग्य बाजार डेटा (अप्रचलित इनपुट) पर आधारित नहीं हैं।

(₹ करोड़ में)

b. वित्तीय परिसंपत्ति/देयताएं वर्गीकरण	आगे ले जाने वाली राशि	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां		
व्यापार प्राप्तियां	6228.59	7213.37
नकद और नकद समकक्ष	732.62	1527.18
अन्य बैंक शेष	6421.07	5174.25
अन्य वित्तीय संपत्ति	298.29	325.57
लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय संपत्ति		
निवेश (इक्विटी इंस्ट्रूमेंट)	3.29	3.58
परिशोधन लागत पर वित्तीय देनदारियां		
व्यापार देनदारियां	9881.52	8558.82
अन्य वित्तीय देयताएं	1339.19	1134.37
लीज देयताएं	84.93	101.61
अल्पकालिक कर्ज	4745.00	4833.78

(₹ करोड़ में)

उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय मूल्य और देनदारियां – आवर्ती उचित मूल्य माप	स्तर 3 पदानुक्रम	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
वित्तीय परिसंपत्ति:		
अनकोटिड इक्विटी उपकरणों में निवेश	3.29	3.58

c. उचित मूल्य निर्धारित करने हेतु अनुप्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक

अनकोटिड इक्विटी विलेखों का उचित मूल्य स्तर 3 इनपुट का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है, जिसमें प्रति शेयर शुद्ध संपत्ति मूल्य के आधार पर निवेशकर्ता कंपनी के वित्तीय विवरणों के इनपुट सम्मिलित होते हैं।

एफवीटीपीएल परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत निर्विवाद इक्विटी शेयरों के उचित मूल्य माप का सामंजस्य

मार्च 31, 2021 तक	3.58
उचित मूल्य में परिवर्तन	(0.29)
मार्च 31, 2022 तक	3.29

वित्तीय जोखिम प्रबंधन

उद्देश्य और नीतियां

कंपनी की गतिविधियों के समक्ष किसी भी कंपनी के स्वाभाविक व्यावसायिक प्रकटीकरण से उत्पन्न विभिन्न व्यावसायिक जोखिम होते हैं। वित्तीय जोखिम का प्रबंधन हमेशा कंपनी की व्यावसायिक रणनीतियों और नीतियों का एक अभिन्न अंग रहा है। कंपनी अपने विभिन्न हितधारकों की जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुरूप वित्तीय जोखिमों को दूर करने के लिए समय-समय पर अपनी नीतियों और दिशानिर्देशों की समीक्षा करती है और उन्हें संरेखित करती है। वित्तीय विलेखों के उपयोग से जोखिम को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:

- क) क्रेडिट जोखिम
- ख) लिक्विडिटी जोखिम
- ग) बाजार जोखिम

यह नोट उपर्युक्त जोखिमों में से प्रत्येक के लिए कंपनी के जोखिम के बारे में जानकारी प्रस्तुत करता है जोखिम को मापने और प्रबंधित करने के लिए कंपनी के उद्देश्य, नीतियां और प्रक्रियाएं और कंपनी की पूंजी का प्रबंधन सम्मिलित है। इन वित्तीय विवरणों में आगे मात्रात्मक प्रकटीकरण सम्मिलित हैं।

जोखिम प्रबंधन संरचना

बीएचईएल के पास एक बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति है जो कंपनी में जोखिम प्रबंधन के लिए समग्र रूपरेखा प्रदान करता है। चार्टर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपयुक्त जोखिम शमन उपायों को अपनाकर जोखिमों की सही पहचान, आकलन और प्रभावी तरीके से प्रबंधन किया जाना है। कंपनी के पास 3-स्तरीय जोखिम प्रबंधन ढांचा है। पहले स्तर पर, कंपनी के बोर्ड स्तर के जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) को कंपनी के जोखिम शासन संरचना, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे, दिशानिर्देशों, नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। दूसरे स्तर पर जोखिम प्रबंधन संचालन समिति (आरएमएससी) जोखिम प्रबंधन ढांचे को अपनाने और लागू करने और कंपनी में जोखिम प्रबंधन पहल का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार है। प्रमुख जोखिम अधिकारी (सीआरओ) बीएलआरएमसी और आरएमएससी के संयोजक होने के नाते बोर्ड / बीएलआरएमसी को जोखिम प्रबंधन पर आवधिक रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है। कंपनी के सामने आने वाले प्रमुख जोखिमों का विश्लेषण यूनिट स्तर से उनके संबंधित क्षेत्रों के लिए जोखिम शमन योजना तैयार करने और कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

क) क्रेडिट जोखिम का प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम को व्यापार करने के जोखिम संतुलन का एक अभिन्न अंग माना जाता है। बीएचईएल भारत और विदेश में सरकारी क्षेत्रों (राज्य उपयोगिताओं, सार्वजनिक उपक्रमों, रेलवे और अन्य सरकारी विभागों आदि) और निजी क्षेत्रों से संबंधित विद्युत परियोजनाओं की स्थापना में सम्मिलित है। परियोजनाओं को आमतौर पर वित्तीय संस्थानों / बैंकों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है या भुगतान लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) द्वारा कवर किया जाता है। परियोजना की अवधि 3 से 5 वर्ष तक होती है और भुगतान को आमतौर पर अग्रिम, प्रगति भुगतान, मील के पत्थर के भुगतान और इस प्रकार की परियोजनाओं के पूरा होने पर जारी किए जाने वाले रिटेंशन सहित अनुबंध की शर्तों के अनुसार चरणों में प्राप्त किया जाता है। चूंकि अधिकांश ग्राहक सरकारी क्षेत्र से संबंधित हैं, इसलिए कुल प्राप्तियों का 79% इस तथ्य के साथ मिलकर बनता है कि कंपनी स्वयं एक सीपीएसई है, क्रेडिट जोखिम अपेक्षाकृत कम है। निजी क्षेत्रों के ग्राहकों के संबंध में, भुगतान की शर्तें मुख्य रूप से एलसी के माध्यम से हैं। कंपनी ने संगठन के भीतर विभिन्न स्तरों पर प्राप्तियों के लिए अच्छी तरह से समीक्षा तंत्र स्थापित किया है, ताकि कंपनी की नीतियों, प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों के अनुरूप उचित ध्यान और ध्यान केंद्रित किया जा सके। कंपनी क्रेडिट हानि या लाभ का आकलन करने के लिए अपेक्षित क्रेडिट लॉस मॉडल का उपयोग करती है और उसी का खुलासा अन्यत्र किया जाता है। इसके अतिरिक्त, किसी भी घटना से निपटने के लिए पर्याप्त प्रावधान बनाए हुए हैं।

i) क्रेडिट जोखिम का विवरण

वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि अधिकतम ऋण जोखिम का प्रतिनिधित्व करती है। रिपोर्टिंग तिथि पर क्रेडिट जोखिम के लिए अधिकतम जोखिम था:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए 12 महीने की अनुमानित क्रेडिट हानि (ईसीएल) का उपयोग करके हानि भत्ता मापा जाता है		
नकद और नकद समकक्ष	732.62	1527.18
अन्य बैंक शेष	6421.07	5174.25
अन्य वित्तीय शेष	298.29	325.57
वित्तीय परिसंपत्तियाँ, जिनके लिए हानि भत्ता को लाइफ टाइम एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस (ईसीएल) हानि सहित मापा जाता है।		
व्यापार प्राप्तियाँ	6228.59	7213.37

ऋण जोखिम पर एकाग्रता— भौगोलिक	कुल राजस्व का प्रतिशत	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
भारत के भीतर	93%	92%
भारत से बाहर	7%	8%
कुल	100%	100%

निम्न प्रकार के प्रतिपक्षों से व्यापार प्राप्य, अनुबंध संपत्ति एवं अन्य प्राप्य के प्रति कंपनी का क्रेडिट रिस्क एक्सपोजर इस प्रकार हैं —

विवरण	कुल राजस्व का प्रतिशत	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
रेलवे और सरकारी विभाग सहित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	37%	36%
राज्य विद्युत बोर्ड	42%	43%
निजी ग्राहक और अन्य	14%	13%
निर्यात	7%	8%
कुल	100%	100%

ii) क्षति नुकसान

(क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि का उपयोग करके हानि भत्ता को मापा जाता है

कंपनी के पास संपत्ति है जहां प्रतिपक्ष के पास देयताएं को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है और जहां धोखाधड़ी/डिफॉल्ट की सम्भावना बहुत कम है।

वर्ष के दौरान ऋण के संबंध में हानि के भत्ते में संचलन इस प्रकार था:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
1 अप्रैल को शेष राशि	31.95	32.38
मान्य क्षति ह्रासध्वष्टे खाते में डालना / आहरित	(17.39)	(0.43)
मार्च 31 तक शेष	14.56	31.95

(ख) क्षति हानि प्रावधानों का सामंजस्य

वर्ष के दौरान व्यापार प्राप्य और अनुबंध परिसंपत्तियों के संबंध में हानि के भत्ता में संचलन इस प्रकार था:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
1 अप्रैल को शेष राशि	6029.37	6250.62
मान्य क्षति ह्रास	490.97	1015.36
बढ़ाकृत / आहरित राशि	(1015.01)	(1236.61)
मार्च 31 तक शेष	5505.33	6029.37

कंपनी सरप्लस फंडों में निवेश करती है, जो डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप बोर्ड द्वारा अनुमोदित कंपनी की निवेश नीति के अनुसार है। नकदी और नकद समकक्षों और सावधि जमाओं पर क्रेडिट जोखिम बहुत सीमित है क्योंकि कंपनी आमतौर पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा सौंपी गई उच्च क्रेडिट रेटिंग के साथ जमा में निवेश करती है।

ख) परिसमापन/लिव्विडिटी जोखिम का प्रबंधन

कंपनी सावधि जमा सहित पर्याप्त नकदी और नकदी समतुल्य बनाए रखने और क्रेडिट सुविधाओं से पर्याप्त मात्रा में धन की उपलब्धता को बनाए रखते हुए और जब भी देय हो, लिव्विडिटी जोखिम का प्रबंधन करती है। मजबूत नकदी प्रबंधन प्रणाली और नकदी प्रवाह की नियमित निगरानी प्रबंधन को वां भ्र में अपनी निधि की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्रोतों की योजना बनाने और बनाए रखने में सक्षम बनाती है। पर्याप्त नकदी और बैंक शेष के अतिरिक्त, कंपनी को ऋण की सुविधा प्राप्त है। कंपनी आंतरिक संविलेखों से अपने सभी फंड की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, अर्थात् परिचालन से उत्पन्न धन और निवेश पर रिटर्न का अनुकूलन करने के लिए बेहतर ट्रेजरी प्रबंधन संचालन के लिए अल्पकालिक उधार के माध्यम का उपयोग किया जाता है।

संविदात्मक नकदी प्रवाह के आधार पर, गैर-व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियों की संविदात्मक परिपक्वता निम्नलिखित हैं:

(₹ करोड़ में)

वित्तीय देनदारियां	31 मार्च, 2022 को		31 मार्च, 2021 को	
गैर-व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं	1 वर्ष के भीतर	1 वर्ष से अधिक	1 वर्ष के भीतर	1 वर्ष से अधिक
व्यापार देनदारियां	7749.59	2131.93	6675.05	1883.77
ठेकेदारों और अन्य लोगों से जमा	431.36	206.45	447.75	211.01
वित्त पट्टा देयताएं	49.81	35.12	48.20	53.41
अन्य देय/देयताएँ				
कर्मचारी बकाया	214.05	-	117.61	-
अन्य बकाया राशि	397.85	-	294.80	-
कैपेक्स बकाया	80.83	8.65	57.49	5.71
लघु अवधि की उधारी	4745.00	-	4833.78	-
कुल	13668.49	2382.15	12474.68	2153.90

ग) बाजार जोखिम का प्रबंधन

कंपनी के समक्ष अपने परिचालन से उत्पन्न होने वाले कुछ मुद्रा, माल, ब्याज दर जोखिम होते हैं। विदेशी मुद्रा जोखिमों को कवर करने के लिए कंपनी के पास विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है। प्रमुख वस्तुओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव से कंपनी को अप्रभावित रखने के लिए, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों सहित आपूर्ति शृंखला भागीदारों के साथ दावों के माध्यम से मूल्य समझौते सहित रूपरेखा समझौते नियमित रूप से किए जा रहे हैं। ऑपरेशन से उत्पन्न अधिशेष निधियों को केवल पीएसयू बैंकों या बड़े-बड़े निजी बैंकों के साथ अल्पावधि जमा में निवेश किया जाता है और सार्वजनिक क्षेत्र के म्युचुअल फंडों की ऋण आधारित योजनाओं में, जिससे जोखिम कम हो जाता है।

विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोजर — रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी का विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोजर निम्नानुसार हैं:

- (i) दिनांक 31.03.2022 को रुके हुये और शेष व्युत्पन्न विलेख शून्य (पिछला वर्ष का शून्य है) है
(ii) विदेशी मुद्रा एक्सपोजर जो एक व्युत्पन्न उपकरण द्वारा या अन्यथा नहीं किया जाता है निम्नानुसार हैं:

विदेशी मुद्रा मिलियन में
(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को		31 मार्च, 2021 को		31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
	यूरो	समतुल्य भा.रु.	यूरो	समतुल्य भा.रु.	अन्य भा.रु.	अन्य भा.रु.
संपत्तियां						
व्यापार प्राप्य	61.72	520.18	101.84	871.66	3.16	1.35
अनुबंध की संपत्ति	327.57	2753.33	239.80	2056.26	35.27	66.87
अन्य संपत्ति	0.93	7.56	13.68	110.08	21.98	144.71
उप कुल (A)	390.22	3281.07	355.32	3038.00	60.41	212.93
देयताएं						
ग्राहक से अग्रिम	36.42	242.50	41.03	281.34	39.47	40.97
व्यापार का भुगतान और अन्य	101.40	869.73	39.42	343.91	131.99	107.92
उप कुल (B)	137.82	1112.23	80.45	625.25	171.46	148.89
संपत्ति (शुद्ध देयताएं) (क-ख)	252.40	2168.84	274.87	2412.75	(111.05)	64.04

विवरण	यूएसडी	समतुल्य भा.रु.	यूएसडी	समतुल्य भा.रु.
संपत्तियां				
व्यापार प्राप्य	64.88	489.70	79.62	582.87
अनुबंध संपत्ति	333.77	2517.59	316.33	2315.32
अन्य संपत्ति	6.08	45.30	0.90	6.79
उप कुल (क)	404.73	3052.59	396.85	2904.99
देयताएं				
ग्राहक से अग्रिम	78.92	457.24	115.93	675.39
व्यापार का भुगतान और अन्य	161.30	1231.18	144.50	1070.18
लघु अवधि की उधारी	-	-	46.68	345.06
उप कुल (ख)	240.22	1688.42	307.11	2090.63
संपत्ति (शुद्ध देयताएं) (क-ख)	164.51	1364.17	89.74	814.36

उपर्युक्त आंकड़े प्रावधानों के शुद्ध हैं, यदि कोई हो

संवेदनशीलता विश्लेषण

भारतीय रुपये के अमरीकी डालर, यूरो और अन्य की तुलना में मजबूत / कमजोर होने के प्रभाव को वर्षांत लाभ या हानि के रूप में नीचे दिखाया गया है। यह विश्लेषण विदेशी मुद्रा विनिमय दर संस्करण पर आधारित है जिसे कंपनी ने समीक्षाधीन अवधि के अंत में यथोचित रूप से संभव माना है। विश्लेषण पिछले वर्ष के लिए इसी आधार पर किया जाता है, यद्यपि विदेशी मुद्रा विनिमय दर संस्करण भिन्न था, जैसा कि नीचे बताया गया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण				
	31 मार्च, 2022		31 मार्च, 2021	
लाभ पर प्रभाव / (हानि)	मजबूत	कमजोर	मजबूत	कमजोर
1% संचलन				
यूरो	21.69	(21.69)	24.13	(24.13)
यूएसडी	13.64	(13.64)	8.14	(8.14)
अन्य	(1.11)	1.11	0.64	(0.64)

d. पूंजी प्रबंधन

क्रियाशील इकाई के रूप में पूंजी प्रबंधन करते हुए कंपनी का उद्देश्य अपनी पूंजी को सुरक्षित, संरक्षित रखना और इसमें वृद्धि करना है ताकि शेयरधारकों को अधिकतम लाभ प्रदान किया जा सके, अन्य हितधारकों को लाभ प्रदान किया जा सके और पूंजी लागत को कम करने के लिए एक इष्टतम पूंजी संरचना बनाए रखी जा सके। निदेशक मंडल इक्विटी शेयरधारकों को लाभांश के स्तर की भी मॉनिटरिंग करते हैं। कंपनी समान्यतः उद्योग द्वारा और रेटिंग एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई वित्तीय अनुपातों के आधार पर मध्यम कालिक दृष्टिकोण व दीर्घकालिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए पूंजी को मॉनिटर करती है। कंपनी बाह्य पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है। कंपनी की पूंजी संरचना को विभिन्न वित्तीय अनुपातों के अनुसार प्रबंधित किया जाता है जैसा की उच्चतम क्रेडिट रेटिंग बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

नोट [43] - परिचालन खंड

संबंधित व्यावसायिक क्षेत्रों द्वारा बुक किए गए आदेशों के आधार पर सेगमेंट की पहचान 'पावर' और 'इंडस्ट्री' के रूप में की गई है। अंतर्राष्ट्रीय परिचालन समूह द्वारा बुक किए गए ऑर्डर को पावर या इंडस्ट्री में ले जाया जाता है; जैसा कि मामला हो सकता है।

कंपनी की कार्यकारी निदेशकों की समिति को मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) के रूप में पहचाना गया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	वर्षांत 31 मार्च 2022			वर्षांत 31 मार्च 2021		
	पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
I. खंड राजस्व						
बाहरी-परिचालन राजस्व	15361.25	4792.13	20153.38	11386.05	4909.50	16295.55
II. खंड परिणाम						
अ. खंड परिणाम	1949.24	(39.02)	1910.22	(1246.16)	(850.48)	(2096.64)
आ. गैर-आबंटित व्यय (शुद्ध आय)			1118.55			1141.87
इ. वित्त लागत और आयकर से पूर्व लाभ (अ) - (आ)			791.67			(3238.51)
ई. वित्त लागत (ब्याज सहित छूट)			354.72			373.09
उ. आयकर से पूर्व शुद्ध लाभ (इ) - (ई)			436.95			(3611.60)
ऊ. आयकर			26.71			(894.46)
ऋ. आयकर के बाद शुद्ध लाभ (उ) - (ऊ)			410.24			(2717.14)
III. परिसंपत्तियां और देयताएं						
अ. खंड संपत्ति	37196.23	8194.28	45390.51	35954.72	8417.10	44371.82
आ. आम संपत्ति			11317.81			11329.42
इ. कुल संपत्ति			56708.32			55701.24
ई. खंड देयताएं	20096.06	4754.42	24850.48	19221.65	4444.28	23665.93
उ. सामान्य देयताएं			4886.68			5551.26
ऊ. कुल देयताएं			29737.16			29217.19
IV. अन्य सूचनाएं						
अ. पूंजीगत व्यय	140.56	55.40		112.23	38.05	
आ. अवमूल्यन और परिशोधन	209.45	71.29		306.68	118.48	
इ. गैर नकद व्यय (मूल्यह्रास और परिशोधन के अतिरिक्त)	(1241.57)	(62.11)		1302.02	499.07	

(₹ करोड़ में)

भौगोलिक क्षेत्र	भारत के भीतर	भारत से बाहर	कुल	भारत के भीतर	भारत से बाहर	कुल
1. शुद्ध बिक्री/राजस्व से परिचालन	18635.65	1517.73	20153.38	14440.47	1855.08	16295.55
2. गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ (पीपीई और अमूर्त परिसंपत्तियाँ)	2812.21	17.23	2829.44	2881.46	26.42	2907.88
3. पूंजीगत व्यय	225.32	5.77	231.09	253.40	2.45	255.85

प्रमुख ग्राहक-बीएचईएल के कुल राजस्व का 10% से अधिक एकल ग्राहक से राजस्व का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
सीपीएसयू	3807.92	1405.00	5212.92	2824.59	1791.55	4616.14
टीएसजीईएनसीओ	2644.40	-	2644.40	1664.61	-	1664.61

नोट [44] - अनुपात

विवरण	अंश	हर	2021-22	2020-21	% भिन्नता	भिन्नता का कारण
क. चालू अनुपात	कुल चालू परिसंपत्तियां	कुल चालू देयताएं	1.30	1.39	6.51	कार्यशील पूंजी प्रबंधन पर लगातार ध्यान देने से अनुपात में 6% से अधिक का सुधार हुआ।
ख ऋण-इक्विटी अनुपात	कंपनी पर कोई दीर्घावधि ऋण नहीं है और इसलिए ये अनुपात लागू नहीं होते हैं।					
ग. ऋण कवरेज अनुपात						
घ. कार्यशील पूंजी के लिए दीर्घावधि ऋण						
ङ. ब्याज कवरेज अनुपात						
च. कुल ऋण और कुल संपत्ति अनुपात	कुल ऋण	कुल परिसंपत्ति	0.085	0.089	3.87	बेहतर अनुपात कम ऋण और बेहतर ट्रेजरी प्रबंधन को दर्शाता है।
छ. मालसूची आवर्त अनुपात	ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व	औसत मालसूची (निवल)	2.93	2.02	44.77	बेहतर मालसूची प्रबंधन, खरीद को निष्पादन समय-सीमा और विनिर्माण प्रक्रिया समय के साथ जोड़ने के प्रति कंपनी के दृष्टिकोण से अनुपात में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।
ज. व्यापार प्राप्य राशियां आवर्त अनुपात	ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व	औसत व्यापार प्राप्य राशियां (शुद्ध)	3.00	1.73	73.47	अनुक्रमिक आपूर्ति और ग्राहकों की बकाया राशि के परिसमापन के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण के कारण अनुपात में सुधार हुआ है, जिससे व्यापार प्राप्य राशि का आंकड़ा पिछले 10 वर्षों में अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गया है।
झ. लेनदारी लेखों के अशोध्य ऋण प्राप्य अनुपात	बट्टे खाते में डाले गए अशोध्य ऋण	सकल व्यापार प्राप्य राशियां	0.012	0.007	64.51	तुलन पत्र में परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार करना
ञ. चालू देयताएं अनुपात	चालू देयताएं	कुल देयताएं	0.72	0.70	3.34	बेहतर परियोजना निष्पादन के कारण बेहतर विक्रेता भुगतान शर्तों और गैर-चालू अनुबंध देयताओं में कमी के माध्यम से मामूली परिवर्तन
ट. व्यापार देय आवर्त अनुपात	क्रय और उपसंविदा	औसत व्यापार देनदारी	1.54	1.17	31.71	चलनिधि प्रबंधन और ग्राहक भुगतान शर्तों से विक्रेता भुगतान शर्तों के अलाइनमेंट में सुधार और परिचालन में वृद्धि के कारण सामग्री की खपत में वृद्धि से अनुपात में वृद्धि हुई है। व्यापार देय का बड़ा हिस्सा अनुबंध के कारण 31 मार्च 2022 तक भुगतान के लिए देय नहीं था।
ठ. शुद्ध पूंजी आवर्त अनुपात	ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व	कुल चालू परिसंपत्ति – कुल चालू देयताएं	3.10	2.03	52.72	व्यापार प्राप्य राशियाँ और मालसूची पर ध्यान देने के साथ राजस्व में वृद्धि और प्रभावी समग्र खजाना प्रबंधन में उल्लेखनीय रूप से सुधार किया गया
ड. इक्विटी अनुपात पर प्रतिलाभ	वर्ष के लिए लाभ (पीएटी)	औसत कुल इक्विटी-ओसीआई	1.51%	(9.62%)	115.74	समग्र रूप से बेहतर लाभप्रदता मापदंड के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं: – (i) राजस्व में वृद्धि
ढ. परिचालन लाभ अनुपात	ब्याज, मूल्यह्रास और कर पूर्व लाभ – अन्य आय	परिचालन से राजस्व	3.48%	(18.11%)	119.21	(ii) पिछले कुछ वर्षों में मजबूत तुलन पत्र
ण. निवल लाभ अनुपात	वर्ष के लिए लाभ (पीएटी)	परिचालन से राजस्व	1.93%	(15.70%)	112.32	(iii) अन्य परिचालन आय बढ़ाने पर ध्यान
त. प्रयुक्त पूंजी पर प्रतिलाभ	ब्याज और कर पूर्व अर्जन	प्रयुक्त पूंजी = कुल इक्विटी - CWIP - विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्ति – आस्थगित कर परिसंपत्ति	3.44%	(14.45%)	123.80	(iv) लंबित ग्राहक मुद्दों का निपटान (v) रणनीतिक बजट नियंत्रण उपाय (vi) कंपनी के पक्ष में पिछले मामलों के निपटारे और धन वापसी की प्राप्ति के लिए कर अधिकारियों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई
थ. निवेश पर प्रतिलाभ	लागू नहीं					
द. निवल मालियत (₹ ६ करोड़)	शेयर पूंजी+रिजर्व और अधिशेष		26971.16	26484.05	1.84	जैसा कि ऊपर बताया गया है, बेहतर लाभप्रदता से उच्च निवल मूल्य प्राप्त हुआ है
ध. कर पश्चात लाभ (₹ ६ करोड़)	कर पश्चात लाभ		410.24	(2,717.14)	115.10	ऊपर बताए अनुसार बेहतर लाभप्रदता
न. प्रति शेयर अर्जन (₹)	वर्ष के लिए लाभ (पीएटी)	भारित औसत शेयरों की संख्या	1.18	(7.80)	115.10	
न. पूंजी मोचन आरक्षित (₹ ६ करोड़)			37.87	37.87	-	

23 मार्च, 2022 को, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने 1 अप्रैल, 2022 से प्रभावी कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2022 को अधिसूचित किया। इस संशोधन से कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है।

नोट [45] - अतिरिक्त प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

क.	आयात की श्रेणी	समाप्त वर्ष के लिए	
		2021-22	2020-21
	सीआईएफ आधार पर आयात		
	कच्चा माल	620.73	918.13
	कम्पोनेंट और स्पेयर पार्ट्स	1182.34	578.88
	पूँजीगत सामग्री	4.75	35.39
	कुल आयात	1807.82	1532.40

(₹ करोड़ में)

ख.	व्यय के प्रकार (विदेशी मुद्रा में किए गए)	समाप्त वर्ष के लिए	
		2021-22	2020-21
	i) रॉयल्टी	38.19	26.36
	ii) तकनीकी जानकारी	6.57	12.50
	iii) पेशेवर परामर्श शुल्क	3.48	0.90
	iv) ब्याज और अन्य (विदेशी साइटों पर सम्मिलित)	30.06	26.13

(₹ करोड़ में)

ग.	खपत का वर्गीकरण [कच्चे माल, कम्पोनेंट, स्टोर और स्पेयर पार्ट्स]	समाप्त वर्ष के लिए	
		2021-22	2020-21
	i) आयात (कस्टम ड्यूटी सहित)	2016.33	2400.61
	ii) स्वदेशी	7452.49	6046.69
	iii) कुल खपत का प्रतिशत		
	आयातित	21.29	28.42
	स्वदेशी	78.71	71.58

(₹ करोड़ में)

घ.	विदेशी मुद्रा में आय	समाप्त वर्ष के लिए	
		2021-22	2020-21
	माल का निर्यात (FOB आधार)	775.33	1101.64
	निर्माण और अन्य सेवाएं	608.29	389.69
	अनुमानित निर्यात पर विदेशी मुद्रा (घरेलू अनुबंध और एसईजेड निर्यात सहित)	1093.21	347.80
	कुल	2476.83	1839.13

(₹ करोड़ में)

ड. कच्चे माल और खपत किए गए कलपुर्जों का विवरण	समाप्त वर्ष के लिए	
	2021-22	2020-21
सामग्री का समूह		
i) लौह सामग्री	1868.83	1450.34
ii) अलौह सामग्री	260.50	137.96
iii) इन्सुलेटिड सामग्री	106.15	129.51
iv) इन्सुलेटिड केबल और चुंबक तार (मैग्नेट वायर)	4.46	0.66
v) बॉट आउट-कम्पोजेंट एवं माल	4141.75	3811.94
vi) अन्य कलपुर्जों	2450.89	2426.60
vii) अन्य	364.80	201.55
कुल	9197.38	8158.56

नोट [46]

सेबी (सूचियन देयताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं), विनियम, 2015 के अनुसार कंपनी द्वारा प्रदत्त ऋण की प्रकृति में अग्रिम और ऋणों का अपेक्षित विवरण नीचे दिए गया है:

i) सहायक कंपनी के संबंध में:

(₹ करोड़ में)

विवरण	को / तक	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशींस लिमिटेड:		
ऋण की प्रकृति में अग्रिम और ऋण बकाया	-	3.00
वर्ष के दौरान बकाया ऋण की प्रकृति में अग्रिम और ऋण की अधिकतम राशि	-	3.00

ii) ऐसा कोई ऋण नहीं दिया गया है (कर्मचारियों को ऋण के अतिरिक्त), जिसमें कोई पुनर्भुगतान कार्यक्रम नहीं है या पुनर्भुगतान अवधि सात वर्षों से अधिक है

iii) फर्मों / कंपनियों के पास ऋण की प्रकृति में कोई ऋण और अग्रिम नहीं हैं जिनमें निदेशक रुचि रखते हैं।

नोट [47]

परिसंपत्तियों और देनदारियों को चालू और गैर-चालू के बीच वर्गीकृत किया गया है जो 12 महीने की अवधि को परिचालन चक्र के रूप में मानते हैं।

नोट [48]

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 560 एवं कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 248 के तहत बंद की गई कंपनियों के साथ कंपनी का कोई लेनदेन नहीं है।

नोट [49]

वैधानिक अवधि के बाद कंपनी रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत होने के लिए अभी तक कोई शुल्क या तुष्टि नहीं थी।

नोट [50]

कंपनी (स्तरों की संख्या पर प्रतिबंध) नियम, 2017 के साथ अधिनियम की धारा 2 के खंड (87) के तहत कंपनी निर्धारित परतों की संख्या का अनुपालन कर रही है।

नोट [51]

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 237 के संदर्भ में सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी व्यवस्था की योजना को मंजूरी नहीं दी गई है।

नोट [52]

कंपनी का ऐसा कोई भी लेन-देन नहीं है जिसे आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या खुलासा किया गया है जो कि खाता बहियां में दर्ज नहीं है।

नोट [53]

कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान क्रिप्टो करेंसी या वर्चुअल करेंसी में व्यापार या निवेश नहीं किया है।

नोट [54]

पूर्व की अवधि की त्रुटियां जो प्रत्यक्ष हैं पूर्वव्यापी रूप से प्रस्तुत की गई अवधि के लिए तुलनात्मक राशि को बहाल करके पूर्वव्यापी रूप से ठीक की जाती हैं जिसमें ऐसी त्रुटि हुई। प्रस्तुत अवधि से पहले हुई त्रुटि के लिए, प्रस्तुत की गई प्रारंभिक अवधि के लिए परिसंपत्तियाँ, देनदारियाँ और इक्विटी की प्रारंभिक शेष राशि को बहाल किया जाता है।

नोट [55]

रुपए करोड़ में दिए गए आंकड़े दशमलव के बाद दो अंकों तक राउंड ऑफ किए गए हैं।

नोट [56]

जहां आवश्यक समझा गया वहाँ, पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से व्यवस्थित / पुनर्व्यवस्थित किया गया है

नोट [57]

निदेशक मंडल ने 21 मई, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में वित्तीय विवरण 2021-22 जारी करने के लिए अधिकृत किया है।

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567



(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460



(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N



(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N



(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277



(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : मई 21, 2022

नए

अवसरों की

तलाश

नए

आयामों की ओर

विस्तार

वित्तीय विवरण

समेकित वित्तीय विवरण

180

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्यगण

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

समेकित वित्तीय विवरण पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट

राय

हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (इसके बाद यहाँ इसे “धारक कंपनी” के रूप में लिखा जाएगा) एवं इसकी सहायक कंपनियों (“धारक कंपनी” और इसकी सहायक कंपनियों को संयुक्त रूप से “समूह” के नाम से सम्बोधित किया जाएगा) और तीन संयुक्त नियंत्रित इकाइयों के संलग्न समेकित वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च 2022 को समेकित तुलन पत्र, इस दिनांक को समाप्त हुए वर्ष के लिए समेकित लाभ-हानि विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तनों का समेकित विवरण एवं वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का समेकित विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और अन्य व्याख्यात्मक सूचनाएं शामिल हैं, (इसके पश्चात इसे “समेकित वित्तीय विवरण” लिखा जाएगा)

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुरूप पूर्वोक्त वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम 2013 (“अधिनियम”) में अपेक्षित तरीके के अनुसार सूचना प्रदान करते हैं और यथा संशोधित कंपनी (इंडियन अकाउंटिंग स्टैंडर्ड) नियम 2015, के साथ पठित इस अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों, (इंड एएस-भा.ले.मा.) एवं भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के अनुपालन में 31 मार्च 2022 को कंपनी के समेकित लाभ एवं कुल समेकित व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और इस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए इसका समेकित नकदी प्रवाह विवरण की स्थिति को यथार्थ व उचित रूप से प्रस्तुत करते हैं।

राय का आधार

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों (SAs) के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा

की है। इन मानकों के अन्तर्गत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियां खंड में वर्णित किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा जारी आचार संहिता के साथ ही कंपनी अधिनियम, 2013 और इससे आधारित नियमों के प्रवधानों के अंतर्गत समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिये प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम कंपनी से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों का पालन किया है। हमारा मानना है कि लेखा परीक्षा के जो साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं, वे कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण पर हमारी राय का आधार बनने के लिये पर्याप्त और उचित हैं।

मुख्य लेखा परीक्षा विषय

मुख्य लेखा परीक्षा के विषय वे हैं जो कि हमारे व्यावसायिक मतानुसार वर्तमान कालखंड के समेकित वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के दौरान सबसे महत्वपूर्ण थे। अपनी राय बनाते हुए और समेकित वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के परिप्रेक्ष्य में इन विषयों का समग्र रूप से समाधान किया गया और हमें इन विषयों पर और कोई राय नहीं देनी है। हमने अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले प्रमुख लेखा परीक्षा विषयों के नीचे वर्णित मामलों का उल्लेख किया है।

मुख्य लेखा परीक्षा विषय	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
इंड एस 115 के अंतर्गत "ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व" के सम्बंध में राजस्व एवं अन्य शेषों की मान्यता, मापन, प्रस्तुति की सटीकता। इन राजस्व लेखा मानकों के अनुप्रयोग में विषिष्ट निष्पादन दायित्वों का चिह्नित करना, चिह्नित विषिष्ट निष्पादन दायित्वों के लेन-देन मूल्य का निर्धारण, एक अवधि में मान्य राजस्व के मापन के आधार की उपयुक्तता, वित्तीय विवरणों में शेष के प्रस्तुतिकरण सहित प्रकटीकरण से संबंधित कतिपय मुख्य निर्णय शामिल हैं। आकलित प्रयास राजस्व निर्धारण करने का एक महत्वपूर्ण आकलन है क्योंकि इसके लिए अनुबंध की प्रगति, आज तक किए गए प्रयासों, शेष निष्पादन दायित्व को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रयासों पर विचार करना आवश्यक है। समेकित वित्तीय विवरण के नोट 52 को देखें।	प्रधान लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता के परीक्षण से निहित हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल हैं: - पूर्णता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई जानकारी रचना प्रक्रिया पर नियंत्रण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया। - मौजूदा जारी अनुबंधों और नए अनुबंधों में से एक सैंपल चुनकर विषिष्ट निष्पादन दायित्व और लेन-देन मूल्य का निर्धारण से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण किया। - इंड एस115 के अनुरूप राजस्व के अभिलेखन एवं प्रकटीकरण में अनुप्रयुक्त लेखांकन प्रणालियों और अनुबंधों एवं इससे संबंधित सूचनाओं में परिवर्तन केसंगत सूचनाओं का परीक्षण किया, जिनका नए राजस्व लेखा मानकों के अनुसार का खुलासा करने और अभिलेखबद्ध करने में प्रयोग किया गया - महत्वपूर्ण उपलब्धियां (माइलस्टोन) प्राप्त करने में संभावित देरी की पहचान के लिए अनुबंधों में से एक सैंपल चुनकर समीक्षा की गई, जिसमें कि शेष निष्पादन दायित्व को पूर्ण करने में आकलित प्रयासों को बदलने की आवश्यकता है। - तर्कसंगतता और अन्य संबंधित प्रत्यक्ष मदों के ब्योरो पर विप्लेषणात्मक प्रक्रियाओं और परीक्षणों को किया।
व्यापार प्राप्य एवं अनुबंध संपत्तियों का मूल्यांकन एवं वसूली की संभावना 31 मार्च, 2022 के अंत में कंपनी के पास ₹ 26939.87 करोड़ (निवल) की अनुबंध संपत्तियां तथा ₹ 6228.59 करोड़ के व्यापार प्राप्य बकाया हैं। यह शेष इंड एस115 "ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व" के अनुसार पूर्ण हुए अनुबंधों और चालू अनुबंधों के लिए मान्य राजस्व से संबंधित हैं। इसके आकार और प्रबंधकीय निर्णय के उच्च स्तरीय होने कारण इसकी वसूली की संभावना का आकलन एक मुख्य लेखा विषय है। समेकित वित्तीय विवरणों के नोट 6, 9, 43 को देखें।	प्रधान लेखा परीक्षा प्रक्रिया अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य के राजस्व मान्यता और समीक्षा तंत्र के लिए हमने कंपनी की आंतरिक प्रक्रिया का आकलन किया है। आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता के परीक्षण से निहित हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल हैं: - बीजक बनाने, सत्यापन करने तथा ग्राहकों के साथ पुनर्मिलान की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया। - परियोजनावार बकाया विवरण और प्रबंधन द्वारा इसके समीक्षा तंत्र की सूची को प्राप्त किया। - अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य की क्षति पर कंपनी के दिशानिर्देशों और नीतियों की समीक्षा की। - सैंपल आधार पर वर्ष के अंत में अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य की एजिंग की सटीकता की जांच की। - तर्कसंगतता, वसूली की संभावना और अन्य संबंधित सामग्री मदों के विवरणों पर विप्लेषणात्मक प्रक्रियाओं और परीक्षणों को किया।
आकस्मिक देयता का आकलन कंपनी के खिलाफ विभिन्न मंचों के समक्ष कई मुकदमे लंबित हैं और आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट की जाने वाली राशि का अनुमान लगाने के लिए प्रबंधन के निर्णय की आवश्यकता है। हमने इन मामलों के परिणाम से संबंधित अनिश्चितता को देखते हुए उपरोक्त क्षेत्र को एक प्रमुख लेखापरीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया है, जिसके लिए कानून की व्याख्या में निर्णय के आवेदन की आवश्यकता है। तदनुसार, हमारी लेखापरीक्षा विचाराधीन विषय वस्तु के तथ्यों के विप्लेषण और शामिल कानून के निर्णय/ व्याख्या पर केंद्रित थी। (समेकित विवरण के लिए नोट 33 देखें)	प्रमुख लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं में शामिल हैं लेकिन इन तक सीमित नहीं थे: - दावों या विवादों के संबंध में प्रबंधन की विस्तृता को समझना प्रक्रियाओं और नियंत्रणों को प्राप्त करना - चयनित नमूनों पर निम्नलिखित प्रक्रियाओं द्वारा जांच करना: - प्रबंधन बैठक के पत्राचार, संप्रेषण के कार्यवृत्त को पढ़कर मामलों को समझना - स्थिति अद्यतन, आधार के साथ परिणामों की अपेक्षा, और कंपनी द्वारा अपेक्षित कार्रवाई के भविष्य के पाठ्यक्रम सहित प्रबंधन कर्मियों के उचित स्तर के साथ पुष्ट पृष्ठताछ करना, और प्रबंधन द्वारा प्राप्त कानूनी राय, यदि कोई हो, का अवलोकन करना। - कंपनी के कानूनी वकीलों से सीधे पुष्टि प्राप्त करना और उनकी राय को ध्यान में रखते हुए परिणामों की संभाव्यता मूल्यांकन पर विचार करना - संभावित परिणामों और अनुमानों की तर्कसंगतता के बारे में प्रबंधन के निर्णय का समर्थन करने वाले साक्ष्य का मूल्यांकन करना। - लागू लेखा मानकों के अनुसार पर्याप्त प्रकटीकरण की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।

समेकित वित्तीय विवरण के अतिरिक्त अन्य जानकारी और उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाएं बनाने के लिए उत्तरदायी है। अन्य जानकारी में प्रबंधकीय परिचर्या व विप्लेषण में सम्मिलित की गई जानकारी, निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नकों सहित बोर्ड रिपोर्ट, व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट, कॉर्पोरेट अभिषासन तथा शेयरधारकों की सूचना आती है परंतु समेकित वित्तीय विवरण और इस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट इसमें सम्मिलित नहीं होती है।

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय अन्य जानकारी को कवर नहीं करती है और हम इस पर कोई आष्वासन या निष्कर्ष नहीं देते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षण के संबंध में, हमारी उत्तरदायित्व अन्य सूचनाओं को पढ़ना और ऐसा करते हुए ध्यान रखना कि वित्तीय विवरणों के साथ अन्य सूचनाएं कहीं सारतः असंगत तो नहीं हैं अथवा लेखा परीक्षा में प्राप्त जानकारी अन्यथा भौतिक रूप से अनुचित प्रतीत तो नहीं हो रही है।

यदि, हमारे किए गए कार्य के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि यह अन्य सूचना सारतः अनुचित कथित है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। हमें इस संदर्भ में कुछ भी रिपोर्ट नहीं करना है।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 134(5) में वर्णित विषयों के संदर्भ में इन वित्तीय विवरणों को इस प्रकार तैयार किए जाने हेतु उत्तरदायी है, जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों और इंड एस के अनुरूप कंपनी के समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय प्रदर्शन, समेकित कुल व्यापक आय, समेकित इक्विटी में परिवर्तनों तथा समेकित नकदी प्रवाह का एक वास्तविक और सही विवरण प्रदान करते हैं। इस उत्तरदायित्व में ऐसे पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का अनुरक्षण भी सम्मिलित है जो अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा हेतु और धोखाधड़ी व अन्य अनियमितताओं को पता लगाने और रोकने हेतु; उचित लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; उचित और विवेकपूर्ण आकलन और निर्णय लेने; एवं धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले किसी भी प्रकार के मूर्त अनुचित कथन से मुक्त तथा वास्तविक और उचित दृष्टिकोण प्रस्तुत कराने वाले वित्तीय विवरणों के निर्माण और प्रस्तुतीकरण हेतु पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों, जो कि लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव हेतु प्रासंगिक हैं।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, समूह को एक क्रियाशील इकाई के रूप में बनाए रखने के लिए समूह की योग्यता का आकलन करने, क्रियाशील इकाई से संबंधित जानकारी या आवश्यक प्रकटीकरण करने और जब तक प्रबंधन समूह के परिसमापन या परिचालन रोकने की मंशा न रखती हो अथवा इसके अतिरिक्त कोई यथार्थ कारण न हो, तब तक समूह को लेखांकन का आधार बनाने के लिए कंपनियों के निदेशक मण्डल सामूहिक रूप से उत्तरदायी है।

समूह में सम्मिलित कंपनी के संबंधित निदेशक मंडल समूह की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए उत्तरदायी हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में तर्कसंगत आष्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले सारतः त्रुटिपूर्ण कथन से समग्र रूप में मुक्त है और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना, जिसमें हमारी राय शामिल हो। तर्कसंगत आष्वासन उच्च स्तर का आष्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार किया गया लेखा परीक्षण सदैव किसी सारतः त्रुटिपूर्ण कथन का पता लगा ही लेगा, यदि कोई हो तो। त्रुटिपूर्ण कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और इन्हें संदेहास्पद माना जाता है, यदि, एकल रूप में या कुल मिलाकर, वे इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को यथोचित रूप में प्रभावित करना प्रत्याषित है।

लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार लेखा परीक्षण के भाग के रूप में, पूरे लेखा परीक्षण के दौरान हम व्यावसायिक रूप से निर्णय लेते हैं और व्यावसायिक संषयात्मकता को बनाए रखते हैं। हम यह भी करते हैं:

- वित्तीय विवरणों के सारतः मिथ्या कथन, चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हों या त्रुटि के कारण, की पहचान करना और इसके जोखिमों को आंकना और इन जोखिमों के अनुक्रियाशील लेखा परीक्षण प्रक्रियाओं को डिजाइन करना एवं निष्पादित करना, और लेखा परीक्षण साक्ष्यों को प्राप्त करना जो कि हमारी राय का आधार बनाने लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप सारतः मिथ्या कथन को न पहचानने का जोखिम, गलती से किए गए सारतः मिथ्या कथन से कहीं ज्यादा होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जाल-साजी, जानबूझकर की गई चूकें, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रणों को अधिभावी (override) किया जाता है।
- परिस्थितियों के अनुसार समुचित लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखा परीक्षण के संगत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(3)(i) के अंतर्गत, हम इस बात पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी उत्तरदायी हैं कि क्या कंपनी में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और इस तरह के नियंत्रणों के परिचालन में प्रभावशीलता है।
- अनुप्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन आकलनों और संबंधित प्रकटन की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करना।
- प्रबंधन के क्रियाशील इकाई को लेखांकन का आधार की तरह उपयोग करने उपयुक्तता पर और प्राप्त लेखा परीक्षण साक्ष्य के आधार पर, एक क्रियाशील इकाई के रूप में बने रहने की समूह की क्षमता पर सार्थक संदेह उत्पन्न करने हेतु साक्ष्य या स्थितियों से संबंधित कोई वास्तविक अनिश्चितता पर निष्कर्ष प्राप्त करना। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई वास्तविक अनिश्चितता व्याप्त है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटन पर इस संबंध में उल्लेख करना होगा, यदि यह प्रकटीकरण अपर्याप्त लगे तो हमें अपनी राय को संशोधित करना होता है। हमारे निष्कर्ष, इस दिनांक तक हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट से प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाएं या स्थितियां समूह को क्रियाशील इकाई के रूप में न बने रहने का कारण बन सकती हैं। प्रकटन सहित समेकित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुतिकरण, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करना, और क्या समेकित वित्तीय विवरण वास्तविक लेनदेनों और घटनाओं का इस प्रकार वर्णन करते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुतिकरण के उद्देश्य को प्राप्त करता हो।

- समेकित वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करने के लिए समूह के भीतर संस्थाओं की वित्तीय जानकारी के संबंध में पर्याप्त उपयुक्त लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करें। हम समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल ऐसी संस्थाओं के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के निर्देशन, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए जिम्मेदार हैं। जिनके हम स्वतंत्र लेखापरीक्षक हैं। हम अपनी लेखापरीक्षा राय के लिए पूरी तरह उत्तरदायी हैं। इस संबंध में हमारी जिम्मेदारियों को इस लेखापरीक्षा रिपोर्ट में अन्य मामले शीर्षक वाले खंड के पैरा 1 से पैरा 4 में आगे वर्णित किया गया है।

प्रत्यक्षता (Materiality) समेकित वित्तीय विवरणों में मिथ्या कथनी की मात्रा है जो, व्यक्तिगत या समग्र रूप से, वित्तीय विवरणों के एक उचित जानकारी उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित कर सकता है। हम (i) अपने लेखा परीक्षा कार्य क्षेत्र की योजना बनाने और परिणामों का मूल्यांकन करने में और (ii) वित्तीय विवरणों में पाई गई किसी मिथ्या कथनी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए मात्रात्मक भौतिकता (Materiality) और गुणात्मक कारकों (Qualitative factors) पर विचार करते हैं।

हम अन्य मामलों के साथ ही लेखा परीक्षा के योजनाबद्ध कार्य क्षेत्र एवं समय सीमा के निर्धारण और हमारी लेखा परीक्षा के दौरान आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमी सहित महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों के बारे में अभिभासन प्रभारियों से संवाद करते हैं।

हमने अभिभासन के प्रभारियों को स्वतंत्रता की प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुपालन संबंधी एक विवरण प्रदान किया है और हमारी स्वतंत्रता के साथ, और जहां लागू हो संगत सुरक्षा से तर्कसंगत रूप से लगाने वाले उन सभी रिस्कों एवं अन्य विषयों के बारे में उन्हें बता दिया है।

अभिभासन के प्रभारियों को वर्णित विषयों में से, हमने उन विषयों का निर्धारण किया है जो समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के सबसे महत्वपूर्ण/ उल्लेखनीय हैं और इसलिए वे प्रधान लेखा परीक्षा विषय हैं। हम अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इन विषयों का वर्णन करते हैं जब तक कि विधि या विनियमन इन विषयों के प्रकटीकरण को निषेध ना करता हो, और अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में जब, हमें यह प्रतीत हो की इस विषय के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण नहीं करना चाहिए है क्योंकि ऐसा करने के दुष्परिणाम इस सूचना के जनहित लाभों पर हावी होने की यथोचित संभावना है।

अन्य विषय:

- हमने एक बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की (संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई)। संलग्न बयानों में इस सहयोगी के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम/विवरण शामिल हैं, जिनके वित्तीय विवरण/परिणाम 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए समूह के 50.42 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ और 0.03 करोड़ रुपये की अन्य व्यापक आय को दर्शाते हैं, जैसा कि समेकित में माना गया है। इस संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के संबंध में वित्तीय विवरण समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह इस संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरण से संबंधित है, और अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (3) और (11) के संदर्भ में हमारी रिपोर्ट, जहां तक यह पूर्वोक्त संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई से संबंधित है, पूरी तरह से अन्य लेखा परीक्षकों के वित्तीय विवरणों पर आधारित है।

- हमने रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की। लिमिटेड (संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएं)। समेकित वित्तीय विवरणों में इन संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के शुद्ध नुकसान और अन्य व्यापक नुकसान के समूह के हिस्से को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि समूह ने इन संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के संबंध में अपने वित्तीय विवरणों में निवेश की लागत के बराबर संचित हानियों को पहले ही मान्यता दे दी है। ये वित्तीय विवरण अलेखापरीक्षित हैं और प्रबंधन और समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय द्वारा हमें प्रस्तुत किए गए हैं, जहां तक यह इन संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं के संबंध में शामिल राशि और प्रकटीकरण से संबंधित है, और उनके संदर्भ में हमारी रिपोर्ट अधिनियम की धारा 143 की धारा (3) और (11) जहां तक यह उपरोक्त संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं से संबंधित है, पूरी तरह से ऐसे अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित है। ये वित्तीय विवरण समूह के लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं।
- समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों में 11 अगस्त 21 तक सहायक बीएचईएल-ईएमएल के परिणाम शामिल हैं (11 अगस्त को केरल सरकार को कंपनी द्वारा अंतरित पूर्ण 51 प्रतिशत हिस्सेदारी), जिनकी लेखा परीक्षा नहीं की गई है। 11 अगस्त 2021 तक के वित्तीय परिणाम में कुल राजस्व और शुद्ध नकदी प्रवाह शून्य हैं, कर पश्चात कुल शुद्ध घाटा रु. 2.69 करोड़ और कुल व्यापक घाटा रु. 2.69 करोड़ है। ये वित्तीय जानकारी अलेखापरीक्षित है और प्रबंधन और समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय द्वारा हमें प्रस्तुत की गई है, जहां तक यह इस सहायक कंपनी के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरण से संबंधित है, और उप-अनुभागों के संदर्भ में हमारी रिपोर्ट अधिनियम की धारा 143 की (3) और (11) जहां तक यह पूर्वोक्त सहायक कंपनी से संबंधित है, पूरी तरह से ऐसे अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित है। ये वित्तीय विवरण समूह के लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं।
- बीएचईएल के एक संयुक्त उद्यम- पावरप्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट्स लिमिटेड के खातों को समेकित नहीं किया गया है क्योंकि उक्त कंपनी परिसमापन के अधीन है और इक्विटी निवेश की पूरी राशि प्रदान कर दी गई है। दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड के खातों को भी समेकित नहीं किया गया है क्योंकि उक्त कंपनी परिसमापन के अधीन है और निवेश प्रदान कर दिया गया है।

प्रबंधन द्वारा प्रमाणित लेखा परीक्षा पूर्व वित्तीय विवरणों और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर निर्भरता के संबंध में समेकित वित्तीय वक्तव्यों पर हमारी राय, और नीचे दी गई अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, उपरोक्त विषयों के सापेक्ष संशोधित नहीं की गई है।

अन्य विधि एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट:-

- अधिनियम के खंड 143(3) के अनुसार आवश्यक हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर और "अन्य विषय" पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट सहायक कंपनी, संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के प्रबंधन द्वारा प्रमाणित लेखा परीक्षा पूर्व वित्तीय विवरणपर विचार करने पर, यथा संभव तक, हम रिपोर्ट करते हैं कि:
- हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विष्वास के आधार पर हमने उक्त कथित समेकित वित्तीय विवरणों कि लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक जानकारियां एवं स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त कर लिए हैं;
- हमारे विचार से, कंपनी ने उक्त कथित समेकित वित्तीय विवरण बनाने के संबंध में विधि के अनुसार लेखा बहियां बनाई हैं, जहां तक हमारे द्वारा इन बहियों की जांच से और अन्य प्रबंधन प्रमाणित वित्तीय रिपोर्टों

- से प्रतीत होता है;
- ग) इस रिपोर्ट के साथ व्यावहृत समेकित बैलेंस शीट, लाभ और हानि का समेकित विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और समेकित नकदी प्रवाह विवरण; समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के उद्देश्य से बनाई गई संगत लेखा पुस्तिकाओं के अनुबंध में है;
- घ) हमारी राय में, पूर्वोक्त समेकित वित्तीय विवरण, अधिनियम की धारा 133 सहपाठित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 यथा संशोधित, के अंतर्गत विनिर्दिष्ट भारतीय लेखा मानकों और भारत में सामान्यतः स्वीकार्य अन्य लेखांकन सिद्धांतों का अनुपालन करते हैं;
- ङ) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत निदेशकों की अयोग्यता के संबंध में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना सं.: जी.एस.आर. 463 (ई) दिनांक 05-06-2015 कंपनी पर लागू नहीं है;
- च) भारत में निगमित धारक कंपनी, इसकी सहायक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों की वित्तीय रेपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में "अनुलग्नक-क" में हमारी पृथक रिपोर्ट का अवलोकन करें;
- छ) कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसरण में, लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित किए जाने वाले अन्य विषयों को, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें प्रदत्त स्पष्टीकरण के अनुरूप और सहायक कंपनी एवं संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों की अन्य वित्तीय जानकारी के रूप में पृथक वित्तीय विवरणों पर प्रबंधन प्रमाणित वित्तीय विवरणों पर विचार सहित अन्य विषयों श्रेयराग्राफ में उल्लेखित किया गया है;
- गया है;
- समेकित वित्तीय विवरण समूह और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों की समेकित वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का प्रकटीकरण करते हैं – समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 33 देखें;
 - दीर्घकालिक अनुबंधों में मूर्त निकटवर्ती हानि, यदि हो तो, के लिए समेकित वित्तीय विवरणों में प्रावधान किया गया है जैसा कि लागू कानून या भारतीय लेखांकन मानकों के अंतर्गत आवश्यक है— ऐसे मदों के संदर्भ में समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 42 देखें क्योंकि इनका संबंध समूह और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों से है और
 - भारत में निगमित धारक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों और उसकी सहायक कंपनियों के द्वारा इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड में स्थानांतरित की जाने वाली राशि को स्थानांतरित करने में कोई विलंब नहीं किया गया है
2. कंपनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश 2020 के पैरा 3 (xxi) और 4 के मामले के संबंध में, सहायक और तीन संयुक्त संस्थाएं अलेखापरीक्षित बनी हुई हैं और इस रिपोर्ट के जारी होने की तारीख को इन संस्थाओं के संबंध में इनके लेखापरीक्षकों द्वारा CARO रिपोर्ट जारी नहीं की गई है, जैसा की अन्य मामलों शशीर्षक वाले खंड में उल्लिखित किया गया है। अतः 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लिए हमारे द्वारा जारी CARO रिपोर्ट के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि CARO रिपोर्ट में कोई योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है।

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N



(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N



(देवेन्द्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277



(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : मई 21, 2022

अनुलग्नक "क"

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड की इंड एसके अनुरूप समेकित वित्तीय विवरण पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की समसंख्यक रिपोर्ट का अनुलग्नक-क

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (i) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी के इंड एसके अनुरूप समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संजोजन के रूप में, हमने इसी दिनांक पर भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (इसके बाद में इसे होल्डिंग कंपनी के रूप में संदर्भित किया गया है।) की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का लेखा परीक्षण किया है। हमने एक सहायक कंपनी और तीन संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों के वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षण नहीं किया, जिसमें से सभी तीनों संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई का अन्य लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षण किया गया है और दो संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाईयाँ और एक सहायक कंपनी का (दिनांक 11 अगस्त 2021 तक) लेखा परीक्षण नहीं किया गया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

धारक कंपनी, इसकी सहायक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियाँ, जो भारत में निगमित की गई कंपनियाँ हैं, के संगत निदेशक मण्डल इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण दिशा निर्देश नोट में कथित आंतरिक नियंत्रण के वांछित घटकों पर विचार करते हुये कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंड पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और इसे बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है। कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत आवश्यक विषयसंघीय वित्तीय जानकारी का समयबद्ध बनाया जाना, लेखांकन अभिलेखों की शुद्धता और संपूर्णता, त्रुटियों व धोखाधड़ी का पता लगाना और रोकथाम, कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा, संबंधित कंपनी की नीतियों का दृढ़ता से पालन सहित अपने व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से क्रियाशील पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव इन जिम्मेदारियों में सम्मिलित है।

लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक राय व्यक्त करना हमारा उत्तरदायित्व है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण दिशानिर्देश नोट ("दिशानिर्देश नोट") एवं आईसीएआई द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण के लिए लागू आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण की सीमा लागू करने के लिए कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत निर्धारित समझी गई हों, के अनुरूप हम अपना लेखा परीक्षण करते हैं। उन मानकों और गाइडेंस नोट की अपेक्षा है कि हम नैतिक अपेक्षाओं की पूर्ति करें और इस तथ्य पर यथोचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और अनुरक्षित था और यह नियंत्रण सभी मूर्त पहलुओं पर प्रभावी रूप से संचालित था, लेखा परीक्षा

योजना बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें।

हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली कि पर्याप्तता और इसकी परिचालन प्रभावशीलता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं कि निष्पादित करना सम्मिलित है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों कि हमारी लेखा परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों कि समझ प्राप्त करना, किसी मूर्त निर्बलता के होने का संकट का आकलन और आकलित संकट के आधार पर आंतरिक नियंत्रण की परिचालन प्रभावशीलता एवं डिजाइन का मूल्यांकन व परीक्षण करना सम्मिलित है। वित्तीय विवरणों की मूर्त मिथ्या कथन, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, का संकट के आकलन सहित लेखा परीक्षकों के निर्णय पर प्रक्रियाएं चयनित की जाती हैं।

हमें विश्वास है कि जो लेखापरीक्षा साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं वह कंपनी कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली हेतु लेखा परीक्षा राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विषयसंघीयता के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी करने हेतु डिजाइन की जाती है। कंपनी के वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियाँ और प्रक्रियाएँ सम्मिलित हैं, जो (1) ऐसे अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित हैं, जिसमें कंपनी की सम्पत्तियों के लेनदेनों और निपटान का यथार्थ और उचित रूप में युक्तियुक्त विवरण दर्शाया गया है। (2) उचित आश्वासन देते हैं कि लेनदेन सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति के लिए दर्ज हो रहे हैं और कंपनी कि प्राप्तियाँ और व्यय केवल कंपनी प्रबंधन और कंपनी के निदेशक प्राधिकरण के अनुसरण में हो रही हैं और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या निपटान जो वित्तीय विवरणों पर मूर्त प्रभाव डाल सकते हैं, का समय पर पता लगाने या रोकथाम के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करें।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाएं

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं जिनमें मिलीभगत कि संभावना, नियंत्रण अधिभाव का अनुचित प्रबंधन सम्मिलित है, कारण त्रुटि या धोखाधड़ी से मूर्त मिथ्या कथनी हो सकती है जिसका पता नहीं लगता है। इसके अतिरिक्त, भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन है कि स्थितियों में परिवर्तन के कारण अथवा नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन के स्तर में कमी के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है।

अन्य विषय

अधिनियम की धारा 143(3)(i) के अंतर्गत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर हमारी उपरोक्त रिपोर्ट, जहां तक एक सहायक कंपनी और तीन संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों, जो कि भारत में निगमित कंपनियाँ हैं, से संबंधित हैं, भारत में निगमित इन तीन संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं और एक सहायक कंपनी के संबंधित प्रबंधन प्रमाणपत्र पर आधारित है।

राय

हमारी राय में, धारक कंपनी, इसकी सहायक कंपनी (11 अगस्त 2021 तक) और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियां में, जो भारत में निगमित गई कंपनियां हैं, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण दिशा निर्देश नोट में कथित आंतरिक नियंत्रण के वांछित घटकों पर विचार करते हुये कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मानदंड के आधार पर, सभी मूर्त पहलुओं के सापेक्ष वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली स्थापित थी और 31 मार्च, 2022 को प्रभावशाली रूप से संचालित थी।

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277

(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : मई 21, 2022



No. PWD (6) R/R/01-137/A/cS-BHEL-CFS/2022-23/226

गोपनीय

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग

कार्यालय महा निदेशक लेखापरीक्षा (ऊर्जा)

नई दिल्ली

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Director General of Audit (Energy)

New Delhi

Dated: 21/08/2022

सेवा में,

अध्यक्ष एवं प्रबंध-निदेशक,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,
नई दिल्ली

विषय:- 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के समेकित वित्तीय विवरण (Consolidated Financial Statement) पर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) एवं धारा 129(4) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

महोदय,

मैं भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के समेकित वित्तीय विवरण (Consolidated Financial Statement) पर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) एवं धारा 129(4) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ अंग्रेजित कर रहा हूँ।

कृपया इस पत्र की संलग्नकों सहित प्राप्ति की पावती भेजी जाए।

भवदीय,

संलग्नक:- यथोपरि।


(दीपक कपूर)
महानिदेशक

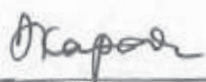
COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6) (b) READ WITH SECTION 129 (4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF BHARAT HEAVY ELECTRICALS LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2022

The preparation of consolidated financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2022 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139 (5) read with section 129 (4) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 read with section 129 (4) of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 21 May 2022.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the consolidated financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2022 under section 143(6)(a) read with section 129(4) of the Act. We conducted a supplementary audit of the financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited, but did not conduct supplementary audit of the financial statements of NTPC-BHEL Power Projects Private Limited and Raichur Power Corporation Limited for the year ended on that date. Further, Section 139(5) and 143(6)(a) of the Act are not applicable to the BHEL-GT Gas Turbine Services P. Limited being private entity, for appointment of their Statutory Auditor and for conduct of supplementary audit. Accordingly, Comptroller & Auditor General of India has neither appointed the Statutory Auditor nor conducted the supplementary audit of this company. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India


(Deepak Kapoor)

Director General of Audit (Energy),
Delhi

Place: New Delhi
Dated: 21 July 2022

समेकित तुलन पत्र (बैलेंस शीट) 31, मार्च 2022 को

(रु. करोड़ में)

विवरण		नोट	पेज	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2022 की स्थिति	
I.	परिसंपत्तियां						
1.	गैर चालू परिसंपत्तियाँ						
क	संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	3a	275	2336.34		2428.98	
ख	पूँजीगत चालू कार्य	3b	275	422.32		403.21	
ग	अमूर्त परिसंपत्तियां	4a	276	62.12		62.16	
घ	विकासशील अमूर्त परिसंपत्तियां	4b	276	8.66		16.35	
ड	इक्विटी पद्धति का उपयोग करने के लिए निवेश की गणना	5	281	201.86		181.76	
च	वित्तीय परिसंपत्तियां						
	(i) निवेश	5a	282	3.29		3.58	
	(ii) व्यापार प्राप्त्य	6	283	3203.84		3179.74	
	(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	7	285	86.73	3293.86	97.39	3280.71
	आस्थगित कर परिसंपत्तियां (पुद्घ देनदारियां)	8	285		3530.08		3671.24
	अन्य गैर चालू परिसंपत्तियां	9	286		18526.54		16852.44
कुल गैर चालू परिसंपत्तियां					28381.78		26896.85
2 ^ए	चालू परिसंपत्तियां						
क	माल सूची	10	287	6560.21		7194.45	
ख	वित्तीय परिसंपत्तियां						
	(i) व्यापार प्राप्त्य	6	283	3024.75		4035.07	
	(ii) नगद एवं नगद समकक्ष	11	288	732.62		1527.19	
	(iii) नगद एवं नगद समकक्ष के अतिरिक्त अन्य बैंक बैलेंसे	12	288	6421.07		5174.26	
	(iv) ऋण	13	289	-		-	
	(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	7	285	211.56	10390.00	232.65	10969.17
ग	चालू कर परिसंपत्तियां (पुद्घ)	14	289		119.24		403.60
घ	अन्य चालू परिसंपत्तियां	9	286		10792.53		9776.14
कुल चालू परिसंपत्तियां					27861.98		28343.36
कुल परिसंपत्तियां					56243.76		55240.21
2.	इक्विटी एवं देयता						
3.	इक्विटी						
(क)	इक्विटी शेयर पूंजी	15	290	696.41		696.41	
(ख)	अन्य इक्विटी	15a	291	25810.19		25287.25	
					26506.60		25983.66
अनियंत्रित ब्याज					-		(11.66)
कुल इक्विटी					26506.60		25972.00

समेकित तुलन पत्र (बैलेंस शीट) 31, मार्च 2022 को

(रु. करोड में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2022 की स्थिति
4. देयताएं				
4.1 गैर चालू देयताएं				
(क) वित्तीय देयताएं				
(i) पट्टादेयताएं	16	291	35.12	53.41
(ii) व्यापार देय	17	292		
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया राशि			127.45	157.92
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य का कुल बकाया राशि			2004.48	1725.85
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	18	293	215.10	216.72
(ख) प्रावधान	19	293	2382.15	2153.90
(ग) अन्य गैर चालू देयताएं	20	293	3771.21	3925.56
कुल गैर चालू देयताएं			2212.65	2831.54
4.2 चालू देयताएं			8366.01	8911.00
(क) वित्तीय देयताएं				
i) उधार	21	294	4745.00	4849.28
ii) पट्टा देयताएं	16	291	49.81	48.20
(ii) व्यापार देय	17	292		
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया राशि			745.82	751.57
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य का कुल बकाया राशि			7003.77	5929.26
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	18	293	1124.09	929.58
क प्रावधान	19	293	13668.49	12507.89
ख अन्य गैर चालू देयताएं	20	293	3066.70	3168.52
कुल चालू देयताएं			4635.96	4680.80
कुल देयताएं			21371.15	20357.21
कुल इक्विटी एवं देयता			29737.16	29268.21
तैयारी का आधार , मापन एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	2	270	56243.76	55240.21

साथ में दिए गए नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567



(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460



(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N



(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N



(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277



(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

लाभ हानि का समेकित विवरण

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(रु. करोड़ में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
आय				
परिचालनों से राजस्व	22	295	21211.09	17308.69
अन्य आय	23	296	354.54	348.42
कुल आय			21565.63	17657.11
व्यय				
खपत किए गए कच्चे माल की लागत			5055.63	4346.62
खरीदी गई वस्तुओं का मोल-भाव		...	4141.75	3811.94
सिविल, इरेक्शन और इंजीनियरिंग खर्च			4792.61	2912.47
स्टोर और स्पेयर की खपत			271.44	288.74
तैयार माल, प्रगतिशील कार्य एवं स्क्रैप की माल सूची में परिवर्तन	24	2%	532.41	510.86
कर्मचारी लाभ व्यय	25	297	5519.05	5378.15
अन्य व्यय	26	297	162.62	3201.20
वित्तीय लागत	27	299	355.96	373.95
मूल्यहास और परिपोधन खर्च	31 / 41	278 / 280	314.12	473.25
कुल व्यय			21145.59	21297.18
इक्विटी प्रणाली का उपयोग कर निवेश का लाभ (हानि) पूर्व शेयर का शुद्ध लाभ/(पूर्व) तथा कर			420.04	(3640.07)
इक्विटी प्रणाली का उपयोग कर संयुक्त उद्यम का शुद्ध लाभ/(हानि)			50.42	44.14
कर पूर्व लाभ			470.46	(3595.93)
कर व्यय	28	300		
क)वर्तमान कर			(77.13)	15.82
ख)आस्थगित कर			102.88	25.75
वर्ष के लिए लाभ (क)			444.71	(2699.70)
अन्य व्यापक आय	29	300		
वे आइटम जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा (षुद्ध कर)				
निर्धारित कर्मचारी लाभों का पुनर्मापन			76.87	19.98
इक्विटी प्रणाली का उपयोग कर संयुक्त उद्यम में ओसीआई का शेयर			0.03	0.07
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय (ख)			76.90	20.05
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (क+ख)			521.61	(2679.65)
पर भारित				
मूल इकाई के इक्विटी धारक			522.93	(2677.06)
अनियंत्रित ब्याज			(1.32)	(2.59)

लाभ हानि का समेकित विवरण

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(रु. करोड़ में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
कुल			521.61	(2679.65)
वर्ष की कुल अन्य व्यापक आय				
पर भारत				
मूल इकाई के इक्विटी धारक			76.90	20.05
अनियंत्रित ब्याज			-	-
कुल			76.90	20.05
कुल वर्ष के लिए लाभ				
पर भारत:				
मूल इकाई के इक्विटी धारक			446.03	(2697.11)
अनियंत्रित ब्याज			(1.32)	(2.59)
कुल			444.71	(2699.70)
प्रति इक्विटी शेयर आय	30	300		
1. मूल/प्रत्येक का अंकित मूल्य 2 रुपये,			1.28	(7.75)
2. मिश्रित/प्रत्येक का अंकित मूल्य 2 रुपये,			1.28	(7.75)
तैयारी का आधार, मापन एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नितियां	2	270		

साथ में दिए गए नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460

(डॉ. नलिन सिंघला)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277

(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : मई 21, 2022

इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

अ. इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ों में)

2 रु प्रत्येक के इक्विटी शेयर जारी, अभिदान और पूर्ण भुगतान	शेयरों की संख्या		राशि	
	2021-22	2020-21	2021-22	2020-21
अवधि की शुरुआत में शेष	3482063355	3482063355	696.41	696.41
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-	-	-	-
वर्ष के अंत में शेष	3482063355	3482063355	696.41	696.41

अ. अन्य इक्विटी

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	राजस्व एवं अधिशेष				अन्य व्यापक आय की अन्य मदें	कुल अन्य इक्विटी	अनियंत्रित ब्याज
	आरक्षित पूंजी	पूंजी मोचन कोष	सामान्य कोष	प्रतिधारित आय			
1 अप्रैल 2021 को शेष राशि	35.18	37.87	30476.66	(4867.48)	(394.98)	25287.25	(11.66)
पूर्व अवधि की त्रुटियों के लिए लेखांकन में परिवर्तन	-	-	-	-	-	-	-
1 अप्रैल 2021 की स्थिति के अनुसार प्रतिधारित शेष राशि	35.18	37.87	30476.66	(4867.48)	(394.98)	25287.25	(11.66)
जोड़ें : वर्ष इक्विटी के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	428.95	76.90	505.85	(1.32)
घटाएं : सहायक और अल्पसंख्यक हित का परिसमापन	-	-	-	(17.08)	-	(17.08)	(12.98)
31 मार्च 2022 तक शेष	35.18	37.87	30476.66	(4421.45)	(318.08)	25810.19	-

इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण (SOCIE)

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	राजस्व एवं अधिशेष				अन्य व्यापक आय की अन्य मद्दे	कुल अन्य इक्विटी	अनियंत्रित ब्याज
	आरक्षित पूंजी	पूंजी मोचन कोष	सामान्य कोष	प्रतिधारित आय			
1 अप्रैल 2020 तक शेष राशि	35.18	37.87	30476.66	(2170.37)	(415.03)	27964.31	(9.07)
लेखा नीति में परिवर्तन या पूर्व अवधि त्रुटियां	-	-	-	-	-	-	-
1 अप्रैल 2020 तक प्रतिधारित शेष राशि	35.18	37.87	30,476.66	(2170.37)	(415.03)	27964.31	(9.07)
जोड़ें वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	(2697.11)	20.05	(2677.06)	(2.59)
31 मार्च 2021 तक शेष	35.18	37.87	30476.66	(4867.48)	(394.98)	25287.25	(11.66)

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
M.No.14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277

(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : मई 21, 2022

नकदी प्रवाह का समेकित विवरण

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
अ: परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह		
कर पूर्व लाभ/हानि	470.46	(3595.93)
समायोजन के लिए:		
प्रावधान एवं राइट ऑफ	(1120.06)	1241.08
मूल्य ह्रास एवं परिषोधन	314.12	473.25
वित्तीय लागत (ब्याज की छूट सहित)	355.96	373.95
ब्याज एवं लाभांश आय	(302.79)	(320.86)
संयुक्त उद्यमों में हानि/(लाभ) का हिस्सा	(50.42)	(44.14)
अनुषंगी में हिस्सेदारी का विनिवेश	(17.08)	-
अप्राप्त विदेशी मुद्रा हानि/(लाभ)	19.26	5.80
अन्य	(6.61)	(3.79)
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व परिचालनों से प्राप्त नकद	(337.16)	(1870.64)
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन के लिए समायोजन:		
व्यापारिक प्राप्तियां	1881.12	4014.80
अनुबंध संपत्तियां	(2594.15)	(1310.61)
मालसूची	603.40	1536.71
ऋण अग्रिम एवं अन्य संपत्तियां	143.49	(246.86)
उप कुल	33.86	3994.04
व्यापारिक देयताएं	1300.96	(1305.40)
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम, जमा एवं अन्य प्रावधान	(387.69)	(94.08)
प्रावधान	(358.60)	26.38
उप कुल	554.67	(1373.10)
शुद्ध नकदी (उपयोग की गई) / कार्यशील पूंजी से	588.53	2620.94
परिचालन से उत्पन्न नकदी	251.37	750.30
आय कर भुगतान	(258.00)	(216.65)
आयकर वापसी	666.88	26.30
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह	660.25	559.95
ख. निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
बैंक जमा का प्रतिदान/परिपक्वता (मूल परिपक्वता 3 माह से अधिक की होने पर)	(1251.12)	(159.98)
प्राप्त व्याज	257.93	343.11
म्युचुअल फंड्स से प्राप्त आय	-	1.42
संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	30.35	21.42
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्ति की बिक्री	6.90	1.88
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्ति की खरीद	(169.38)	(250.35)
शुद्ध नकदी (उपयोग की गई) / निवेश गतिविधियों से	(1125.32)	(42.50)

नकदी प्रवाह का समेकित विवरण

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
ग. वित्त पोषण गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
अल्पावधि ऋण से आय	(87.53)	(98.01)
पट्टे की बाध्यता (मूलधन) की कार्यवाही (चुकोती)	(48.79)	(60.30)
लीज दायित्व (ब्याज) की कार्यवाही / (चुकोती)	(9.57)	(12.95)
लाभांश भुगतान	(0.30)	(0.68)
ब्याज भुगतान	(183.30)	(222.21)
निवल नकद (प्रयुक्त) / वित्तपोषण गतिविधियों से (देखें बिंदु 4)	(329.49)	(394.15)
घ. नकदी व नकदी समकक्षों में शुद्ध वृद्धि/(ह्रास)	(794.56)	123.30
नकदी व नकदी समकक्ष का प्रारंभिक शेष (अतिरिक्त नकद ऋण को छोड़कर)	1519.90	1396.60
अतिरिक्त नकद ऋण का समायोजन – प्रारंभिक शेष राशि से भेल ईएमएल	7.28	0.00
नकदी व नकदी समकक्षों का जमा शेष (नोट 11 देखें)	732.62	1519.90

- (1) इंड एस-7: नकदी प्रवाह विवरण में वर्णित अप्रत्यक्ष विधि के तहत नकदी प्रवाह का विवरण तैयार किया गया है।
- (2) पिछले वर्ष के आंकड़े जहां कहीं भी लागू किए गए हैं, उन्हें फिर से एकत्र/पुनर्गठित किया गया है।
- (3) नकद और नकद समकक्षों के अंतिम शेष में 31 मार्च, 2022 (पिछले वर्ष शून्य करोड़) की स्थिति के अनुसार 0.15 करोड़ की विनिमय भिन्नता हानि शामिल है।
- (4) वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न होने वाली देनदारियों में परिवर्तन नोट 21 (vi), एवं नोट 39 बी, पर उपलब्ध हैं।

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N

(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N

(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277

(विजित वैदमुथा)
भागीदार
M.No. 406044

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : मई 21, 2022

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणियाँ

नोट [1] – कंपनी के बारे में सूचना

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ("बीएचईएल" या "कंपनी") भारत में स्थित एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली –110049 में है।

यह निगमित विद्युत संयंत्र उपस्कर निर्माता कंपनी है जो अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे विद्युत, पारेषण, उद्योग, परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस और रक्षा एवं एयरोस्पेस हेतु व्यापक श्रेणी के उत्पादों एवं सेवाओं के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग एवं सर्विसिंग का कार्य कर रही है।

बीएचईएल ने 11 अगस्त, 2021 को अपनी सहायक कंपनी— बीएचईएल ईएमएल में हिस्सेदारी केरल सरकार को अंतरित कर दी है।

कंपनी के पास बीएचईएल—जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड, एनटीपीसी—बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड के नाम से संयुक्त उद्यम कंपनियां हैं।

नोट [2] - महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों को मापने और बनाने का आधार (समेकित वित्तीय विवरण)

1. वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार:

क) अनुपालन का विवरण

वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 और उसके बाद के संशोधनों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 में और उसके संशोधनों के अनुसार वित्तीय विवरण के लिए लागू अतिरिक्त अपेक्षाओं के अधीन कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड-एस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।

ख) माप का आधार

वित्तीय विवरण क्रियाशील इकाई— प्रतिष्ठान (going concern) आधार पर और संग्रहण (accrual) लेखांकन प्रणाली के आधार पर तैयार किया गया है। जब तक पॉलिसी में अन्यथा उल्लेखित न हो वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए ऐतिहासिक लागत का उपयोग किया जाता है।

ग) कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपयों में तैयार किए जाते हैं, जो कंपनी की फंक्शनल करेंसी (कार्यकारी मुद्रा) है।

घ) लागत अनुमान और निर्धारण का उपयोग

इंड एस के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंधन को मूल्यांकन करने और अनुमान लगाने की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की गई राशि को प्रभावित करते हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं। अनुमानों की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। तदनुसार, लेखांकन अनुमानों में पूर्व प्रभाव से पुनरीक्षण किया जाता है।

लेखांकन नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण अनुमान और मूल्यांकन

वित्तीय विवरणों में उल्लिखित राशियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाली लेखांकन नीतियों को लागू करने में किए गए अनुमान और मूल्यांकन इस प्रकार हैं:

प्रकार हैं:

i) राजस्व

कंपनी निर्माण ठेकों/अनुबंधों के लिए राजस्व लेखांकन में अपनाए गए लागत दृष्टिकोण के आधार पर इनपुट पद्धति का उपयोग करती है। इनपुट पद्धति के उपयोग के लिए कंपनी को अपने निष्पादन दायित्व की संतुष्टि के लिए कुल अपेक्षित लागत के सापेक्ष लागत का अनुमान लगाना अपेक्षित होता है। अनुबंध की अवधि के दौरान अनुमानों का लगातार मूल्यांकन किया जाता है और कंपनी निर्धारित समयांतराल में प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अपने प्रदर्शन दायित्वों की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति का पुनः आकलन करती है।

कंपनी रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियों और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान परिस्थितियों में बदलाव का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में अपने अनुमानित लेनदेन मूल्य को अपडेट करती है।

ii) संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर

आवधिक मूल्यह्रास के संबंध में प्रभार का आकलन संपत्ति की अपेक्षित उपयोगी अवधि एवं इसकी समाप्ति के बाद अपेक्षित अवशिष्ट मूल्य का अनुमान करने के बाद किया जाता है। कंपनी की परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास विधि, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों का अनुमान प्रबंधन द्वारा परिसंपत्ति के अधिग्रहण के समय लगाया जाता है एवं इसकी समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान की जाती है।

iii) कर्मचारी लाभ योजनाएं

कर्मचारी परिभाषित लाभ योजनाएं और दीर्घकालिक लाभ योजनाएं बीमाकिक मान्यताओं के आधार पर मापी जाती हैं। हालाँकि, इन मान्यताओं में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का प्रभाव बताए गए दायित्वों और व्यय पर पड़ सकता है।

iv) प्रावधान और आकस्मिकताएँ

प्रावधानों और आकस्मिकताओं की पहचान हेतु सम्पन्न आकलन वर्तमान उपलब्ध सूचना के आधार पर प्रबंधन के सर्वोत्तम निर्धारण के अनुसार किए गए हैं।

2. संपत्ति संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों का अनुमान संचित मूल्यह्रास और संचित इम्पेयरमेंट हानि के नुकसान, यदि कोई हो तो, पर किया जाता है। कंपनी, अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी लाभप्रदता काल-खंड के अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (अनुबंध के तहत विदेश में उपयोग किए गए अन्य के अलावा) पर मूल्यह्रास निम्नलिखित मर्दों में, जहां उपयोगी लाभप्रदता कालखंड आधारित है, को छोड़कर तकनीकी रूप से अनुमानित उपयोगी जीवन का आकलन करने पर: –

संपत्ति श्रेणी	(वर्ष)
प्लांट एवं उपकरण	15.30
बिल्डिंग	5.60
बिजली अधिष्ठापन एवं उपकरण	10.30
इरेक्शन उपकरण, कैपिटल टूल्स एवं टैकल	5

जल निकासी, सीवरज और जल आपूर्ति	30
सर्वर और नेटवर्क	5
सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र	25

मूल्यहास विधियाँ, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, को संभावित रूप से हिसाब में लिया जाता है। जब तक कंपनी लीज अवधि के अंत तक स्वामित्व प्राप्त नहीं कर लेगी, तब तक उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियाँ लीज अवधि के छोटे और उनके उपयोगी लाभप्रदता वाले समयांतराल से अधिक हो जाती हैं। फ्री होल्ड जमीन का मूल्यहास नहीं होता है।

प्रॉपर्टी प्लांट और उपकरण जिनकी लागत रु 10,000/- या उससे कम है और जिनका वर्ष की शुरुआत में लिखित मूल्य 10,000/- रुपए या उससे कम है, का पूरी तरह से मूल्यहास होता है।

निर्माण/परियोजना स्थलों पर: सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत अनुबंध के कार्यकाल पर पूरी तरह से परिशोधित होती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंग, विद्युत प्रतिष्ठान और अन्य समान सक्षम कार्यों (अस्थायी संरचनाओं के अलावा) के कार्यकाल में मूल्यहास किया जाता है। अवशिष्ट मूल्य को बनाए रखने के बाद अनुबंध, यदि कोई हो।

भारत के बाहर लंबी अवधि के अनुबंधों के लिए उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियों का मूल्यहास अनुबंध की प्रारंभिक अवधि में होता है।

निर्माण के वर्ष में अस्थायी संरचनाएं पूरी तरह से ह्रासमान हैं।

अलग-अलग उपयोगी जीवन के साथ महत्वपूर्ण घटकों को अलग से हिसाब में लेकर मूल्यहास किया जाता है।

संपत्ति श्रेणी	(वर्ष)
प्लांट एवं उपकरण	2.25
बिजली अधिष्ठापन	2.10
फर्नीचर एवं फिक्सचर	3.10
कंप्यूटर	2.5
कार्यालय उपकरण	2.10

राइट-ऑफ-यूज एसेट का मूल्यहास स्ट्रेट-लाइन पद्धति का उपयोग करके शुरू होने की तारीख से लेकर राइट-ऑफ-यूज एसेट के उपयोगी जीवन के अंत तक या लीज अवधि की समाप्ति तक किया जाता है।

रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मामले में

मूल्यहास सीईआरसी/केईआरसी विनियमन 2009 में निर्दिष्ट दरों पर स्ट्रेट लाइन पद्धति के आधार पर प्रदान किया जाता है।

परिसंपत्तियों का मूल्यहास लागत की 90% सीमा तक किया जाता है और 10% को अवशेष मूल्य के रूप में रखा जाता है।

परिसंपत्तियों में वृद्धि पर मूल्यहास यथानुपात आधार पर प्रदान किया जाता है अर्थात् उस तिथि से/(तक) जब तक कि परिसंपत्तियाँ अपने नियत उपयोग (निपटान) के लिए उपलब्ध हों। 5000 रु. तक की निजी परिसंपत्ति पर उपयोग में न लाए जाने के वर्ष में पूरी तरह से मूल्यहास लगाया जाता है।

एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर मूल्यहास कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-II में निर्धारित उपयोगी कार्य अवधि के अनुसार स्ट्रेट लाइन पद्धति पर किया जाता है।

3. पट्टे

व्यवस्था के आरंभ में ही कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उक्त व्यवस्था पट्टा है अथवा इसमें पट्टा शामिल है।

प्रारंभिक मान्यता के बाद लीज/पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को लागत पर परिसंपत्ति के राइट-ऑफ-यूज के तहत पूंजीकृत किया जाता है, जिसमें वर्तमान मूल्य पर लीज देयता का प्रारंभिक निर्धारण, प्रोत्साहन के बिना प्रारंभिक पट्टा भुगतान, निहित परिसंपत्ति को नष्ट किए जाने और हटाने की प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत शामिल हैं।

पट्टों के तहत किए गए पट्टा भुगतान वित्त व्यय और बकाया लीज देयता में की गई कमी के मध्य सेट/स्थिर किया जाता है। लीज अवधि के दौरान प्रत्येक अवधि के लिए वित्त व्यय आवंटित किया जाता है ताकि दायित्व/देयता के अधिशेष पर लगातार आवधिक दर का उत्पादन किया जा सके। वित्त पट्टे पर दी गई संपत्ति के लिए, कंपनी प्रभावी ब्याज दर पद्धति का उपयोग करके पट्टा अवधि में वित्तीय आय को मान्यता देती है।

आरंभिक प्रत्यक्ष लागतें वित्त पट्टा प्राप्य के प्रारंभिक निर्धारण में शामिल हैं और पट्टे की अवधि में मान्य आय को कम करती हैं। पट्टा परिचालन से होने वाली आय को स्ट्रेट लाइन पद्धति के आधार पर पट्टे की अवधि में आय के रूप में जाना जाता है, जहां पट्टे के किराये में आवधिक वृद्धि अपेक्षित सामान्य मुद्रास्फीति के अनुरूप है।

4. अमूर्त परिसंपत्ति

10000/- से अधिक की कीमत वाली अमूर्त वस्तुओं का कम संचित परिशोधन और संचित हानि, यदि कोई हो, पर पूंजीकरण के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

अमूर्त संपत्ति को जो उपयोग के लिए उपलब्ध हैं, को स्टेटमेंट ऑफ प्रॉफिट और लॉस में स्ट्रेट लाइन पद्धति में अनुमानित तारीख से उपयोगी लाभप्रदता काल हेतु संशोधित किया जाता है अमूर्त संपत्ति के लिए अनुमानित उपयोगी जीवन निम्नानुसार हैं:

सॉफ्टवेयर	3 साल
अन्य	10 साल

वर्ष की शुरुआत में 10000/- या उससे कम डब्ल्यूडीवी की अमूर्त संपत्ति का पूरी तरह से परिशोधन किया जाता है।

परिशोधन अवधि और परिशोधन के तरीकों की प्रत्येक वित्तीय वर्ष में समीक्षा की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, का लेखा-जोखा संभावित रूप से किया जाता है।

अनुसंधान गतिविधियों पर व्यय, लाभ और हानि के रूप में मान्यता प्राप्त है। विकास गतिविधियों पर व्यय तभी पूंजीकृत होता है जब व्यय को मजबूती से मापा जा सकता है, उत्पाद या प्रक्रिया तकनीकी और व्यावसायिक रूप से संभव है, भविष्य के आर्थिक लाभ संभावित हैं और कंपनी के पास विकास कार्य कराने एवं संपत्ति के उपयोग अथवा विक्रय के पर्याप्त

संसाधन हैं। खर्च की गई पूंजी में सामग्री की लागत, प्रत्यक्ष श्रम, ओवरहेड लागत शामिल हैं जो कि स्थिति के अनुसार इसके इच्छित उपयोग एवं उधार लेने की लागत के लिए संपत्ति तैयार करने के लिए सीधे जिम्मेदार हैं।

अनुसंधान और विकास हेतु अधिग्रहीत संपत्ति को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागत

अर्हक संपत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन से संबंधित प्रत्यक्ष उधार लागत को ऐसी परिसंपत्तियों की लागत में जोड़ा गया है।

जिस परिपरीसंपत्ति में उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से अधिक समय लगता है, जैसे कि बारह महीने से ज्यादा, उसे इस प्रयोजन के लिए अर्हक परिसंपत्ति माना जाता है।

अन्य सभी उधार लागतों को उस अवधि के लाभ – हानि के स्टेटमेंट में दर्शाया गया है, जिसमें वे खर्च हुए हैं।

6. उपस्कर

इन्वेंटरी की कीमत लागत अथवा शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर निकाली जाती है। तैयार माल और कार्य-प्रगति के मूल्यांकन के संदर्भ में, लागत का मतलब कारखाना लागत है। कच्चे माल, घटकों, खुले उपकरणों, दुकानों और पुर्जों की लागत के संदर्भ में लागत का अर्थ भारित औसत लागत है।

7. राजस्व मान्यता

जिन वस्तुओं या सेवाओं के लिए ग्राहकों से वादा किया गया है, उनके अंतरण को दर्शाने के लिए राजस्व को ऐसी राशि में दर्शाया गया है, जो उस प्रतिफल को दर्शाती है, जिसे वह संस्था उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले में प्राप्त करने के लिए पात्र होने की उम्मीद रखती है।

निर्माण और दीर्घकालिक सेवा अनुबंधों के संबंध में, कंपनी माल या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को स्थानांतरित करती है और कुछ समय के बाद राजस्व का निर्धारण करती है। राजस्व का निर्धारण लागत दृष्टिकोण पर आधारित इनपुट पद्धति से किया जाता है। समय के साथ संतुष्ट निष्पादन बाध्यता की पूर्ण संतुष्टि की प्रगति को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में फिर से मापा जाता है।

माल और सेवाओं की बिक्री से प्राप्त राजस्व का निर्धारण नियंत्रण को ग्राहक को अंतरित करते समय और अनुबंध के तहत निष्पादन दायित्वों की संतुष्टि के आधार पर किया गया है।

अन्य आय

- ☐ लाभ और हानि विवरण/स्टेटमेंट में कंपनी को भुगतान प्राप्ति हेतु निर्धारित तिथि को लाभांश से प्राप्त आय मान्य है।
- ☐ ब्याज आय, प्रभावी ब्याज दर पद्धति के उपयोग द्वारा मान्य है।
- ☐ निर्यात प्रोत्साहन/शुल्क वापसी और बीमा के लिए दावों का प्रोद्भवन आधार पर किया जाता है।

8. विदेशी मुद्रा अंतरण/लेनदेन (विनिमय)

विदेशी मुद्राओं में लेन-देन को लेन-देन की तिथि को लागू विनिमय दर पर दर्ज किया गया है।

विदेशी मुद्रा वाली वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लागू विनिमय दरों पर कार्यात्मक मुद्रा में परिवर्तित किया जाता है। निपटान और अंतरण से होने वाले विदेशी मुद्रा लाभ अथवा हानि को लाभ एवं हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

ऐतिहासिक लागत पर मापी गई एवं विदेशी मुद्रा में दर्शायी गई गैर-मौद्रिक देनदारियों और गैर-मौद्रिक परिसंपत्तियों को लेनदेन की तारीख को लागू विनिमय दर पर परिवर्तित (अदल-बदल) किया जाता है।

9. कर्मचारी लाभ

निर्धारित योगदान योजना

कंपनी द्वारा कर्मचारियों हेतु पेंशन एवं फेमिली पेंशन फंड में किया गया योगदान अंशदायी योजना के अंतर्गत आता है तथा कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा-काल हेतु लाभ एवं हानि विवरणिका में इसे कर्मचारी लाभ व्यय के नाम से जाना जाता है।

निर्धारित लाभ योजनाएं

कंपनी की ग्रेच्युटी योजना, भविष्य निधि योजना, सेवानिवृत्ति पर यात्रा का दावा और सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा सुविधा योजना परिभाषित लाभ योजनाओं के अंतर्गत आती हैं।

इस परिभाषित लाभ योजना के संबंध में बैलेंस शीट में दर्शाई गई देयता रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजित संपत्तियों के उचित मूल्य के साथ वर्तमान लाभ देयता है। परिभाषित लाभ दायित्व प्रतिवर्ष अनुमानित क्रेडिट यूनिट का उपयोग करके स्वतंत्र एक्ट्यूरीज द्वारा गणना की जाती है। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य एक उपयुक्त सरकारी बॉन्ड दर का उपयोग करके अनुमानित भविष्य के नकदी बहिर्वाह को छूट देकर निर्धारित किया जाता है, जिसमें संबंधित दायित्व की शर्तों के लिए परिपक्वता की शर्तें होती हैं।

एक्चुअरी लाभ और हानि के साथ-साथ योजना परिसंपत्तियों पर वापसी और शुद्ध परिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज में शामिल राशियों के बीच अंतर को अन्य व्यापक आय (आयकर के शुद्ध) के रूप में दर्शाया गया है।

परिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित अन्य खर्चों को लाभ और हानि के विवरण में दर्शाया गया है।

दीर्घकालिक अवकाश देयता

कंपनी संचित क्षतिपूरित अनुपस्थिति की अनुमानित लागत का परिकलन रिपोर्टिंग अवधि के अंत में संचित अप्रयुक्त हकदारी के परिणामस्वरूप प्रदान की जाने के लिए अपेक्षित अतिरिक्त राशि के रूप में करती है। गैर-संचित क्षतिपूरित अनुपस्थिति पर व्यय को उस अवधि में दर्शाया गया है जिसमें अनुपस्थिति होती है। कंपनी अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर संचित शेष राशि के लिए एक देयता दर्ज करती है। दीर्घकालिक लाभ योजनाओं से संबंधित पुनर्मापन एवं अन्य व्यय को लाभ एवं हानि संबंधी विवरणिका में

दर्शाया गया है।

10. प्रावधान

- कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हर्जाने के दावों को, समान लेन-देन के अनुभव से उपलब्ध जानकारी के संदर्भ में प्रबंधन द्वारा संभावित परिणाम के आकलन के आधार पर वित्तीय विवरणों में दर्शाया जाता है।
- जब कंपनी संबंधित उत्पादों या अनुबंधों पर राजस्व का निर्धारण करती है और वारंटी अवधि के दौरान इसे बनाए रखती है तो कंपनी वारंटी के लिए अनुमानित लागत प्रदान करती है। प्रावधान पिछले अनुभव/ तकनीकी मूल्यांकन पर आधारित है।
- जब यह संभावित हो कि कुल अनुबंध लागत कुल अनुबंध राजस्व से अधिक हो जाएगी, तो अनुमानित नुकसान का तुरंत पता लगाया जाता है।
- यदि किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप अन्य प्रावधानों को मान्यता दी जाती है, तो कंपनी पर वर्तमान कानूनी या निर्माण संबंधी देयता होती है जिसका अनुमान विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है, और यह संभव है कि देयता के निपटान के लिए आर्थिक लाभ को खर्च करने की जरूरत पड़े।

तथापि, जहां धन के कालिक मूल्य का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप में हो, वहां जहां भी लागू हो, प्रावधानों को भविष्य के अनुमानित नकदी प्रवाह को छोड़कर निर्धारित किया जाता है।

11. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तभी मान्यता दी जाती है जब आश्वासन मिलता है कि उनसे जुड़ी शर्तों का अनुपालन किया जाएगा, और अनुदान प्राप्त किया जाएगा। गैर मौद्रिक अनुदानों को परिसंपत्तियों के उचित मूल्य के रूप में देखा जाता है और इसे आस्थगित आय के रूप में माना जाता है। आस्थगित आय को संपत्ति के उपयोगी लाभप्रदता काल पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लाभ – हानि विवरण में दर्शाया जाता है। राजस्व से संबंधित सरकारी अनुदान को संबंधित लागतों के साथ मिलान हेतु आवश्यक अवधियों पर लाभ और हानि के विवरण में एक व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसकी वे क्षतिपूर्ति करना चाहते हैं।

12. आय-कर

आयकर व्यय में वर्तमान कर और आस्थगित कर शामिल हैं। आयकर व्यय को लाभ और हानि के विवरण में दर्शाया जाता है, किंतु अन्य व्यापक आय या प्रत्यक्ष इक्विटी मदों से संबंधित आयकर को छोड़कर। वर्तमान कर वर्ष के लिए कर योग्य आय पर देय कर है, जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लागू कर दरों (कर कानूनों) का उपयोग करते हुए निर्धारित किया गया है और इसमें पिछले वर्षों के कर को भी समायोजित किया गया है।

आस्थगित कर बैलेंस शीट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित किया गया है, जो बैलेंस शीट में परिसंपत्ति या देयता की राशि और उसके कर आधार के बीच के अस्थायी अंतर के लिए प्रावधान किया गया है।

आस्थगित कर का परिकलन उन कर दरों पर किया जाता है, जिनका अस्थायी अंतर को रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक लागू विधियों के आधार पर प्राप्त किए जाने अथवा निपटाए जाने पर लागू होना अपेक्षित है।

आस्थगित कर परिसंपत्ति उतनी दर्शाई जाती है, जिससे कि भविष्य में इतना कर योग्य लाभ उपलब्ध हो कि उसके साथ अस्थायी अंतर को समायोजित किया जा सके।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की दर्शाई गई राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में की जाती है और इस सीमा तक कम कर दी जाती है कि अब यह सम्भावना नहीं रह जाती है कि संबंधित कर लाभ की प्राप्ति हो पाएगी।

लाभांश के वितरण से उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त आयकर को उसी समय मान्यता दी जाती है जब संबंधित लाभांश का भुगतान करने की देयता को मान्यता दी जाती है।

13. परिसंपत्तियों की हानि

वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

व्यापार और पट्टे की प्राप्य राशियों के संबंध में हानि भत्ते का परिकलन आजीवन अपेक्षित क्रेडिट लॉस के बराबर राशि के रूप में किया जाता है।

अन्य उन सभी वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में, जिन्हें इम्पेयर किया जाना आवश्यक है, यदि उस वित्तीय लिखत पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के बाद से काफी बढ़ गया है, तो हानि भत्ते का परिकलन आजीवन अपेक्षित क्रेडिट लॉस के बराबर राशि के रूप में किया जाता है। तथापि, यदि रिपोर्टिंग तिथि पर, वित्तीय उपकरण पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के बाद से बहुत अधिक नहीं बढ़ा है, तो हानि भत्ते को 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि के बराबर राशि पर मापा जाता है।

गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

नकदी पैदा करने वाली इकाइयों की मात्रा की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर की जाती है, जहां किसी भी तरह की हानि का संकेत होता है। लाभ और हानि का आकलन हुए नुकसान के आधार पर किया जाता है, जहां कैरिंग राशि नकदी पैदा करने वाली इकाइयों की वसूली योग्य राशि से अधिक होती है। यदि संकेतों से पता चलता है कि हानि में कमी आई है अथवा अब हानि नहीं हो रही है, तो पूर्व कालावधि में नुकसान से हुई हानि का आकलन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को किया जाता है। यदि वसूली राशि को इंगित करते हुए लागत में परिवर्तन हो तो, इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है।

यदि कोई इम्पेयरमेंट लॉस होना नहीं पाया गया है तथा संपत्ति की वहन राशि निर्धारित राशि से अधिक नहीं है, जो मूल्यह्रास या परिशोधन का शुद्ध है तो इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है।

14. सेगमेंट रिपोर्टिंग

खंडों के राजस्व और व्यय का निर्धारण खंड विशेष की परिचालन गतिविधियों के साथ उनके संबंध के आधार किया जाता है। जो राजस्व, व्यय, परिसंपत्तियां और देयताएं उचित आधार पर खंडों के लिए आवंटित

नहीं की जा सकती हैं, उन्हें धनावटित राजस्व/ व्यय/ सम्पत्ति/ देनदारियों के तहत शामिल किया गया है।

15. वित्तीय लिखत

i) नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय लिखत

नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय लिखतों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया गया है:

- ए) परिशोधित लागत और (बी) लाभ एवं हानि ("FVTPL") के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्धारित वित्तीय परिसंपत्तियां।
- परिशोधित लागत पर निर्धारित वित्तीय देनदारियां

प्रारंभ में, सभी वित्तीय लिखतों को उनके उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है। यदि वित्तीय लिखतों को एफवीटीपीएल के माध्यम से निर्धारित नहीं किया जाता है, तो कैशिंग राशि का निर्धारण करने में लेनदेन की लागत शामिल होती है, जब वित्तीय परिसंपत्तियों के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और प्रतिफल न तो अंतरित किए जाते हैं और न ही रोककर रखे जाते हैं तब वित्तीय परिसंपत्तियों को उसी स्थिति में डि-रेकोग्नाइज किया जाता है, जब कंपनी ने वित्तीय परिसंपत्तियों पर नियंत्रण नहीं रखा हो। जब संविदात्मक दायित्वों के निर्वहन या रद्द होने या समाप्त होने की स्थिति में वित्तीय देनदारियों को डि-रेकोग्नाइज किया जाता है।

बाद में नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय संपत्तियों का निर्धारण निम्न रूप में किया जाता है:

क. परिशोधित लागत –

“परिशोधित लागत पर वित्तीय लिखत का निर्धारण बाद में प्रभावी

ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति से परिशोधित लागत पर किया जाता है। परिशोधित लागत का परिकलन उस छूट या अधिग्रहण पर प्रीमियम और शुल्क या लागत को ध्यान में रखकर किया जाता है, जो ईआईआर का अभिन्न अंग हैं। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि में दर्शाया जाता है। इम्पेयरमेन्ट से होने वाले नुकसान को लाभ – हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

ख. एफवीटीपीएल श्रेणी –

इस श्रेणी में वर्गीकृत वित्तीय लिखत बाद में लाभ – हानि विवरण में दर्ज परिवर्तनों सहित उचित मूल्य पर तैयार किए जाते हैं। प्रत्यक्ष लेनदेन लागत को लाभ – हानि विवरण में खर्च के रूप में दर्शाया जाता है।

नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों को बाद में निम्न रूप में दर्शाया जाता है:

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, नॉन-डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों को प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर निर्धारित किया जाता है।

ii) डेरिवेटिव वित्तीय लिखत

यदि प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला कोई एम्बेडेड डेरिवेटिव हो उसे हॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट से अलग रखा जाता है और अलग से हिसाब में लिया जाता है। यदि हॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट की आर्थिक विशेषताएं एवं जोखिम और एम्बेडेड डेरिवेटिव आपस में जुड़े ना हों तो उसी प्रकार का एक अलग लिखत एम्बेडेड डेरिवेटिव को परिभाषित करेगा और संयुक्त लिखत को लाभ – हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर नहीं निर्धारित किया जाएगा।

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, डेरिवेटिव को उचित मूल्य पर निर्धारित और परिकलित किया जाता है। लेनदेन की अट्रीब्यूटेबल लागत को लाभ और हानि में लागत के रूप में दर्शाया जाता है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, डेरिवेटिव को लाभ-हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है।

17. नकद एवं नकद समतुल्य

नगद और नगद समतुल्य में बैंक में शेष और अपने पास उपलब्ध नकदी शामिल होती है। इसमें तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ सावधि जमा और अन्य अल्पकालिक मुद्रा बाजार जमा शामिल हैं जो आसानी से ज्ञात राशि में नकदी रूप में परिवर्तनीय हैं और मूल्य परिवर्तन के कम जोखिम के अधीन हैं।

नोट [3क] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (पीपीई) पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 के बिंदु 2 को देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
सकल खंड	6330.89	6179.47
घटाएँ: संचित मूल्यह्रास	3994.55	3750.49
निवल ब्लॉक (विवरण के लिए नोट 3.1 देखें)	2336.34	2428.98

आरओयू परिसंपत्तियों के संबंध में निवल ब्लॉक में ₹ 154.83 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 164.19 करोड़) शामिल हैं।

कंपनी ने इंड एस 101 के तहत छूट का विकल्प चुना है, एवं तदनुसार इंड एस ट्रांजिशन की दिनांक 31.03.2015 को प्राप्त मूल्य को निर्णीत कीमत माना गया है

नोट [3ख] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ प्रगति पर पूंजीकृत कार्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
संयंत्र, मशीनरी एवं अन्य उपकरण:		
प्रगति पर इरेक्शन/ फेब्रिकेशन/प्रतीक्षारत इरेक्शन	131.43	171.60
ट्रांसिट में	9.37	0.63
प्रगति पर निर्माण कार्य –सिविल	280.12	228.77
निर्माण भंडार – (मार्गस्थ सहित)	1.40	2.21
कुल	422.32	403.21

सीडब्ल्यूआईपी समयावधि सूची – 31 मार्च 2022

विवरण	अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर	115.39	127.88	115.41	51.31	409.99
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	0.59	0.07	2.36	9.31	12.33

सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता सूची (सीडब्ल्यूआईपी जो अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक हो गई है) – 31 मार्च, 2022 तक

विवरण	वर्ष में पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर					
नई बिल्डिंग – नोएडा	217.38	-	-	-	217.38
सेलेक्टिव केटलस्ट रीडक्सन प्लांट – बेंगलुरु	62.12	-	-	-	62.12
₹ 10 करोड़ से कम की अन्य परियोजनाएं (कुल संख्या – 25)	37.83	-	-	-	37.83
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित					
उपकरण निर्माण संयंत्र – भंडारा	-	-	-	7.74	7.74
₹ 1 करोड़ से कम की अन्य परियोजनाएं (कुल संख्या – 4)	0.07	-	-	1.58	1.65

सीडबल्यूआईपी समयावधि सूची – 31 मार्च 2021

विवरण	अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर	174.88	141.71	46.90	27.98	391.47
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	-	2.42	-	9.32	11.74

सीडबल्यूआईपी पूर्णता सूची (सीडबल्यूआईपी जो अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक हो गई है) – 31 मार्च, 2021 तक

विवरण	वर्ष में पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर					
नई बिल्डिंग – नोएडा	173.01	-	-	-	173.01
सेलेक्टिव कंटेनर स्टोरेज प्लांट – बेंगलुरु	57.62	-	-	-	57.62
यूएचवी लैब टेस्ट प्लांट का उन्नयन	22.73	-	-	-	22.73
सीएनसी हॉरिजॉन्टल मशीन – हैदराबाद	18.47	-	-	-	18.47
₹10 करोड़ से कम की अन्य परियोजनाएं (कुल संख्या – 12)	16.94	6.78	-	-	23.72
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित					
इक्युपेंट फेब्रिकेशन प्लांट – भंडारा	-	-	-	7.74	7.74
₹1 करोड़ से कम की अन्य परियोजनाएं (कुल संख्या – 5)	0.59	-	-	1.65	2.24

नोट [4क] – गैर चालू परिसंपत्तियाँ-अमूर्त परिसंपत्तियां

अमूर्त परिसंपत्तियों पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 के बिंदु 4 को देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
सकल खंड	308.92	290.83
घटाएँ: संचित परिशोधन	246.80	228.67
निवल ब्लॉक (विवरण के लिए नोट 4.1 देखें)	62.12	62.16

कंपनी ने इंड एस 101 के तहत छूट का विकल्प चुना है, एवं तदनुसार इंड एस ट्रांजिशन की दिनांक 31.03.2015 को प्राप्त मूल्य को निर्णीत कीमत माना गया है

नोट [4ख] – गैर-चालू संपत्तियां विकास के तहत अमूर्त संपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
विकास के तहत अमूर्त संपत्तियां	8.66	16.35
कुल	8.66	16.35

विकास के तहत अमूर्त संपत्तियों की समयावधि सूची – 31 मार्च 2022 की स्थिति

विवरण	अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त संपत्ति की राशि				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर	1.39	-	1.18	6.09	8.66
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	-	-	-	-	-

विकास पूर्णता अनुसूची के तहत अमूर्त संपत्ति (जो अतिदेय हैं या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक हो गई है) – 31 मार्च, 2022 तक

विवरण	वर्ष में पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर					
एससीआर परियोजनाएं तकनीकी जानकारी (अतिदेय)	4.71	-	-	-	4.71
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	-	-	-	-	-

विकास के तहत अमूर्त संपत्ति की समयावधि सूची – 31 मार्च 2021 की स्थिति

विवरण	अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त संपत्ति की राशि				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर	9.09	1.18	3.54	2.54	16.35
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	-	-	-	-	-

विकास पूर्णता अनुसूची के तहत अमूर्त संपत्ति (जो अतिदेय हैं या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक हो गई है) – 31 मार्च, 2021 तक

विवरण	वर्ष में पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर					
एससीआर परियोजनाएं तकनीकी जानकारी (अतिदेय)	4.71	-	-	-	4.71
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	-	-	-	-	-

नोट 3.1 – परिसंपत्ति, प्लांट व उपस्कर का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास / परिशोधन				निवल ब्लॉक	
	01.04.2021 को अंतिम शेष	परिवर्धन / समायोजन	कटौती / समायोजन	31.03.2022 को अंतिम शेष	01.04.2021 पर संचित मूल्यहास	वर्ष के लिए मूल्यहास / परिशोधन	मूल्यहास समायोजन	31.03.2022 को संचित मूल्यहास	31.03.2022 को निवल ब्लॉक	31.03.2021 को निवल ब्लॉक
भूमि-फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	28.02	-	(0.31)	27.71	-	-	-	-	27.71	28.02
भवन-फ्री होल्ड भवन	1710.01	37.93	(4.29)	1743.65	607.16	63.98	(1.55)	669.59	1074.06	1102.85
सड़कें, पुल एवं पुलियाँ	15.85	-	(0.00)	15.85	13.56	0.60	-	14.16	1.69	2.30
जल व माल निकासी एवं जल-आपूर्ति	31.17	0.32	(0.00)	31.49	7.05	1.17	-	8.21	23.28	24.13
प्लांट व मशीनरी	3100.77	117.42	(8.39)	3209.81	2269.28	128.90	(7.98)	2390.20	819.61	831.49
रेलवे साइडिंग	8.85	-	-	8.85	4.87	0.44	-	5.31	3.54	3.98
लोकोमोटिव व वेगन	28.30	-	0.03	28.33	15.90	1.66	-	17.57	10.76	12.40
फर्नीचर व फिक्चर्स	61.96	1.33	(1.21)	62.09	39.96	5.11	(0.99)	44.08	18.01	21.99
वाहन	14.37	-	(0.04)	14.33	8.81	1.47	(0.03)	10.24	4.09	5.56
कार्यालय व अन्य उपस्कर	138.42	4.27	(1.59)	141.10	110.37	11.16	(1.42)	120.11	20.99	28.05
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	133.21	0.62	19.00	152.83	97.47	24.70	19.79	141.97	10.86	35.74
इलेक्ट्रिकल अधिष्ठापन	241.42	10.93	(0.67)	251.67	174.36	6.67	(0.58)	180.44	71.23	67.06
निर्माण उपस्कर	71.12	0.64	0.09	71.85	67.48	1.58	0.17	69.22	2.63	3.64
₹ 10,000/- तक की लागत वाली अचल संपत्तियाँ	21.09	1.55	(0.59)	22.05	21.09	1.55	(0.59)	22.05	-	-
सोलर पावर जेनरेशन	119.54	-	-	119.54	21.97	4.51	-	26.48	93.06	97.58
बट्टे खाते में डाली गई परिसंपत्तियाँ	455.37	33.18	(58.80)	429.75	291.18	42.35	(58.61)	274.92	154.83	164.19
कुल	6179.47	208.19	(56.77)	6330.89	3750.49	295.85	(51.79)	3994.55	2336.34	2428.98
पिछला वर्ष	6057.86	139.94	(18.32)	6179.47	3319.35	446.45	(15.32)	3750.49	2428.98	2738.51

टिप्पणियाँ:

सकल ब्लॉक (पूर्व आईजीएपी के अनुसार) 31.03.2022 को ₹ 13507.29 करोड़ और 31.03.2021 को ₹ 13447.26 करोड़

31.03.2022 तक सकल ब्लॉक में निंदा की गई संपत्ति और सक्रिय उपयोग से सेवानिवृत्त ₹ 7.03 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 14.11 करोड़) शामिल हैं

31.03.2022 तक नेट ब्लॉक से त्याग की गई और सक्रिय उपयोग से बाहर संपत्ति शामिल है ₹ 0.12 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 0.12 करोड़)

सकल ब्लॉक में निष्पादन एजेंसी के रूप में अनुसंधान के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से खरीदी गई संपत्ति की लागत शामिल नहीं है क्योंकि संपत्ति कंपनी के पास ₹ 259.64 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 244.43 करोड़) नहीं है।

वर्ष के दौरान कोई ह्रास हानि नहीं है।

टेबल 3.1(क): बड़े खाते में डाली गई परिसंपत्तियों में शामिल हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास/परिशोधन				निवल ब्लॉक	
	01.04.2021 को अंतिम शेष	परिवर्धन/ समायोजन	कटौती/ समायोजन	31.03.2022 को अंतिम शेष	01.04.2021 पर संचित मूल्यहास	वर्ष के लिए मूल्यहास/ परिशोधन	मूल्यहास समायोजन	31.03.2022 को संचित मूल्यहास	31.03.2022 को निवल ब्लॉक	31.03.2021 को निवल ब्लॉक
भूमि (विकास व्यय सहित)	114.78	4.08	-	118.86	10.39	3.74	-	14.13	104.73	104.39
भवन	1.63	-	-	1.63	0.31	0.05	-	0.36	1.27	1.32
प्लांट व मशीनरी	22.14	15.67	-	37.81	8.85	14.25	-	23.10	14.71	13.29
कार्यालय व अन्य उपस्कर	16.47	0.76	(0.39)	16.84	14.83	0.55	(0.37)	15.02	1.82	1.64
ईडीपी उपस्कर	278.40	0.01	(48.90)	229.51	238.31	19.34	(48.91)	208.73	20.78	40.10
वाहन	4.50	2.00	(1.00)	5.50	2.63	1.27	(0.83)	3.08	2.42	1.87
अन्य	17.45	10.66	(8.50)	19.61	15.86	3.15	(8.50)	10.51	9.10	1.59
कुल	455.37	33.18	(58.80)	429.75	291.18	42.35	(58.61)	274.92	154.83	164.19

नोट [3.1] – परिसंपत्ति, प्लांट व उपस्कर के बारे में अतिरिक्त प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
2. भूमि एवं भवन जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:		
क i) जमीन, जिसके लिए औपचारिक अंतरण पट्टा विलेख नहीं किया गया है (एकड़ में)	8169.53	8169.53
निवल ब्लॉक	65.68	66.40
ii) प्लेटों की संख्या, जिनके लिए औपचारिक पट्टा विलेख नहीं किया गया है (संख्या में)	12	12
निवल ब्लॉक	1.06	1.11
iii) जमीन, जिसके लिए प्रदत्त लागत अनंतिम है। (एकड़ में)	480.04	480.04
[भावी पंजीकरण प्रभार एवं स्टाम्प शुल्क (प्रावधानों को छोड़कर), जिसकी गणना भुगतान पर की जाएगी।]		
निवल ब्लॉक	61.98	62.70
ख. रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के विभागों और अन्य को पट्टे पर दी गई जमीन (एकड़ में)	29.78	30.37
ग. जमीन, जो प्रतिकूल/ अनधिकृत कब्जे में है (एकड़ में)	757.16	751.49
घ. 1297.86 एकड़ (PY 1297.86 एकड़) भूमि हरिद्वार संयंत्र में म्यूटेशन के लिए लंबित है, जिसके लिए कानूनी कार्यवाई प्रक्रियाधीन में है। इसमें 934 एकड़ (PY 934 एकड़) भूमि शामिल है जो बीएचईएल के कब्जे में है लेकिन वर्ष 2004 से 2007 में उत्तराखंड सरकार के सिडकुल के नाम पर गलत तरीके से म्यूटेट की गई है।		
ड. इसके अलावा, हरिद्वार संयंत्र में, 8 एकड़ भूमि उत्तराखंड सरकार के दिनांक 01.12.2003 के कार्यालय ज्ञापन के तहत आईओएसएल/ राज्य सरकार को हस्तांतरण के लिए लंबित है।		
च. (उपर्युक्त (ख से ड) की भूमि की लागत प्रत्यक्ष नहीं है)		

विवरण	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
3. i) भूमि का कुल क्षेत्रफल एकड़ में	16409.23	16409.03
ii) में से फ्री होल्ड भूमि (सेल डीड)/ कब्जे / लाइसेंस अधिकार (एकड़ में)	15735.89	15735.69
iii) में से पट्टा होल्ड भूमि (एकड़ में)	673.34	673.34

4. कंपनी ₹ 10000/- रु. तक की लागत ओपनिंग नेट ब्लॉक वाले पीपीई के एक मद पर 100% मूल्यहास प्रदान करती है। पिछले वर्षों के प्रभाव पर विचार किए बिना, लाभ पर पीपीई की एक वस्तु पर 100: मूल्यहास प्रदान करने का प्रभाव निम्नानुसार है : (₹ in Crore)

विवरण	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
₹ 10,000/- रु. चार्ज ऑफ तक पीपीई पर 100% मूल्यहास	6.50	5.34
घटाएँ: उपर्युक्त पर सामान्य मूल्यहास	(3.53)	(1.19)
वर्ष के लिए मूल्यहास के रूप में प्रभावित अतिरिक्त राशि	2.97	4.15

4^ए इंड एस 16 के पैरा 51 के अनुरूप वित्त वर्ष 2021-22 में की गई समीक्षा के आधार पर पीपीई की कुछ वस्तुओं के अनुमानित उपयोगी जीवन में संशोधन के परिणामस्वरूप मूल्यहास पर प्रभाव में ₹ 126.36 करोड़ की कमी है।

नोट 4.1 - अमूर्त परिसंपत्तियों का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यहास / परिशोधन				निवल ब्लॉक	
	01.04.2021 को अंतिम शेष	परिवर्धन / समायोजन	कटौती / समायोजन	31.03.2022 को अंतिम शेष	01.04.2021 पर संचित मूल्यहास	वर्ष के लिए मूल्यहास / परिशोधन	मूल्यहास समायोजन	31.03.2022 को संचित मूल्यहास	31.03.2022 को निवल ब्लॉक	31.03.2021 को निवल ब्लॉक
आंतरिक स्रोतों से विकसित										
अन्य	69.78	1.24	-	71.02	61.49	5.16	-	66.66	4.37	8.29
अन्य										
सॉफ्टवेयर	50.92	2.28	(0.15)	53.05	46.92	3.75	(0.14)	50.52	2.52	4.00
तकनीकी ज्ञान	170.13	14.72	-	184.85	120.26	9.36	-	129.62	55.23	49.87
कुल	290.83	18.25	(0.15)	308.92	228.67	18.27	(0.14)	246.80	62.12	62.16
पिछले वर्ष	280.48	10.35	-	290.83	201.87	26.80	-	228.67	62.16	78.61

सकल ब्लॉक (पिछले भारतीय आईजीएपी के अनुसार) 31.03.2022 को ₹ 584.11 करोड़ एवं 31.03.2021 को ₹ 575.15 करोड़ था।

वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों में कोई ह्रास हानि नहीं हुई।

नोट [5] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ वित्तीय परिसंपत्तियाँ – निवेश

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड		
शुद्ध संपत्ति खोलना	181.76	158.97
वर्ष के लिए लाभ / (हानि)	50.42	44.14
अन्य व्यापक आय	0.03	0.07
कम: लाभांश का भुगतान	30.35	21.42
शुद्ध संपत्ति बंद करना	201.86	181.76
(i) RPCL (संयुक्त उद्यम कंपनी) को घाटा हुआ है, जिसके कारण समूह ने 31 मार्च, 2019 को निवेश की लागत के बराबर संचित घाटे को मान्यता दी है। समूह के गैर-लेखापरीक्षित नुकसान के अनुसार ₹ 880 करोड़ की राशि का गैर-मान्यता प्राप्त हिस्सा है। 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरण।		
(ii) एनबीपीपीएल (संयुक्त उद्यम कंपनी) को घाटा हुआ है जिसके कारण समूह ने 31 मार्च, 2019 को निवेश की लागत के बराबर संचित घाटे को मान्यता दी है। समूह के पास उनके गैर-लेखापरीक्षित नुकसान के अनुसार ₹ 100 करोड़ की राशि का गैर-मान्यता प्राप्त हिस्सा है। 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरण।		

नोट [5] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ
वित्तीय परिसंपत्तियाँ – निवेश

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 की स्थिति		31 मार्च, 2021 की स्थिति	
	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि
I कोटिड इक्विटी उपस्कर		-		-
II अनकोटिड इक्विटी उपस्कर (पूरी तरह भुगतान किए गए शेयर)				
(क) संयुक्त उद्यम में निवेश (लागत पर)				
(i) पावरप्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रोवमेंट लि.	1999999 (10)	2.00	1999999 (10)	2.00
घटाएँ: मूल्यह्रास हेतु प्रावधान		<u>2.00</u>		<u>2.00</u>
		-		-
(ख) पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी उपस्करों में निवेश (एफवीटीपीएल पर)				
(i) नीलांचल इस्पात निगम लि.	5000000 (10)	5.00	5000000 (10)	5.00
जोड़ें / (घटाएँ): उचित मूल्य समायोजन		<u>(5.00)</u>		<u>(5.00)</u>
		-		-
(ii) एपी गैस पावर कॉर्पोरेशन लि.	728960 (10)	0.91	728960 (10)	0.91
जोड़ें / (घटाएँ): उचित मूल्य समायोजन		<u>2.38</u>		<u>2.67</u>
		3.29		3.58
(iii) इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि.	1892 (10)	*	1892 (10)	*
सहकारी समितियों में हिस्सेदारी #				
कुल		3.29		3.58
(ग) ₹ 1 लाख से कम मूल्य का अनकोटिड निवेश की कुल राशि		7.91		7.91
निवेश के मूल्य में हानि की सकल राशि		4.62		4.33

विभिन्न कर्मचारी सहकारी समितियों में आयोजित इक्विटी शेयर, जिनका मूल्य ₹ 1 लाख /— से कम है—

संयुक्त उद्यम एवं सहायक कंपनियों के बारे में जानकारी

(₹ करोड़ में)

विवरण	देश जहां निगमन हुआ	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
(क) संयुक्त उद्यम का नाम (जेबीसी)		स्वामित्व का अनुपात (%)	
बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस प्रा. लि. (बीजीजीटीएस)	भारत	एक शेयर 50% से कम	एक शेयर 50% से कम
एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि. (एनबीपीपीएल)		50%	50%
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लि. (आरपीसीएल)		22.14%	27.97%
पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रोवमेंट लि. (पीपीआईएल)		एक शेयर 50% से कम	एक शेयर 50% से कम

- (i) एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि. में निवेश के मूल्य में कमी का प्रावधान शुद्ध वित्तीय स्थिति के आधार पर ₹ 50.00 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष तक ₹ 50.00 करोड़ रुपए) तक किया गया है। 08 फरवरी, 2018 को हुई बैठक में निदेशक मंडल ने एनबीपीपीएल के समापन के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। ऊर्जा मंत्रालय (एमओपी) ने एनटीपीसी को सलाह दी है कि वह बीएचईएल की हिस्सेदारी खरीदने पर विचार करे एवं या तो इसे एक ई-हाउस शाखा के रूप में जारी रखने या वर्तमान कार्य पूरा होने के बाद इसे बंद करने का निर्णय ले। यह सलाह एनबीपीपीएल बोर्ड द्वारा 29.08.2019 को हुई बैठक में दी गई थी।
- (ii) आरपीसीएल में स्वामित्व के % में कमी अन्य शेयरधारक मेसर्स केपीसीएल द्वारा राइट इश्यू की सदस्यता के कारण है।
- (iii) पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रोवमेंट लि. में निवेश के मूल्य में कमी का प्रावधान ₹ 2.00 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष ₹ 2.00 करोड़ रुपए) किया गया है क्योंकि जेबीसी परिसमापन के तहत है एवं इक्विटी के रूप में भुगतान की गई राशि वसूली योग्य नहीं है।

नोट [6] - वित्तीय परिसंपत्तियाँ – व्यापार प्राप्य

(₹ करोड़ में)

वित्तीय परिसंपत्तियाँ मूल्यहास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें।

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
असुरक्षित, शोध्य	3538.39	3340.61	3535.85	4490.18
साख का मूल्यहास (बी एंड डी ऋणों के लिए भत्तों में शामिल)	11599.09	277.54	12598.54	425.72
	15137.48	3618.15	16134.39	4915.90
घटाएँ: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	11933.64	593.40	12954.65	880.83
कुल व्यापार प्राप्य (शुद्ध)	3203.84	3024.75	3179.74	4035.07

व्यापार प्राप्तियों के मूल्यहास हेतु सरलीकृत दृष्टिकोण का पालन किया जाता है, वर्गीकरण इंड एस 109 के अनुसार किया जाता है:

- (क) निदेशकों से प्राप्य
(ख) अधिकारियों से प्राप्य

-	-	-	-
-	-	-	-

(₹ करोड़ में)

गैर-चालू व्यापार प्राप्य समयावधि कार्यक्रम – 31 मार्च 2022

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					बिल नहीं किया गया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं है	कुल
	6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – शोध्य	39.02	38.13	172.50	288.06	1063.63	-	-	1601.34
ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) विवादित व्यापार प्राप्य – शोध्य	0.89	5.28	16.95	66.50	1847.43	-	-	1937.05
iv) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	95.20	100.67	395.44	630.60	10377.18	-	-	11599.09

चालू व्यापार प्राप्य समयावधि कार्यक्रम – 31 मार्च 2022

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					बिल नहीं किया गया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं है	कुल
	6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – शोध्य	2214.21	237.21	337.62	197.02	354.55	-	-	3340.61
ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) विवादित व्यापार प्राप्य – शोध्य	-	-	-	-	-	-	-	-
iv) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	11.23	0.88	35.77	35.58	194.08	-	-	277.54

गैर-चालू व्यापार प्राप्य समयावधि कार्यक्रम – 31 मार्च 2021

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					बिल नहीं किया गया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं है	कुल
	6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – शोध्य	134.78	114.88	286.89	202.41	307.61	-	-	1046.57
ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) विवादित व्यापार प्राप्य – शोध्य	12.67	5.91	95.57	138.71	2236.42	-	-	2489.28
iv) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	279.37	238.81	822.05	688.67	10569.64	-	-	12598.54

चालू व्यापार प्राप्य समयावधि कार्यक्रम – 31 मार्च 2021

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					बिल नहीं किया गया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं है	कुल
	6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – शोध्य	2121.42	434.87	613.07	659.49	661.33	-	-	4490.18
ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) विवादित व्यापार प्राप्य – शोध्य	-	-	-	-	-	-	-	-
iv) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	3.32	0.74	31.61	24.63	365.42	-	-	425.72

नोट [7] - वित्तीय परिसंपत्तियाँ – अन्य

वित्तीय परिसंपत्तियाँ मूल्यहास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
सुरक्षा जमा				
एसईबी, पोर्ट ट्रस्ट एवं अन्य के पास जमा				
अरक्षित, शोध्य माल	81.80	112.86	84.64	128.57
ऋण बाधित	2.87	11.69	2.92	12.01
	84.67	124.55	87.56	140.58
घटाएँ: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	2.87	11.69	2.92	12.01
	81.80	112.86	84.64	128.57
12 महीने से अधिक की परिपक्वता वाली बैंक जमा राशि	4.93	-	12.75	-
बैंक जमा पर अर्जित ब्याज	-	76.62	-	77.14
कर्मचारियों को अग्रिम	-	22.19	-	27.02
घटाएँ: अशोध्य और संदिग्ध अग्रिमों के लिए ऋण	-	0.11	-	0.08
	-	22.08	-	26.94
कुल	86.73	211.56	97.39	232.65
प्रतिभूति जमा में शामिल हैं:				
निदेशकों से प्राप्य	-	-	-	-
अधिकारियों से प्राप्य	-	0.01	-	0.01

नोट [8] - गैर चालू परिसंपत्तियाँ

आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध देनदारियाँ)

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 12 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ		
प्रावधान	1629.68	1766.37
भुगतान आधार पर देय राशि की अनुमति	440.00	487.11
मूल्यहास (पीपी-ई एवं अमूर्त परिसंपत्तियाँ)	46.04	78.26
करयोग्य हानि पर	1311.74	1278.30
अन्य	102.62	61.20
उप कुल	3530.08	3671.24
घटाएँ : आस्थगित कर देयताएं	-	-
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध देनदारियाँ)	3530.08	3671.24

नोट [9] - अन्य

ह्रास पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
अनुबंध परिसंपत्तियाँ (बिना बिल किया हुआ राजस्व सहित)				
सुरक्षित, शोध्य	18248.24	8691.63	16584.91	7494.57
ऋण बाधित	2768.53	663.72	3545.45	76.46
	21016.77	9355.35	20130.36	7571.03
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	2768.53	663.72	3545.45	76.46
कुल (क)	18248.24	8691.63	16584.91	7494.57
सुरक्षा जमा				
कर प्राधिकरणों एवं अन्य के पास जमा				
अरक्षित, शोध्य माल	79.96	443.32	106.80	497.11
अरक्षित, अशोध्य	30.45	89.74	12.85	79.41
	110.41	533.06	119.65	576.52
घटाएँ: अशोध्य एवं संदिग्ध जमा के लिए प्रावधान	30.45	89.74	12.85	79.41
उप कुल (ख)	79.96	443.32	106.80	497.11
ऋण व अग्रिम				
अरक्षित, शोध्य माल				
क्रय के लिए अग्रिम (वेंडर एवं सब कॉन्ट्रैक्टर)	41.54	56.42	99.58	152.23
इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	-	958.31	-	1031.11
वसूली योग्य दावे एवं अन्य	139.76	642.85	37.34	601.11
पूँजी अग्रिम	17.04	-	23.81	-
सहायक कंपनी के लिए अग्रिम				
अरक्षित, अशोध्य	11.50	35.69	11.71	6.93
क्रय के लिए अग्रिम (वेंडर एवं सब कॉन्ट्रैक्टर)	-	5.38	-	8.61
इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	49.67	111.92	28.14	121.16
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	4.69	-	-	-
पूँजी अग्रिम	264.20	1810.57	200.58	1921.16
घटाएँ: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों व अग्रिमों के लिए प्रावधान	65.86	152.99	39.85	136.70
कुल (ग)	198.34	1657.58	160.73	1784.46
कुल (क+ख+ग)	18526.54	10792.53	16852.44	9776.14
विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – शोध्य	13874.67	8691.63	12764.34	7494.57
ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	-	-	-	-
iii) विवादित व्यापार प्राप्य – शोध्य	4373.57	-	3820.57	-
iv) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित	2768.53	663.72	3545.45	76.46
कुल	21016.77	9355.35	20130.36	7571.03
ऋण व अग्रिम में शामिल है:				
(क) निदेशकों से प्राप्य	-	-	.	.
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	-	-	.	.

नोट [10] - चालू परिसंपत्तियाँ माल सूची

माल सूची के मूल्यांकन पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 6 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
कच्चा माल एवं अवयव	2799.87		2811.03	
मार्गस्थ सामग्री	129.30	2929.17	199.83	3010.86
चालू कार्य (उप ठेकेदारों वाली मदों सहित)		3334.54		3779.72
तैयार माल	518.09		629.11	
मार्गस्थ इंटर डिविसन ट्रांसफर	89.85	607.94	63.75	692.86
स्टोर एवं स्पेयर पार्ट्स				
उत्पादन	151.94		166.42	
ईंधन स्टोर	5.70		2.58	
विविध	50.32	207.96	51.24	220.24
अन्य माल सूची				
फेब्रिकेट्स/ ठेकेदारों के पास सामग्री	60.10		39.80	
खुले औजार	24.32		23.02	
स्क्रेप (अनुमानित वसूली योग्य मूल्य पर)	143.26	227.68	147.46	210.28
		7307.29		7913.97
घटाएँ: अचल माल सूची के लिए प्रावधान		747.08		719.52
कुल		6560.21		7194.45
नोट:				
माल सूची का बट्टाकरण		76.77		219.35
घटाएँ: इनका रिवर्सल		49.21		42.27
शुद्ध		27.56		177.08

नोट [11] - चालू परिसंपत्तियां वित्तीय परिसंपत्तियां – नकद और नकद के समकक्ष

नकद और नकद के समकक्ष पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 16 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
बैंकों में शेष :				
ईईएफसी खाता	28.20		202.69	
चालू/नकद साख खाता	687.82	716.02	1324.33	1527.02
उपलब्ध चेक, डिमांड ड्राफ्ट		13.06		0.08
उपलब्ध नकदी एवं स्टेम्प		0.08		0.07
मार्गस्थ में प्रेषण		3.46		0.02
कुल		732.62		1527.19

नोट [12] - चालू परिसंपत्तियां वित्तीय परिसंपत्तियां – बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
3 महीने से अधिक की लेकिन 12 महीने से कम की परिपक्वता वाली फिक्स्ड डिपॉजिट		6411.12		5160.01
जारी किए गए बीजी के लिए मार्जिन मनी के नामे फिक्स्ड डिपॉजिट		2.65		2.54
बैंकों में बकाया राशि (निर्धारित):				
चार्जिंग स्टेशन परियोजना	3.94		7.88	
लावारिस लाभांश खाता	1.81		2.11	
गैर-प्रत्यावर्तनीय खाता	1.52		1.69	
बोनस अंक पर आंशिक शेयरों की बिक्री से आय	0.03	7.30	0.03	11.71
कुल		6421.07		5174.26
कुल नकद एवं बैंक में जमा राशि [11 + 12]		7153.69		6701.45

नोट [13] - चालू परिसंपत्तियाँ वित्तीय परिसंपत्तियाँ – ऋण

वित्तीय परिसंपत्तियाँ मूल्यहास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
ऋण		
पीएसयू को ऋण (बीपी व सीएल) **		
ऋण बाधित	-	13.32
घटाएँ: आशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	-	13.32
कुल	-	-

* ऋण और उस पर ब्याज, जो 31 मार्च, 2021 को मूल्यहास था, का भुगतान वर्ष के दौरान बीपी एंड सीएल द्वारा किया गया है।

नोट [14] - चालू परिसंपत्तियाँ वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ / देयताएं (शुद्ध)

आयकर के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 12 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
अग्रिम कर – टीडीएस	180.71	1062.15
घटाएँ: कराधान के प्रावधान	61.47	658.55
कुल	119.24	403.60

नोट [15] - इक्विटी इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि
अ. इक्विटी शेयर पूंजी				
प्राधिकृत	10000000000 (2)	2000.00	10000000000 (2)	2000.00
जारी, सब्सक्राइब्ड एवं पूर्णतः प्रदत्त	3482063355 (2)	696.41	3482063355 (2)	696.41
क) बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या का पुनर्मिलान				
वर्ष की शुरुआत में शेष	3482063355	696.41	3482063355	696.41
बढ़े/घटे: वर्ष के दौरान परिवर्तन	-	-	-	-
वर्ष के अंत में शेष	3482063355	696.41	3482063355	696.41
ख) शेयरधारकों द्वारा वर्ष के अंत में 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरों का विवरण				
भारत के राष्ट्रपति (प्रमोटर)	2199650402	63.17%	2199650402	63.17%
वर्ष के दौरान प्रमोटर होल्डिंग का प्रतिशत परिवर्तन		शून्य		शून्य
भारतीय जीवन बीमा निगम	350769757	10.07%	350647914	10.07%
प्रति शेयर अंकित मूल्य (₹)		2.00		2.00

ग) इक्विटी शेयरों से जुड़े नियम/अधिकार

कंपनी के पास केवल 2 रुपये प्रति शेयर (पिछले वर्ष 2 रुपये प्रति शेयर) के बराबर मूल्य वाली श्रेणी के इक्विटी शेयर हैं। प्रत्येक इक्विटी शेयर धारक प्रति शेयर एक वोट का पात्र है।

घ) बोनस शेयर जारी करना:

कंपनी ने 03 अक्टूबर, 2017 को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर आवंटित किया, यानी दो मौजूदा पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों के लिए एक इक्विटी शेयर। परिणामस्वरूप, भुगतान की गई पूंजी वित्त वर्ष 2016-17 में ₹ 489.52 करोड़ रुपये से बढ़कर आरक्षित निधि के पूंजीकरण द्वारा वित्त वर्ष 2017-18 में ₹ 734.28 करोड़ रुपये हो गई।

ङ) शेयर बायबैक

कंपनी ने 25 अक्टूबर, 2018 के अपने बोर्ड के अनुमोदन को रद्द कर दिया, अपने 18,93,36,645 रुपये के शेयर 2 रुपये प्रत्येक के अंकित मूल्य के पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों को वापस खरीद लिया, जिनमें से प्रत्येक कुल जारी किए गए 5.16% एवं पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी का प्रतिनिधित्व करते हैं। वित्त वर्ष 2018-19 में रु. 86 प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर 1628,29,51,470 की राशि के लिए कंपनी के पात्र इक्विटी शेयरधारक को दर्शाता है। परिणामस्वरूप, भुगतान की गई शेयर पूंजी वित्त वर्ष 2017-18 में ₹ 734.28 करोड़ रुपये से कम होकर वित्त वर्ष 2018-19 में ₹ 696.41 करोड़ रुपये हो गई।

नोट [15a] - अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
आरक्षित पूंजी	35.18	35.18
पूंजी मोचन कोष	37.87	37.87
सामान्य कोष	30476.66	30476.66
प्रतिधारित आय	(4421.45)	(4867.48)
ओसीआई (परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनः मापन)	(318.08)	(394.98)
कुल	25810.19	25287.25

उपर्युक्त प्रत्येक विशिष्ट शीर्ष में हुई वृद्धि और कटौती के लिए SOCIEC (इक्विटी में परिवर्तन का विवरण देखें)

आरक्षित कोष की प्रकृति एवं उद्देश्य

- (क) **आरक्षित कोष:** यह मुख्य रूप से बीएचईएल के साथ तत्कालीन सहायक कंपनी (एचपीवीपी) के समामेलन के दौरान भुगतान की गई मुआवजे की लागत से अधिक निवल संपत्ति का प्रतिनिधित्व करता है।
- (ख) **पूंजी मोचन आरक्षित निधि:** कंपनी ने अपने सामान्य रिजर्व से इक्विटी शेयरों की खरीद पर कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व को मान्यता दी है। पूंजी मोचन आरक्षित निधि में वापस खरीदे गए इक्विटी शेयरों की नाममात्र राशि के बराबर राशि है।
- (ग) **सामान्य आरक्षित निधि:** यह भविष्य में (ज्ञात / अज्ञात) दायित्वों को पूरा करने के लिए कंपनी द्वारा रखे गए लाभ के संचय का प्रतिनिधित्व करता है।
- (घ) **प्रतिधारित आय:** सामान्य आरक्षित हस्तांतरण, लाभांश (लाभांश वितरण कर सहित) या शेयरधारकों को भुगतान किए गए अन्य वितरण घटाकर वह लाभ है जो कंपनी ने अब तक अर्जित किया है।
- (ङ) **शुद्ध परिभाषित लाभ योजनाओं की पुनः माप:** योजना परिसंपत्तियों एवं वास्तव में हासिल की गई रिटर्न पर ब्याज से आय के बीच अंतर, एवं योजनाओं के भीतर एक्चुरियल धारणा या अनुभव समायोजन में परिवर्तन के कारण वर्ष में देनदारियों में कोई भी परिवर्तन, 'अन्य व्यापक आय' में मान्यता प्राप्त हैं एवं इसके बाद लाभ एवं हानि के विवरण में पुनःवर्गीकृत करने के लिए नहीं है।

नोट [16] - वित्तीय देयताएं – पट्टा देयताएं

पट्टा पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 3 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
पट्टा देयताएं	35.12	49.81	53.41	48.20
कुल	35.12	49.81	53.41	48.20

पट्टा पर और अधिक विवरण नोट [39] में दिया गया है।

नोट [17] - वित्तीय देयताएं – व्यापार देय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
व्यापार देय				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि	127.45	745.82	157.92	751.57
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की कुल बकाया राशि	2004.48	6881.11	1725.85	5815.34
(iii) स्वीकृत	-	122.66	-	113.91
कुल	2131.93	7749.59	1883.77	6680.82

गैर-चालू व्यापार देय समयावधि कार्यक्रम – 31 मार्च, 2022 तक

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				बिल नहीं हुआ का बकाया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं	कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) एमएसएमई	-	-	-	-	0.03	103.96	103.99
ii) अन्य	-	-	-	-	0.21	1368.24	1368.45
iii) विवादग्रस्त बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-	23.46	23.46
iv) विवादग्रस्त बकाया – अन्य	-	-	-	-	-	636.03	636.03

गैर-चालू व्यापार देय समयावधि कार्यक्रम – 31 मार्च, 2022 तक

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				बिल नहीं हुआ का बकाया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं	कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) एमएसएमई	-	-	-	-	160.27	572.45	732.72
ii) अन्य	2.41	-	-	-	1435.21	4861.89	6299.51
iii) विवादग्रस्त बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-	13.11	13.11
iv) विवादग्रस्त बकाया – अन्य	-	-	-	-	-	704.25	704.25

गैर-चालू व्यापार देय समयावधि कार्यक्रम – 31 मार्च, 2021 तक

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				बिल नहीं हुआ का बकाया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं	कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) एमएसएमई	-	-	-	-	-	149.39	149.39
ii) अन्य	-	-	-	-	-	1308.15	1308.15
iii) विवादग्रस्त बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-	8.53	8.53
iv) विवादग्रस्त बकाया-अन्य	-	-	-	-	-	417.70	417.70

गैर-चालू व्यापार देय समयावधि कार्यक्रम – 31 मार्च, 2021 तक

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				बिल नहीं हुआ का बकाया	भुगतान के लिए अभी तक देय नहीं	कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक			
i) एमएसएमई	27.85	-	0.06	0.01	209.19	421.84	658.95
ii) अन्य	418.01	7.38	9.68	0.15	1414.18	2493.39	4342.79
iii) विवादग्रस्त बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-	92.62	92.62
iv) विवादग्रस्त बकाया-अन्य	-	-	-	-	-	1586.46	1586.46

नोट [18] - वित्तीय देयताएं – अन्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
ठेकेदारों एवं अन्य से जमा राशि देयताएँ	206.45	431.36	211.01	447.92
- कर्मचारियों का बकाया	-	214.05	-	126.88
- पूंजीगत व्यय~	8.65	80.83	5.71	57.49
- अन्य*	-	386.92	-	294.20
भुगतान न किया गया लाभांश**	-	1.81	-	2.11
उधार पर ब्याज	-	9.12	-	0.97
कुल	215.10	1124.09	216.72	929.58

* अन्य में बोनस शेयरों के कारण फ्रैक्शनल शेयरों की बिक्री आय ₹ 0.03 करोड़ शामिल हैं।

** वर्ष के अंत में इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड को अंतरित करने के लिए कोई राशि देय और बकाया नहीं है।

नोट [19] - प्रावधान

कर्मचारी लाभ और प्रावधानों पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 9 और 10 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
संविदात्मक दायित्व	2620.03	1235.45	2505.89	1486.56
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान*	856.82	1060.62	1098.20	831.06
दूसरे प्रावधान	292.69	760.14	319.38	831.72
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व **	1.67	10.49	2.09	19.18
कुल	3771.21	3066.70	3925.56	3168.52

* कर्मचारी लाभों पर नोट (25) में उपलब्ध आगे प्रकटीकरण

नोट [20] - अन्य देयताएं

सरकारी अनुदान पर लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 11 देखें।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
	गैर चालू	चालू	गैर चालू	चालू
संविदात्मक देयताएँ	-	775.55	-	616.50
* ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम जिनमें राजस्व से अधिक बिलिंग शामिल है सांविधिक देयताएं				
आस्थगित आय— सरकारी अनुदान #	19.22	6.08	25.04	6.45
कुल	2212.65	4635.96	2831.54	4680.80

सोलर पीवी प्लांट लगाने एवं माड्यूल विनिर्माण के लिए सरकारी अनुदान प्राप्त हुआ है

नोट [21] - चालू वित्तीय देयताएं – उधार

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
आरक्षित		
नकद क्रेडिट (बीएचईएल ईएमएल द्वारा)	-	7.29
बैंक से ऋण	4745.00	201.01
शिपमेंट पूर्व पैकिंग क्रेडिट	-	299.36
क्रेता क्रेडिट	-	45.71
(कच्चे माल, घटकों, चालू कार्य, तैयार माल एवं भंडार के दृष्टिबंधक द्वारा संरक्षित)		
कुल (क)	4745.00	553.37
अनारक्षित		
वाणिज्य पत्र	-	4287.70
कंपरियों से ऋण (बीएचईएल ईएमएल द्वारा)	-	8.21
कुल (ख)	-	4295.91
कुल उधार (क+ख)	4745.00	4849.28

(i) संस्वीकृत ऋणों का विवरण

विवरण	स्वीकृत सीमा	उपयोग			
		31 मार्च 2022 की स्थिति		31 मार्च 2021 की स्थिति	
		मूल्य (₹/करोड़)	% उपयोग	मूल्य (₹/करोड़)	% उपयोग
गैर-निधि आधारित सीमाएं	54000	33936	62.84%	41026	75.97%
बैंक गारंटी#	51000	31369	61.51%	39343	77.14%
साख पत्र (इं. क्रेता क्रेडिट सहित)	3000	2567	85.57%	1683	56.10%
फंड आधारित सीमाएं	6000	4745	79.08%	300	5.01%
डब्ल्यूसीडीएल		4745		1.01	
पीसीएफसी		NIL		299.36	
वाणिज्य पत्र	5000	NIL		4287.70	85.75%

₹ 60000 करोड़ की कुल सहायता सीमा (निधि आधारित, गैर-निधि आधारित) कच्चे माल, घटकों, चालू कार्य, तैयार माल, स्टोर, व्यापार प्राप्तियों और अन्य वर्तमान और भविष्य दोनों वर्तमान संपत्ति के मालबंधक के माध्यम से प्रथम बार द्वारा आरक्षित।

वाणिज्यिक पत्र अनारक्षित अल्पकालिक उधार की प्रकृति के होते हैं।

बकाया बैंक गारंटियों में पहले से बदले गए लेकिन 31 मार्च, 2022 तक अवकाश लंबित होने पर बीजी के खाते पर ₹ 439 करोड़ (पी.वाई. ₹ 630 करोड़) शामिल हैं। इसके अलावा, 31.03.2022 को बकाया बीजी ₹ 30930 करोड़ है। (पिछले वर्ष 38713 करोड़)

(ii) वित्त वर्ष 2021-22 में बैंकों से ऋण WCDL (कार्यशील पूंजी मांग ऋण) का प्रतिनिधित्व करता है और पिछले वर्ष के लिए, सावधि जमा के लिए ₹ 200 करोड़ ऋण और WCDL के लिए शेष राशि।

(iii) कंपनी को किसी भी बैंक/वित्तीय संस्थान द्वारा इरादतन चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

(iv) कंपनी द्वारा बैंकों या वित्तीय संस्थानों के साथ दाखिल की गई त्रैमासिक रिटर्न या चालू संपत्ति के विवरण "खाता बहियां" के अनुरूप हैं।

(v) 31.03.2022 को बकाया स्वयं के दायित्वों के लिए दी गई कॉर्पोरेट गारंटी ₹ 1165 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 1799 करोड़) है।

(vi) वित्तीय गतिविधियों के कारण ऋण में परिवर्तन

विवरण	31 मार्च 2022 की स्थिति	31 मार्च 2021 की स्थिति
प्रारंभिक शेष (नकद क्रेडिट को छोड़कर)	4841.99	4941.66
घटाएं: डाइवैस्टमेंट के कारण बीएचईएल ईएमएल द्वारा आरक्षित ऋण का सभायोजन	8.21	-
वर्ष के दौरान नकदी प्रवाह	(88.78)	(98.01)
घटाएं: ई आर वी	-	(1.66)
अंतिम शेष (नकद क्रेडिट को छोड़कर)	4745.00	4841.99

वित्तीय गतिविधियों के कारण पट्टा देयता में परिवर्तन के लिए, नोट 39 का [बी] देखें।

नोट [22]

परिचालनों से राजस्व

राजस्व मान्यता पर लेखाकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 8 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व		
निर्माण और परियोजना से संबंधित गतिविधि से राजस्व	14107.10	10581.40
उत्पाद और अन्य सेवाओं की बिक्री	6046.28	5714.40
उपकुल (क)	20153.38	16295.80
अन्य परिचालन आय		
भाड़ा व बीमा	129.35	93.32
स्क्रैप बिक्री	273.63	141.97
आपूर्तिकर्ताओं से वसूली	113.98	112.88
रिटेन बैंक देयताएं	239.95	211.83
बीमा दावे	76.51	163.48
निर्यात प्रोत्साहन	50.50	156.88
अन्य	173.79	132.53
उपकुल (ख)	1057.71	1012.89
परिचालन से राजस्व (क + ख)	21211.09	17308.69
परिचालन से राजस्व में शामिल नहीं है माल और सेवा कर	2970.00	2392.35

नोट [23]

अन्य आय

राजस्व निर्धारण पर लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 7 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
ब्याज से आय *		
बैंकों से	246.75	313.61
अन्य	56.04	7.25
उप-कुल (क)	302.79	320.86
अन्य आय		
म्यूचुअल फंड इकाइयों की बिक्री पर लाभ	-	1.42
कैपिटल उपयोग के लिए सोलर पी पी प्लांट के लिए सरकारी अनुदान	6.20	6.45
पीपीई व पूँजी स्टोर की बिक्री से लाभ (शुद्ध)	6.90	1.88
अन्य	38.65	17.81
कुल (ख)	51.75	27.56
कुल अन्य आय (क+ख+ग)	354.54	348.42
*टीडीएस सहित	18.92	20.99

नोट[24]

तैयार माल, चालू कार्य एवं स्क्रेप की माल सूची में परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
चालू कार्य		
अंतिम शेष	3334.54	3779.72
आरंभिक शेष	3778.22	4121.21
तैयार माल		
अंतिम शेष	518.09	629.11
आरंभिक शेष	628.72	823.33
स्क्रेप		
अंतिम शेष	143.26	147.46
आरंभिक शेष	147.46	117.76
मार्गस्थ अंतर विभागीय स्थानांतरण	(26.10)	4.85
(वृद्धि)/कमी	532.41	510.86

नोट [25]

कर्मचारी अनुलाभ व्यय

कर्मचारी लाभ की लेखांकन नीति के लिए नोट [2] के बिंदु 9 का संदर्भ लें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते और अन्य लाभ	4713.20	4699.90
भविष्य निधि एवं अन्य में योगदान	460.01	373.16
कर्मचारी कल्याण व्यय	239.89	195.03
उपदान (ग्रेज्युटी) निधि में योगदान	95.78	102.02
समूह बीमा	10.17	8.05
कुल	5519.05	5378.15

नोट [26]

अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
विद्युत व ईंधन	415.08	319.57
अन्य उप सविदाओं पर व्यय	243.72	267.60
कैरिज आउटवर्ड	241.23	216.71
सुरक्षा एजेंसियों को भुगतान	148.93	203.25
मरम्मत व अनुरक्षण:		
भवन	27.32	26.55
प्लांट व मशीनरी	26.44	29.59
अन्य	74.05	67.50
बीमा	95.88	128.51
यात्रा व वाहन	84.89	65.15
बैंक प्रभार	92.17	92.61
आर एंड डी व्यय	12.10	29.48
भाड़ा व्यय	48.22	46.38
कोलबोरेशन्स व रॉयल्टी पर व्यय	45.21	34.92
दर एवं कर	23.04	25.07
कार्यालय व्यय	27.32	31.00
कौशल विकास पर व्यय	12.83	15.22
विधिक, लेखापरीक्षा एवं प्रमाणन व्यय	32.45	34.62

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
ईडीपी, सॉफ्टवेयर व पट्टा व्यय	17.40	25.57
पानी प्रभार	-	20.18
खेलकूद पर व्यय	20.50	34.19
गैर आवासीय किराया	8.01	11.92
आवभगत व्यय	12.77	15.88
पर्यावरण सुरक्षा	2.73	2.29
सेमिनार, विकास एवं प्रशिक्षण व्यय	4.59	5.72
इक्विटी शेयर के निवेश में अप्राप्त हानि	1.28	1.16
प्रचार एवं जनसम्पर्क व्यय	0.29	-
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व	1.94	1.55
विविध व्यय	50.10	47.38
विनिमय परिवर्तन [शुद्ध (लाभ) / हानि]	(81.62)	(65.83)
प्रावधान और बट्टे खाते में डालना (नीचे बिंदु संख्या 6 पर विवरण)	(1526.25)	1467.46
कुल	162.62	3201.20

आगे की जानकारी:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
(i) निदेशकों का शुल्क	0.25	0.21
(ii) विभागीय मरम्मत एवं अनुरक्षण पर व्यय:		
प्लांट व मशीनरी	159.08	175.27
भवन	33.06	29.65
अन्य	33.09	32.88
(iii) अनुसंधान एवं विकास पर व्यय	122.83	146.01
(iv) विदेश यात्राओं पर व्यय		
दौरों की संख्या	127	77
व्यय	1.92	1.28

(v) बीएचईएल ने अपने स्वयं के योगदान से एयूएससी परियोजना पर संचयी ₹ 190 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 189 करोड़ तक) खर्च किए हैं और इसे आर एंड डी व्यय के रूप में शामिल किया गया है।

(vii) प्रावधान एवं बट्टे खाते में डालना:

(परिसंपत्तियों के प्रावधान एवं इम्पेयरमेंट के लिए नोट 2 का बिंदु सं. 10, 13 देखें)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
संदिग्ध ऋण, परिसमाप्त क्षति और ऋण, अग्रिम और जमा		
वर्ष के दौरान बनाया गया	729.55	2583.68
घटाएं वर्ष के दौरान निकासी	2209.16 (1479.61)	1773.13 810.55
संविदात्मक दायित्व		
वर्ष के दौरान बनाया गया	151.95	240.96
घटाएं वर्ष के दौरान निकासी	526.44 (374.49)	501.81 (260.85)
अन्य		
वर्ष के दौरान बनाया गया	367.26	768.16
घटाएं वर्ष के दौरान निकासी	389.38 (22.12)	128.75 639.41
निवेश बट्टे खाते डाला गया	5.36	4.93
अशोध्य ऋण बट्टे खाते में डाले गए	98.34	77.55
परिसमापन हर्जाना और संविदात्मक शुल्क वसूला गया	233.59	170.98
नुकसान बट्टे खाते डाले गये	12.68	24.89
कुल प्रावधान और बट्टे खाते में डालना	(1526.25)	1467.46

नोट [27]

वित्तीय लागत

उधार लेने की लागत और प्रावधानों पर लेखांकन नीति लिए नोट [2] के बिंदु 5 और 10 देखें.

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वाणिज्यिक पत्र पर छूट	137.41	164.06
प्रावधान की समाप्ति:	156.01	141.74
ब्याज लागत:		
बैंक/वित्तीय संस्थान	47.89	29.34
विदेशी वित्तीय संस्थान	0.74	10.77
पट्टा दायित्व पर	8.50	12.79
अन्य	4.01 61.14	14.27 67.17
वाणिज्यिक पत्र जारी करने पर अन्य व्यय	1.40	0.97
उप कुल	355.96	373.95
घटे उधार लेने की लागत पूंजीकृत	-	-
कुल	355.96	373.95

नोट [28]

कर व्यय

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 12 देखें

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
चालू कर		
वर्तमान वर्ष के लिए	48.86	32.83
पहले के वर्षों के लिए	(125.99) (77.13)	(17.01) 15.82
आस्थगित कर		
वर्तमान वर्ष के लिए	108.00	(909.62)
पहले के वर्षों के लिए	(5.12) 102.88	(2.43) (912.05)
कुल	25.75	(896.23)

नोट [29]

अन्य व्यापक आय/व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
आय/(व्यय)		
परिभाषित कर्मचारी लाभ का पुनः मापन	102.72	26.70
घटाएं: उक्त मदों से संबंधित आय कर *	25.85	6.72
कुल	76.87	19.98
* शामिल है		
चालू कर	-	-
आस्थगित कर	25.85	6.72

आयकर व्यय और लेखा लाभ (टीसीआई) का आयकर दर से गुणा का पुनर्मिलान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
कर पूर्व कुल व्यापक आय/हानि (टीसीआई) (क)	573.21	(3569.16)
सांविधिक आय कर दर (ख)	25.168%	25.168%
कर व्यय ग = (कXख)	144.27	(898.29)
के कारण अंतर: (घ)		
कर के लिए कटौती न योग्य व्यय		
विशेष दर पर कर योग्य आय के कारण कर में अंतर	51.90	39.35
संयुक्त उद्यमों के लाभ/हानि के शेयर पर कर प्रभाव	(0.76)	-
कर व्यय में परिवर्तन — पहले के वर्ष	(12.70)	(11.13)
कुल (घ)	(131.11)	(19.44)
शुद्ध कर व्यय ड = (ग+घ)	(92.67)	8.78
	51.60	(889.51)

नोट[30]

प्रति शेयर आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
इक्विटी शेयरधारकों के कारण निश्चित लाभ/हानि	446.03	(2697.11)
इक्विटी शेयरों की भारत औसत संख्या	348.21	348.21
प्रति शेयर ₹ 2 मूल्य की दर से मूल एवं मासिक आय	1.28	(7.75)

प्रति इक्विटी शेयर मूल आय की गणना कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के कारण शुद्ध लाभ को अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारांक औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। प्रति शेयर की गई आय की गणना कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के लिए शुद्ध लाभ के हिसाब से की जाती है। प्रति शेयर पर बेसिक आय को प्राप्त करने के लिए मानी जानी वाली इक्विटी शेयरों की औसत संख्या से होती है एवं उन सभी इक्विटी शेयरों की वेटेज औसत संख्या जो सभी कमजोर संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी किए जा सकते थे।

नोट [31]

प्रति शेयर लाभांश

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयरों पर प्रस्तावित लाभांश जिनकी पहचान देनदारियों में नहीं की गई हैं		
इक्विटी शेयर पर वर्ष 2021-22 के लिए प्रस्तावित लाभांश रूपए 0.40 वित्त वर्ष 2020-21 के लिए	139.28	-

इक्विटी शेयरों पर प्रस्तावित लाभांश वार्षिक आम बैठक में कंपनी के शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है और बैलेंस शीट की तारीख में देयता के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है।

नोट [32]

खातों के नोट

समेकित वित्तीय विवरण भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (कंपनी), इसकी सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यम संस्थानों में इसके सरोकार से संबंधित हैं।
समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित आधार पर तैयार किए गए हैं—

लेखांकन का आधार

प) सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण और समेकन में संयुक्त उद्यम के हित मूल कंपनी के समान रिपोर्टिंग तिथि तक रेखांकित किया जाता है।

पप) समेकित वित्तीय विवरणों को “समेकित वित्तीय विवरणों” पर इंड एस 110 और “सहयोगी और संयुक्त उपक्रमों में निवेश” पर इंड एस 28 के अनुसरण में तैयार किया गया है।

समेकन का आधार

1. सहायक कंपनी मूल कंपनी द्वारा नियंत्रित इकाई है। सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण “समेकित वित्तीय विवरणों” पर इंड एस 110 के अनुसार लाइन दर लाइन आधार पर अंतर सामूहिक शेषों व अंतर सामूहिक लेनदेनों के विलोपन के पश्चात परिसम्पत्तियों, दायित्वों, आय और व्यय जैसे एक समान मदों के बही मूल्य को आपस में जोड़कर और अवास्तविक लाभ या हानि का मिश्रण है।
2. इक्विटी-एकाउंटेड निवेशकों में कंपनी की रुचि संयुक्त उपक्रम में रुचि से मिलकर बनती है। संयुक्त उपक्रम एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें कम्पनी के पास संयुक्त नियंत्रण होता है, जिसके द्वारा कम्पनी के पास उसकी परिसम्पत्तियों पर अधिकार एवं उसकी देयताओं का दायित्व के बजाय व्यवस्था की शुद्ध परिसम्पत्तियों पर अधिकार होता है। संयुक्त उपक्रमों में प्रतिफलों की गणना इक्विटी पद्धति का उपयोग करके की जाती है।

उन्हें प्रारम्भिक लागतों पर मान्य किया जाता है जिसमें लेनदेन की लागत सम्मिलित है। प्रारम्भिक मान्यताओं के तदुपरांत, उस तिथि को जिस पर उल्लेखनीय हिस्सेदारी या संयुक्त नियंत्रण समाप्त नहीं हो जाता, समेकित वित्तीय में कंपनी के लाभ या हानि का भाग और इक्विटी-अकाउंटेड निवेशों की अन्य व्यापक आय सम्मिलित हैं।

जब तक कि किसी संयुक्त उद्यम के नुकसान का हिस्सा उस संयुक्त उद्यम में समूह के ब्याज से अधिक हो जाता है, तो समूह अपने आगे के हिस्से के नुकसान को पहचानना बंद कर देता है। अतिरिक्त नुकसान को केवल

उस सीमा तक पहचाना जाता है जब तक समूह ने कानूनी या रचनात्मक दायित्वों को पूरा किया हो या संयुक्त उद्यम की ओर से भुगतान किया हो।

3. समेकित वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों का उपयोग करके समान परिस्थितियों में लेनदेन और अन्य घटनाओं के लिए एक समान तैयार किए गए हैं और संभव सीमा तक प्रस्तुत किए गए हैं।
4. कंपनी के शेयरधारक के लिए शुद्ध आय के कारण आने वाले वर्ष के लिए की शुद्ध हानि का अल्पसंख्यक हित समेकित सहायक समूह की आय पर समायोजन किया जाता है।
5. समेकित सहायक कंपनी की शुद्ध देनदारियों के अल्पांश ब्याज को समेकित वित्तीय विवरण में कंपनी शेयरधारक की संपत्ति/देनदारियों और इक्विटी से अलग चिह्नित और प्रस्तुत किया जाता है।

समेकित वित्तीय विवरणों में निम्नलिखित संस्थाओं के परिणाम शामिल हैं।

विवरण	मुख्य व्यापार केंद्र	स्वामित्व का अनुपात	
		2021-22	2020-21
सहायक कंपनी			
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड (बीएचईएल ईएमएल)	भारत	-	51%
संयुक्त उद्यम कंपनियां			
(लेखांकन में इक्विटी विधि का प्रयोग किया गया)	भारत	एक शेयर 50% से कम	एक शेयर 50% से कम
बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	50%	50%
एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	22.14%	27.97%
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड			

- क. बीएचईएल ईएमएल के वित्तीय विवरण 11 अगस्त 2021 तक समेकित किए गए हैं, जो कि बीएचईएल ईएमएल द्वारा केरल सरकार को हिस्सेदारी की बिक्री की तारीख है।
- ख. बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड के संबंध में 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए संयुक्त उपक्रम में प्रतिफल लेखा परीक्षा किए गए वित्तीय विवरणों के आधार पर माना गया है।
- ग. एनटीपीसी- बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के संबंध में 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए संयुक्त उपक्रम में प्रतिफल गैर लेखांकित वित्तीय विवरणों के आधार पर माना गया है।
- घ. पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड के संबंध में वित्तीय विवरण तैयार करने में प्रतिफल मान्य नहीं किया गया है क्योंकि कम्पनी परिसमापन के अधीन है। इक्विटी निवेश की पूर्ण राशि रुपये 2 करोड़ द्वारा के रूप में उपलब्ध करायी गई है।

नोट [33] - आकस्मिक देनदारियां और प्रतिबद्धताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 की स्थिति	31 मार्च, 2021 की स्थिति
क. आकस्मिक देनदारियां		
कंपनी के विरुद्ध जो ऋण के रूप में नहीं माने गए:		
(क) बिक्री कर मामला	1279.61	894.74
(ख) सेवा कर मामलों	920.46	696.04
(ग) कोर्ट और मध्यस्थता मामले	592.77	516.18
(घ) एक्साइज ड्यूटी मामले	162.18	161.76
(ङ) सीमा शुल्क और अन्य	880.06	834.51
(च) अन्य मामलों (विवादित स्टाफ मामलों सहित)	48.37	40.51
(छ) निर्णीत हर्जाना (एलडी) के अंतर्गत दावे	2872.25	2901.75
कुल	6755.70	6045.49

- (i) कंपनी द्वारा विभिन्न अदालतों में विवादित मामलों, मुकदमों और दावों को देखते हुए, इस स्तर पर संसाधनों का बहिर्वाह का इस स्तर पर पता लगाना संभव नहीं है। आमतौर पर, अदालत और मध्यस्थता मामलों की आकस्मिक देयताएं पुरस्कार/अदालत के निर्णय पर निर्भर होता है और आकस्मिक देयता की मामले दर मामले के आधार पर समीक्षा भी की जाती है।
- (ii) संबंधित कार्यवाहियों में संकल्प के लंबित होने के कारण (क) से (च), यदि कोई हो, के संबंध में वास्तविक नकदी बहिर्वाह के समय का अनुमान लगाना कंपनी के लिए व्यावहारिक नहीं है। हालांकि, नकदी के बहिर्वाह की संभावना आकस्मिक है।
- (iii) परिनिर्धारित क्षति परियोजनाओं के निष्पादन में देरी के कारण ग्राहक द्वारा रोक दी गई राशि का प्रतिनिधित्व करता है जो विलंब विश्लेषण के आधार पर परियोजना की कमीशनिंग और ट्रायल ऑपरेशन के बाद निपटारा किया जाएगा और इसका प्रकटीकरण एस-37 के अनुरूप किया जा रहा है।

(iv) आकस्मिक देनदारियों के परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 की स्थिति	31 मार्च, 2021 की स्थिति
वर्ष के प्रारम्भ में शेष	6045.49	8068.47
घटे प्रारम्भिक शेष में कमी	129.84	3342.01
बढ़े वर्ष के दौरान (शुद्ध)	840.05	1319.03
वर्ष के अंत में शेष	6755.70	6045.49

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 की स्थिति	31 मार्च, 2021 की स्थिति
ख. प्रतिबद्धताएं		
(क) अनुबंध की अनुमानित राशि, शुद्ध अग्रिम, बाकी शेष को पूंजी खाते पर निष्पादित किया जाएगा जिसके लिए प्रावधान नहीं किया गया था। (उपर्युक्त में अमूर्त संपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित सम्मिलित हैं)	209.20	229.15
(ख) संयुक्त उद्यम संस्थाओं में निवेश जिसके लिए कंपनी को परियोजना के निगमन/वाणिज्यिक परिचालन / परियोजना की पहली इकाई/पहली ईपीसी अनुबंध के पूरा होने की तिथि से पांच वर्षों के लिए उनके निपटान के लिए प्रतिबंध है, जैसा भी मामला हो।	7.56	8.65
(ग) व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए, दीर्घकालिक निर्माण अनुबंध होने के नाते सामग्री की खरीद के लिए अन्य प्रतिबद्धताएं हो सकती हैं, जिसे सामान्य व्यवसाय प्रक्रिया माना गया है।	50.00	50.00

नोट [34]

वर्तमान वित्तीय देनदारियों में 1990-91 तक सरकार के अनुरोध पर कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋणों के संबंध में भारत सरकार द्वारा मांगे गए गारंटी शुल्क के लिए ₹100.51 करोड़ (पिछले वर्ष ₹100.51 करोड़) की राशि शामिल है। चूंकि कंपनी द्वारा ऋण (सरकार द्वारा गारंटीकृत) लिए जाने के समय इस तरह के गारंटी शुल्क के भुगतान के लिए कोई शर्त नहीं थी, उचित कार्रवाई के लिए मामले की समीक्षा की जा रही है।

नोट [35]

कंपनी ने अमोर्फस सिलिकॉन सोलर सेल प्लांट (ASSCP), गुड़गांव को 1 अप्रैल 1999 को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) से 30 साल की अवधि के लिए लीज पर लिया था। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के साथ औपचारिक पट्टा समझौते को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

नोट [36]

व्यापार प्राप्य, व्यापार देय, ठेकेदारों के अग्रिम, जमा और स्टॉक / सामग्री उप-ठेकेदारों / फ्रेब्रिकेटर के पास प्रदर्शित शेष राशि पुष्टि, समाधान और परिणामी समायोजन, यदि कोई हो, के अधीन हैं। कंपनी दीर्घकालिक निर्माण अनुबंधों के व्यवसाय में है, ग्राहक द्वारा अनुमोदित बिलिंग अनुसूची के अनुसार अनुबंध के अनुसार ग्राहकों पर बिल बनाए जाते हैं और समाधान निरंतर आधार पर किया जाता है और जहां भी आवश्यक समझा जाता है, प्रावधान किए जाते हैं। ग्राहक के साथ अंतिम समाधान परियोजना के पूरा होने पर किया जाता है (परीक्षण परिचालन और पीजी परीक्षण पूरा हो गया है)। पूर्ण की गई परियोजनाओं का प्राप्य व्यापार ₹ 7593 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 7882 करोड़) है। पूर्ण किए गए अनुबंधों में से, ग्राहकों के साथ समाधान की गई परियोजनाओं पर ₹6376 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 6299 करोड़) की बकाया व्यापार प्राप्तियां हैं।

नोट [37] सहायक कंपनी

(क) सहायक कंपनी कंपनी का नाम	व्यवसाय का मुख्य स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित का अनुपात		गैर नियंत्रण स्वामित्व हित द्वारा धारित स्वामित्व हित का अनुपात	
		को		को	
		31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड	भारत	-	51%	-	49%

बीएचईएल ने बीएचईएल ईएमएल में अपनी हिस्सेदारी 11 अगस्त, 2021 को केरल सरकार को अंतरित कर दी है।

(ख) सहायक कंपनी की सारांशित वित्तीय जानकारी इस प्रकार है। सहायक कंपनी के लिए प्रकट की गई राशि अंतर-कंपनी समाप्ति से पहले की है:-

(₹ करोड़ में)

सारांशित बैलेंस शीट	वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	-	14.3
चालू परिसंपत्तियाँ	-	10.34
कुल	-	24.64
गैर - चालू आस्तियां	-	5.42
चालू परिसंपत्तियाँ	-	42.94
सकल देयता	-	48.36
सकल परिसम्पत्तियां	-	(23.72)
संचित गैर नियंत्रित ब्याज	-	(11.62)

(₹ करोड़ में)

लाभ हानि का सारांशित विवरण	वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022*	31 मार्च, 2021
राजस्व	-	0.25
वर्ष का लाभ/हानि	(2.69)	(5.28)
अन्य व्यापक आय/व्यय	-	-
कुल व्यापक आय/व्यय	(2.69)	(5.28)
एनसीआई के कारण लाभ/(हानि)	(1.32)	(2.59)

*11 अगस्त, 2021 तक

(₹ करोड़ में)

नकदी प्रवाह का सारांशित विवरण	वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022*	31 मार्च, 2021
परिचालन गतिविधियों से प्राप्त रोकड़	(0.02)	(6.44)
निवेश गतिविधियों से प्राप्त रोकड़	-	-
वित्तीय गतिविधियों से प्राप्त रोकड़	-	(0.84)
नकद और नकद समकक्षों में शुद्ध वृद्धि/(कमी)	(0.02)	(7.28)

बीएचईएल ने बीएचईएल ईएमएल में अपनी हिस्सेदारी 11 अगस्त, 2021 को केरल सरकार को अंतरित कर दी है।

नोट [38] – संयुक्तरूप से नियंत्रित कंपनियाँ

क. इंड एसएस- वित्तीय विवरण और वित्तीय विवरण में निवेश की धारित राशि के साथ समाधान के आधार पर संयुक्त उद्यम की सारांशित वित्तीय विवरण नीचे दिया गया है

(₹ करोड़ में)

(क) सहायक कंपनी कंपनी का नाम	व्यवसाय का मुख्य स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित का अनुपात		गैर नियंत्रण स्वामित्व हित द्वारा धारित स्वामित्व हित का अनुपात	
		को		को	
		31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
बीएचईएल जीई गैस टरबाइन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस)	भारत	50% माइनस 1 शेयर	50% माइनस 1 शेयर	2.38	2.38
एनटीपीसी – बीएचईएल पॉवर परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल)	भारत	50.00%	50.00%	-	-
रायचुर पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल)	भारत	22.14%	27.97%	664.04	664.04

(क) बीजीजीटीएस बीएचईएल और जीई, यूएसए की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसे जीई डिजाइन गैस टर्बाइन की मरम्मत और सर्विसिंग करने के लिए गठित किया गया है।

(ख) बीएचईएल ने एनटीपीसी लिमिटेड के साथ भारत और विदेशों में बिजली संयंत्रों और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए ईपीसी अनुबंध करने के लिए एक संयुक्त उद्यम कंपनी "एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड" का गठन किया। एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के मूल्य में कमी का प्रावधान शुद्ध वित्तीय स्थिति के आधार पर 50.00 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 50.00 करोड़ रुपये तक) तक किया गया है। 08 फरवरी, 2018 को हुई अपनी बैठक में निदेशक मंडल ने एनबीपीपीएल के समापन को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। विद्युत मंत्रालय (एमओपी) ने एनटीपीसी को बीएचईएल की हिस्सेदारी खरीदने पर विचार करने और या तो इसे आंतरिक ईपीसी शाखा के रूप में जारी रखने या वर्तमान कार्य पूरा होने के बाद इसे बंद करने का निर्णय लेने की सलाह दी है। यह सलाह एनबीपीपीएल बोर्ड द्वारा 29.08.2019 को हुई अपनी बैठक में नोट की गई थी।

(ग) रायचुर पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने येरामरुस, रायचुर, कर्नाटक में 2x800 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना को स्वयं निर्माण एवं परिचालन के आधार पर एदलापुर, रायचुर, कर्नाटक में 1x800 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना की। रायचुर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड को येरामरुस, रायचुर, कर्नाटक में 2x800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट और एदलापुर, रायचुर, कर्नाटक में 1x800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की स्थापना, निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन के लिए संस्थापित किया गया है। येरामरुस टीपीपी की यूनिट-1 और यूनिट-2 का सीओडी क्रमशः मार्च 2017 और अप्रैल 2017 में प्राप्त किया गया। वर्ष के दौरान स्वामित्व के अनुपात में परिवर्तन मेसर्स केपीसीएल द्वारा राइट्स इश्यू की सदस्यता के कारण है

(घ) पावरप्लांट परफॉर्मंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड में निवेश के मूल्य में 2 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 2 करोड़ रुपये) की क्षति का प्रावधान किया गया है क्योंकि कंपनी परिसमापन के अधीन है और इक्विटी के रूप में भुगतान की गई राशि वसूली योग्य नहीं है।

ख) संयुक्त उद्यम कंपनियों के समूह की संक्षिप्त वित्तीय जानकारी इस प्रकार है:-

नीचे दी गई तालिका में संयुक्त उद्यम कंपनियों के समूह की इक्विटी पद्धति पर वित्तीय जानकारी को संक्षेप में दर्शाया गया है। यह जानकारी संबंधित संयुक्त उद्यम कंपनियों के वित्तीय विवरणों के अनुसार है न कि इन राशियों के समूह की हिस्सेदारी से संबंधित है।

बीएचईएल – जीई गैस टरबाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

(₹ करोड़ में)

बैलेंस शीट	वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	394.11	318.50
चालू परिसंपत्तियाँ	358.55	297.94
नकद और नकद समतुल्य (बैंक शेष सहित) चालू परिसंपत्ति में शामिल हैं	41.97	42.66
गैर चालू देयताएं	19.06	22.19
गैर चालू वित्तीय देनदारियाँ (व्यावसायिक देयताओं को छोड़कर)	7.46	10.59
चालू देयताएं	330.40	231.27
चालू वित्तीय देनदारियाँ (व्यावसायिक देनदारियों को छोड़कर)	10.31	9.58

लाभ/हानि का विवरण	वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
परिचालन से राजस्व	801.18	791.76
ब्याज से आय	17.54	13.81
मूल्यहास और परिशोधन	9.65	9.28
ब्याज व्यय	1.08	1.27
आयकर व्यय	34.27	29.94
वर्ष की लाभ/हानि	100.84	88.29
अन्य व्यापक आय	(0.06)	(0.15)
कुल व्यापक आय/(व्यय)	100.90	88.44

रायचुर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(₹ करोड में)

बैलेंस शीट	वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
गैर चालू परिसंपत्ति	9832.21	10411.71
चालू परिसंपत्ति	3020.90	2240.70
वर्तमान संपत्ति में शामिल नकद और नकद समतुल्य	(136.93)	(66.47)
गैर चालू देयताएं	13859.00	13033.96
गैर चालू वित्तीय देयताएं (व्यावसायिक देयताओं को छोड़कर)	13859.00	13033.96
चालू देयताएं	2969.62	3654.96
चालू वित्तीय देयताएं (व्यावसायिक देयताओं को छोड़कर)	2018.60	3459.23

परिचालन से राजस्व	वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
परिचालन से राजस्व	3027.00	2029.79
मूल्यहास और परिशोधन	660.19	660.19
ब्याज व्यय	1460.00	1753.90
आयकर व्यय	-	-
वर्ष की लाभ/हानि	(565.00)	(1431.84)
कुल व्यापक आय/(व्यय)	(565.00)	(1431.84)

एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड

(₹ करोड में)

बैलेंस शीट	वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
गैर चालू परिसंपत्ति	205.92	341.24
चालू परिसंपत्ति	364.76	255.33
वर्तमान संपत्ति में शामिल नकद और नकद समतुल्य	6.67	9.96
गैर चालू देयताएं	197.57	175.93
गैर चालू वित्तीय देयताएं (व्यावसायिक देयताओं को छोड़कर)	571.86	578.87
चालू देयताएं	25.19	25.31

लाभ-हानि विवरण	के समाप्त वर्ष से अनुसार	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
परिचालन से राजस्व	24.06	42.93
मूल्यहास एवं अमॉर्टाइजेशन	5.81	5.84
ब्याज व्यय	0.94	3.00
आयकर व्यय	(13.57)	(4.57)
वर्ष के लिए लाभ/हानि	(40.52)	(12.61)
कुल व्यापक आय/(व्यय)	(40.52)	(12.67)

नोट [39]

पट्टों पर प्रकटीकरण-भारतीय एएस 116

पट्टों पर प्रतिबद्धताएं – पट्टेदार के रूप में

कंपनी के महत्वपूर्ण पट्टे समझौते भूमि, भवन और ईडीपी उपकरणों के संबंध में हैं। कंपनी ने कंप्यूटर आइटम, प्रिंटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और पेरिफेरल्स पट्टा व्यवस्था के लिए एक दर अनुबंध किया है। पट्टे पर ली गई संपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है तथा संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के प्रयोग के अधिकार का संपत्ति के रूप में अलग से प्रकटीकरण किया जाता है। पट्टा रेंटल को ब्याज, रखरखाव और मूलधन मूल्य के बीच आवंटित किया जाता है। ब्याज और रखरखाव शुल्क लाभ और हानि के विवरण पर लगाया जाता है और मूल राशि को पट्टा देयताओं के लिए समायोजित किया जाता है।

कंपनी ने निम्न उपलब्ध व्यावहारिक उपायों को लागू किया:

- ऐसे पट्टे, जिनकी पट्टा अवधि अनुप्रयोग की प्रारम्भिक दिनांक से 12 माह तक है और कुल पट्टा अवधि 12 माह से कम है, के लिए अल्पकालिक छूट।
- अल्पमूल्य (50000 रुपये से कम की संपत्ति) की आधारभूत परिसंपत्तियों के पट्टों के लिए अल्पमूल्य पट्टा छूट।

क) पट्टा देयताओं का अवधिवार विरलेषण निम्नानुसार है

(₹ करोड़ में)

विवरण	भविष्य के न्यूनतम पट्टा का भुगतान		ब्याज		न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य (पीवी)	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
एक वर्ष से भीतर #	54.51	54.01	6.60	8.77	47.91	45.24
एक वर्ष के बाद एवं 5 वर्ष के अंदर	40.52	60.33	5.40	6.92	35.12	53.41
5 वर्ष के बाद	-	-	-	-	-	-

उन पट्टों के संबंध में भविष्य के न्यूनतम पट्टा भुगतान की राशि जहां 31 मार्च, 2022 के अंत तक शेष पट्टा अवधि 12 महीने से कम है, 7.56 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 9.54 करोड़ रुपये) है।

ख) वित्तीय वर्ष 2021-2022 के दौरान पट्टा देनदारियों में परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	की तिथि को	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
1 अप्रैल की स्थिति के अनुसार पट्टा देयताएं*	101.61	132.04
बढ़े परिवर्धन	33.18	30.03
बढ़े ब्याज की वृद्धि	8.50	12.79
घटे भुगतान/समायोजन	58.36	73.25
31 मार्च की स्थिति के अनुसार पट्टा देयताएं*	84.93	101.61

* मार्च 31, 2022 और मार्च 31, 2021 को क्रमशः 1.90 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2.96 करोड़ रुपये) और 2.96 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 3.12 करोड़ रुपये) का ब्याज शामिल है।

ग) लाभ या हानि में मान्य राशि:

(₹ करोड में)

विवरण	को समाप्त वर्ष से अनुसार	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय (कृपया नोट संख्या 34 देखें)	2.27	2.25
कम मूल्यों की पट्टा संपत्ति से संबंधित व्यय (कृपया नोट संख्या 34 देखें)	1.23	1.03
राइट ऑफ यूज संपत्ति का मूल्यह्रास शुल्क	42.35	64.26
ब्याज पर व्यय (वित्त लागत सहित)	8.50	12.79

घ) कंपनी के पास विभिन्न पट्टा अनुबंध हैं जो अभी तक शुरू नहीं हुए हैं। इन रद्द न करने योग्य पट्टा अनुबंधों के लिए भावी पट्टा भुगतान इस प्रकार हैं:

(₹ करोड में)

विवरण	के समाप्त वर्ष से अनुसार	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
अधिकतम एक वर्ष तक	-	0.07
एक वर्ष के बाद एवं 5 वर्ष के अंदर	-	0.05
पाँच वर्ष के बाद	-	-

नोट 40] - "कर्मचारी लाभ" पर प्रकटीकरण – इंड एस 19

क. कंपनी के पास परिभाषित लाभ योजनाओं के रूप में निम्न योजनाएं हैं:

- उपदान (ग्रेच्युटी) योजना
- सेवानिवृत्ति के उपरांत स्वास्थ्य योजना
- भविष्य निधि योजना
- सेवानिवृत्ति पर यात्रा भत्ते का दावा

(ii) ग्रेच्युटी (वित्तपोषित योजना)

कंपनी की एक परिभाषित लाभ उपदान योजना है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने पांच वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान की है वह सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए 15 दिन के वेतन पर ग्रेच्युटी (15/26 X अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ता) का पात्र है, अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये है। ग्रेच्युटी देयताएं भविष्य के भुगतानों के कारण उत्पन्न होती हैं, जिसकी सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान मृत्यु या त्यागपत्र की स्थिति में किए जाने की आवश्यकता होती है। अनुमानित इकाई क्रेडिट बीमांकिक विधि का उपयोग से देयताओं का आकलन मूल्यांकन किया गया है।

ग्रेच्युटी योजना पर शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति)/देयताओं में संचलन

(₹ करोड में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित सम्पत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति) देनदारी	
	की तिथि को					
	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021	31 मार्च 2022	31 मार्च 2022
प्रारंभिक शेष	2011.42	2074.13	1697.44	1696.77	313.98	377.36
सहायक कम्पनी में स्टैक की बिक्री पर समायोजन को जोड़ें/घटाएं वर्ष के लाभ में सम्मिलित:	(6.16)	-	-	-	(6.16)	-
वर्तमान सेवा लागत						
पिछली सेवा लागत	95.78	101.79	-	-	95.78	101.79
ब्याज लागत/(आय)	-	-	-	-	-	-
वर्ष के लाभ में स्वीकृत कुल राशि	135.35	139.84	135.35	139.61	-	0.23
अन्य व्यपाक आय (ओसीआई) में सम्मिलित	231.13	241.63	135.35	139.61	95.78	102.02

(₹ करोड में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित सम्पत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति) देनदारी	
	की तिथि को					
	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021	31 मार्च 2022	31 मार्च 2022
प्रतिपूर्ति हानि (लाभ):						
बीमांकित हानि (लाभ) से उत्पन्न						
जनसांख्यिकीय अनुमान में परिवर्तन						
वित्तीय अनुमान में परिवर्तन	-	-	-	-	-	-
अनुभव समायोजन	(47.57)	-			(47.57)	-
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि	(19.22)	(32.61)	(15.35)	(21.21)	(3.87)	(11.40)
	(66.79)	(32.61)	(15.35)	(21.21)	(51.44)	(11.40)
अन्य						
नियोक्ता द्वारा किया गया अनंदान	-	-	-	154.00	-	(154.00)
लाभ का भुगतान किया गया	(236.00)	(271.73)	(236.00)	(271.73)	-	-
भुगतान न किए गए लाभ का भुगतान	-	-			-	-
अंतिम शेष	1933.60	2011.42	1581.44	1697.44	352.16	313.98

नियोजित परिसम्पत्तियों का विवरण

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
बीमाकर्ता द्वारा प्रबंध की गई निधि*	76.96%	70.80%
उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड (उद्घृत)	19.55%	18.23%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ (उद्घृत)	2.80%	2.46%
सूचीबद्ध कम्पनियों (उद्घृत) का ईक्विटी शेयर	-	0.97%
बैंक शेष	0.69%	7.54%
कुल	100.00%	100.00%

*बीमाकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम है

बीमांकित अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि तक निम्नलिखित मुख्य अनुमान थे:

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमान:		
छूट की दर	7.00%	6.75%
वेतन वृद्धि दर	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष
जनसंख्या अनुमान:		
सेवानिवृत्ति की आयु	60	60
मृत्यु दर तालिका	आईएएलएम का 100% (2012-14)	आईएएलएम का 100% (2012-14)
निकासी दर % (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	3%	3%
31 से 44 वर्ष तक	2%	2%
44 वर्ष से अधिक	1%	1%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण प्रमुख अनुमान में परिवर्तन के लिए परिभाषित लाभ देयताओं की संवेदनशीलता इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	ग्रेच्युटी			
	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में बदलाव (0.50% संचलन)	(91.26)	99.51	(92.13)	100.65
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में परिवर्तन	43.70	(47.40)	51.60	(53.83)

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता प्रत्यक्ष नहीं है और इसलिए इनके कारण परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

भुगतान में पेंशन की वृद्धि दर, सेवानिवृत्ति पूर्व पेंशन वृद्धि दर और जीवन प्रत्याशा के रूप में संवेदनशीलता नहीं लागू होती हैं।

उपर्युक्त संवेदनशीलता का विश्लेषण एक ऐसी प्रणाली के आधार पर किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल अनुमानों में होने वाले पर्याप्त परिवर्तन के परिणामस्वरूप निर्धारित लाभ देयता पर प्रभाव को बढ़ाती है। यह विश्लेषण निर्धारित लाभ देयताओं में वास्तविक परिवर्तन का उदाहरण नहीं हो सकता है क्योंकि कुछ अनुमानों में अलग-अलग परिवर्तन हो सकता है और कुछ अनुमान एक दूसरे से संबद्ध हो सकते हैं।

भविष्य के वर्षों में उपदान (ग्रेच्युटी) योजना की अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ में)

विवरण	ग्रेच्युटी	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2022 तक
एक वर्ष के अंदर	213.13	230.44
1-2 वर्ष के बीच में	149.43	193.53
2-3 वर्ष के बीच में	134.26	141.35
3-4 वर्ष के बीच में	112.14	126.36
4-5 वर्ष के बीच में	98.80	104.26
5-6 वर्ष के बीच में	87.74	91.67
6 वर्ष के बाद	1138.10	1123.81
कुल	1933.60	2011.42

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए ग्रेच्युटी योजनाओं में अपेक्षित योगदान ₹ 109.78 करोड़ रु होगा।

समीक्षाधीन अवधि के अंत में ग्रेच्युटी परिभाषित लाभ योजना देयताओं का भारित औसत 14.81 वर्ष (31 मार्च 2021 ₹ 14.95 वर्ष) है।

जोखिम एक्सपोजर

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो गतिशील प्रकृति के हैं और समय के साथ परिवर्तनशील हैं। कंपनी के समक्ष विभिन्न जोखिमों जैसे वेतन वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु, विकलांगता और निकासी उपलब्ध है।

(ii) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (वित्त पोषित योजना)

कंपनी में सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) है, जिसके अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके पति /पत्नी को कंपनी के अस्पतालों / पैनल पर लिए गए अस्पतालों में मेडिकल सुविधा प्रदान की जाती है, जो कंपनी के मेडिकल नियमों के अधीन हैं। वे कंपनी द्वारा तय की गई सीमा में बाह्य रोगी के रूप में भी उपचार का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए वार्षिक देयताएं वास्तविक मूल्यांकन आधार पर मान्य की जाती हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना पर शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति)/देयताओं में संचलन:

(₹ करोड में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति) देयताएं	
	तक					
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
प्रारंभिक शेष सहायक कम्पनी में स्टेक की बिक्री पर समायोजन जोड़ें / (घटाएं)	2255.85	2285.20	1948.72	1933.72	307.13	351.48
वर्ष के लाभ में सम्मिलित:	-	-	(0.38)	-	0.38	-
वर्तमान सेवा लागत						
पिछली सेवा लागत	39.26	39.92	-	-	39.26	39.92
ब्याज दर / (आय)	-	(49.95)	-	-	-	(49.95)
वर्ष के लाभ में मान्यता प्राप्त कुल राशि	152.27	154.25	152.27	154.25	-	-
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में सम्मिलित:	191.53	144.22	152.27	154.25	39.26	(10.03)
प्रतिपूर्ति हानि (लाभ):						
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्न:						
जनसांख्यिकीय अनुमान						
वित्तीय अनुमान	-	-	-	-	-	-
अनुभव का समायोजन	(54.57)	-	-	-	(54.57)	-
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि	(16.96)	(9.57)	(16.27)	(17.25)	(0.69)	7.68
अन्य	(71.53)	(9.57)	(16.27)	(17.25)	(55.26)	7.68
नियोक्ता द्वारा भुगतान किए गये अंशदान						
भुगतान किए गये लाभ	-	-	-	42.00	-	(42.00)
	(165.00)	(164.00)	(165.00)	(164.00)	-	-
अंतिम शेष	2210.85	2255.85	1919.34	1948.72	291.51	307.13

कंपनी की नियोजित परिसम्पत्तियों का प्रबंधन भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किया जाता है। कंपनी के फंड देयताओं के लिए ली गई बीमा पॉलिसी के संदर्भ में कंपनी द्वारा प्रबंधित एक न्यास के माध्यम से चलाया जा रहा है।

बीमांकिक मान्यताएँ

रिपोर्टिंग तिथि पर प्रमुख बीमांकिक अनुमान निम्नलिखित थे:

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमान:		
छूट की दर	7.00%	6.75%
वेतन वृद्धि दर	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष
जनसांख्यिकीय अनुमान:		
सेवानिवृत्ति की आयु	60	60
मृत्यु दर तालिका	आईएएलएम का 100% (2012-14)	आईएएलएम का 100% (2012-14)
निकासी दर: (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	3%	3%
31 से 44 वर्ष तक	2%	2%
44 वर्ष से अधिक	1%	1%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण प्रमुख अनुमानों में परिवर्तन के लिए परिभाषित लाभ देयताओं की संवेदनशीलता है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ			
	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में बदलाव (0.50% संचलन)	(100.44)	101.60	(100.99)	103.12
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में परिवर्तन	101.79	(100.97)	103.96	(101.57)

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता प्रत्यक्ष नहीं है और इसलिए इन के कारण परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

उपर्युक्त संवेदनशीलता का विश्लेषण एक ऐसी प्रणाली के आधार पर किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल अनुमानों में होने वाले पर्याप्त परिवर्तन के परिणामस्वरूप निर्धारित लाभ देयता पर प्रभाव को बढ़ाती है। यह विश्लेषण निर्धारित लाभ देयताओं में वास्तविक परिवर्तन का उदाहरण नहीं हो सकता है क्योंकि कुछ अनुमानों में अलग-अलग परिवर्तन हो सकता है और कुछ अनुमान एक दूसरे से संबद्ध हो सकते हैं।

भविष्य में सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ का अनुमानित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सेवानिवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
एक वर्ष के अंदर	133.39	147.94
1-2 वर्ष के बीच में	140.73	149.62
2-3 वर्ष के बीच में	149.11	153.04
3-4 वर्ष के बीच में	158.65	158.33
4-5 वर्ष के बीच में	169.44	165.65
5-6 वर्ष के बीच में	181.98	175.29
6 वर्ष के बाद	1277.55	1305.98
कुल	2210.85	2255.85

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा लाभ योजना में अपेक्षित योगदान 38.66 करोड़ रुपये है।

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना के अंतर्गत देयता की औसत अवधि 12.78 वर्ष (31 मार्च 2021:12.42 वर्ष) है।

जोखिम की संभावना

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो प्रकृति में गतिशील हैं और समय के साथ बदलते रहते हैं। जैसे कि कंपनी विभिन्न जोखिमों जैसे कि चिकित्सा लागत में वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट की दर, मृत्यु दर, विकलांगता और निकासी को प्रकट करती है।

(iii) भविष्य निधि:

कंपनी पृथक न्यास को पूर्वनिर्धारित दरों पर नियत भविष्य निधि योगदान का भुगतान करती है जो अनुमत प्रतिभूतियों में धन का निवेश करती है। सदस्यों को भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट न्यूनतम दर में वापसी सुनिश्चित करना कंपनी का दायित्व है। तदनुसार, कंपनी ने एकचयूरी से रिपोर्ट प्राप्त की है, एकचुरियल वैल्यूएशन सर्टिफिकेट देयताओं के अनुसार जहां भी संभावित ब्याज की कमी उत्पन्न हो, के लिए, खातों में इसका प्रावधान किया गया है।

विभिन्न स्थानों पर कम्पनी के भविष्य निधि न्यास स्थित हैं, जिनमें कम्पनी के कर्मचारी शामिल हैं। इसे अलग से

(₹ करोड में)

स्थान	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का		अधिशेष / (कमी)	
	तक					
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, रानीपुर, हरिद्वार	1664.32	1574.05	1680.03	1581.86	15.71	7.81
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि – त्रिची	935.88	986.73	929.35	984.73	(6.53)	(2.00)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि भोपाल	1394.81	1317.70	1395.61	1313.87	0.80	(3.83)
बीएचईएल नई दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि न्यास	1375.80	1291.26	1386.09	1297.88	10.29	6.62
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चेन्नई	823.06	833.30	853.42	853.68	30.36	20.38
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चेन्नई	854.23	786.92	847.56	778.29	(6.67)	(8.63)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–बेंगलुरु	620.46	635.51	627.07	644.53	6.61	9.02
बीएचईएल (बीएपी यूनिट) ईपीएफ न्यास, रानीपेट	357.05	390.16	359.84	390.62	2.79	0.46
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास झांसी	455.36	437.95	468.66	447.68	13.30	9.73
भारत हेवी प्लेट्स एंड वेसेल्स लिमिटेड कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि–विजाग	145.91	141.46	179.46	172.72	33.55	31.26
कुल	8626.88	8395.04	8727.09	8465.86	100.21	70.82

(₹ करोड में)

विवरण	बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास (समेकित)			
	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य	
	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
आरम्भिक शेष	8395.04	8160.39	8465.86	8194.12
वर्ष के लिए लाभ में सम्मिलित:				
वर्तमान सेवा लागत	337.15	327.61	-	-
ब्याज लागत / (आय)	657.45	665.66	657.45	665.66
वर्ष के लाभ में शामिल:	994.60	993.27	657.45	665.66
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में सम्मिलित:				
पुनर्भुगतान हानि (लाभ):				
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्न होने वाली:				
जनसांख्यिकी अनुमान	-	-	-	-
वित्तीय अनुमान	(1.65)	-	-	-
अनुभव समायोजन	3.54	(17.87)	31.28	19.22
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि:	1.89	(17.87)	31.28	19.22
अन्य				
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	-	-	337.15	327.61
कर्मचारी अंशदान	725.84	777.25	725.84	777.25
लाभ का भुगतान किया	(1904.95)	(1804.50)	(1904.95)	(1804.50)
समायोजन/अंतरण	414.46	286.50	414.46	286.50
अंतिम शेष	8626.88	8395.04	8727.09	8465.86

नोट: घाटे वाले पीएफ न्यास के संबंध में ब्याज की कमी केवल लाभ-हानि विवरण और अन्य व्यापक आय विवरण के माध्यम से लेखांकित की गई है जैसा ऊपर कि ऊपर बिंदु (₹ 42.10 करोड़) के अंतर्गत दिखाया गया है।

नियोजित परिसम्पत्तियों का विवरण

(₹ करोड में)

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
भारत सरकार की प्रतिभूतियां [उद्घृत]	1026.09	1153.72
राज्य सरकार प्रतिभूतियां [उद्घृत]	4061.08	3694.89
कॉर्पोरेट बॉन्ड्स [उद्घृत]	3062.28	3027.71
विशेष जमा [उद्घृत]	384.27	417.43
लिविड फंड [उद्घृत]	14.25	2.11
अल्पावधि जमा [अनउद्घृत]	13.07	10.89
म्यूचुअल फंड एवं इक्विटी शेयर [उद्घृत]	166.05	159.11
कुल	8727.09	8465.86

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि में प्रमुख बीमांकिक अनुमान इस प्रकार थे :-

विवरण	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमान:		
छूट दर	7.00%	6.75%
खाता बही पर वैधानिक ब्याज दर की उम्मीद	8.10%	8.50%
निधि पर ब्याज आय में अपेक्षित कमी	0.05%	0.05%
जनसांख्यिकी मान्यताएँ:		
मृत्यु दर तालिका	100% of IALM (2012-14)	100% of IALM (2012-14)
निकासी दर% (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%
31 से 44 वर्ष तक	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	1.00%	1.00%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण प्रमुख धारणाओं में परिवर्तन के लिए परिभाषित लाभ देयताएं की संवेदनशीलता निम्न प्रकार से है:

विवरण	बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास			
	31 मार्च, 2022 तक		31 मार्च, 2021 तक	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में परिवर्तन (0.50% परिवर्तन)	(1.30)	1.38	(1.23)	1.28

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता महत्वपूर्ण नहीं है और इसलिए परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

भविष्य के वर्षों में अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

विवरण	भविष्य निधि	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
अगले 12 महीनों के भीतर	916.15	832.06
2-5 वर्षों के बीच	1681.13	2009.34
5-10 वर्षों के बीच	2150.37	1984.72
10 वर्षों के बाद	3879.23	3568.92
कुल	8626.88	8395.04

जोखिम की संभावना

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो प्रकृति में गतिशील हैं और समय के साथ बदलते रहते हैं। कंपनी के पास विभिन्न जोखिमों जैसे कि चिकित्सा लागत में वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट की दर, मृत्यु दर, विकलांगता और निकासी है।

(iv) सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावा- (निपटान भत्ता – गैर वित्त पोषित योजना)

कर्मचारी को सेवानिवृत्ति पर स्वयं व परिजनों एवं सेवा के दौरान मृत्यु होने पर परिजनों की गृह नगर या इच्छानुसार भारत में किसी भी स्थान पर पुनर्वास करने हेतु यात्रा व सामान के परिवहन के व्यय की प्रतिपूर्ति पर होने वाला व्यय निपटान भत्ता (सेटलमेंट अलाउंस) है।

निपटान भत्ता देयताओं में संचलन

(₹ करोड़ में)

विवरण	निपटान भत्ता देयता	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आरंभिक शेष	10.30	9.56
वर्तमान सेवा लागत	0.69	0.63
ब्याज दर/(आय)	0.69	0.65
वर्ष के लाभ में शामिल	1.38	1.28
बीमांकिक हानि (लाभ)	2.60	2.16
वर्ष के लिए टीसीआई में मान्यता प्राप्त कुल राशि	3.98	3.44
अन्य		
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	-	-
लाभ का भुगतान	(2.65)	(2.70)
अंतिम शेष	11.63	10.30

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि में प्रमुख बीमांकिक अनुमान इस प्रकार थे:

विवरण	समायोजन भत्ता	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमानः		
छूट दर	7.00%	6.75%
वेतन वृद्धि दर	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष
जनसांख्यिकी अनुमानः		
सेवानिवृत्ति आयु	60	60
मृत्यु तालिका	आईएएलएम का 100% (2012-14)	आईएएलएम का 100% (2012-14)
निकासी दर (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	3%	3%
31 से 44 वर्ष तक	2%	2%
44 वर्ष ऊपर	1%	1%

B. दीर्घकालीन छुट्टी देयताएं (अर्जित छुट्टी-ई एल/अर्धवैतनिक अवकाश-एचपीएल) – (गैर वित्त पोषित योजना)

कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति छमाही में 15 दिन (अधिकतम) अर्जित अवकाश और और 10 दिन का अर्ध वैतनिक अवकाश की सुविधा प्रदान करती है। अर्जित अवकाश का नकदीकरण सेवा के दौरान होता है। कंपनी नीतियों व नकदीकरण नियमों के आधार पर सेवानिवृत्ति / अधिवर्षिता आयु पर अर्जित अवकाश और अर्ध वैतनिक अवकाश एक साथ मिलाकर अधिकतम 300 दिनों तक नकदीकरण किया जा सकता है। अवकाश देयताओं को अन्य दीर्घकालिक लाभों के रूप में माना जाता है और अनुमानित यूनिट क्रेडिट एक्चुरियल विधि का उपयोग करके मूल्यांकन किया गया है।

दीर्घावधि छुट्टी देयता का संचलन

(₹ करोड में)

विवरण	दीर्घावधि छुट्टी देयताएं	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आरंभिक शेष	1242.08	1392.73
वर्ष के लाभ में शामिल है:	(0.34)	-
वर्तमान सेवा लागत		
ब्याज लागत (आय)	142.00	157.75
बीमांकिक हानि (लाभ)	83.82	93.98
वर्ष के लिए लाभ के रूप में मान्य कुल राशि	(181.51)	(130.95)
प्रदत्त लाभ	44.31	120.78
	255.33	271.43
अंतिम शेष	1030.72	1242.08

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि को मुख्य बीमांकिक अनुमान निम्न प्रकार से हैं।

विवरण	दीर्घावधि छुट्टी देयताएं	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आर्थिक अनुमान:		
छूट दर	7.00%	6.75%
वेतन में वृद्धि	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% और उसके बाद 6% प्रति वर्ष
जनसांख्यिकी अनुमान:		
सेवा निवृत्ति आयु	60	60
मृत्यु दर	आईएएलएम का 100% (2012-14)	आईएएलएम का 100% (2012-14)
निकासी दर (सभी आयु)		
30 वर्ष तक	3%	3%
31 से 44 वर्ष तक	2%	2%
44 वर्ष से ऊपर	1%	1%

ग. पेंशन निधि

कम्पनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में पेंशन निधि (परिभाषित अंशदान योजना) के लिए 254 करोड़ रुपये (पीवाई रुपए 280 करोड़) का योगदान किया।

नोट [41] - इंडस्ट्रीज-24 के अनुसार प्रकटीकरण-संबंधित पक्ष

A. संबंधित पक्षों की सूची

(i)		
संयुक्त उद्यम	बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (BGGTS) एननटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (NBPPPL) रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RPCL) पावरप्लांट प्रफोर्मेस इमप्रूवमेंट लिमिटेड	
रोजगार के बाद लाभ योजनाएं	भविष्य निधि न्यास ग्रेच्युटी न्यास पीओरएमबी न्यास पेंशन न्यास	
अन्य	केन्द्र सरकार द्वारा नियंत्रित संस्थाएं	

कंपनी भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और इसकी अधिकांश हिस्सेदारी भारत सरकार के पास है। महत्वपूर्ण लेन-देन अन्य सार्वजनिक उपक्रमों, राज्य के स्वामित्व वाली उपयोगिताओं, रेलवे आदि के साथ हैं, जिन्हें भारत सरकार द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से नियंत्रित भी किया जाता है। ऐसी संस्थाओं के साथ लेन-देन सामान्य है, जो बाजार संचालित दरों पर आधारित है।

(ii) अन्य संबंधित पक्ष

a. मुख्य प्रबंधक अधिकारी [केएमपी]

विवरण	पदनाम	पद कब से / कब तक
कार्यात्मक निदेशक		
श्री डॉ. नलिन सिंघल	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	
श्री सुबोध गुप्ता	निदेशक (वित्त)	
श्री कमलेश दास	निदेशक (इंजीनियरिंग, आर एंड डी)	31 जुलाई 2021 तक
श्री अनिल कपूर	निदेशक (मानव संसाधन)	31 जनवरी 2022 तक
सुश्री रेणुका गैरा	निदेशक (आईएस एवं पी)	
श्री उपिन्द्र सिंह मठारु	निदेशक (पावर)	21 मार्च 2022 से
कम्पनी सचिव		
श्री राजीव कालड़ा	कम्पनी सचिव	

(₹ करोड़ में)

विवरण	को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
प्रमुख प्रबंधन कर्मियों को मुआवजा		
- अल्पकालिक कर्मचारी लाभ	3.29	4.16
- रोजगार के बाद के लाभ	0.38	0.56
- अन्य दीर्घकालिक लाभ	-	-
- समाप्ति लाभ	-	-
- शेष आधारित भुगतान	-	-
कुल	3.67	4.72

ख. सरकारी निदेशक/स्वतंत्र निदेशक

नाम	सरकारी / स्वतंत्र	धारित (से / तक)
श्री शशांक प्रिय	सरकारी निदेशक	
श्री अमित मेहता	सरकारी निदेशक	18.06.2021 तक
श्री जीतेंद्र सिंह	सरकारी निदेशक	18.06.2021 से 25.03.2022 तक
श्री विजय मित्तल	सरकारी निदेशक	25.03.2022 से
श्री राजेश शर्मा	स्वतंत्र निदेशक	13.02.2022 तक
श्री राज कमल बिंदल	स्वतंत्र निदेशक	
श्री मनीष कपूर	स्वतंत्र निदेशक	
श्री डॉ. राज के अग्रवाल	स्वतंत्र निदेशक	09.11.2021 से
श्री डॉ. के शिवाप्रसाद	स्वतंत्र निदेशक	09.11.2021 से
श्रीमती डॉ. लेखासरी सामंतसिंघार	स्वतंत्र निदेशक	09.11.2021 से
श्री आदित्य प्रसाद साहू	स्वतंत्र निदेशक	29.12.2021 से

(₹ करोड में)

विवरण	को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
बैठक शुल्क — स्वतंत्र निदेशक	0.25	0.21

ग. पोस्ट एम्प्लॉयमेंट बेनिफिट प्लान के साथ लेन-देन अलग ट्रस्ट के माध्यम से किया जाता है।

(₹ करोड में)

सरकारी निदेशक/स्वतंत्र निदेशक	पोस्ट एम्प्लॉयमेंट योजना के लाभ	नियोक्ता द्वारा योगदान	
		31 मार्च वर्ष के अंत तक	
		2022	2021
पीआरएमबी न्यास	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा योजना	-	41.62
ग्रेच्युटी न्यास	ग्रेच्युटी	-	154.00
कर्मचारी सेवानिवृत्ति कोष	पेंशन निधि	115.00	280.00
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, रानीपुर, हरिद्वार	भविष्य निधि	55.13	52.21
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि—त्रिची	भविष्य निधि	53.43	52.97
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि भोपाल	भविष्य निधि	53.03	50.86
बीएचईएल नई दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि न्यास	भविष्य निधि	41.46	39.25
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि—हैदराबाद	भविष्य निधि	40.56	39.36
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चेन्नई	भविष्य निधि	28.21	26.34
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि—बेंगलुरु	भविष्य निधि	27.75	29.16
बीएचईएल (बीएपी यूनिट) ईपीएफ न्यास, रानीपेट	भविष्य निधि	18.58	19.24
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास झांसी	भविष्य निधि	13.19	12.77
भारत हैवी प्लेट्स एंड वेसल्स लिमिटेड कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि—विजाग	भविष्य निधि	5.81	5.45

iii. संयुक्त उपक्रम और शेष राशि के साथ लेनदेन का विवरण

(₹ करोड में)

विवरण	को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
उत्पाद एवं सेवाओं की बिक्री		
बीजीजीटीएस	281.48	215.85
आरपीसीएल	3.27	7.80
एनबीपीपीएल	3.83	10.86
लाभांश आय		
बीजीजीटीएस	30.35	21.42
रॉयल्टी आय		
बीजीजीटीएस	1.80	1.46
उत्पाद एवं सेवाओं का क्रय		
बीजीजीटीएस	1.04	1.96
एनबीपीपीएल	1.52	0.75
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशि		
बीजीजीटीएस	143.55	68.79
आरपीसीएल	550.90	552.00
एनबीपीपीएल	263.89	195.56
वर्ष के अंत में बीएचईएल (अग्रिम सहित) से देय राशि		
बीजीजीटीएस	0.11	0.15
आरपीसीएल	20.95	7.67
एनबीपीपीएल	67.95	56.79
संदिग्ध ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रावधान		
आरपीसीएल	20.17	20.10
एनबीपीपीएल	188.70	187.98

नोट: निवेश के मूल्य में कमी के प्रावधान के लिए संदर्भ नोट 5 (क) देखें

नोट [42] - प्रकटीकरण (प्रावधान में संचलन) – इंड एस – 37

(₹ करोड में)

a. परि- निर्धारित हर्जाना	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आरंभिक शेष	9511.80	8467.67
जोड़ें: परिवर्धन	152.07	1546.68
घटाएँ: उपयोग / राईट ऑफ / भुगतान	111.76	98.36
घटाएँ निकासी / समायोजन	992.91	404.19
अंतिम शेष	8559.20	9511.80

कंपनी के लेखांकन नीति के अनुरूप परिनिर्धारित हर्जाने का प्रावधान किया गया है और इसे निपटान या अन्यथा खातों में उपयुक्त तरीके से लिखा जाता है। परिनिर्धारित हर्जाने से संबंधित आकस्मिक देयताओं को नोट 32 के पैरा ए (जी) में दिखाया गया है।

(₹ करोड में)

ख. अनुबंधनात्मक देयताएं	तक	
	31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च, 2021 तक
आरंभिक शेष		
जैसा कि नोट (19)	3992.45	4319.11
जैसा कि नोट (6) में	723.45	736.93
जैसा कि नोट (9) में	699.86	5415.76
जोड़ें: उधार लागत	155.78	483.12
जोड़ें: परिवर्धन	277.50	5539.16
घटाएँ: पीवी समायोजन	107.45	141.68
घटाएँ: उपयोग/राईट ऑफ/भुगतान	88.78	447.20
घटाएँ: निकासी/समायोजन	438.94	194.95
जोड़ें / (कम): अनुमान और दरों में परिवर्तन	(18.11)	87.56
अंतिम शेष		
जैसा कि नोट (19) में	3855.48	418.48
जैसा कि नोट (6) में	708.05	418.48
जैसा कि नोट (9) में	632.23	5195.76
	699.86	5415.76

अनुबंध के नियमों और शर्तों के अनुसार वारंटी दायित्वों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीति संख्या 11 के अनुरूप पैसे के समय मूल्य के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए संविदात्मक दायित्व का प्रावधान किया गया है। अनुबंध के वारंटी दायित्वों के पूरा होने तक इसे बरकरार रखा जाता है। वारंटी दायित्व पर वास्तविक खर्च अनुबंध से अनुबंध और संबंधित अनुबंध के नियमों और शर्तों के आधार पर साल-दर-साल भिन्न हो सकते हैं। नोट 6 और 9 में बी एंड डी ऋणों के लिए गैर-चालू भत्ते में खुलासा पूरी तरह से प्रदान की गई परियोजनाओं से बकाया राशि से संबंधित संविदात्मक दायित्व शामिल हैं।

अनुभव/तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर और महत्वपूर्ण लेखा नीति संख्या के अनुरूप 11 (ii) बोर्ड द्वारा विधिवत अनुमोदित, कंपनी ने वारंटी के लिए प्रत्याशित लागत का पुनर्मूल्यांकन किया है। नतीजतन, वित्त वर्ष 2021-22 में संविदात्मक दायित्व प्रावधान में वृद्धि ₹293.51 करोड़ से कम रही है।

नोट [43] - प्रकटीकरण – ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व –इंड एस-115
क. ट्रांस प्रावधानों में संचलन

(₹ करोड में)

विवरण	2021-22		2020-21	
	व्यापार प्राप्ति	अनुबंध की संपत्ति	व्यापार प्राप्ति	अनुबंध की संपत्ति
आरंभिक शेष	4890.48	1142.25	5431.00	822.98
जोड़ें: परिवर्धन	344.18	146.78	677.99	337.37
घटाये: बट्टा	216.42	-	49.34	-
कम: बट्टे में डाला	703.45	98.49	1169.17	18.10
अंतिम शेष	4314.79	1190.54	4890.48	1142.25

*सहित। सहायक कंपनी में हिस्सेदारी की बिक्री पर समायोजन ₹ (3.36) करोड़।

ख. ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व का विभाजन

(₹ करोड में)

विवरण	पावर		औद्योगिक		कुल
	भारत के भीतर	भारत से बाहर	भारत के भीतर	भारत से बाहर	

2021-22
ग्राहकों से राजस्व
राजस्व मान्यता का समय

(a) सही समय पर (उत्पाद/सेवाएं)	2035.30	22.46	3952.87	35.65	6046.28
(b) समय के बाद (परियोजनाएं)	11844.60	1458.89	802.88	0.73	14107.10

2020-21
ग्राहकों से राजस्व
राजस्व मान्यता का समय

(a) सही समय पर (उत्पाद/सेवाएं)	1902.18	10.00	3780.92	21.30	5714.40
(b) समय के बाद (परियोजनाएं)	7650.09	1823.78	1107.53	-	10581.40

(₹ करोड में)

विवरण	2021.22		2020.21	
	पावर	औद्योगिक	पावर	औद्योगिक
ग्राहकों से राजस्व				
सीपीएसयू	3807.92	1405.00	2824.59	1791.55
टीएसजीईएनसीओ	2644.40	-	1664.61	-
टीएनजीईडीसीओ	1669.85	-	692.45	-
बीआईएफपीसीएल (बांग्लादेश)	1381.44	-	1653.65	-

बण अनुबंध शेष (प्रावधानों का सकल)

(₹ करोड में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
व्यापार प्राप्तियां	6228.59	7214.81
अनुबंध परिसंपत्तियां (असंबद्ध राजस्व सहित)	26939.87	24079.48
अनुबंध देयताएं	6047.76	6864.35

कण मान्यता प्राप्त अनुबंध राजस्व

(₹ करोड में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
मान्यता प्राप्त राजस्व पर अनुबंध देनदारियाँ (ग्राहक अग्रिमों का समायोजन और वर्ष के दौरान मूल्यांकन समायोजन)	3592.89	3591.86
पिछले वर्ष के निष्पादन देयताएं संतुष्टि पर मान्यता प्राप्त राजस्व (अनुबंध राजस्व में बदलाव के कारण प्रभाव)	94.41	92.96

विद्युत परियोजनाओं की स्थापना एक दीर्घचक्रीय व्यवसाय है, जहां कंपनी द्वारा प्राप्त अनुबंध या तो ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रिक्वोरमेंट और कमीशनिंग) या बीटीजी पैकेज (यानी बॉयलर, टर्बाइन और जनरेटर पैकेज) हैं। 3 से 5 वर्ष के बीच अनुबंध की सामान्य निष्पादन अवधि के साथ विद्युत परियोजनाएं लंबी अवधि की परियोजनाएं हैं। बीएचईएल सेवाओं के दायरे में उपकरण की आपूर्ति, निर्माण, कमीशनिंग, प्लांट को ग्रिड से सिंक्रोनाइज करना, ट्रायल ऑपरेशन को पूरा करना और गारंटीकृत पैरामीटर प्रदान करना सम्मिलित है।

यद्यपि समग्र दायरे में कई घटक हैं, ऐसी परियोजनाओं को आमतौर पर एक प्रदर्शन दायित्व माना जाता है। नियंत्रण निष्पादन अवधि पर एक साथ स्थानांतरित होता है क्योंकि इकाई समय में असतत बिंदुओं के बजाय समग्र रूप से निष्पादन कार्य करती है और इसलिए प्रगति की माप के आधार पर समय की अवधि में राजस्व को मान्यता दी जाती है (इनपुट लागत विधि)

नोट [44]

वैश्विक स्तर पर कोविड 19 महामारी के प्रसार के परिणामस्वरूप आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान और धीमी गति का कारण बना। इसने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी के परिचालन को प्रभावित किया, जिसमें उत्तरोत्तर सुधार हुआ। इन वित्तीय विवरणों के अनुमोदन की तिथि तक की आंतरिक और बाहरी जानकारी के आधार पर, कंपनी को अपनी परिसंपत्तियों, निवेशों, व्यापार प्राप्तियों, अनुबंध परिसंपत्तियों और इन्वेंट्री की अग्रणीत राशि की वसूली की उम्मीद है। कंपनी भविष्य की आर्थिक स्थितियों की निगरानी करना और अपने वित्तीय विवरणों पर इसके प्रभाव का आकलन करना जारी रखेगी।

नोट [45] - इंड एस-107 के अनुसार प्रकटीकरण [वित्तीय विलेख - लेखा वर्गीकरण और उचित मूल्य मापन]

a. नकद और नकद समकक्ष, बैंक शेष, ऋण, व्यापार प्राप्य, व्यापार देय और अन्य के धारित मूल्य का युक्तिसंगत उनकी वहन राशि का अनुमान लगाते हैं। व्यापार प्राप्तियों का मूल्यांकन अपेक्षित ऋण हानियों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। मूल्यांकन तकनीक द्वारा वित्तीय साधनों के उचित मूल्य का निर्धारण और खुलासा करने के लिए कंपनी निम्नलिखित पदानुक्रम का उपयोग करती है:

उचित मूल्य पदानुक्रम

मूल्यांकन तकनीक में उपयोग किए गए इनपुट के आधार पर वित्तीय विलेखों का उचित मूल्य निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

स्तर 1: समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्य (असमायोजित)

स्तर 2: स्तर 1 के भीतर सम्मिलित किए गए उद्धृत मूल्य के अतिरिक्त अन्य इनपुट जो कि संपत्ति या देयताएं के लिए प्रत्यक्ष हैं (यानी, कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (यानी, कीमतों से प्राप्त)

स्तर 3: संपत्ति या देयताएं के लिए इनपुट जो अवलोकन योग्य बाजार डेटा (अप्रचलित इनपुट) पर आधारित नहीं हैं।

(₹ करोड में)

b. वित्तीय परिसंपत्ति/देयताएं वर्गीकरण	आगे ले जाने वाली राशि	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां		
व्यापार प्राप्तियां	6228.59	7214.81
नकद और नकद समकक्ष	732.62	1527.19
अन्य बैंक शेष	6421.07	5174.26
कर्ज	-	-
अन्य वित्तीय संपत्ति	298.29	330.04
लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय संपत्ति निवेश (इक्विटी इंस्ट्रूमेंट)	3.29	3.58
परिशोधन लागत पर वित्तीय देनदारियां		
व्यापार देनदारियां	9881.52	8564.59
अन्य वित्तीय देयताएं	1339.19	1146.31
लीज देयताएं	84.93	101.61
अल्पकालिक कर्ज	4745.00	4849.28

(₹ करोड में)

उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय मूल्य और देनदारियां – आवर्ती उचित मूल्य माप	स्तर 3 पदानुक्रम	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
वित्तीय परिसंपत्ति:		
निर्विवाद इक्विटी उपकरणों में निवेश	3.29	3.58

c. उचित मूल्य निर्धारित करने हेतु अनुप्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक

निर्विवाद इक्विटी विलेखों का उचित मूल्य स्तर 3 इनपुट का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है, जिसमें प्रति शेयर शुद्ध संपत्ति मूल्य के आधार पर निवेशकर्ता कंपनी के वित्तीय विवरणों के इनपुट सम्मिलित होते हैं।

एफवीटीपीएल परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत निर्विवाद इक्विटी शेयरों के उचित मूल्य माप का सामंजस्य

(₹ करोड में)

मार्च 31, 2021 तक	3.58
उचित मूल्य में परिवर्तन	(0.29)
मार्च 31, 2022 तक	3.29

वित्तीय जोखिम प्रबंधन

उद्देश्य और नीतियां

कंपनी की गतिविधियों के समक्ष किसी भी कंपनी के स्वाभाविक व्यावसायिक प्रकटीकरण से उत्पन्न विभिन्न व्यावसायिक जोखिम होते हैं। वित्तीय जोखिम का प्रबंधन हमेशा कंपनी की व्यावसायिक रणनीतियों और नीतियों का एक अभिन्न अंग रहा है। कंपनी अपने विभिन्न हितधारकों की जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुरूप वित्तीय जोखिमों को दूर करने के लिए समय-समय पर अपनी नीतियों और दिशानिर्देशों की समीक्षा करती है और उन्हें संरेखित करती है। वित्तीय विलेखों के उपयोग से जोखिम को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:

- क) क्रेडिट जोखिम
- ख) लिक्विडिटी जोखिम
- ग) बाजार जोखिम

यह नोट उपर्युक्त जोखिमों में से प्रत्येक के लिए कंपनी के जोखिम के बारे में जानकारी प्रस्तुत करता है। जोखिम को मापने और प्रबंधित करने के लिए कंपनी के उद्देश्य, नीतियां और प्रक्रियाएं और कंपनी की पूंजी का प्रबंधन सम्मिलित है। इन वित्तीय विवरणों में आगे मात्रात्मक प्रकटीकरण सम्मिलित हैं।

जोखिम प्रबंधन संरचना

बीएचईएल के पास एक बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति है जो कंपनी में जोखिम प्रबंधन के लिए समग्र रूपरेखा प्रदान करता है। चार्टर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपयुक्त जोखिम शमन उपायों को अपनाकर जोखिमों की सही पहचान, आकलन और प्रभावी तरीके से प्रबंधन किया जाना है। कंपनी के पास 3-स्तरीय जोखिम प्रबंधन ढांचा है। पहले स्तर पर, कंपनी के बोर्ड स्तर के जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) को कंपनी के जोखिम शासन संरचना, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे, दिशानिर्देशों, नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। दूसरे स्तर पर जोखिम प्रबंधन परिचालन समिति (आरएमएससी) जोखिम प्रबंधन ढांचे को अपनाने और लागू करने और कंपनी में जोखिम प्रबंधन पहल का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार है। प्रमुख जोखिम अधिकारी (सीआरओ) बीएलआरएमसी और आरएमएससी के संयोजक होने के नाते बोर्ड / बीएलआरएमसी को जोखिम प्रबंधन पर आवधिक रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है। कंपनी के सामने आने वाले प्रमुख जोखिमों का विश्लेषण यूनिट स्तर से उनके संबंधित क्षेत्रों के लिए जोखिम शमन योजना तैयार करने और कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

क) क्रेडिट जोखिम का प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम को व्यापार करने के जोखिम संतुलन का एक अभिन्न अंग माना जाता है। बीएचईएल भारत और विदेश में सरकारी क्षेत्रों (राज्य उपयोगिताओं, सार्वजनिक उपक्रमों, रेलवे और अन्य सरकारी विभागों आदि) और निजी क्षेत्रों से संबंधित विद्युत परियोजनाओं की स्थापना में सम्मिलित है। परियोजनाओं को आमतौर पर वित्तीय संस्थानों / बैंकों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है या भुगतान लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) द्वारा कवर किया जाता है। परियोजना की अवधि 3 से 5 वर्ष तक होती है और भुगतान को आमतौर पर अग्रिम, प्रगति भुगतान, मील के पत्थर के भुगतान और इस प्रकार की परियोजनाओं के पूरा होने पर जारी किए जाने वाले रिटेंशन सहित अनुबंध की शर्तों के अनुसार चरणों में प्राप्त किया जाता है। चूंकि अधिकांश ग्राहक सरकारी क्षेत्र से संबंधित हैं, इसलिए कुल प्राप्तियों का 79% इस तथ्य के साथ मिलकर बनता है कि कंपनी स्वयं एक सीपीएसई है, क्रेडिट जोखिम अपेक्षाकृत कम है। निजी क्षेत्रों के ग्राहकों के संबंध में, भुगतान की शर्तें मुख्य रूप से एलसी के माध्यम से हैं। कंपनी ने संगठन के भीतर विभिन्न स्तरों पर प्राप्तियों के लिए अच्छी तरह से समीक्षा तंत्र स्थापित किया है, ताकि कंपनी की नीतियों, प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों के अनुरूप उचित ध्यान और ध्यान केंद्रित किया जा सके। कंपनी क्रेडिट हानि या लाभ का आकलन करने के लिए अपेक्षित क्रेडिट लॉस मॉडल का उपयोग करती है और उसी का खुलासा अन्यत्र किया जाता है। इसके अतिरिक्त, किसी भी घटना से निपटने के लिए पर्याप्त प्रावधान बनाए हुए हैं।

i) क्रेडिट जोखिम का विवरण

वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि अधिकतम ऋण जोखिम का प्रतिनिधित्व करती है। रिपोर्टिंग तिथि पर क्रेडिट जोखिम के लिए अधिकतम जोखिम था:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए 12 महीने की अनुमानित क्रेडिट हानि (ईसीएल) का उपयोग करके हानि भत्ता मापा जाता है		
नकद और नकद समकक्ष	732.62	1527.19
अन्य बैंक शेष	6421.07	5174.26
अन्य वित्तीय शेष	298.29	330.04
वित्तीय परिसंपत्तियाँ, जिनके लिए हानि भत्ता को लाइफ टाइम एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस (ईसीएल) हानि सहित मापा जाता है।		
व्यापार प्राप्तियाँ	6228.59	7214.81

ऋण जोखिम पर एकाग्रता— भौगोलिक	कुल राजस्व का प्रतिशत	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
भारत के भीतर	93%	92%
भारत से बाहर	7%	8%
कुल	100%	100%

निम्न प्रकार के प्रतिपक्षों से व्यापार प्राप्य, अनुबंध संपत्ति एवं अन्य प्राप्य के प्रति कंपनी का क्रेडिट रिस्क एक्सपोजर इस प्रकार हैं —

विवरण	कुल राजस्व का प्रतिशत	
	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
रेलवे और सरकार विभाग सहित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	37%	36%
राज्य विद्युत बोर्ड	42%	43%
निजी ग्राहक और अन्य	14%	13%
निर्यात	7%	8%
कुल	100%	100%

ii) क्षति नुकसान

(क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि का उपयोग करके हानि भत्ता को मापा जाता है

कंपनी के पास संपत्ति है जहां प्रतिपक्ष के पास देयताएं को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है और जहां धोखाधड़ी/डिफॉल्ट की सम्भावना बहुत कम है।

वर्ष के दौरान ऋण के संबंध में हानि के भत्ते में संचलन इस प्रकार था:

(₹ करोड में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
1 अप्रैल को शेष राशि	31.95	32.38
मान्य क्षति ह्रास/बढ़े खाते में डालना / आहरित	(17.39)	(0.43)
मार्च 31 तक शेष	14.56	31.95

(ख) क्षति हानि प्रावधानों का सामंजस्य

वर्ष के दौरान व्यापार प्राप्य और अनुबंध परिसंपत्तियों के संबंध में हानि के भत्ता में संचलन इस प्रकार था:

(₹ करोड में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को
1 अप्रैल को शेष राशि	6032.73	6250.62
मान्य क्षति ह्रास	490.97	1015.36
बट्टाकृत / आहरित राशि	(1018.37)	(1233.25)
मार्च 31 तक शेष	5505.33	6032.73

कंपनी सरप्लस फंडों में निवेश करती है, जो डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप बोर्ड द्वारा अनुमोदित कंपनी की निवेश नीति के अनुसार है। नकदी और नकद समकक्षों और सावधि जमाओं पर क्रेडिट जोखिम बहुत सीमित है क्योंकि कंपनी आमतौर पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा सौंपी गई उच्च क्रेडिट रेटिंग के साथ जमा में निवेश करती है।

ख) परिसमापन/लिक्विडिटी जोखिम का प्रबंधन

कंपनी सावधि जमा सहित पर्याप्त नकदी और नकदी समतुल्य बनाए रखने और क्रेडिट सुविधाओं से पर्याप्त मात्रा में धन की उपलब्धता को बनाए रखते हुए और जब भी देय हो, लिक्विडिटी जोखिम का प्रबंधन करती है। मजबूत नकदी प्रबंधन प्रणाली और नकदी प्रवाह की नियमित निगरानी प्रबंधन को वर्ष भर में अपनी निधि की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्रोतों की योजना बनाने और बनाए रखने में सक्षम बनाती है। पर्याप्त नकदी और बैंक शेष के अतिरिक्त, कंपनी को ऋण की सुविधा प्राप्त है। कंपनी आंतरिक संविलेखों से अपने सभी फंड की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, अर्थात् परिचालन से उत्पन्न धन और निवेश पर रिटर्न का अनुकूलन करने के लिए बेहतर ट्रेजरी प्रबंधन परिचालन के लिए अल्पकालिक उधार के माध्यम का उपयोग किया जाता है।

(₹ करोड में)

वित्तीय देनदारियां	31 मार्च, 2022 को		31 मार्च, 2021 को	
गैर-व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं	1 वर्ष के भीतर	1 वर्ष से अधिक	1 वर्ष के भीतर	1 वर्ष से अधिक
व्यापार देनदारियां	7749.59	2131.93	6680.82	1883.77
ठेकेदारों और अन्य लोगों से जमा	431.36	206.45	447.92	211.01
वित्त पट्टा देयताएं	49.81	35.12	48.20	53.41
अन्य देय/देयताएँ				
कर्मचारी बकाया	214.05	-	126.88	-
अन्य बकाया राशि	397.85	-	297.30	-
कैपेक्स बकाया	80.83	8.65	57.49	5.71
लघु अवधि की उधारी	4745.00	-	4849.28	-
कुल	13668.49	2382.15	12507.89	2153.90

ग) बाजार जोखिम का प्रबंधन

कंपनी के समक्ष अपने परिचालन से उत्पन्न होने वाले कुछ मुद्रा, माल, ब्याज दर जोखिम होते हैं। विदेशी मुद्रा जोखिमों को कवर करने के लिए कंपनी के पास विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है। प्रमुख वस्तुओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव से कंपनी को अप्रभावित रखने के लिए, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों सहित आपूर्ति शृंखला भागीदारों के साथ दावों के माध्यम से मूल्य समझौते सहित रूपरेखा समझौते नियमित रूप से किए जा रहे हैं। ऑपरेशन से उत्पन्न अधिशेष निधियों को केवल पीएसयू बैंकों या बड़े-बड़े निजी बैंकों के साथ अल्पावधि जमा में निवेश किया जाता है और सार्वजनिक क्षेत्र के म्युचुअल फंडों की ऋण आधारित योजनाओं में, जिससे जोखिम कम हो जाता है।

विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोजर — रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी का विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोजर निम्नानुसार हैं:

- (i) दिनांक 31.03.2022 को रुके हुये और शेष व्युत्पन्न विलेख शून्य (पिछला वर्ष का शून्य है) है
- (ii) विदेशी मुद्रा एक्सपोजर जो एक व्युत्पन्न उपकरण द्वारा या अन्यथा नहीं किया जाता है निम्नानुसार हैं:

विदेशी मुद्रा मिलियन में
(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2022 को		31 मार्च, 2021 को		31 मार्च, 2022 को	
संपत्तियां	यूरो	समतुल्य भा.रु.	यूरो	समतुल्य भा.रु.	अन्य भा.रु.	अन्य भा.रु.
व्यापार प्राप्त	61.72	520.18	101.84	871.66	3.16	1.35
अनुबंध की संपत्ति	327.57	2753.33	239.80	2056.26	35.27	66.87
अन्य संपत्ति	0.93	7.56	13.68	110.08	21.98	144.71
उप कुल(A)	390.22	3281.07	355.32	3038.00	60.41	212.93
देयताएं						
ग्राहक से अग्रिम	36.42	242.50	41.03	281.34	39.47	40.97
व्यापार का भुगतान और अन्य	101.40	869.73	39.42	343.91	131.99	107.92
उप कुल (B)	137.82	1112.23	80.45	625.25	171.46	148.89
संपत्ति (शुद्ध देयताएं) (क-ख)	252.40	2168.84	274.87	2412.75	(111.05)	64.04

विवरण	31 मार्च, 2022 को		31 मार्च, 2021 को	
	यूएसडी	समतुल्य भा.रु.	यूएसडी	समतुल्य भा.रु.
संपत्तियां				
प्राप्त व्यापार	64.88	489.70	79.62	582.87
अनुबंध की संपत्ति	333.77	2517.59	316.33	2315.32
अन्य संपत्ति	6.08	45.30	0.90	6.79
उप कुल (क)	404.73	3052.59	396.85	2904.99
देयताएं				
ग्राहक से अग्रिम	78.92	457.24	115.93	675.39
व्यापार का भुगतान और अन्य	161.30	1231.18	144.50	1070.18
लघु अवधि की उधारी	-	-	46.68	345.06
उप कुल (ख)	240.22	1688.42	307.11	2090.63
संपत्ति (शुद्ध देयताएं) (क-ख)	164.51	1364.17	89.74	814.36

उपर्युक्त आंकड़े प्रावधानों के शुद्ध हैं, यदि कोई हो

संवेदनशीलता विश्लेषण

भारतीय रुपये के अमरीकी डालर, यूरो और अन्य की तुलना में मजबूत / कमजोर होने के प्रभाव को वर्षात लाभ या हानि के रूप में नीचे दिखाया गया है। यह विश्लेषण विदेशी मुद्रा विनिमय दर संस्करण पर आधारित है जिसे कंपनी ने समीक्षाधीन अवधि के अंत में यथोचित रूप से संभव माना है। विश्लेषण पिछले वर्ष के लिए इसी आधार पर किया जाता है, यद्यपि विदेशी मुद्रा विनिमय दर संस्करण भिन्न था, जैसा कि नीचे बताया गया है।

विवरण	31 मार्च, 2022		31 मार्च, 2021	
	मजबूत	कमजोर	मजबूत	कमजोर
लाभ पर प्रभाव / (हानि)				
1% संचलन				
यूरो	21.69	(21.69)	24.13	(24.13)
यूएसडी	13.64	(13.64)	8.14	(8.14)
अन्य	(1.11)	1.11	0.64	(0.64)

पूंजी प्रबंधन

क्रियाशील इकाई के रूप में पूंजी प्रबंधन करते हुए कंपनी का उद्देश्य अपनी पूंजी को सुरक्षित, संरक्षित रखना और इसमें वृद्धि करना है ताकि शेयरधारकों को अधिकतम लाभ प्रदान किया जा सके, अन्य हितधारकों को लाभ प्रदान किया जा सके और पूंजी लागत को कम करने के लिए एक इष्टतम पूंजी संरचना बनाए रखी जा सके। निदेशक मंडल इक्विटी शेयरधारकों को लाभांश के स्तर की भी मॉनिटरिंग करते हैं। कंपनी समान्यतः उद्योग द्वारा और रेटिंग एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई वित्तीय अनुपातों के आधार पर मध्यम कालिक दृष्टिकोण व दीर्घकालिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए पूंजी को मॉनिटर करती है। कंपनी बाह्य पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है। कंपनी की पूंजी संरचना को विभिन्न वित्तीय अनुपातों के अनुसार प्रबंधित किया जाता है जैसा की उच्चतम क्रेडिट रेटिंग बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

नोट [46] - परिचालन खंड

संबंधित व्यावसायिक क्षेत्रों द्वारा बुक किए गए आदेशों के आधार पर सेगमेंट की पहचान 'पावर' और 'इंडस्ट्री' के रूप में की गई है। अंतर्राष्ट्रीय परिचालन समूह द्वारा बुक किए गए ऑर्डर को पावर या इंडस्ट्री में ले जाया जाता है, जैसा कि मामला हो सकता है।

कंपनी के कार्यकारी निदेशकों की समिति को मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) के रूप में पहचाना गया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	वर्षांत 31 मार्च 2022			वर्षांत 31 मार्च 2021		
	पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
I. खंड राजस्व						
बाहरी-परिचालन राजस्व	15361.25	4792.13	20153.38	11386.05	4909.75	16295.80
II. खंड परिणाम						
अ. अ. खंड परिणाम	1949.24	(41.42)	1907.82	(1246.16)	(856.62)	(2102.78)
आ. गैर-आबंटित व्यय (शुद्ध आय)			1081.40			1119.20
इ. वित्त लागत और आयकर से पूर्व लाभ (अ - आ)			826.42			(3221.98)
ई. वित्त लागत (ब्याज सहित छूट)			355.96			373.95
उ. आयकर से पूर्व शुद्ध लाभ (इ - ई)			470.46			(3595.93)
ऊ. आयकर			25.75			(896.23)
ऋ. आयकर के बाद शुद्ध लाभ (उ - ऊ)			444.71			(2699.70)
III. परिसंपत्तियां और देयताएं						
अ. खंड संपत्ति	37196.23	8194.28	45390.51	35954.72	8441.74	44396.46
आ. आम संपत्ति			10853.25			10843.75
इ. कुल संपत्ति			56243.76			55240.21
ई. खंड देयताएं	20096.06	4754.42	24850.48	19221.65	4492.64	23714.29
उ. सामान्य देयताएं			4886.68			5553.92
ऊ. कुल देयताएं			29737.16			29268.21
IV. अन्य सूचनाएं						
अ. पूंजीगत व्यय	140.56	55.40		112.23	38.05	
आ. अवमूल्यन और परिशोधन	209.45	71.29		306.68	118.68	
इ. गैर नकद व्यय (मूल्यहास और परिशोधन के अतिरिक्त)	(1241.57)	(62.11)		1302.02	499.07	

भौगोलिक क्षेत्र	भारत के भीतर	भारत से बाहर	कुल	भारत के भीतर	भारत से बाहर	कुल
1 शुद्ध बिक्री/राजस्व से परिचालन	18635.65	1517.73	20153.38	14440.72	1855.08	16295.80
2. गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ (पीपीई और अमूर्त परिसंपत्तियाँ)	2812.21	17.23	2829.44	2884.28	26.42	2910.70
3. पूंजीगत व्यय	225.32	5.77	231.09	253.40	2.45	255.85

प्रमुख ग्राहक-बीएचईएल के कुल राजस्व का 10% से अधिक एकल ग्राहक से राजस्व का विवरण

विवरण	पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
सीपीएसयू	3807.92	1405.00	5212.92	2824.59	1791.55	4616.14
टीएसजीईएनसीओ	2644.40	-	2644.40	1664.61	-	1664.61

नोट [47] - अतिरिक्त प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

समूह में इकाई का नाम	वित्तीय वर्ष	कुल संपत्ति, अर्थात्, कुल संपत्ति (–) कुल देयताएं		लाभ या हानि में हिस्सेदारी		अन्य व्यापक आय में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
		समेकित नेट परिणामों का %	राशि	समेकित लाभ या हानि का % में	राशि	कुल व्यापक आय % में	राशि	कुल व्यापक आय % में	राशि
बीएचईएल	2021-22	99.24	26304.74	89.27	396.98	99.96	76.87	90.84	473.85
	2020-21	99.39	25813.96	101.44	(2738.56)	99.65	19.98	101.45	(2718.58)

सहायक कंपनी—

बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड (बीएचईएल ईएमएल)	2021-22	-	-	(0.31)	(1.37)	-	-	(0.26)	(1.37)
	2020-21	(0.05)	(12.10)	0.10	(2.69)	-	-	0.10	(2.69)
बीएचईएल ईएमएल का गैर-नियंत्रित हिस्सा	2021-22	-	-	(0.30)	(1.32)	-	-	(0.25)	(1.32)
	2020-21	(0.04)	(11.62)	0.10	(2.59)	-	-	0.10	(2.59)

संयुक्त उद्यम (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश) —

बीएचईएल—जीई गैस टरबाइन सर्विसेज प्रा. लिमि.	2021-22	0.76	201.86	11.34	50.42	0.04	0.03	9.67	50.45
	2020-21	0.70	181.76	(1.63)	44.14	0.35	0.07	(1.65)	44.21
एनटीपीसी बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्रा. लिमि.	2021-22	-	-	-	-	-	-	-	-
	2020-21	-	-	-	-	-	-	-	-
रायचूर पावर निगम लिमिटेड	2021-22	-	-	-	-	-	-	-	-
	2020-21	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	2021-22	100.00	26506.60	100.00	444.71	100.00	76.90	100.00	521.61
	2020-21	100.00	25972.00	100.00	(2699.70)	100.00	20.05	100.00	(2679.65)

23 मार्च, 2022 को, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने 1 अप्रैल, 2022 से प्रभावी कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2022 को अधिसूचित किया। इस संशोधन से कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है।

नोट [47]

परिसंपत्तियों और देनदारियों को चालू और गैर-चालू के बीच वर्गीकृत किया गया है जो 12 महीने की अवधि को परिचालन चक्र के रूप में मानते हैं।

नोट [48]

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 560 एवं कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 248 के तहत बंद की गई कंपनियों के साथ कंपनी का कोई लेनदेन नहीं है।

नोट [49]

वैधानिक अवधि के बाद कंपनी रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत होने के लिए अभी तक कोई शुल्क या तुष्टि नहीं थी।

नोट [50]

कंपनी (स्तरों की संख्या पर प्रतिबंध) नियम, 2017 के साथ अधिनियम की धारा 2 के खंड (87) के तहत कंपनी निर्धारित परतों की संख्या का अनुपालन कर रही है।

नोट [51]

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 237 के संदर्भ में सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी व्यवस्था की योजना को मंजूरी नहीं दी गई है।

नोट [52]

कंपनी का ऐसा कोई भी लेन-देन नहीं है जिसे आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या खुलासा किया गया है जो कि खाता बहियां में दर्ज नहीं है।

नोट [53]

कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान क्रिप्टो करेंसी या वर्चुअल करेंसी में व्यापार या निवेश नहीं किया है।

नोट [54]

पूर्व की अवधि की त्रुटियां जो प्रत्यक्ष हैं पूर्वव्यापी रूप से प्रस्तुत की गई अवधि के लिए तुलनात्मक राशि को बहाल करके पूर्वव्यापी रूप से ठीक की जाती हैं जिसमें ऐसी त्रुटि हुई। प्रस्तुत अवधि से पहले हुई त्रुटि के लिए, प्रस्तुत की गई प्रारंभिक अवधि के लिए परिसंपत्तियां, देनदारियां और इक्विटी की प्रारंभिक शेष राशि को बहाल किया जाता है।

नोट [55]

रुपए करोड़ में दिए गए आंकड़े दशमलव के बाद दो अंकों तक राउंड ऑफ किए गए हैं।

नोट [56]

जहां आवश्यक समझा गया वहाँ, पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से व्यवस्थित / पुनर्व्यवस्थित किया गया है

नोट [57]

निदेशक मंडल ने 21 मई, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में वित्तीय विवरण 2021-22 जारी करने के लिए अधिकृत किया है।

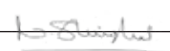
निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी संचिव
M.No.14567



(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
DIN:08113460



(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

राज हर गोपाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN 002074N



(श्रेय गुप्ता)
भागीदार
M.No.522315

तिवारी एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 002870N



(देवेंद्र मगू)
भागीदार
M.No.085739

एस एस छाजेद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
FRN- 000709C/C400277



(विजित वैदमथा)
भागीदार
M.No. 406044

नए

अवसरों की

तलाश

नए

आयामों की ओर

विस्तार

अतिरिक्त जानकारी

हितधारकों के लिए

वित्तीय निष्पादन प्रवृत्ति	334
मूल्य वर्धित विवरण	337
बीएचईएल के उत्पादों की सूची	338
शब्दावली	346
शब्दावली (वित्तीय पारिभाषिक शब्द)	347

वित्तीय निष्पादन प्रवृत्ति

क्र.सं	विवरण	इकाइयां	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18
	आदेश प्राप्त	₹ करोड़ में	23693	13472	23547	23859	40932
	बकाया आदेश	₹ करोड़ में	102542	102090	108443	108680	118000
क.	परिचालन परिणाम						
I	कुल आय						
	राजस्व	₹ करोड़ में	20153	16296	20491	29423	27850
	अन्य परिचालन आय	₹ करोड़ में	1058	1013	969	1000	963
	परिचालनों से राजस्व (अ)	₹ करोड़ में	21211	17308	21459	30423	28813
	अन्य आय (ब)	₹ करोड़ में	368	370	581	678	694
	कुल(I=अ+ब)	₹ करोड़ में	21579	17678	22040	31101	29507
II	परिचालन व्यय						
	सामग्री उपभोग, खरीदे गए आइटम, इरेक्शन व इंजीनियरिंग व्यय	₹ करोड़ में	13990	11071	14727	18837	15407
	उपभोग स्टोर एवं स्पेयर	₹ करोड़ में	271	289	353	412	386
	एफजी, डबल्यूआईपी एवं स्क्रैप की माल सूची में परिवर्तन	₹ करोड़ में	532	511	(1042)	(991)	736
	कर्मचारी लाभ व्यय	₹ करोड़ में	5517	5372	5427	5502	5911
	बिजली एवं ईंधन	₹ करोड़ में	415	319	459	497	463
	उत्पादकता , प्रशासन एवं एस—डी की प्रकृति के अन्य व्यय	₹ करोड़ में	1355	1480	1970	2263	2059
	विनिमय परिवर्तन (लाभ) / हानि (शुद्ध)	₹ करोड़ में	(82)	(66)	(435)	(67)	(520)
	प्रावधान	₹ करोड़ में	(1526)	1467	233	1837	2438
	मूल्यहास और परिशोधन व्यय	₹ करोड़ में	314	473	503	475	786
	वित्तीय लागतें	₹ करोड़ में	355	373	507	287	255
	कुल (II)	₹ करोड़ में	21142	21290	22702	29053	27922
III	परिचालन लाभ/(हानि) (अ-II)	₹ करोड़ में	69	(3982)	(1243)	1370	891
IV	कर पूर्व लाभ/(हानि) (I-II)	₹ करोड़ में	437	(3612)	(662)	2048	1585
	कर व्यय (शुद्ध)	₹ करोड़ में	27	(894)	811	839	778
V	कर पश्चात लाभ / (हानि)	₹ करोड़ में	410	(2717)	(1473)	1209	807
	अन्य व्यापक आय	₹ करोड़ में	77	20	(274)	(120)	83
VI	कुल व्यापक आय	₹ करोड़ में	487	(2697)	(1747)	1089	890
	लाभांश भुगतान	₹ करोड़ में	139	-	-	696	668
	लाभांश वितरण कर	₹ करोड़ में	-	-	-	143	136
	ईबीआईटी	₹ करोड़ में	792	(3239)	(155)	2335	1840
	ईबीआईटीडीए	₹ करोड़ में	1106	(2765)	348	2810	2626
	नगदी प्रवाह:						
	परिचालन गतिविधियों से	₹ करोड़ में	660	560	(2892)	(3856)	991
	निवेश गतिविधियों से	₹ करोड़ में	(1125)	(43)	1877	1915	964
	वित्तीय गतिविधियों से	₹ करोड़ में	(330)	(393)	1622	(32)	(671)

वित्तीय निष्पादन प्रवृत्ति

क्र.सं	विवरण	इकाइयां	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18
ब.	वित्तीय स्थिति (परिसंपत्ति, हिस्सेदारी और देयताएं)						
VII	परिसंपत्तियां						
	संपत्ति, प्लांट व उपकरण एवं अमूर्त परिसंपत्तियां	₹ करोड़ में	2398	2488	2814	2967	3069
	पूँजी डब्ल्यूआईपी और विकास के तहत अमूर्त संपत्ति	₹ करोड़ में	431	420	314	235	203
	गैर-वर्तमान निवेश						
	अन्य गैर वर्तमान संपत्ति	₹ करोड़ में	670	670	670	669	691
	व्यापार प्राप्य (शुद्ध)	₹ करोड़ में	365	365	321	362	291
	अनुबंध संपत्ति (शुद्ध)	₹ करोड़ में	6229	7213	11641	15796	17303
	संपत्ति (शुद्ध)	₹ करोड़ में	26940	24079	23794	22819	18491
	नगद और बैंक शेष	₹ करोड़ में	7154	6701	6419	7503	11176
	मालसूची	₹ करोड़ में	6560	7191	8905	7797	6025
	आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध)	₹ करोड़ में	3530	3660	2756	3497	3605
	अन्य मौजूदा परिसंपत्तियां	₹ करोड़ में	2432	2913	2601	2784	2911
	कुल संपत्ति	₹ करोड़ में	56708	55701	60236	64431	63764
VIII	हिस्सेदारी						
	हिस्सेदारी शेयर पूँजी	₹ करोड़ में	696	696	696	696	734
	अन्य हिस्सेदारी	₹ करोड़ में	26275	25788	28485	30735	31905
	कुल हिस्सेदारी	₹ करोड़ में	26971	26484	29181	31432	32640
IX	देयताएं						
	उधारी	₹ करोड़ में	4745	4834	4933	2432	-
	व्यापार देयताएं	₹ करोड़ में	9882	8559	9900	12078	11066
	अनुबंध देयताएं	₹ करोड़ में	6048	6864	6718	6839	7573
	अन्य गैर चालू देयताएं	₹ करोड़ में	269	295	266	225	199
	गैर चालू प्रावधान	₹ करोड़ में	3771	3913	4212	5463	4923
	अन्य चालू देयताएं	₹ करोड़ में	1956	1589	1943	3477	3574
	वर्तमान प्रावधान		3067	3164	3082	2486	3790
	कुल देनदारियाँ	₹ करोड़ में	29737	29217	31054	32999	31125
X	कुल हिस्सेदारी और देयताएं (VIII+IX)	₹ करोड़ में	56708	55701	60236	64431	63764
	शेयर हिस्सेदारी (प्रत्येक का रु. 2 अंकित मूल्य)	₹ करोड़ में सं.	348	348	348	348	367
	वर्ष के अंत में बाजार पूँजीकरण	₹ करोड़ में	17184	16975	7243	26081	29885
	निवल मूल्य	₹ करोड़ में	26971	26484	29181	31432	32640
	निवल मूल्य (ओसीआई को छोड़कर)	₹ करोड़ में	27289	26879	29596	31573	32662
	नियोजित पूँजी	₹ करोड़ में	23010	22405	26111	27699	28832
XI	मानव संसाधन	संख्या	30758	32131	33752	35471	37540
	कार्यपालक	संख्या	10280	9742	10075	10400	10943
	गैर कार्यपालक	संख्या	20478	22389	23677	25071	26597

वित्तीय निष्पादन प्रवृत्ति

क्र.सं	विवरण	इकाइयां	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18
XII	वित्तीय निष्पादन अनुपात						
1	निवल संपत्ति पर आय	%	1.51	(9.62)	(4.82)	3.76	2.48
2	नियोजित पूँजी पर आय	%	3.44	(14.45)	(0.59)	8.43	6.38
3	ईबीआईडीटीए मार्जिन	%	5.49	(16.97)	1.70	9.55	9.43
4	परिचालन लाभ मार्जिन	%	0.33	(23.01)	(5.79)	4.50	3.09
5	प्रति कर्मचारी राजस्व	₹ लाख में	66	51	61	83	74
6	कर्मचारी लाभ व्यय का प्रति रुपया राजस्व	₹	3.65	3.03	3.78	5.35	4.71
XIII	तुलन पत्र अनुपात						
1	वर्तमान अनुपात	अनुपात	1.30	1.39	1.45	1.67	1.92
2	चालू वर्ष के शुद्ध बिलिंग का (%) परिसमापन	%	86	82	73	59	56
3	प्राप्य व्यापार (दिनों की संख्या)	दिन	94	134	175	165	192
4	माल सूची (दिनों की संख्या)		119	161	159	97	79
5	परिसंपत्ति कारोबार	समय	0.36	0.29	0.34	0.46	0.44
XIV	कोष में योगदान	₹ करोड़ में	3053	2948	3999	5732	4682
XV	प्रति शेयर आय						
1	प्रति शेयर आमदनी	(₹)	1.18	(7.80)	(4.23)	3.33	2.20
2	प्रति शेयर निवल मूल्य	(₹)	77.46	76.06	83.80	90.27	88.90
3	वर्ष के अंत में प्रति शेयर बाजार मूल्य (बीएसई)	(₹)	49.35	48.75	20.80	74.90	81.40
4	बाजार मूल्य का बुक मूल्य	अनुपात	0.64	0.64	0.25	0.83	0.92
XVI	खंड राजस्व						
	पावर खंड	₹ करोड़ में	15361	11386	14960	23474	22881
	उद्योग खंड	₹ करोड़ में	4792	4910	5530	5949	4969
	कुल	₹ करोड़ में	20153	16296	20491	29423	27850
	खंड शेयर						
	पावर खंड	%	76	70	73	80	82
	उद्योग खंड	%	24	30	27	20	18

I पिछले वर्ष के आँकड़ों को जहाँ भी आवश्यक समझा गया, पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

II परिचालन से प्राप्त राजस्व में उत्पाद शुल्क व कर सम्मिलित नहीं है।

III लाभांश भुगतान अंतरिम लाभांश एवं वर्ष के लिए प्रस्तावित अंतिम लाभांश है।

IV वित्त वर्ष 2018-19 के अंत में इक्विटी शेयर पूँजी जनवरी 2019 में बायबैक के पश्चात है।

V वित्त वर्ष 2017-18 में बोनस शेयर 1:2 के अनुपात में जारी किए गए थे।

टिप्पणियाँ:

- 1 ईबीआईटी = पीबीटी + वित्तीय लागत
- 2 ईबीआईटीए = ईबीआईटी + मूल्यह्रास व परिशोधन
- 3 नियोजित पूँजी = नेट वर्थ-कैपिटल डब्ल्यूआईपी और विकास के तहत अमूर्त संपत्ति - आस्थगित कर
- 4 नेट वर्थ पर आमदनी = (पीएटी/औसत नेट वर्थ को छोड़कर ओसीआई)*100
- 5 नियोजित पूँजी पर वापसी = ईबीआईटी/पूँजी नियोजित*100
- 6 ईबीआईटीए मार्जिन = ईबीआईटीए/राजस्व *100
- 7 परिचालन लाभ मार्जिन = परिचालन लाभ / परिचालन से राजस्व *100
- 8 चालू अनुपात = चालू संपत्ति/चालू देनदारियाँ
- 9 व्यापार प्राप्य (दिनों की संख्या) = व्यापार प्राप्य *365 / परिचालन से राजस्व (जीएसटी सहित)
- 10 इन्वेंटरी (दिनों की संख्या) = इन्वेंटरी *365/राजस्व
- 11 संपत्ति कारोबार = राजस्व/कुल संपत्ति

मूल्य वर्धित विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	2021-22	2020-21
राजस्व (जीएसटी सहित)	23123	18688
अन्य राजस्व	1426	1383
घटाएँ:		
सामग्री की लागत, निर्माण व इंजीनियरिंग व्यय	14794	11871
बिजली एवं ईंधन	415	319
अन्य परिचालन व्यय / आय (शुद्ध)	(253)	2882
कुल मूल्यवर्धन	9593	4999
वितरण:		
कर्मचारियों को:		
कर्मचारी लाभ व्यय	5517	5372
पूंजी प्रदाता को		
वित्तीय लागत	355	373
सरकार को:		
माल एवं सेवा कर	2970	2392
आयकर	(77)	16
व्यवसाय में यथावत:		
मूल्यह्रास और परिशोधन	314	473
आस्थगित आयकर (संपत्ति) / देयताएं	104	(910)
अन्य हिस्सेदारी में स्थानांतरण – (हानि) / लाभ	410	(2717)
कुल	9593	4999

बीएचईएल के उत्पादों की सूची

थर्मल पावर प्लांट

- जीवाष्म ईंधन के लिए 1000 मेगावाट क्षमता तक के एवं कंबाईड साइकल एप्लीकेशन्स के लिए 350 मेगावाट क्षमता तक वाले पुनर्योजी (रिजनरेटिव) फीड साइकल के साथ सहायक प्रणालियों सहित स्टीम जनरेटर, स्टीम टरबाइन, टर्बो जनरेटर के विनिर्माण व आपूर्ति की क्षमता।
- 1000 मेगावाट तक की क्षमता या इससे अधिक क्षमता के टरबाइन और जनरेटर सेट और स्टीम जनरेटर के साथ फिट होने के लिए हवा और पानी से ठंडा होने वाले कन्डेन्सर, कन्डेन्सर एक्सट्रैक्शन पंप, बॉयलर फीड पंप, ड्रुप्लेक्स हीटर, वॉल्व और हीट एक्सचेंजर्स।
- ऊर्जा दक्ष नवीकरण और आधुनिकीकरण (ईईआरएंडएम), पुराने थर्मल पावर प्लांटों(संयंत्रों) के जीवन विस्तार (एलई) का अध्ययन और
- उनके शेष जीवन का मूल्यांकन (आरएलए)।

परमाणु (न्यूक्लियर) पावर प्लांट

- न्यूक्लियर पावर प्लांट्स के लिए रिएक्टर साइड घटक (कंपोनेंट्स) जैसे – स्टीम जेनरेटर, रिएक्टर हेडर्स, एंड शील्ड्स, स्पेशल पर्पज (विषेय उद्देश्य) हीट एक्सचेंजर्स, प्रेशर वेसल्स, मोटर्स आदि।
- पीएचडबल्यूआर (उच्च दबाव वाले वाटर रिएक्टरों), एफबीआर (फास्ट ब्रीडर रिएक्टर) और एएचडबल्यूआर (एडवांस्ड हेवी वाटर रिएक्टर) जिसमें तीन टर्बाइन, टर्बो जनरेटर, एमएसआर (मोड्यूलर सेपरेटर रिहिटर्स) अन्य हीट एक्सचेंजर्स और पंप शामिल हैं, जो ईपीसी समाधान भी प्रदान करते हैं।

गैस आधारित पावर प्लांट

- निम्नलिखित विशेषताओं के साथ 26 मेगावाट से 299 मेगावाट (आईएसओ) रेटिंग तक के गैस टर्बाइन और उनके जनरेटर:
- उद्योग और यूटिलिटी (उपयोगिता) अनुप्रयोगों के लिए गैस टरबाइन आधारित सह-उत्पादन और संयुक्त-चक्र प्रणाली
- विभिन्न मिश्रित संयोजनों के ईंधन को जलाने की क्षमता के साथ विभिन्न प्रकार के ईंधनों (गैसीय और तरल दोनों) को जलाने की क्षमता।
- ड्राईलो NO_x (डीएलएन) कंभस्तर (दहन) और घोर को कम करने हेतु उत्सर्जन स्तर की आवश्यकता को 15 पीपीएम तक कम करना।

हाइड्रो पावर प्लांट

- काप्लान, फ्रांसिस और पेल्टन टाइप के कस्टम बिल्ट पारंपरिक 300 मेगावाट तक के हाइड्रो टरबाइनों के मैचिंग जनरेटरों सहित टर्न की कॉन्ट्रैक्ट
- 250 मेगावाट तक के मोटर-जनरेटर के साथ मैचिंग वाले पंप टर्बाइन।
- 10 मेगावाट तक के जनरेटरों के साथ मैचिंग वाले बल्ब टर्बाइन।
- लिफ्ट सिंचाई योजनाओं (150 मेगावाट तक) की मोटरों के साथ मैचिंग वाले उच्च क्षमता के पंप।
- 25 मेगावाट तक की रेटिंग वाले मिनी/माइक्रो और छोटे हाइड्रो पावर प्लांट।
- सभी प्रकार के हाइड्रो पावर प्लांट के लिए माइक्रो प्रोसेसर आधारित डिजिटल गवर्निंग सिस्टम।
- हाइड्रो पावर संयंत्रों का नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और उन्नयन।
- हाइड्रो स्टेशनों के लिए स्फेरिकल (रोटरी) वॉल्व, बटर फ्लाई वॉल्व और

सहायक उपकरण।

- प्लांट और सिस्टम इंटीग्रेशन (संयंत्र और प्रणाली एकीकरण)।

सौर ऊर्जा प्रणाली

- सौर पी वी ऊर्जा संयंत्रों के ईपीसी समाधान:
- ग्रिड इंटरएक्टिव सिस्टम बीईएसएस (बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली) के साथ और बिना बीईएसएस
- स्टैंड अलोन सिस्टम
- रूफ टॉप सिस्टम
- हाइब्रिड सिस्टम
- कैनाल टॉप सिस्टम
- फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र
- रेलवे ट्रैक्शन पावर नेटवर्क के लिए सोलर पी वी सिस्टम
- सौर आधारित वाटर पम्पिंग सिस्टम

डीजी पावर प्लांट

- इमरजेंसी, पीकिंग तथा बेस लोड परिचालन (ऑपरेशंस) के लिए टर्न की आधार पर 20 मेगावाट एवं 11 कैंवी वोल्टेज तक की यूनिट रेटिंग
- वाले एचएसडी, एलडीओ, एफओ, एलएसएचएस, नेचुरल गैस आधारित डीजल जनरेटर पावर प्लांट।
- अलवणीकरण (डिसेलिनेशन) और जल उपचार संयंत्र
- पावर प्लांट, औद्योगिक अनुप्रयोगों और नगर-निगम अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न उपचार प्रौद्योगिकी वाले पूर्ण जल प्रबंधन समाधान:
- प्री-ट्रीटमेंट प्लांट
- अलवणीकरण (डिसेलिनेशन) प्लांट
- विखनिजीकरण (डिमिनेरीलाइजेशन) प्लांट (डीएम)
- इलेक्ट्रो डिआयोनाइजेशन प्लांट
- एपल्युएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी)
- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)
- जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) प्रणाली
- कूलिंग वाटर ट्रीटमेंट प्लांट
- टरषियरी ट्रीटमेंट प्लांट
- मेम्ब्रेन आधारित उपचार प्रणालियाँ जैसे- प्री-ट्रीटमेंट के लिए अल्ट्राफिल्ट्रेशन (यूएफ), रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) और इलेक्ट्रो डिआयोनाइजेशन (ईडीआई)।
- पीने के पानी के लिए इलेक्ट्रो-डायलिसिस प्लांट।

प्रणालियाँ और सेवाएं

- विद्युत उत्पादन प्रणालियाँ
- टर्न की विद्युत स्टेशन/ईपीसी संविदा
- कम्बाइन्ड सायकल (संयुक्त-चक्र) विद्युत संयंत्र
- को-जनरेटिव सिस्टम
- कैप्टिव पावर प्लांट
- पावर स्टेशनों का आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण और उनके शेष जीवन-चक्र का अध्ययन

- विभिन्न प्रतिष्ठानों के लिए सिमुलेटर सहित सॉफ्टवेयर पैकेज
- उपर्युक्त सभी प्रणालियों के लिए निर्माण, कमीशनिंग, सहायक सेवाएं, स्पेयर (पुर्जों का) प्रबंधन और परामर्श सेवाएं
- रेलवे ट्रैक विद्युतीकरण

औद्योगिक प्रणालियाँ

- सिविल, स्ट्रक्चरल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल वर्क्स और ऑटोमेशन सिस्टम सहित कोयला हैंडलिंग और ऐष हैंडलिंग प्लांट
- माइन (खदान) विंडर सिस्टम
- कच्चे माल के प्रसंस्करण और कॉम्पैक्टिंग, आयरन निर्माण, प्राइमरी और सेकेंडरी स्टील निर्माण, ढलाई और स्टील फिनिशिंग जैसे मिल्स और
- लंबे तथा पलैट उत्पादों की प्रोसेस लाइन्स के लिए इलेक्ट्रिक्स, ड्राइव कंट्रोलर्स और स्वचालन प्रणाली (ऑटोमेशन सिस्टम)
- स्टील और अन्य उद्योगों के लिए सिविल, स्ट्रक्चरल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन सिस्टम सहित रॉ मटेरियल हैंडलिंग सिस्टम
- एल्युमिनियम प्लांटों के लिए प्रोसेसिंग मिल्स और स्मेल्टर्स के हाई करंट रेक्टिफायर के लिए इलेक्ट्रिक्स और ऑटोमेशन सिस्टम
- स्वचालित भंडारण और रिट्रीवल सिस्टम (एसएसआरएस)

बॉयलर

- कोयला, लिग्नाइट, तेल, प्राकृतिक गैस या इन ईंधनों के संयोजन से चलने वाले प्रतिष्ठानों के लिए 30 से 800 मेगावाट क्षमता के स्टीम जनरेटर; 1000 मेगावाट प्लांटों तक के बॉयलरों की सुपरक्रिटिकल मापदंडों के साथ निर्माण की क्षमता।
- विविध प्रकार के स्वदेशी/विदेशी (आयातित) कोयले/लिग्नाइट, पेट कोक, आदि के सभी संयोजनों की ब्लेन्डिंग/को फायरिंग में सक्षम फ्यूल पलेक्सिबल बॉयलर।
- न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए स्टीम जनरेटर।
- 40 से 450 टन प्रति घंटा क्षमता वाले फायरिंग कोल, प्राकृतिक गैस, औद्योगिक गैसों, बायोमास, लिग्नाइट, तेल, बगैस या इनके मिश्रणों हेतु
- निम्नलिखित प्रकार के औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए स्टीम जनरेटर
- पल्वराइज्ड कोल/लिग्नाइट फायर्ड बॉयलर
- स्टॉकर फायर्ड बॉयलर
- बबलिंग प्लूडाइज्ड बेड कम्बर्शन (बीएफबीसी) बॉयलर
- सर्कुलेटिंग प्लूडाइज्ड बेड कम्बर्शन (बीएफबीसी) बॉयलर
- हीट रिकवरी स्टीम जनरेटर (एचआरएसजी)
- कागज उद्योग के लिए 100 से 1000 टन प्रतिदिन ड्राई सॉलिड दहन की क्षमता वाले केमिकल रिकवरी बॉयलर
- ग्रेविमेट्रिक फीडर/वॉल्यूमेट्रिक फीडर
- अकौस्टिक स्टीम लीकडिटेक्शन सिस्टम

बॉयलर के सहायक उपकरण

- फैन (पंखे)
 - स्वच्छ वायु अनुप्रयोगों और 200°C तक की धूल भरी गर्म गैसों के लिए, 40 से 1300 घन मीटर प्रति सेकंड तक की क्षमता और 225 से 1,500 एमएमडबल्यूसी तक के प्रेशर के लिए सिंगल स्टेज और डबल स्टेज के एक्सियल रिएक्शन फैन।

- शुद्ध हवा और 200°C तक की पलू गैस अनुप्रयोगों के लिए 25 से 300 घन मीटर प्रति सेकंड तक की क्षमता और 300 से 700 एमएमडबल्यूसी तक के दबाव के लिए, एक्सियल इंपल्स फैन।
- स्वच्छ वायु और 400°C तक की धूल भरी गर्म गैसों के अनुप्रयोगों के लिए, 4 से 660 घन मीटर प्रति सेकंड तक की क्षमता और 200 से 3000 एमएमडबल्यूसी तक के दबाव के लिए सिंगल और डबल-सक्शन रेडियल फैन (प्लेट एरोफॉइल ब्लेड)।
- एयर प्रि हीटर्स
 - उद्योगों, बॉयलर उपयोगों और सीएफबीसी बॉयलरों के लिए ट्यूबलर एयर प्रिहीटर्स।
 - 1000 मेगावाट तक की यूटिलिटीज क्षमताओं के लिए (विभिन्न प्रकारों के बाइसेक्टर, ट्राई सेक्टर और क्वाड सेक्टर) रोटरी रिजनरेटिव (पुनर्योजी) एयर-प्रिहीटर्स
 - डी-एनओएक्स अनुप्रयोगों के लिए सिलेक्टिव कैटेलिक रिडक्शन (चयनात्मक उत्प्रेरक कमी) (एससीआर) वाले बॉयलरों के लिए एयर प्रिहीटर
- पल्वराइजर्स
 - कोयले से चलित 10 टन प्रति घंटा से 120 टन प्रति घंटा क्षमता वाले, 1000 मेगावाट तक के थर्मल स्टेशनों के लिए उपयुक्त कम और मध्यम गति (दोनों दबाव (प्रेशर) और चूषण (सक्शन) प्रकार) के बाउल मिल्स।
 - 110 मेगावाट से 500 मेगावाट तक के थर्मल पावर स्टेशनों के उपयोग हेतु अधिक ऐष (राख) की मात्रा वाले लो-ग्रेड कोयले की पल्वराइजिंग करने वाले बॉल ट्यूब मिल्स।
 - ब्लास्ट फर्नेस अनुप्रयोगों के लिए 15 टन प्रति घंटा से 120 टन प्रति घंटा क्षमता वाले बाउल मिल्स।
 - पॉड ऐष, स्टील प्लांट ब्लास्ट फर्नेस स्लैग और विलंकर को पीसने के लिए बाउल मिल्स।
 - डे सिलो और इसकी संरचना वाले एफजीडी अनुप्रयोगों के लिए चूना पत्थर पीसने के लिए वेट बॉल मिलिंग सिस्टम।

इलेक्ट्रो स्टैटिक प्रीसिपिटेटर्स (ईएसपी)

- कोयला फायर्ड यूटिलिटी, कैप्टिव और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए जिनमें बायो मास फायर्ड बॉयलर, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, सोडा रिकवरी बॉयलर आदि शामिल हैं, के लिए 17 मिलिग्राम प्रति क्यूबिक मीटर (क्षमता 99.97% तक) के न्यूनतम उत्सर्जन आउटलेट वाले इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर्स।
- औद्योगिक अनुप्रयोगों और यूटिलिटीज के लिए बैग फिल्टर।
- एससीआर अनुप्रयोगों के लिए मैकेनिकल डस्ट कलेक्टर।
- अमोनिया फल्यू गैस कंडीशनिंग सिस्टम।
- गिलोटिन गेट्स और डैम्पर्स
- इलेक्ट्रिक/न्यूमैटिक एक्चुएटर वाले गिलोटिन गेट्स। 7 मीटर तक चौड़ाई और 14.5 मीटर डक्ट ऊंचाई तक के सील एयर वाले 100% लीक प्रूफ।
- इलेक्ट्रिक/न्यूमैटिक एक्चुएटर वाले बार्ड-प्लेन डैप्स। सील एयर के साथ 100% लीक प्रूफ, टाइप-1 चौड़ाई 7 मीटर और डक्ट ऊंचाई 14.5 मीटर टाइप-2 चौड़ाई 12 मीटर और डक्ट ऊंचाई 10.5 मीटर।

- इलेक्ट्रिक/न्यूमैटिक एक्चुएटर वाले ल्यूवर डैप्स (ओपनक्लोज/रेगुलेटिंग)।
- टाइप-1 चौड़ाई 7 मीटर और डक्ट ऊंचाई 14.5 मीटर
- टाइप-2 चौड़ाई 12 मीटर और डक्ट ऊंचाई 10.5 मीटर।
- इलेक्ट्रिक/न्यूमैटिक एक एक्चुएटर वाले कंट्रोल डैप्स (रेगुलेटिंग)।
- टाइप-1 चौड़ाई 7 मीटर और डक्ट ऊंचाई 14.5 मीटर टाइप-2 चौड़ाई 12 मीटर और डक्ट ऊंचाई 10.5 मीटर।
- फ्यूल गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) सिस्टम

बिजली संयंत्रों और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए गीला चूना पत्थर और समुद्री जल आधारित एफजीडी प्रणाली (सिस्टम)

- स्टील की चिमनियाँ
- हीट रिकवरी स्टीम जनरेटर (एचआरएसजी), औद्योगिक बॉयलरों, सहायक बॉयलरों और अन्य फ्यूल गैस निकास अनुप्रयोगों के लिए स्टील चिमनी।
- सिलेक्टिव कैटेलेटिक रिडक्शन (एससीआर) सिस्टम
- एनओएक्स (NO_x) उत्सर्जन नियंत्रण के लिए निर्जल अमोनिया / जलीय अमोनिया / यूरिया अभिकर्मक (रीएजेंट) वाले एससीआर सिस्टम (हनीकॉम्ब और प्लेट टाइप)।
- सिलेक्टिव नॉन-कैटेलेटिक रिडक्शन (एसएनसीआर) सिस्टम
- यूरिया और अमोनिया हैंडलिंग सिस्टम वाले सिलेक्टिव नॉन-कैटेलेटिक रिडक्शन (एसएनसीआर) सिस्टम।

सूट ब्लोवर्स

- 12.2 मीटर तक की दूरी के लिए लॉन्ग रिट्रैक्टबल सूटब्लोवर्स (एलआरएसबी)
- 10 मीटर की दूरी के लिए फर्नेस टेम्प्रेचर प्रोब (एफटीपी)
- एयर हीटर के लिए फारवर्ड ब्लोविंग वाले लॉन्ग रिट्रैक्टबल नॉन रोटेटिंग (एलआरएनआर) सूट ब्लोवर्स
- सीएफबीसी बॉयलर अनुप्रयोगों के लिए ऐष डिस्चार्ज वॉल्व
- क्रमबद्ध पीएलसी, नियंत्रण कक्ष और इंटिग्रल स्टार्टर सहित सूट ब्लोवर्स
- रैक टाइप लॉन्ग रिट्रैक्टबल सूट ब्लोवर्स (एलआरएसबी)
- रोटरी सूट ब्लोवर्स
- वाल ब्लोवर्स वॉल्व्स
- यूटिलिटी और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए उच्च और निम्न-दबाव टर्बाइन बायपास वॉल्व और हाइड्रोलिक प्रणालियाँ।
- उच्च और मध्यम दबाव वॉल्व, गेट्स के कास्ट और फोर्ज्ड स्टील वॉल्व, ग्लोब, नॉन-रिटर्न (स्विंग-चेक और पिस्टन लिफ्ट-चेक) टाइप स्टीम
- वॉल्व, 950 मिमी व्यास तक के तेल और गैस ड्यूटीज, अधिकतम दबाव श्रेणी 4500 (791 किलोग्राम/वर्गसेंटीमीटर) और 650 डिग्री सेल्सियस तापमान।
- 900 मिमी तक के पाइप साइज के लिए हॉट रिहीट और कोल्ड रिहीट आइसोलेटिंग डिवाइस, क्लास 1500 और स्टीम तापमान 650°C तक।
- 372 किग्रा/वर्ग से मी तक के दबाव और 630 तक के तापमान के लिए उच्च क्षमता स्प्रिंग लोडेड सेप्टी वॉल्व।
- 210 किग्रा/वर्ग सेमी तक के दबाव और 593°C तक के तापमान के लिए स्वचालित विद्युत चलित प्रेशर रिलीफ वॉल्व।

- 421 किग्रा/वर्ग सेमी तक के दबाव और 537°C तक के तापमान के लिए विद्युत अनुप्रयोगों, प्रक्रियाओं और अन्य उद्योगों के लिए सेप्टी रिलीफ वॉल्व।
- 2700 मिमी अधिकतम व्यास के रिएक्टिव-कम अब्सोर्प्टिव टाइप वेंट साइलेंसर।
- डायरेक्ट वाटर लेवल गेजिंग (प्रत्यक्ष जलस्तर गेज)।
- टर्बाइन ड्रेन अनुप्रयोगों के लिए एंगल ड्रेन वॉल्व सिंगल और मल्टी स्टेज।
- आरएच और एसएच स्प्रे लाइनों के लिए सीवियर (गंभीर) सर्विस कंट्रोल वॉल्व।
- 800 मिमी तक के व्यास, 158 किग्रा / वर्ग सेमी के दबाव और 540 डिग्री सेल्सियस तापमान वाले कोल्ड रिहीट नॉन रिटर्न वॉल्व और एक्सट्रैक्शन लाइनों के लिए क्विक क्लोजिंग नॉन रिटर्न वॉल्व्स।
- 2800 एनबी तक के जल अनुप्रयोगों के लिए बटरफ्लाई वॉल्व।

पाइपिंग सिस्टम (प्रणालियाँ)

- सुपर क्रिटिकल सेटों सहित 1000 मेगावाट क्षमता तक के पावर स्टेशनों के लिए कूलिंग वॉटर पाइपिंग के साथ-साथ पावर साइकिल पाइपिंग, कंसटेंट (स्थिर) लोड हैंगर, वैरिएबल लोड हैंगर, लो प्रेशर पाइपिंग।
- परमाणु ऊर्जा स्टेशनों, संयुक्त चक्र (कम्बाइन्ड साइकिल) विद्युत संयंत्रों, औद्योगिक बॉयलरों और प्रक्रिया (प्रोसेस) उद्योगों के लिए पाइपिंग सिस्टम।
- रिफाइनरी क्षेत्र के लिए प्री-फैब्रिकेटेड पाइपिंग / डकस्पूल, नेशनल एसोसिएशन ऑफ कॉरोजन इंजीनियर्स (एनएसीई) की अपेक्षाओं के अनुपालन के साथ।

सीमलैस स्टील ट्यूब्स

- एससीटीएम / एसएसएमई और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विशिष्टताओं के अनुरूप कार्बन स्टील और लो-एलॉय स्टील की 21 से 133 मिमी के बाहरी व्यास और 2 से 12.5 मिमी की वाल थिकनेस (दीवार की मोटाई) में विभिन्न रेंज वाली हॉट फिनिश (गर्म-तैयार) और कोल्ड-ड्रॉन सीमलैस स्टील ट्यूब।
- कार्बन स्टील और लो कार्बन स्टील्स में एसएसएमई और अन्य अंतरराष्ट्रीय विशिष्टताओं के अनुरूप 38.1 से 63.5 मिमी के बाहरी व्यास और 5.6 मिमी से 7.1 मिमी की वाल थिकनेस (दीवार की मोटाई) में विभिन्न रेंज वाली राइफल ट्यूब (रिब्ड)।
- 31.8 से 114.3 मिमी के बाहरी व्यास, 2.4 मिमी से 9.5 मिमी की वाल थिकनेस (दीवार की मोटाई) में और 12.5 मिमी से 21 मिमी तक की फिन ऊंचाई जिसका घनत्व रेंज 40 से 240 फिन तक प्रति मीटर हो, एसएसएमई मानकों के अनुरूप कार्बन स्टील और एलोय स्टील से बनी स्पाइरल फिंड ट्यूब।

स्टीम टर्बाइन

- थर्मल सैटों के लिए 1000 मेगावाट रेटिंग और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए 700 मेगावाट रेटिंग तक के स्टीम टर्बाइन
- टर्बो जनरेटर**
- थर्मल और न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए 1000 मेगावाट तक और कंबाईन्ड साइकल प्लांट के लिए 195 मेगावाट तक की उच्च रेटिंग के टर्बोजनरेटर।

औद्योगिक सेट

- स्टीम टर्बाइन आधारित कैप्टिव पावर प्लांट
- एसटीजी / बॉयलर / बीटीजी / ईपीसी: यूनिट रेटिंग 200 मेगावाट तक
- नॉन रिहीट 120 मेगावाट यूनिट रेटिंग तक
- रिहीट 200 मेगावाट यूनिट रेटिंग तक
- पंप और अन्य औद्योगिक ड्राइव के लिए सिंगल स्टेज ड्राइव टर्बाइन
- समुद्री प्रणोदन के लिए समुद्री टर्बाइन 36 मेगावाट तक
- गैस आधारित कैप्टिव पावर प्लांट टर्बाइन जीटीजी / एचआरएसजी / ईपीसी: एफआर-5ई (26 मेगावाट) से एफआर-9ई (126 मेगावाट) कास्टिंग और फोर्जिंग
- क्रीप रेजिस्टेंट एलोय स्टील्स, स्टेनलेस स्टील और मिश्र धातु के अन्य ग्रेड्स के भारी कास्टिंग और फोर्जिंग, जो सब क्रिटिकल, सुपरक्रिटिकल
- और अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक घटकों के कड़े अंतरराष्ट्रीय विनिर्देशों को पूरा करते हैं।

कंडेन्सर और हीट एक्सचेंजर्स

सर्फेस कंडेन्सर:

- 800 मेगावाट तक के थर्मल पावर प्लांटों के लिए
- न्यूक्लियर पावर प्लांटों (परमाणु ऊर्जा संयंत्रों) के लिए
- 12.5 मेगावाट के समुद्री अनुप्रयोग
- औद्योगिक कंडेन्सर
- रक्षा अनुप्रयोगों के लिए कंडेन्सर
- फीड वॉटर हीटर (एचपी हीटर, एलपी हीटर, ड्रेन कूलर, डुप्लेक्स हीटर, डी-सुपर हीटर, आदि)
- थर्मल: 7 से 500 मेगावाट (सबक्रिटिकल) और 300-800 मेगावाट (सिंगल स्ट्रीम के साथ सुपर क्रिटिकल)
- परमाणु ऊर्जा संयंत्रों (236 मेगावाट, 500 मेगावाट और 700 मेगावाट परमाणु सेट) के लिए मॉड्यूलर सेपरेटर और रीहीटर (एमएसआर) और अन्य फीड वॉटर हीटर।
- नॉन-बीएचईएल सैटों के लिए रिप्लेसमेंट फीड वाटर हीटर्स

लाइव स्टीम रिहीटर (एलएसआर):

- 500 मेगावाट फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर) परमाणु सेट
- टर्बो और हाइड्रो जेनरेटर के लिए सहायक हीट एक्सचेंजर्स:
- एयरकूलर (फ्रेम और ट्यूब प्रकार के)
- ऑयल कूलर (शेल और ट्यूब प्रकार और प्लग-इन प्रकार के)
- हाइड्रोजन कूलर (फ्रेम और ट्यूब प्रकार के)

ट्रान्सफॉर्मर के लिए सहायक हीट एक्सचेंजर्स:

- ऑयल कूलर (शेल और ट्यूब टाइप सिंगल ट्यूब या कंसेंट्रिक डबल ट्यूब टाइप) (फ्रेम और ट्यूब टाइप)
- सामान्य अनुप्रयोगों के लिए सहायक हीट एक्सचेंजर्स
- पानी - वाटर कूलर (शेल और ट्यूब प्रकार)

ग्लैन्ड स्टीम कंडेन्सर्स

- औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए 7 मेगावाट से 150 मेगावाट तक के
- 500 मेगावाट तक के थर्मल प्लांट
- 700 मेगावाट तक के परमाणु संयंत्र
- एफआर-9ई तक के गैस टर्बाइन के लिए एयर कूल्ड हीट एक्सचेंजर्स और सभी रेटिंग्स के कंप्रेसर एप्लिकेशन/अनुप्रयोग
- 150 मेगावाट तक के कंडेन्सर के लिए स्टीम जेट एयर इजेक्टर
- 7 मेगावाट से 800 मेगावाट तक के डीएरेटर
- कंप्रेसर अनुप्रयोगों के लिए गैस कूलर
- ऑयल कूलर- 150 मेगावाट तक एसटीजी के लिए, एफआर 9ई तक के जीटीजी के लिए
- जनरेटर एयर कूलर 150 मेगावाट एसटीजी और जीटीजी 9 एफए तक के
- परमाणु प्राइमरी साइकिल (प्राथमिक चक्र) के लिए डी 2 ओ और मॉडरेटर हीट एक्सचेंजर्स
- रिफाइनरी अनुप्रयोगों के लिए एयरकूल्ड ल्यूब आयल कूलर
- डाउन स्ट्रीम तेल एव गैस अनुप्रयोगों के लिए हीट एक्सचेंजर्स

पम्प

- 1000 मेगावाट क्षमता तक के विभिन्न यूटिलिटी बिजली संयंत्र अनुप्रयोगों के लिए पंप:
- बॉयलर फीड पंप (मोटर या स्टीम टर्बाइन चालित) और बॉयलर फीड बूस्टर पंप।
- कन्डेन्सेट एक्सट्रैक्सन पम्प ड्रिप पंपों सहित
- सर्कुलेंटिंग वॉटर पंप (जिन्हें कूलिंग वाटर पंप के नाम से भी जाना जाता है)
- कंक्रीट वॉल्यूट कूलिंग वाटर पंप
- परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के सेकेंडरी साइड (माध्यमिक पक्ष) के लिए पंप्स कम्प्रेसर्स
- विभिन्न गैसों (वायु, CO_2 , N_2 , H_2 , NH_3 , प्राकृतिक गैस, वेट गैस, प्रोपलीन आदि) के लिए और रिफाइनरियों, उर्वरक, पेट्रोकेमिकल्स, तेल और गैस, इस्पात, बिजली और प्राकृतिक गैस परिवहन तथा विद्युत संयंत्रों में एफजीडी अनुप्रयोगों के लिए ऑक्सीकरण ब्लोअर क्षेत्रों में अनुप्रयोगों के लिए मल्टी स्टेज सेन्ट्रीफ्यूगल कंप्रेसर्स, ड्राइव्स सहित (स्टीम टर्बाइन, इलेक्ट्रिक मोटर और गैस टर्बाइन) और सहायक प्रणालियाँ 300000 घन मीटर प्रति घंटा की क्षमता वाली।
- 40 बार तक के प्रेशर के लिए डिजाइन होरिजेंटली स्प्लिट टाइप
- 350 बार तक के प्रेशर के लिए डिजाइन वर्टिकली स्प्लिट टाइप

सोलर फोटोवोल्टिक्स

- मोनो/मल्टी क्रिस्टलाइन सोलर सेल्स
- मोनो/मल्टी क्रिस्टलाइन पी वी मॉड्यूल (330 डबल्यूपी तक के)
- पावर कंडीशनिंग यूनिट (1.25 मेगावाट तक)
- ट्रैक्शन ग्रिड (0.85 मेगावाट) अनुप्रयोगों के लिए सिंगल फेज पावर कंडीशनिंग यूनिट

- आउटडोर, ड्राई टाइप 1 एमवीए/25 केवी सिंगल फेज इनवर्टर ट्रांसफार्मर
- पावर ट्रांसफार्मर (15 एमवीए और इससे अधिक)
- पैसिव सोलर ट्रेकिंग सिस्टम
- स्पेस ग्रेड सोलर पैनल्स

स्वचालन और नियंत्रण प्रणाली

- स्वचालन और नियंत्रण प्रणालियों के लिए
- बॉयलर सुरक्षा सहित स्टीम जनरेटर / बॉयलर कंट्रोल
- स्टीम टर्बाइन कंट्रोल
- बॉयलर फीड पंप (बीएफपी) ड्राइव टर्बाइन कंट्रोल
- स्टेशन कंट्रोल एवं इंस्ट्रुमेंटेशन / डीसीएस
- ऑफसाइट / ऑफ बेस कंट्रोल / बैलेंस ऑफ प्लांट कंट्रोल
- ऐष हैंडिलिंग प्लांट (एएचपी)
- कोल हैंडिलिंग प्लांट (सीएचपी)
- ऊर्जा संयंत्रों के जलप्रणालियाँ
- मिल रिजेक्ट सिस्टम (एमआरएस)
- कन्डेन्सेट ऑन-लोड ट्यूब क्लिनिंग सिस्टम (सीओएलटीसीएस)
- गैस बूस्टर कम्प्रेसर (जीबीसी)
- कंडन सेट पोलिपिंग यूनिट (सीपीयू)
- हीटिंग, वेंटीलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी)
- फ्यूल ऑयल अनलोडिंग सिस्टम (एफओयूएस)
- हाइड्रो पावर प्लांट कंट्रोल सिस्टम
- गैस टर्बाइन कंट्रोल सिस्टम
- परमाणु ऊर्जा संयंत्र प्राइमरी साइकिल कंट्रोल सेंटर इंस्ट्रुमेंटेशन पैकेज (सीसीआईपी)
- न्यूक्लियर पावर प्लांट टर्बाइन और सेकेंडरी साइकिल कंट्रोल सिस्टम
- सोलर थर्मल ऊर्जा संयंत्र के पावर ब्लॉक
- इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन
- सब-स्टेशन ऑटोमेशन (एसएसएस)
- गैर-एफएसटीएचवीडीसी नियंत्रण पैनल
- रिफाइनरियों के लिए इलेक्ट्रिकल कंट्रोल सिस्टम (ईसीएस)
- पावर प्लांटों के लिए एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस)
- एमवी / एलवी स्विच गियरों के लिए इलेक्ट्रिकल इंटरफेस सिस्टम

ट्रांसमिशन सिस्टम कंट्रोल

- ईएचवी और यूएचवी सब-स्टेशन / स्विच यार्ड एआईएस और जीआईएस दोनों प्रकार के जिनकी रेंज 33केवी से 765केवी तक हैं।
- एचवीडीसी ट्रांसमिशन सिस्टम
- फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम (एफएसटीएस) सॉल्यूशन
- फिक्स्ड सिरीज कॉम्पन्सेशन (एफएससी)
- स्टेटिक वीएआर कॉम्पन्सेशन (एसवीसी)

- एसटीएटीसीओएम
- कंट्रोल्ड शंट रिपेक्टर (सीएसआर)
- फेज शिफ्टिंग ट्रांसफॉर्मर (पीएसटी)
- एचवीडीसी और एफएसटीएस के लिए कन्वर्टर वॉल्व और कंट्रोल

सॉफ्टवेयर सिस्टम समाधान

- मेरिट ऑर्डर रेटिंग
- थर्मल यूटिलिटीज के लिए निष्पादन विश्लेषण, निदान और अनुकूलन (पीएडीओ)
- परफॉर्मंस कैलकुलेशन (निष्पादन गणना), ओप्टिमाइजेशन सिस्टम (अनुकूलन प्रणाली) तथा रियल टाइम परफॉर्मंस डाटा मॉनिटरिंग सिस्टम
- रिमोट मॉनिटरिंग एवं डायग्नोस्टिक सर्विसेस (आरएमडीएस)
- डीसीएस से थर्ड पार्टी सिस्टम में ओपीसी कनेक्टिविटी
- एंटरप्राइज एसेट मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस)
- ऑपरेटर ट्रेनिंग सिमुलेटर

स्विचगियर

- मध्यम वोल्टेज वैक्यूम स्विचगियर, इनडोर और आउटडोर अनुप्रयोगों के लिए, वोल्टेज रेटिंग 36 केवी के लिए और गैस इंसुलेटेड स्विचगियर्स 420 केवी तक के।
- इनडोर स्विचगियर
- थर्मल, परमाणु, पनबिजली और कम्बाईड साइकिल (संयुक्त चक्र) पावर प्लांट परियोजनाओं के लिए 12 केवी, 50 केए और 4000 एएमपी तक के
- उद्योगों, सौर ऊर्जा संयंत्रों और रिफाइनरियों के लिए 36 केवी, 31.5 केए, 2500 एएमपी तक के
- वितरण प्रणाली के लिए कॉम्पैक्ट स्विच गियर 12 केवी, 25 केए, 2000 एएमपी के
- आउटडोर वैक्यूम सर्किट ब्रेकर
- डिस्ट्रीब्यूशन सेगमेंट के लिए 12केवी, 25केए, 1250 एएमपी.
- ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन सेगमेंट के लिए 36केवी, 25केए, 1600 एएमपी.
- ट्रैक साइड रेलवे अनुप्रयोगों के लिए 25केवी, 20केए, 2000 एएमपी.
- सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए 36केवी, 31.5केए, 2500एएमपी आउटडोर मेटलक्लैड स्विचगियर
- गैस इंसुलेटेड स्विचगियर्स
- रिफाइनरी, शहरी क्षेत्र के लिए 36 केवी, 40केए, 2000 एएमपी.
- ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के लिए 145केवी, 31.5केए, 2500 एएमपी.
- ट्रांसमिशन सेक्टर (हाइड्रो स्टेशन/ईएचवी एसएस) के लिए 420केवी, 40केए, 3150 एएमपी

ऑन लोड टैप चेंजर्स (ओएलटीसी)

- पावर ट्रांसफार्मर, फर्नेस ट्रांसफार्मर, स्टेशन ट्रांसफार्मर, रेक्टिफायर ट्रांसफार्मर आदि जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए ऑन लोड टैप चेंजर 765 केवी क्लास ट्रांसफार्मर और ऑफ सर्किट टैप स्विच 765 केवी क्लास ट्रांसफार्मर।

एलटी स्विचगियर और बस डक्ट्स

- ऐसे यूटिलिटीज जिनके जनरेटर की पावर आउटपुट क्षमता 800 मेगावाट तक है उनके लिए अनुरूप उपकरणों सहित बस डक्ट्स।
- थर्मल पावर प्लांट, हाइड्रो, न्यूक्लियर, सीपीपी और स्टील उद्योग के लिए 415 वोल्ट एलटी स्विचगियर।

ट्रांसफॉर्मर्स और रिएक्टर्स

- 1200 केवी वोल्टेज तक के लिए पावर ट्रांसफार्मर
- जनरेटर ट्रांसफार्मर (600 एमवीए, 420 केवी, 3 फेज / 400 एमवीए, 765 केवी, 1 फेज / 500 एमवीए, 420 केवी, 1 फेज तक के)
- ऑटो ट्रांसफार्मर (1000 एमवीए, 400 केवी, 3 फेज / 600 एमवीए, 400 केवी, 1 फेज / 500 एमवीए, 765 केवी, 1 फेज / 1000 एमवीए, 1200 केवी, 1 फेज तक के)
- एचवीडीसी ट्रांसमिशन के लिए कनवर्टर ट्रांसफॉर्मर / स्मूथिंग रिएक्टर (600 एमवीए±800 केवी तक के) / (254 एमवीएआर±500 केवी तक के)।
- शंट रिएक्टर (150 एमवीएआर, 420 केवी, 3 फेज / 110 एमवीएआर, 765 केवी, 1फेज) तक के।
- फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम अनुप्रयोगों के लिए कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर्स (200 एमवीएआर, 420 केवी, 3 फेज / 200 एमवीएआर, 420 केवी, 1 फेज / 200 एमवीएआर, 765 केवी, 1 फेज) तक के।
- ट्रांसमिशन लाइनों के लिए फेज शिफ्टिंग ट्रांसफॉर्मर (500 एमवीए, 400 केवी, 3 फेज तक के / 500 एमवीए 400 केवी 1 फेज तक के)

इन्स्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर्स

- करंट ट्रांसफॉर्मर्स 400 केवी तक के
- इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर्स 220 केवी तक के
- कैपेसिटर वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर्स (33केवी से 1200केवी)
- एचवीडीसी परियोजनाओं के लिए 24 केवीपीआर क्लास करंट ट्रांसफॉर्मर्स
- स्पेशल ट्रांसफॉर्मर्स
- रेक्टिफायर ट्रांसफॉर्मर (120 केए, 132 केवी तक के)
- फर्नेस ट्रांसफॉर्मर (33 केवी, 60 एमवीए तक के)
- ईएसपी ट्रांसफॉर्मर 95 केवीपी, 1600 एमए तक के
- स्मूथिंग रिएक्टर्स 3.3 एमएच, 2700 एएमपी तक के
- ड्राई टाइप रिएक्टर्स 300 एमएच, 120 एएमपी तक के
- डीसी चोक 0.5 एमएच, 4600 एएमपी तक के
- ड्राईटाइप ट्रांसफॉर्मर 15 एमवीए, 33केवी तक के
- पावर ट्रांसफॉर्मर्स तथा रियक्टर्स के लिए कम्पोजिट मॉनिटरिंग सिस्टम

कैपेसिटर्स

- एच.टी. कैपेसिटर्स
- पावर फैक्टर करेक्शन के लिए मोटर्स कैपेसिटर्स (3.3 से 11 केवी डेल्टा कनेक्टेड कैपेसिटर्स बैंक)
- शंट, सीरीज और एसवीसी (स्टैटिक वीएआर कंपनसेशन), हार्मोनिक फिल्टर और एचवीडीसी अनुप्रयोग (3.3 केवी से 500 केवी, 1 फेज / 3 फेज कैपेसिटर बैंक)

- सीवीटी के लिए कैपेसिटर डिवाइडर
- ट्रांसमिशन लाइन के लिए कपलिंग कैपेसिटर (33 केवीसे 800 केवी, 4400 पीएफ से 13200 पीएफ)
- जनरेटर और ट्रांसफॉर्मर की सुरक्षा के लिए सर्ज कैपेसिटर (11 केवी से 40 केवी)
- ट्रेक्शन लोकोमोटिव के लिए रूफ कैपेसिटर
- 1200 केवी तक के सीवीटी के लिए कैपेसिटर डिवाइडर
- 400 केवी तक के पीएलसीसी के लिए कपलिंग कैपेसिटर
- पयूज-लेस कैपेसिटर

बुशिंग्स

- ट्रांसफॉर्मर अनुप्रयोगों के लिए ऑयल इम्प्रेग्नेटेड पेपर (ओआईपी) कंडेनसर बुशिंग्स 52 से 525 केवी
- 25 केवी लोकोमोटिव बुशिंग्स

कंट्रोल गियर

- उद्योगों / बिजली संयंत्रों में ईएसपी के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर
- डिजिटल स्टैटिक एक्साइटेशन कंट्रोल सिस्टम (2000 ए, 400 वी डीसी के साथ रिडंडंट थाइरिस्टर स्टैक्स और डीसी फील्ड ब्रेकर)
- पीएलसी आधारित डिजिटल कंट्रोलर्स सहित लार्ज करंट रेक्टिफायर्स
- ईएचवी ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए कंट्रोल और प्रोटेक्शन पैनल्स (400 केवी तक के)
- एससीएपी, थाइरिस्टर, आरएपीसीओएन और एसटीएटीसीओएन पैनल्स

इंसुलेटर्स

- पोर्सलेन इंसुलेटर्स
 - ट्रांसफॉर्मर और एसएफ-6 सर्किट ब्रेकर्स के लिए 765केवी तक के होलो इंसुलेटर्स।
 - सब स्टेशन अनुप्रयोगों के लिए, बस पोस्ट और आईसोलेटर्स के लिए 400 केवी तक के सॉलिड कोर इंसुलेटर्स
- कम्पोजिट लॉन्ग रॉड इंसुलेटर्स
 - एचवीडीसी अनुप्रयोगों के लिए ±800 केवी, 420 केएन तक के
 - एचवीएसी अनुप्रयोगों के लिए 765 केवी, 210 केएन तक के
 - भारतीय रेलवे के लिए ट्रेक्शन इंसुलेटर्स स्टेआर्म, ब्रैकेट और 9 टन इंसुलेटर्स।
 - थर्मल पावर प्लांट और एष स्लरी अनुप्रयोगों के लिए सेरामिकलाइनिंग (सेरालीन) वीयर रेजिस्टेंट मैटेरियल
- औद्योगिक और स्पेशल सेरामिक्स
 - बॉयलर ड्रम में वाटर लेवल मॉनिटरिंग के लिए प्रयोग होने वाले इंडबल्यूएलआई-इलेक्ट्रॉनिक वाटर लेवल इंडिकेटर (बीएचईएल विजन सिस्टम)
 - क्रिसमस ट्री वॉल्व के लिए सिरैमिक और टंगस्टन कार्बाइडपलो बीन्स।
 - थर्मल पावर प्लांट में पल्वराइजिंग के लिए ग्राइडिंग मीडिया

इलेक्ट्रिकल मशीन्स

- सुरक्षित क्षेत्र अनुप्रयोगों के लिए एसी मशीनें
- स्क्वाइरल केज इंडक्शन मोटर — 150 किलोवाट से 22000 किलोवाट
- स्लिपरिंग इंडक्शन मोटर — 150 किलोवाट से 10000 किलोवाट
- सिंक्रोनस मोटर — 1000 किलोवाट से 25000 किलोवाट
- वेरिबल स्पीड मोटर — 150 किलोवाट से 22000 किलोवाट (स्क्वाइरल केज मोटर)
- वेरिबल स्पीड मोटर — 1000 किलोवाटसे 25000 किलोवाट

- (सिंक्रोनस मोटर)
- हजार्डस (खतरनाक) क्षेत्र अनुप्रयोगों के लिए एसी मोटर (फिक्स्ड स्पीड या वीएफडी के साथ)
- फलेम-प्रूफ स्क्वाइरल केज इंडक्शन मोटर – (150 किलोवाट से 1500 किलोवाट)
- नॉन-स्पार्किंग स्क्वाइरल केज इंडक्शन मोटर – (150 किलोवाट से 4000 किलोवाट (अनुरोध पर इससे भी उच्च क्षमता)
- इंक्रीज्ड सेफ्टी स्क्वाइरल केज इंडक्शन मोटर – (150 किलोवाट से 4000 किलोवाट (अनुरोध पर इससे भी उच्च क्षमता)
- प्रेशराइज्ड स्क्वाइरल केज इंडक्शन मोटर – (150 किलोवाट से 22000 किलोवाट)

प्रेशराइज्ड सिंक्रोनस मोटर – (1000 किलोवाट से 25000 किलोवाट)

- औद्योगिक अल्टरनेटर (स्टीम टरबाइन, गैस टरबाइन और डीजल इंजन चालित) (3000 केवीए से 25000 केवीए)
- परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के, प्राइमरी कूलेंट पंपों के लिए वर्टिकल मोटर
- मिनी / माइक्रो हाइड्रो प्लांट के लिए इंडक्शन जनरेटर (300 केवीए से 6000 केवीए)
- 2 पोल एयर कूल्ड स्टीम / गैस टर्बाइन चालित जनरेटर (3 मेगावाट से 160 मेगावाट)
- 4 पोल एयर कूल्ड स्टीम / गैस टर्बाइन चालित जनरेटर (3 मेगावाट से 40 मेगावाट)
- 2 पोल हाइड्रोजन कूल्ड स्टीम / गैस टर्बाइन चालित जनरेटर 36 मेगावाट से 270 मेगावाट तक के
- 5 मेगावॉट तक के स्थायी चुंबक आधारित जनरेटर।
- 270 मेगावाट तक के गैस टरबाइन जनरेटर
- 2 मेगावाट तक के सिंगल बीयरिंग वाले औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए अल्टरनेटर।

रेल परिवहन

- परिवहन प्रणाली
- एसी इलेक्ट्रिक इंजन (6000 एचपी, 25 केवी एसी तक के)
- एसी-डीसी ड्यूल वोल्टेज इलेक्ट्रिक इंजन
- एसी ईएमयू कोच
- निम्नलिखित के लिए ट्रैक्शन प्रोपल्शन सिस्टम:
- 9000 एचपी आईजीबीटी आधारित एसी लोकोमोटिव
- 6000 एचपी आईजीबीटी आधारित एसी लोकोमोटिव
- 6000-एचपी लोकोमोटिव के लिए आईजीबीटी आधारित कम्पोजिट प्रोपल्शन सिस्टम
- 3-फेज आईजीबीटी आधारित एसी इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट्स (ईएमयूएस)
- वातानुकूलित एसी ईएमयू
- डीसी ड्राइव के लिए इलेक्ट्रिक एसी ईएमयू
- 1600 एचपी आईजीबीटी आधारित डीईएमयू
- 3 फेज आईजीबीटी आधारित एमईएमयू
- 1600 एचपी मल्टी-जनसेट लोकोमोटिव
- डबल्यूएजी-7 लोकोमोटिव के डीसी प्रोपल्शन सिस्टम (प्रणोदन प्रणाली) के लिए रीजनरेशन सिस्टम
- डीजल इलेक्ट्रिक टावर कार
- डीजल-इलेक्ट्रिक पेंटिंग लोकोमोटिव (1400 एचपी तक)

- बैटरी पावर्ड लोकोमोटिव
- ओएचई रिकॉर्डिंग-कम-टेस्ट कार
- बैटरी पावर्ड रोड व्हिकल्स
- डायनामिक ट्रैक स्टेबलाइजर्स
- रेल-कम-रोड व्हिकल

परिवहन उपस्कर

- ट्रैक्शन कन्वर्टर और सहायक कन्वर्टर
- वाहन नियंत्रण इलेक्ट्रॉनिक्स
- होटल लोड कनवर्टर
- ट्रैक्शन कन्वर्टर और होटल लोड कनवर्टर सहित कम्पोजिट कनवर्टर
- ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर
- पारंपरिक इंजनों के लिए 5400 केवीए तक के
- 3 फेज ड्राइव लोकोमोटिव के लिए 7775 केवीए तक के
- परंपरागत एसी ईएमयू/एमईएमयू 1050 केवीए तक के
- 3 फेज ईएमयू के लिए 3400 केवीए तक के
- लोकोमोटिव और ईएमयू के लिए 3 फेज एसी ट्रैक्शन मोटर्स (1200 किलोवाट तक)
- लोकोमोटिव और ईएमयू के लिए डीसी ट्रैक्शन मोटर्स (630 किलोवाट तक)
- लोकोमोटिव और ईएमयू के लिए एसी ट्रैक्शन अल्टरनेटर (3860 किलोवाट तक)
- डायनेमिक (गतिशील) ब्रेकिंग सिस्टम के लिए डीसी ब्लोअर मोटर्स (50 किलोवाट तक)
- सहायक पुर्जों संबंधी आवश्यकताओं के लिए मोटर जनरेटर सेट (25 किलोवाट तक)
- लोकोमोटिव और ईएमयू के लिए ट्रैक्शन गियर्स और पीनियंस
- वैगन (28 एक्सल (धुरी), 296 टन तक के)

डिफेंस और एयरोस्पेस

- नौसेना के जहाजों के लिए सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम)
- 76/62 गन (बंदूक)
- नौसेना के जहाजों के लिए एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली (आईपीएमएस)
- इंटीग्रेटेड ब्रिज सिस्टम (आईबीएस)
- स्टेटिक मैन मोटर जनरेटर (एसएमएमजी)
- कंट्रोल के साथ रोटरीमैन मोटर जनरेटर (आरएमएमजी)
- वाहनों, प्लेटफॉर्म, रडार, हथियारों, मिसाइलों के लिए ट्रेनिंग (प्रशिक्षण) सिम्युलेटर और सभी रक्षा और अर्ध-सैन्य बलों के लिए कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण (सीबीटी)
- टी -72 टैंकों के लिए टरेट (बुर्ज) कास्टिंग
- जहाजों के लिए कास्टिंग और फोर्जिंग
- विभिन्न विमान प्लेटफार्मों के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स
- स्थायी चुंबक आवृत्ति (परमानेंट मैग्नेट फ्रिक्वेंसी) कन्वर्टर्स ड्राइव यूनिट के साथ
- रिजर्व प्रोपल्शन मोटर ड्राइव यूनिट के साथ
- कॉम्पैक्ट ब्रषलेस अल्टरनेटर
- लॉन्च (प्रक्षेपण) वाहनों और उपग्रहों के लिए ईंधन टैंक और अन्य घटक।
- प्रक्षेपण (लॉन्च) वाहनों और उपग्रहों के लिए स्पेस (अंतरिक्ष) ग्रेड बैटरी
- स्पेस ग्रेड सोलर पैनल्स

एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और ई-मोबिलिटी

- इलेक्ट्रिक बस
- मोटर वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पावरट्रेन
- इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर
- बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम
- ऑयल फील्ड उपकरण
- ऑयल रिग्स – 9,000 मीटर की गहराई तक ड्रिलिंग के लिए ऑन-शोर ड्रिलिंग रिग एसी-वीएफडी और एसी-एससीआर तकनीक के साथ,
- 6,100 मीटर की गहराई तक कार्य करने के लिए वर्क-ओवर रिग, 3,000 मीटर की गहराई तक ड्रिलिंग के लिए मोबाइल रिग्स। मैचिंग वाले ड्रॉ-वर्क्स और होस्टिंग उपकरणों सहित:
- मास्ट और सब-स्ट्रक्चर
- रोटेटिंग उपकरण: ड्रा वर्क्स, रोटरी, स्विवल्स, ट्रेवलिंग ब्लॉक
- इंडेपेंडेंट (स्वतंत्र) रोटरी ड्राइव यूनिट
- मड स्टोरेज और हैंडलिंग सिस्टम, मड एजिटेटर
- ट्रिप्लेक्स मड पंप 1700 पीटी, 5000 पीएसआई वर्किंग प्रेशर
- एयर यूटिलिटी सिस्टम (यूटिलिटी हाउस), जल प्रणाली और ईंधन प्रणाली
- डेड लाइन एंकर
- वैक्यूम डिगैसर, मड गैस सेपरेटर्स
- डिसेन्डर्स
- सकर रॉड पम्प सर्फेस यूनिट
- बीएचईएल और गैर-बीएचईएल निर्मित ऑयल रिग्स का नवीनीकरण और उन्नयन

- 3-फेज एसी ऑयल रिग मोटर 1150 एचपी तक
- डीसी ऑयल रिग मोटर 1000 एचपी तक (ड्रावर्क्स, मड पंप, ड्रिलिंग)
- ऑयल रिग अल्टर्नेटर्स 1750 केवीए तक के
- ई760, ई1400, ई2000 और ई3000 रिग के लिए एसी / डीसी पावर कंट्रोल रूम
- लागू सीपीसीबी मानदंडों के अनुसार 1430 केवीए रेटिंग तक
- एसी ध्वनिक पावर पैक
- एसी कंट्रोल मॉड्यूल
- डीसी कंट्रोल मॉड्यूल
- ड्रिलर कंसोल 3 मड पंपों तक, आईआरडी और ड्रा-वर्क कंट्रोल और मॉनिटरिंग, लोड रेटिंग (0-1800 ए, 0-1000 वी)
- मोबाइल लाइटनिंग टावर, रिग लाइटनिंग टावर
- एसी रिग्स के लिए एसी-वीएफडी कंट्रोल
- एसीएससीआर रिग्स में पावर फैक्टर सुधार के लिए स्टेट कॉम (एसटीएटीसीओएम)
- 1000 पीएसआई तक के वेल हेड एवं क्रिसमस ट्री, मड लाइन सर्पेंशन, चौक एवं किल मैनीफोल्ड, सीबीएम, वेलहेड्स, डीएसपीएम
- एच-मैनीफोल्ड असेंबली, मड वॉल्व

फैब्रिकेटिड उपस्कर और मैकेनिकल पैकेज

- क्रायोजेनिक एयर सेप्रेषन यूनिट (वायु पृथक्करण इकाइयाँ)
- क्रायोजेनिक स्टोरेज टैंक, माउण्डेड स्टोरेज सिस्टम और स्टोरेज स्फेयर्स
- प्रेशर वेसल, कॉलम, रिएक्टर / सेपरेटर, हीट एक्सचेंजर्स
- फायर्ड हीटर
- पर्ज गैस रिकवरी यूनिट

शब्दकोष

एपीजेनको	आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन	ईएमयू	इलेक्ट्रिक मल्टिपल यूनिट
इसरो	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन	आर एंड एम	नवीकरण एवं आधुनिकीकरण
एआरएआई	ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया	ईपीसी	इंजीनियरिंग, क्रय तथा निर्माण
केपीसीएल	कर्नाटका पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	आरईएससीओ	रिन्थूवेबल एनर्जी सर्विस कंपनी
एयूएससी	एडवांस्ड अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल	ईएसपी	इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर
एलसीए	लाईट कॉम्बेट एयरक्राफ्ट	आरपीसीएल	रायचूर पावर कंपनी लिमिटेड
बीईएसएस	बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम	ईवी	इलेक्ट्रिक वाहन
एलआईएस	लिफ्ट इरिगेशन स्कीम	एससीओपीइ (स्कोप)	स्टैंडिंग कॉनफ्रेंस आफ पब्लिक एंटरप्राइजेज
बीपीसीएल	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	एफएसीटीएस	फ्लेक्सिबल अल्टरनेटिंग करंट ट्रांसमिशन सिस्टम
एलपी टरबाइन	लो प्रेशर टरबाइन		
बीएसई	मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज	एससीआर	सलेक्टिव कैटलीटिक रिडक्शन
एलएसटीके	एकमुष्ण (लंप सम) टर्नकी	एफजीडी	फ्लू गैस डिसल्फुराइजेशन
बीटीजी	बॉयलर टर्बाइन जेनरेटर	एसडी	सस्टेनबल डेवलपमेंट
एमईआईएल	मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड	जेम	गवर्नमेंट ई- मार्केट प्लेस
सी एंड आई	कंट्रोल एण्ड इंस्ट्रुमेंटेशन	सेबी	भारतीय प्रतिभूती एवं विनिमय बोर्ड
एमईएमयू	मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट	जीआईएस	गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन
सीईए	केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण	एसजी	स्टीम जेनरेटर
एमएचआई	भारी उद्योग मंत्रालय	जीएसईसीएल	गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड
सीपीपी	कैप्टिव पावर प्लांट	एसओपी	स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर
एमओयू	समझौता ज्ञापन	एचएएल	हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड
सीएफबीसी	सर्कुलेटिंग फ्ल्यूडाइज्ड बैड कम्बस्टन	एसपीवी	सोलर फोटो वॉल्टाइक
एमयू	विनिर्माण इकाइयाँ	एचपी टर्बाइन	हाई प्रेशर टर्बाइन
सीपीआईओ	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	एसआरजीएम	सुपर रैपिड गन माउंट
एमएसएमई	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम	एचवीडीसी	हाई वोल्टेज डायरेक्ट करेंट
सीएमआईई	सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन ईकोनामी	एसआरयू	सल्फर रिकवरी यूनिट
एमएसआर	मेल्टन साल्ट रियक्टर	आईसीआई	इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया
सीपीएसई	केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	एसटीजी	स्टीम टर्बाइन जेनरेटर
एनआईटी	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान	आईसीएफ	इंटेग्रल कोच फैक्ट्री
सीएसआईआर	वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद	टेनजेनको	तमिलनाडु जनरेशन व डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन
एनपीसीआईएल	न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	आईजीबीटी	इंसुलेटेड-गेट बाइपोलर ट्रांसिस्टर
		टीजी	टरबाइन व जनरेटर
सीएसपीजीसीएल	छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन	आईजीसीएआर	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र
कंपनी		टीपीडी	टन प्रति दिन
एनएसई	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज	आईआईटी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
सीएसआर	कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व	टीपीएस	ताप विद्युत संयंत्र
ओईएम	मूल उपकरण विनिर्माता	आईओसीएल	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड
सीवीसी	केंद्रीय सर्तकता आयोग	यूबी	यूटिलिटी बॉयलर
ओएनजीसी	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	आईपीएमएस	इंटिग्रेटेड प्लेटफार्म मैनेजमेंट सिस्टम
डीईएमयू	डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट	यूएचवी	अल्ट्रा हाई वोल्टेज
पीसीपी	पावर साइकिल पाइपिंग	आईपीआर	बौद्धिक सम्पदा अधिकार
डीपीई	लोक उद्यम विभाग	वीएफडी	वैरियेबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव
पीजीसीआईएल	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	आईआर	इंडियन रेल
ईडी	कार्यपालक निदेशक	डब्ल्यूएजी	डब्ल्यू (ब्राड गेज), ए(एसी ट्रैक्शन), जी(गुड्स ड्यूटी)
पीएलएम	प्रोडक्ट लाइफ साइकल मैनेजमेंट	आईएसएमएस	सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली
ईएचवी	एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज	डब्ल्यूबीपीडीसीएल	वेस्ट बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
आर एंड डी	अनुसंधान एवं विकास	आईएसओ	मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन

शब्दावली (वित्तीय पारिभाषिक शब्द)

लेखांकन नीतियां: लेखांकन नीतियां विशिष्ट लेखांकन सिद्धांत एवं इनके अनुप्रयोग की विधियां हैं जिन्हें कंपनी द्वारा वित्तीय विवरण तैयार करने व प्रस्तुत करने हेतु अपनाया गया है।

उपचय (अक्रुअल): वित्तीय विवरण व्यापारिक (मरसेंटाइल) प्रणाली पर तैयार किया गया है। संव्यवहार व अन्य घटनाओं के प्रभावों को उनके होने पर मान्यता दी जाती है व लेखांकन अभिलेखों में इनकी गणना की जाती है एवं संबंधित समयावधि के वित्तीय विवरण में इनका उल्लेख किया जाता है।

परिशोधन: एक अमूर्त परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल पर मूल्यह्रास योग्य राशि सुव्यवस्थित रूप से आंशिक करना परिशोधन है।

तुलन पत्र: तुलन पत्र एक इकाई की वित्तीय स्थिति का विवरण है जो किसी समय विशेष पर परिसंपत्तियों, दायित्वों एवं स्वामी की इक्विटी को दर्शाता है।

बोनस शेयर: बोनस शेयर एक शेयरधारक के स्वामित्व वाले शेयरों के आधार पर, निर्बंध आरक्षित शेयरों में वर्तमान शेयरधारक को बिना किसी अतिरिक्त लागत के प्रदत्त अतिरिक्त शेयर हैं।

बही मूल्य: वह राशि जो लेखा बही अथवा वित्तीय विवरण में किसी मद के लिए दर्शाई गई है।

शेयरों की पुनः खरीद: पुनः खरीद शेयरों की पुनर्क्रय के रूप में भी जाना जाता है जब एक कंपनी खुले बाजार में अपने शेयरों की उपलब्धता कम करने हेतु उसके स्वयं के बकाया शेयर क्रय करती है।

नियोजित पूंजी की गणना: पूंजी डब्ल्यूआईपी पूंजी, विकासशील अमूर्त संपत्तियों एवं आस्थगित कर संपत्तियों को इकाई का निवल मूल्य घटाकर की जाती है।

आरक्षित पूंजी: किसी इकाई की आरक्षित पूंजी वह है जो लाभांश के रूप में वितरित की जाने हेतु उपलब्ध हो।

पूंजी मोचन आरक्षित निधि: कंपनी ने अपनी सामान्य आरक्षित निधि से इक्विटी शेयरों के क्रय पर पूंजी मोचन आरक्षित निधि को मान्यता दी है। पूंजी मोचन आरक्षित निधि की राशि पुनः क्रय किए गए इक्विटी शेयरों की राशि के तुल्य है।

नकदी व नकदी समतुल्य: नकद में नकद एवं मानित (डीमंड) जमा राशियां सम्मिलित हैं। नकद समकक्ष अल्पकालिक, अत्यधिक तरल निवेश हैं जो सरलता से ज्ञात नकद राशि में परिवर्तनीय हैं और जो मूल्य में परिवर्तन के एक तुच्छ जोखिम के अधीन हैं।

अनुबंधित परिसंपत्तियां: अनुबंधित परिसंपत्तियां (अस्थगित देनदार व अगण्य राजस्व) उन राशियों का प्रतिनिधित्व करता है जो ग्राहक के साथ अनुबंध शर्तों/तय कार्यक्रम पर सहमति के अनुसार अभी भुगतान हेतु देय नहीं है। यह अनुबंध संबंधित गतिविधियों/तय शुदा चरणों के पूरा होने पर देय होगा।

अनुबंध देयता: इकाई का दायित्व एक ग्राहक के लिए वस्तुओं या सेवाओं को स्थानांतरित करना है जिसके लिए ग्राहक से इकाई को प्रतिफल (या राशि बकाया है) प्राप्त हो चुका है।

आकस्मिक देयताएं:

(क) भूतपूर्व घटनाओं से उत्पन्न होने वाले संभावित दायित्व और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के होने या न होने से होगी, जो इकाई के पूर्ण नियंत्रण में नहीं हैं

अथवा

(ख) पूर्व घटनाओं से उत्पन्न वर्तमान देयता जिसे मान्यता नहीं दी गई क्योंकि:

(i) यह संभाव्य नहीं है कि दायित्वों के निपटान हेतु आर्थिक लाभ प्राप्त करने वाले स्रोतों का बहिर्वाह आवश्यक होगा।

अथवा

(ii) देयताओं की राशि पर्याप्त विष्वसनीयता के साथ आकलित कर पाना संभव नहीं है।

समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस): समेकित वित्तीय विवरण किसी समूह के वित्तीय विवरण होते हैं जिनमें किसी मूल कंपनी व उसकी सहायिकाओं के लिए परिसंपत्तियां, देयताएं, इक्विटी, तरलता, आय, व्यय एवं नकद प्रवाह को एक आर्थिक इकाई के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

ऋण जोखिम: जोखिम एक पार्टी का वित्तीय लिखित में अन्य पार्टी को देयताएं का निर्वहन में विफल होने के कारण होने वाली वित्तीय हानि है।

चालू अनुपात: चालू अनुपात एक तरलता अनुपात है जो एक वर्ष के भीतर की देयताएं एवं अल्पकालीन दायित्वों के भुगतान की योग्यता का आकलन करता है। इसकी गणना वर्तमान परिसंपत्तियों को वर्तमान दायित्वों से विभाजित करके की जाती है।

वर्तमान परिसंपत्तियां: एक संपत्ति को वर्तमान परिसंपत्ति में वर्गीकृत किया जाता है जब:

क) संपत्ति को उसके सामान्य परिचालन चक्र में वास्तविक माना जा सके, या विक्रय या उपभोग का प्रयोजन हो सके

ख) प्राथमिक तौर पर इसे व्यापारिक उपयोग हेतु रखा हो

ग) सूचित समयकाल से 12 माह के भीतर इसे वास्तविक माने जाने की अपेक्षा की जाती है, अथवा

घ) परिसंपत्ति नकद या नकद समतुल्य है जब तक कि परिसंपत्ति को

परिवर्तित किए जाने से प्रतिबंधित नहीं किया जाता है या रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीनों के लिए देयता का निपटान करने के लिए उपयोग किया जाता है।

वर्तमान देयताएं: किसी देयता को वर्तमान देयता में वर्गीकृत किया जाता है जब:

क) यह अपेक्षित हो कि देयता को उसके सामान्य परिचालन चक्र में ही निपटाया जाए।

ख) प्राथमिक तौर पर इसे व्यापारिक उपयोग हेतु रखा गया हो

ग) सूचित समयकाल से 12 माह के भीतर इसे वास्तविक माने जाने की अपेक्षा की जाती है, अथवा

घ) इसे सूचित समयकाल से कम से कम 12 माह तक देयताओं के भुगतान को टालने का बिना शर्त अधिकार नहीं होगा।

वर्तमान कर व्यय: वर्तमान कर किसी अवधि के लिए कर योग्य लाभ (हानि) के संदर्भ में देय (वसूली योग्य) आयकर की राशि है

अस्थगित कर्ज: आस्थगित कर्ज वे कर्ज हैं जो अनुबंध शर्तों के अनुसार चिह्नित उपलब्धियों जैसे ट्रायल ऑपरेशन, पीजी टेस्ट इत्यादि पर देय बन जाएंगे।

अस्थगित कर: आस्थगित कर की गणना तुलन पत्र की तिथि को अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित कर कानूनों व दरों का उपयोग कर की जाती है।

आस्थगित कर परिसंपत्ति: आस्थगित कर परिसंपत्ति कटौती योग्य अस्थायी अंतर, आगे अग्रेषित अप्रयुक्त कर हानि एवं आगे अग्रेषित अप्रयुक्त कर जमाओं के संदर्भ में भविष्य की अवधि में वसूली योग्य आयकर की राशियां हैं।

आस्थगित कर देयता: आस्थगित कर देयता कर योग्य अस्थायी अंतर के संदर्भ में देय आयकर की राशियां हैं।

परिभाषित लाभ योजनाएं: परिभाषित लाभ योजनाएँ परिभाषित अंशदान योजनाओं के अतिरिक्त रोजगारोपरांत लाभ योजनाएं हैं। जिसके तहत एक इकाई एक अलग इकाई (एक फंड) में निष्चित योगदान का भुगतान करती है और इस पर आगे कोई योगदान देने के लिए कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व नहीं होगा, यदि फंड वर्तमान और पूर्व अवधि की कर्मचारी सेवा के लिए सभी कर्मचारी लाभों से संबंधित भुगतान करने के लिए पर्याप्त संपत्ति नहीं रखता है।

प्रति शेयर लाभांश: इसकी गणना वर्ष के लिए कुल लाभांश (लाभांश वितरण कर को हटा कर) को कुल बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर जाती है।

मूल्यह्रास: मूल्यह्रास एक परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल पर मूल्यह्रास योग्य राशि के व्यवस्थित आबंटन है।

लाभांश वितरण कर: यह कंपनी द्वारा लाभांश के रूप में किसी भी राशि के घोषित, वितरित अथवा भुगतान किए जाने पर कंपनी द्वारा भुगतान किया गया अतिरिक्त, आयकर है।

ईबीआईडीटीए से अर्थ है ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन के पूर्व अर्जित आय। परिचालन ईबीआईडीटीए का निर्धारण अन्य आय को ईबीआईडीटीए से घटा कर किया जाता है।

प्रति शेयर आय (ईपीएस): यह वर्ष के दौरान प्रति शेयर आय को दर्शाता है, जिसकी गणना कर अदायगी बाद लाभ को कुल बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर की जाती है।

इक्विटी पद्धति: लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग किसी कंपनी के संयुक्त उद्यम में विनिवेश आकार के अनुपात में संयुक्त उद्यम से अर्जित कुल आय के निर्धारण हेतु किया जाता है। इक्विटी पद्धति लेखांकन की एक पद्धति जिसमें निवेश को पहले लागत पर मान्यता दी जाती है और उसके बाद निवेशक की कुल परिसंपत्तियों

के शेयर में अधिग्रहण के बाद परिवर्तन हेतु समायोजित किया जाता हैं।

अपेक्षित ऋण हानि: अनुबंध के अनुसार किसी इकाई को देय सभी अनुबंधित नकद प्रवाह और एक इकाई द्वारा प्रभावी मूल ब्याज दर पर प्राप्त छूट लेने पर अपेक्षित नकदी प्रवाह का अंतर है।

उचित मूल्य: उचित मूल्य वह मूल्य है जो किसी परिसंपत्ति को बेचने पर प्राप्त किया जाएगा या माप तिथि पर बाजार प्रतिभागियों के बीच एक क्रमबद्ध लेनदेन में देयता को स्थानांतरित करने के लिए भुगतान किया जाएगा।

वित्तीय परिसंपत्ति: एक संपत्ति जो,

क) नकद हो,

ख) इक्विटी लिखित

या

अन्य इकाई,

ग) किसी अन्य इकाई से नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्राप्त करने या किसी अन्य इकाई के साथ वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयता का आदान-प्रदान करने का संविदात्मक अधिकार,

घ) एक अनुबंध जो किसी इकाई के स्वयं के इक्विटी लिखित में तय होगा या हो सके।

वित्तीय देयता: कोई भी देयता जो,

क) किसी अन्य इकाई से नकद

या

अन्य वित्तीय संपत्ति प्रदान करने या किसी अन्य इकाई के साथ वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयता का आदान-प्रदान करने का संविदात्मक दायित्व,

ख) एक अनुबंध जो किसी इकाई के स्वयं के इक्विटी लिखितों में तय होगा या हो सके।

वित्तीय लिखत: कोई भी अनुबंध जो किसी इकाई की वित्तीय परिसंपत्ति एवं अन्य इकाई की वित्तीय दायित्वों अथवा इक्विटी लिखित का मूल्य बढ़ाए।

वित्तीय गतिविधियां: ऐसी गतिविधियां जिनके कारण किसी इकाई के अंशदत्त इक्विटी और ऋणों के आकार व संयोजन में परिवर्तन होते हैं।

सामान्य आरक्षित निधि: सामान्य आरक्षित निधि किसी कंपनी की संचित आय हैं जो भविष्य की आवश्यकताओं (ज्ञात या अज्ञात) की पूर्ति हेतु अलग से रख दी जाती है।

कार्यशील संस्था: इसका अर्थ उस इकाई से है जिसका निकट भविष्य में परिचालन बंद करने का कोई प्रयोजन न हो।

धारक/नियंत्रक कंपनी: एक या अन्य अधिक कंपनियों के संबंध में "धारक/नियंत्रक कंपनी" का अर्थ ऐसी कंपनी से है जिसकी ये कंपनियां सहायिका हैं।

इंपेयरमेंट लॉस: इंपेयरमेंट लॉस वह राशि है जो किसी संपत्ति अथवा नकदी निर्माता इकाई से उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक है। किसी संपत्ति अथवा नकदी निर्माता इकाई की वसूली योग्य राशि निपटाने की लागत कम करके उचित मूल्य और इसके उपयोगी मूल्य में से जो अधिक हो वह राशि है।

भारतीय लेखांकन मानक (संक्षेप में इंड एस) : कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा यथा अधिसूचित वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रयुक्त लेखांकन मानक हैं।

अमूर्त संपत्ति: अमूर्त संपत्ति अभिज्ञेय गैर-मौद्रिक अभौतिक वस्तु है।

दिनों की संख्या में इवेंट्री: यह इवेंट्री को राजस्व से विभाजित कर इसका गुणा वर्ष में दिनों की संख्या से करके ज्ञात किया जाता है।

निवेश गतिविधियाँ: निवेश गतिविधियाँ दीर्घकालिक संपत्तियों तथा नकद समकक्षों में न आने वाले निवेशों का अधिग्रहण और निपटान है।

संयुक्त उद्यम: संयुक्त उद्यम एक संयुक्त व्यवस्था है जिसके तहत व्यवस्था के संयुक्त नियंत्रण वाले संगठनों के पास व्यवस्था की निवल संपत्ति के अधिकार हैं।

लिक्विडिटी जोखिम: वह जोखिम है जो एक इकाई जब और जैसे अपेक्षित वित्तीय देयताओं से जुड़े दायित्वों के निर्वहन में अनुभव कर सकती है।

बाजार जोखिम: बाजार मूल्य में परिवर्तन के कारण किसी वित्तीय विलेख के उचित दाम और भावी नकद प्रवाह में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम। बाजार जोखिम तीन प्रकार के होते हैं। मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम, और अन्य कीमत जोखिम।

निवल लाभ / (हानि) मार्जिन (%): यह परिचालनों से प्राप्त राजस्व के प्रतिषत के रूप में उद्यत लाभ को दर्शाता है जिसकी गणना कर पश्चात लाभ को राजस्व परिचालनों से विभाजित करके की जाती है।

शुद्ध वसूली योग्य मूल्य: शुद्ध वसूली योग्य मूल्य व्यापार के सामान्य दौर में अनुमानित विक्रय मूल्य को अनुमानित पूर्णता की लागत व विक्रय के लिए आवश्यक अनुमानित लागत से घटा कर ज्ञात किया जाता है।

निवल मूल्य: किसी इकाई की निवल परिसंपत्तियों के बही मूल्य का इसकी देयताओं से अधिकता निवल मूल्य है। यह शेयर धारकों की निधि के रूप में भी जाना जाता है।

प्रति शेयर निवल मूल्य: प्रति शेयर निवल मूल्य की गणना निवल मूल्य को बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर किया जाता है।

अनियंत्रित हित: किसी मूल कंपनी का एक सहायक कंपनी में इक्विटी स्वामित्व का वह शेयर है जो उस पर एट्रीब्यूट नहीं होता है, मूल कंपनी का नियंत्रण हित (50% से अधिक लेकिन 100% से कम) है और वह सहायक कंपनी के वित्तीय परिणामों को अपने साथ समेकित करता है।

गैर चालू संपत्तियाँ: गैर चालू संपत्ति एक ऐसी संपत्ति है जो तुलन

पत्र की तिथि से एक वर्ष के भीतर अप्रतिबंधित नकदी में परिवर्तित नहीं होने वाली है।

गैर चालू देयताएं: गैर चालू देयताएं वे दायित्व हैं जो एक वर्ष के भीतर निपटान हेतु देय नहीं हैं।

अन्य व्यापक आय (ओसीआई): अन्य व्यापक आय में वे आय और व्यय (पुनःवर्गीकृत समायोजन को मिलाकर) सम्मिलित हैं जो अन्य एंड एस के द्वारा लाभ या हानि के रूप में मान्य न करने हेतु आवश्यक हैं अथवा अनुमत की गई हैं।

परिचालन गतिविधियाँ: परिचालन गतिविधियाँ किसी इकाई की प्रमुख राजस्व उत्पादक गतिविधियाँ एवं अन्य गतिविधियाँ हैं जो निवेश अथवा वित्तीय गतिविधियाँ नहीं हैं।

परिचालन लाभ सीमा(%): लाभप्रदता निष्पादन अनुपात का उपयोग कंपनी के द्वारा उसके परिचालनों से उत्पन्न लाभ का प्रतिषत की गणना हेतु किया जाता है। इसे कर पूर्व लाभ, कर व अन्य आय को परिचालनों से प्राप्त राजस्व को विभाजित कर परिकलित किया जाता है।

परिसंपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर (पीपीई): परिसंपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर (पीपीई) वे मूर्त मदें हैं:

क) उत्पादन, माल अथवा सेवा की आपूर्ति, अन्य, को किराए पर देने, अथवा प्रशासनिक उद्देश्यों के उपयोग हेतु रखी हो, और

ख) जिसे एक से अधिक अवधि के दौरान उपयोग किए जाने की अपेक्षा हो

परिचालनों से राजस्व: एक इकाई की सामान्य गतिविधियों के दौरान उत्पन्न होने वाली अवधि में आर्थिक लाभ का सकल प्रवाह इक्विटी में जो वृद्धि करते हैं, इक्विटी प्रतिभागियों से अंशदान से संबंधित वृद्धि के अलावा।

शुद्ध मूल्य पर प्रतिफल(%): शुद्ध मूल्य पर प्रतिफल किसी कंपनी की लाभप्रदता आंकलन का एक मापक है, जिसकी गणना शुद्ध लाभ को औसत शुद्ध मूल्य (ओसीआई को हटाकर) से विभाजित करके की जाती है।

परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार: वह परिसंपत्ति जो पट्टा अवधि के लिए निर्धारित किसी परिसंपत्ति के उपयोग हेतु, किसी पट्टेदार के अधिकार को दर्शाती है।

सहायक कंपनी: सहायक कंपनी एक ऐसी कंपनी है जिसका स्वामित्व व नियंत्रण किसी अन्य कंपनी के द्वारा किया जाता है, जो कि मूल कंपनी या धारक कंपनी कहलाती है।

कुल व्यापार प्राप्य: प्राप्य राशियाँ किसी इकाई का प्रतिफल हेतु बिना शर्त का अधिकार है। प्रतिफल का अधिकार बिना शर्त के तभी है जब उस प्रतिफल के पूर्व समय की आवश्यकता हो।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

(सीआईएन: L74899DL1964GOI004281)

पंजीकृत कार्यालय: बीएचईएल, हाउस, सीरीफोर्ट, नई दिल्ली –110049

फोन— 011—66337000, फेक्स: 011—66337428—110049

वेबसाइट: www.bhel.com, ईमेल: shareholderquery@bhel.in

सूचना

एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के सदस्यों की 58वीं वार्षिक आम सभा गुरुवार, 29 सितम्बर, 2022 को भारतीय समयानुसार प्रातः 10 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो विजुअल (वीसी) माध्यमों से निम्नलिखित कार्यनिष्पादन हेतु आयोजित की जाएगी: -

सामान्य कार्य

1. 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कम्पनी के लेखापरीक्षा किए हुये एकल एवं समेकित विवरणों निदेशक रिपोर्ट व उस पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट को प्राप्त करना, विचार करना एवं उसे स्वीकृत करना।
2. वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए लाभांश घोषित करना।
3. सुश्री रेणुका गेरा (डीआईएन: 08970501) के स्थान पर एक निदेशक नियुक्त करना जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रही हैं और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति हेतु प्रस्ताव दे रही हैं।
4. श्री सुबोध गुप्ता (डीआईएन: 08113460) के स्थान पर एक निदेशक नियुक्त करना जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति हेतु प्रस्ताव दे रहे हैं।
5. वर्ष 2022-23 के लिए लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक तय करने हेतु निदेशक मण्डल को प्राधिकृत करना।

विशेष कार्य

6. सामान्य संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना एवं उचित समझे जाने पर संशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना:

“संकल्प किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के प्रावधानों तथा अन्य लागू प्रावधानों एवं कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक) अधिनियम 2014 (किसी भी संवैधानिक सुधारों तथा इसके पुनः प्रवर्तन सहित वर्तमान में लागू) के अनुपालन में निदेशक मण्डल द्वारा नियुक्त लेखापरीक्षकों को 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष में कंपनी के व्ययों का लेखापरीक्षा करने हेतु लेखापरीक्षकों को पारिश्रमिक दिया जाएगा, जैसाकि इस बैठक की सूचना के साथ संलग्न विवरण

में निर्धारित किया गया है और कंपनी के शेयर होल्डरों द्वारा मंजूर किया गया है।”

“यह भी संकल्प किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल को एतद् द्वारा इस तरह के सभी कार्यों को करने एवं ऐसे सभी उपाय अपनाने हेतु प्राधिकृत किया जाता है, जो इस संकल्प को प्रभाव में लाने हेतु आवश्यक, उचित या प्रभावी हो सकते हैं।”

7. सामान्य संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना एवं उचित समझे जाने पर संशोधन सहित अथवा रहित विशेष संकल्प के रूप में उसे पारित करना:

“यह संकल्प किया जाता है कि डॉ. राज कुमार अग्रवाल (डीआईएन: 00001415) जिन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 149 व 161 (1) के साथ पठित अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसार दिनांक 09.11.2021 से इस वर्ष की आम सभा होने तक अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 (1) के अनुसरण में स्वयं निदेशक की लिखित सूचना प्राप्त हुई है, को एतद् द्वारा द्वितीय कार्यकाल हेतु कंपनी का स्वतंत्र निदेशक पुनः नियुक्त किया जाता है।”

8. सामान्य संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना एवं उचित समझे जाने पर संशोधन सहित अथवा रहित उसे विशेष संकल्प के रूप में पारित करना:

“यह संकल्प किया जाता है कि डॉ. शिवप्रसाद कोडुंगल्लूर (डीआईएन: 09392812) जिन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 149 व 161 (1) के साथ पाठित अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसार दिनांक 09.11.2021 से इस वर्ष की आम सभा होने तक अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 (1) के अनुसरण में स्वयं निदेशक की लिखित सूचना प्राप्त हुई है, को एतद् द्वारा द्वितीय कार्यकाल हेतु कंपनी का स्वतंत्र निदेशक पुनः नियुक्त किया जाता है।”

9. सामान्य संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना एवं उचित समझे जाने पर संशोधन सहित अथवा रहित उसे विशेष संकल्प के रूप में पारित करना:

“यह संकल्प किया जाता है कि डॉ लेखाश्री सामंतसिंघार (डीआईएन: 09392192) जिन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 149 व 161 (1) के साथ पठित अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसार दिनांक 09.11.2021 से इस वर्ष की आम सभा होने तक अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 (1) के अनुसरण में स्वयं निदेशक की लिखित सूचना प्राप्त हुई है, को एतद द्वारा द्वितीय कार्यकाल हेतु कंपनी का स्वतंत्र निदेशक पुनः नियुक्त किया जाता है।”

10. सामान्य संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना एवं उचित समझे जाने पर संशोधन सहित अथवा रहित उसे विशेष संकल्प के रूप में पारित करना:

“यह संकल्प किया जाता है कि श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव (डीआईएन: 09703643) जिन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 149 व 161 (1)

के साथ पाठित अनुच्छेद 67 ((iv)) के अनुसार दिनांक 09.11.2021 से इस वर्ष की आम सभा होने तक अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 (1) के अनुसरण में स्वयं निदेशक की लिखित सूचना प्राप्त हुई है, को एतद द्वारा द्वितीय कार्यकाल हेतु कंपनी का स्वतंत्र निदेशक पुनः नियुक्त किया जाता है।”

निदेशक मण्डल के आदेश से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 26 अगस्त, 2022

टिप्पणियां:

1. कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने दिनांक 08.04.2020, 13.04.2020 और 05.05.2020 के परिपत्रों के साथ पठित परिपत्र दिनांक 05.05.2022 (समग्र रूप से एमसीए परिपत्र के रूप में संदर्भित) के द्वारा सार्वजनिक स्थान पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/ अन्य ऑडियो विजुअल (वीसी) माध्यमों से वार्षिक आम सभा का आयोजन करने की अनुमति दी है। एमसीए परिपत्रों के, कंपनी अधिनियम, 2013 और भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सूचीयन बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 (सेबी सूचीयन विनियम), के प्रावधानों के अनुरूप कंपनी की वार्षिक आम सभा वीसी के माध्यम से आयोजित की जा रहा है। वार्षिक आम सभा का आयोजन स्थल कंपनी का पंजीकृत कार्यालय होगा।
2. उपरोक्त एमसीए परिपत्रों और सेबी परिपत्र दिनांक 13.05.2022 के अनुपालन में, वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 के साथ एजीएम की सूचना केवल उन्हीं सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से भेजी जा रही है, जिनके ईमेल पते कंपनी / डिपॉजिट्रिज के साथ पंजीकृत हैं। सदस्य ध्यान दें कि सूचना और वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 कंपनी (www.bhel.com), बीएसई लिमिटेड (www.bseindia.com), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (www.nseindia.com) की वेबसाइटों और ई-वोटिंग एजेंसी, नेशनल सिक्क्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड की वेबसाइट <https://www.evoting.nsdl.com> पर भी उपलब्ध होगी। वार्षिक रिपोर्ट के साथ एजीएम नोटिस की भौतिक प्रति उन सदस्यों को भेजी जाएगी जिन्होंने इसके लिए अनुरोध किया है।
3. कंपनी से इलेक्ट्रॉनिक रूप से सभी संचार (नोटिस, वार्षिक रिपोर्ट और ई-वोटिंग निर्देश के साथ यूजर आईडी और पासवर्ड) प्राप्त करने के लिए कृपया नोटिस के साथ संलग्न निर्देशों को देखें।
4. कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार, वार्षिक आम सभा में उपस्थित होने और मतदान करने का हकदार सदस्य, अपनी ओर से उपस्थित होने और उसके स्थान पर मतदान करने के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने का पात्र होता है और प्रतिनिधि को कंपनी का सदस्य होने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि यह वार्षिक आम सभा एमसीए परिपत्रों के अनुपालन में वीसी के माध्यम से आयोजित की जा रही है, सदस्यों की प्रत्यक्ष उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है। तदनुसार, वार्षिक आम सभा के लिए सदस्यों को प्रतिनिधि की नियुक्ति की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी और इसलिए प्रतिनिधि फॉर्म और उपस्थिति सूची इस सूचना के साथ संलग्न नहीं हैं।
5. चूंकि यह वार्षिक आम सभा वीसी के माध्यम से आयोजित की जाएगी, इसलिए बैठक स्थल का मानचित्र भी इसके साथ संलग्न नहीं है।
6. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 103 के अनुसार वीसी के माध्यम से सदस्यों की उपस्थिति वार्षिक आम सभा की गणपूर्ति (कोरम) के प्रयोजन हेतु मान्य की जाएगी।
7. कॉर्पोरेट / संस्थागत सदस्यों (अर्थात् व्यक्तियों, एचयूएफ, एनआरआई, आदि के अतिरिक्त) को अधिकृत प्रतिनिधियों के विधिवत सत्यापित नमूना हस्ताक्षरों सहित बोर्ड के रिजॉल्यूशन/अथॉरिटी लेटर आदि की स्कैन की हुई प्रमाणित सत्य प्रति (पीडीएफ फाइल) संवीक्षक को ashugupta.cs@gmail.com पर भेजना और evoting@nsdl.co.in को कॉपी करना आवश्यक है।
8. संस्थागत निवेशकों की श्रेणी के कंपनी के सदस्यों को वार्षिक आम सभा में उपस्थित होने और मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

9. उपरोक्त विशेष कार्यों के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102 (1) के अनुपालन में प्रासंगिक व्याख्यात्मक विवरण, भी इसके साथ संलग्न है।
10. सुश्री रेणुका गेरा और श्री सुबोध गुप्ता, निदेशक, चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने के नाते, खुद की पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्ताव रखते हैं। हालांकि, उनकी नियुक्ति की शर्तों के अनुसार, कंपनी के निदेशक के रूप में सुश्री रेणुका गेरा का कार्यकाल (अर्थात् उनकी सेवानिवृत्ति) 31.08.2023 को हो जाएगा, जबकि श्री सुबोध गुप्ता का कार्यकाल 17.04.2023 (तारीख से पांच वर्ष) को समाप्त होगा। पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्तावित प्रत्येक निदेशक का संक्षिप्त विवरण सूचना के अनुलग्नक में दिया गया है।
11. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 125 के साथ पठित कंपनी अधिनियम की धारा 124 के अनुपालन में 7 वर्षों की अवधि तक अदत्त/अदावाकृत लाभांश राशि को केन्द्र सरकार द्वारा गठित निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में अंतरित करना अपेक्षित है। तदनुसार, वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए अंतिम लाभांश जो दावा न किया गया हो, को उक्त खाते में दिनांक 22.10.2022 को अंतरित किया जाना प्रस्तावित है।

जिन सदस्यों ने 31.03.2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष या उसके बाद के किसी वित्तीय वर्ष के लिए अब तक अपने लाभांश का दावा/नकदीकरण नहीं किया है, वे निर्धारित 7 वर्षों की अवधि की समाप्ति से पहले भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी से संपर्क कर सकते हैं।
12. कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी पर 20% (0.40 रुपये प्रति शेयर) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह अंतिम लाभांश, यदि शेयरधारकों द्वारा एजीएम में अनुमोदित किया जाता है, तो लाभांश की घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर यानी 28 अक्टूबर, 2022 को या उससे पहले उन सदस्यों को देय होगा, जिन सदस्यों के नाम रिकॉर्ड तिथि यानी शुक्रवार 16 सितंबर 2022 को कंपनी के रजिस्टर/लाभार्थियों की सूची में शामिल हैं।

लाभांश आय, जो शेयरधारकों को मिलेगी, कर योग्य है और कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 (आईटी अधिनियम) में निर्धारित दरों पर सदस्यों को भुगतान किए गए लाभांश से स्रोत पर कर (टीडीएस) काटना आवश्यक है। भविष्य में कंपनी द्वारा घोषित लाभांश के संबंध में टीडीएस आवश्यकताओं के अनुपालन को सक्षम करने के लिए, सदस्यों से अनुरोध है कि वे वार्षिक आधार पर फॉर्म 15जी/15एच जमा करें और अपने डिपॉजिटरी के साथ आईटी अधिनियम के अनुसार अपनी आवासीय स्थिति, पैन, श्रेणी के बारे में प्रतिभागियों या भौतिक रूप में धारित शेयरों के मामले में, कंपनी/रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट के पास विवरण अपडेट करें। ताकि भविष्य में कंपनी द्वारा किए गए लाभांश भुगतान के संबंध में लागू दरों के अनुसार स्रोत पर कर, यदि कोई हो, काटा जा सके।
13. सेबी लिस्टिंग विनियमों के अनुपालन में, सभी सूचीबद्ध कंपनियां लाभांश भुगतान के लिए आरबीआई द्वारा अनुमोदित भुगतान सुविधा जैसे कि ईसीएस / एनईसीएस / डायरेक्ट क्रेडिट आदि किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मोड का उपयोग करेंगी। सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे अपना नेशनल इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस/इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस (एनईसीएस) अधिकार पत्र हेतु विधिवत भरा हुआ व हस्ताक्षरित फार्म (वार्षिक रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया) जमा करें ताकि कंपनी द्वारा ईसीएस के माध्यम से धनराशि खातों में जमा की जा सके।

14. सदस्यों से अनुरोध है कि वे पता और एनईसीएस/ईसीएस विवरण सहित अन्य संबंधित पत्राचार में किसी भी परिवर्तन को तत्काल सूचित करें और स्थायी खाता संख्या (पैन) प्रस्तुत करें:-

i. अपने इलेक्ट्रॉनिक शेयर खातों के संबंध में अपने डिपोजिट्री भागीदार (डीपी) को, और

ii. कंपनी को उसके पंजीकृत कार्यालय में या रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट, मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड (4ई/2, अलंकित हाउस, इंडेवाला एक्सटेंशन, नई दिल्ली -110055) को उनके भौतिक शेयरों के संबंध में, निर्धारित फॉर्म **ISR-1** में और सेबी के परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/एमआईआरएसडी/एमआईआरएसडी आरटीएमबी/पी/सीआईआर/2021/655 दिनांक 3 नवंबर, 2021 के अनुसार कंपनी ने आवश्यक विवरण प्रस्तुत करने के लिए पत्र भेजे हैं। प्रपत्रों का प्रारूप www.bhel.com/shareholders-information पर भी उपलब्ध है।

15. सदस्य कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 72 के अनुरूप ऐसे किसी व्यक्ति को मनोनीत करते हुए नामांकन की सुविधा का लाभ ले सकते हैं जिन्हें, उनकी मृत्यु की दशा में, कंपनी में उनके शेयर विहित होंगे।

16. कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 142 (1) के साथ पठित धारा 139 (5) के अनुसरण में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा किसी सरकारी कंपनी के लेखा परीक्षक नियुक्त किए जाते हैं और उनका पारिश्रमिक वार्षिक आम बैठक में कंपनी द्वारा नियत किया जाता है। शेयरधारक मण्डल को 2022-23 के लेखापरीक्षकों का उपयुक्त पारिश्रमिक जो मण्डल द्वारा उचित समझा जाए, नियत करने के लिए निदेशक मंडल को प्राधिकृत कर सकते हैं।

17. वार्षिक आम सभा के दौरान सदस्यों द्वारा निरीक्षण के लिए निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों एवं इनकी शेयर धारिता का रजिस्टर अधिनियम की धारा 170 के अंतर्गत, अनुबंधों या व्यवस्थाओं, जिसमें निदेशक रुचि रखते हैं का रजिस्टर अधिनियम की धारा 189 के अंतर्गत बनाया गया है, और सूचना में संदर्भित प्रासंगिक दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध होंगे।

18. नोटिस में उल्लिखित सभी दस्तावेज इस नोटिस के जारी होने की दिनांक से वार्षिक आम सभा की दिनांक तक सदस्यों द्वारा निःशुल्क निरीक्षण हेतु इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध होंगे। इन दस्तावेजों का निरीक्षण करने के इच्छुक सदस्य shareholderquery@bhel.in पर ईमेल भेज सकते हैं।

19. कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 की धारा 20 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 तथा सूचीयन विनियम के उपबंध 44 के अनुसरण में कंपनी अपने सदस्यों को वार्षिक आम सभा में पारित किए जाने वाले प्रस्तावित संकल्पों के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग इलेक्ट्रॉनिक विधि से करने की सुविधा मैसर्स के. फिन टेक्नोलोजीस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से उपलब्ध करवा रही है। जिन सदस्यों के नाम 22 सितंबर, 2022 (अंतिम तिथि) को सदस्यों के रजिस्टर/लामार्थी स्वामियों की सूची में हैं, वे ई-वोटिंग/एजीएम में मतदान करने हेतु पात्र होंगे और ऐसे व्यक्ति जो अंतिम तिथि को सदस्य नहीं हैं वे इस सूचना को केवल जानकारी के उद्देश्य से लें। ई-वोटिंग की अवधि सोमवार, 26 सितंबर, 2022 प्रातः 09.00 से आरंभ होगी और बुधवार, 28 सितंबर, 2022

सायं 05.00 बजे समाप्त होगी। ई-वोटिंग मॉड्यूल 28 सितंबर, 2022 को सायं 05.00 बजे बंद हो जाएगा। शेयरधारक द्वारा किसी संकल्प पर एक बार मतदान किए जाने के उपरांत, बाद में शेयरधारक को इसमें परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी। शेयरधारकों को मतदान का अधिकार अंतिम तिथि 22 सितंबर, 2022 की स्थिति के अनुरूप में कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी में उनके अंश के समानुपात में होगा।

20. ऐसे सदस्य जिन्होंने अपना मत ई रिमोट से एजीएम के पहले किया हो और वे बैठक में उपस्थित रहे हैं तो उनको पुनः मतदान करने का अधिकार नहीं होगा।

21. इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली के माध्यम से मतदान (तात्क्षणिक मतदान) करने की सुविधा वार्षिक आम सभा में उपलब्ध कराई जाएगी और सुविधा वार्षिक आम सभा में भाग लेने वाले सदस्य जिन्होंने ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाला है, वे तात्क्षणिक मतदान के माध्यम से बैठक में मतदान कर सकेंगे।

22. कंपनी ने मैसर्स आशु गुप्ता एंड कंपनी, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरीज की कंपनी सचिव (एफसीएस नंबर 4123, सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस नंबर 6646) सुश्री आशु गुप्ता जो कि व्यावसायिक कम्पनी सचिव हैं, को एजीएम में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से ई-वोटिंग और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग रिमोट की प्रक्रिया की जांच के लिए एक स्कूटिनाइजर के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया है। संवीक्षक, एजीएम में मतदान के समापन के तुरंत बाद, बैठक में डाले गए वोटों और रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से डाले गए वोटों की जांच करेगा, पक्ष या विपक्ष में डाले गए कुल वोटों, यदि कोई हो, की एक समेकित जांचकर्ता रिपोर्ट तैयार करके अध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा। संवीक्षक की रिपोर्ट के साथ परिणाम बैठक के समापन के दो कार्य दिवसों के भीतर घोषित किए जाएंगे और यह कंपनी की वेबसाइट (www.bhel.com) और ई-वोटिंग एजेंसी की वेबसाइट (www.evoting.nsdl.com) पर अध्यक्ष/उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा लिखित रूप में परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद उपलब्ध कराया जाएगा। परिणाम भी तुरंत स्टॉक एक्सचेंजों को अग्रेषित किए जाएंगे।

23. वीसी के माध्यम से वार्षिक आम सभा में शामिल होने, दूरस्थ ई-वोटिंग एवं बैठक में (तात्क्षणिक मतदान) की प्रक्रिया के साथ इससे संबंधित शिकायतों की सुनवाई के लिए संपर्क विवरण सूचना के साथ संलग्न निर्देशों में उपलब्ध कराये गए हैं।

निदेशक मण्डल के आदेश से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 26 अगस्त 2022

सूचना का अनुलग्नक

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 102(1) के अनुपालन में व्याख्यात्मक विवरण

निम्नलिखित व्याख्यात्मक विवरण 26 अगस्त, 2022 की संलग्न सूचना के मद संख्या 6 से 10 में उल्लिखित व्यवसाय से संबंधित वास्तविक तथ्यों को दर्शाया गया है।

मद सं.6

कंपनी (लेखा परीक्षा एवं लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के अनुसार निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एवं उसके बाद सदस्यों द्वारा पुष्टि किया जाने वाला पारिश्रमिक दिया जाना आवश्यक है।

लेखा परीक्षा समिति की अनुपंसा के आधार पर निदेशक मंडल ने 04 अगस्त 2022 को आयोजित बैठक में ₹ 15.76 लाख के कुल पारिश्रमिक पर नियुक्ति के लिए सात लागत लेखाकारों/फर्मों के नामों को निम्नानुसार अनुमोदित किया है:

(₹ लाख में)

क्र. सं.	लागत लेखा परीक्षकों का नाम	इकाई	वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए पारिश्रमिक
1	मेसर्स शोम एवं बनर्जी, दिल्ली (लीड कॉस्ट ऑडिटर)	समेकित लेखा परीक्षा रिपोर्ट	1.01
		झाँसी	0.81
		एचईआरपी वाराणसी	0.40
		भोपाल	2.01
2	मेसर्स विजेंदर शर्मा एंड कंपनी, दिल्ली	हीप हरिद्वार	2.01
		सीएफएफपी हरिद्वार	0.40
3	मेसर्स केआरजे एंड एसोसिएट्स, हैदराबाद	हैदराबाद	2.01
4	मेसर्स सुब्रमण्यम राजगोपाल एंड एसोसिएट्स, तिरुचिरापल्ली	त्रिची	2.67
		बीएपी रानीपेट	1.33
5	मेसर्स मूर्ति एंड कंपनी एलएलपी, बेंगलुरु	एसबीडी बेंगलुरु	0.53
		ईडीएन बेंगलुरु	0.67
6	मेसर्स पालीवाल एंड एसो. सिएट्स, लखनऊ	आईवीपी गोइंदवाल	0.40
		एफएसआईपी जगदीशपुर	0.61
		सीएफपी रुद्रपुर	0.40
7	मेसर्स उप्पलपति एंड एसोसिएट्स, विशाखापत्तनम	एचपीवीपी विशाखापत्तनम	0.53
कुल			15.76

उपर्युक्त शुल्क लागू करें और अन्य व्ययों जो अतिरिक्त रूप से देय हैं, को छोड़कर हैं।

तदनुसार, सदस्यों से अनुरोध है कि वे 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए लागत लेखा परीक्षकों को देय पारिश्रमिक की पुष्टि करें।

कंपनी का कोई भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार किसी प्रकार से मद क्रमांक 6 में पारित संकल्प से वित्तीय या अन्यथा प्रकार से संबंधित नहीं हैं और न ही इसमें उनका कोई हित है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए संकल्प की अनुशंसा की।

मद सं.7

डॉ. राजकुमार अग्रवाल (डीआईएन: 00001415), जिनकी आयु 60 वर्ष है, को 9 नवंबर 2021 को बीएचईएल के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल किया गया है।

डॉ. राज कुमार अग्रवाल वाणिज्य में स्नातक हैं और उन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से एम. कॉम किया है। वे इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (1983 में ऑफ इंडिया में 27 वीं रैंक प्राप्त की थी) और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (1983 में ऑल इंडिया में 2 रैंक प्राप्त करने वाले) के फेलो सदस्य हैं। उन्होंने 1995 में एलएलबी और 2015 में एलएलएम भी किया है। डॉ. राज कुमार अग्रवाल को 2008 में 'सोशल रिसर्पोन्सिबिलिटी इन बिजनेस' पर पीएचडी की डिग्री से सम्मानित किया गया था।

डॉ. अग्रवाल के पास कॉरपोरेट्स के लिए आयकर सर्वेक्षण, खोज और जब्ती मामले, कर योजना और रणनीतिक व्यापार योजना के क्षेत्रों में एक विविध और व्यापक अनुभव है। उन्होंने व्यावसायिक पत्रिकाओं (जैसे: सीए जर्नल) और सरकारी आधिकारिक वेबसाइटों (जैसे ITATONLINE-ORG) में प्रकाशित व्यावसायिक विषयों पर विभिन्न लेख लिखे हैं और कराधान, कर लेखा परीक्षा, लेखा मानकों पर संस्थानों और व्यापार मंडलों द्वारा आयोजित विभिन्न सेमिनारों में, सामरिक योजना और आर्थिक विश्लेषण आदि पर प्रस्तुतियां भी दी हैं।

डॉ. राज कुमार अग्रवाल राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एनआईएफएम), फरीदाबाद प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई), गुडगांव राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (एनएडीटी), नागपुर और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफआईए) सहित प्रबंधन के विभिन्न संस्थानों में अतिथि संकाय सदस्य भी रहे हैं। उन्होंने डॉ. राकेश गुप्ता के साथ विभिन्न पुस्तकों का सह-लेखन भी किया है: 1) टैक्समैन द्वारा 2011 में प्रकाशित आयकर खोज और जब्ती और 2) जनवरी 2016 में टैक्समैन द्वारा प्रकाशित रियल एस्टेट डेवलपर्स और संयुक्त विकास व्यवस्था का कराधान।

डॉ. अग्रवाल वर्ष 2000 में फरीदाबाद इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। वे वर्ष 2003 के दौरान द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष थे और द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया में विशेषज्ञ सदस्य भी थे। वर्ष 2003 के दौरान सलाहकार समिति 2007 से 2009 तक लेखा मानक बोर्ड और 2010 के दौरान प्रत्यक्ष कराधान समिति। वे 2017 और 2018 के दौरान भारतीय वित्त सलाहकार समिति के अध्यक्ष भी थे।

डॉ. राज कुमार अग्रवाल आरआरए, म्यूचुअल बेंफिट फंड लिमिटेड, कॉरपोरेट प्रोफेशनल्स कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, थर्ड वेव एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, आरआरए फाउंडेशन और एग्रीमा इफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक हैं।

डॉ. राज कुमार अग्रवाल की नियुक्ति 01.11.2024 तक या अगले आदेश तक है। एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में, वे बोर्ड की बैठकों और बोर्ड स्तर की समिति की बैठकों के लिए बैठक शुल्क लेने के हकदार हैं, जिसमें उन्होंने भाग लिया था।

डॉ. राज कुमार अग्रवाल का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों/प्रबंधकों/प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ कोई संबंध नहीं है।

डॉ. राज कुमार अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित चार बोर्ड बैठकों में भाग लिया।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 के साथ कंपनी एसोसिएशन के लेख के अनुच्छेद 67 (iv) के आधार पर, डॉ. राज कुमार अग्रवाल आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक इस पद पर बने रहने और नियुक्ति के लिए पात्र हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 के अनुसार, कंपनी को कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के कार्यालय के लिए डॉ. राज कुमार अग्रवाल की उम्मीदवारी का प्रस्ताव करते हुए एक लिखित नोटिस प्राप्त हुआ है।

कंपनी को डॉ. राज कुमार अग्रवाल से एक घोषणा पत्र प्राप्त हुआ है कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6) और सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियम 16 के तहत निर्धारित स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं। उनकी विशाल विशेषज्ञता और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए, यह कंपनी के हित में होगा कि डॉ. राज कुमार अग्रवाल को एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है और उनके पास भूमिका के लिए आवश्यक कौशल और क्षमताएं हैं। बोर्ड की राय में, डॉ. राज कुमार अग्रवाल कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपनी नियुक्ति के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और प्रबंधन से स्वतंत्र हैं।

डॉ. राज कुमार अग्रवाल को छोड़कर, नियुक्त होने के नाते, कंपनी का कोई भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार वित्तीय या अन्यथा किसी भी प्रकार से, मद क्रमांक 7 में पारित संकल्प से संबंधित या हितबद्ध नहीं हैं।

निदेशक मंडल ने शेरधारकों द्वारा अनुमोदन किए जाने हेतु संकल्प की अनुषंसा की।

मद सं. 8

प्रो. डॉ. शिवप्रसाद कोडुंगल्लूर (डीआईएन: 09392812), जिनकी आयु 56 वर्ष है, को 9 नवंबर, 2021 को बीएचईएल के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल किया गया था।

डॉ. के. शिवप्रसाद कोच्चि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि से नौसेना वास्तुकला और जहाज निर्माण में प्रौद्योगिकी स्नातक हैं। उन्होंने ब्रिटिश कॉमनवेल्थ स्कॉलरशिप के तहत यूनिवर्सिटी ऑफ स्ट्रैथक्लाइड, ग्लासगो, यूके से शिप प्रोडक्शन में एमएससी की स्नातकोत्तर डिग्री पूरी की। डॉ. शिवप्रसाद ने कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि से डॉक्टरेट की उपाधि भी प्राप्त की है।

डॉ. शिवप्रसाद के पास नौसेना वास्तुकला और जहाज निर्माण, समुद्री प्रौद्योगिकी, सतत विकास के लिए इंजीनियरिंग, अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन, हरित प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी और शैक्षणिक अनुसंधान में शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्रों में विविध और व्यापक अनुभव है।

सलाहकार के रूप में, डॉ. के. शिवप्रसाद ने बंदरगाह विभाग, केरल सरकार, समुद्री विकास बोर्ड, केरल, केरल पर्यटन विकास निगम, वन विभाग, केरल सरकार और जल परिवहन विभाग, केरल सरकार में कार्य किया है। वे आगंतुक के नामिती के रूप में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद और न्यायालय के सदस्य रहे हैं। वर्तमान में डॉ. के. शिवप्रसाद भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के अनुसंधान बोर्ड, भारतीय मानक ब्यूरो, अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केरल के अध्ययन बोर्ड और अल्पसंख्यक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय निगरानी समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य हैं। वे भारत सरकार के रक्षा अनुसंधान और

विकास संगठन के विशेषज्ञ समिति के सदस्य भी हैं। डॉ. के. शिवप्रसाद क्लास एनके, जापानी शिप क्लासिफिकेशन सोसाइटी की भारत तकनीकी समिति में शिक्षाविदों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में, वे जहाज प्रौद्योगिकी विभाग, कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि, केरल में प्रोफेसर हैं।

डॉ. के. शिवप्रसाद की नियुक्ति 01.11.2024 तक या अगले आदेश तक है। एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में, वे बोर्ड की बैठकों और बोर्ड स्तर की समिति की बैठकों के लिए बैठक शुल्क लेने के हकदार हैं, जिसमें उन्होंने भाग लिया था।

डॉ. के. शिवप्रसाद का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों/प्रबंधक/प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ कोई संबंध नहीं है।

डॉ. के. शिवप्रसाद ने वित्त वर्ष 2021-22 में अपने कार्यकाल के दौरान आयोजित चार बोर्ड बैठकों में भाग लिया है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 के साथ कंपनी एसोसिएशन के अनुच्छेद 67 (iv) के आधार पर, डॉ. के. शिवप्रसाद आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद पर रहते हैं और नियुक्ति के लिए पात्र हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 की आवश्यकता के अनुसार, कंपनी को कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के कार्यालय के लिए डॉ. के. शिवप्रसाद की उम्मीदवारी का प्रस्ताव करते हुए एक लिखित नोटिस प्राप्त हुआ है।

कंपनी को डॉ. के. शिवप्रसाद से एक घोषणा पत्र प्राप्त हुआ है कि वह कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6) और सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियम 16 के तहत निर्धारित स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं। उनकी गहन विशेषज्ञता और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए, यह कंपनी के हित में होगा कि डॉ. के. शिवप्रसाद को एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है और उनके पास भूमिका के लिए आवश्यक कौशल और क्षमताएं हैं। बोर्ड की राय में, डॉ. के. शिवप्रसाद कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपनी नियुक्ति के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और प्रबंधन से स्वतंत्र हैं।

डॉ. शिवप्रसाद कोडुंगल्लूर को छोड़कर, नियुक्त होने के नाते, कंपनी का कोई भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार वित्तीय या अन्यथा किसी भी प्रकार से, मद क्रमांक 8 में पारित संकल्प से संबंधित या हितबद्ध नहीं हैं।

निदेशक मंडल ने शेरधारकों द्वारा अनुमोदन किए जाने हेतु संकल्प की अनुषंसा की।

मद सं. 9

डॉ. लेखाश्री सामंतसिंधार (डीआईएन: 09392192), जिनकी आयु 51 वर्ष है, को 9 नवंबर, 2021 को बीएचईएल के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल किया गया था।

डॉ. लेखाश्री उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, ओडिशा से पर्यावरण विज्ञान में पीएचडी हैं, जो अपशिष्ट प्रबंधन, सतत विकास और पर्यावरण प्रदूषण के मुद्दों में विशेषज्ञता रखते हैं। एक मेधावी छात्र के रूप में, वह अपने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों अध्ययनों में स्वर्ण पदक विजेता रहे हैं।

पन्द्रह साल के शिक्षण और शोध करियर के साथ, डॉ. लेखाश्री सामंतसिंधारी ने विभिन्न सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में काम किया है, जब तक कि उन्होंने सार्वजनिक सेवा को आगे बढ़ाने के लिए रेवांषा विश्वविद्यालय, कटक

के सहायक प्रोफेसर के पद से इस्तीफा नहीं दे दिया।

डॉ लेखाश्री ने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों को जूलाँजी, पर्यावरण विज्ञान, विकास जीवविज्ञान और अपशिष्ट प्रबंधन पढ़ाया है। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण, अपशिष्ट से ऊर्जा और शहरी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर मुख्य ध्यान देने के साथ अनुसंधान में सक्रिय रुचि ली है। उनके पास इस विषय पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहकर्म समीक्षा पत्रिकाओं में नौ प्रकाशन हैं और उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। उन्होंने कई मास्टर्स, एम फिल और पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन किया है और कई सम्मेलनों का आयोजन किया है और कार्यवाही का संपादन किया है। उसकी पर्यावरण संबंधी सक्रियता उनके शुरुआती कैरियर दिनों के दौरान शुरू हुई जब उन्होंने WWF के साथ काम किया। तब से लगातार उनका जुनून बरकरार है। उन्हें वर्ष 2016 के लिए भारत सरकार द्वारा बुनियादी ढांचा विकास, तटीय विनियमन क्षेत्र, भवन / निर्माण, औद्योगिक संपदा और विविध परियोजनाओं से संबंधित परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

अपनी पोस्ट-एजुकेशन भूमिका में, डॉ लेखाश्री सामाजिक मुद्दों में गहराई से जुड़ी हुई हैं और राष्ट्र निर्माण के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। वह ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ अपराध को रोकने और कार्यस्थल को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने के आंदोलन में सबसे आगे रही हैं। पिछले छह वर्षों से, उसने अपराध और पुलिस और प्रशासनिक उदासीनता के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ओडिशा की लंबाई और चौड़ाई का दौरा किया है। वह पीड़ितों को न्याय और मुआवजा देने में सक्षम रही हैं और कई मामलों में अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया है। वह पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन, याचिका, कानूनी सहारा और बातचीत जैसे सभी तरीकों का इस्तेमाल करती रही हैं।

डॉ लेखाश्री एक अच्छी आयोजक रही हैं और उन्होंने संगीत या विज्ञान में कई राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए हैं। उन्होंने रेनफॉ विश्वविद्यालय में अपने कार्यकाल के दौरान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नीति और प्रशासनिक क्षेत्र में काम किया है। वह राष्ट्रीय पर्यावरणविद संघ, ओडिशा विज्ञान अकादमी और प्छज्ब की आजीवन सदस्य हैं। वह एक कुशल चित्रकार हैं और उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों का आयोजन किया है।

डॉ लेखाश्री सामंतसिंधारी की नियुक्ति 01.11.2024 तक या अगले आदेश तक है। एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में, वह बोर्ड की बैठकों और बोर्ड स्तर की समिति की बैठकों के लिए बैठक शुल्क लेने के हकदार हैं, जिसमें उन्होंने भाग लिया था।

डॉ लेखाश्री सामंतसिंधारी का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों/प्रबंधक/प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ कोई संबंध नहीं है।

डॉ लेखा श्री सामंतसिंधार ने वित्त वर्ष 2021-22 में अपने कार्यकाल के दौरान आयोजित चार बोर्ड बैठकों में भाग लिया है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 के साथ कंपनी एसोसिएशन के अनुच्छेद 67 (iv) के आधार पर, डॉ लेखाश्री सामंतसिंधारी आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद पर रहते हैं और नियुक्ति के लिए पात्र हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 की आवश्यकता के अनुसार, कंपनी को कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के कार्यालय के लिए डॉ लेखाश्री सामंतसिंधारी की उम्मीदवारी

का प्रस्ताव करते हुए एक लिखित नोटिस प्राप्त हुआ है।

कंपनी को डॉ लेखाश्री सामंतसिंधार से एक घोषणा पत्र प्राप्त हुआ है कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6) और सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियम 16 के तहत निर्धारित स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं। उनकी विशाल विशेषज्ञता और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए, यह कंपनी के हित में होगा कि डॉ लेखाश्री सामंतसिंधार को एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है और उनके पास भूमिका के लिए आवश्यक कौशल और क्षमताएं हैं। बोर्ड की राय में, डॉ लेखाश्री सामंतसिंधार कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपनी नियुक्ति के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और प्रबंधन से स्वतंत्र हैं।

डॉ लेखाश्री सामंतसिंधार को छोड़कर, नियुक्त होने के नाते, कंपनी का कोई भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार वित्तीय या अन्यथा किसी भी प्रकार से, मद क्रमांक 9 में पारित संकल्प से संबंधित या इच्छुक नहीं है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन किए जाने हेतु संकल्प की अनुपंसा की।

मद सं.10

श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव (डीआईएन: 09703643), जिनकी आयु 57 वर्ष है, को 12 अगस्त 2022 को बीएचईएल के बोर्ड में निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) के रूप में शामिल किया गया है।

श्री श्रीवास्तव IIT रुड़की से 1985 बैच के मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं और रुड़की विश्वविद्यालय से ही व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री भी प्राप्त की हैं।

श्री श्रीवास्तव 1985 में इंसुलेटर प्लांट, जगदीशपुर में इंजीनियर ट्रेनी के रूप में बीएचईएल से जुड़े थे। उनके पास सभी प्रमुख कार्यों में 36 से अधिक वर्षों का विविध और व्यापक अनुभव है। विपणन और व्यवसाय विकास, परियोजना प्रबंधन, विनिर्माण संचालन, योजना और विकास, इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन प्रबंधन, रणनीतिक और हितधारक प्रबंधन संपूर्ण बीएचईएल मूल्य शृंखला अर्थात विनिर्माण इकाइयों (आईपी जगदीशपुर, सीएफपी रुद्रपुर, एचपीवीपी विजाग) में विभिन्न क्षमताओं में (व्यापार क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र, अंतरराष्ट्रीय संचालन) और कॉर्पोरेट कार्यालय जिसमें सीएमडी सचिवालय के प्रमुख के रूप में दो साल का कार्यकाल शामिल है।

अपनी पदोन्नति से पहले, वे उद्योग क्षेत्र— इकाई के प्रमुख थे, बीएचईएल के तीन व्यावसायिक क्षेत्रों में से एक, प्रौद्योगिकी सहयोग और व्यावसायिक भागीदारी, समयबद्ध पूंजी निवेश और वाणिज्यिक—उन्मुख अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से क्षमता निर्माण द्वारा बीएचईएल के विविधीकरण उद्देश्यों को पूरा करने, व्यापार बढ़ाने के लिए परियोजनाओं के निष्पादन के लिए जिम्मेदार थे। उद्योग क्षेत्र ने उनके कार्यकाल के दौरान, औद्योगिक उत्पाद (मैकेनिकल), कैप्टिव पावर प्लांट, रक्षा और एयरोस्पेस व्यवसाय वर्टिकल ने डाउनस्ट्रीम ऑयल एंड गैस ईपीसी और रक्षा और एयरोस्पेस व्यवसायों में पहली बार प्रवेश करते हुए उच्चतम ऑर्डर बुकिंग प्रदर्शन दर्ज किया था।

इससे पहले सीएफपी रुद्रपुर की विनिर्माण इकाई के प्रमुख के रूप में, उन्होंने मौजूदा और नए विकास क्षेत्रों में कई नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ लागत में कमी और बेहतर टर्नओवर प्राप्ति और लाभ को अधिकतम करने के लिए कुशल परियोजना निष्पादन पर ध्यान देने के साथ संचालन को अनुकूलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप इकाई ने

पिछले 5 वर्षों के सर्वश्रेष्ठ वित्तीय परिणामों में से उपलब्धि प्राप्त हुई।

वे व्यापक रूप से अपनी गतिशीलता और परिणाम-उन्मुख दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं, जो सभी स्तरों पर दक्षता बढ़ाने के लिए टीम में ऊर्जा को उत्साहित करता है। बीएचईएल के विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में उनका व्यापक अनुभव है। रक्षा और एयरोस्पेस, बिजली (थर्मल, गैस, नवीकरणीय ऊर्जा), तेल और गैस, औद्योगिक उत्पाद (इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल), ट्रांसमिशन उत्पाद, अंतर्राष्ट्रीय संचालन और बीएचईएल के लगभग सभी उत्पाद लाइनों ने उन्हें बाजार के रुझानों का विश्लेषण करने के लिए एक मजबूत कौशल के साथ समृद्ध किया है और बाजार के लिए तैयार क्षमताओं का विकास किया है और उन्हें बदलते कारोबारी माहौल और बीएचईएल को भविष्य के लिए तैयार करने की स्थिति में रणनीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन में प्रभावी ढंग से योगदान करने में सक्षम बनाया है। वे अपने पूरे करियर के इतिहास में कई उपलब्धियों और विभिन्न पहलों के लिए जिम्मेदार रहे हैं।

श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव की नियुक्ति वेतनमान रु. 1,80,000 से रु. 3,40,000 रुपये प्रति माह पर भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों और शर्तों पर 31.12.2024 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, पर की गई है।

श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों/प्रबंधक/प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ कोई

संबंध नहीं है।

चूंकि श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव को 12.08.2022 को निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, इसलिए उन्होंने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान किसी भी बोर्ड बैठक में भाग नहीं लिया।

कंपनी के एसोसिएशन अनुच्छेद के अनुच्छेद 67 (iv) के साथ पठित लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप, श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद पर बने रहने और नियुक्ति के लिए पात्र हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 की आवश्यकता के अनुसार, कंपनी को एक लिखित नोटिस प्राप्त हुआ है, जिसमें कंपनी के निदेशक के कार्यालय के लिए श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव की उम्मीदवारी का प्रस्ताव है।

श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव को छोड़कर, नियुक्त होने के नाते, कंपनी का कोई भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार वित्तीय या अन्यथा किसी भी प्रकार से, मद क्रमांक 10 में पारित संकल्प से संबंधित या इच्छुक नहीं है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन किए जाने हेतु संकल्प की अनुषंसा की।

निदेशक मण्डल के आदेश से



(राजीव कालड़ा)

कंपनी सचिव

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 26 अगस्त 2022

पुनः नियुक्ति हेतु निदेशकों का विवरण

सुश्री रेणुका गेरा

सुश्री रेणुका गेरा (डीआईएन: 08970501), जिनकी आयु 59 वर्ष है, को 01 दिसंबर, 2020 को बीएचईएल के बोर्ड में निदेशक (औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद) के रूप में शामिल किया गया था। इससे पहले, वह कार्यपालक निदेशक के रूप में उद्योग क्षेत्र का नेतृत्व कर रही थीं।

वे दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग ग्रेजुएट हैं।

सुश्री गेरा ने 1984 में बीएचईएल के ट्रांसमिशन बिजनेस ग्रुप में अभियंता प्रशिक्षु के रूप में अपने कैरियर का आरंभ किया था। उन्हें हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट ट्रांसमिशन (एचवीडीसी), रिन्यूएबल एनर्जी और वाटर मैनेजमेंट सिस्टम सहित उद्योग क्षेत्र खंड, व्यावसायिक विकास एवं विविधिकरण पहलों को ऊर्जा भंडारण प्रणाली की ओर ले जाने, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन, परिवहन, रक्षा, ट्रांसमिशन सिस्टम के विभिन्न कार्यक्षेत्रों में 36 वर्षों का सैद्धांतिक व व्यावहारिक कार्यानुभव प्राप्त है।

सुश्री गेरा के पास बीएचईएल की भोपाल विनिर्माण इकाई में 5 वर्ष तक अपनी सेवा प्रदान करने सहित विपणन, व्यवसाय विकास, इंजीनियरिंग, अनुबंध एवं परियोजना प्रबंधन, मानव संसाधन, प्रशासन, आयोजना, वित्त और विधि में क्षेत्रों में नेतृत्व करने के साथ ही कंपनी के सभी आयामों में विभिन्न गतिविधियों का अनुभव है। अपने करियर के दौरान, उनकी देश भर की एचवीडीसी परियोजनाओं में विस्तृत भागीदारी रही थी और वे भारत में सबसे बड़ी एचवीडीसी मल्टी-टर्मिनल परियोजनाओं में से एक की परियोजना प्रबंधक थीं।

उल्लेखनीय है कि वह बीएचईएल की पहली महिला कर्मचारी हैं जो निदेशक पद पर नियुक्त हुई हैं। सुश्री गेरा को पूर्व में बीएचईएल द्वारा सार्वजनिक उद्यम विभाग के तत्वावधान में आयोजित बिजनेस मैनेजमेंट के एक अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन कार्यक्रम हेतु नामित किया गया था।

सुश्री रेणुका गेरा रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर हैं। सुश्री रेणुका गेरा इसी ऊर्जा का उपयोग कर इलेक्ट्रिक बसों के वायरलेस अवसरों के चार्जिंग के अध्ययन के लिए संचालन समिति की अध्यक्ष भी हैं – टीआईएफएसी द्वारा गठित – विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के एक स्वायत्त निकाय, अनुसंधान परिषद के सदस्य सीएसआईआर-एनईईआरआई (राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट), एनपीटीआई की गवर्निंग काउंसिल में सदस्य, एनबीएल में बोर्ड के सदस्य और प्द कमेटी फॉर इंटरनेशनल काउंसिल ऑन लार्ज इलेक्ट्रिक सिस्टम्स (ब्लत्स), इंडिया की गवर्निंग काउंसिल की उपाध्यक्ष भी हैं।

सुश्री रेणुका गेरा की नियुक्ति वेतनमान रु 1,80,000 – 3,40,000 प्रति माह पर भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों और शर्तों पर 31.08.2023 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो पर की गई है।

सुश्री रेणुका गेरा का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों/प्रबंधक/प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।

सुश्री रेणुका गेरा ने वित्त वर्ष 2020-21 में अपने कार्यकाल के दौरान आयोजित सभी बोर्ड बैठकों (ग्यारह) में भाग लिया है।

श्री सुबोध गुप्ता

श्री सुबोध गुप्ता, (डीआईएन 08113460), जिनकी आयु 58 वर्ष है, को बीएचईएल के निदेशक मण्डल में 18 अप्रैल, 2018 को निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया गया था।

श्री गुप्ता (आईसीआई) इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया के मानद सदस्य रहे हैं एवं दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य (ऑनर्स) स्नातक हैं। निदेशक मंडल में नियुक्ति के पूर्व वे महाप्रबंधक (कार्पोरेट वित्त) थे और वित्तीय योजनाओं एवं स्ट्रेटजी, कोष प्रबंधन, टैक्सेशन का कार्य देख रहे थे। इसी के साथ, वे कंपनी के व्यावसायिक परिक्षेत्र उद्योग क्षेत्र के अधीन विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों, में वित्त विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे थे।

एक कुशल वित्त व्यवसायी, श्री गुप्ता अपने साथ बीएचईएल के वित्तीय संचालन में 36 से अधिक वर्षों का विविध अनुभव लेकर आए हैं। उन्होंने 1985 में बीएचईएल में प्रशिक्षु (वित्त) के रूप में अपना कैरियर शुरू किया और अपने करियर की उन्नयन के दौरान, विभिन्न चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों को निभाने के लिए स्वयं को वित्तीय प्रबंधन के सभी पहलुओं में दक्ष एवं विशेषज्ञ बनाया।

श्री गुप्ता के बहुआयामी नेतृत्व में, बीएचईएल को लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए प्रथम आईसीडब्ल्यूआई राष्ट्रीय पुरस्कार 2005 और व्यवसाय उत्कृष्टता 2006 के लिए प्रथम प्रतिष्ठित सीआईआई-एकजिम बैंक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट के एक प्रमाणित टीक्यूएम मूल्यांकनकर्ता के रूप में, उन्होंने व्यावसायिक प्रक्रियाओं में सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और कई आंतरिक और बाहरी टीक्यूएम आकलन किए हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा 'पीएसयू मैनुफैक्चरिंग-लार्ज' श्रेणी के तहत कॉर्पोरेट प्रबंधन प्रणालियों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें सीएमए अचीवर्स अवार्ड – सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट 2016 से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वित्त व्यवसायी के लिए 'टॉप रैंकर्स एक्सीलेंस अवार्ड 2020' से भी सम्मानित किया गया।

श्री सुबोध गुप्ता ने वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, बैलेंस शीट में संपत्ति की गुणवत्ता में वृद्धि, कुशल ट्रेजरी प्रबंधन और वित्तीय जोखिमों को कम करने के मामले में वित्तीय रणनीति में नए दृष्टिकोणों को एम्बेड करने में एक उत्प्रेरक भूमिका निभाई है। वे रणनीतिक योजना को बढ़ावा दे रहे हैं, बजटीय अनुशासन को सशक्त कर रहे हैं और प्रणालियों और प्रक्रियाओं को महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने और परिचालन दक्षता में सुधार के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य करने हेतु तैयार कर रहे हैं।

उन्होंने संगठन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी लागत कटौती उपायों का बीड़ा उठाया एवं विभिन्न घटकों की लागत पर कड़ी निगरानी रखी है, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय प्रदर्शन, लाभप्रदता और तरलता में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। उन्होंने आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एवं जोखिम प्रबंधन की सशक्त संरचना बनाने के लिए सर्वोत्तम वित्तीय प्रथाओं को अपनाने की संस्कृति को आत्मसात किया तथा प्रभावी आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए विभिन्न पहलों का नेतृत्व किया है।

ग्राहकों के अनुबंधों में विषम भुगतान शर्तों और परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बहिर्वाह में वृद्धि के कारण लगातार कमी के बावजूद, उन्होंने

वित्त वर्ष 2021-22 में परिचालन नकदी अधिषेध के उत्पादन को सक्षम करने और व्यापार प्राप्तियों के निम्नतम स्तर को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले दशक में समग्र प्राप्य प्रबंधन पर दृढ़ ध्यान केंद्रित करके। विवेकपूर्ण वित्तीय नीतियों को अपनाने की उनकी पहल, तरलता बढ़ाने के लिए नकद केंद्रित संचालन, कर योजना में ड्राइविंग दक्षता और सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन ने महामारी के प्रसार के कारण होने वाले व्यवधानों के बीच मंद परिचालन की विद्यमान चुनौतियों का सामना कर परिचालन घाटे को कम करने में सहायता की।

वह वित्तीय प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण के माध्यम से प्रणालीगत सुधारों के प्रबल समर्थक हैं और विभिन्न डिजिटलीकृत प्रणालियों के विकास और एकीकरण को संचालित किया है जिससे दक्षता के उच्च स्तर तथा वित्तीय नियंत्रण एवं पारदर्शिता के संवर्धित स्तर प्राप्त होते हैं।

उनके वित्तीय नेतृत्व में, बीएचईएल को लगभग चार दशकों के बाद, वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, वित्तीय वर्ष 2019-20 और वित्त वर्ष 2020-21 के लिए, क्रमिक रूप से, 'इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन सेक्टर' श्रेणी में मान्यता में। वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत वित्तीय जानकारी के अनुपालन, व्यापकता और गुणवत्ता के संबंध में, बीडब्ल्यू बिजनेसवर्ल्ड के सहयोग से बीडब्ल्यू सीएफओ वर्ल्ड द्वारा आयोजित सीएफओ और वित्तीय रणनीति शिखर सम्मेलन और पुरस्कार 2021 में श्री सुबोध गुप्ता को बेस्ट सीएफओ पीएसयू भी चुना गया है।

श्री सुबोध गुप्ता रायचूर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में अंशकालिक नामित निदेशक और बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड में गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर हैं। उन्हें 'स्कोप' कार्यकारी बोर्ड 2021-23 में 01.04.2021 से सदस्य के रूप में भी चुना गया है। इसके

अतिरिक्त, वे 22.06.2021 से 'वित्तीय प्रबंधन पर स्कोप समिति' के अध्यक्ष और 'स्कोप नीति सलाहकार समूह' और डिजिटल परिवर्तन पर 'स्कोप समिति' के सदस्य के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। वे मैत्री एक्सपोर्ट प्रोजेक्ट ग्रुप (2x660 मेगावाट मैत्री टीपीपी), बांग्लादेश के लिए प्रोजेक्ट कोच के रूप में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट चला रहे हैं और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना के निष्पादन का संचालन कर रहे हैं।

श्री सुबोध गुप्ता की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों और शर्तों पर वेतनमान रु 1,80,000 – 3,40,000 प्रति माह पर 17.04.2023 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो पर की गई है।

श्री सुबोध गुप्ता का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों / प्रबंधक / प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ कोई संबंध नहीं है।

श्री सुबोध गुप्ता ने वित्त वर्ष 2021-22 में आयोजित निदेशक मण्डल की सभी बैठकों (ग्यारह) में भाग लिया है।

निदेशक मण्डल के आदेश से



(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 26 अगस्त 2022

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा वार्षिक आम सभा से जुड़ने, वार्षिक आम सभा में रिमोट ई-वोटिंग और वोटिंग करने की प्रक्रिया

कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम 2014 यथासंशोधित, सपठित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 108 एवं सेबी लिस्टिंग विनियमों के नियम 44 के प्रावधानों, तथा ई-वोटिंग सुविधा प्रदान कराने वाली सूचीबद्ध संस्थाओं के संबंध में सेबी परिपत्र संख्या रु सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी/सीआईआर/पी/2020/242 दिनांक 9 दिसंबर, 2020, के अनुपालन में, कंपनी अपने सदस्यों को वार्षिक आम सभा में (एजीएम) पारित किए जाने वाले संकल्पों पर उनके मताधिकार का प्रयोग इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों (ई-वोटिंग) से करने की सुविधा प्रदान कर रही है। यह सुविधा एनएसडीएल की ई-वोटिंग सुविधा के माध्यम से प्रदान कर रही है।

रिमोट ई-वोटिंग की अवधि इस प्रकार होगी:-

रिमोट ई-वोटिंग की शुरुआत	सोमवार, सितंबर 26, 2022, सुबह के 9 बजे से
रिमोट ई-वोटिंग की समाप्ति	बुधवार, 28 सितंबर, 2022, शाम 5.00 तक

ऐसे सदस्य जो अंतिम तिथि अर्थात् गुरुवार, 22 सितंबर, 2022 को भौतिक रूप में या अभौतिक रूप में शेयर धारण करते हैं वे उक्त अवधि के दौरान इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकते हैं। इस अवधि के बाद एनएसडीएल द्वारा मतदान के लिए ई-वोटिंग मॉड्यूल निष्क्रिय कर दिया जाएगा। सदस्यों के पास रिमोट ई-वोटिंग सुविधा का उपयोग करके किसी भी संकल्प पर अपना वोट डालने का विकल्प 26 सितंबर, 2022 से शुरू होने वाली और 28 सितंबर, 2022 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान या एजीएम के दौरान ई-वोटिंग करने का होता है। जिन सदस्यों ने एजीएम से पहले रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डाला है, वे वीसी के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकते हैं लेकिन उन्हीं प्रस्ताव (वों) पर अपना वोट दोबारा डालने के पात्र नहीं होंगे।

कंपनी के निदेशक मंडल ने एजीएम में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से रिमोट ई-वोटिंग और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग की प्रक्रिया की जांच करने के लिए मेसर्स आशु गुप्ता एंड कंपनी की सुश्री आशु गुप्ता, प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव को स्कूटिनाइजर के रूप में नियुक्त किया है।

किसी सदस्य / लाभार्थी को वोटिंग अधिकार अंतिम तिथि को कंपनी की पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी में उसके शेयर के अनुपात के अनुसार होगा।

संवीक्षक, बैठक में ई-वोटिंग के समापन के बाद, बैठक में डाले गए वोटों एवं दूरस्थ ई-वोटिंग के माध्यम से डाले गए वोटों की जांच करेगा और इन्हे समेकित कर एक संवीक्षक रिपोर्ट बनाकर अध्यक्ष महोदय को प्रस्तुत करेगा। ई-वोटिंग का परिणाम बैठक के समापन के दो कार्य दिवसों के भीतर घोषित किया जाएगा और इसी के साथ, समेकित संवीक्षक रिपोर्ट, कंपनी की वेबसाइट (www.bhel.com) और ई-वोटिंग एजेंसी की वेबसाइट

www.evoting.nsdl.com पर पर डाल दी जाएगी। परिणाम उसी समय स्टॉक एक्सचेंजों को भेज दिये जाएंगे।

अपेक्षित संख्या में वोट प्राप्त होने पर, नोटिस में प्रस्तावित प्रस्तावों को बैठक की तिथि पर, अर्थात् 29 सितंबर, 2022 को पारित माना जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से वोटिंग और वर्चुअल बैठकों में भाग लेने की प्रक्रिया

क. रिमोट ई-वोटिंग और एजीएम में वोटिंग के लिए प्रक्रिया नीचे समझाई गई है:

चरण -1: एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम में प्रवेश एवं एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से वोट डालना

क.1) डीमैट मोड में प्रतिभूतियां धारण करने वाले शेयरधारक व्यक्ति के लिए लॉगिन विधि

सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली ई-वोटिंग सुविधा संबंधी सेबी के 9 दिसंबर, 2020 के परिपत्र के अनुसार और मतदान प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाने के हिस्से के रूप में, डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को धारण करने वाले सभी व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग प्रक्रिया को इस प्रकार सक्षम किया गया है कि वे डिपोजिटरी/डिपॉजिटरी की वेबसाइट/डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के पास खोले गए उनके डीमैट खाते के माध्यम से वोट कर सकें। शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे ई-वोटिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए अपने डीमैट खातों में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी अपडेट करें।

शेयरधारकों का प्रकार	लॉगिन विधि
एनएसडीएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	- एनएसडीएल आईडीईएस सुविधा: - यदि आप पहले से ही एनएसडीएल आईडीईएस सुविधा में पंजीकृत हैं: - कृपया एनएसडीएल की ई-सेवा वेबसाइट देखें। पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल फोन के वेब ब्राउजर में निम्नलिखित यूआरएल टाइप करके खोलें: https://eservices.nsdl.com/ - ई-सेवाओं का होमपेज दिखाई देने के बाद, 'आईडीईएस' अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध लॉगिन के अंतर्गत 'बेनिफिशियल ओनर' आइकन पर क्लिक करें। - एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपना यूजर आईडी और पासवर्ड डालना होगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, आप ई-वोटिंग सेवाओं को देख पाएंगे। - ई-वोटिंग सेवाओं के तहत 'एक्सेस टू ई-वोटिंग' पर क्लिक करें और आप ई-वोटिंग पेज देख पाएंगे। - कंपनी के नाम या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता - एनएसडीएल के सामने उपलब्ध विकल्पों पर क्लिक करें। तब आपको रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान या मीटिंग के दौरान मतदान करने के लिए एनएसडीएल ई-वोटिंग वेबसाइट पर रीडाईरेक्ट किया जाएगा।

• यदि आप आईडीईएस ई-सेवाओं में पंजीकृत नहीं हैं: 1. पंजीकरण करने का विकल्प https://eservices.nsdl.com पर उपलब्ध है। 2. 'IDeAS में ऑनलाइन पंजीकरण करें' चुनें या https://eservices.nsdl.com/SecureWeb/IdeasDirectReg.jsp पर क्लिक करें। 3. सफलतापूर्वक पंजीकरण होने पर, कृपया उपर्युक्त बिंदु 1 – 5 में दिए गए निर्देशों का पालन करें। II.. एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट: 1. एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर जाएं। पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल फोन के वेब ब्राउजर में निम्नलिखित यूआरएल टाइप करके खोलें रूजजचेरुधूममअवजपदहण्डेकसणवव 2. ई-वोटिंग सिस्टम का होमपेज दिखाई देने के बाद, श्रेयधारकधसदस्य अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध श्लॉगिन आइकन पर क्लिक करें। 3. एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपना यूजर आईडी (यानी एनएसडीएल के पास 16 अंकों का डीमैट खाता नंबर), पासवर्ड 6 ओटीपी और स्क्रीन पर दिखाए गए सत्यापन कोड को दर्ज करना होगा। 4. सफल प्रमाणीकरण के बाद, आपको एनएसडीएल डिपॉजिटरी साइट पर भेज दिया जाएगा, जहां आप ई-वोटिंग पेज देख सकते हैं। कंपनी के नाम या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता – एनएसडीएल के सामने उपलब्ध विकल्पों पर क्लिक करें और रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान या मीटिंग के दौरान मतदान करने के लिए आपको एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर पुनः निर्देशित किया जाएगा। III. श्रेयधारक / सदस्य निर्बाध मतदान अनुभव के लिए नीचे उल्लिखित क्यूआर कोड को स्कैन करके एनएसडीएल मोबाइल ऐप 'एनएसडीएल स्पीड-ई' सुविधा भी डाउनलोड कर सकते हैं। NSDL Mobile App is available on App Store Google Play 	<table> <tr> <td data-bbox="823 194 1011 1162"> सीडीएसएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत श्रेयधारक </td><td data-bbox="1011 194 1495 1162"> 1. मौजूदा उपयोगकर्ता जिन्होंने ईजी/ईजीएस्ट का विकल्प चुना है, वे अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। ई-वोटिंग पेज तक पहुंचने का विकल्प बिना किसी और प्रमाणीकरण के उपलब्ध कराया जाएगा। उपयोगकर्ताओं के लिए Easi/Easiest में लॉगिन करने के लिए URL https://web.cdslindia.com/myeasi/home/ सवहपद या www.cdslindia.com है और 'New System Myeasi' पर क्लिक करें। 2. ईजी/ईजीएस्ट के सफल लॉगिन के बाद, आप ई वोटिंग मेनू भी देख पाएंगे। मेनू में ई-वोटिंग सेवा प्रदाता (ईएसपी) यानी एनएसडीएल पोर्टल के लिंक होंगे। अपना वोट डालने के लिए एनएसडीएल पर क्लिक करें। 3. यदि आप म्यूचुअल फंड में पंजीकृत नहीं हैं, तो पंजीकरण करने का विकल्प https://web.cdslindia.com/myeasi/Registration/EasiRegistration पर उपलब्ध है। 4. वैकल्पिक रूप से, आप www.cdslindia.com होम पेज में एक लिंक से डीमैट खाता संख्या और पैन नंबर प्रदान करके सीधे ई-वोटिंग पेज तक पहुंच सकते हैं। सिस्टम डीमैट खाते में पंजीकृत मोबाइल और ईमेल पर ओटीपी भेजकर उपयोगकर्ता को प्रमाणित करेगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, उपयोगकर्ता को संबंधित ईएसपी यानी एनएसडीएल के लिए लिंक प्रदान किए जाएंगे जहां ई-वोटिंग चल रही है। </td></tr> <tr> <td data-bbox="823 1162 1011 1775"> श्रेयधारक (डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले) का उनके डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के माध्यम से लॉगिन </td><td data-bbox="1011 1162 1495 1775"> 1. आप ई-वोटिंग सुविधा के लिए एनएसडीएल सीडीएसएल के साथ पंजीकृत अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के माध्यम से अपने डीमैट खाते के लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके भी लॉग इन कर सकते हैं। 2. लॉग इन करने के बाद आपको ई-वोटिंग का विकल्प दिखाई देगा। एक बार जब आप ई-वोटिंग विकल्प पर क्लिक करते हैं, तो सफल प्रमाणीकरण के बाद आपको एनएसडीएल सीडीएसएल डिपॉजिटरी साइट पर भेज दिया जाएगा, जहां आप ई-वोटिंग सुविधा देख सकते हैं। 3. कंपनी के नाम या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता-एनएसडीएल के सामने उपलब्ध विकल्पों पर क्लिक करें और रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान या मीटिंग के दौरान मतदान करने के लिए आपको एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर रीडायरेक्ट कर दिया जाएगा। </td></tr> </table>	सीडीएसएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत श्रेयधारक	1. मौजूदा उपयोगकर्ता जिन्होंने ईजी/ईजीएस्ट का विकल्प चुना है, वे अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। ई-वोटिंग पेज तक पहुंचने का विकल्प बिना किसी और प्रमाणीकरण के उपलब्ध कराया जाएगा। उपयोगकर्ताओं के लिए Easi/Easiest में लॉगिन करने के लिए URL https://web.cdslindia.com/myeasi/home/ सवहपद या www.cdslindia.com है और 'New System Myeasi' पर क्लिक करें। 2. ईजी/ईजीएस्ट के सफल लॉगिन के बाद, आप ई वोटिंग मेनू भी देख पाएंगे। मेनू में ई-वोटिंग सेवा प्रदाता (ईएसपी) यानी एनएसडीएल पोर्टल के लिंक होंगे। अपना वोट डालने के लिए एनएसडीएल पर क्लिक करें। 3. यदि आप म्यूचुअल फंड में पंजीकृत नहीं हैं, तो पंजीकरण करने का विकल्प https://web.cdslindia.com/myeasi/Registration/EasiRegistration पर उपलब्ध है। 4. वैकल्पिक रूप से, आप www.cdslindia.com होम पेज में एक लिंक से डीमैट खाता संख्या और पैन नंबर प्रदान करके सीधे ई-वोटिंग पेज तक पहुंच सकते हैं। सिस्टम डीमैट खाते में पंजीकृत मोबाइल और ईमेल पर ओटीपी भेजकर उपयोगकर्ता को प्रमाणित करेगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, उपयोगकर्ता को संबंधित ईएसपी यानी एनएसडीएल के लिए लिंक प्रदान किए जाएंगे जहां ई-वोटिंग चल रही है।	श्रेयधारक (डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले) का उनके डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के माध्यम से लॉगिन	1. आप ई-वोटिंग सुविधा के लिए एनएसडीएल सीडीएसएल के साथ पंजीकृत अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के माध्यम से अपने डीमैट खाते के लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके भी लॉग इन कर सकते हैं। 2. लॉग इन करने के बाद आपको ई-वोटिंग का विकल्प दिखाई देगा। एक बार जब आप ई-वोटिंग विकल्प पर क्लिक करते हैं, तो सफल प्रमाणीकरण के बाद आपको एनएसडीएल सीडीएसएल डिपॉजिटरी साइट पर भेज दिया जाएगा, जहां आप ई-वोटिंग सुविधा देख सकते हैं। 3. कंपनी के नाम या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता-एनएसडीएल के सामने उपलब्ध विकल्पों पर क्लिक करें और रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान या मीटिंग के दौरान मतदान करने के लिए आपको एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर रीडायरेक्ट कर दिया जाएगा।
सीडीएसएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत श्रेयधारक	1. मौजूदा उपयोगकर्ता जिन्होंने ईजी/ईजीएस्ट का विकल्प चुना है, वे अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। ई-वोटिंग पेज तक पहुंचने का विकल्प बिना किसी और प्रमाणीकरण के उपलब्ध कराया जाएगा। उपयोगकर्ताओं के लिए Easi/Easiest में लॉगिन करने के लिए URL https://web.cdslindia.com/myeasi/home/ सवहपद या www.cdslindia.com है और 'New System Myeasi' पर क्लिक करें। 2. ईजी/ईजीएस्ट के सफल लॉगिन के बाद, आप ई वोटिंग मेनू भी देख पाएंगे। मेनू में ई-वोटिंग सेवा प्रदाता (ईएसपी) यानी एनएसडीएल पोर्टल के लिंक होंगे। अपना वोट डालने के लिए एनएसडीएल पर क्लिक करें। 3. यदि आप म्यूचुअल फंड में पंजीकृत नहीं हैं, तो पंजीकरण करने का विकल्प https://web.cdslindia.com/myeasi/Registration/EasiRegistration पर उपलब्ध है। 4. वैकल्पिक रूप से, आप www.cdslindia.com होम पेज में एक लिंक से डीमैट खाता संख्या और पैन नंबर प्रदान करके सीधे ई-वोटिंग पेज तक पहुंच सकते हैं। सिस्टम डीमैट खाते में पंजीकृत मोबाइल और ईमेल पर ओटीपी भेजकर उपयोगकर्ता को प्रमाणित करेगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, उपयोगकर्ता को संबंधित ईएसपी यानी एनएसडीएल के लिए लिंक प्रदान किए जाएंगे जहां ई-वोटिंग चल रही है।				
श्रेयधारक (डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले) का उनके डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के माध्यम से लॉगिन	1. आप ई-वोटिंग सुविधा के लिए एनएसडीएल सीडीएसएल के साथ पंजीकृत अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के माध्यम से अपने डीमैट खाते के लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके भी लॉग इन कर सकते हैं। 2. लॉग इन करने के बाद आपको ई-वोटिंग का विकल्प दिखाई देगा। एक बार जब आप ई-वोटिंग विकल्प पर क्लिक करते हैं, तो सफल प्रमाणीकरण के बाद आपको एनएसडीएल सीडीएसएल डिपॉजिटरी साइट पर भेज दिया जाएगा, जहां आप ई-वोटिंग सुविधा देख सकते हैं। 3. कंपनी के नाम या ई-वोटिंग सेवा प्रदाता-एनएसडीएल के सामने उपलब्ध विकल्पों पर क्लिक करें और रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान या मीटिंग के दौरान मतदान करने के लिए आपको एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर रीडायरेक्ट कर दिया जाएगा।				

महत्वपूर्ण टिप्पणी: जो सदस्य यूजर आईडी / पासवर्ड याद करने में असमर्थ हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर उपलब्ध फॉरगॉट यूजर आईडी एंड पासवर्ड विकल्प का उपयोग करें।

डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों की डिपॉजिटरी यानी एनएसडीएल और सीडीएसएल के माध्यम से लॉगिन से संबंधित किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान हेतु हेल्पडेस्क

लॉगिन प्रकार	हेल्पडेस्क विवरण
एनएसडीएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	लॉगिन करने में किसी भी तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सदस्य NSDL हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं वे evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेजकर या टोल फ्री नंबर: 1800-1020-990 और 1800-22-4430 पर कॉल करके समस्या का हल पा सकते हैं।
सीडीएसएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	लॉगिन करने में किसी भी तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सदस्य NSDL हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं वे helpdesk.evoting@cdslindia.com पर अनुरोध भेजकर या टोल फ्री नंबर: 022-23058738 और 022-23058542 / 43 पर कॉल करके समस्या का हल पा सकते हैं।

क.2) व्यक्तिगत शेयरधारकों के अलावा, डीमैट मोड में प्रतिभूतियों के धारक तथा भौतिक मोड में प्रतिभूतियों के धारक शेयरधारकों के लिए लॉगिन विधि

1. एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर जाएं। पर्सनल कंप्यूटर पर या मोबाइल के वेब ब्राउजर पर निम्नलिखित यूआरएल टाइप करके खोलें: <https://www.evoting.nsdl.com>
2. ई-वोटिंग सिस्टम का होम पेज दिखाई देने के बाद, शेयरधारक/सदस्य अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध प्लॉगिन आइकन पर क्लिक करें।
3. एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपना यूजर आईडी, अपना पासवर्ड/ओटीपी और स्क्रीन पर दिखाई देने वाला एक सत्यापन कोड दर्ज करना होगा।
4. वैकल्पिक रूप से, यदि आप एनएसडीएल ई-सेवाओं यानी आईडीईएस में पंजीकृत हैं, तो आप अपने मौजूदा आईडीईएस लॉगिन से <https://eservices.nsdl.com/> पर लॉगिन कर सकते हैं। एक बार जब आप अपने लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करने के बाद एनएसडीएल ई-सेवाओं में लॉग इन करते हैं, तो ई-वोटिंग पर क्लिक करें और आप चरण 2 पर आगे बढ़ सकते हैं यानी एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डालें।
5. आपका यूजर आईडी विवरण नीचे दिया गया है :

शेयर धारिता का स्वरूप अर्थात डीमैट (एनएसडीएल या सीडीएसएल) या भौतिक	आपकी यूजर आईडी है:
क.एनएसडीएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत सदस्यों के लिए	8-कैरेक्टर डीपी आईडी के बाद 8-डिजिट क्लाइंट आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी डीपी आईडी 300*** है और क्लाइंट आईडी 12***** then तो आपकी यूजर आईडी IN300***12***** होगी।

ख.सीडीएसएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत सदस्यों के लिए	16-अंक वाली लाभार्थी आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी लाभार्थी आईडी 12***** है तो आपकी उपयोगकर्ता आईडी 12***** होगी।
ग.भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यों के लिए	ईवन नंबर के बाद कंपनी के साथ पंजीकृत फोलियो नंबर उदाहरण के लिए यदि फोलियो नंबर 001*** है और ईवन 116681 है तो यूजर आईडी 116681001*** होगी।

6. व्यक्तिगत शेयरधारकों के अतिरिक्त अन्य शेयरधारकों के लिए पासवर्ड विवरण नीचे दिया गया है:

- क. यदि आप पहले से ही ई-वोटिंग के लिए पंजीकृत हैं, तो आप अपने मौजूदा पासवर्ड के उपयोग से लॉग इन करके अपना वोट डाल सकते हैं।
- ख. यदि आप पहली बार एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको 'आरंभिक पासवर्ड' याद/प्राप्त करना होगा जो आपको सूचित किया गया था। एक बार जब आप अपना आरंभिक पासवर्ड याद/प्राप्त कर लेते हैं, तो आपको आरंभिक पासवर्ड दर्ज करना होगा और सिस्टम आपको अपना पासवर्ड बदलने के लिए संकेत देगा।
- ग. अपना आरंभिक पासवर्ड कैसे याद/प्राप्त करें?
 - (i) यदि आपकी ईमेल आईडी आपके डीमैट खाते में या कंपनी के साथ पंजीकृत है, तो आपका 'आरंभिक पासवर्ड' आपको आपकी ईमेल आईडी पर सूचित किया जाता है। एनएसडीएल से आपको भेजे गए ईमेल को आपके मेलबॉक्स से ट्रेस करें। इस ईमेल खोलें और अटैचमेंट में एक पीडीएफ फाइल होगी, उसे खोलें। पीडीएफ फाइल खोलने का पासवर्ड एनएसडीएल खाते में आपकी 8 अंकों की क्लाइंट आईडी, सीडीएसएल खाते में क्लाइंट आईडी के अंतिम 8 अंक अथवा भौतिक रूप में धारित शेयरों का फोलियो नंबर है। पीडीएफ फाइल में आपकी 'यूजर आईडी' और आपका 'आरंभिक पासवर्ड' दिया गया है।
 - (ii) यदि आपकी ईमेल आईडी पंजीकृत नहीं है, तो कृपया नीचे दिए गए 'शेयरधारकों के लिए सामान्य दिशानिर्देश' के चरणों का पालन करें।

7. यदि आप 'आरंभिक पासवर्ड' याद/पुनः प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या प्राप्त नहीं किया है या अपना पासवर्ड भूल गए हैं:

- क) 'फॉरगॉट यूजर डिटेल्स/पासवर्ड' पर क्लिक करें। (यदि आप एनएसडीएल या सीडीएसएल में डीमैट खाते में शेयर रखते हैं) तो विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।
- ख. फिजिकल यूजर रीसेट पासवर्ड पर क्लिक करें (यदि आप भौतिक रूप में शेयर धारण कर रहे हैं) विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।
- ग. यदि आप अभी भी उपर्युक्त दोनों विकल्पों द्वारा पासवर्ड प्राप्त करने में असमर्थ हैं, तो आप अपना डीमैट खाता संख्या/फोलियो नंबर, अपना पैन, अपना नाम और अपना पंजीकृत पता आदि का उल्लेख करते हुए www.evoting.nsdl.com पर अनुरोध भेज सकते हैं।
- घ. सदस्य एनएसडीएल की ई-वोटिंग प्रणाली पर वोट डालने के लिए ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) आधारित लॉग-इन का भी उपयोग

कर सकते हैं।

8. अपना पासवर्ड दर्ज करने के बाद, नियमों और शर्तों से सहमत' के चेक बॉक्स पर चयन करके टिक करें।
9. अब, आपको 'लॉगिन' बटन पर क्लिक करना होगा।
10. 'लॉगिन' बटन पर क्लिक करने के बाद ई-वोटिंग का होम पेज खुल जाएगा।

चरण 2: अपना वोट इलेक्ट्रॉनिक रूप से डालें और एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर आम बैठक में शामिल हों

1. चरण 1 में सफलतापूर्वक लॉगिन करने के बाद, आप उन सभी कंपनियों को EVEN देख पाएंगे जिनमें आपके शेयर हैं और जिनका मतदान चक्र सक्रिय स्थिति में है।
2. रिमोट ई-वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने और आम बैठक के दौरान अपना वोट डालने के लिए कंपनी के 'EVEN 120855' का चयन करें। वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने के लिए, आपको 'ज्वाइन जनरल मीटिंग' के तहत दिए गए 'VC/OAVM' लिंक पर क्लिक करना होगा।
3. जैसे ही वोटिंग पेज खुलेगा, आप ई-वोटिंग के लिए तैयार हैं।
4. सहमति या असहमति में से उचित विकल्प का चयन करके अपना वोट दें, उन शेयरों की संख्या को सत्यापित/संशोधित करें जिनके लिए आप अपना वोट देना चाहते हैं और 'सबमिट' पर क्लिक करें और संकेत मिलने पर 'कनफर्म' पर भी क्लिक करें।
5. 'कनफर्म' होने पर, 'वोट कास्ट सक्सेसफुली' संदेश प्रदर्शित होगा और आपको डिपॉजिटरी से पंजीकृत अपने मोबाइल नंबर पर एक एसएमएस के माध्यम से एक पुष्टिकरण प्राप्त होगा।
6. आप कन्फर्मेशन पेज पर प्रिंट विकल्प पर क्लिक करके अपने द्वारा डाले गए वोटों का प्रिंटआउट भी ले सकते हैं।
7. एक बार जब आप संकल्प पर अपने वोट की पुष्टि कर देते हैं, तो आपको अपना वोट संशोधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ड. सदस्यों को वीसी के माध्यम से आम सभा में भाग लेने तथा आम सभा के दिन वोटिंग करने संबंधी निर्देश:

1. सदस्यों को वीसी के माध्यम से एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम द्वारा एजीएम में भाग लेने की सुविधा प्रदान की जाएगी। सदस्य 'एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम में प्रवेश' हेतु ऊपर बताए गए चरणों का पालन करके इसे एक्सेस कर सकते हैं। सफल लॉगिन के बाद, सदस्यों को कंपनी के नाम के सामने 'ज्वाइन जनरल मीटिंग' मेन्यू के तहत रखे गए 'वीसी/ओएवीएम लिंक' पर क्लिक करना होगा। वीसी/ओएवीएम के लिए लिंक शेयरधारक/सदस्य लॉगिन में उपलब्ध होगा जहां कंपनी का EVEN प्रदर्शित किया जाएगा।
2. जिन सदस्यों के पास ई-वोटिंग के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड नहीं है या वे यूजर आईडी और पासवर्ड भूल गए हैं, वे नोटिस में उल्लिखित रिमोट ई-वोटिंग निर्देशों का पालन करके इसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं।
3. सदस्यों को बेहतर अनुभव के लिए लैपटॉप के माध्यम से बैठक में शामिल होने का परामर्श दिया जाता है। इसके अलावा, सदस्यों को बैठक के दौरान किसी भी गड़बड़ी से बचने के लिए कैमरे की अनुमति देने और अच्छी गति के साथ इंटरनेट का उपयोग करने की आवश्यकता होगी।
4. कृपया ध्यान दें कि मोबाइल उपकरणों या टैबलेट से या मोबाइल

हॉटस्पॉट के माध्यम से लैपटॉप के माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों को अपने संबंधित नेटवर्क में उतार-चढ़ाव के कारण ऑडियो/वीडियो व्यवधान का अनुभव हो सकता है। इसलिए किसी भी प्रकार की पूर्वोक्त गड़बड़ियों को कम करने के लिए स्थिर वाई-फाई या लैन कनेक्शन का उपयोग करने की अनुशंसा की जाती है।

5. ऐसे सदस्य जिन्हें एजीएम से पहले या उसके दौरान सहायता की आवश्यकता है, वे एनएसडीएल से evoting@nsdl.co.in / 1800-102-0990 और 1800-22-4430 पर संपर्क कर सकते हैं या एनएसडीएल की श्रीमती सोनी सिंह से sonis@nsdl.co.in पर संपर्क कर सकते हैं।
6. ऐसे सदस्य जो एजीएम के दौरान अपने विचार व्यक्त करना चाहते हैं या प्रश्न पूछना चाहते हैं, वे 21 सितंबर, 2022 (सुबह 9:00 बजे भा.स.अ.) से 24 सितंबर, 2022 (5:00 बजे भा.स.अ.) तक अपने नाम, डीपी आईडी और क्लाइंट आईडी / फोलियो नंबर, पैन, मोबाइल नंबर और संभावित प्रश्न (यदि कोई हो) का उल्लेख करते हुए अपने पंजीकृत ई-मेल पते से अनुरोध shareholderquery@bhel-in भेजकर खुद को एक स्पीकर के रूप में पंजीकृत कर सकते हैं। वे सदस्य जिन्होंने स्वयं को स्पीकर के रूप में पंजीकृत किया है, उन्हें ही एजीएम के दौरान अपने विचार व्यक्त करने/प्रश्न पूछने की अनुमति होगी। कंपनी एजीएम के सुचारु संचालन के लिए पर्याप्त समय की उपलब्धता के अधीन प्रश्नों की संख्या और वक्ताओं की संख्या को सीमित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।
7. सदस्य अपने नाम, डीमैट खाता संख्या/फोलियो नंबर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और अपेक्षित विचारों/प्रश्नों का उल्लेख करते हुए अग्रिम रूप से shareholderquery@bhel-in पर मेल भेजकर लिखित में प्रश्न पूछ सकते हैं। इसका कंपनी द्वारा उपयुक्त उत्तर दिया जाएगा।
8. बैठक में शामिल होने की सुविधा एजीएम के निर्धारित समय से 15 मिनट पहले खोली जाएगी और एजीएम की पूरी कार्यवाही के दौरान खुली रखी जाएगी।
9. एजीएम के दिन ई-वोटिंग की प्रक्रिया वही है जो रिमोट ई-वोटिंग के लिए ऊपर दिए गए निर्देशों के अनुसार है।
10. केवल वे सदस्य/शेयरधारक, जो वीसी सुविधा के माध्यम से एजीएम में उपस्थित होंगे और रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से संकल्पों पर अपना वोट नहीं डाला है और अन्यथा ऐसा करने से प्रतिबंधित नहीं हैं, ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान करने के पात्र होंगे।
11. रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान करने वाले सदस्य एजीएम में भाग लेने के पात्र होंगे। परंतु वे एजीएम में मतदान करने के पात्र नहीं होंगे।

ग. शेयरधारकों के लिए सामान्य दिशानिर्देश

1. संस्थागत सदस्यों (अर्थात व्यक्तियों, एचयूएफ, एनआरआई, आदि के अलावा) को विधिवत अधिकृत प्रतिनिधि के सत्यापित नमूना हस्ताक्षर (हस्ताक्षरों) के साथ बोर्ड के संकल्प / प्राधिकरण पत्र, आदि की स्कैन की गई प्रमाणित मूल प्रति (पीडीएफ प्रारूप) भेजने की आवश्यकता होती है। संवीक्षक को ashugupta.cs@gmail.com पर एवं evoting@nsdl.co.in पर कॉपी भेजना आवश्यक है। संस्थागत शेयरधारक (अर्थात व्यक्तियों, एचयूएफ, एनआरआई आदि के अलावा) अपने बोर्ड के संकल्प

/ मुख्तारनामा / प्राधिकरण पत्र आदि अपने लॉगइन में 'ई-वोटिंग टैब' के अंतरगत 'अपलोड बोर्ड रिजोल्यूशन / प्राधिकरण पत्र' शर् पर क्लिक करके भी अपलोड कर लॉग इन सकते हैं।

2. प्रबल अनुषंसा की जाती है कि अपना पासवर्ड किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा न करें और अपने पासवर्ड को गोपनीय रखने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें। सही पासवर्ड डालने के पांच असफल प्रयासों पर ई-वोटिंग वेबसाइट पर लॉगिन अक्षम हो जाएगा। ऐसी स्थिति में, आपको 'उपयोगकर्ता विवरण/पासवर्ड भूल गए?' के माध्यम से जाना होगा? या 'भौतिक उपयोगकर्ता रीसेट पासवर्ड?' पासवर्ड रीसेट करने के लिए www.evoting.nsdl.com पर विकल्प उपलब्ध है।
3. नोटिस भेजने के बाद भौतिक रूप में शेयर रखने वाला कोई भी व्यक्ति और गैर-व्यक्तिगत शेयरधारक, जो कंपनी के शेयरों का अधिग्रहण करता है एवं कंपनी का सदस्य बन जाता है तथा अंतिम तिथि को शेयर रखता है, वह evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेजकर लॉगिन आईडी व पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। परंतु यदि वह रिमोट ई-वोटिंग के लिए एनएसडीएल के साथ पहले से पंजीकृत है तो वह वोट डालने के लिए अपनी मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर सकता है। नोटिस भेजने के बाद डीमैट मोड में शेयर रखने वाला कोई भी व्यक्ति और गैर-व्यक्तिगत शेयरधारक, जो कंपनी के शेयरों का अधिग्रहण करता है एवं कंपनी का सदस्य बन जाता है तथा अंतिम तिथि को शेयर रखता है, वह उपर्युक्त वर्णित डीमैट मोड में प्रतिभूतियां धारण करने वाले शेयरधारक व्यक्ति के लिए लॉगिन विधि में दिए निर्देशों का पालन कर सकता है।
4. किसी भी शंका के समाधान हेतु, आप www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड अनुभाग पर उपलब्ध शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग उपयोगकर्ता पुस्तिका देख सकते हैं या टोल फ्री नंबर: 1800-1020-990 और 1800-22-4430 पर कॉल कर सकते हैं अथवा सुश्री सोनी सिंह को evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेजें।
5. जिन सदस्यों की ईमेल आईडी डिपॉजिटरी/कंपनी में पंजीकृत नहीं हैं, वे ई-वोटिंग के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने हेतु evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेज सकते हैं:
 - i) यदि शेयर भौतिक रूप में धारित हैं तो कृपया फोलियो नंबर, शेयरधारक का नाम, शेयर प्रमाणपत्र की स्कैन की गई प्रति (आगे और पीछे), पैन (पैन कार्ड की प्रति स्व-सत्यापित स्कैन कॉपी), आधार (आधार कार्ड की प्रति स्व-सत्यापित स्कैन की गई कॉपी) प्रदान करें।

ii) यदि शेयर डीमैट मोड में हैं, तो कृपया डीपीआईडी-सीएलआईडी (16 अंकों का डीपीआईडी, सीएलआईडी या 16 अंकों का लाभार्थी आईडी), नाम, क्लाइंट मास्टर या समेकित खाता विवरण की प्रति, पैन (पैन कार्ड की प्रति स्व-सत्यापित स्कैन कॉपी), आधार (आधार कार्ड की प्रति की प्रति स्व-सत्यापित स्कैन कॉपी) प्रदान करें।

iii) यदि आप डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक हैं, तो आपसे अनुरोध किया जाता है कि आप (बिंदु संख्या ए.1) में बताई गई लॉगिन विधि, अर्थात् डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए लॉगिन विधि को देखें।

iv) सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली ई-वोटिंग सुविधा संबंधी सेबी के 9 दिसंबर, 2020 के परिपत्र के अनुसार, डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों को डिपॉजिटरी और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ बनाए गए डीमैट खाते के माध्यम से वोट करने की अनुमति है। ई-वोटिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए शेयरधारकों को अपने डीमैट खाते में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सही अपडेट करना आवश्यक है।

6. कंपनी में अपना ईमेल पता स्थायी रूप से पंजीकृत/अपडेट करने के लिए और भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक रूप से सभी संचार (नोटिस, वार्षिक रिपोर्ट और ई-वोटिंग निर्देश, यूजर आईडी और पासवर्ड के साथ) प्राप्त करने के लिए, कृपया नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन करें:

क. भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्य प्रथम शेयरधारक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अनुरोध पत्र, की स्कैन की गई प्रति के साथ shareholderquery@bhel.in को अथवा कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड को rta@alankit.com पर-मेल अनुरोध भेज सकते हैं, जिससे आरटीए उनका ई-मेल पता पंजीकृत कर सकेगा। अनुरोध पत्र में ईमेल, मोबाइल नंबर, पैन की स्व-सत्यापित प्रति एवं शेयर प्रमाणपत्र की एक प्रति होनी चाहिए।

ख. डीमैटीरियलाइज्ड मोड में शेयर रखने वाले सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के साथ अपने ईमेल पते को रजिस्टर/अपडेट करें।

ग. इस संबंध में किसी अन्य प्रश्न के उत्तर हेतु सदस्यों से अनुरोध है कि वे rta@alankit.com पर मेल लिखें या 011-42541234 पर कॉल करें।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

(सीआईएन: L74899DL1964GOI004281)

पंजीकृत कार्यालय: बीएचईएल, हाउस, सिरीफोर्ट, नई दिल्ली - 110049

फोन- 011-66337000, फेक्स: 011-66337428-110049

वेबसाइट: www.bhel.com, ईमेल: shareholderquery@bhel.in

प्रिय शेयरधारको,

पुनः राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक समाधान सेवाओं (एनईसीएस)/इलेक्ट्रॉनिक समाधान सेवाओं (ईसीएस) के माध्यम से लाभांश का भुगतान सेबी (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के अनुसार, सभी सूचीबद्ध कंपनियां लाभांश के भुगतान के लिए आरबीआई द्वारा अनुमोदित भुगतान सुविधा के किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मोड जैसे ईसीएस/एनईसीएस/डायरेक्ट क्रेडिट आदि का उपयोग करेंगी।

यदि आपने एनईसीएस/ईसीएस/बैंक खाते का विवरण हमारे रजिस्ट्रार कोअर्थात मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड या आपके डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) (डीमैट होल्डिंग के मामले में) नहीं भेजा है, से हम आपसे अनुरोध करेंगे कि उक्त विवरण नीचे दिए गए प्रारूप में उपलब्ध कराएं ताकि लाभांश के तत्काल सुरक्षित और सही भुगतान की सुविधा कंपनी से मिल सके।

कृपया सुनिश्चित करें कि आपके द्वारा रजिस्ट्रार/डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट को प्रस्तुत किए गए विवरण सही हैं क्योंकि इसमें किसी भी त्रुटि के परिणामस्वरूप लाभांश राशि गलत खाते में जमा हो सकती है।

आपकी बेहतर सेवा करने के इस प्रयास में कृपया हमारी मदद करें।

भवदीय



(राजीव कालड़ा)

कंपनी सचिव

पी.एस. यदि आपके पास डीमैट रूप में शेयर हैं, तो कृपया अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट को अपने बैंक खाते के विवरण/एनईसीएस/ईसीएस/डायरेक्ट क्रेडिट मैडेट पर ध्यान देने की सलाह दें।

एनईसीएस/ईसीएस मैडेट/बैंक खाता विवरण के लिए प्रपत्र

मैं/हम..... एतद्वारा बीएचईएल/अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागी को अधिकृत करते हैं

- ☐ मेरे/हमारे लाभांश वारंट पर निम्नलिखित विवरण प्रिंट करें
- ☐ एनईसीएस/ईसीएस/डायरेक्ट क्रेडिट द्वारा मेरे बैंक खाते में मेरी लाभांश राशि जमा करें (जो लागू न हो उसे काट दें)

मेरा/हमारा फोलियो नंबर और डीपी आईडी नंबर ग्राहक खाता संख्या

बैंक खाते का विवरण:

- क. बैंक का नाम :
- ख. ब्रांच का नाम :
(केवल मैडेट के लिए पता)
- ग. बैंक और शाखा का 9 अंकों का कोड नंबर, जैसाकि :
MICR चेक पर प्रदर्शित है :
- घ. आईएफएससी कोड :
- ड. खाते का प्रकार (बचत/चालू) :
- च. खाता संख्या जैसाकि बैंक बुक पर प्रदर्शित है :
- छ. शेयरधारक का टेलीफोन नंबर एसटीडी कोड सहित :

यदि एनईसीएस/ईसीएस लागू नहीं किया जा सका या बैंक किसी भी कारण से एनईसीएस/ईसीएस को बंद कर देता है तो मैं/हम कंपनी को जिम्मेदार नहीं ठहराएंगे।



मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड

यूनिट: बीएचईएल

4E/2, अलंकित हाउस, झंडेवालान एक्सटेंशन,

नई दिल्ली-110055

.....
शेयरधारक के हस्ताक्षर

कृपया (i) अपने बैंक द्वारा जारी किए गए चेक की फोटोकॉपी या आपके उपरोक्त खाते से संबंधित एक खाली केन्सिल किए गए चेक को 9 अंकों की कोड संख्या की सत्यता को सत्यापित करने के लिए संलग्न करें और (ii) इस फॉर्म के साथ अपने पैन कार्ड की एक प्रति संलग्न करें।

बैंकर्स लेखापरीक्षक एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट

बैंकर्स	लेखा परीक्षक
एक्सिस बैंक	राज हर गोपाल एंड कंपनी, नई दिल्ली
बैंक ऑफ बड़ौदा	तिवारी एंड एसोसिएट्स, नई दिल्ली
केनरा बैंक	एस.एल. छाजेद एंड कंपनी, एलएलपी, भोपाल
भारतीय निर्यात-आयात बैंक	पोनराज एंड कंपनी, त्रिची
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड	चंद्रन और रमन, बंगलुरु
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड	एम आनंदम एंड कंपनी, हैदराबाद
आईडीबीआई बैंक	गोपाल अयर एंड सुब्रमण्यन, चेन्नई
इंडियन बैंक	
इंडियन ओवरसीज बैंक	लागत लेखा परीक्षक
इंडसइंड बैंक	शोम एंड बनर्जी, दिल्ली
कोटक महिंद्रा बैंक	आर जे गोयल एंड कंपनी, दिल्ली
पंजाब नेशनल बैंक	केआरजे एंड एसोसिएट्स, हैदराबाद
आरबीएल बैंक लिमिटेड	एम. कृष्णास्वामी एंड एसोसिएट्स, चेन्नई
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	जे एच एंड एसोसिएट्स, बंगलुरु
भारतीय स्टेट बैंक	के बी सक्सेना एंड एसोसिएट्स, लखनऊ
फेडरल बैंक लिमिटेड	उपपलपति एंड एसोसिएट्स, विशाखापत्तनम
द हांगकांग एंड शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	
यस बैंक लिमिटेड	
	शेयर ट्रांसफर एजेंट
	अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड
	अलंकित हाउस, 4ई/2, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली
	—110055
	फोन: 011-42541234
	फैक्स: 011-23552001

पंजीकृत कार्यालय

बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली-110049(भारत) सीआईएन: एल74899डीएल1964जीओआई004281

फोन :011-66337000,फैक्स:011-66337428

वेबसाइट : www.bhel.com E-mail: shareholderquery@bhel.in

टिप्पणी

[illegible]

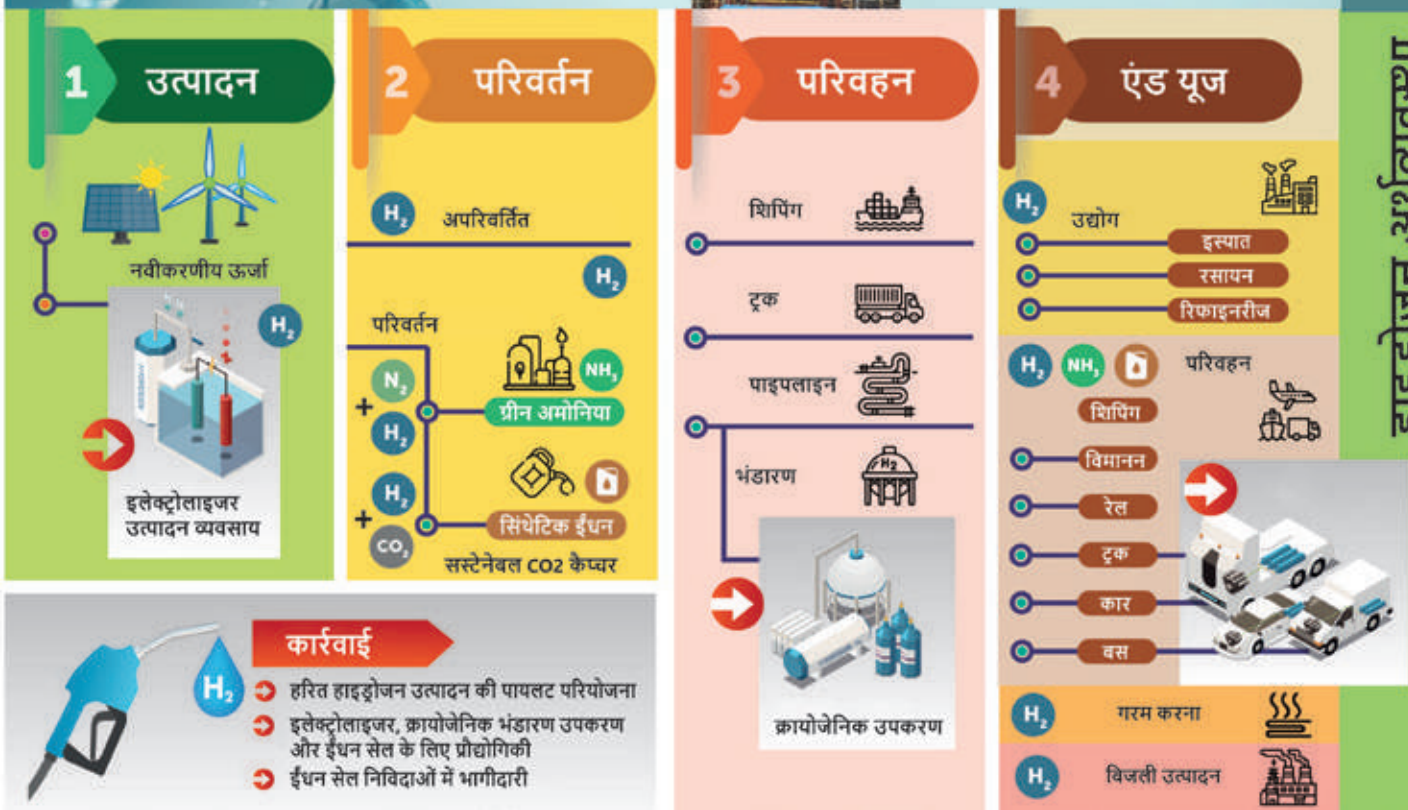
[illegible]



दीर्घकालिक फोकस - उभरती तकनीकें



कोल टू केमिकल



हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था

कार्रवाई

- हरित हाइड्रोजन उत्पादन की पायलट परियोजना
- इलेक्ट्रोलाइजर, क्रायोजेनिक भंडारण उपकरण और ईंधन सेल के लिए प्रौद्योगिकी
- ईंधन सेल निविदाओं में भागीदारी

बीएचईएल को 'मेड इन इंडिया' के अंतर्गत निर्मित पहले विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रान्त के साथ जुड़ने पर गर्व है। यह भारतीय नौसेना और कोचीन शिपयार्ड द्वारा डिजाइन और निर्मित सबसे बड़ा और सबसे जटिल भारतीय युद्धपोत है।

**बीएचईएल -
रक्षा क्षेत्र में राष्ट्र को आत्मनिर्भर
बनाने में योगदान कर रहा है**



आईएनएस विक्रान्त बीएचईएल-जीई एवियो द्वारा आपूर्ति किए गए एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली (आईपीएमएस) से युक्त है।



भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: बीएचईएल हाउस, सिरी फोर्ट, नई दिल्ली - 110049

कॉर्पोरेट पहचान संख्या: L74899DL1964GOI004281

www.bhel.com

Follow us on



BHELOfficial



BHEL_India



BHEL_India



bhel.india



company/bhel